प्रकाशक	सचालक सेवा मदिर रावटी, जोधपुर 342 024
वितरक	सत्साहित्य वितरण केन्द्र सेवा मन्दिर रावटी, जोधपुर 342 024 (राजस्थान) भारत
मुद्रक	राजश्री प्रिन्टिंग प्रेस, नागौरी द्वार के अन्दर जोधपुर 342 002
सस्करण	प्रथम प्रवेश
वर्ष	विक्रम सवत् 2045, वीर सवत् 2514, शक संवत् 1910, ईस्वी सन् 1988
प्रति	**500**
पृष्ठ	**552**
आकार	रॉयल ऑक्टेव (20 × 30 आठ पेजी)

मूल्य		रु०
	कागज (20 × 30 मेपलीयो 13 6 Kg) 37 रीम	8,000
	कपोजिंग, छपाई व प्रूफरीडिंग 69 फर्मे	13 000
	जिल्द बधाई व भाडा तोडा	5 000
	कुल व्यय	26,000
	1 प्रति की लागत	52 00
	विक्रय मूल्य चौथाई	रु 13 50

निवेदन

1 पुस्तक विक्रेता अपना नफा/खर्चा अतिरिक्त लेगा।

2 प्राक्कथन में दिये सकेत अवश्य पढें।

3 पुस्तक के अन्त मे अशुद्धियो का शुद्धि पत्र छपा है।

4 इस पुस्तक पर किसी भी प्रकार का अधिकार प्रकाशक ने स्वाधीन नही रखा है।

5 पात्रता देखकर ही पुस्तक दी जावेगी।

— विषय सूची —

० प्राक्कथन ०

सेवामन्दिर जोधपुर के रावटी स्थित जिनदर्शन प्रतिष्ठान द्वारा देश के इस भू-भाग मे आये जैन ज्ञान भण्डारो मे और यत्र तत्र बिखरे पडे हस्तलिखित ग्रन्थो के बारे मे कुछ वर्षो से एक परियोजना क्रियान्वित की जा रही है जिसके कतिपय पहलू निम्न प्रकार है—

(i) आधुनिक ढग से इन ग्रंथो का पूर्ण वीगतवार सूचीकरण और उन सूची पत्रो का मुद्रण;

(ii) ग्रन्थो का सग्रहण और भण्डारो का विलीनीकरण,

(iii) अतिप्राचीन, जीर्ण, प्रथम आदर्श, अद्यावधि अमुद्रित, दुर्लभ, सचित्र, अत्यन्त शुद्ध सशोधित या अन्यथा महत्वपूर्ण ग्रन्थो का फोटु प्रतिबिम्ब या फील्मीकरण;

(iv) ग्रन्थो के वैज्ञानिक ढग से भण्डारीकरण एव सरक्षण हेतु आवश्यक सलाह, सहायता व साधन सामग्री का वितरण।

इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक निम्न ज्ञान भडारो से लगभग एक हजार चार सौ हस्तलिखित ग्रन्थ रावटी भण्डार मे आ गये है—

(i)	यशोसूरि व केशरगणि ज्ञान भण्डार श्री महावीरजी जैन मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर	833 प्रतिया
(ii)	श्री मुनिसुव्रत स्वामी जैन मन्दिर क्षेत्रपाल चबूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर	317 प्रतिया
(iii)	श्री तिंवरी मन्दिरजी, श्री देवेन्द्र मुनि, श्री प्रकाशजी बाफणा व अन्यो से भेंट/क्रय 19 129 86 4	238 प्रतिया
	योग	1388 प्रतिया

सूचीकरण व सूची पत्रो के मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम ग्रन्थ के रूप मे जैसलमेर के पाच ज्ञान भण्डारो का सूचीपत्र मुद्रित होकर प्रकाशित किया जा रहा है और द्वितीय ग्रन्थ के रूप मे जोधपुर शहर के निम्न जैन मन्दिरो के ज्ञान भडारो का यह सूचीपत्र तैयार होकर प्रकाशित किया जा रहा है।

		सूचीपत्र मे स्रोत सकेत
(i)	श्री केशरियानाथजी मन्दिर दफ्तरियो का मोहल्ला मोती चौक जोधपुर	के०—
(ii)	श्री चिंतामणि पार्श्वनाथजी मन्दिर कोलडी, नवचौकिया जोधपुर	को०—
(iii)	श्री कुथुनाथजी का मन्दिर सिंघियो का मोहल्ला जोधपुर	कु०—
(iv)	श्री वर्द्धमान जैन मन्दिर तीर्थ ओसिया जिला जोधपुर तथा उपरोक्तानुसार रावटी मे स्थानान्तरित	ओ०—
(v)	श्री महावीर स्वामी मन्दिर पुरानी मण्डी जोधपुर	म०—
(vi)	श्री मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर क्षेत्रपाल चबूतरा पुरानी मण्डी जोधपुर	मु०—
(vii)	श्री सेवामन्दिर रावटी भण्डार के अन्य ग्रन्थ	से०—

इस सूची पत्र मे 7,350 ग्रन्थो का सूचीकरण किया गया है और जैसा कि सूची पत्र के अवलोकन से स्पष्ट है अधिकतर ग्रन्थ पन्द्रहवी शताब्दी के बाद के ही है। इसका कारण है कि जोधपुर शहर विक्रम सवत् 1516 मे ही बसाया गया था और उसके बाद ही ये भडार स्थापित हुवे हैं। ओसिया मन्दिर का भण्डार भी

अधिक पुराना नही है। इन भण्डारो की स्थापना का विशेष कोई इतिहास प्राप्य नही है। श्री महावीर स्वामी मन्दिर के भण्डार खरतर गच्छ के आचार्य श्री यशसूरिजी व उनके शिष्य श्री केशरगणि द्वारा विक्रम की 20वी शताब्दी मे व्यवस्थित रूप से सकलित किये गये थे। केवल श्री कुथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार को छोडकर (जो कि पायचन्द गच्छ के आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी द्वारा स्थापित किया हुआ प्रतीत होता है) बाकी के सब भण्डार जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ की आम्नाय वालो द्वारा स्थापित व व्यवस्थित है और इसी कारण प्राय करके सभी भण्डारो के ग्रन्थ एक सरीखे ही हैं।

यह सूची पत्र किस प्रकार बनाया गया है तत्सम्बन्धी जानकारी व स्पष्टीकरण निम्नलिखित "सकेत" मे दिये जा रहे है इस सूची पत्र का सही रूप मे उपयोग हो सके उस वास्ते उस लेख को ध्यान पूर्वक पूरा पढ लेना अनिवार्य है। उस पर भी यदि मुद्रित जानकारी व सूचना से किसी ग्रन्थ के बारे मे पाठक वृन्द को सतोष न हो, शका हो या विशेष जिज्ञासा हो तो प्रार्थना है कि हमसे सम्पर्क करें। प्रति आदि उपलब्ध कराने मे और उन्हे हर प्रकार से सहयोग देने मे हम हमारा अहोभाग्य समझेंगे।

---

० संकेत ०

मोटे तौर पर यह सूचीपत्र प्रचलित केटेलोगस केटेलोगोरम (Catalogus Catalogorum) पद्धति व भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रपत्रानुसार बनाया गया है। ग्रन्थो का विभागीकरण विषय सूची के अनुसार है। वह भी लगभग सरकारी विषय विभाजन से मेल खाता है। चूकि यह सूची पत्र जैन ज्ञान भण्डारो का है इसलिये इसमे जैन ग्रन्थो की बहुतायत है। यद्यपि सरकारी प्रपत्र के अनुसार सभी प्रकार के जैन ग्रन्थो को केवल एक ही भाग नम्बर सातवें मे डाला जाता है परन्तु हमने आवश्यक समझकर इन जैन ग्रन्थो को चार भागो (1 से 4) मे बाटा है जिनके पुन क्रमश 2+2+3+2 कुल मिलाकर 9 विभाग किये हैं और पहिले भाग के दूसरे विभाग के पाच उप विभाग किये है। अत भाग 1 से 4 तक सभी विभाग व उपविभाग मिलकर सरकार द्वारा निर्धारित सातवें भाग के ही अन्तर्गत आते है। भाग 5 जैनेत्तर धार्मिक ग्रन्थो का है जिसमे सरकार द्वारा निर्धारित भाग 1 से 10 (केवल उपरोक्त भाग 7 छोडकर) इन 9 भागो के ग्रन्थो का समावेश है और उन्हे क्रमश (अ) से (ओ) तक विभाजित कर दिया है। इसी प्रकार इस सूची पत्र के भाग 6, 7, 8 और 9 मे क्रमश सरकारी निर्धारित भाग 11, 12 से 16, 23 व 24 के ग्रथो को अलग-अलग दिखा दिया है। और चूकि भाग 17 से 22 व 25 तक के ग्रन्थ बिल्कुल थोडे है अत उन्हे इसे सूचीपत्र के अन्तिम भाग 10 मे अवर्गीकृत शेष रूप मे दिखा दिया गया है।

जैन ग्रन्थो के भाग विभाग व उपविभाग के शीर्षको को देखने से सारा विभाजन लगभग स्पष्ट हो जावेगा। हम आगमो की सख्या के विवाद मे नही पडना चाहते है और जो कोई भी ग्रन्थ किसी भी सम्प्रदाय द्वारा आगम माना जाता है वह हमने आगम मे ले लिया है। चू कि साम्प्रदायिक खण्डन मण्डन विशेषकर धार्मिक क्रिया काण्ड से सम्बन्ध रखते है अत इसे उस भाग का ही एक विभाग बना दिया है।

तथा अमुक ग्रन्थ किस विभाग मे डाला जाना चाहिये इस बारे मे कई बार एक से अधिक मत सभव होते है अथवा एक ही ग्रन्थ मे विविध प्रकार की विषय वस्तु होती है अत एक दम निर्विवाद शुद्ध विभाजन असभव है और जो विभाजन किया गया है उसके लिये एकान्त रूप से हमारा आग्रह भी नही है।

सूचीपत्र के स्तम्भो मे दी गई सूचना को मुख्यत दो भागो मे बाट सकते है—कुछ स्तम्भो की वीगत तो उस ग्रन्थ से सम्बन्ध रखती है और कुछ स्तम्भो की वीगत उस प्रति विशेष से ही सम्बन्धित है। अब हम प्रत्येक स्तम्भ का थोडा विश्लेषण करना उपयुक्त समझते हैं—

स्तम्भ 1—क्रमाक :—

इसमे हमने विभागीय, या जहाँ है वहाँ उपविभागीय क्रमाक दिया है। सामान्य अनुक्रमाक सारे ग्रथ तक एक ही चालू रखा जा सकता था परन्तु हमारी राय मे विभागीय सख्या का महत्व अधिक है और मुद्रण आदि मे सुविधाजनक भी है। वैसे विषय सूची मे कुल प्रतियो की सख्या का योग आ ही गया है। साधारणतया हर प्रति की अलग प्रविष्टि करके विभागीय क्रमाक दे दिया गया है। परन्तु कई ग्रथो की अर्वाचीन प्रतियाँ जो अति सामान्य है और पाठ भेद आदि दृष्टियो से महत्वहीन है उनकी प्रविष्टि एक साथ कर दी गई है लेकिन वहा भी जितनी प्रतिया है उतने क्रमाक दे दिये है। (देखिये पृष्ठ 170 सिंदूर प्रकर सात प्रतियें एक साथ मे क्रमाक 1201 से 1208)। इस तरह सूची पत्र को अनावश्यक रूप से बडा नही होने दिया है। इसके विपरीत जिस सयुक्त प्रति मे एक से अधिक उल्लेखनीय ग्रन्थ हैं उन सभी ग्रन्थो की अलग अलग प्रविष्टिया विभागानुसार अकारादिक्रम से वीगतवार यथा-स्थान कर दी है और क्रमाक दे दिये हैं। और चू कि ऐसी प्रत्येक प्रविष्टि मे पन्नो की सख्या पूरी प्रति की ही लिखी है, जो भ्रमोत्पादक न हो जाए इसलिये पन्नो की सख्या पर * तारे का चिन्ह लगा दिया है। तथा जहाँ आवश्यक समझा गया है वहाँ सयुक्त प्रति के प्रथम ग्रन्थ की प्रविष्टि देखने की सूचना कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त कई प्रतियाँ विशेषत स्तवन मत्रादि एक दो पन्नो के अति लघु ग्रन्थ होते हैं। तथा प्रत्येक भण्डार मे कई सारे पन्ने स्फुट और त्रुटक भी होते है और कई गुटके भी होते है जिनमे बहुत सी छोटी-मोटी कृतियो का सकलन होता है। हमने इन सब लघु ग्रन्थो, स्फुट व त्रुटक पन्नो और गुटको की पूरी छानबीन करके जो मुख्य या सकलनीय रचनायें प्रतीत हुई उनकी तो अलग अलग प्रविष्टिया कर दी है, तथा बाकी बचे हुए इन अमहत्वपूर्ण व अनुल्लेखनीय लघु ग्रन्थो व पन्नो को मिलाकर एक ही क्रमाक पर विभागानुसार अत मे प्रविष्टि कर दी है। कदाचित् विषय की अधिक गहराई मे जाने वाले के लिए इन लघुकृतियो व स्फुट त्रुटक व अपूर्ण पन्नो की उपयोगिता हो सकती है। इसी प्रकार गुटको को भी क्रमाक देकर अलग से भी प्रविष्टि कर दी है। इस तरह हमने भण्डार की समस्त प्रतियो पूर्ण या अपूर्ण, गुटको तथा स्फुट पन्नो व त्रटक या लघु ग्रन्थो आदि सबको सूची पत्र मे ले लिया है—बाहिर कुछ भी नही छोडा है।

स्तम्भ—2—स्रोत परिचयाङ्क :—

चू कि यह सूचीपत्र केटेलोगम केटेलोगोरम पद्धति से बनाया गया है अत इस स्तम्भ की आवश्यकता है ताकि ग्रथ उपलब्धि आसानी से की जा सके। भडारो के सूचक अक्षरो का स्पष्टीकरण सुगम्य है—यथा

ओ०—1 अ 16	=	ओसिया के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
कु०—47/3	=	श्री कुथुनाथजी के मन्दिर के भण्डार की पोथी सैंतालीस प्रतिसख्या तीन
के०—2/4	=	श्री केशरियानाथजी के भण्डार की 2 नम्बर की पेटी की चौथी प्रति
को०—1	=	कोलडी श्री पार्श्वनाथजी मन्दिर के भण्डार की एक नम्बर की प्रति
म०—1 अ 1	=	श्री महावीर स्वामी मदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
मु०—1 अ 46	=	श्री मुनिसुव्रत स्वामी मदिर के भण्डार की इस नम्बर की प्रति
से०—1 अ 58	=	सेवामन्दिर रावटी भण्डार की इस नम्बर की प्रति

स्तम्भ 3—ग्रन्थ का नाम —

जैन आगम भाग को छोडकर प्रत्येक विभाग के ग्रन्थो को अकारादिक्रम से लिखा गया है और इसलिये सूचीपत्र मे उल्लेखित ग्रन्थो को पुन. परिशिष्ट मे अकारादिक्रम से सजाने की विशेष आवश्यकता नही समझी गई है।

जैन आगम ग्रन्थो को जैन मान्यतानुसार अगसूत्र और अगबाह्य सूत्र (पाच उप विभागो मे विभाजित) का जो क्रम नियत है तदनुसार लिखा गया है और यह विषयसूची से स्पष्ट हो जाता है।

लेकिन विभागीकरण की तरह नामकरण मे भी एकरूपता नही हो सकती क्योकि भिन्न-2 अक्षर सयोजना मे ग्रन्थनाम का प्रथम अक्षर भी भिन्न हो जाता है। उदाहरण स्वरूप "गौडी पार्श्व स्तोत्र" और "चिंतामणि पार्श्व स्तोत्र" को हमने क्रमश "पार्श्व (गौडी) स्तोत्र" और पार्श्व (चिंतामणि) स्तोत्र ऐसा नाम देकर दोनो स्तोत्रो को अक्षर "पा" के नीचे सकलित करना अभीष्ट समझा है। कई बार एक ग्रन्थ विद्वत् जगत् मे एक से अधिक नामो मे प्रचलित होता है जैसे 'दर्शन-सत्तरी' को 'सम्यक्त्व सत्तरी' भी कहते हैं और विचार षट्त्रिंशिका "चतुर्विंशतिदण्डक" चौवीसदण्डक" या केवल "दण्डक" के नाम से भी प्रसिद्ध है। उपरोक्त कठिनाइयो से उत्पन्न समस्याओ के निराकरण हेतु पाठको से और विशेषतया शोधार्थी पाठको से हमारा निवेदन है कि अभिलषित ग्रन्थ की प्रविष्टि के बारे मे निराश होने के पहले सभावनीय विविध विकल्पो के अनुसार सूचीपत्र को अच्छी प्रकार से ढूंढें तथा लेखक परिशिष्ट की भी मदद लें। इस वास्ते पूरी विषय सूची को हृदयगम करके तथा प्रविष्टि के सभी स्तम्भो को देखना व इस 'प्राक्कथन सकेत' को भी ध्यान पूर्वक पढना आवश्यक है। सूची पत्रो मे विभागीकरण, विषय सूची, प्रकारादिक्रमणिका इत्यादि सुविधा के हेतु हैं परन्तु प्रमादवश उसे ही एक मात्र आधार या बहाना बना लेंगे तो विद्यमान होते हुवे भी ग्रन्थ हाथ नही लगेगा।

स्तम्भ 3 A —

इसमे ग्रन्थ का नाम रोमन लिपि मे दे दिया है ताकि देवनागरी लिपि न जानने वालो को कुछ सुविधा हो जाय। तथा उनकी सहुलियत के लिये ही सूची पत्र मे सर्वत्र भारतीय अको का अन्तर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग मे लिया गया है।

स्तम्भ 4—ग्रन्थ कर्त्तादि का नाम —

इस स्तम्भ मे ग्रन्थकार का नाम व उसके गुरु या पिता का नाम और उसकी आम्नाय भी दे दी गई है ताकि पूरा नाम परिचय हो जावे। यदि ग्रन्थ वृत्ति आदि सहित होने से दो अथवा दो से अधिक लेखको की कृति है तो उन दोनो या सबका नाम व परिचय दिया गया है। उनमे क्रमानुसार प्रथम नाम मूल लेखक का है और/करके आगे वृत्तिकार आदि का नाम लिखा गया है। जहाँ लेखक का नाम प्रति मे नही है वहाँ स्तम्भ को खाली ही रखा है। लेकिन जहाँ पक्का निश्चय हो गया है कि लेखक का नाम मिलने वाला नही है वहाँ 'अज्ञात' शब्द लिख दिया है। कही-कही साथ मे ग्रन्थ की रचना के वर्ष का उल्लेख भी किया है यद्यपि अच्छा यह रहता कि रचना समय की जानकारी एक स्वतन्त्र स्तम्भ मे दी जाती।

स्तम्भ 5—स्वरूप :—

इस स्तम्भ मे सूचना दो दृष्टिकोणो से दी गई है। प्रथमत यह बताया गया है कि ग्रन्थ गद्य या पद्य या चपू या नाटक या सारिणी या तालिका या यत्र आदि किस प्रकार का है तथा दूसरे मे यह बताया गया है कि ग्रन्थ का स्वरूप क्या है—मूल, निर्युक्ति चूर्णि, भाष्य, वृत्ति, दीपिका, अवचूरि, टब्बा (स्तवक), बालावबोध, वाचना, अन्तर्वाच्य, व्याख्यान, टीका, विवरण, स्वोपज्ञ विवृत्ति आदि किस किस्म या जाति का है। प्राय करके प्रकार या स्वरूप को दर्शाने वाले उपरोक्त शब्दो के प्रथम अक्षर को लिख दिया है जिसका तात्पर्य उस शब्द से लगा लेना चाहिये। बहुधा एक ही प्रति मे दो किंवा दो से अधिक स्वरूप साथ मे हैं तो वहाँ उतने सकेत दे दिये हैं तथा ग्रन्थ का नाम लिखते हुवे भी कही-कही यह उल्लेख कर दिया है। उदाहरण —"प्रवचन सारोद्धार सहवृत्ति" मू (प)+वृ (ग)=अर्थात् मूल पद्य मे तथा वृत्ति सहित जो गद्य मे है।

सामान्य पाठक की सुविधा के लिये ग्रन्थो के स्वरूप का स्पष्टीकरण दे देना उचित होगा जो निम्न प्रकार है।

मू = मूल (Bare Text)

अर्थात् ग्रन्थ का मूल पाठ मात्र है।

नि० = निर्युक्ति (Explication)

जो निश्चित रूप से समग्रता व अधिकता को लिये हुवे, सूत्र मे अभिहित, अन्तर्निहित सकेतित या स्थित है उन जीव अजीव आदि विषयो के अर्थो को भली प्रकार परस्पर वाच्य वाचक सम्बन्ध पूवक प्रकट करने के उपाय को (युक्ति योजना या घटना को) निर्युक्ति कहते है।

यद्यपि सूत्र मे अर्थ बीज रूप मे वर्तमान है तो भी शिष्यो के लिए उसका रहस्योद्घाटन या विश्लेषण करना द्विभाषण नही है, तथापि निर्युक्तिकार अधिकारक विद्वान है। सभी निर्युक्तियाँ प्राकृत भाषा की पद्य मय रचनाये है। निक्षेप उपोद्घात व सूत्रस्पर्शिक ये तीन इसके प्रकार है। निर्युक्ति निरुक्त से भिन्न होती है और कई आचार्य इसके दो भेद भी करते है—स्पर्श निर्युक्ति व निश्चयेन उक्ति।

भा० = भाष्य (Treatise)

मूल ग्रन्थ पर वह विशद रचना जिसमे प्राय भाष्यकार का स्वय का भी अर्थपूर्ण योगदान होता है भाष्य कहलाता है।

यह प्राय पद्य शैली मे लिखा जाता है और मूल ग्रन्थ की सपूर्ण विषय वस्तु की विभिन्न दृष्टियो से समीक्षा भी की जाती है।

चू० = चूर्णि (Exegesis)

मूल सूत्र की जो गद्य शैली व सरल भाषा मे विस्तार सहित अध्येता को हृदयगम कराने के लिये अभिव्यक्ति की जाती है उसे चूर्णी (या चूर्णि) कहते है।

चूर्ण धातु 'पेषण' के अर्थ मे है अर्थात् सूत्रो का चूरा करके सुग्राह्य व सुपाच्य बना दिया जाता है।

वृ० = वृत्ति (Exposition)

वृत्ति एक वह उपयोगी व महत्त्वपूर्ण विवेचन है जिसके माध्यम से शब्दार्थ सह अनुगामिनी व्याख्या द्वारा मूल लेखक का सपूर्ण अभिप्राय निष्ठापूर्वक हेतु नय, शकासमाधान आदि सम्मेत स्पष्ट कर दिया जाता है।

यद्यपि वृत्ति व चूर्णि शब्द का प्रयोग एक दूसरे के लिये कर दिया जाता है तो भी सामान्य पाठक के लिये यह सूचना है कि समस्त चूर्णि साहित्य (अल्प सस्कृत मिश्रित) प्राकृत भाषा मे ही उपलब्ध है जबकि सारी प्रचलित वृत्तिया सस्कृत मे हैं।

दी० = दीपिका (Illuminant)

यथानाम दीपक की तरह मूल ग्रन्थ पर लघु प्रकाश डालने वाली रचना को दीपिका कहते है।

प्राय करके वृत्ति की पश्चात्वर्ती होती है और भावानुवाद द्वारा उसमे रही हुई जटिलता का यह निराकरण व सरलीकरण भी करती है।

अ० = अवचूरि (Elucidatory Version)

मूल ग्रन्थ के उस (प्राय करके संस्कृत) रूपान्तर को अवचूरि कहते हैं जिसमे बिना विस्तार के भी भावार्थ फूल की तरह खिल जाता है। अव शब्द अनुगामी के अर्थ मे है मोटा चूर्ण ही किया जाता है।

वा० = वाचना (Discourse)

शास्त्र सिखाने हेतु स्वाध्यायी को पाठ रूप मे जो वाचना गुरु द्वारा दी जाती है उसे वाचना कहते हैं। इसे देशी भाषा मे 'वखाण' कह सकते है जिसमे व्याख्या व प्रशसा दोनो का समावेश हो जाता है।

व्या० = व्याख्यान (Lecture)

तदर्थ बुलाई गई सगोष्ठी मे उस विषय पर ज्ञानकृत ढग से दिये गये भाषण को व्याख्यान कहते हैं।

टि० = टिप्पणक (Annotation)

ग्रन्थ का खुलासा करने के लिये जो पद-टिप्पणिया की जाती है उन्हे टिप्पणक कहते है।

चू० = चूलिका (या चूडा (Excursus)

सूत्र सम्बन्धित या सूचित अर्थ की विशेष प्ररूपणा के लिए विशिष्ट सग्रह जो बहुधा ग्रन्थ के अन्त मे जोडा जाता है चूलिका या चूडा कहा जाता है। पहाड की चोटी के सदृश मानो ग्रन्थ पर कलश हो।

प० = पजिका (Expansion)

मूल ग्रन्थ के कतिपय अशो का सारयुक्त विवेचन पजिका कहलाता है। पजिका = पदभजिका।

टी० = टीका (Commentary)

आलोचना समालोचना करते हुए किसी भी ग्रथ के तात्पर्य को बीगतवार व विस्तृत रूप से प्रकट करने वाले प्रबन्ध को टीका कहते हैं।

बा० = बालाविबोध (Vernacular)

साहित्यिक भाषा मे लिखे गये मूल ग्रन्थ का वह सस्करण जो देशी बोलचाल की भाषा मे व्यक्त किया जाता है बालाविबोध (बालाभिबोध बालावबोध, बालबोध) कहलाता है ताकि सामान्य जन भी उसका लाभ उठा सके।

ट० = टब्बार्थ (Gloss)

पुरानी हस्तलिखित प्रतियो मे अल्पपरिचित शब्दो या पदो के निर्वचन या भावार्थ की बहुधा उस प्रति मे ही मूल इबारत के ऊपर सरल भाषा मे (या देशी बोली मे) की गई सक्षिप्त लिखावट को टब्बार्थ कहा जाता है। ऐसे स्पष्टीकरण को स्तवक भी कहते हैं।

स्वो० = स्वोपज्ञवृत्ति (Own Dilation)

अपने ग्रन्थ को और अधिक सुबोध बनाने के लिये जब मूल लेखक स्वय उस पर वृत्ति (या भाष्य आदि) लिखकर विस्तार करता है तो उसे स्वोपज्ञ वृत्ति (या भाष्यादि) कहते हैं।

दु० = दुर्ग पद पर्याय (या विषम पद बोध आदि) (Terminology Made-easy)

ग्रन्थ मे आये हुवे कठिन या दुर्गम्य शब्दो या पदावली का सरल भाषा मे निर्वचन, परिभाषा अथवा अर्थ कथन, दुर्ग पद पर्याय कहा जाता है।

अन्त० = अन्तर्वाच्य (Intervenient)

वाचना मे पूरक रूप से बाह्य वस्तु का समावेश कर परिवर्द्धन करना अन्तर्वाच्य है। 'प्रक्षिप्त'' तो मूल पाठ का भाग ही बना दिया जाता है —अन्तर्वाच्य उससे भिन्न है।

अनु० = अनुवाद (Translation)

ग्रन्थ की मूल भाषा को न जानने वालो के लिए भाषान्तर द्वारा ग्रन्थ के शुद्ध स्वरूप का उनकी भाषा मे प्रस्तुतिकरण अनुवाद कहलाता है।

व्याख्या = (Explanation)

मूल कृति के मर्म को आसानी से समझा देने वाली ग्रन्थ पद्धति की सामान्य सज्ञा व्याख्या है। शास्त्रीय दृष्टि से इसके 6 अग होते है —सहिता पदच्छेद, पदार्थ, पदविग्रह, चालना और प्रत्यावस्था।

वि० = विवरण (Narration)

विवरण शब्द सामान्य न कि विशेष पारिभाषिक, अर्थ मे ही प्रचलित है। अलबत्ता वृत्ति के लिए इसका प्रयोग अधिक होता है।

यद्यपि उपरोक्त परिभाषाये दी गई है तो भी वे कोई कठोर निश्चयात्मक नही है एक ग्रन्थ एक से अधिक परिभाषाओ के अन्तर्गत आ सकता है। अत हमने भी ग्रन्थकार ने जैसा अपने ग्रन्थ को कहा है वैसा ही मान लिया है।

स्तम्भ 6– विषय सकेत —

यद्यपि मोटे रूप मे विभागानुसार विषय सकेत हो जाता है तो भी इस स्तम्भ मे ग्रन्थ की विषय वस्तु का अति संक्षिप्ततम साराश परिचय रूप मे दिया है जो पाठको के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

स्तम्भ 7– भाषा —

ग्रन्थ प्राकृत, सस्कृत अपभ्र श आदि जिस भाषा मे लिखा गया है उस भाषा को या तो प्रथम अक्षर से दर्शाया गया है और नही तो भाषा का पूरा नाम लिख दिया है।

इस प्रकार—	प्रा० = प्राकृत	डि० = डिङ्गल	रा० = राजस्थानी
	स० = सस्कृत	हि० = हिन्दी	मा० = मारुगुर्जर
	अ० = अपभ्र श	गु० = गुजराती	के बोधक है।

जहाँ ग्रन्थ (मूल+वृत्ति आदि) एक से अधिक भाषा मे है वहाँ उन सभी भाषाओ को बता दिया है। मिश्रित होने से कई बार ग्रन्थ की भाषा क्या है इस बारे मे मतभेद भी हो सकता है जैसे 'जयतिहुअण' स्तोत्र को कई लोग प्राकृत की रचना कहते हैं तो कई उसे अपभ्र श की। जिन ग्रन्थो की भाषा को हमने 'मारु गुर्जर' की सज्ञा दी है उस बारे मे स्पष्टीकरण करना चाहेगे।

पश्चिमी राजस्थान व गुजरात इस भू-भाग की भाषा विक्रम की लगभग 18वी शताब्दी तक प्राय एक सी ही रही है और उसमे विपुल साहित्य रचा गया है। अपभ्र श भाषा के काल के बाद, प्रदेश की इस भाषा को क्या नाम दिया जावे इस बारे मे विद्वान एक मत नही है। चू कि विगत दो ढाई शताब्दियो से राजस्थानी व

गुजराती भिन्न-भिन्न भाषाओं के रूप में उभरी हैं अतः उस प्रभाव में आकर प्रादेशिक व्यामोह के कारण 13वीं से 18वीं इन 5-6 शताब्दियों में रचे गये ग्रन्थों की भाषा को कई लोग तो गुजराती या प्राचीन गुजराती कहते हैं और कई लोग राजस्थानी कहते हैं। उदाहरण स्वरूप अहमदाबाद (गुजरात) से छपे सूचीपत्रों में श्री समय सुन्दरजी के ग्रंथों की भाषा को स्व. आगमप्रभाकर मुनि पुण्यविजयजी ने गुजराती बताई है, जबकि जोधपुर (राजस्थान) से छपे सूची पत्रों में उन्हीं ग्रन्थों की भाषा स्व. पद्म श्री मुनि जिनविजयजी ने राजस्थानी बताई है। इस समग्र भू-भाग में विचरण करने वाले होने के कारण जैन साधुओं द्वारा रचित जैन साहित्य में तो यह भाषा एकता व साम्य इतना अधिक है कि भाषा भेद की कल्पना ही हास्यास्पद लगती है। ग्रन्थकर्ता ने स्वय की बोली में रचना की, उस बोली को पराई संज्ञा देकर अन्याय नहीं करना चाहिये, अतः उस भाषा विवाद में न पड़कर हमने मध्यम मार्ग का अनुसरण करना ही श्रेयस्कर समझा है और कुवलयमाला नामक प्रसिद्ध ग्रन्थ में सुझाये गये 'मारु गुजर' नाम से इस भाषा को बताया है जिसमें 19वीं शताब्दी से पूर्व की लगभग 5-6 शताब्दियों की उस भू-भाग की बोलचाल किंवा साहित्यिक भाषा का समावेश हो गया है।

इस प्रकार उपरोक्त सात स्तम्भों में ग्रंथ संबंधी जानकारी के संकेतों का स्पष्टीकरण के बाद अब उन स्तम्भों का विवेचन किया जाता है जो मुख्यतः प्रस्तुत प्रति से ही सम्बन्धित है।

स्तम्भ 8– पत्रों की संख्या—

इस स्तम्भ में प्रति के कुल पत्रों की शुद्ध संख्या जो है वह लिख दी गई है जिसको द्विगुणित करने से पृष्ठों की संख्या आ जाती है। यथा संभव पत्रों को गिनकर सही संख्या लिखी गई है और बीच में जो पत्रे कम हैं अथवा अतिरिक्त हैं उन क्रमांकों की टिप्पणी दे दी गई है। अधूरी या अपूर्ण तथा कहीं-कहीं त्रुटक प्रति के भी पत्रों के क्रमाङ्क जो उपलब्ध है अथवा कम हैं वीगतवार लिख दिये हैं। जहां एक से अधिक प्रतियों की प्रविष्टि एक साथ की गई है वहां प्रत्येक प्रति के पत्रों की संख्या अलग-अलग लिखी गई है जिनका क्रम विभागीय क्रमांकानुसार है ऐसा समझ लेना चाहिये।

स्तम्भ 8A– नाप —

इस स्तम्भ में प्रति के बारे में चार प्रकार से सूचना दी गई है। पहिली संख्या प्रति की लम्बाई और दूसरी संख्या प्रति की चौड़ाई दर्शाती है जो दोनों सेन्टीमीटरों में है। तीसरी संख्या प्रतिपृष्ठ (न कि प्रति पत्रे में) कितनी पंक्तियां हैं, यह बताती है और चौथी संख्या प्रति पंक्ति औसतन कितने अक्षर हैं, यह दिखाती है। चारों संख्याओं को इसी क्रम से लिखा है और उन्हें अलग-2 करने हेतु सुविधा के लिये बीच में '×' निशान लगा दिया है। जहां ग्रन्थ केवल यन्त्र तालिका स्वरूप ही है वहां लकीरों व अक्षरों की संख्या नहीं दी है। तथा जहां प्रति पचपाटी (अर्थात् बीच में मूल ग्रंथ व उसके चारों ओर वृत्ति आदि लिखी हुई) या टब्बार्थ सहित है वहां पंक्तियों व अक्षरों की संख्या मूल की ही दी है। जहां एक से अधिक प्रतियों की प्रविष्टि एक साथ में की गई है वहां केवल प्रतियों की लम्बाई चौड़ाई ही दी है और वे भी जब प्रति प्रति भिन्न है तो लम्बाई व चौड़ाई दोनों की लघुतम व दीर्घतम दो-दो संख्यायें लिख दी गई है। दृष्टांत—भाग 3 (आ) भक्तामर स्तोत्र 5 प्रतियों की प्रविष्टि के सामने 24 से 27 × 12 से 13 लिखने का तात्पर्य यह है कि इन पांचों प्रतियों की लम्बाई भिन्न भिन्न है जो नीचे में 24 और ऊंचे में 27 सेन्टीमीटर है और इसी प्रकार चौड़ाई भी भिन्न-2 है जो नीचे में 12 और ऊंचे में 13 सेन्टीमीटर है। चूंकि सेन्टीमीटर भी कोई बहुत विस्तार वाली दूरी नहीं है अतः हमने मीलीमीटरों में जाना श्रेयस्कर नहीं समझा है - आधे से अधिक को पूरा सेन्टीमीटर गिन लिया है और आधे से कम को छोड़ दिया है।

स्तम्भ 9– परिमाण—

इस स्तम्भ में भी सूचना दो दृष्टिकोणों से दी गई है —

(i) ग्रन्थ के स्कन्ध (खण्ड) पर्व, सर्ग, अध्याय, प्रकाश, परिच्छेद, अधिकार, प्रकरण, उद्देशक, ढाल, पद, छन्द, गाथा, श्लोक आदि की सख्या द्वारा उसका परिमाण बताया गया है। जहाँ उपलब्ध है वहाँ ग्रथाग्र [ग्रन्थ के कुल अक्षरो की सख्या को 32 (प्राचीन अनुष्टम् छद का अक्षर परिमाण) से भाग देने पर आने वाला भजनफल ग्रथाग्र कहलाता है] सख्या भी लिख दी है। परन्तु कभी-कभी यह ग्रथाग्र सख्या वास्तविकता से मेल नही भी खाती है क्योंकि लिपिक इस सख्या को अनुमान से अथवा बढा चढाकर अथवा परपरागत शास्त्र वर्णित परन्तु वर्तमान मे अनुपलब्ध है, वह लिख देते है। सूचीपत्र मे दी हुई पन्नो की सख्या को दुगना करने से पृष्ठो की सख्या आ जाती है और उसे पक्ति प्रतिपृष्ठ की सख्या से गुणा करने पर ग्रथ के कुल पक्तियो की सख्या आ जाती है और उसे औसतन अक्षरो की सख्या से गुणा करने पर ग्रन्थ के कुल अक्षरो की सख्या आ जाती है जिसमे 32 का भाग देने से ग्रथाग्र की सख्या आ जावेगी—इस प्रकार पाठक स्वय ग्रथाग्र अनुमानित कर सकते है।

(ii) साथ मे यह भी बताया गया है कि प्रति सपूर्ण है या अपूर्ण या त्रुटक और यदि अपूर्ण है तो कितनी अपूर्णता है। यदि प्रति पूरे ग्रथ के एक अश हेतु ही लिखी गई है और वह अश पूरा है तो उसे 'प्रतिपूर्ण' कहा गया है। प्रथम या अन्तिम पन्ना बहुधा नही होते है तो प्रति को अपूर्ण न कहकर वैसी टिप्पणी लिख दी गई है कि पहला या अन्तिम पन्ना कम है। उपरोक्त परिमाण सूचक शब्दो के प्रथम अक्षर ही बहुधा सूची पत्र मे लिखे है अत तदनुसार अर्थ लगा लेना चाहिये—जैसे स =सपूर्ण, अ =अपूर्ण, ग्र =ग्रन्थाग्र।

स्तम्भ 10– प्रतिलेखन वर्ष, स्थल व लिपिक —

इस स्तम्भ मे प्रति के बारे मे तीन प्रकार से सूचना दी गई है—

(i) सर्व प्रथम प्रस्तुत प्रति जिस वर्ष मे लिखी गई है वह विक्रम सवत् दिया गया है। कदाचित् कही पर शक या वीर सवत् या अन्य साल है तो वैसा विशिष्ट उल्लेख कर दिया गया है। विक्रम सवत् से शक सवत् व ईस्वी सन् क्रमश 135 और 56 कम होता है जबकि वीर सम्वत् 470 अधिक होता है, परन्तु बहुत सी प्रतियो मे उनका प्रतिलेखन सवत् लिखा हुआ नही मिलता है। ऐसी अवस्था मे अनुमान से वह प्रति जिस शताब्दी मे लिखी प्रतीत हुई वह विक्रम की शताब्दी लिख दी गई है। यद्यपि अनुमान लगाते हुए हमने पर्याप्त अनुदार दृष्टि से काम लिया है (अर्थात् सदेहास्पद मामलो मे प्रति को प्राचीन की अपेक्षा अर्वाचीन ही बताने की ओर झुकाव रहा है) तो भी अन्दाज तो अन्दाज ही है। अत पाठको को सलाह है कि हमारे इस अन्दाज को ठोस आधार न मान ले। भिन्न-भिन्न वर्षो मे लिखित प्रतियो की प्रविष्टि जब एक साथ ही की गई है वहाँ कालावधि की सीमाये व यथा योग्य सूचना दे दी गई है।

(ii) दूसरी सूचना प्रति किस स्थल मे लिखी गई है उसकी है और

(iii) तीसरी सूचना लिपिक के नाम की है

स्तम्भ 11– विशेषज्ञातव्य—

उपरोक्त सब के अलावा ग्रन्थ अथवा प्रति के बारे मे जो भी सूचना देना उपादेय या आवश्यक समझा गया है उस वास्ते इस स्तम्भ की शरण ली गई है। यह तरह-तरह की जानकारी से भरा गया है और इसका अवलोकन किये बिना प्रविष्टि पूरी देख ली है ऐसा नही कहा जा सकता। इस स्तम्भ मे दी गई जानकारी के कतिपय उदाहरण है—चित्रित, सशोधित, अपठनीय, जीर्ण, प्रथम आदर्श, ताडपत्रीय या वस्त्र पर, देवनागरी से भिन्न लिपि, स्वर्णाक्षरी, ग्रन्थ का दूसरा प्रचलित नाम, प्रशस्ति है, वृत्ति आदि का नाम जो अक्सर वृत्तिकार अपनी कृत्ति को देते है, साथ मे गौण वस्तु जो सलग्न हो आदि 2।

उपरोक्त स्तम्भो के अतिरिक्त सरकारी निर्धारित प्रपत्र द्वारा चार अन्य स्तम्भो की अपेक्षा की गई है जो निम्न प्रकार है —

(1) प्रति किस पर लिखी गई है :— कागज, ताडपत्र, भोजपत्र, कपडा आदि।

(2) प्रति किस लिपि मे लिखी गई है ·— देवनागरी, मोडी, अरबी, गुजराती।

(3) प्रति जीर्ण है या ठीक है या अपठनीय है इत्यादि सूचना।

(4) ग्रन्थ अद्यावधि मुद्रित हो चुका है अथवा आज तक अमुद्रित ही है।

परन्तु इस सूची-पत्र मे इन चार स्तम्भो को नहीं रखा है और इसका स्पष्टीकरण निम्न प्रकार है :—

लगभग सारी की सारी प्रतिया कागज पर हैं और देवनागरी लिपि (अक्षर अधिकतर जैन मोड दिये हुए) मे लिखी हुई है अत· अलग स्तम्भ बनाकर सर्वत्र ,, का निशान लगाने मे कुछ सार नही प्रतीत होता। इसी प्रकार इस सूची-पत्र मे उल्लेखित प्राय. सभी प्रतियो की अवस्था ठीक है, पठनीय है अत उसका भी स्वतन्त्र स्तम्भ बनाना उपयुक्त नही लगा। हां, कदाचित्त यदि कोई प्रति कागज पर नही है, अथवा देवनागरी लिपि मे नही लिखी हुई है अथवा जीर्ण व अपठनीय है तो वैसा उल्लेख अवश्य "विशेष ज्ञातव्य" स्तम्भ मे कर दिया गया है। विशेष उल्लेख के अभाव मे पाठक नि शक यह समझ लें कि प्रति देवनागरी लिपि मे कागज पर लिखी हुई है और उसकी दशा ठीक है। तथा ग्रन्थो के अद्यावधि मुद्रित या अमुद्रित होने की जानकारी का सकलन करने मे हम असमर्थ रहे हैं। अत अपूर्ण किंवा असत्य जानकारी देने की अपेक्षा मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा है। इसका पता शोधार्थी या प्रकाशक हमारी अपेक्षा आसानी सेलगा सकते हैं।

तथा इस बारे मे एक और निवेदन है। अतिरिक्त परिशिष्ट तथा और कई स्तम्भ सूची-पत्र मे जोडे जा सकते हैं और उससे शोधार्थियो को अवश्य कुछ सुविधा हो जाती है। परन्तु साथ मे हमे यह भी नही भूलना चाहिये कि सूची-पत्र की अपनी मर्यादायें होती हैं और सूची-पत्र बनाने वाले की योग्यता भी असीमित नही होती। ग्रन्थ के बारे मे आवश्यक सूचना सम्मेत सूची बना देना पर्याप्त है, बाकी सब ढेर सारी सामग्री पचाकर शोधार्थी को देने से उसमे प्रमाद पनपता है, अन्वेषण की जिज्ञासा कुण्ठित हो जाती है जो ज्ञान के विकास के लिये घातक सिद्ध होती है। सूची-पत्र कितना भी विस्तृत हो, शोधार्थी के लिये तो असल प्रति या फोटो फिल्म प्रतिबिम्ब देखने के अलावा गत्यन्तर नही है, यह हमारा निश्चय मत है अन्यथा शोध-कार्य के प्रति न्याय नही होगा। केवल सूची बनाने वाले पर ही अधिक भार लादने से यह श्रम-साध्य कार्य और इतना गुरुतर हो जावेगा कि साधारण मनुष्य इस को हाथ मे लेने से ही घबरा जावेगा - उसका उत्साह मारा जावेगा। सूची-पत्र सूचना है - जाच के लिये आमन्त्रण है - निर्णय का आधार नही।

आभार प्रदर्शन

(1) i मुनि श्री जयानन्दजी महाराज साहिब को वन्दना करते है जिनकी आज्ञा से खरतरगच्छ समुदाय जोधपुर के अध्यक्ष महोदय ने श्री महावीर स्वामी मन्दिर के यशोसूरि व केशरगणि भण्डारो के ग्रन्थ यहाँ रावटी मे स्थानान्तरित कर दिये है।

ii श्रीमान् मिलापचन्दजी साहिब ढढ्ढा धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री ओसिया तीर्थ के रत्नप्रभ ज्ञान भडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

iii. श्रीमान् सम्पतराजजी साहिब भमाली धन्यवाद के पात्र है जिनकी प्रेरणा से मुनिसुव्रत स्वामी मन्दिर भण्डार के ग्रन्थ यहाँ रावटी मे स्थानान्तरित कर दिये गये हैं।

iv श्रीमान् स्व भोपालचन्दजी साहिब दफ्तरी की आत्मा को शान्ति मिले जिन्होने श्री केशरीयानाथजी के मन्दिर के भडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधाये उपलब्ध की थी।

v. श्रीमान् सायरमलजी साहिब पटवा धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री चिन्तामणि पार्श्वनाथ मन्दिर कोलडी भडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधाये उपलब्ध की थी।

vi. श्रीमान् कल्याणमलजी साहिब भसाली धन्यवाद के पात्र है जिन्होने श्री कुथुनाथजी के मन्दिर के भडार के सूचीकरण हेतु सम्पूर्ण सुविधायें उपलब्ध की थी।

(2) स्व अगरचन्दजी नाहटा बीकानेर, श्रीमान् भवरलालजी नाहटा बीकानेर एव महामहोपाध्याय श्री विनयसागरजी जयपुर वालो को धन्यवाद दिया जाता है कि उन्होने इस सूची-पत्र की भूलो का परिमार्जन व सशोधन किया है।

(3) सेवा मन्दिर के परिवार मे से श्री बशीधरजी पुरोहित बी ए एल एल बी., श्री सुशीलकुमार मुथा एम ए. एव श्री रामलालजी धाडीवाल के नाम विशेषरूप से उल्लेखनीय है जिन्होने इस सूची-पत्र को बनाने मे पूरा सहयोग दिया है।

तथा पुस्तक प्रकाशित करने का मुझे बिल्कुल अनुभव नही था- यह प्रथम प्रयास है अत कई भूले हुई है। उदाहरण स्वरूप प्रूफरीडिंग का काम मैने पूर्णत कर्मचारियो पर छोड देने की भयकर भूल की अत इस सूची-पत्र मे अनेक अशुद्धिया छप गई है। इन सब के लिये एक मात्र दायित्व व दोष मेरा है और तदर्थ क्षमा प्रार्थी हू।

जोधपुर
2044, होलिका रजपर्व
दिनाक 3 मार्च 1988

जोहरीमल पारख का प्रणाम

राजस्थान के जैन ग्रंथ भंडारों के

हस्तलिखित ग्रंथों का

सूची-पत्र

प्रथम खण्ड

(जोधपुर नगर)

Rajasthan Jain Granth Bhandars

CATALOGUE OF

Hand-Written Manuscripts

Volume I

(JODHPUR CITY)

क्रमाक 1	स्रोत-परिचयाङ्क 2	ग्रन्थ का नाम 3	नाम रोमन लिपि मे 3A	ग्रन्थकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
1	के नाथ 2/4	आचाराङ्ग सूत्र	Ācārānga Sūtra	सुधर्मा+	मू (ग प.)
2	,, 1/20	,,	,,	,, +	,,
3	,, 20/34	,,	,,	,, +पार्श्वचद्र	मू +ट ,,
4	,, 1/22	,, +बा.	,, +Bālā	,, +पार्श्वचद्र	मू +बा ,,
5	ओमि 1अ 16	,,	,,	f+	मू +ट ,,
6	,, 1 अ 17	,,	,,		,,
7	,, 1 अ 56	,, +बा.	,, +Bālā	सुधर्मा+	मू.+बा. ,,
8	महा 1 अ 2	,,	,,	सुधर्मा	मू.+ट ,,
9	के नाथ 29/38	,,	,,	,,	,,
10	,, 29/39	,,	,,		,,
11	,, 13/22	,,	,,	सुधर्मा	,,
12	कुन्थु 47/3	,,	,,	,,	मू (ग)
13	के नाथ 9/10	,, +वृत्ति सह	,, (with Vrtti)	सुधर्मा + शीलाकाचार्य	मू +वृ.
14	महा 1 अ 1	,, की वृत्ति	,, Ki Vrtti	शीलाकाचार्य	वृ (ग)
15	के नाथ 18/58	,, की विषय सूची	,, ki Visaya-sūci		गद्य
16	,, 9/15	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakrtānga Sūtra	सुधर्मा	मू + ट (प ग)
17	,, 14 30	,,	,,	,,	,, ,,
18	,, 1/11	,,	,,	सुधर्मा+	मू (प ग)
19	,, 29/34	,,	,,	,, +	,, ,,

विषय सकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाप पंक्त्याक्षर ल × चौ × प × अ. 8A	परिमाण 9	प्रतिलेखन स. आदि 10	विशेष ज्ञातव्य 11
प्रथम अग (आचरण)	प्रा.	50	27×11×15×50	स दोनो स्क ग्र.2644	17वी	
,,	,,	83	26×11×13×40	,, ,,	1749	
,,	प्रा मा.	80	25×11×18×44	स. प्र. स्कध	18वी	
,,	,,	118	26×11×17×58	,, द्वि. ,,	18 ,,	
,,	,,	87	24×11×7×33	,, प्र. ,,	1833 विक्रमपुर मनरग	
,,	,,	150	24×11×6×33	,, द्वि. ,,	,, ,, ,,	
,,	,,	92	26×11×15×58	,, प्र ,,	19वी	
,,	,,	63	26×12×5×36	,, ,, ,, ग्र 1817	1936 अजयगढ लक्ष्मी विजय	
,,	,,	110	27×12×4×32	,, ,, ,, ,, 4000	20वी	
,,	,,	189	27×12×5×32	,, द्वि ,, ,, 8500	20वी	
,,	,,	43	27×11×4×42	प्र. छठे अध्य. तक	19वी	
,,	प्रा.	12	27×12×13×35	अपूर्ण त्रुटक	19 ,,	
,,	प्रा. स	58	25×12×20×64	,, ,,	19 ,,	लकीरो की सख्या भिन्न भिन्न
अग साहित्य	स.	398	26×12×13×40	स दोनो स्कधो की ग्र 12225	1847	
,,	मा.	2	27×11×11×68	सपूर्ण	19वी	
द्वितीय अग	प्रा मा.	50	26×11×6×35	स. प्र. अध्य. 16	1574	
,,	,,	60	26×11×6×27	,, ,, ,,	16वी	
,,	प्रा.	42	26×11×15×54	,, दोनो स्कध 23 अध्य	1653	
,,	,,	53	30×11×13×56	,, ,, ,,	17 वी	

1	2	3	3A	4	5
20	कोलही. 23	सूत्रकृताङ्गसूत्र	Sūtrakṛtānga Sūtra	सुधर्मा	मू. (प)
21	महा 1अ4	"	"	"	" "
22	मु सुव्रत 1अ46	"	"	"	" "
23	" 1अ47	"	"		" (ग प)
24	" 1अ45	"	"	सुधर्मा	मू +ट. (प ग)
25	के. नाथ 29/9	"	"	"	मू (प)
26	ओसि. 1अ18	"	"	"	मू +बा. (प ग)
27	के ना 13/11	" +दीपिका	" +Dipikā	" +हर्षकुशल	मू +दी "
28	कुन्थु 29/2	" + "	" + "	" +साधुरंग	" "
29	महा 1अ3	" +वृत्ति	" +Vrtti	" +शीला-काचार्य	मू +वृ
30	के. ना.18/40	" + "	" + "	" "	" "
31	मुनि सु.3इ27/4	"	"	सुधर्मा स्वामी	मू (प)
32	के नाथ 10/77	"	"		" (ग.)
33	" 15/132	"	"	सुधर्मा स्वामी	" (प)
34	कोलही 872	"	"	"	" (प.)
35	के.नाथ 29/99	" की वृत्ति	" ki Vrtti	शीलाङ्काचार्य	गद्य
36	मुनि सु 1अ44	स्थानाङ्गसूत्र	Sthānānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
37	ओसि 1 अ 19	"	"	"	"
38	महा 1 अ 6	" +वृत्ति	" +Vrtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ (ग).
39	के नाथ 4/3	"	"	सुधर्मा स्वामी	मू +(ग)

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय अग	प्रा	30	27×11×11×42	स प्र स्क 16 अध्य	17वी	
,,	,,	22	26×11×13×44	,, ,, ,,	,,	
,,	,,	27	26×11×11×41	,, ,, ,,	,,	
,,	,,	54	26×11×11×41	,, द्वि स्क 7 अध्य	,,	
,,	प्रा मा	63	26×11×6×32	,, प्र स्क ग्र 5000	1696/ 1701 धमदास	
,,	प्रा.	30	26×10×11×33	प्र स्क कुछ त्रुटक	17वी	
,,	प्रा मा	51	26×11×15×35	अ 12 अध्य प्र स्क	18वी	
,,	प्रा स	50	26×11×17×45	,, ,, ,,	19वी	
,,	,,	89	26×11×18×72	अ 13वें से 23 अध्या	17वी	
,,	,,	346	26×12×15×48	स दोनो स्क ग्र 16950	20वी	
,,	,,	12	26×11×19×59	द्वि अध्य-मात्र	17वी	
,, महावीर स्तुति	प्रा.	2	25×10×14×44	छठा अध्या. मात्र	1783	
,, का 1 अध्या.	,	10	26×12×19×55	क्रियानाम अध्य मात्र	18वी	
,, वीर स्तुति	,,	3	17×9×9×30	छठा अध्या मात्र	1897	
,, ,,	,,	2	20×12×16×34	,, ,, ,,	1901	
अग-साहित्य	स.	132	27×12×15×52	अ 13वे से 23 अध्या	1867	
तीसरा अग (ठाणाग)	प्रा	105	28×11×13×42	स ग्र 3800	16वी	
,, ,,	,,	82	26×11×15×46	,, 3750	16वी	
,,	प्रा स	241	32×13×15×63	,, 18000	16वी	
,,	प्रा	137	27×11×12×39	,, 3750	17वी	

1	2	3	3A	4	5
40	महा 13/13	स्थानाङ्ग सूत्र+वृत्ति	Sthānānga Sūtra+Vrtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ (ग)
41	के नाथ 66/13	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग)
42	महा /अ 5	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
43	के.नाथ 11/80	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग.)
44	मुनि सु.1अ55	,,	,,	,,	मू.+ट (ग.)
45	कोलडो 973	स्थानाङ्ग-वृत्ति	,, —Vrtti	अभयदेव	वृ (ग.)
46	,, 18	,,	,, ,,	,,	,,
47	के नाथ 15/11	समवायाङ्ग-सूत्र+वृत्ति	Samavāyānga Sūtra+Vrtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
48	ओनिया 1अ20	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग.)
49	के नाथ 1/17	,,	,,	,,	,,
50	,, 10/91	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	सुधर्मा+अभयदेव	मू.+वृ (ग)
51	मुनि सु 1अ41	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू.(ग.)
52	के.नाथ 20/9	,,	,,	,,	मू.+ट (ग)
53	,, 15/3	,,	,,	,,	मू (ग)
54	,, 20/7	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
55	,, 29/41	,,—वृत्ति	,, —Vrtti	अभयदेव	वृ.(ग)
56	महा 1 अ 7	,, ,,	,, ,,	,,	,,
57	कोलडो 19	,, ,,	,, ,,	,,	,,
58	,, 970	भगवतीसूत्र	Bhagavati Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
59	के नाथ 24/7	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
तीसरा अग	प्रा.स.	289	27 × 11 × 17 × 64	स.ग्र 18000	17वी	-
,,	प्रा.	173	26 × 11 × 7 × 42	अ 8वे स्थानक तक	19वी	
,,	प्रा स.	289	30 × 15 × 20 × 54	स ग्र. 18000	1914	
,,	प्रा	5	26 × 11 × 13 × 40	3-4 स्थान के बोल मात्र	18वी	
,,	प्रा.मा.	43	26 × 11 × 8 × 57	अ 3रे स्थान तक	19वी	
अंग-साहित्य	स.	170	34 × 14 × 17 × 70	अ 8वे ,, ,,	15वी	सशोधित
,,	,,	269	27 × 11 × 15 × 52	स ग्र. 14250	1665	
चौथा अग	प्रा स.	70	26 × 11 × 11 × 40	,, 5417	15वी	
,,	प्रा.	60	26 × 11 × 11 × 45	,,	16वी	
,,	,,	35	26 × 11 × 15 × 55	अ. 24वे समवाय तक	16वी	
,,	प्रा स.	38	34 × 13 × 22 × 60	,, 17वे से अत तक	1649	जीर्ण/वृति सक्षेप मे है।
,,	प्रा	45	26 × 12 × 15 × 43	सपूर्ण	1659	
,,	प्रा मा	121	25 × 11 × 12 × 55	,, ग्र 1667	1751	
,,	प्रा	39	25 × 10 × 14 × 38	,, ,,	1783	
,,	प्रा.मा	76	26 × 11 × 7 × 50	अ 8वे समवाय तक	18वी	
अग-साहित्य	स	98	26 × 11 × 13 × 52	संपूर्ण	16वी	
,,	,,	122	25 × 11 × 13 × 41	,, ग्र 3775	17वी	
,,	,,	78	27 × 11 × 15 × 55	,, ,,	19वी	
पाचवा अग (व्याख्या प्रज्ञप्ति)	प्रा.	244	26 × 13 × 17 × 64	,, ग्र. 15775	1568	
,,	,,	245	27 × 11 × 11 × 51	अ.जमाली दीक्षा तक	16वी	188 से 199 पन्ने कम

1	2	3	3A	4	5
60	कोलडी 20	भगवतीसूत्र	Bhagavati Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग.)
61	के नाथ 5/3	"	"	"	"
62	ओमिया 1अ21	"	"	"	"
63	महावीर 1अ8	" +वृत्ति	" +Vrtti	सुधर्मा/अभयदेव	मू +वृ (ग)
64	मुनिसु 1अ40	" "	" "	" "	"
65	महावीर1अ14	" "	" "	" "	"
66	कोलडी 1012	"	"	सुधर्मा स्वामी	मू (ग.)
67	महावीर 1अ9	"	"	"	"
68	के नाथ 17/50	" +वृत्ति	" +Vrtti	" +अभय	मू.+वृ (ग.)
69	कुन्थुनाथ 2/6	"	"	"	मू.+ट (ग)
70	कोलडी 1012	"	"	"	मू.(ग.)
71	कुन्थुनाथ52/18	"	"	"	"
72	ओसि 2अ408	"	"	"	मू.+ट.(ग)
73	के नाथ10/41	"	"	"	"
74	मुनिसु 1/अ57	"	"	"	"
75	कुन्थुनाथ 52/22	"	"	"	"
76	के नाथ 6/108	"	"	"	मू (ग.)
77	" 6/61	" की वृत्ति	" ki Vrtti	अभयदेव	गद्य
78	" 9/11	" "	" "	"	"
79	कोलडी 21	" का बीजक	" kā Bijaka		"

6	7	8	8A	9	10	11
पाचवा अग (व्याख्याप्रज्ञप्ति)	प्रा.	401	27×11×13×52	सपूर्ण	1670	
,,	,,	205	26×11×17×54	स. ग्र. 15875	1698	
,,	,,	904	26×12×13×41	,,	1887 रतलाम, मनोरदास	
,,	प्रा सं	971	27×13×15×47	,, 41 शतक	1894	
,,	,,	715	33×19×17×45	,,	1900 तखतराम	
,,	,,	681	31×15×14×64	,, ग्र 18616	1965 जोधपुर	
,,	प्रा.	423	27×11×11×40	त्रुटक	19वी	बीच मे कई पन्ने कम
,,	,,	168	26×12×13×38	अपूर्ण शतक 8/8तक	,,	
,,	प्रा.स.	94	25×12×15×44	केवल शतक 1/7 तक	,,	
,,	प्रा मा.	5	25×12×5×30	,, प्र ,, का 7वा उद्दे	1859	
,,	प्रा.	15	26×13×6×40	अपूर्ण मात्र	19वी	
,,	,,	53	26×11×15×45	,, 13 आलापक मात्र	17वी	
,,	प्रा मा.	11	26×11×6×35	केवल जयती प्रश्नोत्तरी	1763	देवलीये, शतक 2/1+3/1,2 +7/9,10,9/33.60+11/11.12+12/1,2,9, जमालि अधि-कारादि
,,	,,	20	26×11×11×38	,, ऋषभ जयपाली अधिकार	18वी	
,,	,,	27	26×11×11×41	,, 9/36 व 16/5,6	,,	
,,	,,	13	25×11×12×40	,, 9/33 जवाली अधिकार	19वी	
,,	प्रा.	6	26×11×12×44	कुछ उद्धरण मात्र	,	
आगम साहित्य	स.	424	26×11×15×45	स ग्र 18616	1663	
,,	,,	468	26×11×15×45	,, ,,	1667	
विषय सूची	,,	12	27×11×18×54	स 138श 1925उद्दे	1658	

1	2	3	3A	4	5
80	मुनि सु 2/320	भगवतीसूत्र की सज्झायें	Bhagavati Sūtra kī Sajjhāyen	मानविजय	पद्य
81	कोलडी 22	,, यन्त्राणि	,, Yantrāni		तालिकायें
82	के नाथ 11/95	ज्ञाता धर्म कथाङ्ग सूत्र	Jñātādharma kathānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग.)
83	मुनि सु 1अ53	,,	,,	,,	,,
84	के नाथ 1/31	,,	,,	,,	,,
85	मुनि सु 1अ54	,,	,,	,,	,,
86	ओसिया 1अ35	,,	,,	,,	,,
87	के नाथ 4/1	,,	,,	,,	,,
88	ओसिया 1अ37	,,	,,	,,	,,
89	के नाथ 14/25	,,	,,	,,	,,
90	,, 5/2	,,	,,	,,	,,
91	से. म.1अ 58	,,	,,	,,	,,
92	के नाथ 4/14	,,	,,	,,	मू +ट(ग)
93	,, 5/102	,,	,,	,,	मू. (ग)
94	से मं 1अ59	,,	,,	,,	मू +ट(ग)
95	कोलडी 24	,,	,,	,,	,,
96	के नाथ 1/26	,,	,,	,,	मू (ग)
97	कु. नाथ43/9	,,	,,	,,	मू (ग.)
98	,, 23/6	,,	,,	,, /कनक सु दर	मू +ट(ग)
99	के ना 13/36	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
आगम साहित्य	मा.	9	27×12×12×31	अ. 12वी सज्झाय तक	17वी	शाति विजय शिष्य
,,	प्रा.	3	28×11×5×65	त्रुटक	19वी	
अग सूत्र/धर्म कथाये	प्रा मा	77	29×11×18×63	स दोनो स्कध	1522	पहिला पन्ना कम
,,	प्रा.	110	30×12×14×52	;;	1570	
,,	,,	170	25×11×11×48	,, ग्र. 5834	16वी	
,,	,,	159	26×11×11×47	,,	1597	
,,	,	248	28×12×10×32	;;	16वी	पहिला पन्ना कम
,,	;;	223	27×11×11×32	,, ग्र. 5464	1601	
,,	;;	109	33×13×13×64	,, ;;	17वीं	
,,	;;	146	25×11×13×41	अ द्वि स्क के 7वर्ग तक	,,	
;;	,,	55	26×11×13×44	,, आठवी कथा से द्वि. की 1	;;	
,,	,,	154	26×11+11×42	स दोनो स्कध	18वी	
छठा अग सूत्र	प्रा.मा.	263	25×11×7×40	सं दो स्कध ग्र. 14000	18वी	
;;	प्रा.	131	26×10×11×44	अपूर्ण दूसरी कथा से अन्त तक	18वी	
,,	प्रा मा.	169	26×12×7×43	त्रुटक द्वि स्क 8वें वर्ग तक	18वी	जीर्ण
,,	,,	333	25×12×15×37	संपूर्ण दोनो स्कध	1839	
,,	प्रा	209	25×11×5×35	अपूर्ण	19वी	
;;	;;	117	27×11×16×44	, 16वी कथा तक	19वी	
;;	प्रा मा.	106	26×12×5×46	त्रुटक	19वी	
,,	प्रा.	149	26×12×12×38	;;	20वी	

1	2	3	3A	4	5
100	के नाथ 11/24	ज्ञाताधर्म कथाङ्गसूत्र	Jñātādharma Kathānga-sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.+ट (ग)
101	कोलडो 1014	,,	,,	,,	मू. (ग)
102	,, 1013	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
103	के ना 5/114	,,	,,	,,	,,
104	महा 1अ15	,,	,, +Vṛtti	,, /अभयदेव	मू.+वृ (ग)
105	ओसि 2/312	ज्ञातोपनया	Jñātopanayā		मू +अ (म)
106	कोलडो972	ज्ञाताधर्म कथाग की वृत्ति	Jñātadharma kathānga ki Vṛtti	अभयदेव	गद्य
107	ओसि 1अ36	,,	,,	,,	गद्य
108	से म ति.गु 3	ज्ञाताभास	Jñātābhāsa	मेघऋषि (पासचंद गच्छ)	पद्य
109	के. ना.14/59	ज्ञाताधर्म कथा पर्याय	Jñātādharmakathā Paryāya		गद्य
110	,, गु. 27	,, बोल	,, Bola		गद्य
111	ओसि 1अ26	उपासक दशाग सूत्र	Upāsakadaśānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
112	मु सु 1अ43	,,	,,	,,	,,
113	,, 1 अ 42	,,	,,	,,	मू + ट(ग)
114	के नाथ 4/6	,,	,,	,,	मू ग
115	,, 11/20	,,	,,	,,	,,
116	,, 14/34	,,	,,	,,	,,
117	ओसि.1अ 38	,,	,,	,,	,,
118	के नाथ 6/21	,,	,,	,,	,,
119	,, 5/49	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
छठा अग सूत्र	प्रा मा.	22	25×11×6×36	अपूर्ण पहली कथा भी अधूरी	18वी	
,,	प्रा.	157	26×10×11×45	,, पांचवी से अंत तक	19वी	
,,	प्रा.मा.	147	25×11×5×48	त्रुटक	19वी	बीच मे कई पन्ने कम
,,	,,	20	25×11×7×34	केवल 17वी18वी कथा	19वी	
,,	प्रा सं.	61	25×12×14×44	अपूर्ण पहली कथाभी अधूरी	19वी	
अग-साहित्य कथा शिक्षा व रूपक वि	,,	4	26×11×22×34	सं 19 कथाओ के	15वी	
आगम-साहित्य	स.	58	34×14×17×72	सं. ग्र 7300	1629	
,,	स.	88	33×13×13×63	,,	17वी	
,,	मा.	39	16×13×13×17	,, 19 कथासार	1721	
कठिन शब्दार्थ	प्रा मा	20	25×11×19×50	,, प्र.स के शब्दार्थ	19वी	
आगम-साहित्य सार तालिका	मा.	19	15×10×14×10	,, 113 अनुच्छेद	1929	
सातवा अग सूत्र श्राद्धाचार	प्रा	17	28×11×15×58	,, 10 अध्ययन	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	30	27×11×11×50	,, 10 ,, ग्र. 886	16वी	
,,	प्रा मा	49	26×11×7×42	,, 10,, ग्र 1986	16वी	
,,	प्रा	39	26×11×13×47	, 10 ,, ग्र 976	1613	
,,	,,	24	25×11×13×39	,, 10 ,, ग्र 812	1679	
,,	,,	35	26×11×11×40	,, ,,	17वी	
,,	,,	23	26×11×13×44	,, 921	17वीं	
,,	,,	17	26×11×15×54	अपूर्ण 8वे अध्य तक	18वी	
,,	,	13	27×11×16×56	,, 2 से 10 ,,	18वी	

1	2	3	3A	4	5
120	के नाथ 3/21	उपासकदशांगसूत्र	Upāsakadaśānga Sutra	सुधर्मा स्वामी	मू +ट (ग)
121	ओसिया 1अ2	,,	,,	,,	,
122	के नाथ 15/21	,,	,,	,,	मू ग.
123	,, 4/4	,,	,,	,,	,,
124	,, 2/6	,,	,,	,,	,,
125	ओसि.1अ39	,,	,,	,,	,,
126	के नाथ 9/9	,,	,,	,,	मू +ट (ग)
127	,, 1/36	,,	,,	,,	मू ग.
128	,, 5/22	,,	,,	,,	मू.+ट (ग.)
129	,, 17/52	,, की वृत्ति	,, Vrtti	अभयदेव	गद्य
130	,, 15/216	,, ,,	,, ,,	,,	,,
131	से म 1अ60	अन्तकृताङ्गसूत्र	Antakrtānga Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू.ग.
132	मु.सु 1अ49	,,	,,	,,	,,
133	से म 1अ61	,,	,,	,,	,,
134	ओसि. 1अ27	,,	,,	,,	,,
135	,, 1अ34	,,	,,	,,	,,
136	के नाथ15 17	,,	,,	,,	,,
137	कोलडी 25	,,	,,	,,	,,
138	कोलडी 26	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, /अभयदेव	मू.+वृ.(ग.)
139	महावीर1अ10	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
सातवा अग सूत्र श्राद्धाचार	प्रा. मा	61	26 × 11 × 6 × 38	सपूर्ण 12 अध्याय	1863	
,,	,,	116	27 × 12 × 4 × 30	,,	19वी	
,,	प्रा.	27	25 × 10 × 15 × 43	,,	19वी	
,,	,,	22	26 × 11 × 14 × 50	,,	19वी	
,,	,,	23	26 × 11 × 13 × 43	स 10अध्याय ग्र 912	19वी	
,,	,,	23	28 × 12 × 13 × 54	अ 8वे अध्याय तक	19वी	
,,	प्रा. मा.	60	26 × 11 × 5 × 42	अ 9 वें ,,	20वी	
,,	प्रा.	11	26 × 11 × 16 × 50	अ, 3 रे ,,	20वी	पहिला पन्ना कम
,,	प्रा.मा.	11	26 × 11 × 6 × 32	अ. पहिला अध्या भी अधूरा	20वी	
आगम-साहित्य	स	24	26 × 10 × 14 × 44	स ग्र 944अध्या 10	19वी	
,,	,,	30	25 × 11 × 13 × 40	स 10 अध्या की	20वी	
आठवा अग सूत्र धर्म कथायें	प्रा	19	26 × 11 × 15 × 53	स. 10 ,, 890	16वी पोभाजीत	
,,	,	21	26 × 12 × 13 × 48	,, ,,	16वी	
,,	,,	30	27 × 11 × 11 × 40	,, ,,	16वी	
,,	,,	16	28 × 11 × 15 × 58	,, ग्र 790	1589 पोभाग्यसुन्दर	
,,	,,	25	26 × 11 × 13 × 43	,, ग्र . 795	1654 गली, जयत	
,,	,	24	25 × 10 × 13 × 33	,, 92 कथाये ग्र 800	1746	
,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 50	,, 10 अध्या ग्र 800	18वी	
,,	प्रा स	24	27 × 11 × 15 × 47	,, 10 अध्या	18वी	अतिम पृष्ठ नही
,,	,,	23	25 × 13 × 15 × 38	,, 10 अध्या	19वी	

1	2	3	3A	4	5
140	क नाथ 15/96	अन्तकृताङ्गसूत्र	Antakṛtāṅga Sūtra	सुधर्म स्वामी	मू ग.
141	मु सुव्रत 1ब्र48	,,	,,	,,	मू + ट(ग.)
142	के ना 10/69	,,	,,	,,	मू (ग.)
143	ओसि 1 प्र 28	अनुत्तरोपपातिकदशाङ्गसूत्र	Anuttaropapātika-daśāṅga Sūtra	,,	,,
144	कु.ना 52/15	,,	,,	,,	,,
145	,, 37/11	,,	,,	,,	,,
146	के.नाथ 17/44	,,	,,	,,	,,
147	,, 15/7	,,	,,	,,	,,
148	,, 15/98	,,	,,	,	,,
149	मुनि सु 1ब्र52	,,	,,	,,	,,
150	के ना. 11/66	,,	,,	,,	मू + ट(ग.)
151	ओसि 1ब्र32	,,	,,	,,	,,
152	से म. 1ब्र62	,,	,,	,,	मू ग
153	कोलडो 27	,,	,,	,,	मू + ट(ग)
154	मु सु 1ब51	,,	,,	,,	,,
155	कु- ना. 3/48	,,	,,	,,	,,
156	कोलडो 10/5	,,	,,	,,	मू. ग.
157	ओसि 1ब्र33	,,	,,	,,	,,
158	,, 1ब्र30	,,	,,	,,	,,
159	के.नाथ 11/46	,, + वृत्ति	,, + Vṛtti	,,	मू + वृ (ग.)

6	7	8	8A	9	10	11
आठवा अग सूत्र धर्मकथाये	प्रा	31	24×11×13×32	सं 10अध्याय ग्रं 892	19वी	
,,	प्रा मा	67	25×12×6×31	,, ग्र 880	1897फलोदी भीमराज	
,,	प्रा.	23	27×11×14×34	अपूर्ण	19वी	
नवमा अग सूत्र धर्मकथाये	,,	4	28×11×15×58	स 10अध्या ग्र 190	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	8	26×11×11×48	,, ,,	16वी	
,,	,,	8	26×11×11×48	,, ,,	16वी	
,,	,,	8	26×11×11×46	,, ग्रं. 191	16वी	
,,	,,	8	26×10×13×38	,, ग्रं 196	1638	
,,	,,	8	26×11×11×35	,, ग्र. 192	1646	
,,	,,	9	26×11×11×34	,, ,,	17वी	
,,	प्रा मा.	14	26×11×6×34	,, ,,	1700	पहिला पन्ना कम
,,	,,	13	25×12×8×30	,, ,,	18वी	जीर्ण
,,	प्रा.	9	25×11×10×37	,, ,,	18वी	
,,	प्रा मा.	12	25×12×14×40	,, ,,	1839	
,,	,,	14	25×11×7×33	सपूर्ण 10 अध्याय	1898 गोपालसागर	
,,	,	30	26×12×3×38	,, ,,	19वी	
,,	प्रा.	9	26×11×13×44	,, ,,	19वी	
,,	,,	5	25×12×16×47	,, ,,	19वी	
,,	,,	9	24×14×11×30	,, ,,	19वी	
,,	प्रा. स	40	26×13×14×33	मू स वृत्ति अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3A	4	5
160	ओमिया 1अ31	अनुत्तरोपापतिकदशागसूत्र	Anuttaropapātika-daśānga Sūtrā	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
161	;; 1अ39	प्रश्नव्याकरणसूत्र	Praśnavyākarana Sūtra	,,	,,
162	के नाथ 6/64	,,	,,	,,	,,
163	से म 1अ63	,,	,,	,,	,,
164	कु .नाथ 54/4	,,	,,	,,	,,
165	के नाथ 29/33	,, +बाला	,, +Bālā.	,, /पार्श्वचंद	मू +बा (ग)
166	,, 10/13	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
167	,, 14/29	,,	,,	,,	,,
168	,, 1/24	,,	,,	,,	,,
169	महा 1अ11	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, /अभयदेव	मू वृ (ग)
170	ओसि 1अ24/25	,,	,,	सुधर्मा स्वामी	मू +ट (ग)
171	के नाथ 15/176	,,	,,	,,	,,
172	के नाथ 29/37	,, की वृत्ति	,, ki Vrtti	अभयदेव	गद्य
173	के नाथ 10/26	,, ,,	,, ,,	,,	,,
174	के नाथ 5/50	,, दीपिका	,, Dipikā	अजीतदेवसूरि	,,
175	मु सु 1अ50	विपाकसूत्र	Vipāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू ग
176	कोलटो 813	,,	,,	,,	,,
177	से म 1अ64	,,	,,	,,	,,
178	के नाथ 4/9	,,	,,	,,	,,
179	कोलटो 28	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
नवमा अग धम कथाय	प्रा.	12	25×12×7×42	सपूर्ण 10 अध्याय	1927 महात्मा गुजलाल	
दसवा अग/ आश्रव सवर	,,	24	28×11×15×58	,, 10 अध्याय ग्र 1250	1598 सौभाग्यसुन्दर	
,,	,,	57	27×11×11×37	,, ,,	1616	
,,	,	88	27×12×9×26	,, ,, ग्र 1500	17वी	
,,	,,	35	26×12×13×52	,, ,, ग्र. 1250	17वी	
,,	प्रा मा.	195	26×11×11×54	,, ,, ग्र 7450	17वी	
,,	प्रा.	53	28×13×13×50	अपूर्ण 3रे से 7वे अध्या	17वी	
,,	,,	48	26×11×13×42	सपूर्ण 10 अध्याय	19वी	
,,	,,	38	26×11×13×42	,, ,, ग्र 1200	19वी	
,,	प्रा स.	125	26×12×15×44	,, ,, ग्र 5880	19वी	
,,	प्रा मा.	91	25×13×7×32	,, ,, ग्र 5400	1944	
,,	,,	6	26×11×5×30	अपूर्ण	20वी	
आगम साहित्य व्याख्या	स	105	26×11×15×41	सपूर्ण 10 अ ग्र 4630	17वी	
,,	स	23	26×11×17×45	अपूर्ण दूसरे अध्या तक	19वी	
,,	स	12	26×11×19×47	,, आश्रव 2 से 5	19वी	
ग्यारवा अतिम अग धर्मकथायें	प्रा	50	26×11×11×38	स. दोनो स्कध	1596	
,,	,,	33	31×11×13×35	,, ,,	1597	
,,	,,	53	27×11×11×38	,, ,,	16वी	
,,	,,	58	26×11×11×34	,, ,, ग्र 1316	1605	
,	,,	24	27×11×15×54	,, ,,	1677	पहिला पत्रा नष्ट

1	2	3	3A	4	5
180	के नाथ 2/3	विपाकसूत्र	Vıpāka Sūtra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
181	" 17/43	"	"	"	"
182	महा 1अ12	" +वृत्ति	" +Vrttı	" /अभयदेव	मू +वृ (ग.)
183	के नाथ/14/33	विपाकसूत्र	Vıpāka stūra	सुधर्मा स्वामी	मू (ग)
184	ओसि 1अ23	"	"	"	"
185	के. नाथ 3/5	"	"	"	मू +ट (ग)
186	" 9/94	" की वृत्ति	" Kı Vrttı	अभयदेव	गद्य
187	के नाथ 1/23	" "	" "	"	"
188	कोलडी 29	" "	" "	"	"
भाग	विभाग	**1 आ (i) जैन**	**आगम अङ्ग बाह्य-उपाङ्ग**	**सूत्र**	
1	महा.1आ.1	औपपातिकसूत्र	Aupapātıka Sūtra	+/अभयदेव	मू +वृ (ग)
2	कोलडी 30	"	"		मू (ग.)
3	के नाथ 2/2	"	"		"
4	कु नाथ52/9	"	"		"
5	के. नाथ 24/1	"	"		"
6	से म 1आ 128	"	"		"
7	के नाथ 17/25	"	"		मू +ट (ग)
8	ओसि 1आ92	"	"		मू (ग)
9	के नाथ 15/19	"	"		"

6	7	8	8A	9	10	11
ग्यारवा अंतिम अग/धर्मकथायें	प्रा.	28	25 × 12 × 15 × 50	सपूर्ण दोनो स्कध ग्र 1250	17वी	
,,	,,	29	26 × 11 × 13 × 53	,, ,, ग्र. 1316	1719	
,,	प्रा स	47	25 × 13 × 17 × 36	,, ,,	19वी	
,,	प्रा	29	26 × 11 × 16 × 41	,, ,, ग्र 1334	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 15 × 56	द्वितीय स्कध	19वी	
,,	प्रा मा.	11	24 × 10 × 5 × 29	केवल सुबाहु अध्य.	19वी	
आगम साहित्य व्याख्या	स	17	26 × 10 × 16 × 50	सपूर्ण दोनो स्कंध	1617	
ग्यारवे अंग की व्याख्या/धर्म क	,,	23	26 × 11 × 15 × 46	,, ,, ग्र 6800	1649	
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण	1677	
प्रथम उपाग विविधवृत	प्रा स.	83	27 × 11 × 17 × 38	सपूर्ण ग्र 7125	16वी	
,,	प्रा.	28	22 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण	1665	
,,	,,	34	26 × 11 × 13 × 48	,, ग्र 1167	1669	
,,	,,	32	26 × 10 × 13 × 41	,, ग्र 1175	17वी	
,,	,,	42	27 × 11 × 11 × 44	,, ग्र 1250	17वी	
,,	,,	36	26 × 11 × 13 × 41	,, ग्र 1300	17वी	प्रथम 3 पन्ने कम
,,	प्रा मा	82	25 × 11 × 5 × 40	अपूर्ण	17वी	
,,	प्रा	95	27 × 11 × 5 × 41	संपूर्ण	18वी	
,,	,,	31	25 × 10 × 15 × 47	,, ग्र 1167	19वी	

1	2	3	3A	4	5
10	के.नाथ 15/97	औपपातिकसूत्र	Aupapātika Sūtra		मू (ग)
11	,, 11/78	,,	,,		मू +ट.(ग.)
12	कोलडी 1017	,,	,,		मू. (ग.)
13	,, 1016	,,	,,		,,
14	के नाथ 15/12	राजप्रश्नीयसूत्र	Rājapraśnīya Sūtra		,,
15	,, 5/64	,,	,,		,,
16	,, 1/28	,,	,,		,,
17	पु.मु 1ग्रा.116	,,	,,		,,
18	प म 1ग्रा 127	,,	,,		,,
19	ग्रोमिग्रा 1ग्रा.90	,,	,,		,,
20	,, 1ग्रा.91	,,	,,	/वा मेघराज	मू +ट (ग)
21	के.नाथ 10/16	,,	,,		,,
22	,, 9/3	,,	,,		मू (ग)
23	,, 11/109	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	/मलयगिरि	मू.+वृ.(ग.)
24	कोलडी 31	राजप्रश्नीयसूत्र	Rajapraśnīya sūtra		मू (ग.)
25	के.नाथ 14/31	,,	,,		,,
26	कोलडी 32	,,	,,		मू +ट (ग)
27	,, 1012	,,	,,		मू (ग)
28	,, 1020	,,	,,		मू +ट (ग)
29	के ना. 16/16	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti		मू +वृ (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
प्रथम उपाग विविधवृत	प्रा.	39	25×11×13×48	सपूर्ण ग्र 1167	19वी	
,,	प्रा मा	11	26×11×6×42	अपूर्ण अतिम पन्ने	1786	
,,	प्रा	29	26×11×5×30	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	25	25×11×15×55	,,	19वी	
द्वितीय उपाग /2 कथाये	,,	50	25×11×15×42	सपूर्ण	1598	(सुर्यदेव + प्रदेशी केशी)
,,	,,	55	26×11×13×47	,, ग्र 2100	1668	,,
,,	,,	68	27×11×13×36	,,	1681	,,
,,	,,	67	28×12×14×40	,, ग्र 2579	17वी	,,
,,	,,	61	26×11×13×46	,,	17वी	,, अतिम पन्ना कम
,,	,,	62	27×11×13×41	,, ग्र 2179	17वी	,,
,,	प्रा मा.	193	24×11×5×40	,, ग्र 6500	18वी	,,
,,	,,	52	26×11×13×47	अपूर्ण	17वी	
,,	प्रा	54	26×11×13×48	सपूर्ण ग्र 2121	18वी	
,,	प्रा सं	77	31×13×13×58	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम व अतिम पन्ना कम
,,	प्रा.	49	27×11×13×52	सपूर्ण ग्र 2079	18वी	
,,	,,	50	26×11×13×42	अपूर्ण बीच के पन्ने	19वी	
,,	प्रा मा	158	27×11×16×48	स ग्र. 2117+5000	1921	
,,	प्रा.	38	26×11×11×42	त्रुटक	18वी	
,,	प्रा मा	84	27×12×7×37	अपूर्ण	18वी	
,,	प्रा स	30	26×11×15×53	त्रुटक	19वी	

1	2	3	3A	4	5
30	कु ना.53/1	राजप्रश्नीयसूत्र	Rājapraśnıya Sūtra		मू ट (ग)
31	कोलडी 1021	,,	,,		मू.ग.
32	महा 1प्रा 2	,, की वृत्ति	,, kı Vrttı	मलयगिरि	गद्य
33	,, 1प्रा3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
34	के नाथ 10/47	,, ,,	,, ,,	,,	,,
35	से म 1प्रा129	जीवाजीवाभिगमसूत्र	Jıvājıvābhıgama Sūtra		मू.अ. (ग.)
36	के नाथ 4/11	,,	,,		मू.ग.
37	,, 9/2	,,	,,		,,
38	कोलडी 33	,,	,,		,,
39	ओसिया 1प्रा86	,,	,,		मू ट (ग)
40	के नाथ 6/14	,,	,,		मू ग
41	कोलडी 1027	,,	,,		मू ट (ग)
42	के नाथ 16/7	,,	,,		मू.ग
43	कोलडी 34	,, की वृत्ति	,, kı Vrttı	मलयगिरी	गद्य
44	,, 35	,, ,,	,, ,,	,,	,,
45	कु. नाथ25/8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
46	मु मु 1प्रा111	प्रज्ञापनासूत्र	Prajñāpanā Sūtra	श्यामाचार्य	मू ग.
47	के. नाथ 1/6	,,	,,	,,	,,
48	के नाथ24/4	,,	,,	,,	,,
49	,, 15/13	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
द्वितीय उपाग/ 2 कथायें	प्रा.मा.	66	27×12×6×33	अपूर्ण सूर्यदेव भी अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.	11	24×13×6×42	अपूर्ण	20वी	किंचित् टब्बार्थ भी
आगम साहित्य व्याख्या	स.	75	27×11×17×50	पूर्ण ग्र 4300	17वी	
,,	,,	44	26×11×15×60	अपूर्ण बीचके पत्रे	18वी	
,,	,,	54	27×12×16×43	अपूर्ण	19वी	
तृतीय उपाग-विभक्तिया	प्रा स	186	27×11×11×42	,,	17वी	
,,	प्रा	213	26×11×11×37	,,	17वी	
,,	,,	96	26×11×15×50	सपूर्ण ग्र. 4700	1720	
,,	,,	90	25×10×17×52	,, ग्र 4750	1721 जोधपुर	
,,	प्रा मा.	291	26×12×7×43	त्रुटक	18वी	बीच के पत्रे कम है
,,	प्रा	171	24×12×7×49	अपूर्ण	19वी	
,,	प्रा मा	50	28×15×6×40	,,	19वी	
,,	प्रा	4	28×11×14×48	केवल विजयदेव पूजा प्रकरण	19वी	
आगम साहित्य व्याख्या	स	201	28×11×17×54	स ग्र. 14000	1561	
,,	,,	161	30×11×19×80	,, ,,	1599	
,,	,,	72	25×10×14×50	त्रुटक	16वी	
चतुर्थ उपाग जीव अजीव विभ.	प्रा	160	29×12×15×49	स ग्र 8980	16वी	
,,	,,	299	26×11×11×43	,, ग्र 7788	17वी	
,,	,,	223	28×12×13×41	,, 36 पद ग्र 8300	18वी	
,,	,,	182	26×11×13×52	,, ग्र. 7787	18वी	

1	2	3	3A	4	5
50	प्रोसि 1आ99	प्रज्ञापनासूत्र	Prajñāpanā Sūtra	श्यामाचार्य	मू. (ग)
51	महा 1आ4	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /मलयगिरि	मू वृ. (ग)
52	के ना 13/20	,, —	,, —	श्यामाचार्य	मू.ट. (ग)
53	प्रोसि. 1आ100	,,	,,	,,	,,
54	,, 1आ80	,,	,,	,,	,,
55	महा. 1आ52	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /मलयगिरि	मू वृ (ग)
56	,, 1आ51	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
57	प्रोसि 1आ141	,, —	,, —	श्यामाचार्य	मू ट (ग)
58	के ना. 6/82	,,	,,	/कुलमण्डनगणि	मू अ (ग)
59	कोलडी 36	,, की वृत्ति	,, Ki Vṛtti	मलयगिरि	गद्य
60	के ना. 1/2	,, ,,	,, ,,	,,	,,
61	प्रोसि 1आ87/88	,, ,,	,, ,,	,,	,,
62	के ना.17 63	प्रज्ञापना की वृत्ति	Prajñāpanā Ki Vṛtti	,,	गद्य
63	प्रोसि 1आ.101	जम्बूद्वीप-प्रज्ञप्ति	Jambūdvīpa Prajñapti		मू ग
64	के ना 1/10	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	मलयगिरि/	मू वृ (ग)
65	महा 1 आ 5	,,	,,		मू ग.
66	,, 1 आ 6	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	/शान्तिचन्द्र वाचक तपागच्छीय	मू वृ (ग)
67	कु ना, 54/9	,,	,,		मू ग.
68	के नाथ 9/12	,, वृत्ति सह	,, with Vṛtti	शान्तिचन्द्र तपागच्छीय	मू वृ (ग)
69	,, 4/5	,,	,,		मू ग

6	7	8	8A	9	10	11
चतुर्थ उपाग जीव अजीव विभक्तिया	प्रा	183	26×13×15×42	स. 36 पद ग्र. 7787	1854 उद-रामसर माणिकमुनि	
,,	प्रा स	415	25×11×16×57	,, ग्र.7786+16000	1885	
,,	प्रा मा	256	27×12×7×45	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	187	27×12×13×50	सपूर्ण ग्र 26000	1908 बोडा गुमानीराम	-
,,	,,	458	25×11×9×36	,,	1931	
,,	प्रा स	431	27×12×14×56	,, ग्र. 23787	1964 केशरमुनि	
,,	,,	405	31×15×15×54	,, ,,	1975 केशरमुनि	
,,	प्रा मा	549	25×12×6×30	अपूर्ण त्रुटक	20वी	जीर्ण
,,	प्रा स	12	26×11×16×45	मात्र तृतीय पद की	20वी	
आगम-साहित्य व्याख्या	स	161	31×11×19×80	अपूर्ण	16वी	
,,	,,	165	26×11×15×36	,,	17वी	
,,	,,	323	26×12×15×47	संपूर्ण	19वी	
,,	,,	199	26×11×13×48	अपूर्ण	19वी	
पाचवा उपाग भूगोल	प्रा	38	26×11×23×74	सपूर्ण	16वी	
,,	प्रा स	286	26×11×15×50	अपूर्ण	16वी	
,,	प्रा	171	27×11×11×31	सपूर्ण ग्र 4154	1646 देवदास	
,,	प्रा स.	435	26×12×15×46	,,	17वी धनचद्र	प्रशस्ति 2 पन्नो मे
,,	प्रा.	144	26×11×11×43	,, ग्र 4445	17वी	
,,	प्रा स	232	25×11×15×54	अपूर्ण ग्र 12712 तक	17वी	
,,	प्रा.	146	27×11×13×50	सपूर्ण	18वी	

1	2	3	3A	4	5
70	के नाथ 15/2	जम्बूद्वीप-प्रज्ञप्ति	Jambūdvipa Prajñapti		मू (ग.)
71	,, 14/32	,,	,,		,,
72	,, 10/9	,,	,,		,,
73	कोलडी 37	,,	,,		मू.ट.(ग)
74	के ना 5/65	,,	,,		मू. (ग.)
75	कोलडी 971	,, की वृत्ति	,, ki Vrtti	/हीरविजय (दानसूरिका शिष्य)	गद्य
76	के.ना. 9/13	,, ,,	,, ,,		,,
77	मु सु 1आ114	चन्द्रप्रज्ञप्ति	Candra Prajñapti		मू. (ग)
78	ओसि 1आ102	सूर्यप्रज्ञप्ति	Sūrya ,,		,
79	के.नाथ 9/14	,,	,, ,,		,,
80	,, 11/36	निरयावलिका-पञ्चोपाङ्ग सूत्र	Niryāvalikā-pañcopānga Sūtra	सुधर्मा/श्रीचन्द्रसूरि	मू वृ (ग)
81	कु ना 29/7	,,	,,	सुधर्मा	मू (ग)
82	के ना. 15/4	,,	,,	,,	,,
83	मु.सु 1आ112	,,	,,	,,	,,
84	के.नाथ 14/28	,,	,,	,,	,,
85	ओसि. 1आ89	,,	,,	,,	,,
86	के ना.17/64	,,	,,	,,	मू ट (ग)
87	,, 10/27	,,	,,	,,	मू अ (ग)
88	महा 1आ7	,,	,,	,	मू (ग)
89	,, 1आ8	निरयावलिका की वृत्ति	Niryāvalikā ki Vrtti	श्री चन्द्रसूरि	गद्य

6	7	8	8A	9	10	11
पाचवा उपाग भूगोल	प्रा.	148	26×11×11×42	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम दो पत्र कम
,,	,,	81	23×11×19×49	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	83	29×11×15×60	,,	19वी	
,,	प्रा. मा	224	25×12×14×56	,,	1908	
,,	प्रा	35	30×12×15×58	अपूर्ण (44से78अत)	17वी	
आगम व्याख्या साहित्य	स.	198	32×14×22×54	सपूर्ण ग्र 14252	1639	
,,	,,	77	26×11×15×50	अपूर्ण	17वी	प्रचलित लेखक से भिन्न
छठा उपाग-अतरीक्ष	प्रा	37	30×14×19×50	सपूर्ण	18वी	किंचित अवचूरि सस्कृत मे
सातवा उपाग अतरीक्ष	,,	43	27×11×16×57	,, ग्र 2200	15वी	
,,	,,	76	27×11×11×45	;	17वी	
8से12 उपाग/ कथाये	प्रा.स	32	26×11×12×45	,, ग्र 1209+637	16वी	
,,	प्रा.	16	27×12×19×78	लगभग पूर्ण	17वी	प्रथम व अतिम पन्ना कम
,,	,,	29	26×11×13×43	सपूर्ण ग्र 1319	17वी	
,,	,,	27	26×11×13×52	,, ग्र. 1109	17वी	
,,	,,	21	26×11×18×45	,, ग्र. 1319	1691	
,,	,,	12	27×12×21×64	,, 52 उद्देशक	1845 नागर टीकमदास	
,,	प्रा मा	105	25×12×7×28	,, ग्र. 3600	19वी	
,,	प्रा स	8	26×11×35×70	,, ग्र 1050	19वीं	
-	प्रा	27	25×13×17×37	,, ग्र. 1161	1928	
आगम व्याख्या साहित्य	स.	11	25×13×19×40	,, ग्र 801	1928 बालूचर, प जीवन	

1	2	3	3A	4	5
भाग	विभाग 1 आ	(ii) जैनआगम-अंग	बाह्य-छेद सूत्र		
1	मे म. 1आ 131	निशीथसूत्र	Nisitha Sūtra	भद्रबाहु स्वामी	मू (ग.)
2	ओसि 1आ82	,,	,,	,,	मू ट (ग)
3	महा आ9	,,	,,	,,	,,
4	ओसि 1आ85	,,	,,	,,	,,
5	, 1 आ83	,,	,,	,,	,,
6	कु ना 42/1	निशीथ की चूर्णि	Nisitha ki Cūrni		गद्य
7	महा 1आ10	बृहत्कल्पसूत्र +वृत्ति	Vrhatkalpa Sūtra +Vrtti	भद्रबाहु/क्षेमकीर्ति	मू वृ (ग.)
8	" 1आ11	व्यवहारसूत्र	Vyavahāra Sūtra	भद्रबाहु	मू अ. (ग)
9	ओसि 1आ81	दशाश्रुतस्कंधसूत्र	Daśāśrutaskandha Sūtra	,,	मू (ग)
10	कोलड़ी 968	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	,,	मू ट (ग)
11	के ना 24/79	,,	,	,,	मू (ग)
12	महा 1आ36	,,	,,	,,	मू.अ (ग)
13	के ना 8/24	,, +किरणावली	,, +Kiranāvali	,,/धर्मसागरगणि	मू वृ (ग.)
14	,, 1/4	,,	,,	, / भक्तिलाभ	अन्तर्वाच्य
15	कु ना 20/1	,,	,,	भद्रबाहु	मू ट (ग)
16	महा 1आ64	,, +किरणावली	,, +Kiranāvali	,, /धर्मसागर	मू वृ (ग.)
17	के ना 20/6	,,	,,	, /गुणविजय	अन्तर्वाच्य

6	7	8	8A	9	10	11
छेदसूत्र साधु समाचारी	प्रा	28	27×11×13×40	सपूर्ण 20 उद्दे ग्र 815	16वी	,,
,,	प्रा भा.	62	25×12×6×55	,, ,, ग्र. 825	19वी	
,,	,,	101	25×11×5×38	,, ,,	19वी	
,,	,,	49	25×12×8×37	,, ,,	1933 विक्रमपुर	
,,	,,	53	25×13×8×35	,, ,,	944 विक्रमपुर	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा	20	30×12×15×56	त्रुटक	19वी	
छेदसूत्र साध्वाचार नियम	प्रा स	164	33×12×17×76	तृतीय खड संपूर्ण	16वी	
,,	,,	23	27×11×16×57	सपूर्ण 10 उद्देशक	17वी	
,,	प्रा	14	26×11×15×52	,, ,,	16वी टीकम दास ऋषि	
दशाश्रुत आठवा अध्याय तीथकर कल्याणक, साधु समाचारी व स्थिरावली	प्रा.भा.	96	35×14×7×36	,, ग्र 1216	1485 नागपुर हेमसागर	38 चित्र है
,,	प्रा	82	28×11×8×38	,, ,,	1536	
,,	प्रा स	131	27×11×7×25	,, ,,	1548	12 चित्र है
,,	,,	201	26×11×13×41	,, ग्र 5200	1628	सभवत: रचना वर्ष प्रशस्ति है विस्तृत
,,	,,	56	26×11×13×50	,,	1645	
,,	प्रा भा.	134	26×11×5×40	,, ग्र. 5000	1658	
,,	प्रा स.	127	26×11×18×52	,, ग्र. 4814	1664	प्रशस्ति है विस्तृत
,,	प्रा स भा	138	26×11×15×44	,,	1687	

1	2	3	3A	4	5
18	के.नाथ 15/57	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु	मू ट (ग.)
19	ओसि 1आ70	,,	,,	,,	मू. (ग)
20	कोलडी 1030	,,	,,	,,	मू ट.(ग.)
21	,, 1230	,,	,,	,,	,,
22	महा. 1आ63	,,	,,	,,	मू. (ग)
23	ओसि. 1आ 8	,,	,,	,,	मू ट (ग)
24	के नाथ 8/10	,,	,,	,,	मू. (ग)
25	,, 8/4	,,	,,	,,	मू ट (ग.)
26	,, 6/62	,,	,,	,,	,,
27	कोलडी 12	,,	,,	भद्रबाहु/गुणविजय	अन्तर्वाच्य
28	महा 1आ33	,, +कल्पलता	+Kalpalātā	,, /समयसुन्दर	मू वृ (ग.)
29	,, 1आ37	,, +सुबोधिका	+Subodhikā	,, /विनयविजय	,,
30	,, 1आ35	,, +किरणावली	+Kiranāvali	,, /धर्मसागर	,,
31	ओसि 1आ69	,, +बालावबोध	+Bālāvabodha	,, ,,	मूट वा ट(ग)
32	कोलडी 1237	कल्पसूत्र+संदेहविषौषधि	Kalpa Sūtra+Sandeha Visausadhi	भद्रबाहु/जिनप्रभ	मू वृ (ग्र)
33	,, 13	,,	,,	,,	मू ट व्या कथा
34	के नाथ 4/8	,,	,,	,,	मू (ट)
35	से म 1आ133	,,	,,	,,	,,
36	के नाथ 8/13	,, +कल्पलता	,, +Kalplatā	,, /समयसुन्दर	मू वृ (ग)
37	कोलडी 15	,,	,,	भद्रबाहु	मू ट व्या

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत आठवा अध्याय तीर्थंकर कल्याणक, साधु समाचारी व स्थविरावली	प्रा. मा	116	26×11×6×32	लगभग पूर्ण	1689	4 पत्रे कम हैं
	प्रा	43	26×11×13×39	सपूर्ण ग्र 1250	17वी	3 चित्र मामूली
	प्रा मा.	141	25×10×14×46	अपूर्ण	17वीं	31 चित्र है व्याख्यान भी है
,,	,,	59	26×11×5×40	सपूर्ण	17वी	व्याख्यान भी है
,,	प्रा.	76	28×12×9×33	,, ग्र.1216	1719	
,,	प्रा मा	124	25×11×6×25	,, ,,	1722	
,,	प्रा.	71	26×11×11×25	, ,,	1747	
,,	प्रा मा	95	25×11×7×34	,, ,,	1757	
,,	,,	137	25×11×6×38	,, ,, कथासह	1758	
,,	प्रा स मा.	133	27×12×12×60	,,	1766	
,,	प्रा स	184	26×11×15×50	,, 9वाचनाये	18वी	
,,	,	210	28×13×10×46	,,	18वी	
,,	,,	299	26×11×10×31	,, ग्र. 4814	18वी	
,,	प्रा मा	153	25×12×17×48	अपूर्ण ग्र 1000 तक	18वी	
,,	प्रा स.	72	24×11×7×36	सपूर्ण 1216 ग्र की	18वी	कठिनपदसजि विवृत्ति
,,	प्रा मा	95	24×10×11×58	,, ग्र 1216	18वी	
,	,,	135	25×11×6×32	,,	18वी	
,,	,,	145	26×11×8×40	लगभग पूर्ण ग्र 1216	1793	प्रथम2पत्रे कम
,,	प्रा स.	154	26×11×14×43	अपूर्ण (कुल 13पत्रे कम हैं)	गुढा नेयमूर्ति 1793	
,,	प्रा, मा	243	25×11×13×35	स ग्र 1216 का	1807	

1	2	3	3A	4	5
38	के ना 20/32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु	मू. व्याख्यान
39	कोलडो 17	,,	,,	,,	मू ट व्या.
40	,, 1035	,,	,,	,,	,,
41	के ना. 8/22	,,	,,	,,	मू. ग.
42	,, 8/8	,,	,,	,,	,,
43	ओसि 1आ 67	,,	,,	,,	मू.ट.व्या कथा
44	कोलडो 6	,,	,,	,,	मू. ग.
45	,, 14	,,	,,	,,	मू ट व्या कथा
46	कु ना 22/2	,,	,,	,,	मू.ट व्या.
47	कोलडो 4	,,	,,	,,	मू ग
48	महा. 1आ62	,,	,,	,,	मू ट कथा
49	,, 1आ.65	कल्पसूत्र+कल्पद्रुमकलिका	Kalpa Sūtra+Kalpadruma-kalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू.वृ.(ग.)
50	,, 1आ32	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	,,	मू ग.
51	कोलडो 5	,,	,,	,,	,,
52	ओसि 1आ96	,,+कल्पद्रुमकलिका	,, +Kalpadrumakalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू वृ (ग.)
53	महा 1आ.34	,,	,,	,,	मू ग.
54	के ना. 18/1	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /	मू वृ.(ग)
55	,, 17/45	,,	,,	,,	अन्तर्वाच्य
56	,, 15/109	,, +किरणावली	,, +Kiranāvalī	,, /धर्मसागर	मू वृ (ग)
57	,, 15/103	,, +कल्पचन्द्रिका	,, +Kalpacandrikā	,, /सुमतिहंस	,,

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत का आठवा अध्याय	प्रा. मा	118	25×11×15×45	स. ग्र 1216 का	1810	
,,	,,	106	25×11×5×38	स.ग्र 1216+2500 +825	1816	
,,	,,	183	24×11×6×32	सं.	1825	
,,	प्रा.	34	26×12×11×38	,, ग्र 1216	1831	
,,	,,	61	25×12×11×34	,, ,,	1843	
,,	प्रा मा.	166	26×12×17×40	,, ,,	1845 सत्यसुन्दर	
,,	प्रा	72	27×13×11×30	,, ,,	1857	
,,	प्रा. मा.	129	27×14×17×38	,,	1865	
,,	,,	157	25×10×5×46	,,	1869	
,,	प्रा.	61	25×14×12×34	,, ग्र 1216	1873	
,,	प्रा मा	160	27×13×13×31	,, 9वाचनायें	1875 विजयचंद	
,,	प्रा. स	206	26×11×13×43	,, 9व्याख्यान	1876 गुलाबविजय	विगतवार प्रशस्ति
,,	प्रा.	92	26×12×8×35	,, ग्र. 1216	1880 सुभटपुर	प्रारंभ मे कुछ अवचूरि भी
,,	,,	50	26×31×12×32	,, ,,	1883	
,,	प्रा स.	161	26×13×15×44	,, ,,	1885	20.50 रुपयो मे खरीदी गुणचंद से
,,	प्रा	78	26×12×10×26	,, ,,	19वी सिद्धचद्र	
,,	प्रा. स.	100	26×13×16×51	,, 8वाचना तक	19वी	रत्नसार ग्रन्थ-वाच्य का उल्लेख
,,	प्रा.सं.मा	72	25×11×13×36	,, ग्र 2500	19वी	
,,	प्रा. सं	126	25×10×17×60	,,	19वी	
,,	,,	103	25×11×15×47	,,	19वी	

1	2	3	3A	4	5
58	कोलडी 16	कल्पसूत्र	Kalpa Sūtra	भद्रबाहु/	मू.ट व्या.
59	,, 3	,,	,,	,,	मू ग.
60	,, 1	,,	,,	,,	,,
61	कु ना 30/1	,,	,,	,,	,,
62	,, 53/3	,,	,,	,,	मू ट व्या.क
63	कोलडी 2	,,	,,	,,	मू ग.
64	के ना. 29/35	,,	,,	भद्रबाहु	,,
65	,, 29/30	,,	,,	,,	,,
66	कु. नाथ30/2	,,	,,	,,	अन्तर्वाच्य
67	,, 4/80	,,	,,	,,	मू ग.
68	महा 1श्रा.61	,, +सुबोधिका	,, +Subodhikā	,, /विनयविजय	मू वृ (ग.)
69-70	,, 1श्रा59/60	,, 2 प्रतिया	,, 2 Copies	,,	मू ग.
71	के नाथ 8/20	,,	,,	,, /भक्तिविलास	अन्तर्वाच्य
72	,, 8/26	,, +कल्पद्रुमकलिका	,,+Kalpadrumkalikā	,, /लक्ष्मीवल्लभ	मू वृ. (ग)
73	,, 20/43	,,	,,	,,	मू ग
74	,, 5/7	,,	,,	,,	मू ट. कथा
75	महा. 1श्रा140	,, +कल्पार्थबोधिनि	,,+Kalpārthabodhini	,, /केशरमुनि	मू वृ (ग)
76	के.नाथ29/102	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
77	,, 10/82	,,	,,	,,	मू ट.

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत 8वा अध्य जिनकल्या एक स्थविरावली +समाचारी	प्रा मा.	175	25×10×12×30	सपूर्ण	19वी	
	प्रा	78	26×11×7×35	,, ग्र. 1216	19वी	
,,	,,	114	26×11×9×22	,,	19वी	
,,	,,	126	25×17×7×24	,,	19वी	
,,	प्रा मा.	137	26×11×6×37	,,	19वी	
,,	प्रा	58	27×12×9×37	स्थविरावली तक	19वी	समाचारी नही है
,,	,,	144	27×13×7×22	सपूर्ण ग्र 1216	1919	
,,	,,	51	27×12×13×32	,, ,,	1927	
,,	प्रा.स मा	131	26×12×4×54	,, ,,	1939	
,,	प्रा.	108	26×13×6×34	,, ,,	1955	
,,	प्रा स	212	27×12×10×43	,, ,,	1955 अहमदाबाद, श्रीकृष्ण	
,,	प्रा	133, 139	26×13×7×35	,, ,,	20वी	चित्रो की खाली जगह है
,,	प्रा स मा	152	25×11×11×42	,, ,,	20वी	जिनकीर्ति सूत्र शिष्य
,,	प्रा स.	149	26×11×7×32	,, ,,	20वी	पत्रे अस्यव्यस्थ लिखावट
,,	प्रा	63	25×11×13×27	,, ,,	20वी	
,,	प्रा मा	123	27×12×13×36	,, ग्र 4000	20वी	
,,	प्रा स	110	30×13×18×72	,, ग्र 1216+7443	2010 जोधपुर शिवदत्त	1993की कृति
,,	,,	189	25×11×16×48	,, ,,	2008नागोर शिवदत्त	,,
,,	प्रा मा	7	26×12×6×44	केवल अच्छेरा अधिकार	16वी	10आश्चर्यवृत्तात

1	2	3		3A		4	5
78	कु ना 52/54	कल्पसूत्र		Kalpa Sūtra		भद्रबाहु/	मू.ट.
79	के.ना. 8/16	,,		,,		,,	मू. व्या.
80	,, 20/19	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	,, /-	मू वृ (ग.)
81	,, 16/5	,,		,,		,,	मू ग.
82	कोलटी 1033	,,		,,		,,	मू.ट व्या.
83	के ना 11/37	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	,, /-	मू वृ (ग)
84	कोलडी 871	,,		,,		,,	मू बा
85	महा 1अ158	,,		,,		,,	मू ग
86-87	वोसि 1अ166/126	,,	2 प्रतिया	,,	2 Copies	,,	,,
88	मे म. 1अ139	,,		,,		,,	,,
89-90	कु ना. 24/5 13/56	,,	2 प्रतियां	,,	2 Copies	,,	,,
91-92	कोलडी1037-39	,,	2 ,,	,,	2 ,,	,,	,,
93-95	के ना.18/6,14/123,11/87	,,	3 ,,	,,	3 ,,	,,	,,
96	के ना. 10/100	,,	+वृत्ति	,,	+Vṛtti	,, /-	मू वृ.(ग)
97	,, 20/12	,,	,,	,,	,,	,, /-	,,
98	कोलडी 1032	,,		,,		,,	मू ट.(ग.)
99	,, 1038	,,		,,		,,	मू.ट व्या.
100	कु ना. 24/2	,,		,,		,,	मू ट (ग.)
101	के नाथ 8/6	,,		,,		,, /उत्तमविजय	मू व्या
102	,, 15/110	,,		,,		,, ,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
दशाश्रुत 8वा अध्य जिनकल्याणक स्थविरावली +समाचारी	प्रा मा	16	25×10×6×40	केवल साधु समाचारी	17वी	
	,,	27	27×12×7×39	,, जिनचरित्र का कुछ भाग	19वी	त्रुटक
,,	प्रा स.	44	20×10×7×43	अपूर्ण जन्महोत्सव तक	19वी	
,,	प्रा	48	27×11×8×67	,, ग्र 550 तक	19वी	
,,	प्रा मा	23	25×11×8×33	त्रुटक	19वीं	
,,	प्रा स	13	26×11×18×50	केवल स्थविरावली व्याख्यान	19वी	
,,	प्रा म	9	26×11×16×52	केवल साधुसमाचारी	19वी	
,,	प्रा.	122	30×13×9×34	त्रुटक	1963नागौ रामनाथ	बीच मे भी पत्रे कम है
,,	,,	77,69	26×12×भिन्न2	अपूर्ण	20वी	प्रति सामान्य प्रतिया
,,	,,	26	25×11×7×27	केवल 350 ग्र. तक	20वी	
,,	,,	73,1	25,28×13×भिन्न	अपूर्ण	20वी	,,
,,	,,	41 5	27,25×13,11 ,,	,,	20वी	
,,	,,	31,41 3	23से26×11से15	,	20वी	
,,	प्रा सं	14	25×5×15×40	केवल चौथी वाचना	20वी	
,,	,,	99	28×13×12×33	अपूर्ण महावीर गर्भ वर्णन तक	20वी	
,,	प्रा मा	36	26×11×6×46	त्रुटक	20वी	
,,	,,	18	26×11×6×38	अपूर्ण	20व	
,,	,,	59	26×14×7×30	,, 27 भव तक	20वी	
,,	प्रा मा.	18	25×12×भिन्न2	केवल 8वा व्याख्यान	20वीं	ऋषभ कल्याणक
,,	प्रा सं मा	12	26×10×14×42	अपूर्ण	20वी	

1	2	3	3A	4	5
103	के ना ४/9	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sūtra Vyākhyāna		ग्रन्तर्वाच्य
104	,, 4/19	,, ,,	,, ,,		,,
105	,, 8 2	कल्पलतानाम्नीवृत्ति	Kalpalata Nāmnı Vrttı	समयसुन्दर	गद्य
106	श्रोसि 1श्रा97	,,	,,	,,	,,
107	के ना 8/11	,,	,,	,,	,,
108	,, 8/1	,,	,,	,,	,,
109	,, 18/42	,,	,,	,,	,,
110	मु स 1श्रा124	,,	,,	,,	,,
111	के ना 11/71	,,	,,	,,	,,
112	,, 8/17	सन्देह विषौषधिनाम्नी पंजिका	Sandeha Visausadhı Nāmanı Pañjikā	जिनप्रभसूरि	,,
113	कोलद्दी 7	कल्पान्तः वाच्यानि	Kalpāntah Vācyānı	जिनहंससूरि	,,
114	,, 9	कल्पद्रुमकलिकानाम्नी-वृत्ति	Kalpadrumakalıkā Nāmnı Vrttı	लक्ष्मीवल्लभ	,,
115	के ना 5/18	कल्पसूत्र की वृत्ति	Kalpa Sūtra kı Vrttı		,,
116	क लडो 8	,,	,,		,,
117	कु ना. 24/1	कल्पसूत्र-भाषान्तर	Kalpa Sūtra Bhāsāntara		,,
118	,, 3/77	,, वाचना	,, Vācanā		,,
119	के ना 6/97	कल्पव्याख्यान	Kalpa Vyākhyāna	जयानदसूरि	,,
120	,, 9/37	कल्पान्त वाच्यानि	Kalpāntah Vācyānı		,,
121	श्रोसि 4श्रा6	(स्थविरावली) कल्पसूत्र	(Sthavırāvalı) Kalpa Sūtra	(कल्पसूत्रे)	,,
122	,, 2/2 6	(समाचारी) ,,	(Samācārı) ,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा स.	88	26×11×13×36	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा स अ. मा	55	26×11×5×30	,,	19वी	
कल्पसूत्र की व्याख्या	स	169	25×11×15×50	,, ग्र 1216की	16वी	
कल्पसूत्र के व्याख्यान	,,	85	26×11×15×48	,, 8व्याख्यान	18वी	
,,	,,	113	25×11×15×47	अपूर्ण 5 ,,	1732	महावीर निर्वाण तक
,,	,,	66	25×11×15×36	,, महावीर जन्मोत्सव तक	18वी	
,,	,,	127	27×11×15×45	,, 6ठो वाचना तक	9वी	
,,	,,	24	25×11×16×50	,, केवल 1½ व्याख्यान मात्र	19वी	
,,	,,	7	25×11×19×44	,, ,, 7वा व्याख्यान	20वी	ऋषभचरित्र मात्र
कल्पसूत्र की दुर्गपद विवृत्ति	,,	54	26×11×16×56	सपूर्ण ग्र.3041	1638	1364 की रचना
कल्पसूत्र की व्याख्या	,,	55	28×11×15×44	,,	1662	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	196	25×10×13×45	,, ग्र. 1216 की	1899	
,,	,,	60	26×11×13×45	अपूर्ण (कुछ समाचारी की)	17वी	प्रारभ ॐ श्रुत्रा पचमति-श्रुता वधि....
,,	,,	77	24×11×14×36	,, 7वी वाचना तक	1850	
,,	,,	17	26×14×11×36	,, स्वप्नाधिकार तक	19वी	
,,	,,	10	26×13×11×44	,, केवल चोथी वाचना	19वी	
,,	,,	18	26×11×17×50	,, स्वप्नो से अत तक	19वी	प्रथम 4पन्ने कम है
,,	,,	8	26×11×19×48	,, स्थविरावली का अश	20वी	
,,	प्रा.मा.	24	25×13×13×33	केवल स्थविरावली	20वी बीकानेर कंवलगच्छे	
,,	,,	18	26×12×16×32	,, समाचारी	1914	,,

1	2	3	3A	4	5
123	मु सु 1आ119	कल्पसूत्र व्याख्यान	Kalpa Sūtra Vyākhyāna		गद्य
124	के.ना 8/3	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
125	से म. 1आ138	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
126	ओसि.1आ71	,, वाचना	,, Vācanā		,,
127	कु. ना. 55/1	,, भाषा टीका	,, Bhāsā Tīka	शांतिसागर	,,
128	कोलडी 1031	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
129	,, 1029	,, ,,	,, ,,		,,
130	के ना.20/20	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
131	ओसि. 1आ95	,, ,,	,, ,,		,,
132	कु नाथ 55/8	,, भाषा	,, Bhāsā		,,
133	के नाथ15 146	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,,
134	ओसि 1आ125	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
135	के.नाथ 5/63	,, ,,	,, ,,		,,
136	,, 10/57	, अन्तर व्याख्यान	,, Antara Vyākhyāna		,,
137	से म 1आ132	,, वाचना	,, Vācanā		,,
138	ओसि 1आ98	,, ,,	,, ,,		,,
139	के ना. 8/25	,, बालावबोध	,, Bālāvabodha		,
140	,, 17/67	,, वाचना	,, Vācanā	शिवनिधान गणि	,,
141	कु .ना 44/3	,, ,,	,, ,,		,,
142	,, 24/10	,, ,,	,, ,,		,,

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र की व्याख्या	मा.	113	29×13×12×40	सपूर्ण लगभग कालक कथा	16वी	प्रथमव अंतिम पत्रा कम
,,	,,	174	25×12×13×41	,, ग्र 1216	1608	
,,	,,	68	26×12×11×28	लगभग पूर्ण(स्थ ग्र)	1616	
,,	,,	102	25×12×20×37	ग. 9वाचनाये कथासह	19वी	
,,	राजस्थानी	212	27×13×13×27	सपूर्ण	19वी	
,,	मा.	194	26×11×15×48	,, 9वाचना	19वी	
,,	,,	146	25×11×16×32	लागभग पूर्ण कालक-कथा अपूर्ण	19वी	
,,	,,	139	26×13×14×39	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	176	26×12×14×37	,, 9वाचनायें	1913 विक्रमपुर	
,,	,,	134	26×14×15×38	,,	1934	
,,	,,	185	25×11×14×36	,, ग्र 1216 का	1935	
,,	,,	99	25×13×20×39	,, 9वाचनाये	1942	
,,	ग्र.	35	26×11×13×46	,,	20वी	स्थविरावलीविधि व अचलगच्छ की
,,	मा.	13	28×12×16×51	,,	20वी	
,,	,,	116	26×11×12×43	5वी वाचना अधूरी	17वी	जीर्ण प्रारंभ मे प्रशस्ति
,,	,,	63	25×11×13×40	1,2,4,और 6 ठी वाचना	18वी	
,,	,,	66	26×11×15×42	अ. आदिनाथचरित्र तक	19वी	
,,	,,	105	25×10×14×46	5से8वी वाचनायें	19वी	
,,	,,	82	21×14×11×24	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	26×11×12×40	केवल 5वी वाचना अधूरी	19वी	

1	2	3	3A	4	5
143	कोलडी 446	कल्पसूत्र-वाचना	Kalpa Sūtra Vācanā		गद्य
144	,, 158	,, ,,	,, ,,		,,
145	,, 1034	,, व्याख्यान	,, Vyākhyāna		,,
146	श्रोसि 3ई185	,, ,,	,, ,,		,,
147	कोलडी 1040	,, वाचना	,, Vācanā		,,
148	के नाथ 19/57	,, व्याख्यान भाषघोल	,, Vyakhyāna Bhāsaghola	ज्ञानविमल	पद्य
149	,, 11/1	पंचकल्पभाष्य (महत्)	Pañcakalpa Bhāṣya (Mahat)	संघदास क्षमाश्रमण	भाष्य
150	,, 11/2	,, चूर्णि	,, Cūrni		चूर्णि
151	महा. 1आ13	महानिशीथसूत्र	Mahāniśitha Sūtra		मू ग.
152	,, 1आ12	,,	,,		,,
153	के नाथ 29/3	,,	,,		,,
154	महा. 1आ40	यतिजीतकल्प	Yati Jitakalpa	जिनभद्रक्षमाश्रमण /सोमप्रभ	मू ट.
155	,, 1आ38	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, / ,, /देवसुन्दर शिष्य	मू वृ.
156	,, 1आ39	,, ,,	,, ,,	,, / ,, / ,,	,,
157	कोलडी 38	जीतकल्प+वृत्ति	Jitakalpa+ ,,	,, /तिलकाचार्य	,,
भाग	विभाग 1 आ	(iii) जैन आगम-अंग	बाह्य-चूलिका व मूल सूत्र:-		
1	कोलडी 39	नंदीसूत्र	Nandi Sutra	देववाचक	मू ग
2	के नाथ 14/26	,,	,,	,,	,,
3	महा 1आ28	,,	,,	,,	मू ट (ग)

6	7	8	8A	9	10	11
कल्पसूत्र-व्याख्यान	मा.	14	26×10×13×50	केवल 3री वाचना	19वी	
,,	,,	5	27×11×17×44	केवल 9वी वाचना भी अधूरी	19वी	
,,	,,	59	26×12×10×32	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	17	25×11×13×33	,, महावीर पूर्व भव तक	19वी	
,,	,,	3	26×11×10×33	3री वाचना भी अधूरी	20वी	
कल्पसूत्र का साराश	,,	22	28×13×12×36	सपूर्ण 10 व्याख्यान	1935	
छेद सूत्रागम साहित्य	प्रा	84	30×16×15×40	,, ग्र 3218	1940	
,,	प्रा स.	61	29×16×18×41	,, ग्र 3125	1940	
छेद सूत्र	प्रा	160	27×11×13×38	,, ग्र 4504	1784 चतुरहर्ष	
,,	,,	99	26×12×13×55	,, ,,	19वी	
,,	,,	40	26×11×7×46	अपूर्ण 6,7वा अध्य. मात्र	19वी	
,,	प्रा मा	37	26×11×7×27	सपूर्ण 306 गाथाये	17वी	मूल सक्षिप्त जिनचद्र का
,,	प्रा स	139	26×13×15×44	,, ,, की ग्र 6602	19वी	,,
,,	,,	129	27×13×10×51	,, ,, ,,	20वी शहरदान	
,, साहित्य	,,	55	24×14×13×38	, 105 गाथा की	19वी	
जैनागम-ज्ञान पर	प्रा	29	27×11×11×40	सपूर्ण	17वी	
,,	,,	41	27×11×6×45	,,	1724	
,,	प्रा.मा.	38	26×11×7×51	,,	18वी	

1	2	3	3A	4	5
4	कोलडी 40	नंदीसूत्र +बालावबोध	Nandi Sūtra +Bālāvabodha	देव वाचक	मू बा (ग
5	मु सु 1अ117	„	„	„	मू ट (ग.)
6	ओसि 1अ73	„	„	„	मू ट कथा
7	महा 1अ56	„ +वृत्ति	„ +Vrtti	„ /मलयगिरि	मू वृ (ग.)
8	ओसि 1अ75	„	„	„	मू ग
9	„ 1अ74	„	„	„	मू ट (ग)
10	के ना 13/37	„ +वृत्ति	„ +Vrtti	„ /मलयगिरि	मू वृ (ग.)
11-12	कु ना 3/70, 40/1	„ आलापक 2 प्रतियां	„ Ālāpaka 2 Copies	„	मू ग.
13	महा 1अ 29	„ की वृत्ति	„ Its Vrtti	मलयगिरि	गद्य
14	के नाथ1/18	„ „	„ „		„
15	कोलडी 1166	„ „	„ „		„
16	मु सु 1अ113	अनुयोगद्वारसूत्र	Anuyogadvāra Sūtra		मू प
17	के नाथ 3/4	„	„		„
18	„ 11/103	„ +वृत्ति	„ +Vrtti		मू.वृ (प ग)
19	„ 14/35	„	„		मू प.
20	„ 2/1	„	„		„
21	ओसि 1अ72	„ +बालावबोध	„ +Bālāvabodha		मू.बा
22	मु सु 1अ118	दशवैकालिकसूत्र	Dasavaikālika Sūtra	सयंभवसूरि	मू
23	के नाथ1/30	„	„ „	„	„
24	ओसि 1अ105	„	„	„	मू ट

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-ज्ञान पर	प्रा.मा	104	26×13×15×28	सपूर्ण	1888	
,,	,,	44	25×12×8×44	,,	19वी	
,,	,,	96	25×12×6×35	,,	1943, ×, वासुदेव	
,,	प्रा स.	193	27×13×12×61	,,	1963	
,,	प्रा.	11	24×12×16×59	,,	1967	
,,	प्रा मा	72	24×11×19×50	,,	1985 नागोर	
,,	प्रा स	70	29×12×16×63	अपूर्ण (आधाभाग पिछला)	1607	पत्रे 78से147 (अत)
,,	प्रा	1+1	26×11×11×9	मूल के उद्धरण	18/19वी	
जैनागम व्याख्या साहित्य	स	169	26×11×15×50	सपूर्ण ग्र 8105	18वी	
,,	,,	28	26×11×13×42	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	11	26×12×15×37	,,	19वी	
जैनागम/व्याख्यान पद्धति	प्रा	81	26×11×9×30	म गा 1604/ग्र 2005	17वी गाली, भागचद्र	
,,	,,	36	26×11×13×47	सपूर्ण प 1399	1519	जीर्ण
,,	प्रा स	176	27×10×13×54	लगभग पूर्ण	16वी	
,,	प्रा.	51	28×12×13×41	सपूर्ण ग्र 1604	17वी	
,,	,	30	27×11×15×50	,,	1704	किंचित् अवचूरि भी है
,,	प्रा मा	83	26×12×5×64	,, ग्र 1417 का	1836 पाली टीकमदास	जीर्ण
जैनागम-आचारादि	प्रा	34	27×9×8×54	स 10 अध्य +2 चूलिका	15वी	बीच मे कुछ पन्ने कम है
,,	,,	16	26×11×16×50	,, ,,	1620	
,,	प्रा मा.	49	26×11×6×44	,, ग्र 700 ,,	17वी	

1	2	3	3A	4	5
25	के ना.15/107	दशवैकालिकसूत्र	Daśavaikālika Sūtra	सयंभवसूरि	मू.
26	,, 20/5	,,	,,	,,	मू ट.
27	कोलडो 1024	,,	,,	,,	मू. प्र.
28	,, 50	,,	,,	,,	मू. ट.
29	,, 1025	,,	,,	,,	,,
30	,, 46	,,	,,	,	मू
31	के ना. 3/23	,,	,,	,,	मू ट.
32	,, 24/2	,,	,,	,,	मू
33	,, 15/5	,,	,,	,,	मू ट.
34	कु ना 17/9	,,	,,	,,	मू
35	के ना 1/3	,,	,,	,,	,,
36	कोलडो 51	,,	,,	,,	मू. ट.
37	,, 49	,,	,,	,,	,,
38	ओसि 1आ.107	,,	,,	,,	,,
39	,, 1आ106	,,	,,	,,	,,
40	महा. 1आ22	,, +चूर्णि,वृत्ति, दीपिका	,, + Cūrni, Vrtti, Dipika	सयंभव/हरिभद्र/ माणिक शेखर	मू चू वृ दी.
41	कोलडो 45	,,	,,	सयभव	मू
42	, 47	,,	,,	,,	,,
43	,, 48	,,+बालावबोध	,, + Bālāvabodha	,,	मू. बा.
44	कु ना. 24/8	,,	,,	,,	मू. ट.

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-आचारादि	प्रा.	16	26×10×14×60	स 10अध्य.+2चूलिका ग्र. 700	17वी	अंत मे10श्लोक अतिरिक्त
,,	प्रा. मा.	52	26×11×16×41	,, ,,	17वी	
,,	प्रा. सं.	26	25×11×13×34	लगभग सपूर्ण	17वी	प्रथम व अंतिम पन्ना नही
,,	प्रा. मा	66	24×10×5×44	सपूर्ण	1754	
,,	,,	41	24×11×6×42	लगभग सपूर्ण	18वी	10वें अध्या. की 20गा कम
,,	प्रा.	20	26×11×10×38	सपूर्ण चूलिकासह	18वी	
,,	प्रा मा.	31	25×11×7×53	,, ग्र. 1924	18वी	
,,	प्रा.	31	25×12×11×33	,, चूलिकासह	18वी	
,,	प्रा मा	64	24×10×5×37	,, 10अध्या.	1807	
,,	प्रा	39	25×12×10×26	,, ,, ग्र. 700	1810	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	34	24×11×11×32	,, ,, चूलिकासह	1812	
,,	प्रा. मा	45	26×10×5×42	,, , ,,	1820जोधपुर गुणविजय	
,,	,,	67	25×11×5×33	,, ,	1827	
,,	,,	68	25×13×5×32	, ,,	1876 बीकानेर	
,,	,,	54	26×12×5×35	,, ,,	1889विक्रमनगर अखैविशाल	
,,	प्रा. स	112	27×13×16×54	,, वृ ग्र. 7470	19वी	
,,	प्रा	35	28×13×7×46	,,	1846	
,,	,,	20	25×11×13×45	सपूर्ण 10अध्या.	19वी	
,,	प्रा. मा	83	25×12×13×45	,, ,,	19वी	
,,	,,	38	27×13×5×56	अपूर्ण विनयसमाधि 2 उद्दे तक	19वी	

1	2	3	3A	4	5
45	के ना 1/21	दशवैकालिक सूत्र	Daśavaıkālıka Sūtra	शयभव	मू.ट.
46	,, 4/18	,,	,,	,,	,,
47	श्रोसि 1श्रा104	,,	,,	,,	,,
48	,, 1श्रा108	,,	,,	,,	मू.
49	महा 1श्रा21	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /हरिभद्र	मू.वृ.
50	श्रोसि.1श्रा103	,, +बाला.	,, +Bālā	,, /-	मू बा.
51	महा 1श्रा24	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /हरिभद्र	मू वृ.
52	कु ना. 43/5	दशवैकालिक सूत्र	,,	शयभव	मू ट
53	कोलडो 52A	,,	,,	,,	,,
54	महा 1श्रा23	,,	,,	,,	मू
55	कु ना 25/10	,,	,,	,,	मू ट
56	के.ना 15/200	,,	,,	,,	मू.
57	,, 11/102	,,	,,	,,	,,
58	,, 6/83	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /–	मू वृ.
59	,, 24/3	दशवैकालिक सूत्र	,,	,,	मू
60	,, 13/23	,,	,,	,,	मू ट.
61-2	कोलडी 1023, 1026	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies	,,	मू
63	श्रोसि 3श्र31	,,	,,	,,	मू ट
64	महा. 1श्रा54	,,	,,	,,	,,
65	श्रोसि 1श्रा134	,, की श्रवचूरि	,, Avacūrı		गद्य

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-आचारांग	प्रा.मा.	46	25×10×6×40	सम्पूर्ण चूलिकासह	19वां	
,,	,,	46	25×11×7×37	,, 10अध्य.ग्र.1500	19वीं	
,,	,,	69	25×13×19×38	,, ,,	1943	
,,	प्रा.	7	27×12×28×65	,, ,,	1952मालेरकोटला,लछमनदास	
,,	प्रा. सं.	250	26×11×11×47	,, ,, चूलिकासह	1961, ×, अमरदत्त	
,,	प्रा.मा	54	25×11×6×47	,, ,,	1965नाग	
,,	प्रा. स.	171	26×13×15×44	,, ,, चूलिकासह	20वीं, ×, यशसूरि	
,,	प्रा.मा	69	26×12×5×32	,, ,,	20वीं	
,,	,,	17	27×11×5×34	अपूर्ण 4 अध्य. तक	1763	
,,	प्रा	2	25×12×12×34	केवल 2रा अध्य.	18वीं	
,,	प्रा मा	22	26×11×7×60	त्रुटक	18वीं	
,,	प्रा.	41	26×11×13×46	अपूर्ण पिण्डेषणा से अंत तक	18वीं	
,,	,	18	26×11×13×40	,, 5वें से 10वें अध्य तक	18वीं	
,,	प्रा.स	46	24×10×13×48	, 3रे से अंत तक	18वीं	
,,	प्रा	21	25×11×9×27	,, 5वें अध्य तक	19वीं	
,,	प्रा मा	57	27×12×6×35	, 5वें से विनय समाधि तक	19वीं	
,,	प्रा.	16,10	27×13व25×12	त्रुटक	19वीं	
,,	प्रा मा.	5	27×13×8×50	अपूर्ण 4थे अध्य तक	19वीं	
,,	,,	3	28×13×4×33	,, केवल 2 अध्ययन	20वीं	
जैनागम व्याख्य साहित्य	स	17	27×11×25×62	सपूर्ण	16वीं	साथ मे पक्खी सूत्रावचूरि

1	2	3	3A	4	5
66	कु ना 55/5	दशवैकालिकसूत्र का बालावबोध	Daśavaikālika Sūtra kā Bālāvabodha	राजसूरि (खरतर)	गद्य
67	के ना. 13/32	,, की वृत्ति	,, kı Vrttı	सुमतिसूरि	,,
68	,, 18/37	,, ,,	,, ,,		,,
69	मु सु 2/328	,, की सज्झाय	,, kı Sajjhāya	जयतसी	पद्य
70	,, 2/329	,, ,,	,, ,,	,,	,,
71	महा 3ह164	,, ,,	,, ,,	,,	,,
72–3	के.ना 20/26 19/43	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 Copies	,,	,,
74	,, 15/133	,, ,,	,, ,,	कमलहर्ष	,,
75	,, 21/89	,, ,,	,, ,,	वृद्धिविजय	,,
76	कोलडी 1156	,, ,,	,, ,,	,,	,,
77	से म 1श्रा109	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू.
78	के ना 1/5	,, +वृत्ति	,, +Vrttı		मू वृ
79	कु ना 38/1	,, +बाला	,, +Bālā		मू बा.
80	कोलडी 52B	,, + ,,	,, + ,,		,,
81	के. ना 14/27	उत्तराध्ययनसूत्र	,, .		मू
82	कोलडी 54	,, +बाला	,, +Bālā		मू बा.
83	के.ना 4/ 2	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	-/नेमिचन्द्रसूरि	मू वृ.
84	मोसि 1श्रा76	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू
85	,, 1श्रा93	,,	,,		,,
86	,, 1श्रा79	,,	,,		मू ट.

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-व्याख्यान साहित्य	मा.	79	27 × 11 × 13 × 45	किंचित् प्रारभ मे अपूर्ण 5 पन्ने कम	17वी	गाथा सहित
,,	स.	61	26 × 12 × 15 × 48	स 10अध्य ग्र 2600	1785	
,,	,,	15	27 × 11 × 15 × 38	अपूर्ण 4थे अध्य तक	19वी	
षद्य मय सारांश	मा.	3	25 × 11 × 15 × 49	संपूर्ण 12 सज्झाय	1763	
,,	,,	5	25 × 11 × 10 × 36	लगभग पूर्ण	18वी	अतिम पन्ना कम
,,	,,	5	25 × 12 × 13 × 34	सपूर्ण 11 सज्झाय	19वी	
,,	,,	8,6	23 × 11 व 25 × 13	,, 11 ,,	20वी	
,,	,,	14	26 × 11 × 15 × 40	,, 12 ,,	1850	
,,	,,	7	28 × 12 × 12 × 39	,, 11 ,,	1904	
,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 32	लगभग पूर्ण	1828	प्रथम पन्ना कम
जैनागम-अतिम उपदेश	प्रा	54	27 × 11 × 15 × 35	स ग्र 2194अ 36	1484मूली ग्राम,भट्ट शिवाणी	
,,	प्रा स	362	26 × 11 × 11 × 35	,, 8260	18वी	
,,	प्रा मा	159	28 × 12 × 6 × 36	लगभग पूर्ण (36वा कुछ कम)	16वी	
,,	,	101	26 × 11 × 6 × 40	सपूर्ण 36 अध्ययन	1619	
,,	प्रा.	58	27 × 11 × 14 × 43	,, ,,	1623	
,,	प्रा मा	167	26 × 11 × 13 × 50	,, ग्र 6250	1657	
,,	प्रा स	317	25 × 11 × 15 × 45	,, ग्र 14000	1666	अपर नाम देवेन्द्र गणि सुखबोधी-नाम्नी वृत्ति
,,	प्रा.	51	26 × 11 × 15 × 50	स.ग्र 2000अध्य 36	17वी	
,,	,	46	33 × 13 × 13 × 61	,,	17वी	जीर्ण
,,	प्रा मा	231	26 × 11 × 4 × 33	स 36 अध्य	1767,× जेठाखीमसी	

1	2	3	3A	4	5
87	के ना. 5/115	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू ट
88	,, 20/2	,,	,,		,
89	,, 13/1	,,	,,		मू
90	कोलडी 53	,,	,,		मू ट.
91	,, 1018	,, +बाला	,, +Bālā	-/-	मू. बा.
92	,, 58	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू ट.
93	,, 57	,,	,,		मू.ट. कथा
94	,, 56	,,	,,		,,
95	ओसि 1आ.78	,,	,,		मू.
96	कोलडी 55	,,	,,		मू ट.
97	ओसि 1आ 136	,,	,,		मू ट. कथा
98	के ना. 11/4	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/शात्याचार्य	मू वृ.
99	मह्रा 1आ53	,, + ,,	,, + ,,	-/भावविजय	,,
100	के ना. 5/48	,, +दीपिका	, +Dīpikā	-/लक्ष्मीवल्लभ	मू दी.
101	,, 5/1	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/-	मू वृ
102	,, 13/17	,, +बाला	,, +Bālā.	-/-	मू बा.
103	,, 10/8	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	-/-	मू वृ.
104	ओसि 1आ77	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू ट
105	के. ना 9/8	,, +वृत्ति	, +Vṛtti	-/भावविजय	मू वृ.
106	कोलडी 61	,, +दीपिका	,, +Dīpikā	-/लक्ष्मीवल्लभ	मू दी.

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा मा	191	26×11×7×38	संपूर्ण 36 अध्य.	1787	
,,	,,	133	27×11×13×45	,,	17वी	
,,	प्रा	121	27×12×9×32	,,	17वी	
,,	प्रा मा	178	25×11×5×35	,,	1753/62	
,,	,,	273	26×11×13×45	लगभग पूर्ण 36वें का 265 श्लोक	18वी	
,,	,,	177	26×11×5×38	पूर्ण 36 अध्य ग्र 2205	18वी	
,,	,,	267	25×12×16×50	संपूर्ण 36 अध्य.	1839	
,,	,,	302	26×11×5×34	,,	1892	टब्बार्थ 18वें अध्य. तक ही
,,	प्रा.	41	26×11×16×54	,, ग्र 2000	19वी	
,,	प्रा मा	177	25×11×5×36	,, ग्र 2205	19वी	
,,	,,	203	26×13×17×53	स ग्र 2000+8000 +4000	1900बीकानेर,छोटुलाल	जीर्ण, प्रथम पन्ना कम है
,,	प्रा स	399	29×16×17×38	स 36 अध्य.	1941	(टीका पाई नाम्नी)
,,	,,	521	27×13×13×41	स ग्र. 16255	1958जामनगर खुबकुशल	प्रशस्ति है। संशोधित
,,	,,	33	26×11×18×48	अपूर्ण 32/70से अंत तक	16वी	
,,	,,	126	26×11×15×49	,, 4थे से 11वें अध्य तक	16वी	
,,	प्रा स मा	144	26×12×13×35	,, 25वें अध्य तक	17वी	प्रथम पृष्ठ पर चित्र
,,	प्रा स	218	27×11×15×58	,, 23वें ,,	17वी	
,,	प्रा.मा	101	25×11×5×47	अपूर्ण 26वें अध्य.तक	18वीं	
,,	प्रा स	162	26×11×12×43	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	29	25×13×17×50	,, 2 अध्या. तक	19वी	

1	2	3	3A	4	5
107	के ना 1/25	उत्तराध्ययनसूत्र	Uttarādhyayana Sūtra		मू ट.
108	कु ना. 17/11	,,	,,		मू.
109	के.ना.26/96	,,	,,		,,
100	महा 1श्रा26	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	-/भावविजय	मू वृ.
111	कोलडो 814	उत्तराध्ययनसूत्र	,,		मू ट.
112	,, 1019	,, +बाला.	,, +Bālā.		मू बा.
113	के ना 16/22	उत्तराध्ययनसूत्र+अव	,, +Avcūri		मू अ.
114-5	,, 14/24,26 /72	,, 2 प्रतियां	,, 2 Copies		मू.
116	महा. 1श्रा25	,, की चूरिण	,, ki Cūrni		गद्य
117	,, 1श्रा55	,, की वृत्ति	,, ki Vrtti	शांत्याचार्य	,,
118	कोलडो 60	,, की कथायें	,, ki Kathāyen	शीलगणि	,,
119	मु सु 1श्रा123	,, की वृहद्वृत्ति,की कथायें	,, ki Vrhad Vrtti, Kathāyen	पद्मसागर	,,
120	कु ना 47/7	,, ,,	,, ,,		,,
121	कोलडो 54	,, ,,	,, ,,	पद्मसागर	,,
122	कु ना 25/9	,, की कथायें	, ki Kathāyen .		,,
123	के ना 23/80	,, की सज्झायें	,, ki Sajjhāyen	वाचक रामविजय	पद्य
124	पोमि. 1श्रा135	,, ,,	,, ,,	,,	,,
125	के ना.21/84	,, ,,	, ,,	आसकरणजी	,,
126	कोलडी4/7गु	,, ,,	,, ,,	उदयविजय	,,
127	,, गु. 10/5	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8A	9	10	11
जैनागम-अंतिम उपदेश	प्रा मा	17	25×11×17×41	अ केवल 32 अध्य	19वी	
,,	प्रा	6	27×12×17×42	,, ,, 36वा ,,	19वी	पन्ना स 4 नही है
,,	,,	2	26×11×13×40	,, नमिप्रव्रज्या ,,	19वी	
,,	प्रा म	139	28×12×15×42	,, 6ठे अध्य तक	20वी	
,,	प्रा मा	9	30×10×5×36	,, मृगापुत्र अ 99गा.	19वी	
,,	,,	22	25×10×12×30	,, अध्या 3/14 तक	20वी	
,,	प्रा स	3	26×11×9×40	,, अनाथी मुनि अध्या	20वी	
,,	प्रा	4,7	27×12×9×30	त्रुटक 9और 36अध्य	20वी	
आगम व्याख्या साहित्य	प्रा स	130	27×13×15×44	स मूल व नियुक्ति पर ग्र 5990	19वी	
,,	स	417	28×13×14×52	,, 36अध्य की	1964नागौर जीवराज	
,,	,,	40	27×10×16×48	सपूर्ण	1581	
,,	,	105	27×18×17×48	, 25वे अध्या तक की	1713 सिरोरापाटक विवेकरुचि	प्राकृत को सस्कृत की गई 1137की रचना
,,	,,	92	26×11×15×48	अपूर्ण	18वी	
	,,	124	25×11×14×42	स 25वें अध्याय तक	1826	
,,	,,	86	26×11×15×80	त्रुटक उदयन कथा तक	19वी	
,,	मा	46	19×11×11×31	सपूर्ण 36अध्या की	1811	
,,	,,	23	26×12×11×36	अपूर्ण 5 से 36 तक	1847भ्रातर-सुवागुलाबचद	
,	,,	4	24×11×17×36	केवल नमिराजर्षि की 7 ढाले	1847	
,,	,,	41	15×9×9×48	स. 36 अध्य. की	1878	
,,	,,	गुटका	19×13×13×23	,,	1884	

1	2	3	3A	4	5
128	कोलडी गु 4	उत्तराध्ययन की सज्झायें	Uttarādhyayana ki Sajjhāyen	सुमतिविजय (लक्ष्मी विजयशिष्य)	पद्य
129	,, 1324	,,	,,	,,	,,
130	के नाथ 29/29	उत्तराध्ययन-वार्त्तिक	Uttarādhyayan Vārttika	पार्श्वचंद	गद्य
131	,, 1/9	ओघनिर्युक्ति +वृत्ति	Oghaniryukti +Vrtti	भद्रबाहु/-	मू.वृ.
132	महा 1आ27	ओघनिर्युक्ति	Oghaniyukti	,,	मू प.
133	के नाथ 14/36	,,	,,	,,	,,
134	,, 9/26	,, का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha		गद्य
भाग	विभाग 1 आ	(iv) जैन आगम-अंग	बाह्य-आवश्यक सूत्र:-		
1	ओसि. 2/152	आवश्यकसूत्र + गाथायें	Āvaśyaka Sūtra+Gāthāyen		मू
2	के नाथ 26/69	,, ,,	,, ,,		मू ट.
3	कु ना 15/14	,, ,,	,, ,,		मू
4	के ना 13/41	,, ,,	,, ,,		मू ट.
5	कु ना. 4/98	,, ,,	,, ,,		मू
6	के ना 24/23	,, ,,	,, ,,		,,
7	,, 15/196	,, ,,	,, ,,		,,
8	,, 21/60	,, ,,	,, ,,		मू ट.
9	,, 15/157	,, ,,	,, ,,		मू
10	,, 16/34	,, ,,	,, ,,		,,
11	,, 1/27	,, ,,	,, ,,		,,

6	7	8	8A	9	10	11
आगम व्याख्या साहित्य	मा.	48	12×10×17×10	लगभग पूर्ण	19वी	साथ मे प्रत्येक बुद्ध गीत भी
,,	,,	5	25×10×13×31	सपूर्ण नमि अध्य तक	19वी	
,,	,,	215	25×11×11×33	,, 9वे अध्य तक	19वी	
जैनागम विकल्पसे साधु आचार पर	प्रा. स	129	25×11×15×45	अपूर्ण	16वी	नौवे पूर्व से निर्यूढ प्राभृत20समाचारी तीसरी
,,	प्रा	33	26×11×15×48	सपूर्ण 1164 गाथा	17वी	
,,	,,	30	27×13×15×45	974 गाथा तक	19वी	
,,	मा	6	27×13×14×39	अपूर्ण	20वी	
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा	123	26×12×11×40	प्रति पूर्ण	16वी	
,,	प्रा मा.	13	26×11×5×36	अपूर्ण	16वी	
,,	प्रा	7	27×11×10×33	प्रति पूर्ण	1623	
,,	प्रा मा.	18	26×11×7×37	,,	1664	
,,	प्रा	11	26×12×11×38	,,	1656	
,,	,,	6	26×11×14×45	,,	1664	
,,	,,	5	25×11×15×40	अपूर्ण	1672	
,,	प्रा मा.	54	26×11×5×37	प्रति पूर्ण	1689	साथ मे सप्त स्मरणादि भी
,,	प्रा.	10	29×11×17×50	,,	17वी	
,,	,,	8	26×11×12×43	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	7	26×11×38×11	प्रति पूर्ण	17वी	

1	2	3	3A	4	5
12	कोलडी 1074	आवश्यक सूत्र+गाथाएँ	Āvasyaka Sūtra+Gathāyen		मू ट.
13	,, 441	,, ,,	,, ,,	-	मू
14	के ना 20/3	,, ,,	,, ,		मू ट.
15	कु.ना 5/107A	,, ,,	,, ,,		मू
16	कु ना. 5/108	,, +स्तोत्र सज्झायादि	,, +Stotra Sajjhāyādi		मू (ग प)
17	के ना 23/9	,, ,,	,, ,,		,,
18	,, 5/24	,, +वंदनक	,, +Vandanaka		मू ट
19	ओसि.1आ84	आवश्यक गाथाएँ	Āvaśyaka Gāthāyen		,,
20	से म 3अ56	,, +स्मरणादि	,, +Smaranādi		मू (प ग.)
21	महा 1आ15	,, + ,,	,, + ,,		,,
22	ओसि 3अ63	,, + ,,	,, + ,,		मू अर्थ
23-4	,, 2/167वा24	,, गाथाएँ 2 प्रतिया	,, Gāthāyen 2 Copies		मू (ग प.)
25	कु ना 10/129A	,, गाथाए	,, Gāthāyen		मू ट
26-30	कोलडी384 7, 430 40,1075	,, ,, 5 प्रतियां	,, 5 Copies		मू (ग.प)
31	कोलडी 43	,, ,,	,, Gāthāyen		मू ट
32	महा. 1आ14	,, ,, आदि	,, ,, Ādi		,,
33	ओसि 3अ22	,, गाथाए	,,		मू (प.ग)
34	कोलडी बस्ता70	आवश्यक+स्तवनादि	Āvaśyaka+Stavanādi		मू (ग प)
35-51	के ना 5/80 117 6/20 40 15/40, 52,185,16/73 17/51,18/'0 1 /100,21/33 71 98,23/2,24/61 85	,, 17 प्रतिया	,, ,, 17 Copies		,, (ग प.)

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगमसूत्र	प्रा मा	11	26×11×4×20	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	14	26×9×11×40	प्रतिपूर्ण	17वी	साथ मे स्तवनादि
,,	,,	10	26×11×18×40	,,	1735	
,,	,,	13	15×22×8×16	,,	1781	
,, +भक्ति	प्रा म मा	177	'6×23×11×20	,,	1797	
,, ,,	,,	7	25×11×11×36	,,	1799	साथ मे चद्रसूरि की सग्रहणी
,,	प्रा मा	16	26×11×7×38	,,	18वी	
,,	,,	18	25×11×5×35	,,	1823	
,, +भक्ति	प्रा स मा.	74	26×11×13×52	,,	1855	
,, ,,	,,	50	25×11×13×40	,,	1863 बीकानेर, लक्ष्मीरग	
,, ,,	,,	69	27×13×4×22	,	1888 अजमेर जवानकुशल	
षडावश्यक आगमसूत्र	प्रा मा	16,16	25×12व27×12	,,	19वी	
,,	,,	10	26×11×6×42	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	9,13,21 10 12	24से26×10से13	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	12	25×12×15×30	,,	19वी	
,,	,	56	27×12×4×29	,,	19वी राजनगर, जेठमल	
,,	,,	10	25×12×15×31	,,	20वी	
षडावश्यक भक्ति आदि	प्रा.स.	123	25से30×10से14	स्फुट पत्र भिन्न 2	19/20वी	सामान्य प्रतियां
,,	,,	10 10,75 10,12,15 4 4,11, 3 7 49 52 41,58 4 7	24से28×10से13	पूर्ण, अपूर्ण	19/20वी	,, ,,

1	2	3	3A	4	5
52	के. ना. 13/46	आवश्यक–गाथायें	Āvaśyaka Gāthāyen		मू ट
53	,, 19/61	,, + चैत्यवदन	,, + Caityavandana		मू अर्थ
54	,, 11/40	,,	,,		मू ट.
55	,, 3/14	षडावश्यक + बालावबोध	Sadāvaśyaka + Bālāvabodha	-/हेमहंस गणि	मू बा.
56	कोलडी 42	,, ,,	,, ,,	-/ ,,	,,
57	के ना 4/7	,, ,,	,, ,,	-/जिनकीर्ति	,,
58	,, 20/1	,, ,,	,, ,,	-/जिनविजय	मू ट बा.
59	,, 27/61	,, ,,	,, ,,	-/ ,,	,, ,,
60	कोलडी 1071 73	,, ,,	,, ,,		,, ,,
61	के ना 21/48	,, ,,	,, ,,		मू बा.
62	,, 5/21	,, ,,	,, ,,		,,
63	,, 11/32	,, ,,	,, ,,		,,
64	,, 11/41	,, ,,	,, ,,		,,
65	,, 21/105	,, ,,	,, ,,		,,
66	,, 5/20	,, ,,	,, ,,		,,
67	कोलडी 439	,, ,,	,, ,,		,,
68	कु ना 37/10	साधु-प्रतिक्रमणसूत्र	Sādhu Pratikramana Sūtra		मू.
69	कोलडी 438	,,	,,		,, ट
70	महा 3अ16	,,	,, ,,		मू ट.
71	के ना. 19/31	,,	,, ,,		,,

6	7	8	8A	9	10	11
षडावश्यक आगम-सूत्र	प्रा मा	18	26 × 11 × 6 × 38	प्रतिपूर्ण	20वी	
+ भक्ति	,,	5	26 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण	20वी	
षडावश्यक	,,	9	25 × 12 × 6 × 45	प्रतिपूर्ण	20वी	
,	,,	62	26 × 11 × 14 × 52	सपूर्ण ग्र. 3100	1526	
,,	,,	137	25 × 12 × 11 × 38	,,	18वी	
,,	,,	86	27 × 11 × 13 × 50	,, ग्र 2200	1603	
,,	प्रा स मा.	115	25 × 11 × 18 × 46	,,	1751	
,,	,,	80	26 × 12 × 15 × 41	अपूर्ण (67 से 146 पत्ते अन्त)	19वी	
,,	प्रा मा.	107	25 × 12 × 5 × 36	सपूर्ण	1836	
,,	,,	26	25 × 11 × 11 × 42	,,	16वी	
,,	,,	77	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण बीच के पत्ते	16वी	
,,	,,	20	26 × 11 × 11 × 49	सपूर्ण लगभग	18वी	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	7	26 × 11 × 8 × 40	अपूर्ण	18वी.	
,,	,,	22	24 × 12 × 15 × 47	,, (संथारगाथा तक)	19वी	
,,	,,	16	25 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण	19वी	
,,	,,	79	25 × 13 × 17 × 48	,,	19वी	
साधु आवश्यक	प्रा.	4	27 × 12 × 13 × 36	सपूर्ण (पगामसज्झाय)	16वी	
,,	,,	5	20 × 11 × 6 × 40	त्रुटक	16वी	
,,	प्रा मा	7	19 × 11 × 7 × 39	सपूर्ण	1762	
,,	,,	6	25 × 11 × 25 × 55	,,	1764	

1	2	3	3A	4	5
72	मु सु 3अ35	साधुप्रतिक्रमण सूत्र	Sādhu Pratikramana Sūtra		मू
73	कोलडी 436	,,	,,		,,
74	के ना. 18/36	,,	,,		मू ट.
75	,, 18/39	,,	,,		,,
76-81	,, 5/54,10/75, 76,11/63,15/ 128,16/32	,, 6 प्रतिया	,, 6 Copies		मू.
82-85	कोलडो 435-37,1187A,B	,, 4 ,,	,, 4 ,,		,,
86	मु.सु. 3अ36	,,	,,		,,
87	से म.3ह345	,,	,,		मू ट.
88	महा 1अ17	,,	,,		मू.
89	कु.ना. 2/9	,,	,,		,,
90-92	,, 2/24,10/ 167 13/43	,, रात्रि सथारा सज्झाय 3 प्रतिया	,, Rātri Santhārā Sajjhāya 3 Copies		,
93	के ना 6/17	,, ,,	,, ,,		,,
94	से म 3अ57	,, + बाला	,, + Bālā		मू बा.
95	ओसि 3अ 51	,, अवचूरि	,, + Avacūri		ग.
96	कु ना गु 36/1	लघुवृत्ति प्रतिक्रमणसूत्र	Laghu Vrtti Pratikramana Sūtra		ग प.
97	के ना 15/95	श्राद्धप्रतिक्रमणसूत्र	Śrādha Pratikramana Sūtra		पद्य
98	,, 13/39	,	,, ,,		मू ट
99	ओसि 3अ47	,,	,, ,,		मू (ग प)
100-1	,, 3अ30,46	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 Copies		,,
102-4	कु ना. 17/17, 37,37,34/4	,, 3 ,,	,, ,, 3 ,,		,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु आवश्यक	प्रा मा	6	26 × 11 × 16 × 46	प्रतिपूर्ण	18वी	
,,	प्रा	4	26 × 11 × 14 × 40	सपूर्ण	1843	
,,	प्रा.मा	10	27 × 12 × 4 × 36	,,	20वी	
,	,,	5	25 × 12 × 24 × 48	,,	20वी	
,,	प्रा -	22,2,8, 2,4	23से29 × 10से12	,,	19/20वी	सामान्य प्रति
,,	,,	5 4,3,3	25से26 × 11से13	,,	19/20वी	,,
,,	,,	6	24 × 12 × 13 × 40	,,	1854	
,,	प्रा मा	1	25 × 11 × 4 × 34	,,	19वी	अप्रचलित पाठ
,,	,,	4	26 × 13 × 15 × 51	,,	19वी	पाक्षिक अतिचार सहित
,,	प्रा	7	23 × 12 × 11 × 19	,,	19वी	
,,	,,	1,1,2	26से27 × 11से12	,, 18 गाथा	19वी	
,,	,,	2	22 × 10 × 10 × 30	,,	20वी	
,,	प्रा मा	12	23 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण	16वी	
,,	स	2	26 × 11 × 16 × 57	,	19वी	मूल प्राकृत सूत्रो की सस्कृत
श्रावक आवश्यक	प्रा स	क्रम गुटका 6		,,	1544	दिगम्बर आम्नाय
,,	प्रा	5	26 × 11 × 11 × 40	,, वदित्त सूत्र 50 गाथा	17वी	
,,	प्रा मा	14	27 × 11 × 5 × 56	,,	1726	
,,	,,	5	26 × 12 × 12 × 36	,,	1870,विक्रमपुर जिनसुदर	अतिचार सहित
,,	,,	5,10	24 × 11व27 × 12	,,	19वी	
,,	,,	14,5,18	19से26 × 11से13	,,	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
105	के. नाथ 11/54	श्राद्ध प्रतिक्रमण सूत्र	Śrādh Pratıkraman Sūtra		मू ट.
106	कोलडी 443	,,	,,		मू
107	,, 385	,,	,,		मू ट
108	,, 1108	,,	,,		मू +अर्थ
109	,, 386	,,	,,		मू +ट
110	ओसिया 3 अ 29	,,	,,		ग प
111-7	के नाथ 6/124, 15/39 64,67, 75 16/26 26 /81	,, 7 प्रति	,, 7 Copies		मू (प)
118	के नाथ 13/51	,, +वाला	,, +Bāla		मू वा
119	,, 1/29	आवश्यक सूत्र निर्युक्ति	Āvasyak Sūtra Nıryuktı	भद्र बाहु	मू (प)
120	महा 1 आ 16	,, ,	,, ,	,,	,,
121	के नाथ 15/111	,, ,,	,, ,,	,,	,,
122	महा 1 आ 17	,, ,,	,, ,,	,,	,,
123	के नाथ 5/16	,, ,,	,, ,,	,,	,,
124	,, 3/18	आवश्यक निर्युक्ति सह वाला	,, with Bāla	,,/सवेगी देवगणि	मू वा
125	ओसिया 3 अ 37	,, ,,	,, with Bāla	,,/रत्न शेखर शिष्य	,
126	के नाथ 11/75	आवश्यक प्रतिक्रमण सग्रहणी	Āvasyak Pratıkraman Sangrahnī	—	मू. (प)
127	महा 1 आ 20	विशेषावश्यक भाष्य वृत्ति सह	Vıśeṣāvasyak Bhasya with Vrtı	जिन भद्र/म हेमचद्र	मू +वृ
128	के नाथ 15/112	आवश्यक वृत्ति	Āvasyak Vrtı	हरिभद्र	ग.
129	महा 1 आ 18	आवश्यक वृहत् वृत्ति	,, Brhat Vrtı	—/हरिभद्र	ग
130	, 1 आ 19	,, ,, लघु टीका	,, ,, Laghu Tīkā	—/तिलकाचार्य	,,
131	के नाथ 21/96	आवश्यक वृति सह	, with Vrtı	— ?	मू वृ
132	, 10/53	,, ,,	,, ,,	—?	,,
133	कोलडी 1072	आवश्यक वृति	,, Vṛtı	—?	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावक आवश्यक	प्रा मा	10	25 × 12 × 5 × 38	सपूर्ण	1842	
,,	प्रा	2	26 × 11 × 12 × 38	,,	19वी	
,,	प्रा मा	6	25 × 11 × 5 × 32	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 10 × 30	अपूर्ण 6 गाथा तक	19वी	
,,	,,	24	25 × 11 × 5 × 33	सपूर्ण ग्रथाग्र 995	19वी	पौष सूत्र सह
,, + भक्ति	प्रा स मा	8	26 × 12 × 14 × 34	प्रतिपूर्ण	1895 विक्रमपुर दौलतसिह	स्मरण सह
,,	प्रा	2 3,3, 4,33,4	25,26 × 10,11	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	
,,	प्रा मा	4	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण गा 24 से 50 (अत) तक	1619	पन्ने 15 से 19 (अत) तक
आवश्यक + व्याख्या साहित्य	प्रा	65	28 × 11 × 15 × 54	सपूर्णगाथा2525ग्र 3130	1524	
,,	,,	113	26 × 11 × 11 × 40	,, ग्र 3375	16वी	
,,	,,	47	26 × 11 × 17 × 60	,,	1628	
,,	,,	83	26 × 11 × 13 × 49	लगभग पूर्ण (अतिम पन्ना कम)	17वी	
,,	,,	47	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण (पन्ने 32 से अत 78 तक)	17वी	
,,	प्रा मा	40	26 × 11 × 11 × 42	केवल पीठिका व्याख्यान का	1514	गाथा 81 तक का सपूर्ण
,,	,,	29	22 × 11 × 15 × 36	,, ,,	19वी	गाथा 78 तक का सपूर्ण
आवश्यक क्रिया सबधी	प्रा	6	25 × 10 × 13 × 50	सपूर्ण 169 गाथाये	16वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	प्रा स	569	26 × 12 × 17 × 43	अपूर्ण 3622 गाथा + 714	19वी विक्रमपुर नारायण	पहिले 36 पन्ने कम
,, ,,	स	100	26 × 11 × 16 × 64	त्रुटक	15वी	जीर्ण (पन्नो की सख्या लगभग
,, ,,	स	659	26 × 12 × 13 × 40	सपूर्ण ग्र 22000	1951	वृति शिष्य हिता नाम्नी
,, ,,	,	140	25 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण (लोगस्स से अत तक)	1672 जहागीर राज्ये	पन्ने 220 से 359 अत
,, ,,	प्रा स	20	25 × 11 × 11 × 35	,, (करेमिभते तक)	1870	
,, ,,	,,	71	26 × 11 × 13 × 32	,,	19वी	
,, ,,	स	15	28 × 13 × 15 × 26	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
134	कुंथुनाथ 42/14	आवश्यक वृति	Āvasyak Vṛti	—	ग
135	केशरिया नाथ 21/34	आवश्यक बालावबोध	,, Bālāvabodha	तरुण प्रभ सूरि	,,
136	,, 18/19	,, ,,	,, ,,	सहजकीर्ति	,,
137	महावीर 3 अ 12	साधु प्रतिक्रमण वृत्ति सह	Sādhu Pratikraman with Vrti	/तिलकाचार्य	मू वृ
138	,, 3 अ 4	,, ,,	,, ,,	/ ,,	,,
139	,, 3 अ 11	,, ,,	,, ,	/हेम सोमसूरि	,,
140	कोठड़ी 859	,, ,,	,, ,,	/ —	,
141	कुंथुनाथ 3/76	साधु प्रतिक्रमण के बोल	,, ke Bol	—	ग
142	गोगिया 3 अ 23	श्राद्ध प्रतिक्रमण+अवचूरी	Śrādh Pratikraman+ Avacūri	/कुल मडन सूरि	मू +अ
143	के नाथ 23/85	,, + ,,	Śrādh Pratikraman+ Avacūri	/देवेन्द्रसूरि (वृ दारुवृत्ति)	,,
144	महावीर 3 अ 1	,, +वृति	Śrādh Pratikraman+Vrti	वृ दारुवृति	मू वृ
145	के नाथ 3/31	,, - ,,	,, + ,,	/ ,,	मू वृ ट
146	कोठड़ी 41	,, की वृति	,, kī Vrti	,,	ग.
147	के नाथ 14/140	, की वृति	, ,,	,	,,
148	महावीर 3 अ 5	श्राद्ध प्रतिक्रमण +वृति	,, +Vrti	- /रत्नशेखर	मू वृ (ग प)
149	के नाथ 13/24	,, ,,	,, + ,,	,,	,,
150	कुंथुनाथ 54/8	श्राद्ध प्रतिक्रमण की वृति	,, kī Vrti	—?	ग
151	के नाथ 15/121	श्राद्ध प्रतिक्रमण+अवचूरि	Śrādh Pratikraman+ Avacūri	—?	मू.+अ
152	गोगिया 3 अ 49	,, + ,,	,, + ,,	—?	, (प ग)
153	के नाथ 23/6	श्राद्ध प्रतिक्रमण +वृति	,, +Vrti	—?	मू वृ (ग)
154	, 18/2	,, +वृति	,, + ,,	—?	मू वृ +कथा
155	महावीर 3 अ 6	पाक्षिक (पक्खी) सूत्र+वृति	Pākṣik (Pakhī) Sūtra+Vrti	—/यशोदेवसूरि	मू वृ (ग)
156	3 अ 13	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	/यशोभद्र	मू अ (ग)
157	गोगिया 3 अ 52	पाक्षिक सूत्र	Pākṣik Sūtra	—	मू (ग)
	के नाथ 5/73	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या सहित	स	4	26×11×7×64	त्रुटक	19वी	
,, ,,	मा	196	26×11×13×41	सपूर्ण कथा सह ग्र.7110	1499	
,, ,,	,,	31	27×14×33×46	सपूर्ण ग्र 2700	1928	
,, ,,	प्रा स	6	24×10×21×43	सपूर्ण ग्रथाग्र 396	1645	
,, ,,	,,	14	27×12×13×28	,,	20वी	पगाम सज्झाय पर
,, ,,	,,	6	26×11×26×57	सपूर्ण	1645	
,, ,,	,,	7	25×10×7×50	,,	17वी	
,, ,,	मा	7	26×12×11×37	,,	19वी	पगाम सज्झाय व राइ सथारे पर
,, ,,	प्रा स	4	26×11×16×49	,,	1480	पगाम सज्झाय के थोकडे
,, ,	,,	3	26×11×9×41	,, वदितु की 50 गाथा	16वी	
,, ,,	,,	89	26×13×14×37	प्रतिपूर्ण ग्र 2720	19वी	
,, ,	प्रा स मा	167	28×12×7×39	सपूर्ण ग्र 6000	19वी	
,, ,,	स	66	27×11×15×48	,, ग्र 2728	19वी	
,, ,,	,,	35	25×11×17×44	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	प्रा स	191	26×12×16×42	सपूर्ण 5 अधिकार ग्र 6744	19वी	प्रशस्ति वीगतवार
,, ,,	,,	158	27×11×15×48	,, ,,	19वी	
,, ,,	स	50	26×11×15×60	अपूर्ण (सपूर्ण के ग्रथाग्र 2700)	16वी	प्रति त्रुटक है
,, ,,	प्रा स	4	26×11×17×60	सपूर्ण	16वी	
,, ,,	,,	8	25×11×19×56	,, 43 गाथा	1665 मेडता ऋषिपीका	
,, ,,	,,	34	26×11×17×51	त्रुटक अपूर्ण	17वी	
,, ,,	,,	47	27×12×12×35	अपूर्ण	19वी	
साधु पाक्षिक आवश्यक	,,	37	28×12×18×55	सपूर्ण ग्र 2700	15वी × अमरसिंह सूरि	जीर्ण/प्रशस्ति है/ 1180 की रचना
,	,,	10	26×11×22×55	,,	15वी	
,,	प्रा	5	25×11×15×53	,,	16वी × शिवनिधान गणि	
,,	,,	9	25×11×13×45	,, ग्र 360	1605	

1	2	3	3 A	4	5
159	के नाथ 5/38	पाक्षिक सूत्र	Pākṣik Sūtra	—	मू (ग)
160	कोलडी 433	,,	,,	—	,,
161	मुनि सुव्रत 3 अ 39	,,	,,	—	,,
162	,, 3 अ 40	,,	,,	—	,,
163	महावीर 3 अ 20	,, +वृत्ति	,, +Vrti	/यशोदेव	मू वृ (ग)
164	कुंथुनाथ 42/13	पाक्षिक सूत्र	,,	—	मू ग
165	,, 10/188	,,	,,	—	,,
166	मेवामदिर 3 अ 60	,, +बालावबोध	,, +Bālāvabo-dha	—/विमल कीर्त्ति	मू बा (ग)
167	महावीर 3 9	पाक्षिक सूत्र	,,	—	मू ग
168	ओमिया 3 अ 54	,,	,,	—	मू ट
169	मुनि सुव्रत 3 अ 41	,,	,,	—	मू (ग)
170	, 3 अ 38	,,	,,	—	,,
171	के नाथ 21/73	,,	,,	—	,
172	ओनिया 3 अ 53	,,	,,	—	,,
173	के नाथ 6/4	,,	,,	—	मू ट
174	महावीर 3 अ 2	,, +वृति	,, +Vrti	—/यशोदेव	मू वृ (ग)
175-81	कोलडी 430 A-31 32-34-1103 68,120[illegible]	पाक्षिक सूत्र 7 प्रतियें	,, 7 Copies	—	मू (ग)
182-6	के नाथ 5/23. 21/74 24/46 -48-50	,, 5 प्रतियें	,, 5 ,,	—	,,
187	मेव मदिर 3 अ 6[illegible]	, —	,, —	—	,,
188-9	कुंथुनाथ 10/180 1[illegible]/[illegible]	, 2 प्रतियें	,, 2 Copies	—	,,
190-1	[illegible]मिया 3 अ 2[illegible] 5[illegible]	,, 2 प्रतिये	,, 2 ,,	—	,,
192-[illegible]	महावीर 3 अ 19 1[illegible]	,, 2 प्रतियें	,, 2 ,	—	,,
194	3 अ 14	पाक्षिक क्षमापणा	,, Ksamāpanā	—	मू अ (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा	10	25 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण	1643	खमासरणा महित
,,	,,	14	27 × 11 × 11 × 38	,,	1690	
,,	,,	9	26 × 11 × 12 × 41	,,	17वी	अत मे पार्श्व लघ स्तोत्र प्रा मे 7 गाथा
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 33	,,	17वी	
,,	प्रा स	57	26 × 11 × 15 × 56	,, ग्र 2700	17वी	
,,	प्रा	6	27 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 37	सपूर्ण	1715	
,,	प्रा मा	18	26 × 12 × 6 × 53	,,	1727 × हर्ममुनि	जीर्ण
,,	प्रा	9	25 × 11 × 13 × 50	,,	1776 मत्यपुर पुण्योदय	
,,	प्रा मा	21	26 × 11 × 6 × 39	,,	1787 × रामकृष्ण	
,,	प्रा	8	26 × 11 × 15 × 45	,,	1793 अहीपुर	
,,	,,	13	26 × 11 × 9 × 46	,,	1798 उकान्पुर दयालसागर	
,,	,,	11	25 × 12 × 13 × 39	,,	1806	
,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 33	,,	1840 × सत्यसुदर	
,,	प्रा मा	20	27 × 11 × 5 × 40	,,	19वी	
,,	प्रा स	68	25 × 11 × 15 × 46	,, ग्रथाग्र 2700	19वी	
,,	प्रा	8,14,12 24,4,6, 9	24से27 × 11से13	,, अपूर्ण	19वी	
,,	,,	20,9,14 9,7	20से26 × 9से12	सपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	38	26 × 13 × 7 × 19	,,	1897 देशनोक वीरदीचद	
,,	,	3,16	26 × 13 × भिन्न 2	,,	19वी	
,,	,	9,13	26 × 12व25 × 11	,,	19वी (विक्रमपुर आनदसुदर	
,,	,,	12,82	26 × 12व21 × 11	,,	20वी(1 रतलाम सीताराम 1953	दूसरी प्रति वहुत वडे अक्षर
,,	प्रा सं	2	28 × 12 × 15 × 40	,, ग्र 75	1931 राजगृह पुनमचद	

1	2	3	3 A	4	5
195	कुंथुनाथ 10,143	पाक्षिक क्षामण	Pākṣik Kṣamāpanā	—	मू (ग)
196	महावीर 3 अ 8	पाक्षिक सूत्र की अवचूरि	,, kī Avacūri	/यशो भद्र	ग
197	,, 3 अ 7	पाक्षिक प्रतिक्रमण सत्तरी	Pakṣik Pratikraman Sattari	चन्द्र सूरि ?	मू (प)
198	ग्रोमिया 1 आ 134	पाक्षिक सूत्र की अवचूरी	,, Sūtra kī Avacūri	/—?	ग.
199	मुनि सुव्रत 3 अ 34	पाक्षिक (साधु) अतिचार	,, (Sādhu) Aticār	—	,,
200-4	कोलडी 389-94-96 922-24	,, ,, ,, 5 प्रतियें	,, ,, 5 copies	—	,,
205-6	के नाथ 18/75, 21/104	,, ,, ,, 2 प्रतिये	,, ,, 2 ,,	—	,,
207	मुनि सुव्रत 3 अ 33	,, ,, ,, —	,, ,, —	—	,,
208-9	महावीर 3 अ 3,33	,, ,, ,, 2 प्रतिये	,, ,, 2 copies	—	,,
210	के नाथ 15/142	,, ,, ,, —	,, ,, —	—	,,
211	सेवामंदिर गुटका 3 ति	पाक्षिक (श्राद्ध) अतिचार	,, (Śrādh) Aticār	पार्श्वचंद सूरि	प
212	के नाथ 11/81	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग.
213	मुनि सुव्रत 3 अ 42	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	पद्य
214	कोलडी 199	,, ,, ,,	,, ,, ,,	(चातुर्मासिक व्याख्याने)	मू ट
215	कुंथुनाथ 15/16	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग
216	,, 29/9	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	प.
217	कोलडी 390	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—	ग
218-2	कोलडी 388-81-82-83,1161	,, ,, ,, 5 प्रतिये	,, ,, ,, 5 copies	—	,,
223-8	के नाथ 6/6, 11/8, 18/9, 19/62, 19/75 24/52	,, ,, ,, 6 प्रतियें	,, ,, ,, 6 ,,	—	,,
229	ग्रोमिया 3 अ 48	,, , अतिचार	,, ,, ,, —	—	,,
230-1	महावीर 2/278-9	ललित विस्तरा (चैत्यवंदनादि सूत्र) दो प्रति	Lalit Vistarā 2 copies	हरिभद्र/मुनिचंद्र	मू + वृ + प.

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा	1	24×11×9×31	सपूर्ण	20वी	
आवश्कक व्याख्या साहित्य	स.	7	26×11×25×65	,, क्षामणा सहित	16वी	
,, ,,	प्रा	3	29×12×17×59	सपूर्ण 72	1594 गुण-लाभगणि	
,, ,,	स	17*	27×11×25×62	,,	16वी	
साधु पाक्षिक आवश्यक	प्रा मा	4	26×12×11×36	,,	1818 नागपुर	
,, ,,	,,	3,3,5, 3,3	23से25×10से13	,,	19वी	बीच की प्रति मे पक्खी विधि
,, ,,	,,	2,2	25×12×15×48	,,	19वी	
,, ,,	,,	4	24×11×11×31	,,	19वी	
,, ,,	,,	3,9	28×13व22×11	,,	20वी	
,, ,,	,,	8	26×12×10×42	,,	20वी	सामान्य से भिन्न पाठ
श्राद्ध पाक्षिक आवश्यक	मा.	13	16×13×13×18	सपूर्ण 156 गाथा	1651	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	7	26×11×13×46	सपूर्ण ग्रथाग्र 235	1724	
,, ,,	,,	5	26×11×13×35	,, 94 गाथाये	1764	प्रचलित से भिन्न पद्य मे
,, ,,	प्रा मा	4	26×11×4×42	,, 25 गाथाये	1856	कुल 124 अतिचार
,, ,,	मा	5	24×11×15×46	सपूर्ण	1875	प्रचलित से भिन्न पाठ
,, ,,	,,	5	26×11×12×48	अपूर्ण गाथा 12 से 144	19वी	,, ,, पद्य मे
,, ,,	,,	9	25×11×13×37	सपूर्ण	19वी	,, ,, पाठ
,, ,,	,,	5,10,7, 8,6	25से28×11से13	,,	19/20वी	
,, ,,	,,	7,11,7, 9,6,7	23से26×11से16	,, लगभग सभी	19वी	
,, ,,	,,	10	28×12×12×28	सपूर्ण	19वी	
चैत्यवदनादि वृति	प्रा स	141, 141	27×13×11×37	सपूर्ण ग्र 3400-3600	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
232	महावीर 2/280	ललित विस्तरा की पंजिका	Lalitvistarā kī Panjikā	मुनिचंद	ग
233	,, 3/281	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय+बा	Caityavandanādi Bhāṣya Traya+Bālā.	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	मू.बा
234	मुनि सुव्रत 2/257	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caityavandanādi Bhāṣya Traya	,,	मू. (प)
235	के नाथ 15/2	चैत्य गुरु वंदन व प्रत्याख्यान भाष्य + बा	Caitya, Gurūvandan & Pratyākhyān Bhasya+Bālā	,,	मू +बा.
236	सेवामंदिर 2/364	,, ,,	Caitya, Gurūvandan & Pratyākhyān Bhasya+Bālā.	,,	मू.+ट
237	के. नाथ 15/48	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāṣya	,,	मू (प)
238	,, 3/12	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय + अवचूरि	Caityavandanādi Bhāṣatrya +Avacūri	,,/सोमसुंदर	मू अ
239	कोलडी 829	,, ,,	,, ,,	देवेन्द्र सूरि	मू ट
240	के नाथ 23/17	,, ,,	,, ,,	,,	,
241	,, 11/90	,, ,,	,, ,,	,,	मू (प)
242	,, 11/29	,, ,	,, ,,	,,	मू ट
243	,, 19/29	,, ,,+बा	,, ,,+Bālā	,,	मू बा
244	कोलडी 108	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	,, ,,	,,	मू ट
245	के नाथ 6/8	चैत्य+गुरुवंदन भाष्य	Caitya Guru Vandan Bhāṣya	,,	मू व्या
246	,, 20/16	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caitya Vandanādi Bhāṣya Traya	,,	मू ट
247	,, 22/42	,, ,,	,, ,,	,,	,,
248	,, 21/100	प्रत्याख्यान भाष्य	Pratyākhyān Bhāṣya	देवेन्द्र सूरि/सोमसुंदर	मू अ
249	,, 24/5	चैत्यवंदनादि भाष्यत्रय	Caitya Vandanādi Bhāṣya Traya	देवेन्द्र सूरि	मू (प)
250	कोलडी 1340	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
251	,, 109	,, ,,+बा.	,, ,,+Bālā	देवेन्द्र सूरि/ज्ञान विमल	मू बा
252	के नाथ 15/136	,, ,,+बा	,, ,,+Bālā	देवेन्द्र सूरि/—	,,
253	महावीर 2/282	चैत्यवंदन भाष्य सावचूरी	Caitya Vandan Bhāṣya with Avacūri	,,/ज्ञान सूरि ?	मू अ
254	,, 2/283-4	गुरु व प्रत्याख्यान भाष्य ,	Guru & Pratyākhyān Bhāṣya with Avacūri	,,/सोमसुंदर	,,
255	मुनि सुव्रत 3 अ 64	चैत्यवंदन भाष्य अवचूरि	Caityavandan Bhāṣya Avacūri	,,/—	ग
256	के नाथ 10/78	,,	,, ,,	,,/—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
चैत्यवदनादि वृति	स	31	27 × 11 × 17 × 65	सपूर्ण ग्र 2130	1505 × कमल सयम	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा मा	6	26 × 11 × 18 × 55	लगभग सपूर्ण (अतिम पन्ना कम)	15वी	
,,	प्रा	6	26 × 10 × 14 × 42	सपूर्ण (63 + 42 + 48 गा)	16वी	
,,	प्रा मा	10	26 × 11 × 9 × 33	,,	16वी	
,,	,,	9	28 × 11 × 7 × 54	,, 152 गा	1697	
,,	प्रा.	4	23 × 10 × 12 × 30	,, 60 गा	1698	
,,	प्रा स	20	26 × 11 × 18 × 54	, 153 गा	1711	
,,	प्रा मा	15	31 × 11 × 5 × 35	,,	1756	
,,	,,	17	26 × 11 × 5 × 37	अपूर्ण (पहिले के 38 गा कम)	1788	
,,	प्रा	6	25 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 155 गा	18वी	
,,	प्रा मा	9	28 × 12 × 0 × 40	अपूर्ण अत की 20 गा कम)	18वी	
,,	,,	42	26 × 13 × 17 × 52	सपूर्ण	1849	
,,	,,	16	26 × 11 × 6 × 45	, (152 गा)	1841	
,,	,,	25	26 × 13 × 15 × 39	,, (63 + 41 गा का)	1897	
,,	,,	16	25 × 12 × 20 × 52	,,	19वी	
,,	,,	12	25 × 11 × 9 × 35	,,	19वी	
,,	प्रा स	8	25 × 12 × 16 × 50	,, 48 गाथा	19वी	
,,	प्रा	10	24 × 13 × 11 × 39	,, 152 गाथा	19वी	
,,	,	6	25 × 11 × 14 × 40	लगभग पूर्ण (अतिम पन्ना कम)	19वी	
,,	प्रा मा	32	26 × 12 × 16 × 65	सपूर्ण 152 गाथा का	1906	
,,	,,	53	27 × 13 × 13 × 44	, ,,	1929	
,,	प्रा स	14	30 × 15 × 15 × 50	सपूर्ण 63 गाथा की	20वी	
,,	,,	19	30 × 15 × 15 × 36	सपूर्ण 42 + 48 ,,	20वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	स	2	27 × 12 × 23 × 80	सपूर्ण 62 गाथा की	16वी	साथ मे अन्य किंचित विवेचन
,, ,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
257	के नाथ 24/42	गुरु प्रत्या भाष्य का वा.	Gurū Pratyā Bhāsya kā Bālā	—	गद्य
258	,, 20/38	चैत्यादि भाष्यत्रय का वा	Caityādi Bhāṣya Traya kā Bāla	—	,,
259	ओमिया 2/152	वन्दनक भाष्य	Vāndanak Bhāṣya	—	मू प
260	के नाथ 26/103	,, ,,	,, ,,	—	,,
261	,, 11/47	भाष्यत्रय+वदितू+वृति	Bhāsya Traya+Vandıtu+Vrti	—/तिलकाचार्य	मू.वृ (प ग.)
262	,, 5/35	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—/ ,,	,,
263	महावीर 3 अ 15	,, ,, ,,	,, ,, ,,	—/ ,,	,,
264	मेवामदिर 2/376	भाष्यत्रय+वदितू की वृति मात्र	,, ,,ki Vrti only	तिलकाचार्य	ग
265	कुथुनाथ 42/9	,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
266	कोलडी 318	चैत्य वदन भाष्य गाथायें	Caitya Vandan Bhāṣya Gāthāyen	—	मू (प)
267	कुथुनाथ 4/90	प्रत्यारयान सूत्र	Pratyākhyān Sūtra	—	मू (ग)
268	के नाथ 5/55	,, ,,	,, ,,	—	,,
269	कोलडी 917	,, ,,	,, ,,	—	,,
270	ओमिया 3 आ 146	,, ,,	,, ,,	—	,,

1	के नाथ 10/7	आतुर प्रत्यास्यान	Ātur Pratyākhyān	—	मू (प)
2	,, 6/39	,,	,,	—	,,
3	कोलडी 44	,,	,,	—	,,
4	ओसिया 1 आ 42	,,	,,	—	,,
5	महावीर 1 आ 41	गच्छाचार प्रकीर्णक+वृति	Gachācār Prakīrnak+Vrti	—/विजय विमल	मू वृ.
6	,, 1 आ 30	चउशरण (अवचूरी सह)	Cauśaran (with Avacūri)	वीरभद्र	मू अ
7	के नाथ 15/106	,,	,,	,,	,,
8	,, 6/25	,,	,,	,,	मू (प)
9	मुनि सुव्रत 1 आ 21	,,	,,	,,	.

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक व्याख्या साहित्य	मा	10	27 × 11 × 13 × 49	सपूर्ण	18वी	
,, ,,	,,	19	24 × 11 × 16 × 42	,,	19वी	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 27 गाथा	16वी	देवेन्द्र सूरि का नही है
,,	,,	276*	25 × 12 × 20 × 56	,, 28 ,,	18वी	,, ,,
,,	प्रा स	16	25 × 11 × 18 × 60	,, ग्रथाग्र 800 वृतिये	1829	,, ,,
,,	,,	22	26 × 12 × 17 × 40	,, ,, 750 ,,	1900	,, ,,
,,	,,	24	30 × 16 × 16 × 43	,, ,, 750 ,,	19वी	
आवश्यक व्याख्या साहित्य	स.	17	26 × 11 × 14 × 46	सपूर्ण ग्रथाग्र 800	16वी	
,, ,	,,	16	26 × 11 × 21 × 86	,, ,, 750	19वी	
आवश्यक क्रिया सूत्र	प्रा	3	20 × 12 × 9 × 22	अपूर्ण	20वी	
,, पाठ	,,	1	25 × 11 × 13 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	1	25 × 11 × 11 × 42	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × 10 × 38	,,	19वी	
,, ,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 38	,,	19वी	14 नियम के भी पाठ साथ मे

जैन आगम-अग वाह्य-प्रकीर्णक —

[illegible] आगम सूत्र	प्रा	4	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 83 गाथाये	17वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 36	,,	18वी	
,,	,,	7*	27 × 11 × 13 × 50	,,	19वी	सा[illegible] मे भक्त परिज्ञा गा 145
,,	,,	6	27 × 12 × 10 × 30	,, 79 गाथा	20वी	
सघ व्यवस्था	प्रा स	140	26 × 11 × 15 × 37	,, 137 गाथा की ग्र 5850	18वी	3 पन्नो मे प्रशस्ति है
भक्ति	,,	6	26 × 11 × 18 × 52	,, 63 गाथा की	1524,श्री पट्टन धन्ना	
	,,	6	26 × 11 × 7 × 32	,, 62 ,, की	17वी	
	प्रा	15	26 × 11 × 11 × 50	,, 66 गाथा	17वी	
	,,	4	26 × 11 × 10 × 33	,, 63 गा.	17वीमहिमावती उत्तम ऋषि	

1	2	3	3 A	4	5
10	के नाथ 5/45	चउशरण (अवचूरी सह)	Cauśaran (with Avacūri)	वीर भद्र	मू ट
11	ओसिया 1 आ 137	,,	,,	,,	मू (प)
12	कुथुनाथ 52/7	,,	,,	,,	,,
13	महावीर 1 अ 57	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
14	मुनि सुव्रत 1 आ 120	,, + बालावबोध	,, + Bālāvabodha	,,	मू + बा.
15	,, 1 आ 130	चउशरण	,,	,,	मू (प.)
16	महावीर 1 आ 31	,,	,,	,,	,,
17	कोलडी 815	,,	,,	,,	,,
18	,, 1184 F	,,	,,	,,	मू ट
19	के नाथ 10/90	,,	,,	,,	मू अ
20	,, 5/26	,,	,,	,,	मू ट
21	,, 15/44	,,	,,	,,	,,
22	,, 2/5	,,	,,	,,	,,
23-5	,, 14/96, 15/37 17/5	,, 3 प्रतिये	,, 3 Copies	,,	मू (प)
26	,, 5/86	,,	,,	,,	मू ट
27	मुनि सुव्रत 1 आ 122	,,	,,	,,	,,
28	के नाथ 26/50	चउशरण का बालावबोध	,, kā bālāvabodha	,,	ग
29	महावीर 1 आ 44	ज्योतिष करडक की वृति	Jyotish Karandak kī Vrti	मलयगिरी	,,
30	,, 1 आ 45	,, ,, ,,	,, ,,	—	,,
31	के नाथ 3/17	तदुल वैयालीय	Tandul Vaiyatīya	—	मू ट
32	,, 5/84	तित्थोग्गालि पइन्ना	Titthoggāli Painnā	—	मू (प)
33	महावीर 1 आ 43	दीव सागर प्रज्ञप्ति	Dīv Sāgar Prajnāpti	चद्र सूरि	,,
34	ओसिया 2/223	पर्यन्त आराधना	Paryant Ārādhanā	सोम सूरि	मू ट
35	,, 3 अ 26	,,	,,	,,	मू (प)
36	कुथुनाथ 10/184	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा मा	5	25 × 11 × 6 × 40	सपूर्ण 60 गा	17वी	
,,	प्रा	4	27 × 11 × 9 × 38	पहिले पन्ने के 8 गाथा कम	17वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 46	सपूर्ण 63 गाथा	17वी	
,,	प्रा मा.	5	26 × 11 × 6 × 44	,, ,, ,, का	1700	
,	,,	7	25 × 11 × 15 × 57	,, ,,	18वी	
,,	प्रा	5	25 × 11 × 9 × 34	,, 63 गा	18वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 18 × 60	,, ,,	18वी जयपुर सूर रत्न	साथ मे पर्यंत आराधना 70 गा
,,	,,	9	30 × 11 × 6 × 28	,, ,,	1844 × माणचद्र	
,,	प्रा मा	6	25 × 11 × 6 × 31	,, 63 गाथा का	19वी	
,,	प्रा स	12	26 × 12 × 18 × 55	,, ,, की	19वी	
,,	प्रा मा	8	25 × 11 × 5 × 35	,, ,, का	19वी	
,,	,,	7	25 × 11 × 4 × 38	,, 62 गाथा का	19वी	
,,	,,	11	21 × 12 × 5 × 26	, 63 गाथा का	1893	
,,	प्रा	2,3,2	25से30 × 11से16	,, 62 से 64 गाथाये	19वी	
,,	प्रा मा	6	25 × 11 × 7 × 33	,, 63 गाथाये	20वी	
,,	,,	10	26 × 12 × 4 × 33	,, ,,	20वी जोधपुर उदयसागर	
,,	मा	2	26 × 12 × 17 × 47	सपूर्ण का	20वी	
आगम व्याख्या साहित्य	स	188	25 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण ग्र 5000	1957	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 18 × 65	प्रतिपूर्ण	19वी	चन्द्र सूर्य मडल विचर
,	प्रा मा	33	26 × 11 × 6 × 33	सपूर्ण ग्रथाग्र 1188	1691	
,	प्रा	37	26 × 11 × 15 × 44	,, 1260 गाथा	19वी	
,	,,	8	26 × 12 × 14 × 43	,, 223 ,,	20वी	
अत समय आराधना	प्रा मा	6	26 × 11 × 6 × 37	,, 70 ,,	1596, सुल्तानपुर, जोगोवल	
,,	प्रा	3	26 × 11 × 13 × 34	,, ,, ,,	17वी	
,,	,,	1	26 × 10 × 21 × 68	,, 68 ,,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
37	कोलडी 382	पर्यन्त आराधना	Paryant Ārādhanā	सोम सूरि	मू अ ट.
38	के नाथ 15/125	,,	,,	,,	मू ट.
39-40	कोलडी 379,1112	,, दो प्रतिया	,, 2 copies	,,	मू (प)
41-3	के नाथ 6/78,10/38,15/105	,, तीन प्रतिया	,, 3 ,,	,,	,,
44	,, 15/223	,,	,,	,,	मू ट
45	महावीर 1 आ 49	,,	,,	,,	मू अ
46	के नाथ 10/98	पिंडविशुद्धि + वृति	Pindviśudhi+Vrti	जिन वल्लभ/उदयसिंह	मू वृ.
47	ओसिया 1 आ 94	पिंडविशुद्धि	,,	,, / —	मू अ
48	के नाथ 3/25	,, + बाला	,, +Bālāvabodha	,, /सोमसुदर	मू बा.
49	ओसिया 2/152	,, —	,, —	,, —	मू
50	के नाथ 5/10	पिंडविशुद्धि	,,	जिन वल्लभ	मू ट
51	,, 15/238	,,	,,	,,	मू अ
52	महावीर 1 आ 46	,,	,,	,,	मू प
53	,, 1 आ 47	,, +वृति	,, +Vrti	,,/यशोदेव	मू वृ
54	,, 1 आ 48	पिंडविशुद्धि	,,	जिन वल्लभ	मू अ
55	के नाथ 6/22	,,	,,	,,	मू ट
56	मुनिसुव्रत 1 आ 115	,,	,,	,,	मू अ
57	के नाथ 20/11	,,	,,	,,	मू ट
58	महावीर 1 आ 50	वगचूलिया सूत्र	Bangcūliya Sūtra	यशोभद्र	मू (प.)
59	कुथुनाथ 4/82	सम्तारक	Sanstārak	—	,,
60	के नाथ 2/7	,,	,,	—	,,
61	महावीर 3 अ 42	सिद्ध प्राभृत	Sidh Prabhrt	—	मू वृ
62	मुनिसुव्रत 1 आ 110	प्रकीर्णक सग्रह प्रति	Prakirnak Sangrah Prati	भिन्न 2	मू

6	7	8	8 A	9	10	11
अत समय आराधना	प्रा स मा	5	26 × 10 × 6 × 36	सपूर्ण 70 गाथा	1713	
,	प्रा मा	9	25 × 11 × 5 × 32	,, 70 ,, ग्र 300	1716	
,,	प्रा	6,5	26 × 12व25 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय मे 38 गा	1861/19वी	
,,	,,	7,5,2	24से25 × 11से13	सपूर्ण 70 गाथा	19/20वी	
,,	प्रा मा	8	19 × 11 × 7 × 24	,,	19वी	
,,	प्रा स	5	27 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण 69 गाथा की ग्र 325	20वी	
आहारनियम साधुओ के	,,	22	26 × 11 × 13 × 45	सपूर्ण 103 गा की	1775	
,,	,	4	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण 97 गा की अतिम पन्ना कम	15वी	
,,	प्रा मा	53	27 × 11 × 9 × 36	सपूर्ण	1580	
,,	प्रा	123	26 × 12 × 11 × 40	,, 103 गाथा	16वी	
,,	प्रा मा	16	26 × 11 × 5 × 28	,, 104 गाथा/ग्र 925	1684	
,,	प्रा स	6	26 × 11 × 11 × 36	,, 104 गाथा/अवचूरी 40 तक	17वी	
,,	प्रा	5	26 × 11 × 12 × 39	,, 103 गाथा/ग्र 131	17वी	
,,	प्रा स	50	26 × 11 × 17 × 56	,, ,, की/ग्र 2800	18वी	
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 50	,, ,, ,,	19वी	
,,	प्रा मा	17	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण 28 गाथा का	19वी	
,,	प्रा स	7	30 × 14 × 26 × 52	सपूर्ण 103 गा की	19वी	
,,	प्रा मा	8	27 × 11 × 14 × 43	सपूर्ण 103 गाथा का	19वी	
	प्रा	8	29 × 13 × 10 × 30	,, 109 गाथा	19वी अजमेर	अपर नाम सुयहील गुप्पाति
	,,	6	26 × 11 × 11 × 34	,, 122 ,,	17वी	
	,,	4	26 × 11 × 14 × 42	,, 119 ,,	19वी	
चन्द्र वेध्यक, देवेन्द्र स्तव, चउसरणा, अजीवकल्प गच्छाचार, तदुल वैचारिक गरिण विद्या महाप्रत्याख्यान वीर स्तव, प्रारभ के 4 अपठनीय	प्रा स	23	28 × 14 × 16 × 44	,, 120 गाथा की	20वी	
	प्रा	66	23 × 12 × 15 × 29	कुल 13 प्रकीर्णक	20वी × भीमसागर	

1	2	3	3 A	4	5
1	कोलडी 852	अक्षर बत्तीसियें व अक्षर बावनी	Aksar Battisiyen & Aksar Bāvanī	रघ कवि	प
2	के. नाथ 6/121	अक्षर बत्तीसी	,, Battisi	—	,,
3	सेवामंदिर 2/420	अठारह पापस्थान	Athārah Pāpsthān	ऋषि लालचंद	,,
4	कुथुनाथ 23/8	अठारह पापस्थान निवारण	,, ,, Nivaran	ब्रह्म	,,
5	के नाथ 26/89 गु.	अठारह पापस्थान सज्झाय	,, ,, Sajjhāya	आणंदकरण	,,
6	कोलडी 1335	अट्ठाइस लब्धि व जलविचार	Athāis Labdhi & Jalvicār	—	ग.
7	कुथुनाथ 52/25	अध्यात्मक कल्पद्रुम	Adhyātm Kalpdrum	मुनि सुन्दर	मू (प)
8	कोलडी 896	,, ,,	,, ,,	,,	,,
9	के नाथ 11/56	,, ,,	,, ,,	,,	,,
10	कोलडी 893	,, ,, + वृत्ति	,, ,, -Vrtti	मुनि सुंदर/रत्नचन्द्र गणि	मू वृ. (प ग)
11	,, 851	अध्यात्मक कल्पद्रुम भाषा	,, ,, Bhāsā	—	ग
12	महावीर 2/29	,, + वृत्ति	,, ,, Vrtti	मुनि सुंदर/रत्नचन्द गणि	मू वृ (प ग)
13	के नाथ 26/56	अध्यात्म बत्तीसी	,, Battisi	सुमति	प
14	कोलडी 954	अध्यात्म शैली	,, Śaili	—	ग
15	के नाथ 15/137	अध्यात्म सार माला	,, Sārmālā	नमीचन्द(रामजी का पुत्र)	प
16	,, 24/44	अनुकम्पा चौपई	Anukampā Caupai	ऋषि जयमल्जी	,,
17	ओसिया 2/243	अनुकम्पा ढाल	,, Dhāl	अज्ञात	,,
18	महावीर 2/18	अन्नाय उच्चगहण कुलक + वृत्ति	Annāy Uchgahankulak + Vrtti	— /आनंदविजय गणि	मू वृ (प ग
19	कोलडी 894	अन्यमत समन्वय	Anyamat Samanvaya	—	ग
20	ओसिया 2/416	अभव्य कुलक	Abhavya Kulak	—	मू. (प.)
21	,, 2/151	अर्थ सत्तरी + बाला	Arth Sattari + Bala	चन्द्र महत्तरा महामती/-	मू बा
22	,, 2/293	अवधि ज्ञान का विस्तार	Avadhi Jñān kā Vistār	अज्ञात	ग
23	मुनि सुव्रत 2/332	अवधि ज्ञान गुणस्थान चर्चा	,, Ganasthān Carcā	—	,,
24	कोलडी 1334	अष्टक सूत्र	Astak Sūtra	हरि भद्र	मू प
25	के नाथ 14/43	,, ,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
नैतिक औपदेशिक पद	मा	18	30 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण (40+50+82 छद)	1802, सप्तछदी मतिविजै	2 वत्तीसिया+1 वावनी
अक्षरानुसारी ,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 35	,, 32 गा	1781	
औपदेशिक	,,	3	21 × 11 × 10 × 35	त्रुटक	19वी	
,,	,,	12	27 × 12 × 11 × 42	पहिले की अपूर्ण 17 की पूर्ण सज्झायें	1704	पन्ने 13 से 14
,,	,,	16	22 × 16 × 17 × 25	17 सज्झाये है 18वी कम	20वी	
सैद्धान्तिक	स	2	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण	16वी	साथ मे पुद्गल परिवतन चर्चा
आध्यात्मिक विवेचन	,	8	27 × 12 × 16 × 80	,, श्लोक 278 (ग्र 422)	16वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 17 × 82	,, ,,	17वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 17 × 45	,, ,,	17वी	
,,	,	58	24 × 10 × 15 × 45	,, 16 अधिकार	18वी	प्रशस्ति है
,,	मा	54	22 × 12 × 14 × 36	,,	1882 × प्रेम विमल	
,,	म	80	29 × 13 × 14 × 39	,, 16 अधिकार (ग्र 2459)	1947 जोधपुर गोपीनाथ	वृति अध्यात्म कल्पलता नाम्नी
,,	मा	3	25 × 12 × 14 × 44	,, 32 गाथा	20वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 16 × 48	सपूर्ण	1896	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 60	सपूर्ण 111 पद (ग्र 235)	19वी	1765 की कृति
औपदेशिक दया पर	,	12	26 × 11 × 21 × 63	सपूर्ण 303 गाथा	19वी	
,,	,,	46	25 × 12 × 11 × 34	सपूर्ण	19वी	
आहार शुद्धि पर	प्रा स	6	26 × 11 × 57 × 58	सपूर्ण 31 गाथा की (ग्र 296)	16वी	
धार्मिक समाधान	मा	2	26 × 13 × 17 × 45	सपूर्ण	1880	
औपदेशिक सिद्धात	प्रा	13	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
कर्म सैद्धान्तिक	प्रा मा	61	27 × 11 × 13 × 52	सपूर्ण 93 गाथाका यत्र सह	16वी	(मूल 70+19 निर्युक्तकार+4 क्षेपक =93 गाथा)
ज्ञान लाक्षणिक वर्णन	मा	5	25 × 12 × 9 × 39	प्रतिपूर्ण	19वी	
ज्ञान सैद्धातिक प्रश्नोत्तरी	,,	2	26 × 11 × 17 × 63	सपूर्ण प्रश्नोत्तर	19वी	
भक्ति सिद्धान्त	स	4	26 × 10 × 19 × 63	सपूर्ण 32 अष्टक+2 श्लोक ग्र 266	16वी	
,,	,,	21	17 × 9 × 9 × 24	,, 33 अष्टक	1818	

1	2	3	3 A	4	5
26	महावीर 2/37	अष्टक सूत्र+वृत्ति	Aṣtak Sūtrā+Vrtı	हरिभद्र/जिनेश्वर	मू.वृ (प ग)
27	,, 2/43	अष्टक सूत्र	,,	हरिभद्र	मू प
28	ओसिया 2/229	अष्ट गुण सज्झाय	Aṣtagun Sajjhāya	ज्ञान विमल	मू ट
29	कोलडी 835	अष्ट प्राभृत	Aṣta Prābhrt	आ कुदकुद	मू +अर्थ
30	,, 892	अष्टार्थ श्लोक	Aṣtārth Ślok	—	मू +ट
31	के नाथ 6/90	अस्थिर भावना	Asthır Bhāvanā	—	ग
32	सेवामदिर 3इ 345	अहिंसा धर्म	Ahınısa Dharm	—	पद्य
33	महावीर 2/22	अहिंसा प्रकरण	,, Prakaran	अज्ञात	,,
34	,, 2/28	,, ,,	,, ,,	,,	,,
35	के नाथ 15/127	अहिंसा+रात्रि भोजन विरमण	,, +Ratrı Bhojan Vıraman	(महाभारत शातिपर्वसे)	,,
36	,, 15/198	अग सज्झाय	Ang Sajjhāya	उ यशोविजय	,,
37	,, 15/208-9	,,	,,	,,	,,
38	कोलडी 283	,,	,,	,,	,,
39	कुथुनाथ 52/1	आगम आलापक	Āgam Ālāpak	सकलन	मू (प ग)
40	,, 44/6	,,	,,	,	,,
41	महावीर 2/277	,,	,,	,,	,,
42	के. नाथ 15/117	,,	,,	,,	,,
43	ओसिया 2/152	आगम उद्धार गाथा	Āgam Udhār Gāthā	—	प
44	सेवा मदिर 3 इ 350	आगम चर्चा	,, Carcā	—	प
45	मुनि सुव्रत 3 इ 302	आगम छत्तीसी	,, Chāttisī	श्री सार मुनि	,,
46	कुथुनाथ 9/127	आगम सार	,, Sār	देवचन्द्रजी	ग
47-51	के नाथ 4/28, 10/66, 21/31 21/90, 23/23	,, 5 प्रतिया	,, ,, 5 Copies	,,	,,
52	ओसिया 2/162	,,	,, ,,	,,	,,
53	कोलडी 1159	,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति सिद्धान्त	म.	76	28 × 13 × 17 × 41	सपूर्ण 32 अष्टक ग्र 3700	19वी × छबीलजी	प्रशस्ति है
,,	,,	12	27 × 13 × 10 × 36	,, 32 अष्टक	1950 शत्रुजय नगरे	
धार्मिकगुणस्वाध्याय	मा	3	24 × 12 × 4 × 33	सपूर्ण 15 गाथा	17वी	
तात्विक औपदेशिक	प्रा स.	57	30 × 11 × 10 × 37	6 प्राभृत पूर्ण	18वी	(दर्शन बोध;श्रुत भाव चरित मोक्ष)
तात्विक	मा	3	24 × 13 × 3 × 23	सपूर्ण	19वी	1 दोहे के आठ अर्थ है
वैराग्योपदेश	,,	2	23 × 11 × 13 × 32	,,	19वी	
औपदेशिक	,,	3	26 × 12 × 17 × 54	,, 75 गाथा	20वी अजमेर	
अहिंसा का विवेचन	स	6	26 × 11 × 6 × 28	,, 59 श्लोक	16वी	
,,	,,	3	28 × 13 × 10 × 38	,, 59 ,,	1961	
औपदेशिक उद्धरण	,,	3	24 × 12 × 9 × 25	,, 26 ,,	19वी	
अगसूत्रोपरस्वाध्याय	मा	2	26 × 12 × 17 × 40	,, पाच ढाले	1859	पाच सूत्रो पर
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 47	,, ,,	19वी	,,
,,	,,	3	26 × 13 × 19 × 60	,, 11 ढाले	19वी	सपूर्ण 11 अगो पर
अहिंसा सवन्धी	प्रा	8	28 × 12 × 11 × 40	प्रतिपूर्ण	17वी	आगम उद्धरण
भक्ति तत्व ,,	,,	167*	15 × 12 × 17 × 24	अपूर्ण	17वी	,,
छेद सूत्र ,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 27	प्रतिपूर्ण	17वी	,,
अनेक वस्तु तात्विक	,,	6	26 × 11 × 15 × 42	,,	19वी	,,
तात्विक	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 71 गाथा	16वी	
,, विचार निर्णय	स	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 25 श्लोक	18वी	
आगम भक्ति + तात्विक	मा	2	24 × 11 × 13 × 33	सपूर्ण 36 पद	19वी	
शास्त्र साराश	,,	35	28 × 13 × 15 × 64	सपूर्ण ग्रथाग्र 2100	19वी	
,,	,,	58,28, 58,38 40	23से31 × 12से16	,,	19वी	
,,	,,	22	23 × 12 × 18 × 46	,,	20वी	
,,	,,	10	24 × 12 × 10 × 37	अपूर्ण	20वी	

6 2858
6 64 49
6 64 49

1	2	3	3 A	4	5
54	के नाथ 22/56	आचार प्रदीप	Ācār Pradīp	रत्न शेखर	ग
55-6	,, 21/83, 23/72	आठ बोल उपदेश 2 प्रति	Āth Bol Updeś 2 Copies	—	,,
57	,, 19/96	,,	,,	—	प ग
58	ओसिया 2/410	आत्म गीता+वाला	Ātm Gītā+Bālāvabodha	देवचदजी	मू बा
59	,, 3 इ 193	आत्म गीता	,, —	,,	मू (प)
60	कुथुनाथ 36/1	आत्मध्यान+आध्यात्माश्रव	Ātmdhyān+Ādhyātmā-śrava	—	प
61	कोलडी 886	आत्म निन्दा	Ātmnindā	ज्ञान सार	ग
62	सेवा मदिर 3 इ 345	,,	,,	,,	,,
63	महावीर 2/382	,,	,,	,,	,,
64	ओसिया 2/231	,,	,,	,	,,
65	महावीर 2/7	आत्म बोध	Ātmprabodh	म जिनलाभ सूरि	,,
66	के नाथ 18/34	आत्म प्रबोध छत्तीसी	,, Chattisī	ज्ञान सार	प
67	महावीर 2/34	,, ,,	,, ,,	,,	,,
68	सेवा मदिर गुटका 3 ति	आत्म शिक्षा	Ātmśikṣā	पार्श्व चन्द	,,
69	के नाथ 10/108	आत्म शिक्षा भावना	,, Bhāvanā	प्रेम विजय	,,
70	कुथुनाथ 13 233	आत्म शिक्षा सज्झाय	,, Sajjhāya	लावण्य कीर्ति	,,
71	कोलडी 884	आत्म स्वरुप श्लोक	Ātmsvarūp Ślok	—	मू व्या
72	कुथुनाथ 36/2	आत्म स्वरुप स्तोत्र + अध्यात्म गीत	,, Stotra+Ādhy-atm Gīt	अज्ञात	प
73	कोलडी 273	आत्म हित शिक्षा	Ātmhit Sikṣā	शीलविजयादि	,,
74	,, 12/7 गुटका	आत्मा की आत्मता	Ātmā kī Ātmata	—	,,
75	सेवा मदिर 2/365	आत्मानुशासन	Ātmānuśāsan	पार्श्व नाग	,,
76	के नाथ 11/83	,,	,,	,,	,,
77	, 22/68	आदिनाथ देशना	Ādināth Deśanā	—	मू ट
78	,, 11/42	, ,,	,,	—	,,
79	कुथुनाथ 36/1 क्र 33	आदि निधन स्तवन	Ādinidhan Stavan	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
जैनाचार	स	98	26×11×13×45	चार आचार पूर्ण वीर्याचार अपूर्ण	17वी	
औपदेशिक सामान्य	मा	11,10	25×11व26×12	सपूर्ण प्रथम, द्वितीय अपूर्ण	19वी	(मर्त्यजन्मफलाष्टक)
,	,,	16	27×11×13×40	अपूर्ण	19वी	,,
जैन आध्यात्मिक	,,	50	28×13×13×33	सपूर्ण गाथा 49 का	1882 पाली	(अध्यात्म गीता अपरनाम)
,	,,	4	26×11×10×35	,, 49 गाथा	19वी	,, ,,
आध्यात्मिक धार्मिक	स.	गुटका		,, 60+10 श्लोक	1544	
औपदेशिक प्रायश्चित	मा	3	24×11×13×42	,, ग्रथाग्र 80	19वी	
,, ,,	,,	4	25×12×12×36	,, ,,	19वी × मुकनचद	
,, ,,	,,	4	26×12×14×28	,, ,,	1930अजीमगज आ सुदरजी	
,, ,,	,,	6	22×11×11×22	,, ,,	1967,फलोदी गणेश	
जैन दार्शनिक आध्यात्मिक	स	198	26×12×14×38	सपूर्ण 4 प्रकाश कथा सह	19वी	प्रशस्ति व बीजक है
ज्ञान क्रियाभ्याम् मोक्ष	मा.	5	27×11×12×36	,, 36 पद	19वी	
,,	,,	3	25×11×11×33	,, ,,	20वी, जयपुर	
तात्विक	,,	गुटका	16×13×13×20	,, 23 गाथा	17वी	
औपदेशिक	,,	8	27×14×13×42	,, 185 दोहे/ग्र 215	19वी	रत्न हर्ष सानिध्य मे 1662 की कृति
,,	,,	1	25×11×24×60	,, 27 गाथा	19वी	
दार्शनिक	स	2	25×10×14×48	,, 1 श्लोक मात्र	19वी	1 श्लोक की अनेक व्याख्या
आध्यात्मिक	,,	गुटका	25×20×15×28	,, 8 · 8 श्लोक	1794	
सज्झाय सग्रह	मा.	7	27×10×15×55	अपूर्ण	19वी	
तात्विक	,,	1	जन्मपत्री रोल लम्बा	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक आचारादि	स	2	26×11×19×62	,, 77 गाथा	16वी	प्रत मे शत्रुजय स्तवन 10 श्लो की
,, ,,	,,	3	26×11×13×48	,,	19वी	
औपदेशिक	प्रा मा	24	26×11×6×33	सपूर्ण 287 गा काम 1812	16वी	
,	,,	23	27×11×6×36	,, 288 गा	17वी	पहिला पन्ना 7 गा. का कम
तात्विक	स	गुटका	23×20×21×38	,, 23 श्लोक	1544	

1	2	3	3 A	4	5
80	के नाथ 10/95	आनन्द तिलक रास	Ānand Tılak Rās	आनन्द तिलक ?	प
81	,, 3/9	आप्त मीमासा	Ātm Mımāmsā	समतभद्र	मू. (प)
82	महावीर 2/404	,, ,, +वृति	,, +Vrtı	,, /वसुनदि	मू वृ
83	के नाथ 15/114	आप्त मीमासा की वृति	Āptmīmamsā kī Vrtı	वसुनदि	ग
84	महावीर 2/134	आभाण शतक	Ābhan Śatak	वाचक धन विजय	मू (प)
85	कुथुनाथ 20/15	आराधना	Ārādhanā	पार्श्वचद	प
86	मेवामदिर गुटका 3 ति	,,	,,	,,	,,
87	कुथुनाथ 18/35	,,	,,	समरसिंह	,,
88	,, 56/8	आराधना के 84 बोल	,, ke 84 Bol	—	प ग
89	के नाथ 26/23	आराधना प्रकरण बालावबोध	,, Prakaran Bālāvabodha	—	ग.
90	कोनडी 1339	आराधना सार	,, Sār	जय शेखर सूरि	प
91	के नाथ 15/60	आलोचना छत्तीसी	Ālocanā Chattisī	समयसुदर	,,
92	,, 26/55	आलोचना विचार व सामायिक लाभ	,, Vıcār & Sāmāyık Lābh	—	ग
93	ओसिया 3 इ 240	आलोचना विनति	,, Vınatı	समयसुदर	प.
94	कुथुनाथ 44/6 गु	इन्द्रिय जय सज्झाय	Indrıya Jay Sajjāya	—	,,
95	के नाथ 15/49	इन्द्रिय पराजय शतक	,, Parājay Śatak	—	मू (प)
96	,, 5/76	,, ,,	,, ,,	–	मू ट (प ग)
97	,, 6/66	,, ,,	,, ,,	—	,
98	,, 15/139	,, ,,	,, ,,	—	,,
99	ओसिया 2/416	, ,,	,, ,,	—	मू (प)
100	महावीर 2/16	इरिया पथिक कुलक	Irıyāpathık Kulak	विजय विमल	मू ट (प ग)
101	के नाथ 26/103 गु	इरियापथिक कुलक	Irıyāpathık Kulak	—	मू प
102	,, ,	इरियावई कुलक	Irıyāvaī Kalak	—	,,
103	कुथुनाथ 36/1 गु	इष्टोपदेश	Iṣtopdeś	पूज्य पाद	मू (प)
104	ओसिया 3 इ 240	उत्पति बहोत्तरी	Utpatı Bahottarī	मुनि श्रीसार	प

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक	मा	10*	26 × 12 × 15 × 42	सपूर्ण 42 गा	19वी	
जैन सिद्धात मडन व मीमासा	स	22	25 × 12 × 3 × 27	,, 113 श्लोक	19वी	अपर नाम देवागम स्तोत्र
,, ,,	,,	19	26 × 13 × 11 × 50	,, 115 ,, की	1946 जयपुर देवकृष्ण	
,, ,	,,	32	25 × 12 × 11 × 30	,, ,, ,, ,,	1904	
जैन सैद्धान्तिक उपदेश	,,	4	25 × 10 × 13 × 35	,, 108 श्लोक	18वी	1699 की कृति
धर्म साधना आचार	मा	19	24 × 10 × 15 × 40	,, 383 गाथा	16वी	
,,	,,	38	16 × 13 × 13 × 20	,, 360 ,,	1651	
धर्माचार साधु श्रावक	अ मा	2	26 × 11 × 13 × 52	,, 40 गाथा	17वी	
पाप आलोचना (क्षमापना)	प्रा मा	2	25 × 11 × तालिकाये	प्रतिपूर्ण	17वी	
औपदेशिक	मा	2	26 × 12 × 11 × 33	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.	2	26 × 10 × 13 × 50	अपूर्ण	17वी	तपस्याओ के यत्र भी है
प्रायश्चित उपदेश	मा.	2	24 × 10 × 15 × 40	सपूर्ण 36 पद	1744	
औपदेशिक	,,	2	25 × 13 × 13 × 24	,,	19वी	
गर्हा स्तवन	,,	6*	25 × 12 × 14 × 38	,, 32 पद	19वी	साथ मे आत्मनिंदा
औपदेशिक	,,	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 54 गाथा	17वी	
,,	प्रा	8	20 × 11 × 11 × 25	,, 101 ,,	17वी	
,,	प्रा मा	8	26 × 11 × 7 × 40	,, 100 ,,	17वी	
,,	,,	13	25 × 11 × 5 × 30	,, 100 ,,	18वी	
,,	,,	14	24 × 11 × 5 × 30	,, 100 ,,	19वी	
,,	प्रा.	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953 नागौर कर्मचद	
धार्मिक क्रिया उपदेश	प्रा मा	5*	26 × 13 × 5 × 34	,, 10 गाथा	18वी	
औपदेशिक क्रिया	प्रा	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 10 गाथा	18वी	
,,	,,	1	25 × 15 × 20 × 56	,, 10 + 8 = 18गा	18वी	
उपदेश	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 51 श्लोक	1544	
विरक्ति उपदेश	मा	6*	25 × 12 × 14 × 38	,,	18वी	

6 2856
6 64 49
6 64 49

1	2	3	3 A	4	5
105	कोलडी 290	उत्पत्ति बहोत्तरी	Utpati Bahottari	मुनि श्रीसार	प
106	कुंथुनाथ 15/13	उत्पत्ति (उपदेश) सत्तरी	Utpatti (Updeś Sattari	,,	,,
107	के. नाथ 18/87	,, व दस बोल सज्झाय	,, + Dasbol Sajjhāya	,,	,,
108	कोलडी 276	उत्पत्ति बहोत्तरी	,, Bahottari	,,	,,
109	के नाथ 13/45	उपदेश कदली	Updeś Kandali	आसड	मू प
110	महावीर 2/2	,, ,, + वृत्ति	,, ,, + Vrtti	आसड/बालचन्द्र कवि	मू वृ (प ग)
111	कुंथुनाथ 35/5	उपदेश कुलक	,, Kulak	यश कीर्ति	प
112	के नाथ 13/45	उपदेश चिंतामणी	,, Cintāmani	—	मू.प.
113	,, 1/16	,, + वृत्ति	,, . + Vrtti	जयशेखर/सिंहकुशल	मू वृ
114	कोलडी 830	,, + अवचूरी	,, ,, + Ava-cūri	नयशेखर/—	मू अवचूरी
115	महावीर 2/113	,, + वृत्ति	,, ,, + Vrtti	— स्वोपज्ञ	मू वृ
116	कोलडी 955	उपदेश छत्तीसी	,, Chattisi	जिन हर्ष	प
117	महावीर 2/25	उपदेश तरंगिणी	, Tarangini	रत्न मंदिर द्वारा गणि	प ग
118	,, 2/23	उपदेश पत्र	,, Patra	—	ग
119	,, 2/3	उपदेश पद	,, Pad	हरिभद्र/मुनि चन्द्र	म वृ (प ग)
120	मुनि सुव्रत 2/254	उपदेश माला	,, Mālā	धर्मदास गणि	मू प
121	,, 2/256	,,	,, ,,	,,	मू ट
122	श्रोमिया 2/152	,,	, ,,	,,	मू प
123	के नाथ 15/14	,,	,, ,,	,,	,,
124	,, 9/1	,,	,, ,,	,,	मू ट
125	कुंथुनाथ 52/24	,,	,, ,,	,,	मू (प)
126	के नाथ 17/47	,,	,, ,,	,,	,,
127	,, 14/2	,,	,, ,,	,,	,,
128	कुंथुनाथ 3/52	,,	,, ,,	,,	,,
129	के नाथ 5/40	,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विरक्ति उपदेश	मा	2	25 × 11 × 16 × 34	सपूर्ण 69 गाथा	19वी	
,,	,,	3	27 × 11 × 11 × 36	,, 70 ,,	19वी	पूर्वोक्त ग्रथ ही है
औपदेशिक+चार्चिक	,,	3	24 × 10 × 15 × 45	,, 70+20 गाथाये	19वी	
औपदेशिक विरक्ति	,,	4	25 × 13 × 13 × 34	,, 72 छद	1905	
औपदेशिक/शास्त्र सार	प्रा	24	30 × 12 × 19 × 86	,, 125 गाथा	16वी	
प्रवचन सार उपदेश	प्रा स	211	27 × 13 × 15 × 45	,, 125 गाथा की 13 विश्राम	19वी	ग्रीगतवार प्रशस्ति है
औपदेशिक	मा	2	26 × 10 × 13 × 40	,, 29 गाथा	1686	
,,	प्रा	24	30 × 12 × 19 × 86	,, चार अधिकार 384 गा	16वी	
,,	प्रा स.	139	26 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण ग्रथाग्र 12064	1526	पन्ने 75 स 213 (अन)
,,	,,	66	31 × 11 × 19 × 54	सपूर्ण कथा सह ग्र 4105	17वी जीर्ण दुर्ग	
,,	,,	303	28 × 13 × 15 × 44	सपूर्ण चार अधिकार गा 458 की	19वी	
,,	मा	3	25 × 11 × 17 × 42	,, 36 सवैये	1828	
धर्म दान पूजा यात्रा उपदेश	प्रा स	82	25 × 12 × 14 × 45	,, 5 तरङ्ग ग्र 3539	1960, विक्रमपुर कृष्णाकरण	
व्याख्यान परिपाटी	मा	4	23 × 11 × 10 × 19	प्रतिपूर्ण	1917 × अमृत विजय	
औपदेशिक	प्रा स	312	27 × 12 × 14 × 56	सपूर्ण, मूल गा 1040 ग्र 14000	19वी	
,,	प्रा	22	26 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण 543 गा	16वी	
,,	प्रा मा	41	26 × 11 × 8 × 32	,, 544 ,,	16वी	
,,	प्रा	123	26 × 12 × 11 × 40	,, ,, ,,	16वी	
,	,,	25	25 × 10 × 11 × 38	,, 543 ,,	16वी	
,,	प्रा मा	52	26 × 11 × 6 × 30	,, 540 + प्रक्षिप्त गाथा	16वी	अतिम पन्ना कम
,,	प्रा	36	27 × 12 × 13 × 37	,, 544 गाथा	1600	
,,	,,	19	26 × 10 × 12 × 42	,, 543 ,,	1049	
,,	,,	21	26 × 11 × 13 × 45	,, 544 ,,	1658	
,,	,,	31	28 × 12 × 11 × 40	,, ,, ,,	17वी	
,,	,,	16	25 × 11 × 15 × 36	अपूर्ण (प 2 पन्ने 50 गा कम)	1698	

1	2	3		3 A		4	5
130	मुनि सुव्रत 2/255	उपदेश माला		Updeśmālā		धर्मदास गणि	मू ट (प ग)
131	के नाथ 15/15	,,		,,		,,	मू (प)
132	,, 23/26	,,		,,		,,	,,
133	,, 3/26	,,	+विवरण	,,	+Vivaran	धर्मदास/सिद्ध साधु	मू +वृ
134	कोलडी 1076	उपदेश माला		,,		धर्मदास गणि	मू ट
135	,, 1144	,,		,,		,,	,,
136	के नाथ 14/121	,,		,,		,	मू प
137	,, 3/15	,,		,,		,,	मू ट
138	ओसिया 2/286	,,		,,		,,	मू ट कथा
139	महावीर 2/111	उपदेश माला+वृति		,,	+Vrti	,,/—	मू.वृ (प ग)
140	,, 2/1	,,	,,	,,	,	,,/—	,
141	ओसिया 2/409	उपदेश माला कथा सह		,,	with Kathā	,,/—	मू ट कथा
142	कुथुनाथ 17/6	उपदेश माला		,,		धर्मदास गणि	मू ट
143-7	के नाथ 4/12,6/7, 15/101,23/45 15/159	,,	5 प्रतिया	,,	5 Copies	,,	मू (प)
148	,, 13/3	,,		,,		,,	मू अ
149	कुथुनाथ 15/57	,,	(सज्झाय भाग)	,,	(Sajjhāyabhag)	,,	मू प
150	के नाथ 21/26	,,	(,,)	,	,,	,,	,,
151	,, 10/24	,,		,,		,,	मू ट.
152	महावीर 2/112	उपदेश माला की वृति		,,	ki Vrti	—?	ग
153	के नाथ 6/54	उपदेश माला की कथायें		,	ki Kathāyen	—	,,
154	,, 26/79	उपदेश माला यन्त्र			Yantrā	—	गद्य तालिका
155	,, 11/51	उपदेश रत्न कोश		Updeś Ratnakoś		पद्म जिनेश्वर सूरि	मू अ
156	ओसिया 2/235	,,	+ बाला.	,,	+Bālā	,	मू बा
157	,, 2/309	उपदेश रत्न कोष		,,		,,	मू ट

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा मा	45	26 × 11 × 5 × 42	सपूर्ण 544 गा ग्रथाग्र मूल 700 टब्बा 1400	1716, विल्हावास	
,,	प्रा	23	26 × 11 × 13 × 36	सपूर्ण 543 गा	1724	
,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 35	103 गा प्रतिपूर्ण	1773	तो भी लिपिक ने "पूर्ण" लिखा है
,,	प्रा स	115	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण 538 गा ग्र 3852	18वी	
,,	प्रा मा	39	24 × 11 × 7 × 35	लगभग पूर्ण	18वी	प्रथम व अतिम पन्ना कम
,,	,,	29	25 × 10 × 8 × 52	,,	18वी	अतिम पन्ना कम
,,	प्रा	20	25 × 11 × 11 × 38	अपूर्ण गा 404 तक ही है	18वी	
,,	प्रा डि	57	25 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण 544 गा	1819	
,,	,,	53	25 × 11 × 7 × 44	,, 544 गा	1840, वाहडमेर कीर्तिगणी	
,,	प्रा स	179	27 × 13 × 14 × 43	,, 544 गा कथा सह	19वी	
,,	,,	116	27 × 13 × 16 × 43	अपूर्ण 439 तक ही	19वी	पूर्वोक्त की नकल
,,	प्रा मा	160	26 × 11 × 3 × 36	सपूर्ण 544 की ग्र 6375	19वी	
,,	,,	49	26 × 11 × 6 × 38	लगभग पूर्ण 532 गा तक	19वी	
,,	प्रा	31,25 21,23 11	21से26 × 9से12	सपूर्ण-अतिम प्रति अपूर्ण 200 गा	19वी	
,,	प्रा म	39	26 × 11 × 17 × 50	अपूर्ण 38 से 544 ग्र 1716	18वी	
,,	प्रा.	2	26 × 12 × 12 × 42	सज्झाय की 33 गा	18वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 42	,,	19वी	
,,	प्रा मा	18	25 × 11 × 7 × 48	अपूर्ण 253 से 544 तक	19वी	
,,	स	6	26 × 13 × 12 ×	बिल्कुल अपूर्ण, प्रारभिक मात्र	20वी	
,,	,,	40	25 × 11 × 12 × 34	लगभगपूर्ण-पहिला पन्ना कम	1674	
,,	प्रा	3	29 × 14 × 17 × 50	अकारादिक्रम मे प्रारभिकपद	19वी	
,,	प्रा स	10	26 × 11 × 4 × 40	सपूर्ण 36 गाथा (12 प्रक्षिप्त)	1698	11 गाथाये प्रक्षिप्त है
,,	प्रा मा	5	26 × 11 × 11 × 43	,, 25 गाथा का	17वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 44	,, 26 गाथा	18वी × दीपाविजय	

1	2	3	3 A	4	5
158	कोलडी 828	उपदेश रत्न कोप	Updeś Ratnakoś	पद्मजिनेश्वर सूरि	मू. (प)
159	के नाथ 15/74	,, +वाला	,, +Bālā	,,	मू वा
160	ओसिया 2/304	उपदेश रत्न कोप	,,	,,	मू ट
161	,, 2/416	,,	,,	,	मू (प)
162	सेवामदिर 2/430	,,	,,	,,	,,
163	महावीर 2/5	उपदेश रत्नाकर+वृति	Updeś Ratnakar+Vrti	मुनि मुदर (सोम मुदर का शिष्य)	मू वृ
164	सेवामदिर 3 इ 349	उपदेश रसाल बत्तीसी	,, Rasāl Battisī	पाठक रत्पति	पद्य
165	कुथुनाथ 44/6	उपदेश रहस्य	,, Rahasya	पार्श्वचद	,,
166	सेवामदिरगुटका 3 ति	उपदेश सार रत्न कोप	,, Sār Ratnakosa	समरचद (पार्श्वचद का शिष्य)	,,
167	कुथुनाथ 10/133	उपसर्ग विचार	Upsarg Vicār	—	प
168	कोलडी 428	उस्थानोपदेश	Usthāuopdeś	—	ग
169	,, 429	,,	,,	—	,,
170	कुथुनाथ 15/54	उस्थानोपदेश श्लोक	,, Ślok	—	प
171	के नाथ 15/10	ऋषि मडल	Rṣimandal	धर्म घोप	मू प
172	,, 10/4	,,	,	,,	,,
173	,, 21/38	,,	,,	,,	मू अ
174	,, 22/66	,,	,,	,,	मू प
175	,, 23/25	,,	,,	,,	,,
176	कोलडी 858	,,	,,	,,	,,
177	कुथुनाथ 3/54	,,	,,	,,	,,
178-80	महावीर 2/119-20-21	,, + वृति 3 प्रतिये	,, +Vrti 3 copies	धर्म घोप/हर्ष नदन	मू वृ (प ग)
181	के नाथ 24/47	ऋषि मडल	,,	धर्म घोप	मू प
182	महावीर 2/122	ऋषि मडल की अवचूरी	,, kī Avacūrī	—	ग
183	,, 4/अ 35	ऋषि मडल की वृति	,, kī Vrti	—	,,
184	के नाथ 7/49	,,	,, ,,	पद्म मदिर गणि	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	2	31 × 11 × 8 × 40	सपूर्ण 26 गाथा	19वी	
,,	प्रा मा	4	25 × 11 × 11 × 42	,, 44 गाथा	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 7 × 44	,, 26 गाथा	19वी	
,,	प्रा	13	26 × 13 × 16 × 30	सपूर्ण	1953	
,,	,,	2	25 × 11 × 6 × 33	अपूर्ण 11 से 26 अत तक	17वी	
,,	प्रा स	186	27 × 12 × 15 × 47	सपूर्ण ग्रथाग्र 7657	20वी वालुकड-पुर	स्वोपज्ञ वृति
,,	स	2	27 × 14 × 9 × 30	,,	19वी	
,,	मा	गुटका	15 × 12 × 17 × 24	,, 39 गा	17वी	
,,	,,	12 पत्र	16 × 13 × 8 × 13	,, 61 गा	1716	
,, + सैद्धान्तिक	प्रा	27	27 × 11 × 13 × 38	,, 70 गा	16वी	
मृत्यु उठायणा उपदेश	मा	2	26 × 10 × 13 × 48	सपूर्ण	19वी	
,,	,	6	23 × 13 × 13 × 26	,,	19वी	
,,	प्रा स	1	25 × 11 × 11 × 38	,, 10 श्लोक	19वी	
भक्ति औपदेशिक तत्व प्रसग	प्रा	12	26 × 11 × 11 × 38	,, 220 गाथा	1595	
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 62	,, 208 गाथा/ग्र 450	16वी	
,,	प्रा स	12	26 × 11 × 11 × 35	सपूर्ण	1608	जीर्ण-प्राय अपठनीय
,,	प्रा	12	26 × 11 × 11 × 45	,, 229 गा	17वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 41	,, 208 गा	18वी	
,,	,,	16	21 × 11 × 7 × 42	,, 220 गा	18वी	
,,	,,	8	27 × 12 × 12 × 54	,, 221 गा	19वी	
,,	प्रा स	108, 118 110	25से29 × 12से14	,, कथा सह ग्र 4750	19वी	
,,	प्रा	8	26 × 11 × 11 × 37	अपूर्ण पहिला पत्रा 10 गाथा का कम	19वी	इसमे 163 गाथा का ही अत समझा है
,,	स	7	27 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 32 से 163 (अत) तक	16वी	
,,	,,	233	27 × 11 × 15 × 55	,, आदि अत रहित	16वी	
,,	,,	224	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण 224 गा की कथा सह	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
185	ओसिया 2/228	औपदेशिक गाथायें	Aupdeśik Gāthāyen	सकलन	मू ट
186	के नाथ 13/16	कर्पूर प्रकरण (कथा सह)	KarpūrPrakaranwithKathā	हरि/सोमचद	प ग
187	महावीर 2/20	,, (,,)	,, ,,	,, —	,,
188	कोलडी 131	कर्पूर प्रकरण	,, —	,, —	प
189	के नाथ 21/45	कर्म विपाक (प्राचीन) + वृति	Karmvipāk (Pracīn)+Vrti	गर्ग/परमानद	मू वृ (प ग)
190	कुथुनाथ 14/7	कर्म ग्रथ 1-4 (प्राचीन) + सूक्ष्म विचार सार	Karmgranth 1-4 (Pracīn)+ Śukṣam Vicār Sār	गर्ग × × जिनवल्लभ 2	मू प
191	के नाथ 3/20	कर्म ग्रथ चौथा/(विचार सार आगमिक वस्तु) + वृति	Karmgranth 4th (Vicār sār Āgamik Vastū + Vrti	जिनवल्लभ/	मू वृ
192	,, 52/8	कर्म ग्रथ 1 से 6 नवीन	Karmgrant 1-6 (Navīn)	देवेन्द्र (1 से 5) + चन्द्रर्षि (6)	मू प
193	के नाथ 1/8	,, ,+ वृति	,, ,, ki Vrti	देवेन्द्र (1-5) चर्दर्षि/6 मलयगिरी	मू वृ
194	महावीर 2/65	,, ,,+ ,,	,, ,, ,,	,, ,, / ,	,,
195	के नाथ 5/100	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 नवीन	,, ,, (Navīn)	देवेन्द्र (1-5) चर्दर्षि (6)	मू प
196	कोलडी 117	,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू ट (प ग)
197	ओसिया 2/173-76	, ,,	, ,, ,,	,,	मू + अ
198	के नाथ 23/37	,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू (प)
199	,, 3/1	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 + बा	,, ,,+ Bālā	देवेन्द्र + चर्दर्षि/मतिचद	मू बा
200	कोलडी 116	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 नवीन	,, ,, (Navīn)	देवेन्द्र (1-5) + चर्दर्षि (6)	मू प
201-2	के नाथ 5/99, 21/25	,, ,, 2 प्रति	, ,, 2 copies	,,	,,
203	,, 3/13	कर्म ग्रन्थ 1 से 6 नवीन	Karmgranth 1-6 (Navīn)	देवेन्द्र (5) चर्दर्षि (छठा)	मू ट
204	,, 23/36	कम ग्रन्थ 1 से 5 ,,	,, 1-5 ,,	देवेन्द्र/—	मू ट बा
205	,, 3/11	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, /—	मू अ
206	कोलडी 1189	,, ,, ,,	,, ,, ,,	देवेन्द्र	मू प
207	के नाथ 21/9	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	मू ट
208	,, 21/18	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन धार्मिक श्लोक	प्रा स मा	12	26 × 11 × 6 × 34	भिन्न 2 पन्ने	18/19वीं	
औपदेशिक दृष्टांत	स	39	27 × 12 × 15 × 55	संपूर्ण 157 कथानक	1569	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 55	अपूर्ण 69 काव्य-कथायें	18वीं	
औपदेशिक	,,	3	26 × 11 × 17 × 54	संपूर्ण 52 श्लोक	18वीं	
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा स	20	27 × 11 × 15 × 43	, 168 गाथा की ग्र 922	1580	प्राचीन कर्म ग्रन्थ ।
,,	प्रा	9	27 × 11 × 22 × 66	,, (168+56+24+86+15 गा)	19वीं	,, , 1-4+
,,	प्रा म	18	26 × 11 × 17 × 46	संपूर्ण 86 गाथा ग्र 850	17वीं	अंतिम पन्ना कम
,,	प्रा	18	26 × 12 × 13 × 38	, (61+34+24+86+100+93 गाथा)	1592	1 2 3 (विपाक, स्तव, बंध 4 स्वामित्व षड्शीति, 5 6 शतक, सप्तति)
,,	प्रा म.	172	26 × 11 × 17 × 50	संपूर्ण (अंतिम पन्ना कम)	16वीं	
,,	,,	199	26 × 11 × 16 × 66	,, ग्रंथा 10137 (1 से 5 के) ,, 3880 छठे के	1621	
,,	प्रा	12	26 × 11 × 13 × 44	संपूर्ण 396 गा	1756	
,,	प्रा मा	64	25 × 12 × 4 × 42	,, ,,	1818	
,,	प्रा स	46	25 × 11 × 11 × 37	,, यंत्रतालिका सह	1820 विक्रमपुर बखतमुंदर	अवचूरि देवगुप्त शिष्य की है ?
,,	प्रा	29	26 × 12 × 11 × 33	संपूर्ण	1825	
,,	प्रा मा	318	25 × 13 × 15 × 37	,, 396 गाथा का	1858	
,,	प्रा	22	26 × 13 × 12 × 40	,, ,,	1896	
,,	,,	45,17	28 × 11व26 × 11	, ,	19वीं	
,,	प्रा मा	79	29 × 12 × 4 × 36	संपूर्ण	19वीं	
,,	,	50	11 × 26 × 5 × 41	,,	19वीं	
,,	प्रा स	20	26 × 11 × 10 × 53	,,	1481	प्रथम पन्ना कम है 20 गाथा
,,	प्रा	27	29 × 15 × 11 × 27	चार पूरे पांचवा 73 तक	19वीं	
,,	प्रा मा	31	24 × 12 × 9 × 31	संपूर्ण	19वीं	
,,		47	28 × 14 × 7 × 21	,,	19वीं	स्वार्थ प्र ग तक ही

6 2858
6 64 49
6 64 49

1	2	3	3 A	4	5
209	के नाथ 3/2	कर्मग्रन्थ 1 से 4+बा.	Karmgrantha 1-4+Bālā	देवेन्द्र/—	मू बा
210	ओमिया 2/139-244	„ „ +बा.	„ „ + „	देवेन्द्र/मतिचद्र	„
211-2	के नाथ 29/98 5/14	कर्मग्रन्थ 1 से 4 नवीन दो प्रति	„ „ (Navīna) 2 Copies	देवेन्द्र	मू प.
213	„ 15/16	कर्मग्रन्थ 1 से 3 नवीन	„ 1-3 (Navīna)	„	„
214	„ 3/10	„ „ +वृत्ति	„ 1-3 Vrttı	देवेन्द्र/चन्द्रसूरि	मू +वृ
215	कोलटी 114	कर्मग्रन्थ 1 से 3 नवीन	„ 1-3 (Navīna)	देवेन्द्र	मू ट
216	के नाथ 18/20	„ „	„ „ „	„	मू अ
217	„ 21/10	कर्मग्रन्थ 1 से 2 नवीन	„ 1-2 „	„	मू ट
218	ओमिया 2/242	„ „	„ 1-2 „	„	मू प
219	के नाथ 23/30	कर्मग्रन्थ 1 नवीन	„ 1 „	„	मू अ
220	„ 11/88	„ 1 „	„ 1 „	„	मू प
221	„ 21/14	„ 1 „	„ 1 „	„	मू ट
222	कोलटी 115	„ 1 +बाला	„ 1+Bālā	देवेन्द्र/श्रीसार मुनि	मू बा
223	के नाथ 21/99	„ 1 नवीन	„ 1 (Navīna)	देवेन्द्र	मू प
224	„ 21/63	„ 1 „	„ 1 „	„	मू ट
225	„ 20 33	कर्मग्रन्थ 2 से 6 नवीन	„ 2-6 „	देवेन्द्र (5तक) चर्दपि (छठा)	„
226	„ 17/49	„ 2 से 5 „	„ 2-5 „	देवेन्द्र	मू प
227	ओमिया 2/149	„ 2 व 3 „	„ 2-3 „	„	„
228	„ 2/174	कर्मग्रन्थ 2 नवीन+बा	„ 2 „+Bālā	„/—	मू बा
229	के नाथ 23/12	कर्मग्रन्थ 2 नवीन	„ 2 „	„	मू ट
230	ओमिया 2/246	कर्मग्रन्थ 3 व 4 नवीन	„ 3-4 „	देवेन्द्र	„
231	के नाथ 3/6	कर्मग्रन्थ 3 नवीन	„ 3 „	„	मू अ
232	„ 15/184	„ 3 „	„ 3 „	„	मू प
233	„ 23/20	कर्मग्रन्थ 4 से 6 नवीन	„ 4-6 „	देवेन्द्र (4,5) चर्दपि (6)	मू ट
234	„ 3/8	कर्मग्रन्थ 4 नवीन+बा	„ 4 „+Bālā	देवेन्द्र/मतिचद	मू बा

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्मसैद्धातिकसाहित्य	प्रा मा	13	25 × 11 × 17 × 58	अपूर्ण पहिला व चौथा दोनो	17वी	7 से 19 बीच क पत्रे
,	,,	106	25 × 12 × 15 × 38	सपूर्ण	18वी	
,,	प्रा	28,11	33 × 17व26 × 11	,,	19वी	
,,	,	9ᵏ	25 × 10 × 13 × 35	,,	1736	साथ मे नवगेधमत्तरी 91 गा
,,	प्रा स	89	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण प्रथम के 48 से अत तक	18वी	ग्रथाग्र 1882
,,	प्रा मा	28	25 × 12 × 3 × 36	सपूर्ण 119 गाथा का	1873	
,,	प्रा म	15	26 × 11 × 20 × 66	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा मा	20	26 × 13 × 3 × 33	सपूर्ण 94 गाथा	1853	
,,	प्रा	11	25 × 12 × 9 × 34	,, 87 ,,	19वी	
,,	प्रा स	19	26 × 11 × 15 × 44	सपूर्ण 60 गाथा की	1421	
,,	प्रा	3	26 × 11 × 11 × 37	,, 60 गाथा	17वी	
,,	प्रा मा	11	25 × 12 × 5 × 32	,, 62 ,,	1825	
,,	,,	36	25 × 11 × 18 × 48	,, 60 ,,	1834	
,,	प्र	5	25 × 13 × 11 × 35	,, 62 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	16	25 × 11 × 3 × 35	अपूर्ण 52 गाथा तक	19वी	
,,	,,	42	25 × 11 × 18 × 47	सपूर्ण	17वी	
,	प्रा	11	26 × 11 × 13 × 42	,, 259 गाथा	19वी	
,,	,,	5	28 × 13 × 11 × 34	, 60 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	18	26 × 12 × 17 × 58	,, 35 ,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 5 × 51	,, 35 ,,	19वी	
,,	प्रा स	11	26 × 13 × 9 × 31	,, 108 ,,	17वी	
,,	,	8	26 × 11 × 4 × 27	,, 24 ,	18वी	
,,	प्रा	2	25 × 11 × 11 × 31	,, 24 ,,	19वी	
,	प्रा मा	60	26 × 12 × 3 × 35	,, केवल पाचवे की 7 गा कम	19वी	
,,	,,	31	25 × 11 × 16 × 63	,, 86 गाथा	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
235	मुनिसुव्रत 2/263	कर्मग्रन्थ 4 नवीन	Karmgrantha 4 (Navīna)	देवेन्द्र	मू प
236	केनाथ 23/34	,, 4 ,,	,, 4 ,,	,,	,,
237	,, 1/33	कर्मग्रन्थ चौथा (नवीन) +वा	,, VI (N.)	देवेन्द्रसूरि/—	मू +वा
238	ओसिया 2/175	कर्मग्रन्थ पाचवा (,,) +वा	,, V (N)	,, /—	,,
239	केनाथ 17/54	,, ,, नवीन	,, V (N)	देवेन्द्र	मू +ट
240	महावीर 2/135	कर्मग्रन्थ छठा सप्तति+वृत्ति	,, VI Saptati	चदर्षि/मलयगिरि	मू वृ
241	कुंथुनाथ 55/17	कर्मग्रन्थ छठा+वाला	,, VI Bālā	,, /कुंभकर्ण(राजचद्र का शिष्य)पार्श्वचद गच्छ	मू वा
242	,, 21/5	,, ,,	,, VI	,, / ,,	,,
243	मुनिसुव्रत 2/335	कर्मग्रन्थ 1से6 की अवचूरि	,, I & VI Avacūri	ज्ञानसागर(देवसुंदर का शिष्य) तपागच्छ	ग
244	गोलडी 1226	कर्मग्रन्थ 4 का व्याख्यान	,, IV Vyākhyāna	—	,,
245	महावीर 2/82	कर्मग्रन्थ प्रथम (नवीन) का सूचा यत्र	,, I (N) Sūca yantra	सुमतिवर्द्धन (विनीतसुन्दर का शिष्य)	गद्य तालिका
246	ओसिया 2/147	,, ,,	,, ,,	,,	,,
247	महावीर 2/81	, ,,	,, ,,	,,	,,
248	,, 2/83	कर्मग्रन्थ द्वितीय(नवीन)सूचा	,, II(N) ,,	,,	,
249	, 2/84	,, ,,	,, ,,	,,	,,
250	ओसिया 2/145	,, ,,	,, ,,	,,	,,
251	,, 2/146	,, तृतीय (नवीन) सूचा	,, III(N) ,,	,,	,,
252	,, 2/144	,, चतुर्थ ,,	,, IV(N) ,,	,,	,,
253	महावीर 2/85	,, 4व5 (नवीन) सूचा	, IV&V(N.) ,,	,,	,,
254	ओसिया 2/148	,, 5 (नवीन) ,,	,, V (N)	,,	,,
255	महावीर 2/86	,, ,,	,, ,,	,,	,,
256	ओसिया 2/412	कर्म उदय प्रकृति	Karma Udaya Prakrti	—	ग
257	महावीर 2/103	,, स्वामी यत्र	,, Svāmi Yantra	सुमतिवर्द्धन	ग तालिका
258	,, 2/87	कर्म ओघवध प्रकृति आदि यत्र	Karma Oghādi Yantra	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा	7	25 × 11 × 12 × 33	सपूर्ण 86 गाथा	18वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 13 × 41	,, ,,	18वी	
,,	प्रा मा	25	25 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण गाथा 70 तक ही	19वी	
,,	,,	29	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 100 गाथा का	1727	
,,	,,	18	25 × 12 × 4 × 34	सपूर्ण 100 गाथा का ग्रथाग्र 350	19वी	
,,	प्रा स	47	27 × 11 × 15 × 60	अपूर्ण, पूरी 89 गाथा की ग्र 3880	1624	त्रुटक
,,	प्रा मा	21	26 × 11 × 19 × 64	सपूर्ण 93 गा ग्र 1500	17वी × ऋषि शाणा	
,	.	39	30 × 14 × 13 × 36	लगभग पूर्ण अतिम पन्ना कम	19वी	गत प्रति की ही नकल
,	म	3	26 × 11 × 23 × 76	त्रुटक सिर्फ 3 पन्ने है 24,29 व अ'तम	18वी	
,,	,	16	26 × 11 × 18 × 56	सपूर्ण 86 गाथा का	18वी	
, बोलनुमा	मा	23	25 × 12 × ———	सपूर्ण	1890, इच्छावर, सेवाराम	(1875 की कृतिया है)
,, ,,	,,	21	25 × 13 × ———	,,	1907, अजमेर रिपलाल	
,, ,,	,,	21	26 × 12 × ———	,,	20वी	
,, ,,	,,	6	26 × 13 × ———	,,	19वी × पोखरदत्त	
,,	,,	9	22 × 13 × ———	,,	1932	
,, ,	,,	8	27 × 12 × ———	अपूर्ण आदि अत रहित	20वी	
,, ,	,,	9	26 × 12 × ———	सपूर्ण	20वी	
,, ,	,	13	25 × 12 × ———	अपूर्ण प्रारभ के 2 पन्ने कम	20वी	
,	,,	73	27 × 13 × ———	सपूर्ण	1890, अजमेर, रिखलाल	
,	,	45	28 × 14 × ———	,,	1902	
,,		39	27 × 13 × 10 × 28	,, ग्रथाग्र 1005	1932	
,,	,	14	26 × 13 × 15 × 43	त्रुटक	19वी	
,,	.	11	25 × 12 × ———	प्रतिपूर्ण	20वी	
,,	,,	9	26 × 12 × ———	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
259	मेवा मदिर 2/353	कर्मा कर्मादि प्रकरण +वा	Karmā karmādı Prakarana	गजमार	मू +वा
260	कोलडी 1238	कर्मबध हेतु रचना	Karma bandha Hetu racanā	—	मू (प)
261	क नाथ 3/22	कर्म प्रकृति	Karma Prakrtı	—	मू ट
262	, 29,31	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	—	मू व (प ग)
263	, 29/32	,, की टीका	,, Tīkā	मयलगिरि	ग
264	मेवा मदिर 2 353	कर्म वा वध व जीव भेद विचार + वा	Karma bandha & Jıva bheda vıcāra	अज्ञात	मू वा (प ग)
265	के नाथ 16/12	कर्मों की आठ मूल प्रकृति	Karmon kī Ātha Mūla Prakrtı	—	ग
266	मुनिमुव्रत 2/2ο4	, 158 उत्तर प्रकृति	,, 158 Uttara Prakrtı	—	,,
267	कोलडी 113	, ,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
268-9	ओसिया 2/177-78	,, ,, ,, 2 प्रति	,, ,, ,,	–	,,
270	के नाथ 19/92	,, ,, प्रकृति विचार	,, ,, Prakrtı Vıcāra	—	,,
271	, 14/111	कमछत्तीसी	Karma Chattīsī	समयसुन्दर	प
272	, 14/107	,,	,,	,	,,
273	, 26 103 गु	कमबत्तीसी	Karma Battīsī	—	,,
274	29/45	कवित्तबावनी	Kavıtta Bāvanī	लक्ष्मीवल्लभ गणि	,,
275	महावीर 2/130	कस्तूरी प्रकरण	Kastūri Prakarana	हेमविजय	मू (प)
276	कथुनाथ 36/1 क्र 47	कामाक्षापचाशिका	Kāmāksā Pancāśıkā	—	प
277	ओसिया 2/186	कायस्थितिविचार + वा	Kāyasthıtı Vıcāra+Bā ā	—	मू वा
278	महावीर 2/52	,, स्तोत्र	,, Stotra	कुलमडन	मू अ (प ग)
279	ओसिया 2 214	कालसत्तरी	Kāla Sattarī	धर्मघोष/देवेन्द्र सूरि का शिष्य	मू पद्य
280	महावीर 2/60	,,	,,	, ,,	,
281	के नाथ 18/35	,	,,	,, ,,	मू +ट (प ग)
282	महावीर 2/405	केवलसत्तावनी	Kevala Sa tavanī	ब्रह्मरूप सवेगी	प
283	मवा मदिर गुटका 3 ति	केशीद्विपचाशिका	Keśī Dvı Pancāśıkā	पार्श्वचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
कर्म सैद्धान्तिक साहित्य	प्रा मा	7*	26 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण 29 गाथा	17वी	
,,	प्रा	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, 34 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	71	25 × 11 × 4 × 30	,, 476 ,,	1838	
,	प्रा स	3	26 × 13 × 16 × 62	अपूर्ण केवल छठी गाथा तक	19वी	
,,	स	122	27 × 11 × 17 × 66	सपूर्ण ग्र 14000	16वी	
,	प्रा मा	7*	26 × 11 × 17 × 60	अपूर्ण 29 गाथा	17वी	
,,	मा	1	35 × 11 × 18 × 65	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	11	25 × 11 × 11 × 33	,,	17वी × साध्वी लाला	
,,	,,	8	23 × 11 × 12 × 24	,,	19वी	
,,	,,	6,5	25 × 12व22 × 11	,,	19वी	
,,	,,	11*	26 × 11 × 13 × 44	,,	19वी	
औपदेशिक	,,	3*	26 × 11 × 23 × 66	सपूर्ण 36 गाथा	19वी सदी	
,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 29	,, ,,	19वी	
सैद्धान्तिक	,,	1	25 × 11 × 20 × 56	,, 32 गाथा	18वी	
औपदेशिक साहित्य	,,	5	25 × 11 × 14 × 50	,, 61 कवित्त + 1 देवीगीत	19वी	
,,	स	23	26 × 14 × 12 × 24	,, 182 श्लोक	20वी	
,,	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 86 गाथा	1544	
लोक स्वरूप व प्रकृति	प्रा मा	7	27 × 11 × 9 × 35	,, 24 ,,	16वी सदी	
तात्विक व स्वरूप	प्रा स	5	26 × 11 × 18 × 54	,, 24 ,	17वी पाटण रविवर्द्धन	
काल स्वरूप	प्रा	7	26 × 11 × 9 × 31	,, 73 ,	16वी	
समय स्वरूप	,,	3	26 × 11 × 13 × 48	,, 74 ,,	17वी	
,,	प्रा मा	4	26 × 11 × 8 × 47	,, 74 ,,	19वी	
औपदेशिक अध्यात्म	मा	21*	25 × 13 × 13 × 35	, 58 सवैया	1876	
दार्शनिक तात्विक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	,, 75 गाथा	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
284	के नाथ 23/35	केशी प्रदेशी प्रश्नोत्तर सार	Keśī Pradesī Praśnottara-sāra	—	ग
285	सेवामदिर 3इ 345	क्षमाछत्तीसी	Kṣamā Chattīsī	समयसुन्दर	प
286	कोलडी 898	,,	,, ,,	,,	,,
287-8	के नाथ 15/83, 23/95	,, 2 प्रति	,, ,, 2 copies	,,	,,
289	महावीर 2/53	क्षुल्लक भव विचार स्तवन	Ksullaka Bhava Vicāra Stavana	—	मू अ (प ग)
290	कुथुनाथ 52/27	गणधरावद	Ganadhara Vāda	गुणरत्न सूरि	ग
291	,, 10/133	गणहरावली	Ganaharāvalī	—	प
292	के नाथ 29/25	गायत्रीमत्र (जैन परक) व्याख्या	Gāyantrī Mantra Vyākhya (Jain)	अज्ञात	ग
293	कोलडी 1173	गुणपरिवाडी+बा.	Guna Parivādi+Bālā	—	मू बा
294	महावीर 2/128	गुणमाला	Guna Mālā	रामविजय(जिनवल्लभ का शिष्य)	ग
295	,, 2/97	गुणस्थान अल्पबहुत्व बोल	Gunasthāna Alpabahuttva Bola	—	,,
296	के नाथ 18/3	,, क्रमारोह+वृत्ति	,, Karmāroha+Vrtti	रत्नशेखर (हेमतिलक का शिष्य)	मू वृ (प ग)
297	महावीर 2/78	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, स्वोपज्ञ	,, ,,
298	,, 2/40	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,, ,	,, ,,
299	के नाथ 6/98	,, ,,	,, Karmāroha	,,	मू (प)
300	, 26/103 गु	,, चौपई	, Caupaī	साधु कीर्त्ति	प
301	, 19 44	,, जीवभेदवर्णन	,, Jīvabheda Varnana	—	ग
302	कोलडी 1333	,, भग	,, Bhnaga	—	,,
303	महावीर 2/66	,, +लेश्याद्वार	,, +Leśyādvāra	—	,,
304	कोलडी 112	,, वर्णन	,, Varnana	—	,,
305	कुथुनाथ 29/5	,, विचार	,, Vicāra	—	,,
306	महावीर 2/79	,, ,,	,, ,,	—	,,
307	कोलडी 1343	, ,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
दार्शनिक तात्विक	मा	27*	30 × 14 × 13 × 39	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	मा	3	20 × 11 × 12 × 30	सपूर्ण 36 गाथा	1847वालजी	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 42	,, ,,	19वी	
,,	,,	2,2	25 × 11व26 × 10	,, ,,	19वी	
आयुकर्म सम्वन्धी	प्रा स	3	26 × 11 × 13 × 46	सपूर्ण 25 गाथा	16वी	
कल्पसूत्रेअन्तर्वाच्य	स	3	26 × 11 × 17 × 50	सपूर्ण	19वी	
तात्विक/जीवन	प्रा	27'	27 × 11 × 13 × 38	,, 25 गाथा	16वी	
मातृकापद समन्वय	स	8	27 × 15 × 15 × 34	,,	20वी	माय मे सामायिक व्याख्यान भी है
सथारा सवन्धी	प्रा मा	4	25 × 11 × 13 × 52	अपूर्ण 42 गाथा	17वी	(गुण की जगह पुण भी पढा जा सकता है)
पचपरमेष्ठी गुणादि	स	54	26 × 12 × 17 × 44	सपूर्ण	1851 व्यारानगर + सुवर्णगढ	प्रशस्ति है। 1817 जैसलमेर की रच ।
सैद्धान्तिक-सख्या विचार	मा	6	26 × 11 × 16 × 45	,,	19वी	
आत्मस्तर विचार	स	16	26 × 12 × 12 × 66	,, 136 श्लोक की	1703	वृत्तिस्वोपज्ञ
,	,,	32	26 × 12 × 15 × 40	,, 137 ,, ,,	1799	
,,	,,	37	27 × 13 × 14 × 41	,, 136 ,, ,,	19वी	
,,	,,	3	27 × 11 × 19 × 43	,, 126 ,, ,,	19वी	
,,	मा	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 46 गाथा	18वी	
,,	,,	25*	24 × 12 × 17 × 32	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 28 × 60	,,	19वी	
,,	,,	25	25 × 11 × 9 × 37	,,	20वी	
,,	,,	6	27 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण 14 गुणस्थानो का	20वी	
,,	स	7	27 × 12 × 23 × 78	अपूर्ण	17वी	
,,	मा	2	26 × 12 × 12 × 29	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 45	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
308	के नाथ 6/5	गुणस्थान विचार	Gunasthāna Vicāra	समुन्द्रगणि	ग.
309	सेवामदिर 2/433	,, ,,	,, ,,	—	,,
310	,, गुटका 3 तिं	गुणस्थान स्तवन	Gunasthāna Stavana	समरचद (पार्श्वचद का शिष्य)	प
311	कुंथुनाथ 54/7	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
312	सेवामदिर 2/362	,, ,,	,, ,,	वाचक पदमराज	मू ट
313	के नाथ 15/193	,, ,,	,, ,,	धरमसी	प
314	महावीर 3 ई 10	,, ,,	,, ,,	,,	,,
315	,, 2/46	गुरुगुणषट्त्रिंशिका+वृत्ति	Guru Gunasat Trimśikā	रत्नशेखर	मू वृ (प ग)
316	,, 2/47	गुरुतत्वनिश्चय+वृत्ति	Gurutatva Niścaya	उ यशोविजय	मू वृ
317	,, 2/126	गौतमकुलक+वृत्ति	Gautama Kulaka	गौतमऋषि/ज्ञानतिलक	मू वृ. (प ग)
318	के नाथ 26/103	गौतमकुलक	Gautama Kulaka	गौतमऋषि	मू (प)
319	,, गु 5/25	,,	,,	,	मू ट (प ग)
320	मुनिसुव्रत 2/325	,,	,,	,,	,, ,,
321	कोलडी 824	,,	,,	,,	,, ,,
322	कुंथुनाथ 20/22	,,	,,	,,	,, ,,
323	कोलडी 825	,,	,,	,,	,, ,,
324	के नाथ 10/67	,,	,,	,,	,, ,,
325	मुनिसुव्रत 2/326	,,	,,	,,	,, ,,
326	कोलडी 1086	,,	,,	,,	,, ,,
327	ओसिया 2/416	,	,,	,,	मू (प,)
328	के नाथ 10/87	गौतमपृच्छा	Gautama Prcchā	—	मू (प)
329	कोलडी 1329	,,	,,	—	मू ट (प ग)
330	के नाथ 21/61	,, +वा	,,	—/ (नदिरत्न-का शिष्य)	मू वा
331	,, 3/27	,, +वृत्ति	,,	—/मतिवर्द्धन	मू वृ
332	,, 3/29	,, +वा	,,	—/—	मू वा

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्मस्तर विचार	मा	21	26×11×15×45	सपूर्ण ग्रथाग्र 800	19वी	
,,	,,	3	24×11×12×50	,,	19वी	
14 गुणस्थाय गर्भित	मा	गुटका	16×13×13×20	सपूर्ण 53 गाथा	1650	
,,	,,	18	26×11×5×40	,,	19वी	
,,	,,	3	26×11×6×48	सपूर्ण 21 पद	19वी	
,,	,,	2	25×11×14×44	,, 34 गाथा	19वी	1729 की कृति
,,	,,	3	25×12×13×31	,, ,,	20वी	
गुरु की योग्यतादि	प्रा स	35	27×12×14×39	,, 40 श्लोक की	20वी	
,,	,,	146	26×11×17×50	,, 903 श्लोक (चार उल्लास)	1949	वृत्ति स्वोपज्ञ
औपदेशिक	प्रा स	30	26×11×16×47	सपूर्ण 69 गाथाये	18वी × रामचन्द्र	
,,	प्रा	2	25×11×15×38	,, 20 गाथा	18वी	दो नक्ले
,,	प्रा मा	4	26×12×4×40	,, ,,	1831	
,,	,,	3	25×12×5×34	,, ,,	1842 मेडता ईश्वरसागर	
,,	,,	2	30×11×7×42	,, ,,	1846 × भक्तिसागर	
,,	,,	2	26×11×10×42	,, ,,	19वी	
,,	,,	2	30×10×5×45	,, ,,	19वी	
,,	,,	2	26×11×7×40	,, ,,	19वी	
,,	,,	3	23×11×5×29	,, ,,	19वी	
,,	,,	7	25×11×1×36	अपूर्ण 11 गाथा तक	19वी	
,,	प्रा	13*	26×13×16×30	,,	1953	
तात्त्विक 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा	9	26×12×11×32	सपूर्ण 64 गाथाये	16वी	भगवान महावीर के उत्तर
,,	प्रा मा	7	25×10×5×35	,, ,,	17वी	
,,	प्रा मा	3	25×11×9×30	,, ,,	17वी	
,,	प्रा स	62	24×10×13×28	,, 64 गाथा की ग्र 1682	1824	
,,	प्रा मा	25	26×11×16×52	,, 64 गाथा की	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
333	कोलडी 146	गौतमपृच्छा+वृत्ति	Gautma Precha+Vṛtti	/मतिवर्द्धन	मू वृ
334	महावीर 2/127	,, + ,,	,, + ,,	/मतिवर्द्धन	,,
335	कोलडी 831	,, कथासह	,, with kathā	—	मू +कथा
336	महावीर 2/14	,, वृत्तिसह	,, with Vṛtti	/मतिवर्द्धन	मू वृ
337	के नाथ 14/139	,, +बा	,, +Bālā	—	मू बा
338	, 13/12	,,	,,	—	मू ट
339	,, 5/68	,,	,,	—	मू
340	कुथुनाथ 25/2	,, +बा	,, +Bālā	—	मू टा.
341	ओमिया 2/165	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	—	मू वृ
342	कोलडी 823	,, +कथा	,, +Kathā	—	मू +व्या + कथा
343	के नाथ 15/172	,,	,,	—	मू ट
344	कोलडी 1085	,, +कथा	,, +Kathā	—	मू. × कथा
345	, 1087	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	—	ग
346	के नाथ 15/168	,, का पद्यानुवाद	,, Padyānuvāda	—	प
347	कोलडी 239	,, चौपई	,, Caupaī	लावण्यसमय	,,
348	के नाथ 19/73	,, पद्यानुवाद	,, Padyānuvāda	—	,,
349	मुनिमुव्रत 2/251	,, का बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	ग
350	ओमिया 2/164	,, ,,	,, ,,	जिनसूर तपागच्छ	,,
351	महावीर 2/406	गौतमीय महाकाव्य+वृत्ति	Gautamīya Mahā kāvya +Vṛtti	रूपचद/क्षमाकल्याण	मू वृ
352	कोलडी 953	ज्ञानक्रियावाद	Jñānakriyāvāda	—	गद्य
353	के नाथ 21/58	ज्ञानदेव धर्मगुरु श्रुतबोध	Jñāna Deva Dharma Guru Śruta Bodha	सिंहात्मज	पद्य
354	मुनिमुव्रत 2/321	ज्ञानद्वार से जीवप्ररूपणा	Jñānadvāra Jīvaprarupanā	—	ग तालिका
355	के नाथ 26/56	ज्ञानपच्चीसी	Jñāna Paccīsī	बनारसीदास	प
356	महावीर 2/407	ज्ञानसार अष्टक+वृत्ति	Jñānasāra Aṣṭaka+Vṛtti	यशोविजय/देवचद	मू वृ (प ग)
357	, 2/12	,, अष्टक	,,	,, /जीतविजय	मू ट

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्विक 48 प्रश्नोत्तरी	प्रा स	33	26 × 13 × 17 × 46	सपूर्ण 64 गाथा की	1834	
,,	,,	51	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1868 नागपुर	
,,	प्रा मा	110	31 × 12 × 15 × 42	,, 72 कथायें	1876 कालइना वृद्धिमागर	कथायें उपदेशमाला परकी
,,	प्रा स	24	26 × 13 × 19 × 57	,, 65 कथाये	1880भागनग चंनजीत	
,,	प्रा मा	38	26 × 12 × 14 × 50	,, 62 पद	1880	
,,	,,	5	26 × 11 × 6 × 42	,, 64 पद	19वी	
,,	प्रा.	2	26 × 11 × 17 × 40	,, ,,	19वी	
,,	प्रा मा	12	26 × 11 × 17 × 70	त्रुटक	19वी	
,,	प्रा स	34	26 × 12 × 19 × 49	सपूर्ण 64 गाथा की	1902	
,,	,,	39	32 × 12 × 13 × 50	,, ,, ,	1902आसोप प्रतापविजे	
,,	प्रा मा	9	26 × 11 × 18 × 56	अपूर्ण 29 से 57 प्रश्न तक	18वी	
,,	,,	25	25 × 12 × 11 × 32	,, 37 गाथा तक	19वी	
,,	स.	3	25 × 11 × 12 × 38	केवल 48वा प्रश्न	19वी	
,,	मा	2	26 × 11 × 20 × 54	सपूर्ण 104 गाथा चौपई छन्द	19वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 9 × 40	,, 115 गाथा	1763	
,,	,,	11*	25 × 11 × 13 × 40	,, 46 गाथा	19वी	
,,	,,	72	25 × 11 × 11 × 37	, ग्रथाग्र 2500	1676 खीमाडा तेजकुशल	कथासह
,,	,,	49	27 × 13 × 13 × 35	,, 64 गाथा का ग्र 1500	1784राजनगर	
महावीर गणधर-वाद	सस्कृत	92	27 × 13 × 14 × 52	,, 11 सर्ग	19वी	
ज्ञान व क्रिया का समन्वय	,,	2	26 × 12 × 16 × 48	,,	19वी	
सर्व धर्म समन्वय	,,	8	26 × 12 × 16 × 48	,, 6 अध्याय = 2?1 श्लोक	19वी	
सैद्धान्तिक बोल	मा	2	26 × 12 × —	अपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	,	3*	25 × 12 × 14 × 44	सपूर्ण 25 गाथा	19वी	साथ मे व मंद्रनामी
तात्त्विक आध्यात्मिक	स	12	26 × 12 × 18 × 51	त्रुटक ग्रथाग्र 289 (68 मे से केवल 12 पत्र है)	19वी	वृत्ति ज्ञानमजरी नाम्नी
,, ,	स मा	60	26 × 13 × 3 × 23	सपूर्ण 32 अष्टक ग्र 1500	1927	

1	2	3	3 A	4	5
358	ओसिया	ज्ञानसार वहोत्तरी	Jñānasāra Bohottarī	ज्ञानसार	प
359	के नाथ 4/24	ज्ञानार्णव	Jñānārnava	शुभचन्द्र	मू प
360	कुथुनाथ36/1गुरु क्रम 40	ज्ञानांकुश	Jñānānkūśa	—	पद्य
361	के नाथ 18/34	चरित्र-छत्तीसी	Carıtra-chattīsī	—	,,
362	गोलडी गुटका 4/12	चरित्र मनोरथमाला	Carıtra Manorathamālā	—	मू पद्य
363	महावीर 2/388	,, ,,	,, ,,	धनेश्वरमुनि	,,
364	कोलडी 853	चेतनकर्म-चरित्र	Cetanakarma Carıtra	भगोतीदास	पद्य
365	सेवामदिर 2/353	चौवीस दण्डक (विचारषट्-त्रिंशिका)	Cauvīsa Dandaka	गजसार/—	मू वा
366	ओसिया 2/192	,,	,,	,,	मू ट
367	महावीर 2/110	,,	,,	,,	,,
368	के.नाथ 5/82	,, +वा	,, +Bālā	,, /—	मू वा
369	ओसिया 2/179	,,	,,	गजसार	मू ट
370	सेवामदिर 2/419	चौवीस दण्डक+वृत्ति	,, + Vrttı	,, /—	मू वृ (प ग)
371-3	,, 2/345-47-48	,, 3 प्रतिया	,, 3 Copıes	,,	मू ट ,,
374	कोलडी 822	,,	,,	,,	,,
375	सेवामदिर 2/349	,,	,,	,,	,,
376	के नाथ 21/7	,,	,,	,,	,,
377-8	कोलडी 83,82	2 प्रतिया	,, 2 Copıes	,,	मू पद्य
379-80	के नाथ 19/63, 20/48	,, 2 प्रतिया	,, 2 Copıes	,,	,,
381-3	कुथुनाथ 15/8, 13/58,15/17	,, 3 प्रतिया	,, 3 Copies	,,	,,
384	मुनिसुव्रत 2/333	,, —	,, —	,,	,,
385	सेवामदिर 2/351	,, 2 प्रतिया	,, 2 Copıes	,,	मू ट (प ग)
386	महावीर 2/73	,,	,,	,,	,,
387	ओसिया 2/193	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
आध्यात्मिक काव्य	मा	3	24 × 12 × 24 × 42	(28 पद मात्र) अपूर्ण	19वी	
जैनयोग विषयक	स	108	27 × 11 × 9 × 37	अपूर्ण योगीप्रशसा सूत्र5 से मोक्ष तक	17वी	प्रथम 23पन्ने कम है
औपदेशिक	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 41 श्लोक	1544	
,,	मा.	5	27 × 11 × 16 × 36	,, 36 गाथा	20वी	
तात्विक-औपदेशिक	प्रा	गुटका	15 × 7 × 10 × 23	,, 30 गाथा	1499	
,,	,,	5	23 × 10 × 8 × 26	,, 30 गाथा	19वी	
तात्विक रूपक	हिन्दी	12	33 × 14 × 15 × 36	,, 298 छन्द	19वी	1736 की कृति
जैन तात्विक	प्रा मा	7*	26 × 11 × 17 × 60	38 गाथाये	17वी	
,,	,,	6	26 × 10 × 5 × 34	सपूर्ण 39 गाथा	1780 × रजित सागर	जीर्ण
,,	,,	7	24 × 11 × 5 × 29	,, 46 गाथा का	1887सूरत	
,,	,,	20	25 × 11 × 16 × 33	,, ,, ,,	1791	
,,	प्रा मा	11	24 × 11 × 3 × 36	सपूर्ण 43 गाथा	1800जालोर	
,,	प्रा स	6	25 × 11 × 15 × 50	,, 38 गाथा	18वी	
,,	प्रा मा	9,5,7	26 × 11 × भिन्न 2	,, 44,38,41 गाथा	18वी	
,,	,,	9	30 × 11 × 3 × 36	,, 40 गाथा	1821 × पद्म विजय	
,,	,,	7	26 × 12 × 4 × 38	,, 46 गाथा	1823 × आनद विजय	
,,	,,	5	27 × 12 × 5 × 42	,, 39 गाथा	1832 —	
,,	प्रा	4,5	25 × 11 × 7/9 30	,, 38,41 गाथा	1862,19वी	
,,	,,	9,3	26 × 12व24 × 13	,, 38,40 गाथा	19/20वी	
,,	,,	2,2 4	23से26 × 10से13	,, 38,39,39 गा	19/20वी	
,,	,	2	25 × 11 × 11 × 32	,, 43 गा.	19वी अहला-दनपुर, कुजरविजै	
,,	प्रा मा	1,3	28 × 14 × 4 × 24	,, 46 गा	1898	
,,	,,	18	26 × 11 × 5 × 37	,, 43 गा	19वी	
,,	,,	9	25 × 11 × 3 × 34	,, 40 गा	19वी विक्रमपुर वखतसुन्दर	

6 2858
6 64 49
6 64 49

1	2	3	3 A	4	5
388-91	के.नाथ 19/99, 20/15,15/123 6/95	चौवीस दण्डक 4 प्रति	Cauvīsa Dandaka 4 copies	गजसार	मू ट (प ग)
392	कोलडी 86	,,	,,	,,	,,
393	महावीर 2/74	,,	,,	,,	मू अ (प ग)
394	कोलडी 87	,, +वृति	,, +Vrttı	,, /स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
395	के नाथ 14/119	,, +व्याख्या	,, +Vyākhyā	,, /—	,, ,,
396	,, 5/39	,, +बा	,, +Bālā	,, /—	मू बा
397	सेवामदिर 2/352	,, +बा	,, +Bālā	,, /—	,,
398	कोलडी 84	,, +बा.	,, +Bālā	,,	,,
399	के नाथ 11/85	,, +बा.	,, +Bālā	,,	,,
400	कोलडी 85	चौवीस दण्डक का बालावबोध	,, Bālāvabodha	—	ग.
401	कुंथुनाथ 3/51	,,	,, ,,	—	,,
402	के नाथ 21/6	,,	,, ,,	—	,,
403	सेवामदिर 2/350	,,	,, ,,	—	,,
404	श्रोसिया 2/191	,,	,, ,,	—	,,
405	कोलडी 89	चौवीस दण्डक टव्वा	,, Tabbā	—	ग तालिका
406-8	महावीर 2/70-95-96	,, वोल 3प्रति	,, Bola 3 copies	—	,,
409-10	श्रोसिया 2/190, 415-17	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	गद्य
411-3	के नाथ 18/27 5/113,15/179	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	—	,
414	श्रोसिया 2/195	,, यत्र	,, Yantra	(हेम)	ग. तालिका
415	कोलडी 88	,, विचार	,, Vıcara	—	ग
416	कुंथुनाथ 57/7	,, वीर स्तवन	,, Vira Stavana	पार्श्वचन्द/राजसूरि	मू ट (प ग)
417	कोलडी 309	,, स्तवन	,, Stavana	पायचन्द	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	म मा	6,11, 5,4	25से26 × 10से13	पहिली 3 पूर्ण, चौथी अपूर्ण 24 गाथा	19/20वी	
,,	,,	11	25 × 11 × 4 × 32	सपूर्ण 40 गाथा	19वी	
,,	प्रा स	5	25 × 11 × 18 × 42	, 38 गाथा	1874 वीकानेर	अत मे 9 श्लोक छाया पुरुप-लक्षण
,,	,,	7	25 × 10 × 15 × 58	,, 39 ,,	1879	
,,	,,	10	26 × 11 × 11 × 37	,, 38 ,,	19वी	सग्रहणी-व्याख्यान जैसा
,,	प्रा मा	15	25 × 12 × 14 × 50	,, 46 ,,	1880	
,,	,,	13	27 × 13 × 17 × 39	सपूर्ण	1895 × पुण्य-विलास	अत मे सम्यक्त्व 67 बोल + अल्पवहुत्व स्तवन
,,	,,	13	24 × 11 × 11 × 40	, 41 गाथा का	1890	
,,	,,	13	26 × 10 × 20 × 54	अपूर्ण (किंचित्)	20वी	
,,	मा	13	24 × 10 × 17 × 52	सपूर्ण	1792	
,,	,,	16	27 × 12 × 12 × 32	,,	1796	
,,	,,	79	26 × 11 × 11 × 36	,,	18वी	
,,	,,	17	26 × 11 × 13 × 46	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	8	25 × 12 × 12 × 31	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	13	26 × 11 × —	,,	17वी	
,,	,,	30,6,6	25से27 × 12 + —	,,	19वी × (1 का लक्ष्मीविजै)	भिन्न भिन्न द्वारो से
,,	,,	15,20, 20	21से26 × 11से12	,,	19/2वी भिन्न भिन्न जगह	,,
,,	,,	16,84, 12,	24से29 × 10से15	,,	19वी	,,
,,	,,	7	27 × 12 × —	,,	19वी	
26 द्वारो से विविक्षा।	,,	13	26 × 11 × 17 × 38	,,	1882	
26 द्वार गर्भित	,,	17	25 × 11 × 4 × 41	सपूर्ण 91 गा. ग्रथाग्र 595 (मूल 165 ट 430)	1692, वसुमनिनगर, वीरमजी	
तात्विक भक्ति रूप मे	,,	2	27 × 11 × 15 × 42	सपूर्ण 23 गाथा	1765	

6 2856
6 64 49
6 64 49

1	2	3	3 A	4	5
419	के नाथ 11/114	चौवीस दण्डक स्तवन	Cauvīsa Dandaka Stavana	धर्मसी वाचक विजय-हर्ष शिष्य	पद्य
420	महावीर 2/72	,, ,,	,,	धर्मसिंह	,,
421	के नाथ 15/125	,, ,,	,,	,,	,,
422-3	कोलडी गुटका 2/7,7/7	, ,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
424	ओसिया 2/194	,, ,,	,,	ज्ञानसार (रत्नराज का शिष्य	,,
425	कोलडी गुटका 2/6	,, ,,	,,	,, ,,	,,
426	मुनिसुव्रत 3इ311	,, ,,	,,	मुनिखेम	,,
427	महावीर 3इ30	,, ,,	,,	जयदेवसूरि का शिष्य तापगच्छ	,,
428	कुथुनाथ 19/10	,, ,,	,,	—	मू ट (प ग)
429	के नाथ 18/74	छ महाव्रत सज्झाय व अतिचार विचार	Chah Mahāvrata Sajjhāya Atıcāra & Vıcāra	कातिविजय	प ग
430	कुथुनाथ 5/108	जवूम्वामी पृच्छारास	Jambūsvāmī Prchā Rāsa	वीरमुनि	प
431	के नाथ 26/47	जिनवारप (गाफिलगीत)	Jınabārasa (Gāfilagīna)	विनयचद	,,
432	कुथुनाथ 36/1 क्रम 12	जिनवरदर्शन-स्तव	Jınavara-darśana Stava	पद्मनदि	पद्य
433	के नाथ 1/15	जीवाजीव-विचार+वृति	Jīvājīva Vıcāra	शातिसूरि/मेघनदन	मू वृ (प ग.)
434	,, 6/105	,,	,,	शातिसूरि	मू प
435	,, 14/10	,,	,,	,,	,,
436	मुनिसुव्रत 2/330	,,	,,	,,	,,
437	ओसिया 2/209	,,	,,	,,	मू ट
438	के नाथ 6/38	,,	,,	,,	मू प
439	मेवामदिर 2/357	,,	,,	,,	मू ट
440	मुनिसुव्रत 2/336	,,	,	,,	मू प
441	कोलडी 66	, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /ईश्वराचार्य	मू वृ (प ग)
442-3	, 68,69	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	मू प.
444	ओसियां 2/207	,, —	,, —	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक भक्ति रूप मे	मा	1	26×11×17×58	सपूर्ण 34 गाथा	1792	
,,	,,	4	24×11×9×32	,, 34 ,,	1880,मुबई, अमरसिंदूर	
,,	,,	3	23×13×11×37	,, 34 ,,	1897	
,,	,,	गुटका	15×12व22×16	,, 34 ,,	1903	
,,	,,	7	24×10×11×32	,, 2 गीत (26+33 गाथा	19वी	
,,	,,	गुटका	15×12×11×20	,, 27 गाथा	1903	
,,	,,	3	22×7×9×38	,,	19वी	
,,	स	3	27×13×12×50	,, 91 श्लोक	1961	
,,	अ मा	7	26×12×4×42	अपूर्ण 37 गाथा तक	19वी	
आचार व दण्ड-विधान	मा	4	26×13×15×32	सपूर्ण 6 सज्झायें+गद्य	1909	
तात्विक	,,	गुटका	16×23×11×20	,, 13 ढाले	1797	1728 की कृति
औपदेशिक	,,	2	25×12×17×48	,, 43 गाथा	19वी	
दार्शनिक	प्रा.	गुटका	23×20×21×38	,, 33 स्तव	1544	
जैन तात्विक	प्रा स	12	27×12×21×64	,, 51 गाथा की	1613	
,,	प्रा	3	25×11×11×38	,, 51 गाथा	1666	
,,	,,	2	26×11×11×42	,, ,,	17वी	
,,	,,	2	25×11×17×41	,, ,,	1752×नरेन्द्र	
,,	प्रा मा	8	26×11×4×32	,, ,,	1758	
,,	प्रा	5	25×11×9×28	,, ,,	1764	
,,	प्रा मा	5	25×11×6×36	,, 52 गाथा	18वी	
,,	प्रा	2	26×11×13×45	,, 51 गाथा	18वी अकबरावाद	
,,	प्रा स	4	28×11×6×50	,, 52 गाथा की	1800	
,,	प्रा	4,53	27×11×10×30	,, 51 गाथा	19वी	
,,	,,	3	26×12×12×42	,, 58 ,,	1870 विक्रमपुर, जिनसुदर	

1	2	3	3 A	4	5
445-8	के नाथ 14/124 21/20,23/27, 24/67	जीवाजीव-विचार 4 प्रतिया	JīvāJīva Vıcāra 4 copıes	शातिसूरि	मू प
449-51	कुथुनाथ 37/15, 15/18,15/20	,, 3 प्रतिया	,, 3 copıes	,,	,,
452	श्रोसिया 2/210	,, —	,, —	,,	मू ट (प.ग)
453-5	कोलडी 71,72, 820	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
456-7	मेवामदिर 2/354, 356	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	,,	,,
458	महावीर 2/106	,, —	,, —	,,	,,
459-62	के नाथ 13/9, 23/28-69 26/22	,, 4 प्रतिया	,, 4 copıes	,,	,,
463	श्रोसिया 2/208	,, +वा	,, +Bālā	,, /अज्ञात	मू वा (प ग)
464	के.नाथ 18/30	,, +वा	,, +Bālā,	,, / ,,	,,
465	कुथुनाथ 18/11	जीवविचार	Jīva Vıcāra	—	ग
466	के नाथ 9/17	,, का वालाववोध	,, kā Bālāvabodha	—	,,
467	महावीर 2/94	,, वोल	,, Bola	—	ग तालिका
468	श्रोसिया 2/314	,, सूचा यत्र	,, *Sucā Yantra*	सुमतिवर्द्धन	,,
469	के नाथ 21/103	,, ,,	,, ,,	,,	,,
470	कोलडी गुटका 2/6	,, -स्तवन	,, Stavana	ज्ञानसार	प.
471	मुनिसुव्रत 2/318	,, ,,	,, ,,	वृद्धिविजय	,,
472	कोलडी 882	जीवस्वरूपवोल	Jīva Svarūpa Bola	महेश्वरसूरि	,,
473	के नाथ 19/95	जोगीराम	Jogī Rāsa	अज्ञात	,,
474	कुथुनाथ 36/1 क्रम 7	ढाटमी गाथा	Ḍhādhasī Gāthā	ढाडसीमुनि	,,
475	कुथुनाथ 36/1 क्रम 37	तत्वसार	Tattvasāra	देवसेन	,,
476	कोलडी 836	तत्वार्थ सूत्र+वृत्ति (रत्नप्रभा)	Tattvārtha Sūtra+Vrttı	उमास्वाति/प्रभाचद्र (धर्मचद्र शिष्य)	मू वृ. (ग)
477	देवेन्द्र 2/360	,,	,,	उमास्वाति	मू.ट (ग.)
478	के नाथ 5/85	,,	,,	,,	मू कडिका+ व्याख्या

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	प्रा	3,4,3, 3	25 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण 50/51 गाथा	19वी	
,,	,,	5,4,⁵	22 से 25 × 10 से 12	,, 51 गाथा	19वी20वी	
,,	प्रा मा	9	24 × 10 × 4 × 32	,, 51 ,,	1873 विक्रम-पुर	
,,	,,	5,5,5	25/29 × 11व26 × 13	,, 51/53 गाथा	19वी	
,,	,,	8,8	26 × 13व11 × भिन्न	,, 52/51 ,,	19वी	
,,	,,	9	28 × 13 × 4 × 28	,, 51 गाथा	19वी	
,,	,,	9,5,2, 4	26से28 × 11से13	,, 50/51गाथा	19वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 14 × 32	,, 52 गाथा का	1899 विक्रम-पुर, आनदसुदर	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण 24 गाथा तक	20वी	
,,	स	13	25 × 11 × 10 × 30	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	17	27 × 11 × 13 × 60	,, ग्र 750	19वी	
,, बोल	,,	19	16 × 9 × —	,,	1874,श्रीकृष्ण-गढ हीरनद मथेन	भिन्न 2 द्वारो से
,, ,,	,,	10	25 × 13 × —	,, (पहिला पन्ना कम)	1877 × केश-रीचद	,,
,, ,,	,,	12	26 × 12 × 10 × 33	,,	19वी	,,
,, भक्तिमय	,,	गुटका	15 × 15 × 11 × 20	,, 29 पद	1903	
,, ,,	,,	7	21 × 12 × 13 × 25	,, 9 ढाले	1902	
तात्विक विवेचन	प्रा	2⁺	21 × 11 × 18 × 55	,, 85 गाथा	1573 (?)	,,
योग विषयक	मा	10⁴	26 × 12 × 15 × 42	,, 42 ,,	19वी	
औपदेशिक ?	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 39 ,,	1544	
तात्विक	,,	,,	22 × 20 × 21 × 38	,, 75 ,,	1544	
,,	स	94	25 × 11 × 9/13 × 40	,, 10 अध्ययन	1770 उदयपुर पिताबर	सग्रामसिंह राज्ये श्रीचद द्वारा
,,	स मा	19	26 × 12 × 5 × 39	,, ,,	1774, हुगली	
,,	स	32	26 × 11 × 4 × 33	,, ,,	1888	

1	2	3	3 A	4	5
479-80	के नाथ 13/8, 21/94	तत्वार्थत्रसू 2 प्रतिया	Tattvārtha Sūtra 2 copies	उमास्वाति	मूल
481	,, 9/18	,, +वृत्ति	,, ,, +Vrttı	,, /—	मू वृ
482	ओमिया 2/241	,, + ,,	,, ,, +Vrttı	,, /सिद्धसेन	,,
483	,, 2/416	तपकुलक	Tapa-kulaka	—	मू प
484	,, 2/161	तेरहकाठिया	Teraha kāthıyā	रामचद	ग
485	महावीर 2/383	तेवीसपदवी-यत्र	Tevīsapadavī Yantra	—	ग तालिका
486	,, 2/384	,, -वर्णन	,, Varnana	—	गद्य
487	के नाथ 5/8	,, -विचार	,, Vıcāra	—	,,
488	कुथुनाथ 10/149	,, -सज्झाय	, Sajjhāya	केशव	पद्य
499	,, 10/192	दया-स्वाध्याय	Dayā Svādhyāya	लावण्यसमय	,,
490	के नाथ 5/11	दर्प्पदलन	Darppadalana	सदासायर क्षेमेन्द्र कृति	प
491	कुंथुनाथ 29/4	दर्शनमार्ग+वृत्ति	Darśana Mārga+Vrttı	कुंदकुदचार्य/—	मू वृ
492	के नाथ 11/68	दर्श-(सम्यक्त्व) शुद्धि	Darśana Śuddhı	चन्द्रप्रभ	मू प
493	महावीर 2/26	, ,,+वृत्ति	,, +Vrttı	,, /विमलगणि देवभद्र	मू वृ (प ग)
494	के नाथ 13/14	,, ,,+ ,,	,, +Vrttı	,, / ,,	,, ,,
495	महावीर 2,390	,, ,,+ ,,	,, +Vrttı	,, / ,,	,, ,,
496	के नाथ 22/46	दर्शन (सम्यक्त्व) सत्तरी	Darśana Sattarī	हरिभद्र	मू प
497	,, 15/76	,, ,,	,,	,,	,,
498	कुथुनाथ 9/15	दर्शनसत्तरी+वृत्ति	,, +Vrttı	,, /सघतिलक	मू वृ (प ग)
499	के नाथ 8/7	,, +बा	,, +Bā ā	— /रत्नचद्र(शातिचदतपागच्छका शिष्य	मू बा (,,)
500	कुथुनाथ 2/34	दश-श्रावक व बध-वर्णन	Daśa Śrāvaka+Bandha Varnana	—	ग.
501	ओमिया 2/413	दस-पात्रिस	Dasa Pāntrısa	—	,,
502	महावीर 2/13	दानप्रदीप	Dānapradīpa	चरित्ररत्न (सोमसुन्दर का शिष्य	प

6		8	8 A	9	10	11
तात्विक		21,6	26 × 12 × 4/13 × 41	सपूर्ण 10 अध्ययन	19वी	दूसरी प्रति मे उमा-स्वाति पट्टावली
,,		396	24 × 12 × 15 × 30	अपूर्ण	19वी	
,,		471	27 × 13 × 14 × 50	त्रुटक	1969	बीच मे कई पन्ने कम है
औपदेशिक	।	13*	26 × 13 × 16 × 30	सपूर्ण	1953	
अध्यात्म शत्रुवा		2	25 × 12 × 11 × 35	,,	1910	
चक्रवर्त्ती रत्न, महात्म		2	27 × 13 × —	,, दो नकले	20वी	
,,	,,	3	27 × 12 × 14 × 43	,,	20वी	
,,	,,	16	25 × 12 × 12 × 33	,,	1872	
,,	,,	1	25 × 11 × 14 × 42	,, 21 गाथा	19वी	
औपदेशिक	,,	1	26 × 11 × 10 × 40	,, 14 ,,	19वी	
,,	स	8	16 × 11 × 22 × 63	,, 7 विचार ग्र 65	18वी	
दार्शनिक	प्रा स	34	27 × 11 × 17 × 38	5 समय पूरे छठा अधूरा 74 तक	16वी	
,,	प्रा	6	27 × 11 × 15 × 65	सपूर्ण 4 तत्व (265 गाथा)	16वी	
,,	प्रा स	70	26 × 12 × 16 × 61	1 2 3 4 सपूर्ण(देव,मार्ग,साधु जीव) ग्र 4250	18वी	
,,	,,	63	27 × 13 × 19 × 54	,, (,,) ग्र 4000	1907	
,,	,,	103	27 × 12 × 14 × 41	,, (,,) ग्र 3800	1958	विगतवार प्रशस्ति है
,,	प्रा.	4	26 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 70 गाथाए	16वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 11 × 47	,, ,,	19वी	
,,	प्रा स	56	27 × 5 × 13 × 48	,,	19वी	
,,	प्रा मा	66	26 × 12 × 14 × 37	अपूर्ण 29 गाथा तक	19वी	कथासह प्रशस्ति मे रत्नचद के 10 अन्य ग्रन्थ नाम
सैद्धान्तिक ऐतेहा-सिक	मा	2	25 × 11 × 35 × 24	सपूर्ण	18वी	चेटक की 7 पुत्रियो का वर्णन भी
10–10 के 35 बोल तातविक	,,	6	22 × 12 × 14 × 24	प्रतिपूर्ण	1970, फलोदी, गणेशलाल	
औपदेशिक	स	268	27 × 12 × 12 × 37	सपूर्ण 12 प्रकाश ग्र.6675	1958 जोधपुर छैलाराम	विगतवार प्रशस्ति

1	2	3	3 A	4	5
503	महावीर 2/4	दानप्रदीप	Dānapradīpa	चरित्ररत्न(सोमसुन्दर का शिष्य)	प
504	के नाथ 26/103 गुटका	दानमाहात्म्य	Dāna Māhātmya	—	,,
505	ओसिया 2/152	दानविधि	Dānavidhi	—	,,
506	के नाथ 15/130	दानशील गीत	Dānaśīla Gita	गुणविनय	,,
507	ओसिया 2/234	दानशील-तप-भाव कुलक	Dānaśīla Tapa Bhāva Kulaka	अशोकमुनि	मू ट (प ग)
508	,, 2/226	,, ,,	,, ,,	,	,, ,,
509	कुंथुनाथ 37/1	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
510	महावीर 2/124	दानशील-तप-भाव कुल+वृत्ति	Dānaśīla Tapa Bhāva Kula+Vrtti	देवेन्द्र/देवविजय	मू वृ (प ग)
511	,, 2/123-25	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,, ,,
512	ओसिया 2/211	दानशील-तप-भावकुल	Dānaśīla Tapa Bhāva Kula	देवेन्द्र	मू ट (प ग)
513	कोलडी 826	,, ,,	,, ,,	,,	मू प
514	ओसिया 2/137	,, ,,	,, ,,	,,	मू ट (प ग
515	मुनिसुव्रत 3ई 244	दानशील-तप-भावनाकुलक	Dānaśīla Tapa Bhāvanā Kulaka	आनदसार (बुधकीर्त्ति का शिष्य)	प.
516	,, 3ई 304	,, सवाद	Dānaśīla Tapa Bhāvanā Samvāda	समयसुन्दर	,,
517	के नाथ 14/61	,, ,,	,, ,,	,,	,,
518	,, 19/60	,, ,,	,, ,,	,,	,,
519	,, 5/94	,, ,,	,, ,,	,,	,,
520	मुनिसुव्रत 2/270	,, ,,	,, ,,	,,	,,
521-3	के नाथ 15/42 18/18 24/72	,, ,, 3 प्रति	,, ,, 3 copies	,,	,,
524	मेवामदिर 3 ई 344	, ,,	,, ,,	,,	,,
525	कुंथुनाथ 4/104	,, ,,	,, ,,	,,	,,
526	ओसिया 3ई 211	,, ,,	,, ,,	,,	,,
527	मुनिसुव्रत 3ई 308	,, ,,	,, ,,	,,	,,
528	के नाथ 18/78	दिशाणवाईना वोल	Diśānavāinā Bola	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	स	206	27 × 12 × 14 × 41	सपूर्ण 12 प्रकाश	1962 नागौर	
,, उद्धरण	प्रा स	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 18 गाथा/श्लोक	18वी	
औपदेशिक	प्रा.	123	26 × 12 × 11 × 40	,, 25 गाथा	16वी	
,,	मा	3	26 × 10 × 12 × 42	,, 50 गाथा लगभग	19वी	
,	प्रा मा	4	26 × 11 × 7 × 47	,, 49 गाथा	17वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 7 × 47	,, ,,	18वी	
,,	,,	5	25 × 12 × 4 × 30	,, 50 गाथा	1813	(अपर नाम पचाशिका भी)
,,	प्रा स	241	26 × 11 × 13 × 31	,, 40 गा (20/20) कथासह	17वी	द्वितीय व तृतीय वक्षकार की
,,	,,	90 + 47	26 × 11 × 15 × 39	, 40 गाथा की ,,	19वी × हर्षचद	प्रथम व चतुर्थ वक्षकारकी/प्रशस्ति है
,,	प्रा मा	4	26 × 11 × 7 × 52	,, 81 ,, (20 × 4 + 1)	18वी	
,,	प्रा	2	31 × 11 × 15 × 52	,, ,, ,,	19वी	
,,	प्रा मा.	3	43 × 11 × 9 × 76	,, ,, ,,	1927 बीकानेर देवगुप्त	
,	मा	6	26 × 11 × 15 × 50	,, 4 कुलक (22 + 4)	19वी × रत्नहर्ष	
,,	,,	6	24 × 11 × 15 × 50	,, 135 ग्रथाग्र	1668	
,,	,,	7	24 × 11 × 11 × 32	,,	1671	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 42	,, 107 गाथा	1712	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 38	,, 135 ग्रथाग्र	1834	
,,	,,	4	23 × 11 × 13 × 40	,,	1843	
,,	,,	9,3,4	20 से 25 × 10 से 12	,, 4 ढाले	19वी	
,,	,,	7	14 × 11 × 13 × 26	,, ,, ,	1854 × गणेश कीर्ति	
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 45	,,	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 39	,, 104 गाथा	19वी	
,,	,,	3	24 × 11 × 11 × 45	,, 135 ग्रथाग्र	20वी	
दिशानुसार जीव दडकअल्प बहुत्व	,,	2	26 × 12 × 17 × 35	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
529	कोलडी 885	देव गुरु धर्म	Deva Guru Dharma	—	ग.
530	के नाथ गुटका 6	दोहा वहोत्तरी	Dohā Bahottarī	जिनरग	प
531	महावीर 2/39	द्रव्य सप्ततिका (सत्तरी)+वृति	Dravya Saptatikā (Sattarī)+Vṛtti	लावण्यविजय स्वोपज्ञ	मू वृ
532	के नाथ 16/8	द्रव्य सग्रह वृत्तिसह	Dravya Sangraha With Vṛtti	नेमिचद्रसूरि/–	,, (प.ग)
533	कोलडी 1229	,, +वा	,, +Bālā	,, /—	मू बा (प ग)
534	महावीर 2/49	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
535	ओसिया 2/222	,,	,,	,,	,,
536	के नाथ 3/30	,, +-वाला	,, +Bālā	नेमिचद्र/रामचद्र	मू वा
537	कोलडी 833	,, ,,	,, ,,	,, —	,,
538	,, 832	,, +भाषान्तर	,, +Bhāṣāntara	नेमिचदसूरि	मू अ
539	,, 1095	(लघु) द्रव्य-सग्रह	(Laghu) D avya-sangraha	,	मू ट (प ग)
540	कुथुनाथ 36/1क्रम 4	द्वात्रिंशभावना	Dvātrimśa Bhāvanā	—	पद्य
541	ओसिया 2/227	धर्म ध्यान बोल+वा	Dharma-dhyāna-bola +Bālā	(आगमोक्त)	मू वा
542	के.नाथ 23/58	धर्म ध्यान बोल	,, ,,	—	ग
543	कोलडी 977	धर्म-परीक्षा	Dharma Parīkṣā	अमितगति	प.
544	महावीर 2/15	,,	,,	जिनमडन (सोमसुदर का शिष्य)	,,
545	कोलडी 967	धर्मफल+वाला	Dharma-phala+Bā ā	—	मू वा
546	ओसिया 4 अ 88	धर्म-बावनी	Dharma Bāvanī	धर्मसी मुनि	प
547	के नाथ 29/51	,,	,,	,,	,,
548	,, 3/7	धर्मरत्न करडक	Dharma Ratna Karan-daka	वर्द्धमानसूरि	मू वृ. (प ग)
549	महावीर 2/114	,, ,,	,, ,,	,,	,,
550	, 2/115	धर्मरत्न-प्रकरण	,, Prakarana	शातिसूरि	,,
551	,, 2/6	,	,, ,,	शातिसूरि/देवेन्द्रसूरि	,,
552	कथुनाथ 23/4	धर्मरत्न-प्रकरण की वृत्ति	,, Kī Vṛtti	—	ग
253	के नाथ 15/237	धर्मामृते उक्त सागार धर्म टीका	Dharmāmṛte Uktah Sāgāra Dharma Tika	प आशाधर	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
3 तत्वों का विवेचन	मा	3	23 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण	20वी	
तात्विक औपदेशिक	,,	4	22 × 15 × 14 × 26	सपूर्ण 67 दोहे	1738	
जैन तात्विक	प्रा स	23	27 × 13 × 16 × 49	,, 71 गाथाए	1954	विद्याविजय द्वारा सशोधित
,,	,,	61	25 × 13 × 13 × 54	,, ग्र. 2700	1672	
,,	प्रा मा	16	26 × 11 × 10 × 42	,, 62 गाथा का	1726	
,,	,,	7	26 × 11 × 5 × 35	,, 61 गाथा का तीन अधिकार	18वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 4 × 41	,, 59 ,, ,,	18वी × क्षेमसूर्ति	
,,	,,	34	23 × 10 × 13 × 43	,, 3 अधिकार	1877	
,,	,,	15	28 × 10 × 13 × 32	,, ,,	19वी जैसलमेर उम्मेदविजै	
,,	प्रा स	7	31 × 11 × 5 × 36	,, 59 गाथा	19वी	
,,	प्रा मा	12	26 × 11 × 6 × 44	,, 25 ,,	19वी	
औपदेशिक	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 33 श्लोक	1544	
जैन ध्यान योग	प्रा मा	5	26 × 12 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वी	
,,	मा	6	27 × 12 × 13 × 38	सपूर्ण	19वी	
जैन सैद्धातिक	स	40	30 × 13 × 15 × 56	,, 20 परिच्छेद	16वी	
औपदेशिक कथासह	प्रा स	63	25 × 12 × 12 × 36	,, 8 ,,	1899उदयपुर उदयचद	
सामान्य श्लोक	स मा	3	26 × 11 × 13 × 44	प्रतिपूर्ण	20वी	
औपदेशिक पद	मा	30*	15 × 10 × 12 × 20	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	25 × 10 × 20 × 50	अपूर्ण 11 से 57 (अत। तक	19वी	
औपदेशिक	स	158	26 × 11 × 17 × 52	, ग्र 8700	18वी	
,,	,,	237	27 × 13 × 15 × 44	सपूर्ण ग्रथाग्र 10000 लगभग	19वी	मूल ग्रथाग्र 335 की स्वोपज्ञ ? लघु वृत्ति है।
,, कथासह	प्रा स	34	26 × 12 × 15 × 51	अपूर्ण(17वें ग्र तक)78 गाथा 68काव्य कथा तक	1643 × ज्ञानसुदर	
,, ,,	प्रा स	183	28 × 13 × 15 × 60	सपूर्ण 145 गाथा की, ग्र 9682	1954,नागौर देवकृष्ण	बृहद् वृति है।प्रशस्ति हेमकलश वाचक द्वारा सशोधित
,, ,,	स	8	27 × 11 × 17 × 75	त्रुटक स्फुट पन्ने (12 अतवाले)	17वी	
श्रावकाचार	,,	189	27 × 12 × 11 × 31	अपूर्ण चौथे अध्याय से	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
554	ओसिया 2/133	धर्मोपदेश-विन्दु	Dharmopadeśa Bındu	सकलन	पद्य
555	महावीर 2/30	ध्यानपत्र	Dhyānapatra	—	गद्य
556	मुनिसुव्रत 2/275	ध्यान बत्तीसी	Dhyāna Battīsī	बनारसीदास	पद्य
557	कोलडी गु. 10/5	,,	,,	,,	,,
558	कुथुनाथ 36/2	ध्यानसार	Dhyāna Sāra	यशकीर्ति	प
559	महावीर 2/389	ध्यानस्वरूप	Dhyāna Svarūpa	भावविजय (विमलका शिष्य)	,,
560	के नाथ 29/14	ध्यानावली	Dhyānāvaī	—	,,
561	,, 20/31	नमि विदेह सज्झाय	Namı Vıdeha Sajjhāya	आसकर्ण	,,
562	,, 26/89गु	,, ,,	,,	,,	,,
563	मुनिसुव्रत 3 इ323	नरक-चउढालिया	Naraka Caudhālıyā	गुणसागर	,,
564	महावीर 2/33	नरक चित्र व दोहे	Narka Cıtra va dohe	—	,,
565	के. नाथ 15/228	रकविचार	Naraka vıcāra	—	ग.
566	ओसिया 2/206	नवतत्व वाला	Navatattva +Bālā,	—/जयशेखर	मू.वा
567	के नाथ 21/93	,+ ,,	,, ,,	हर्षवर्द्धनगणि	,,
568	कुथनाथ 3/60	नवतत्व	,,	—	मू प
569	सेवामदिर 2/340	,,	,,	—	मू ट (प ग)
570	,, 2/337	,,	,,	—	,,
571	,, 2/338	,, +वृति+बाला	,, +Vrttı+Bālā	—	मू वृ वा
572	के नाथ 1/1	,, +बालावबोध	,, +Bālāvabodha	—	मू वा
5 3	,, 15/30	नवतत्व	,,	—	मू प
574	महावीर 2/76	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	—	मू वृ (प ग)
575	ओमिया 2/203	,, + ,	,, +,,	—/रत्नसूरि	,,
576	मुनिसुव्रत 2/258	नवतत्व	,,	—	मू ट. (प ग)
577	के नाथ 15/86	,,	,,	—	मू (पद्य)
578	मुनिसुव्रत 2/253	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	—/देवेन्द्रसूरि	मू वृ. (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक सुभाषित सग्रह	म मा	55	27×14×11×34	अपूर्ण	20वी	जीर्ण
जैन ध्यान योग	मा	12	28×14×7×17	सपूर्ण	1924× विनयचद्र	
,,	हिन्दी	2	25×11×12×31	,, 34 छद	17वी	
,,	,,	गुटका	19×13×13×23	,,	1884	
,,	म	,,	25×20×15×28	सपूर्ण 162 श्लोक	1794	
,,	मा	13	26×12×10×38	स 163 गा. (10 ढाले) ग्र. 265	1912× रविसागर	1696 की कृति
,,	,,	1	26×13×11×36	अतिम पन्ना मात्र(गा 64 से 72)	20वी	
तात्विक दार्शनिक चर्चा	,,	4	25×12×15×39	सपूर्ण 7 ढाले	19वी	
,,	,,	16	22×16×17×25	,, ,,	19वी	
औपदेशिक	,,	1	26×11×14×44	,, 4 ,,	19वी	
,,	,,	21	26×12×5×30	,, 80 दोहे	19वी	21 चित्र हैं।
तात्विक धार्मिक	,,	3	25×10×14×37	सपूर्ण	19वी	
तात्विक	प्रा मा	63	25×11×16×47	,, 30 गाथा	1469 ?	
,,	,,	29	25×11×17×55	,, 27 ,,	1480	
,,	प्रा	4	27×11×48×30	, 46 ,,	16वी	
,,	प्रा मा	5	25×11×18×47	,, 43 ,,	16वी	
,,	,,	4	25×11×6×38	,, 46 ,,	16वी	
,,	प्रा स मा	14	26×11×15×40	,, 31 ,,	1641	
,,	प्रा मा	23	28×12×11×40	,, 29 ,,	1648	
,,	प्रा	2	25×10×13×48	,, 54 ,,	1692	
,,	प्रा स	10	26×11×16×52	सपूर्ण 31 गा ग्रथाग्र 600	1699× ज्ञानविजय	
,,	,,	6	26×11×23×52	सपूर्ण 26 गाथा	1706	
,,	प्रा मा	7	26×11×4×33	,, 41 गाथा	1710 जोधपुर रत्नसुन्दर	
,,	प्रा	2	25×11×11×41	,, 47 ,,	1713	
,,	प्रा स.	8	26×11×17×44	,, 27गा./ग्रथा 477	1721 पींपाड भोजराज	

1	2	3	3 A	4	5
579	के नाथ 14/105	नवतत्व	Navatattva	—	मू (प)
580	कुथुनाथ 15/9	,,	,,	—	,,
581	के नाथ 11/16	,,	,,	/जयशेखर	मू ट (प ग)
582	,, 11/58	,,	,,	—	,,
583	मुनिसुव्रत 2/259	,,	,,	—	मू (प)
584	सेवामदिर 2/339	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	—	मू वृ (प ग)
585	ओसिया 2/199	,, + ,,	,, + ,,	/रत्नसूरि	,,
586	सेवामदिर 2/373	नवतत्व	,,	—	मू ट (प ग)
587	कोलडी 67	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	—	मू वृ (प ग)
588	सेवामदिर 2/423	नवतत्व	,,	—	मू ट (प ग)
589	कोलडी 77	,, +वाला	,, +Bāla	—	मू वा (प ग)
590	के नाथ 20/18	नवतत्व	,,	—	मू ट (प ग.)
591	ओसिया 2/202	,,	,,	—	,,
592	कोलडी 79	,,	,,	—	,,
593-7	के नाथ 6/87,14/40,15/34,15/235,14/54	नवतत्व 5 प्रतिया	,, 5 copies	—	मू (प)
598 600	ओसिया 2/200 196-97	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
601-3	कोलडी 75, 76, 915	,, 3 ,,	,, 3 copies	—	,,
604	महावीर 2/107	,,	,,	—	,,
605	कुन्थुनाथ 15/19	,,	,,	—	,,
606	देवेन्द्र 2/344	नवतत्व	Navatattva	—	,,
607	,, 2/341	,,	,,	—	मू ट (प ग)
608-10	कोलडी 821, 1118,11849	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
611-12	के नाथ 21/35, 10/89	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्विक	प्रा	3	23 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 44 गाथा	1748	
,,	,,	2	26 × 10 × 14 × 40	,, 52 ,,	1753	
,,	प्रा मा	13	25 × 11 × 3 × 37	,, 49 ,,	1756	
,,	,,	6	25 × 11 × 5 × 34	,, 47 ,,	1760	
,,	प्रा	5	24 × 11 × 12 × 33	,, 48 ,,	1785	
,,	प्रा स.	11	25 × 12 × 17 × 50	,, 32 ,,	18वी	
,,	,	8	26 × 12 × 17 × 43	,, 28 ,,	18वी	
,,	प्रा मा	11	26 × 12 × 5 × 26	,, 55 ,,	18वी	
,,	प्रा स	5	29 × 11 × 5 × 50	,, 27 ,,	1800	
,,	प्रा मा	6	26 × 11 × 6 × 36	,, लगभग,	1811	
,,	,,	10	25 × 12 × 4 × 40	,, 50 गाथा	1817	
,,	,	10	24 × 12 × 13 × 36	,, 55 ,,	1819	
,,		12	25 × 10 × 3 × 30	,, 48 ,,	1823,रावला नगर विनयसुदर	
,,	,	11	25 × 11 × 3 × 34	,, 48 ,,	1832	
,,	प्रा	2 3,2 3,4	21से27 × 10से13	प्रथम चार पूर्ण, अंतिम अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	2,10,9	22से26 × 11से12	सपूर्ण 48,48,50 गाथा	19वी	
,,	,	3,7,3	25 × 10से11 × भिन्न2	,, 53,52,48, ,,	19/20वी	
,,	,	6	23 × 12 × 9 × 19	,, 50 गाथा	1901	
,,	,,	5	24 × 10 × 8 × 34	,, ,,	1955	
जैन तात्विक	,,	3	25 × 12 × 12 × 40	,, 51 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	3	25 × 11 × 3 × 32	,, 57 ,,	1856 × हस-कुशलगणि	अंतिम पन्ना कम
,,	,,	10,5,6	21से25 × 11 × भिन्न2	,, 49,49,41 गाथा	19वी	
,,	,,	7,19	26 × 11 व 27 × 12	,, 49,78 गाथा	19वीं	दूसरी प्रति का अंतिम पन्ना कम

1	2	3	3 A	4	5
613-14	आमिया 2/201, 198	नवतत्त्व 2 प्रतियें	Navatattva 2 copise	—	मू.ट. (प ग)
615	महावीर 2/108	,,	,,	मणिरत्नसूरि ?	,,
616	केनाथ 23/10	, +वृत्ति	,, +Vrtti	—	मू वृ. (प.ग)
617	,, 11/25	,, +,,	,, + ,,		,,
618	,, 11/21	,, +,,	,, + ,,		,,
619	,, 5/43	,, +,,	,, + ,,		,,
620	कुंथुनाथ 32/3	,, +,,	,, + ,,		,,
621	केनाथ 20/17	,, +बाला	,, +Bālā		मू व (प ग.)
622	कोलडी 78	,, +,,	, + ,,		,,
623	कुंथुनाथ 2/18	,, +,,	,, + ,,		,,
624	आमिया 2/204	नवतत्त्व की वृत्ति	,, +Vrtti	अज्ञात	ग
625	केनाथ 18/92	,, ,,	,,	—	,,
626	कोलडी 73	नवतत्त्व का बालावबोध	Navatattva Bālāvabodha	पदमचंद	,,
627	महावीर 2/71	,, ,,	,, ,,	सौभाग्यचंद	,,
628	मेरामंदिर 2/343	,, ,,	,, ,,	—	,,
629	कोलडी 1110	,, ,,	,, ,	—	,,
630	केनाथ 13/13	,, ,,	,, ,,	—	,,
631-32	कोलडी 80-81	नवतत्त्व का टब्बा 2 प्रतिया	Navatattva kā Tabbā 2 copies	—	,,
633	केनाथ 5/133	नवतत्त्व के बोल	Navatattva ke Bola	—	,,
634	कोलडी 1131	,, ,,	,,	—	,,
635	महावीर 2/98	,, ,,	,,	—	ग तालिका
636-37	कोलडी गु 10/4, 2/6	नवतत्त्व स्तवन 2 प्रतिया	Navatattva Stavana 2 copies	ज्ञानसार (रत्नराज का शिष्य	प
638	आमिया 2/300	, ,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	प्रा मा	9,4	25×11/12×भिन्न2	पहिली पूर्ण 48 द्वितीय अपूर्ण 42	19वी(विक्रमपुर आनदसुदर)	
,,	,,	10	27×12×4×32	सपूर्ण 53 गाथा	1902खेरनगर	अतिम गाथा भी मणिरत्न ने बनाई है
,,	प्रा स	20	27×12×14×39	,,	1877	
,,	,,	7	25×12×4×35	,, 44गा. ग्रथाग्र 959	1855	
,,	,,	6	25×11×17×52	,, 22 गा ,, 386	19वी	प्रथम पन्ना कम
,,	,,	25	26×12×11×33	,, 40 गाथा	19वी	
,,	,,	15	26×12×13×50	,, 31 ,	19वी	
,,	प्रा मा	33	26×12×16×44	,, 95 ,,	1862	
,,	,,	10	25×10×4×25	,, 50 ,,	19वी	
,,	,,	4	27×12×17×48	,, 44 ,,	19वी	
,,	स.	13	26×12×14×54	,, 45 ,,	19वी	
,,	,,	4	23×20×21×38	अपूर्ण	19वी	
,,	मा	65	26×13×17×55	सपूर्ण	1881	
,,	,,	62	29×12×12×58	,, 2900+250ग्रथाग्र	1961जयनेर, देवकृष्ण	
,,	,,	26	21×12×12×29	,,	1937नागपुर	
,,	,,	2	25×10×21×80	त्रुटक	19वी	
,,	,,	8	26×11×15×47	सपूर्ण 44, गाथा	20वी	
,,	,,	6,8	20×13व18×10	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	14	26×11×15×40	,,	1850	भिन्न2 तेरह द्वार से
,,	,,	6	25×11×16×36	अपूर्ण	19वी	उत्तर प्रकृति 276 भेद से
,,	,	13	21×11×—	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	गुटका	15×12×9/11×14/20	,, 33 गाथा	19वी,1907	
,,	,,	3	24×10×11×29	,, 29 ,,	20वी	

2858
64 49
64 49

1	2	3	3 A	4	5
639	कोलडी 90	नवतत्त्व+चौवीस दडक +बाला	Navatattva–Cauvīsadandaka+Bālā	×/गजसार	मू वा
640	,, 65	नवतत्त्व+चौवीस दडक	,,	×/ ,,	मू ट (प ग)
641	के नाथ 6/51	,, ,,	,,	×/ ,,	मू प.
642	कुथुनाथ 20/16	,, ,,	,,	×/ ,,	,,
643	के.नाथ 18/22	,, + ,, स्तवन	, +Stavana	/ज्ञानसार	प
644	मुनिसुव्रत 2/262	नवतत्त्व, चौवीसदडक जीवविचार	Na tattva+Cauvisa Dandaka–Jīvavicāra	गजसार × शातिसूरि	मू (प)
645	,, 2/322	,,	,,	,,	,,
646	कोलडी 63	,,	,,	,	,,
647	सेवामदिर 2/342	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
648	कोलडी 70	,,	,,	,,	,,
649	सेवामदिर 2/346	,,	,,	,,	,,
650	कोलडी 64	,,	,,	,,	मू (प)
651	के नाथ 21/43	,,	,,	,,	,,
652	कोलडी 62	,, का बाला	,, Bālāvabodha	—	ग.
653	के नाथ 11/33	नवतत्त्व+जीवविचार	Navatattva+Jīvavicrāa	×/शातिसूरि	मू ट (प ग)
654	ओसिया 2/205	,, ,,+वा	,,+Bālā	× ,,/ मतिचद	मू वा (प ग)
655	,, 2/248	न॰तत्त्व+जीव विचार	,,	× शातिसूरि	मू ट (प ग)
656	मुनिसुव्रत 2/327	,, ,,	,,	,,	,,
657	सेवामदिर 2/355	,, ,,	,,	,,	,,
658-60	कुंथुनाथ 20/14, 14/15,29/8	,, ,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	मू (प)
661	कोलडी 1119	, ,,	,,	,,	,,
662	सेवामदिर 2/422	. ,,	,,	,,	मू ट (प ग)
663	के नाथ 10/20+16/15	नवपदप्रकरण + वृत्ति	Navapada Prakarana	देवगुप्तसूरि	मू वृ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन तात्विक	प्रा मा	46	23 × 11 × 11 × 45	सपूर्ण 52,39 गाथा	1883	
,,	,,	7	27 × 12 × 7 × 52	,, 48,46 ,,	19वी	
,,	प्रा	17	26 × 12 × 4 × 35	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 16 × 54	,, 49,38	19वी	
,,	मा	3	26 × 12 × 17 × 51	,, दो (29+25 गा)	1880	
,,	प्रा	14*	23 × 11 × 11 × 32	सपूर्ण 277 गाथा	18वी	साथ मे अन्य सूत्र भी हैं
,,	,	11	26 × 11 × 13 × 37	,,	1845 सोजत	
,,	,,	7	26 × 12 × 12 × 37	,, (49,40,51 गा)	1867	
,,	प्रा मा	14	25 × 11 × 8 × 26	,, 141 गाथा	1876 जैसलमेर भीखा	
,,	,,	16	26 × 11 × 6 × 40	,,	1884	
,,	,,	16	26 × 12 × 5 × 39	,, 140 गाथा	1994, राजिया पुण्यविलास	
,,	प्रा	7	23 × 11 × 13 × 35	,,	19वी	
,,	,,	42	21 × 11 × 7 × 15	,,	19वी	
,,	मा	7	27 × 11 × 13 × 40	,,	1880	
,,	प्रा मा	11	25 × 10 × 5 × 34	,, 102 गाथा	17वी	
,,	,,	21	25 × 10 × 17 × 52	,, 100 ,,	1763 जैसलमेर माणक्यमूर्त्ति	
,,	,,	17	15 × 22 × 6 × 16	,, 96 ,,	1766	
,,	,,	6	26 × 11 × 8 × 47	,, 97 ,,	18वी	
,,	,,	9	26 × 12 × 4 × 32	,, 98 ,,	1825, गुढा, अनोपकीर्ति	
,,	प्रा	4,11,4	25से26 × 10से11	दो पूर्ण 100 गा तीसरी त्रुटक	19वी	बीच वाली के साथ गौतम पृच्छा है
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 40	सपूर्ण 96 गाथा	19वी	
,,	प्रा मा	11	25 × 11 × 5 × 38	लगभग पूर्ण	19वी	
,,	प्रा स	94	26 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण पन्ने 6-69,77 से 106	17वी	आदि अंत रहित बीच के पन्ने

2858 64 49 64 49

1	2	3	3 A	4	5
664	कुथुनाथ 36/1 क्रम 35	निर्वाण काण्ड	Nırvāna Kānda	—	मू (प)
665	महावीर 2/93	पच्चीम क्रिया	Paccīsa Krıyā	—	ग तालिका
666	के नाथ 18/73	पद्मावती आराधना	Padmāvatī Ārādhanā	समयसुदर	प
667	,, 15/43	(पद्मावती) आलोचना मज्झाय	(,,) Ālocanā Sajjhāya	,,	,,
668	कोलडी 289	पद्मावती आलोचना	,, ,,	,,	,,
669	कुथुनाथ 13/38	, आलोचना जीव राशि सज्झाय	,, ,, Jīvarāśı ,,	,,	,,
670	के नाथ 23/51	परमात्माप्रकाश +वृत्ति	Parmātmā prakāśa	योगी इन्द्रदेव/ ?	मू वृ
671	,, 29/28	परमात्माप्रकाश ढाल भापा वध	,, Dhāla Bhāṣā	धर्ममदिर	प
672	ओमिया 3ई 263	परमानद स्तोत्र	Parmānanda Stotra	—	मू ट (प ग)
673	कोलडी गुटका 9/9	पचइद्रिय-मधि	Pañca Indrıya Sandhı	धर्मरत्न (कल्याण-धीर का शिष्य	प
674	कुथुनाथ 36/2	पचभावना	pañca Bhāvanā	देवचदजी	,,
675	के नाथ 6/119	पचमहाव्रत-मज्झाय	Pañca Mahāvrata Sajjhāya	सुमतिहस	,,
576	ओमिया 2/152	पचलिंगी-प्रकरण	Pañcalıngī Prakarana	जिनेश्वसूरि	मू (प)
677	महावीर 2/104	पचवस्तुक +वृत्ति	Pañca vastuka+Vrttı	हरिभद्र (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
678	कुथुनाथ 8/112	पचविंशति	Pañca Vmśatı	पद्मनदि	मू (प)
679	महावीर 2/64	पचमग्रह +वृत्ति	Pañca Sangraha+Vrttı	चर्दर्षि/मलयगिरी	मू वृ (प ग)
680	के नाथ 22/45	पचसूत्र	Pañca Sūtra	हरिभद्र ? (स्वोपज्ञ)	मू (प)
681-82	महावीर 2/41-48	,, +वृत्ति 2 प्रतिया	,, ,,+Vrttı 2 copies	,, ?	मू वृ
683	,, 3 आ 32	पचाचार विचार ढाल	Pañcācāra vıcāra Dhāla	ज्ञानविमल	प
684	के नाथ 9/6	पचाशक +वृत्ति	Pañcāśaka—Vrttı	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ (प ग)
685	,, ,, 15/6	पचाशक	,,	हरिभद्र	मू (प)
686	महावीर 2/38-105	पचाशक +वृत्ति	,,—Vrttı	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ (प ग)
687	के नाथ 13/35	पचास्तिकाय-भाषा	Pañcāstıkāya Bhāsā	टी प हीरानद	पद्य
688	मेवामदिर 2/424	पाचदकार श्रावककत्तव्य	Pāñcadakāra Ś āvaka Kartıavya	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
तात्त्विक	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 27 गाथा	1544	
तात्त्विकतालिका	मा	2	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण 25 क्रिया	20वी	
मारणातिक अतिसार आलोचना	,,	4	27 × 13 × 8 × 24	सपूर्ण 41 गाथा	18वी	
,,	,,	2	25 × 13 × 13 × 35	,, 32 ,,	19वी	
,,	,,	2	17 × 21 × 15 × 44	,, 42 ,,	19वी	
,,	,,	6	26 × 12 × 5 × 32	,, 33 ,,	1949	
तात्त्विक	प्रा स	291	27 × 12 × 9 × 27	सपूर्ण 2 अधिकार,345 श्लोक	1767	
मूल का पद्य साराश	मा	32	25 × 11 × 13 × 46	सपूर्ण 2 खड-32 ढाल ग्र 1125	1819	
आत्मविषयक	म मा	3	25 × 11 × 5 × 37	सपूर्ण 25 श्लोक	19वी	
औपदेशिक	मा	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 108 गाथा	17वी	
,,	,,	,,	25 × 20 × 15 × 28	,, 67 ढाले	1794	
आचार विषयक	,,	2	26 × 11 × 15 × 36	,, 5 सज्झाये	1788	
जैन साधु प्रकार	प्रा	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 102 गाथा	16वी	
जैनदार्शनिक	प्रा स	191	28 × 13 × 15 × 40	सपूर्ण 1714 गा वृत्ति ग्र 7275	19वी	वृत्ति शिष्य-हितानाम्नी
भति, तत्त्व, उपदेश	म	47	29 × 14 × 13 × 48	,, 25+1 ग्रथाग्र 1743	17वी	
,, ,, ,,	प्रा स	323	31 × 12 × 14 × 54	,, ग्रथाग्र-18 850	16वी+1956 पाटण,परसा-दीराम	232 पन्ने 1956 मे लिखे गये है।
आचार ,,	प्रा	6	27 × 14 × 12 × 51	,, पा-सूत्र	19वी	
,, ,,	प्रा स	39,39	27 × 11 × 10 × 42	,, ग्रथाग्र 880	20वी	
साधु आचार	मा	5	27 × 21 × 12 × 38	सपूर्ण 46 पद	19वी	
जैन सैद्धातिक विधिया	प्रा स	136	26 × 11 × 19 × 43	अपूर्ण तीसरे से 19 अत तक	17वी	
,,	प्रा	24	26 × 11 × 15 × 50	तपोविधि प्रकरण तक ग्रथाग्र 1100	19वी	
,	प्रा स	249	27 × 13 × 14 × 48	सपूर्ण 19 पचाशक की ग्रथाग्र 9750	19वी	
सैद्धातिक तात्त्विक	हिन्दी	60	26 × 12 × 16 × 42	सपूर्ण 1093 छद	1769	(मूल कृति कुदकुदाचार्य की)
औपदेशिक	मा	6	20 × 10 × 15 × 39	त्रुटक	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
689	के नाथ 14/126	पाच सौ त्रेषष्ठ जीवभेद	500 Tresastha Jīva Bheda	—	ग
690	कोलडी 827	पुण्यकुलक	Punya kulaka	—	मू ट (प ग)
691	ओसिया 2/416	,,	,,	—	मू (प)
692-3	के नाथ 14/111, 26/103गु	पुण्यछत्तीसी 2 प्रतिया	Punya Chattīsī 2 copies	समयसुन्दर	प
694	,, 26/103गु	पुण्य-पाप कुलक	Punya Pāpa Kulaka	—	मू (प)
695	ओसिया 2/416	,,	,,	—	,,
696	,, 2/159	पुण्यप्रकरण	Panya Prakarana	अज्ञात	ग
697	के नाथ 10/40	पुण्यप्रकाश-स्तवन	Punya Prakāśa Stavana	विनयविजय	प
698	,, 29/13	पुण्यफल-कुलक	Punyaphala Kulaka	जिनकीर्त्ति	मू (प)
699	कुथुनाय 44/७	पुद्गल परावर्त्ती विचार	Pudgalaparāvarttī vicāra	हेमशीश	पद्य
700	के नाथ 19/49	पुद्गल षट्त्रिंशिका निगोद विचार +वृत्ति	,, Sattrimśika+Nigoda Vicāra+Vrtti	अभयदेव/रत्नसूरि	मू वृ
701	कुथुनाथ 52/23	पुष्पमाला	Puspamāla	म हेमचन्द्र(अभयदेव शिष्य)	मू (प)
702	के नाथ 13/40	,,	,,	,,	,,
703	,, 14/4	, +वृत्ति	,, +Vrtti	म हेमचद/—	मू वृ (प ग)
704	,, 6/72	पुष्पमाला	,,	,,	मू (प)
705	,, 4/25	,,	,,	,,	,,
706	,, 3/19	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, साधु सोमगणि (जिनभद्र का शिष्य)	मू वृ (प ग)
707	,, 11/48	पुष्पमाला	,,	म हेमचन्द्र	मू (प)
708	,, 9/7	,, +बाला	,, +Bālā	,, /—	मू बा (प ग)
709	,, 15/9	पुष्पमाला	,,	म हेमचन्द्र	मू (प)
710	मुनिसुव्रत 2/294	पुष्पमाला की अवचूरि	Puspamāla Kī Avacuri	अज्ञात	ग
711	,, 2/295	पुष्पमाला की वृत्ति	,, +Vrtti	साधु सोमगणि	,,
712	कुंथनाथ 10/133	पेढिया	Pedhiyā	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धातिक तात्त्विक	मा	3	26×11×17×51	सपूर्ण	1836	
औपदेशिक	प्रा मा	2	31×12×6×45	,, 19 गाथा	19वी	
,,	प्रा.	13*	26×13×16×30	,,	1953	
,	मा	3,1	26×11व25×12	,, 36 गाथा	18वी	
,,	प्रा	1	25×12×20×56	,, 16 गाथा	18वी	
,,	,,	13*	26×13×16×30	,,	1953	
दार्शनिक, उपदेश	मा	2	25×11×14×42	,,	20वी	
,, ,,	,,	6	26×13×13×30	,, 95 गाथा	19वी	
उपदेश	प्रा	1	25×11×11×36	,, 16 ,,	17वी	
तात्त्विक	अ	गुटका	15×12×17×24	,, 62 ,,	17वी	
,,	प्रा स	7	26×11×25×55	मपूर्ण 36+36 गाथा ग्रथाग्र 600	18वी	भगवतीसूत्र 11/10
औपदेशिक	प्रा	18	26×11×12×40	,, 496 गाथा	1993	
,,	,,	23	26×12×19×64	,, 505 ,,	16वी	
,,	प्रा स	34	26×11×18×64	,, 500 गा (बीस अधिकार)	17वी	
,	प्रा.	9	26×11×19×60	,, 505 गाथा	17वी	
,,	,,	15	25×11×11×39	अपूर्ण 314 गाथा	17वी	
,,	प्रा.स	147	26×11×13×48	सपूर्ण 503 गा 20 अधिकार	18वी	
,,	प्रा	13	26×11×15×48	,, 505 पहिला पन्ना 35 गा कम	18वी	
,,	प्रामा	141	29×11×13×43	अपूर्ण 364 गाथा तक	19वी	
,,	प्रा	18	25×11×15×35	सपूर्ण 505 गाथा	19वी	
,,	स	6	27×11×17×68	,, 503 गाथा की	16वी	
,,	,,	108	26×11×14×54	किंचित् अपूर्ण प्रथम 5 पन्ने कम	1684आगरा, जहागीर राज्ये	प्रशस्ति है ।
सैद्धातिक,	प्रा	27*	27×11×13×38	अपूर्ण 19 से 82(अत) गाथा	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
713	के नाथ 18/21	पैंतीस बोल का थोकडा	Paintīsa Bolakā Thokadā	—	गद्य तालिका
714	महावीर 2/32	पौपधकुलकादि	Pauṣadha Kulakādı	—	मू ट
715	कुथुनाथ 37/2	पौपध-प्रत्याख्यानफल	Pauṣadha Pratyākhyāna Phala	—	मू ट (प ग)
716	,, 42/18	प्रतिबोध-गाथा	Pratıbodha Gāthā	—	मू (प)
717	कोलडी 882	प्रत्याख्यान-कुलक	Pratyākhyāna Kulaka	देवेन्द्रसूरि	,,
718	कुथुनाथ 10'181	प्रत्याख्यान चतुस्सप्ततिका	Pratyākhyāna Catu-ssaptatıkā	चैनजी (पार्श्वचद का शिष्य)	प.
719	के नाथ 6/109	प्रवचनसार + वृत्ति	Pravacana Sāra+Vrttı	कुन्दकुन्दाचार्य	मू वृ
720	,, 23/50	प्रवचनमार की वृत्ति	,,	—	ग
721	,, 9/4	प्रवचन-सारोद्धार	Pravacana Sāroddhāra	नेमिचद्रसूरि	मू (प)
722	,, 23/44	,,	,,	,,	,,
723	मुनिसुव्रत 2/250	,,	,,	,,	,,
724	के नाथ 14/136	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
725	कुन्थुनाथ 53/2	,,	,,	,,	,,
726	ग्रोमिया 2/296	,,	,	,,	,,
727	के.नाथ 15/18	,,	,,	,,	मू (प.)
728	,, 10/5	, +वृत्ति	,,	नेमिचद्र/—	मू वृ (प ग)
729	,, 13/42	प्रवचन सारोद्धार विपम पदार्थ अवबोध	,, Vısama Padārtha Avabodha	उदयप्रभसूरि	ग
730	,, 15/157	प्रव्रज्याकुलक	Pravrajyā Kulaka	—	मू (प)
731	कोलडी 387	,,	,,	—	,,
732	महावीर 2/17	प्रव्रज्याविधानकुलक	,, Vıdhāna Kulaka	—	,,
733	के नाथ 6/122	,, ,,	,,	—	,,
734	कोलडी गु 10/5	प्रास्ताविक श्लोक सग्रह	Prāstāvıka Śloka Saṅgraha	सकलन	प
735	कुथुनाथ 10/158	,,	,,	,,	प
736	महावीर 2/392-3	,, दो प्रतिया	,, 2 Copıes	,,	प

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धान्तिक सख्या परक सार	मा	6	25 × 12 × 9 × 27	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिकादि	प्रा मा	36	25 × 11 × 9 × 43	त्रुटक	18वी	सामान्य प्रकरण
,,	,,	4	25 × 12 × 4 × 30	सपूर्ण 12+7=19 गा	19वी	
सम्यक्त्वादि	प्रा	1	27 × 10 × 13 × 40	अपूर्ण 26 गा ही	19वी	
,,	,,	2[1]	26 × 11 × 18 × 50	7+15=22 गाथा	1573 ?	(चत्तारि अट्ठ दसदो स्तवन साथ मे)
प्रत्याख्यान स्वरूपादि	मा	5	25 × 11 × 14 × 45	सपूर्ण 74 गाथा	17वी	
औपदेशिक सिद्धात	प्रा मा	12	25 × 11 × 15 × 44	अपूर्ण, 27वी गाथा तक ही	19वी	
,,	स	165	26 × 12 × 11 × 37	सपूर्ण 311 गाथा की	1546	
शास्त्र-साराश	प्रा	82	26 × 11 × 11 × 45	,,1616 गा (ग्र 2050)	1555	
,,	,,	69	26 × 11 × 13 × 44	,, 1542 गा	16वी	
,,	,,	78	26 × 11 × 12 × 41	,, 1614 गा	1640	
,,	प्रा मा	124	26 × 11 × 7 × 38	,,1580 गा (ग्र 5000)	1693	
,,	,	128	27 × 11 × 6 × 44	, 1613 गा (ग्र 8000)	1710	
,,	,,	133	26 × 12 × 6 × 36	,,1631 गा (ग्र 6800	18वी	
,,	प्रा	84	25 × 10 × 11 × 35	,,1618 गा (ग्र 2100)	19वी	
,,	प्रा स	466	27 × 12 × 16 × 30	अपूर्ण, 271 गा तक	19वी	13 से 47 बीच के पन्ने
कठिन शब्दार्थ	स	43	26 × 11 × 19 × 68	सपूर्ण ग्र 3203	1515	
औपदेशिक	प्रा	10+	29 × 11 × 17 × 50	,,	17वी	
,,	,,	13[1]	24 × 12 × 12 × 42	,,	19वी	
दीक्षा सिद्धान्त	,,	2	24 × 10 × 13 × 42	,, 34 गाथा	1758 विलाडा	
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	19वी	साथ मे आवश्यक गाथाये
औपदेशिक सुभाषित	मा	गुटका	19 × 13 × 13 × 23	प्रतिपूर्ण	1884	
,,	स	1	18 × 11 × 14 × 32	,, 13 श्लोक	19वी	
,,	प्रा स मा	2,3	26 × 13 × 13 × 40	अपूर्ण कुल 116 श्लोक	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
738-9	के नाथ 14/51, 6/59	प्रस्ताविक श्लोक सग्रह दो प्रति	Prastāvika Śloka Saṅgraha	सकलन	प.
740	,, 11/35	,, ,, अर्थ सह	,,	,,	प ग.
741	कोलडी गु 4/12	प्रश्नोत्तर-रत्नमाला	Praśnottara Ratnamālā	विमलसूरि	प.
742	सेवामदिर 2/365	,,	,,	,,	पद्य
743	कुथुनाथ 18/8	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
744	के नाथ 6/68	,, - वृत्ति	,,	विमलसूरि/देवेन्द्र	मू +वृ (प ग)
745	,, 20/4	प्रश्नोत्तर-रत्नमाला	,,	विमलसूरि	मू +ट (प ग)
746	कुथुनाथ 10/130	,,	,,	,,	मू (प)
747	के नाथ 15/155	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
748	कोलडी 802	प्रश्नोत्तर रत्नमाला का विवरण	,, kā Vivaraṇa	,,/देवेन्द्रसूरि	ग कथामह
749	के नाथ 19/47	वनारमी-विलास	Banārasī Vilāsa	वनारसीदास	प ग
750	,, 23/64	,,	,,	,,	,,
751	,, 18/52	वारहभावना	Bāraha Bhāvanā	अज्ञात	मू (प)
752	सेवामदिर गुटका 8दे	,,	,,	जयसोम गणि	प
753	के नाथ 14/100	,,	,,	,,	,,
754	महावीर 2/288	,,	,,	,,	,,
755	मुनिसुव्रत 2/273	,,	,,	,,	,,
756-7	के नाथ 15/61 19/73	,, दो प्रतिया	,,	,,	,,
758	कोलडी 1235	,,	,,	—	,,
759	के नाथ 15/28	वारहभावना-गीत	,, Gita	पदमराज	,,
760	ओसिया 2/243	वारहव्रत-चोपई	Bāraha Vrata Caupaī	अज्ञात	,,
761	के नाथ 23/55	वारहव्रत-सज्झाय	Bāraha Vrata Sajjhāya	लक्ष्मीरुचिसार	,,
762	,, 17/3	,,	,,	उद्योतसागर गणि	,,
763	,, 9/33	,,	,,	वाचक दयासागर	,,
764	कोलडी गुटका 2/6	वालचद-वत्तीसी	Bālacanda Battisī	वालचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	स	19,8	18 × 8व26 × 11	सपूर्ण(द्वितीय मे 196श्लोक)	18/19वी	
,,	,,	10	25 × 10 × 20 × 46	प्रतिपूर्ण	19वी	पद्य का अर्थ सस्कृत गद्य मे
तात्विक	,,	गुटका 4	15 × 7 × 10 × 23	अपूर्ण	1499	
औपदेशिकादि प्रश्नोत्तर	,	2	26 × 11 × 19 × 62	सपूर्ण 29 श्लोक	16वी	अत मे शत्रुजय स्तवन सस्कृत 10 श्लोक
,,	स मा.	3	27 × 11 × 6 × 42	,, ,,	16वी	
,,	स	31	25 × 11 × 18 × 56	,,	1702	जीर्ण
,,	स मा	3	26 × 11 × 15 × 40	,, 29 श्लोक	19वी	
,,	स	1	25 × 12 × 15 × 40	,, 27 ,,	19वी	
,,	स मा	2	26 × 11 × 7 × 40	,, 29 ,,	19वी	
,,	स	121	28 × 11 × 17 × 68	,, 64 प्रश्न 83 उत्तर ग्र 7560	1492	वृत्ति कल्पलतिका नाम्नी/प्रशस्ति है
विविध	हि	63	25 × 12 × 15 × 53	सपूर्ण	1826	कवि की 31 अन्य लघु स्थाये
,,	,,	11	25 × 11 × 16 × 41	अपूर्ण	19वी	,,
वैराग्य-चिंतन	प्रा	3	27 × 12 × 17 × 59	,,	19वी	
,,	मा	10	11 × 9 × 11 × 16	सपूर्ण 72 गा	1676	
,,	,,	3	26 × 11 × 14 × 44	,, 74 गा	1698	
,,	,,	8	23 × 11 × 12 × 31	,, 72 गा	18वी	साथ मे दानशीलता तप भाव सवाद
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 26	,, 67 गा	18वी	
,,	,,	4,11	25 × 11 × 12/13 × 38	,, 72/73 गा	19/20वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 50	अपूर्ण 11वी भावना तक	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण 12 गाथा	19वी	
श्रावकाचार	,,	46*	25 × 12 × 11 × 34	,, 12 ढाले	19वी	1834 की कृति गुदोज मे
,,	,,	8	26 × 10 × 13 × 41	,, 32 गा	19वी	
,,	,,	37	31 × 16 × 11 × 37	अपूर्ण पाचवे व्रत तक	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 15 × 45	सपूर्ण 153 गा	19वी	
औपदेशिक	,,	गुटका	15 × 12 × 11 × 20	,, 29 सवैये	1903	

1	2	3	3 A	4	5
765	कोलडी 1116	वालाविवोध-वार्ता	Bālāvıbodha-Vārtā	—	ग
766	कुथुनाथ 39/4	वावनी	Bāvanī	दयासागर	प
767	के नाथ 20/23	वावीम-परिपह-ढाल	Bāvīsa Parışaha Dhāla	रायचद	,,
768	कोलडी 911	,, +वारह भावना	,, +Bārahabbhāvanā	—	,,
769	,, 110	वासठमर्गणा यत्र	Bāsatha-Mārganā-Yantra	—	गद्य तालिका
770-73	महावीर 2/88, 90 से 92	,, 4 प्रतिया	,,	भिन्न भिन्न	,,
774	,, 2/432	,,	,,	—	,,
775	,, 2/403	,, आदि पत्रे	,,	—	,,
776	,, 2/89	वासठमार्गणा यत्र रचना स्तवन	Bāsatha-Mārganā-Yantra Racanā Stavana	ज्ञानसार (राजगणि का शिष्य)	पद्य
777	के नाथ 18/84	वुढापे की सज्झाय	Budhape kī Sajjhāya	—	,,
778	कुंथुनाथ 52/10	,,	,,	—	,,
779	ओमिया 2/306	वुद्धरास	Buddha Rāsa	अज्ञात	,,
780	कोलडी 247	वुद्धिराम	Buddhı Rāsa	—	,,
781-2	ओमिया 2/215-85	वोलविचार दो प्रतिया	Bola Vıcāra	भिन्न-भिन्न	ग
783-4	के नाथ 26/78, 15/120	,, दो प्रतिया	,,	,,	,,
785-8	कोलडी 449,111 1239,946	,, चार प्रतिया	,,	,,	,,
789	सेवामदिर 2/378	वोल-सग्रह	Bola Sangraha	सकलन	ग तालिका
790	मुनिसुव्रत 2/336	,,	,,	,,	,,
791	कोलडी 451	,,	,,	,,	,,
792	सेवामदिर गुटका 3-ति	ब्रह्मचर्यकुलक व शीलदीपक	Brahmacaryakulaka+Śīla-dīpaka	पार्श्वचद	प.
793	,, 3 ड 345	ब्रह्मचर्य नव-वाड	Brahmacarya Navavāda	उदयरत्न	,,
494	के नाथ 6/42	,,	,,	पुण्यसागर	,,
795-6	, 29/47, 14 128	,. 2 प्रतिया	,,	धर्महस कवि	,,
797	कोलडी 288	,,	,,	जिनहर्ष	,,
798-800	के.नाथ 18/95, 9/21, 14/87	,, 3 प्रतिया	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सैद्धान्तिक विवेचन	मा	18	26 × 12 × 13 × 52	सपूर्ण(पहिला पन्ना कम है)	17वी	
औपदेशिक	,,	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	,, 58 पद	19वी	
,, साधु आचार	,,	7	25 × 13 × 15 × 45	,, 22 ढाले	1927	
औपदेशिक ,,	,,	3	25 × 12 × 13 × 50	,, 22+15 छद	19वी	
तात्त्विक	,,	4	27 × 11 × —	,,	19वी	62 द्वारो से जीव विभक्तिया
,,	,,	4,9,2,4	26से28 × 11से13	,,	19/20वी	,,
,,	,,	1	लबा रॉल 31 से चौडा	,,	1958	,,
,,	,,	15	28 × 13 × —	,, भिन्न 2	16/20वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 14 × 42	,, 112 गाथा	19वी	
औपदेशिक	,,	2	25 × 11 × 14 × 33	,, 17 गाथा	19वी	
,,	,,	1	43 × 15 × 24 × 40	,,	1931	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 33	,, 64 गाथा	1759 राजनगर, मेरुचद	
गुरुउपदेश	,,	3	25 × 11 × 15 × 38	,, 60 ,	19वी	
तात्त्विक सख्या परक सार	,,	6,15	26+13×17/51 × 43	प्रतिपूर्ण	19/20वी	विषय वस्तु भिन्न 2 प्रकार की
,,	,,	17,11	25×12×12 × 26/40	पहिली पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण	19/20वी	,,
,,	,,	6,5,19 23	22से26 × 11से17	प्रतिपूर्ण	19/20वी	,,
,,	,,	68	28 × 13 × —	,,	16 से 19वी	
,,	,,	6	25 × 11 × —	,,	18वी	
,,	,,	3	27 × 13 × —	,,	19वी	
औपदेशिक	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 20	सपूर्ण 39+29 गा	17वी	
,,	,,	3	23 × 13 × 15 × 32	सपूर्ण 10 ढालें	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 52	,, 19 गा	19वी	
,,	,,	3,4	24 × 11व26 × 11	,, 10 अनुच्छेद,5ढाले	19वी	
,,	,	4	26 × 11 × 15 × 45	, 97 गा	1823	
,,	,,	38*,4,3	23से25 × 11से14	,, ,, 11 ढाले	19वी	पहिली प्रति के साथ अन्य चौपई

1	2	3	3 A	4	5
801	कुथुनाथ 36/1 क्र 22	ब्रह्मचर्य-रक्षावृत्ति	Brahmacarya Raksā Vrttı	पद्मनदि	प
802	महावीर 2/405	ब्रह्मबावनी	Brahma Bāvanī	मुनि हर्षचद (ब्रह्म)	,,
803	सेवामदिर 2/421	,,	,,	,,	,,
804-5	कोलडी 965,1223	भले का अर्थ 2 प्रतिया	Bhale kā Artha	—	ग
806	के नाथ 5/89	भवभावना	Bhavabhāvanā	म हेमचद्र	मू (प)
807	,, 17/48	,,	,,	,	,,
808-9	,, 141, 6/24	,, 2 प्रतिया	,,	,,	,,
810	कुथनाथ 52/20	,,	,,	,,	,,
811	के नाथ 1/9B	भवभावना की कथाये	,, kī Kathāyen	,,	मू अ कथा
812	मुनिमुव्रत 2/315	भववैराग्य-शतक	Bhavavaırāgya Śataka	अज्ञात	मू (प)
813	,, 2/316	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
814	कुथुनाथ 52/5	,,	,,	,,	मू (प)
815	के नाथ 5/101	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
816	,, 10/14	,,	,,	,,	,, ,,
817	कोलडी 816	,,	,,	,,	,,
818	ओसिया 2/217	,,	,,	,,	,,
819-20	के नाथ 521, 16/27	,, 2 प्रतिया	,,	,,	,,
821	कुथुनाथ 47,5	,,	,,	,,	,,
822-23	कोलडी 686 817	,, 2 प्रतिया	,,	,,	,,
824	महावीर 2/381	,, +वृत्ति	,,	अज्ञात/गुणविनय	मू वृ (प ग)
825	ओसिया 2/416	भव्याभव्य-कुलक	Bhavyābhavya-kulaka	—	मू (प)
826	,, 2/416	भावकुलक	Bhāva-kulaka	—	,,
827	के नाथ 11/70	भावत्रिभगी	Bhāva-trıbhangī	अज्ञात = /	मू ट (प ग)
828	मुनिसुव्रत 3 इ 323	भावनाकुलक	Bhāvanā-kulaka	—	,,
829	ओसिया 3 इ 204	भावना वासठियो	Bhāvanā-Bāsathıyo	—	यत्र तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 22 श्लोक	1544	
,, + अध्यातम	मा	21*	25 × 13 × 13 × 35	,, 52 सवैये	1876	
,, ,,	,,	4	26 × 13 × 12 × 32	त्रुटक	19वी	
,, सामान्य	,,	6,4	25 × 12व24 × 11	सपूर्ण	19वी	
बारहभावना (वैराग्य)	प्रा	14	26 × 11 × 15 × 52	,, 53 गा, ग्र 664	17वी	अत मे जिनवल्लभका प्राकृत स्तवन 12 गा.
,, ,,	,,	24	27 × 11 × 11 × 40	,, 528 गा	17वी	
,, ,,	,,	28,23	26 × 11व27 × 11	,, 531/32 गा	19वी	
,, ,,	,,	16	27 × 11 × 15 × 45	,, 531 गा	19वी	
जीवन चरित्र व कथानक	प्रा स	28	26 × 11 × 15 × 58	,, 65 कथाये	13/14वी	
औपदेशिक (वैराग्य)	प्रा	5	25 × 11 × 11 × 39	सपूर्ण 104 गाथा	16वी	
,,	प्रा मा	6	26 × 11 × 9 × 43	,, ,, ,,	17वी	
,	प्रा	4	26 × 12 × 13 × 40	,, 101 (लगभग)	17वी	
,,	प्रा मा	17	25 × 11 × 4 × 31	,, 104 ,,	1705	
,,	,,	14	27 × 12 × 5 × 30	,, 105 ,,	1840	
,,	,,	12	31 × 12 × 6 × 32	,, 104	1848	
,,	,,	8	24 × 11 × 7 × 52	,, 104	19वी	
,,	,,	13,6	26 × 11 × 5/4 × 30	प्रथम सपूर्ण 104, द्वितीय 33 ही	19वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 6 × 34	अपूर्ण बीच मे 2 पन्ने कम	19वी	
,,	,,	8,29	26 × 10व27 × 11	सपूर्ण 104 गाथा	20वी	
,,	प्रा स	19	26 × 13 × 19 × 48	,, 104 की ग्र 995	1944	
सैद्धान्तिक तात्विक	प्रा	13*	26 × 13 × 16 × 30	सपूर्ण	1953	
औपदेशिक ,,	,,	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
तात्विक भाव विचार	प्रा मा	13	27 × 13 × 7 × 25	अपूर्ण 14 से 105 (अत) गा	17वी	
औपदेशिक	,,	1	25 × 11 × 11 × 46	सपूर्ण 22 गाथा	19वी	
62द्वारोसे भावस्वरूप	मा	4	26 × 12—	सपूर्ण	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
830-32	कोलडी 843-44 1344	भावनाविलास 3 प्रतियां	Bhāvanā-Vilāsa	राजकवि	प
833	कुंथुनाथ 43/13	भावनासंधि	Bhāvanā-Sandhi	जयदेव मुणि	मू प
834	महावीर 2/54	भावप्रकरण	Bhāva-Prakarana	विजयविमल (आनंद-विमल का शिष्य)	मू अ (प ग)
835	ओसिया 2/212	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
836	,, 2/237	,,	,,	,,	,,
837	कोलडी 1080	भावसंग्रह	Bhāva-Sangraha	अज्ञात	मू (प)
838	कुंथुनाथ 45/4	भ्रमरबत्तीसी	Bhramara-battisī	केशवदास मुनि	प
839	ओसिया 3 ड 171	मणिचन्द्र-स्वाध्याय	Manicandra-Svādhyāya	मणिचंद्र	,
840	के नाथ 15/132	महादण्डक	Mahādandaka	--	ग
841	महावीर 2/75	महादण्डक अल्प बहुत्व स्तवन	Mahādandaka Alpabahutva Stavana	अभयदेव	मू अ (प ग)
842	मुनिसुव्रत 2/276	,,	,, ,,	,,	, ,, (प)
843	ओसिया 2/243	,,	,, ,,	—	प
844	,, 2/307	माईशास्त्र	Māī Śastra	संकलन	,,
845	के नाथ 26/103 गु	मानपच्चीसी	Māna Paccisī	—	,,
846	कोलडी 450	मार्गणाद्वार	Mārganādvāra	—	ग तालिका
847	के नाथ 29/46	मोती-कपासिया-संवाद	Motī Kapāsiyā Samvāda	मुनि श्रीसार	प.
848	मेनामंदिर 2/366	यति-आराधना	Yati-Ārādhanā	समयसुंदर	ग
849	महावीर 2/31	,,	,,	,,	,,
850	कुंथुनाथ 36/1 क्र 2 27	यति भावना + सम्यक्त्व अष्टक	Yati Bhāvanā+Samyaktva Astaka	—	पद्य
851	के नाथ 29/52	युगल उत्पत्ति विचार स्तवन	Yugala Utpatti Vicāra Stavana	देवेन्द्रसागर	,,
852	,, 26/103 गु	योग आठ दृष्टि सज्झाय	Yoga Ātha Drsti Sajjhāya	उ यशोविजय	,,
853	ओसिया 2/153	,,	,,	,,	,,
854	महावीर 2/45	योगदृष्टि समुच्चय	Yoga Drsti Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय ?	मू वृ (प ग)
855	,, 2/9	योगशास्त्र+वृत्ति	Yoga Śāstra+Vrtti	हेमचंद्राचार्य (स्वोपज्ञ)	,, ,,
856	,, 2/116	,,	,,	,, ,,	,

6	7	8	8 A	9	10	11
बारहभावना (वैराग्य)	मा	4,4,3*	26से29 × 11 × भिन्न	सपूर्ण 52 छद	20वी	
भावना औपदेशिक	प्रा	1	26 × 11 × 15 × 75	अपूर्ण 34 से 62 (अत) गा	19वी	
आत्म भाव विश्लेषण	प्रा स	4	25 × 11 × 18 × 50	सपूर्ण 30 गा	1742 कटारिया, रामदास	
,,	प्रा मा	5	23 × 12 × 5 × 37	,, ,,	1826 × शुभ-मुनि	
,,	,,	6	24 × 11 × 4 × 33	,, ,,	19वी	
,,	स.	20	25 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण 507 श्लोक तक	19वी	
औपदेशिक	मा	गुटका	17 × 14 × 11 × 18	सपूर्ण 47 गा	1828	
भक्ति स्वाध्याय	,,	7	27 × 11 × 14 × 36	,, 21 ढाले	1861	
तात्विक	,,	34	26 × 11 × 13 × 45	अपूर्ण	19वी	भिन्न भिन्न 30 द्वारो से जीव-विभक्ति
,,	प्रा स	7*	25 × 11 × 17 × 46	सपूर्ण 20 गाथा	18वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 19 × 43	,, 20 गा अवचूरि 98 गा	19वी, पाटण,	
,,	मा	19*	25 × 12 × 12 × 35	,,	19वी	
धार्मिक श्लोक सग्रह	स मा	6	25 × 11 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण 148 श्लोक	17वी	
अहकार पर	मा	1	25 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण 25 गा.	18वी	
तात्विक बोल	,,	5	30 × 12 × —	सपूर्ण	18वी	भिन्न भिन्न 161 द्वारो से जीव-विभक्ति
औपदेशिक	,,	4	23 × 11 × 14 × 44	,,	18वी	
प्रायश्चित्त साधु आचार	,,	15	24 × 11 × 11 × 35	,, ग्र 360	19वी	
,,	,,	17	25 × 14 × 12 × 32	,, ग्र 351	1933	
औपदेशिक दार्शनिक	म.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, (8+9 श्लोक) 2 अष्टक	1544	
लोकस्वरूप	मा	5	26 × 11 × 11 × 33	,, 4 ढाले	19वी	
जैनयोग-ग्रथ	,,	3	25 × 12 × 20 × 56	अपूर्ण आठ ढालें	19वी	
,,	,,	19*	25 × 12 × 12 × 35	84 गा पूरी	20वी	
,,	म	35	28 × 12 × 14 × 46	सपूर्ण 225 श्लोक की ग्र 1175	19वी	
जैन योग (गृहस्थ भी)	,,	402	27 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण 12 प्रकाश	1465 × पुण्य-प्रभसूरि	
,,	,,	282	26 × 12 × 14 × 55	,,	1960 × रायचद	प्रारभके 44 पन्ने जीर्ण

2856
64 49
64 49

1	2	3	3 A	4	5
857	के नाथ 29/100	योगशास्त्र	Yoga Śāstra	हेमचद्राचार्य	मू. (प)
858	,, 10/56	,,	,,	,,	,,
859	,, 22/63	,,	,,	,,	,,
860	कोलडी 1184C	,,	,,	,,	,,
861	के नाथ 4/23	,,+वाला	,,+Bālā,	हेमचद्राचार्य/मोमसुदर	मू बा (प ग)
862	,, 14/44	योगशास्त्र	,,	हेमचद्राचार्य	मू (प)
863	,, 14/5	,,	,,	,,	,
864	सेवामदिर 2/369	,,+वाला	,,+Bālā	,,/मेरुसुदर	मू बा (प ग)
865	मुनिसुव्रत 2/334	योगशास्त्र	,,	हेमचद्राचार्य	मू (प)
866-7	क नाथ 15/33-62	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
868-69	कुथुनाथ 15/12, 43/3	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
870	महावीर 2/8	योगशास्त्र की अवचूरि	Yogaśāstra kī Avacūrı	—	ग
871	के नाथ 14/6	योगशास्त्र की वृत्ति	,, ,, Vrttı	हेमचद्राचार्य स्वोपज्ञ	,,
872	,, 5/44	योगसार	Yogasāra	अज्ञात	मू (प)
873	,, 2/23	रत्नकोश ?	Ratnakośa	—	ग तालिका
874	,, 26/85 गुटका	रत्नत्रय-विधि	Ratnatraya-vıdhı	—	प.
875	महावीर 2/80	रत्न-सचय	Ratna Sañcaya	सकलन	मू ट (प ग)
876	कुथुनाथ 20/12	रत्नाकर-पच्चीसी	Ratnākara Paccisi	रत्नाकर	प
877	के नाथ गु 26/91	रात्रि भोजन चौपई (अन्तिम	Ratrı Bhojana Caupaī (Antım)	—	,
878	,, 26/43	रात्रि भोजन सज्झाय	Ratrı Bhojana Sajjhāya	हसमुनि	,,
879	सेवामदिर 2/431	रुचितरुचिदडक स्तुति + वृत्ति	Rucıtarucıdaṇḍaka Stutı +Vrttı	जिनेश्वरसूरि/पद्मराज	मू वृ (प ग)
880	महावीर 6 अ 34	लघु अर्हन्नीतिशास्त्र	Laghu Arhannıtı-śāstra	हेमचद्राचार्य	मू (प)
881-2	के नाथ 21/69, 21/36	लघुदण्डक 2 प्रतिया	Laghudaṇḍaka 2 Copıes	—	ग
883	ओसिया 2/142	लघुदण्डक	,,	—	,,
884	महावीर 2/405	लघु ब्रह्मबावनी	Laghu Brahma Bāvanī	ब्रह्मरूप सवेगी	प

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन योग (गृहस्थ भी)	स.	54	34 × 16 × 8 × 70	सपूर्ण 12 प्रकाश	19वी	
,, ,,	,,	10	27 × 10 × 16 × 50	अपूर्ण 4 प्रकाश तक	1459	
,, ,,	,,	23	26 × 10 × 8 × 46	,,	16वी	
,, ,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 32	अपूर्ण प्रथम प्रकाश 56 श्लो	1694	
,, ,,	स मा	91	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण दूसरे 41 से अंत तक	17वी	
,, ,,	स	13	27 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण चार प्रकाश	17वी	
,, ,,	,,	36	24 × 11 × 9 × 32	,, पाच से 12 (अत) प्रकाश	1845	
,, ,,	स मा	5	27 × 13 × 19 × 66	केवल पाचवा प्रकाश	19वी	
,, ,,	स	2	24 × 11 × 11 × 39	,, पहिले 55 श्लोक मात्र	19वी	
,, ,,	,,	4,3	24 × 11 × 11/12 × 30	,, पहिला प्रकाश मात्र	19वी	
,, ,,	,,	5,4	27 × 11व26 × 11	बिल्कुल अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	15	27 × 11 × 22 × 73	चार प्रकाश तक 462 श्लोक	1499	
,, ,,	,,	196	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण द्वितीय प्रकाश तक	19वी	
,, ,,	प्रा	10	23 × 11 × 10 × 23	सपूर्ण 108 गाथा	19वी	
तात्त्विक बोल	स	11	25 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण	1652	भिन्न भिन्न 100 द्वारो से जीवविभक्ति
तात्त्विक भक्ति	,,	32	12 × 11 × 9 × 13	अपूर्ण	19वी	10 पत्रे खडित हैं
धार्मिक श्लोक सग्रह	प्रा मा	49	26 × 12 × 6 × 36	प्रतिपूर्ण 545 गा	1825, भाणवड, धनरूप	
औपदेशिक	स	3	25 × 11 × 9 × 30	सपूर्ण 25 श्लोक	19वी	
,,	मा.	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 41	सपूर्ण 29 गाथा	19वी	
तात्त्विक, भक्ति	स	2	25 × 10 × 21 × 53	,, चार स्तुति	1644	
जैनसिद्धान्त	,,	81	26 × 12 × 9 × 30	,,	18वी	
24दडक विचारवृत्ति	मा	11,13	26 × 12व21 × 12	सपूर्ण	19/20वी	
जीवगति पर्यायादि	,,	12	26 × 12 × 16 × 33	सज्ञी मनुष्य द्वार तक 21 बोल	20वी	
औपदेशिक	,,	21*	25 × 13 × 13 × 35	सपूर्ण 54 सवैये	1876	

1	2	3	3 A	4	5
885	महावीर 2/61	लोकतत्त्वनिर्णय	Lokatattva Nirnaya	हरिभद्र	प.
886	,, 2/36	लोकप्रकाश	Lokaprakāśa	विनयविजय	,,
887	केनाथ 23/31	वनस्पति-सप्ततिका	Vanaspati Saptatikā	मुनिचन्द्रसूरि	मू (प)
888	,, 1/19	,,	,,	,,/—	मू अ (प ग)
889	कुंथुनाथ 33/10	वन्दन पूजा बोल	Vandana Pujā Bolā	—	ग तालिका
890	,, 10/133	वरचरिया	Varacariyā	—	म (प)
891	महावीर 2/10	वर्द्धमान-देशना	Vardhamāna Deśanā	शुभवर्द्धन	पद्य
892	ग्रोमिया 2/150	,,	,,	राजकीर्ति (रत्नलाभ का शिष्य	गद्य
893-4	कोलढी 1109 1158	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
895	कुंथुनाथ 33/3	विचार-चोसठी	Vicāra Causathi	नन्नसूरि	प
896	सेवामंदिर 3 : 345	,,	,,	,,	,,
897	मुनिसुव्रत 2/260	विचार-ठाणावली	Vicāra Thānāvali	—	ग तालिका
898	महावीर 2/55	विचार-पचाशिका	Vicāra Pañcāśikā	विजयविमल (स्वोपज्ञ)	मू अ (प ग)
899	कोलढी 1238	,,	,,	,, ,,	,,
900	केनाथ 10/36	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
901	14/103	विचार-पचाशिका-अवचूरी	,, Avacūri	,,	ग
902	कोलडी 1238	विचार-प्रकरण	Vicāra Prakarana	महेश्वरसूरि	प
903	, 805	विचार-रत्नसार	Vicāra Ratnasāra	—	ग
904	ग्रोमिया 2/160	विचार-वार्त्ता	Vicāra Vārttā	—	,,
905	केनाथ 13/45	विचार सत्तरी	Vicāra Sattari	देवेन्द्रमुनि	मूल (प)
906	,, 5/71	,, +अवचूरी	,, +Avacūri	/महेन्द्रप्रभसूरि	मू अ (प ग)
907	कोलढी 1095	विचार-सत्तरी	,,	—	मू ट. (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरुप मान्यताये	स	8	26 × 12 × 10 × 43	अपूर्ण 141 श्लोक	20वी	
तात्त्विक व भूगोल	,,	423	30 × 15 × 17 × 44	सपूर्ण ग्र 17621	1953 मुवई	नक्शो सहित
वनस्पति जीवविज्ञान	प्रा	4	26 × 11 × 11 × 35	सपूर्ण 76 गा	15वी	
,,	प्रा स	5	26 × 11 × 9 × 35	,, 77 गा	15वी	
चैत्यवदनादि सवधी	मा	4	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
जैन सैद्धान्तिक	प्रा	27*	27 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 537 गा	16वी	
औपदेशिक	,,	157	26 × 11 × 13 × 46	,, 10 उल्लास ग्र 5535	17वी	प्रशस्ति है
,, कथा सह	स	74	27 × 11 × 18 × 55	,, ,, ग्र 5000	19वी	
,,	,,	35,40	26 × 11व25 × 11	अपूर्ण	19वी	
श्रावकाचार	मा.	3	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण 63 गा (ग्रथाग्र 93)	19वी	
,,	,	4	26 × 12 × 11 × 40	,, 64 गा	1947	
तात्त्विक 4 से 8 सख्या के बोल	,,	20	22 × 16 × —	,, ग्र 900	1611	
,, औपदेशिक	प्रा स.	6	26 × 12 × 18 × 52	,, 51 गाथा	18वी	
,, ,,	,,	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, ,,	19वी	
,, ,,	प्रा मा	6	28 × 13 × 5 × 41	,, ,,	19वी	
,, ,,	स	6	25 × 13 × 14 × 50	,, ,,	19वी	
,, ,,	प्रा	13*	26 × 11 × 15 × 42	सपूर्ण 87 गा	19वी	
,, आदि विविध	मा	45	31 × 12 × 17 × 45	सपूर्ण	1883 पौहकर्ण विनयचद्र	
,, बोल-सग्रह	,,	12	29 × 11 × 15 × 71	,,	16वी	
,, विवेचन	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	संपूर्ण 70 गाथा	16वी	
,, ,,	प्रा स	12	26 × 11 × 11 × 39	,, ,, की	1683	
,, ,,	प्रा मा.	12*	26 × 11 × 6 × 44	,, 76 गाथा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
908	मुनिसुव्रत 2/274	विचार-सग्रह	Vıcāra Sangraha	सकलन	प ग
909	कोलड़ी 74	,,	,,	,,	ग.
910	,, 1330	,,	,,	,,	प ग
911	,, 808	,,	,,	,,	,,
912	,, 946	,,	,,	,,	मू ट
913	,, 810	,,	,,	,,	गद्य
914	,, 1238	,,	,,	,,	प ग.
915	कुथुनाथ 10/163	,,	,,	,,	,,
916	महावीर 2/63	विचार-सार	Vıcāra Sāra	देवचद	मू ट.
917	ओसिया 2/171	,,	,,	,,	,,
918	महावीर 2/50	विचारसार रत्नाकर	Vıcārasāra Ratnākara	मकलन	प ग
919	के नाथ 5/4	विचार-सारोद्धार (सिद्धात)	Vıcāra+Sāroddhāra (Sıddhānta)	गजकुशल द्वारा उद्धरित	ग तालिका
920	,, गुटका 1	विचार-स्तवन	Vıcāra Stavana	आनदनिधान	प
921	,, 22/55	विचारामृतमार-सग्रह	Vıcārāmrta Sāra Sangraha	कुलमण्डनसूरि	ग
922	,, 29/20	विनय-पच्चीमी	Vınaya Paccīsī	—	प
923	,, 13/45	विवेक-मजरी	Vıvekamañjarī	आसड	मू (प)
924	कुथुनाथ 55/4	विवेक-विलास+वाला	Vıveka Vılāsa (Bālā)	जिनदत्तसूरि/—	मू वा (प ग)
925	के नाथ 22/58	विवे -विलाम	,,	जिनदत्तसूरि	मू (प)
926	,, 14/137	,,	,,	,,	,,
927	,, 1/12	,, +बाला	,, +Bālā	/सोमचद	मू वा (प ग)
928	कोलडी 1094	विवेक-विलास	,,	कुशलाजी	प
929	महावीर 2/11	विशति स्थानक विचारामृत सग्रह	Vımśatı Sthānakavıcārāmrta Saṅgraha	जिनहर्षगणि	ग प.
930	,, 2/42	विशेप-मग्रह	Vıśeṣa Sangraha	समयसुदर	ग
931	कुथुनाथ 36/1 क्र 1	वृद्ध आराधनामार	Vrddha Ārādhanāsāra	देवमेन	मू (प)
932	कोलडी 1344	वेदपचाशिका	Veda Pañcaśıkā	बनारसीदास	प

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध धार्मिक विषय	प्रा स	23	26 × 11 × 21 × 60	प्रतिपूर्ण	16वी	
,,	मा	111	26 × 11 × 10 × 25	,,	1766	
,,	प्रा स मा	4	26 × 10 × 20 × 54	,,	19वी	
,,	,	9	31 × 11 × 20 × 60	,,	19वी	
,,	प्रा मा	15	26 × 11 × 6 × 48	,,	19वी	अतिम 2 पन्ने शास्त्र उद्धरण
,,	,,	6	31 × 11 × 19 × 44	,,	19वी	शास्त्रो के उद्धरण
,,	प्रा स मा	56*	26 × 11 × 15 × 42	त्रुटक	19वी	
,,	मा	13	27 × 12 × 16 × 50	सपूर्ण	19वी	
जैन दर्शन साराश व कर्मसिद्धान्त	प्रा मा	78	25 × 12 × 3 × 28	सपूर्ण 304 गा.	18वी	
,, ,,	,,	56	28 × 13 × 4 × 32	,, 207 गा	1892 राधनपुर वल्लभविजय	
विविध धार्मिक विषय	प्रा स	150	26 × 11 × 15 × 50	प्रतिपूर्ण	17वी	
,, वोल	मा	83	27 × 12 × 14 × 42	सपूर्ण	1733	
जीव आयु विचार	,,	8*	22 × 19 × 22 × 32	,, 46 गा	1814	
औपदेशिकादि	स	59	26 × 11 × 17 × 51	,, 25 अध्याय	1671	
औपदेशिक	मा	1	24 × 10 × 16 × 48	,, 25 गा	19वी	
,, सिद्धान्त	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 144 गा	16वी	
लौकिक धर्म	सं.मा	117	25 × 11 × 14 × 34	,, 12 उल्लास ग्र 4321	1698 सोनगिरि, विमल	
,,	स	40	30 × 11 × 16 × 44	सपूर्ण 12 उल्लास	17वी	
,,	,,	42	26 × 11 × 15 × 33	,, ,,	1745	
,,	स मा	13	26 × 11 × 15 × 51	अपूर्ण पाच उल्लास तक	19वी	
औपदेशिक जैन	मा	4	25 × 12 × 16 × 32	अपूर्ण 52 छद	19वी	
विधि विचार कथा सग्रह	स	117	28 × 13 × 13 × 31	सपूर्ण ग्र 2800	1933 मुबई नानचद्र	1502 की कृति, प्रशस्ति है
तात्त्विकपारिभाषिक उद्धरण	प्रा स	30	26 × 13 × 13 × 31	, 140 विचार	1873 वीकानेर कुशलमुनि	वीजक सह
औपदेशिक यति आराधना	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	लगभग पूर्ण (7 से 115 गा (अत)	1544	
चार अनुयोग	हि.	3*	26 × 11 × 23 × 55	अपूर्ण 22 गा	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
933	कोलडी 956	वैराग्य-बावनी	Vairāgya-bāvanī	लालचद	प.
934	कुथुनाथ 36/2	वैराग्य-मणिमाला	Vairāgya Maṇimālā	विद्यानद	,,
935	के नाथ गु 28	व्यवहार निश्चय क्रियाकवित्त सग्रह	Vyavahāra Niścaya Kriyā kavitta Sangraha	—	,,
936	कोलडी 806	व्याख्यान-चर्चा	Vyākhānya Carcā	—	ग
937	कुथुनाथ 36/1 क्र 16	व्रतसार-सग्रह	Vratasāra Sangraha	प्रभाचन्द्र	प
938	महावीर 2/291	शास्त्रवार्त्ता समुच्चय	Śāstravārttā Samuccaya	हरिभद्र/यशोविजय	मू वृ.
939	के नाथ 26/92	शिष्यबत्तीसी	Śiṣya Battīsī	जयचद	प
940	ओसिया 2/416	शीलकुलक	Śīla Kulaka	—	मू (प)
941	के नाथ 24/44	शीलकेकडे	Śīla Kekade	ऋषि जयमल	प
942	सेवामदिर 2/429	,,	,,	,,	,,
943	कुथुनाथ 54/1	शीलगीत	Śīla Gīta	—	,,
944	सेवामदिर गु 3 ति	शीलबत्तीसी	Śīla-battīsī	—	,,
945	के नाथ गुटका 1	,,	,,	राजसमुद्र	,,
946	,, 14/90	शीलरास (नेम-राजुल)	Śīla Rāsa (Nema-Rājula)	विजयदेवसूरि	,,
947	,, 14/42	,,	,,	,,	,,
948-49	कोलडी 244,270	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
950-2	के नाथ 6/77,14 89 16/14	,, 3 प्रतिया	,, 3 ,,	,,	,,
953	सेवामदिर 4 अ 192	,,	,,	,,	,,
954	कोलडी गु 2/5	शीलरास	Śīla Rāsa	धर्मसिंह मुनि	,,
955-57	महावीर 385 से 87	शीलागरथ	Śīlānga Ratha	सकलित	ग तालिका
958	कुथुनाथ 12/216	शीलोपदेशमाला बाला	Śīlopadeśamālā+Bālā	जयकीर्त्ति/मेरुसुदर	मू बा (प ग)
959	,, 18/6	शीलोपदेशमाला	,,	जयकीर्त्ति (जयसिंहसूरि शिष्य)	मू (प)
960	के नाथ 3/28	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,,/—	मू वृ
961	,, 13/28	शीलोपदेशमाला	,,	जयकीर्त्ति	मू ट (प ग)
962	,, 4/17	,, +बाला	,, +Bā'ā	,,/—	मू बा (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा	2	25 × 11 × 15 × 42	सपूर्ण 52 पद	19वी	
,,	स	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 33 श्लोक	1794	
,,	मा	14	17 × 13 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	19वी	
धार्मिक उपदेश	,,	34	31 × 11 × 15 × 56	सपूर्ण	1876 × वनेचद	
औपदेशिक (तप)	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 33 श्लोक	1544	
जैनन्याय व अन्य	,,	347	27 × 13 × 15 × 46	,, 700 श्लोक की	20वी	
विद्यार्थी-गुण	मा.	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	,, 33 गाथा	1767	
औपदेशिक (ब्रह्मचर्य)	प्रा	13*	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
ब्रह्मचर्य-उपदेश	मा	12*	26 × 11 × 21 × 63	,, 16 पद	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 30	,, ,,	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 7 × 30	,, 31 गा	19वी	
,,	,,	9	16 × 13 × 14 × 17	,, 34 गा	17वी	
,,	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	,, 32 गा	1814	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 42	,, 70 गा	1611	
,,	,,	4	26 × 11 × 17 × 55	,,	1795	
,,	,,	9,11	27 × 11व24 × 21	सपूर्ण 76/69 गा	19वी	
,,	,,	7,6,5	26 × 10से12 × भिन्न	,, 76,77,68 गा	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 13 × 48	अपूर्ण गा 24 से 80	19वी	
,, सहदृष्टांत	,,	गुटका	15 × 11 × 11 × 22	सपूर्ण 64 गा	1823 × राम-सागर	
ब्रह्मचर्य व सयम के बोल	प्रा	2,2,11	26 × 11व12—	प्रतिपूर्ण (अतिम मे अधिक नकल)	19वी	यत्र चित्रनुमा
औपदेशिक कथा सह	प्रा मा	147	26 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण 115 गा की कथासह	16वी	
औपदेशिक	प्रा.	5	26 × 11 × 13 × 42	सपूर्ण 115 गा	1608	
,,	प्रा स	199	26 × 11 × 13 × 45	सपूर्ण ग्र 6655 कथासह	1659	वृत्ति शीलतरङ्गिणी नाम्नी
,,	प्रा मा	18	26 × 11 × 5 × 25	,, 114 गा	18वी	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 47	,, 117 गा	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
963	के नाथ 4/16	शीलोपदेशमाला	Śīlopadeśa Mālā	जयकीर्त्ति	मू (प)
964 965a/b	,, 6/18,19/ 125-29	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
966	कुथुनाथ 53/5	,,	,,	,,	,,
967	,, 29/1	,, +वाला	,, +Bālā	,,	मू वा (प ग)
968	मुनिसुव्रत 2/269	श्राद्धदिनकृत्य	Śrāddha Dinakrtya	देवेन्द्रसूरि	मू (प)
969	के नाथ 17/43	,,	,,	,,	,,
970	कोलडी 803A	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,--/देवेन्द्रसूरि स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
971-3	के नाथ 6/9-71, 15/23	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,/—	मू (प)
974	,, 5/112	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,/—	मू वृ (प ग)
975	,, 14/57	श्राद्धदिनकृत्य का बालावबोध	,, kā Bālāva-bodha	,/—?	ग
976	कुथुनाथ 33/7	श्राद्ध वि (धि ?)	Śrāddha Vi .	—	प
977	महावीर 3 अ 123	श्राद्धविधिप्रकरण+वृत्ति	Śrāddhavidhi Prakaraṇa +Vṛtti	रत्नशेखर/रत्नशेखर/ स्वोपज्ञ	मू वृ
978	,, 3 अ 36	,, + ,,	,, + ,,	,,—/ ,, ,,	मू वृ ट
979	,, 3 अ 122	,, + ,,	,, + ,,	,,—/ ,, ,,	मू वृ
980	के नाथ गु 26/91	श्रावकआराधना	Śrāvaka Ārādhanā	अज्ञात	मू (प)
981	ओसिया 3 अ 43	,,	,,	,,	ग
982	के नाथ 14/3	,	,,	महिमासुदर	प
983	ओसिया 3 अ 44	,,	,,	अज्ञात	ग
984	के नाथ 21/1	,,	,,	समयसुदर	,,
985	कुथुनाथ 25/3	,,	,,	,,	,,
986-7	कोलडी 378,380	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
988	,, 375	,,	,,	—	,,
989	,, 381	,,	,,	देवेन्द्रगणि	ग
990	, 377	,,	,,	पाठक राजसोम	,,
991	ओसियां 3 अ 45	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	6	26×11×11×40	सपूर्ण 116 गा	18वी	(कही ज्ययवल्लभ भी नाम है)
,,	,,	6,3,9	23से25×11×भिन्न	,, 116/125/116 गा	19वी	
,,	,,	5	26×11×12×40	,, 116	19वी	
,,	प्रा.मा	14	26×11×11×44	अपूर्ण गाथा 10 मे 116 अत तक	19वी	
श्रावकाचार	प्रा.	15	26×12×11×38	सपूर्ण 325 गा (ग्र 360)	15वी	13वा पन्ना कम
,,	,,	24	25×10×9×31	,, 342 गा.	16वी	
,,	स	269	28×11×15×54	,, 8 प्रस्ताव ग्र 12820	1676 को पहराई गई	17वी शताब्दी की ही लगती है
,,	प्रा.	16,12 14	26×11×13×35	,, 344 गा	19वी	
,,	प्रा स	39	28×17×17×36	अपूर्ण 247 गा तक ही	20वी	
,,	मा	8	30×12×17×55	सपूर्ण	19वी	
,,	स.	25	26×12×15×56	गुटक	16वी	
,,	प्रा.स.	198	25×11×14×40	सपूर्ण 6 प्रकाश ग्र.6761	1658, वासा, लक्ष्मण	प्रशस्ति है/वृत्ति विधि कौमुदी
,,	प्रा स मा	382	26×11×7×43	,, ,, ,,	1802,मिवाणा, विद्याविजय	टब्बाकार ऋद्धिविजय
,,	प्रा स	149	27×13×13×53	,, ,, ग्र 6760	1964 जोधपुर गोपीकिशन	
,,	प्रा.	गुटका	16×13×15×24	,, 50 गाथा	18वी	
,,	स	5	26×11×17×53	,,	16वी	मूल प्राकृतानुसार
,,	,,	6	26×11×13×44	,, ग्र 166	17वी	
,,	,,	5	27×12×14×49	सपूर्ण	1846 उदयपुर वखतसुदर	की नकल
,,	,,	8	25×11×11×35	,,	19वी	
,,	,,	9	23×11×9×34	अपूर्ण (पन्ने 3 से 11 अत	19वी	
,,	,,	5,11	27×12×भिन्न 2	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	5	26×13×13×42	,,	1903	
,,	मा	4	27×12×16×42	,,	1859	
,,	,,	9	24×10×12×35	,,	1888 जैसलमेर	मूल प्राकृतानुसार
,,	,,	7	24×11×15×36	,,	1906,सुभटपुर उपकेशगच्छे	

1	2	3	3 A	4	5
992	कोलडी 376	श्रावकआराधना	Śrāvaka Ārādhanā	—	ग
993	के नाथ 15/31	श्रावकगुण-चौपई	Śrāvaka Guṇa Caupaī	समयराज उपाध्याय	पद्य
994	कोलडी 1347	श्रावक-नित्यकर्त्तव्यानि	Śrāvaka Nitya Karttvyāni	—	,,
995	कुथुनाथ 55/20	श्रावक-मनोरथमाला	Śrāvaka Manorathamālā	—	प.
996	श्रोसिया 2/152	श्रावक-वक्तव्यता	Śrāvaka Vaktavyatā	—	मू (प)
997	के नाथ 22/70	श्रावकव्रत	Śrāvaka Vrata	दासानद (सेनसूरि का शिष्य)	,,
998	श्रोसिया 3 इ 226	श्रावकव्रतभग-प्रकरण	Śrāvaka Vrata Bhanga	देवेन्द्रसूरि	,,
999	महावीर 3 श्रा 38	,, की श्रवचूरि	,, kī Avacūri	—	ग
1000	के नाथ 9/28	श्रावकव्रतभग+22 अभक्ष्य	,, +22 Abhaksya	—	मू श्र
1001	कोलडी 855	श्रावकाचार	Śrāvakācāra	जोगेन्द्राचार्य	पद्य
1002	कुथुनाथ 54/6	शृगारवैराग्यमुक्तावली	Śrngāra Vairāgya Muktāvali	सोमप्रभाचार्य	,,
1003	के नाथ 19/22	षडावश्यक-चौपई	Sadāvaśyaka Caupaī	दानविजय	मू (प) ट (ग)
1004	कोलडी 982	षड्दर्शन-समुच्चय	Ṣaddarśana Samuccaya	हरिभद्रसूरि	मू श्र +(प ग)
1005	कुथुनाथ 36/1 क्र 28	,,	,,	,,	मू प
1006	महावीर 2/289	,,	,,	,,	,,
1007	कोलडी 1221	,, +टीका	,, +Tīkā	हरिभद्र गुणरत्नसूरि	मू वृ (प ग)
1008	महावीर 2/290	,, + ,,	,, + ,,	हरिभद्र/—	,,
1009	,, 2/44	षड्द्रव्य का प्रश्न	Ṣaddravya kā Praśna	—	ग
1010	,, 2/35	षोडशक+वृत्ति	Ṣodaśaka+Vrtti	हरिभद्र/अभयदेव	मू वृ (प ग)
1011	सेवामदिर 3 इ 345	सचित्ताचित्तस्वादिमादि	Sacittācitta Svādimādi	श्रीपति मुनि	प
1012	कुथुनाथ 36/1 क्र 38	सज्जनचित्तवल्लभ	Sajjanacitta-vallabha	मल्लिषेण	,,
1013-4	महावीर 2/394-5	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
1015	श्रोसिया 2/308	,, +-बाला	,, +Bālā	मल्लिषेण/	मू बा (प ग)
1016	के नाथ 9/5	सट्ठिसय (षष्टीशतक)	Sattharisaya	भडारी अनेमीचद	मू (प)
1017	, 11/73	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावकाचार	अ मा	4	26×10×15×50	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	3	26×11×13×36	,, 46 गाथा	19वी	
,,	स	5	25×11×12×35	अपूर्ण 78 श्लोक	19वी	
,	मा.	3	26×11×15×52	सपूर्ण 28 गाथा	17वी	
,,	प्रा	123*	26×12×11×40	,, 103 गा	16वी	
,,	,,	3*	26×12×11×35	,, 12 गा	18वी	
,,	,,	2	26×11×19×56	,, 40 गा	1505, पाटकनगर, जयवीर	
,,	स	2	26×11×25×66	,, 40 गाथा की	18वी	
,,	प्रा स	10	26×11×16×60	,, 41+7 गा	16वी × शिवनिधान	अत मे 25 गा वाला सम्यक्त्व स्तवन
गृहस्थ धार्मिक कर्त्तव्य	अ	35	29×11×10×34	सपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	स	3	27×11×15×70	,, 47 श्लोक	18वी	
आवश्यक का महत्व आदि	मा	12	26×12×20×40	,, 92 गाथा	18वी	1730 की कृति
दार्शनिक	स	4	34×13×10×43	,, 87 श्लोक	1537	
,,	,,	गुटका	23×20×21×38	,, 87 ,,	1544	
,,	,,	3	26×11×13×46	,, 87 ,,	18वी	
,,	,,	230	26×12×12×32	,, 87 श्लोक की	19वी	वृत्ति-तर्क रहस्य दीपिका नाम्नी
,,	,,	90	29×14×17×46	,, ,,	20वी	
तात्त्विक प्रश्नोत्तर	मा	3	27×13×10×28	प्रतिपूर्ण	20वी	
दार्शनिक	स	36	30×14×18×48	सपूर्ण 297 श्लोक की	1915 महिमदपुरे अभयविजै	
सैद्धान्तिक औपदेशिक	मा	2	26×12×14×34	सपूर्ण 18 गा	18वी	
सुभाषित औपदेशिक	स	गुटका	23×20×21×38	,, 25 श्लोक	1544	
,,	,,	3 2	25×13/12× भिन्न 2	,, ,,	20वी	
,,	स मा	7	27×14×13×38	,, 25 श्लोक का	20वी	
औपदेशिक तात्त्विक	प्रा	8	26×11×9×36	,, 161 गाथा	16वी	
,,	,,	8	26×11×11×34	,, , (पहिलापन्नाकम)	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
1018	सेवामदिर 2/425	सट्ठरिसय	Sattharısaya	भडारी अनेमीचद	मू. (प)
1019	ओसिया 2/152	,,	,,	,	,,
1020	के नाथ 20/41	,, +वाला	,, +Bālā.	भडारी अनेमीचद/	मू वा (प ग)
1021-5	,, 4/13,6/37, 10/59,15/ 25,19/123	सट्ठरिसय (पाच प्रतिया)	,, 5 copies	,,	मू (प)
1026	,, 6/2	सट्ठरिसय+वृत्ति	,, +Vrttı	,,	मू वृ (प ग)
1027	,, 23/32	,, का वालाववोध	,, kā Bālāvabodha	,,	ग
1028	,, 5/77	सद्भापितावली	Sadbhāṣıtāvalī	मकलकीर्त्ति	प
1029	ओसिया 2/240	,,	,,	सकलित	,
1030	कोलडी 1101	,,	,,	—	,,
1031	के नाथ 17/24	समयसार आत्मख्यातिसह	Samayasāra+Ātmakhyātı	कुदकुद/अमृतचद्राचाय	मू वृ (प)
1032	महावीर 2/56	,,	,,	कुदकुद/ ,,	,,
1033	कोलडी 1228	,, तात्पर्यवृत्तिसह	Samayasāra+Tātparyavṛttı	,, /जिनसेन	,, (प ग)
1034	के नाथ 15/99	ममयसार की आत्मख्याति टीका	,, kī Ātmakhyātı Tikā	अमृतचद्राचार्य	प
1035	कोलडी 834	समयसार-कलश	Samayasāra-Kalaśa	,,	,,
1036	ओसिया 2/166	समयसार-नाटक	Samayasāra Nātaka	वनारसीदास	,,
1037	कुथुनाथ 3/50	,,	,,	,,	,,
1038	कोलडी गु 11/12	,,	,,	,,	,,
1039	,, 846	,,	,,	,,	,,
1040	,, गु 10/5	,,	,,	,,	,,
1041	,, 845	,,	,,	,,	,,
1042	के नाथ 14/72	,,	,,	,,	,,
1043	कुथुनाथ 11/201	,,	,,	,,	,,
1044	सेवामदिर 2/358	,,	,,	,,	,,
1045	,, 2/359	समयसार की समालोचना	Samayasāra kī Samālocanā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक तात्त्विक	प्रा.	6	24×11×11×42	अपूर्ण 53 से 160 गाथा ही	16वी	
,,	,,	123*	26×12×11×40	सपूर्ण 161 गा	16वी	
,,	प्रा मा	29	25×11×11×38	,, ,, गा. का	19वी	
,,	प्रा	27,5,, 16,5, 18	25से28×10से12	,, 161 गा/157 गा	19/20वी	
,,	प्रा स	45	26×11×15×50	अपूर्ण 45 गा तक	19वी	
,,	मा.	20	27×11×17×51	सपूर्ण 160 गा	17वी	
औपदेशिक सुभाषित	स	22	26×11×11×30	सपूर्ण 388 श्लोक	17वी	
जैन धार्मिक ,,	,	28	30×15×12×32	,, 495 ,,	18वी	
,, ,,	,,	5	26×11×16×49	अपूर्ण 123 श्लोक	19वी	
आध्यात्मिक तात्त्विक	प्रा स	77	20×11×16×49	सपूर्ण	1703	
,,	,,	40	26×12×13×35	,, 417 श्लोक	1714	
,,	,,	168	26×11×13×36	,, 443 गाथा	1761 जैसलमेर कानु	सशोधित
,,	स	19	25×10×11×34	,, 280 श्लोक	19वी	
,,	,,	24	32×11×10×33	,, 260 पद	19वी	
,,	हिन्दी	33	26×11×19×44	सपूर्ण	1713	
,,	,,	22	26×11×15×45	अपूर्ण त्रुटक	1758	
,,	,,	गुटका	16×15×17×25	सपूर्ण	1773	अत मे 33 सवैये आध्यात्मिक
,,	,,	65	31×11×11×36	,,	1815, सलूडा प्रसिद्धविजय	
,,	,,	गुटका	19×13×13×23	,	1884	
,,	,,	68	32×12×13×36	,,	19वी	
,,	,,	18	26×11×9×31	अपूर्ण (अजीव द्वार + 28 पद)	19वी	
,,	,,	72	22×17×भिन्न 2	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	19	26×12×26×68	,, 727	1919	
,,	मा	38	31×11×17×46	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1046	महावीर 2/402	समाधितन्त्र	Samādhi-tantra	उ यशोविजय	प.
1047-8	ओसिया 2/292, 153	,, दो प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
1049	कुथुनाथ 14/14	समाधितन्त्र (आत्मबोध आत्म-रक्षिता)	,, (Ātmabodha)	—	,,
1050	कोलडी 1197	,, +वाला	,, +Bālāvabodha	—	मू वा (प ग)
1051	के नाथ 11/94	समाधिशतक+वृत्ति	Samādhi-śataka+vrtti	पूज्यपाद/प्रभाचद	मू वृ (प ग)
1052	सेवामदिर 3 इ 345	सम्यक्त्व-अधिकार	Samyaktva-adhikāra	—	ग
1053	महावीर 2/117	सम्यक्त्वरत्न महोदधि+वृत्ति	Samyaktva Ratna Mahodadhi+Vrtti	चन्द्रप्रभ/चन्द्रेश्वर, तिलकाचार्य	मू वृ (प ग)
1054	ओसिया 2/305	सम्यक्त्वविचार+वृत्ति	Samyaktva-Vicāra+Vṛtti	—	मू वृ
1055	के नाथ 11/14	सम्यक्त्वविचार का वाला	,, kā Bālāvabodha	—	ग
1056	ओसिया 3 अ 50	सम्यक्त्व सडसठ बोली सज्झाय	Samyaktva 67 Boli Sajjhāya	उ यशोविजय	प
1057	महावीर 3 इ 60	,,	,,	,,	,,
1058	के नाथ 19/7	,,	,,	,,	,,
1059-62	कोलडी 284 से 6,305	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
1063	कुथुनाथ 3/47	सम्यक्त्वस्तव+वा	Samyaktva-stava+Bā'ā	—	मू वा (प ग)
1064	कोलडी 118	सम्यक्त्वस्तव+अ	,, +Avacūri	—	मू अ (प ग)
1065	महावीर 2/75	सम्यक्त्वस्तव+अ	,, + ,,	—	,,
1066	के नाथ गु 26/103	सम्यक्त्वस्तव	Samyaktva-stava	—	मू (प)
1067-8	,, 11/74,6/75	,, +वा 2 प्रतिया	,, +Bālā 2copies	—	मू व. (प ग)
1069	सेवामदिर 2/427	सम्यक्त्व-स्वरूप	•Samyaktva-svarūpa	—	ग
1070	कोलडी 448	,,	,,	—	,,
1071	के नाथ 10/28	सर्वज्ञशतक	Sarvajña-śataka	धर्मसागर	मू (प)
1072	मुनिसुव्रत 3 इ 306	सवैयाबावनी	Savaiyā-bāvanī	जसराज	प
1073	कोलडी 98	सग्रहणी+वाला	Sangrahanī+Bālā	म हेमचद्र शिष्य/श्रीचद	मू वा (प ग)
1074	के नाथ 22/62	सग्रहणी	,,	श्रीचद	मू (प)
1075	,, 10/58	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्मभेद दशानादि	मा	6	25 × 13 × 12 × 34	सपूर्ण 105 दोहे	1875, सोजत, भनीदास	
,,	,,	9*,19*	25 × 11 व 12 × भिन्न	,, 105 दोहे	19/20वी	
योगतात्त्विक	म	5	26 × 12 × 13 × 42	,, 104 श्लोक	19वी	
,,	स मा	50	27 × 13 × 17 × 38	अपूर्ण 49 श्लोक	19वी	
आध्यात्मिक	स	29	29 × 13 × 10 × 31	सपूर्ण	19वी	
दार्शनिक	मा	2	25 × 11 × 14 × 50	,,	1904	
,,	प्रा स	248	27 × 13 × 14 × 36	,, पाच अधिकार ग्र 8000	19वी, राणपुर, जयसिंह	प्रशस्ति/वृत्तिकार के गुरु शिवप्रभ
,,	,	5	26 × 11 × 10 × 34	,,	18वी	शास्त्रउद्धरण
,,	मा	4	27 × 13 × 16 × 48	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 50	सपूर्ण 68 गाथा	1753, पाटण अवादत्त	
,,	,,	6	28 × 12 × 11 × 34	,,	19वी × तलजाराम	
,,	,,	7	25 × 10 × 10 × 34	सपूर्ण 68 गा /ग्र 125	19वी	
,,	,,	3,3,5, 26*	26 से 29 × 10 से 12	, 68/70 गा	19वी	
,,	प्रा.मा	11	22 × 12 × 15 × 48	,, 25 गा	1730	
,,	प्रा स	6	26 × 10 × 16 × 42	,, ,,	18वी	अत मे पुद्गलपरावर्त्त सावचूरिप्रा स 11 गा
,,	,,	7*	25 × 11 × 17 × 46	,, 24 गा	18वी	
,,	प्रा	1 + 1	25 × 12 × 20 × 56	,, 25 गा	18वी	दो बार लिखा है
,,	प्रा मा	4,5	26 × 12 व 25 × 11	,, 25 गा का	19वी	
,,	मा	3	25 × 10 × 16 × 60	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	4	24 × 12 × 12 × 28	सपूर्ण	1882	
,,	प्रा	8	26 × 11 × 10 × 33	,, 124 गा	19वी	
ज्ञानविषयक पद	मा	3	25 × 10 × 18 × 50	,, 56 सवैये	1783	
लोकस्वरूप	प्रा मा.	70	27 × 12 × 13 × 40	सपूर्ण	1580	त्रैलोक्यदीपिका नाम्नी
,,	प्रा	16	26 × 11 × 11 × 37	,, 310 गा	16वी	
,,	,,	14	26 × 11 × 11 × 47	,, 312 गा	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
1076	केनाथ 13/45	सग्रहणी	Sangrahanī	श्रीचद्र	मू. (प)
1077	मुनिसुव्रत 2/260	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1078	ओमिया 2/182	,,	,,	,,	मू (प)
1079	कुथुनाथ 15/4	,,	,,	,,	,,
1080	केनाथ 1/7	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	श्रीचद्र/देवभद्रसूरि	मू वृ (प.ग)
1081	,, 23/40	सग्रहणी	,,	श्रीचद्र	मू ट (प ग.)
1082	,, 5/53	,,	,,	,,	मू (प)
1083	,, 14/7	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	श्रीचद्र/देवभद्रसूरि	मू वृ (प.ग)
1084	,, 11/55	,, +वाला	,, +Bālā	,, / ×	मू वा (प ग)
1085	,, 10 18	,, +वाला	,, + ,,	,, / —?	,,
1086	कोलडी 1121	,, +वाला	,, + ,,	,, / —?	,,
1087	महावीर 2/109	,,	,,	श्रीचद्र	मू. (प)
1088	केनाथ 6/27	,,	,,	,,	,,
1089	,, 23/33	,	,,	,,	,,
1090	,, 20/13	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1091	ओमिया 2/143	,,	,,	,,	,,
1092	कोलडी 100	,, +वाला.	,, +Bālā	,,	मू वा (प ग)
1093	ओमिया 2/183	,,	,,	,	मू (प)
1094	कोलडी 97	,,	,,	,,	,,
1095	ओमिया 2/185	,,	,,	,,	,,
1096	कोलडी 383	,,	,,	,,	,,
1097	केनाथ 20/14	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1098	ओमिया 2/180	,,	,,	,,	,,
1099	कोलडी 94	,,	,,	,,	मू (प)
1100	कोलडी 96	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरूप	प्रा	24*	30×12×19×86	सपूर्ण 273 गा.	16वी	
,,	प्रा मा	15	26×11×8×48	,, 277 गा.	16वी	
,,	प्रा.	11	26×11×13×42	,, 286 गा.	16वी	
,,	,,	17	25×12×11×37	,, 311 गा	16वी	
,,	प्रा स	73	26×11×15×48	,, ग्र. 3500	1642	
,,	प्रा मा	30	26×11×8×37	,, ग्र. 1757	1651	
,,	प्रा	23	26×11×11×38	,, 289 गा	1678	
,,	प्रा स	76	26×11×15×54	,, 273गा /ग्र 3500	17वी	
,,	प्रा मा	34	25×10×15×50	,, ग्रथाग्र 1700	17वी	
,,	,,	38	26×11×15×53	,, 280 गा (अतिम पन्ना कम)	17वी	
,,	,,	39	26×10×16×50	सपूर्ण केवल अतिम पन्ना कम	17वी	
,,	प्रा	21	26×11×11×36	,, 279 गा प्रथम ,,	17वी	
,,	,,	25	25×11×11×28	,, 3255 गा (299)	17वी	
,,	,,	12	26×11×13×41	सपूर्ण 298 गा	1700	
,,	प्रा मा	51	27×12×14×39	,, 321 गा	1702	
,,	,,	50	27×12×6×33	,, 344 गा	1792, चौवारी जसविजय	
,,	,,	23	25×11×26×52	,, 279 गा	1795	
,,	प्रा.	17	26×11×11×34	,, 283 गा.	18वी	
,,	,,	13	23×10×13×36	,, 323 गा	18वी	
,,	,,	19	26×11×11×34	,, 378 गा	1800, विक्रमपुर नरसुदर	
,,	,,	12	25×10×12×48	,, 313 गा.	1807	
,,	प्रा मा	45	26×12×17×35	,, 345 गा	1816	
,,	,,	66	26×12×5×38	,, 357 गा	1817, भटपद्र, लीलाधर	
,,	प्रा	13	25×11×14×42	,, 313 गा	1825	
,,	,,	10	25×10×16×50	,, 323 गा	1833	

1	2	3	3 A	4	5
1101	ओसिया 2/184	सग्रहणी+बाला	Sangrahanī+Bālā.	श्रीचन्द्र/प्रतापविजय (जिनविजय का)	मू वा (प ग)
1102	सेवामदिर 2/426	,,	,,	श्रीचन्द्र	मू (प)
1103	कोलडी 69/5	,,	,,	,,	,,
1104	के नाथ 14/60	,,	,,	,,	,,
1105	,, 20/10	,,	,,	,,	,,
1106	,, 14/141	,, +वृत्ति	,, +Vṛttı	,,/ – ?	मू वृ (प ग)
1107	कुथुनाथ 42/2	,,	,,	श्रीचन्द्र	मू प
1108-13	के नाथ 17/66, 23/24, 6/16, 21/82, 6-23, 15-202	,, 6 प्रतिया	,, 6 copıes	,,	,,
1114	कुथुनाथ 4/88	,,	,,	,,	,,
1115-17	ओसिया 2/181-87 -86	,, 3 प्रतिया	,, 3 copıes	,,	,,
1118 22	कोलडी 95-1-3-2, 1120	,, 5 प्रतिया	,, 5 copıes	,,	,,
1123	मुनिसुव्रत 2/319	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1124-26	के नाथ 6-30,20-8, 13-52	,, 3 प्रतिया	,, 3 copıes	,,	,,
1127	कुथुनाथ 4/87	,,	,,	,,	,,
1128	के नाथ 15/21	,, + वृत्ति	,, +Vṛttı	,/?	मू वृ (प ग)
1129-30	कोलडी 101,99	, +वा 2 प्रतिया	,, +Bālā 2copıes	,,/?	मू वा (प ग)
1131-2	के नाथ 10/1-10/70	,, +वा 2 प्रतिया	,, +Bālā,2copıes	,,/?	,,
1133	,, 1/32	,, +वा	,, +Bālā	,,/शिवनिधान	,,
1134	महावीर 2/77	सग्रहणी की अवचूरि	,, kī Avacūrı	—	ग
1135	कोलडी 102	सग्रहणी के टव्बे (नोट्स)	,, ke tabbe	—	ग तालिका
1136	के नाथ 14/111	सतोषछत्तीसी	Santoṣa-chattīsī	समयसुदर	प.
1137	कुथुनाथ 36/1 क्र 6 A	सबोध-पचाशिका	Sambodha Pañcāśıkā	—	मू (प)
1138	के नाथ 16/20	सबोधसत्तरी	Sambodha-sattarī	जयशेखर	मू ट (प ग)
1139	,, 10/54	,, +वृत्ति	,, +Vṛttı	जयशेखर/अमरकीर्त्ति	मू वृ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
लोकस्वरूप	प्रा मा	80	28 × 13 × 15 × 52	सपूर्ण 367 गा /ग्रथाग्र 3520 + यत्रो के 2700	1847, आद्रि-याणा, जिनविजय	प्रशस्ति है
,,	प्रा	11	25 × 11 × 12 × 44	त्रुटक	16वी	
,,	,,	16	24 × 10 × 11 × 40	अपूर्ण	16वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 11 × 40	त्रुटक	1670	
,,	,,	22	26 × 11 × 7 × 24	अपूर्ण (131 से 286 गा)	17वी	
,,	प्रा स	35	25 × 11 × 4 × 48	,, (176 गाथा तक)	17वी	
,,	प्रा	8	26 × 12 × 13 × 35	,, (204से358गा.)	1794	
,,	,,	23 13, 16,17, 13,11	25से27 × 11से12	पाच पूर्ण छठी अपूर्ण 97 गा	19/20वी	पूर्ण प्रतियो की गा 278/323
,,	,,	22	26 × 13 × 13 × 36	सपूर्ण 393 गा	1938	
,,	,,	12,11	23से27 × 11से12	,, 283/378 गा	19वी	
,,	,,	15 16,20 16 16,16	25से27 × 11से13	चार पूर्ण, पाचवी अपूर्ण 222 गा	19/20वी भिन्न 2 जगह	पूर्ण प्रतियो की गा 317/326
,,	प्रा मा	51	25 × 11 × 5 × 33	सपूर्ण 313 गा	20वी	
,,	,,	46,47,8	25से28 × 10से13	प्रथम पूर्ण अतिम दो अपूर्ण	19/20वीं	
,,	,,	29	26 × 13 × 11 × 40	सपूर्ण 317 गा	1887	
,,	प्रा स	22	26 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण गा 206 से 273 तक	19वी	
,,	प्रा मा	57,30	25 × 12 × 5/18 × 45	सपूर्ण 393, 370 गा का	19/20वी	
,,	,,	97,33	26 × 11 × 9/13 × 40	प्रथम सपूर्ण 277, द्वितीय अपूर्ण	19वी	
,,	,,	11	25 × 11 × 18 × 50	अपूर्ण 49 गा तक ही	19वी	
,,	स.	22	26 × 11 × 19 × 64	सपूर्ण 276 गाथा की	16वी	देवभद्र की वृत्ति के अनुसार
,,	मा	8	29 × 11 × —	सपूर्ण प्रति	17वी	
औपदेशिक	,,	3*	26 × 11 × 23 × 66	सपूर्ण 36 गाथा	18वी	
,,	प्रा.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 50 गाथा	1544	
,,	प्रा मा	2	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण 25 से 73 (अत) गा	1552	
,,	प्रा स	16	27 × 11 × 15 × 47	सपूर्ण 76 गा /ग्र 800	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
1140	मुनिसुव्रत 2/323	सबोधसत्तरी	Sambodha-sattarī	जयशेखर	मू (प)
1141	कोलडी 1184E	,,	,,	,,	,,
1142	मुनिसुव्रत 2/252	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1143	ओसिया 2/232	,,	,,	,,	,,
1144	के नाथ 6/36	,,	,,	,,	मू (प)
1145	कोलडी 818	,,	,,	,,	,,
1146	ओसिया 2/169	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1147	के नाथ 21/16	,,	,,	,,	,,
1148	कोलडी 130	,,	,,	,,	,,
1149	,, 8/19	,,	,,	,,	,,
1150	ओसिया 2/168	,,	,,	,,	,,
1151	,, 2/233	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जयशेखर/अमरकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1152	कुथुनाथ 14/9	,, +बाला	,, +Bālā	,, / —	मू बा (प ग)
1153	कोलडी 129	,,	,,	जयशेखर	मू ट (,,)
1154-56	,, 128,1234, 1331	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	मू (प)
1157	के नाथ 5/83	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	जयशेखर/अमरकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1158	,, 15/55	,,	,,	जयशेखर	मू (प)
1159	,, 18/47	,,	,,	,,	मू ट. (प ग)
1160	सेवामदिर 2/379	,	,,	,,	मू (प)
1161	कोलडी 278	सवेगी-कसोटी	Samvegī Kasauti	उ यशोविजय	प
1162	सेवामदिर 3 इ 345	,,	,	,,	,,
1163	के नाथ 5/32	सप्तव्यसन-परिहार	Saptavyasana Parihāra	—	ग
1164	कुथुनाथ 2/5	साधु-आचार-दोष	Sādhu Ācāra-doṣa	—	ग तालिका
1165	सेवामदिर 3 इ 345	साधु श्रावक बोलपर व्याजेई	Sadhu Śrāvaka Bola Vyājei	—	ग
1166	के नाथ 15/241	सामायिक (दोष) विचार	Sāmāyika Doṣa Vicāra	आनन्दनिधान	प

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	प्रा	9	25×11×10×32	सपूर्ण 78 गा	16वी	अत मे 83 गा 'उपदेशमाला' की
,,	,,	3	25×11×6×31	,, 73 गा.	16वी	
,,	प्रा मा	8	26×11×10×37	,, 71 गा	1667	
,,	,,	8	25×11×9×32	,, 116 गा	17वी, चाडा, केशरविजय	
,,	प्रा.	13	26×11×13×39	,, 72 गा	17वी	
,,	,,	3	31×11×13×43	,, 75 गा	1753× सुविधिसागर	
,,	प्रा मा	32	26×12×2×43	,, 124 गा	1775	
,,	प्रा स	3	25×11×9×56	,, 72 गा	1779	
,,	प्रा मा	24	26×10×4×26	,, 126 गा	1822	
,,	,,	6	30×11×7×40	,, 72 गा	1837 कोसाणा मनोहरविजै	
,,	,,	7	26×12×7×43	,, 75 गा	1894 लघु पौषधशाला	
,,	प्रा स	14	26×11×16×41	,, 76 गा की	19वी	वृत्तिकार रत्नशेखर को कर्त्ता मानते हैं
,,	प्रा मा	9	26×11×15×65	,, 72 गा की	19वी	
,,	,,	9	25×10×5×38	,, 76 गा	19वी	
,,	प्रा	6,6,5	23 से 27 व 10 से 12	,, 72,89,85 गा	19वी	
,,	प्रा-स	17	26×11×4×38	,, 76 गा की	19वी	
,,	प्रा	4	24×11×13×25	,, 74 गा	19वी	
,,	प्रा मा	7	26×12×5×40	,, 72 गा	19वी	
,,	प्रा	6	23×12×14×38	,, 124 गा	1956	
शिथिलाचारी-साधु जीवन पर व्यग	मा	4	25×11×11×36	,, 40 गा	19वी	
,,	,,	2	26×11×17×54	अपूर्ण ढाल 3	20वी	(अत मे 16 स्वप्न चद्रगुप्त)
औपदेशिक	,,	27	26×11×12×32	अपूर्ण	19वी	
साधु के 47 दोष	,,	1	25×11×—	सपूर्ण	19वी	
6 बोलो पर टिप्पणी	,,	1	26×11×15×44	,,	18वी	(विधिवाद, चरितानुवाद आदि पर)
आचार	,,	1	27×12×16×27	,, 23 गा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1167	कोलडी 101	सारबावनी	Sāra Bāvanī	श्रीसार	प
1168	के नाथ 22/59	सार्द्ध शतक+वृत्ति	Sārddha Śataka	जिनवल्लभ/	मू वृ
1169	कोलडी 856	सिद्धचतुर्दशी	Siddha Caturdaśī	—	प
1170	ओसिया 3 ड 226	सिद्धपचाशिका	Siddha Pañcāśikā	देवेन्द्रसूरि	मू (प)
1171	महावीर 2/58	,, सावचूरि	,, Sāvcūri	देवेन्द्रसूरि (स्वोपज्ञ)	मू अ (प ग)
1172	के नाथ 10/2	,	,,	देवेन्द्रसूरि	मू ट. (प ग)
1173	महावीर 2/62	,,	,,	,,	मू (प)
1174	,, 59	,, +बाला	,, +Bālā	देवेन्द्रसूरि/—	मू बा. (ग प)
1175	के नाथ 19/20	सिद्धान्त-प्रतिबोध	Siddhānta Pratibodha	संतदास	ग
1176	कोलडी 809	,, बोल	,, Bola	—	,,
1177	ओसिया 2/313	,, सार	,, Sāra	सकलचन्द	मू ट (प ग)
1178	, 2/213	,, ,,	,, ,,	,,	प ग.
1179	कोलडी 807	,, सारोद्धार	,, Sāroddhāra	सग्रगृही	ग.
1180	ओसिया 2/218	,, ,,	,, ,,	,,	,,
1181	महावीर 2/51	सिद्धान्तोद्धार हुंडि	Siddhāntoddhāra Huṇḍi	सकलचन्द	,,
1182	के नाथ 11/43	सिंदूरप्रकर (सूक्तमुक्तावली) +वृत्ति	Sindūra Prakara+Vṛtti	सोमप्रभ/—	मू वृ (प ग)
1183	कुंथुनाथ 14/13	सिंदूरप्रकर	,,	सोमप्रभ	मू (प)
1184	के नाथ 23/1	,,	,,	,,	,,
1185	,, 6/91	,,	,,	,,	,,
1186	,, 21/15	, वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हर्षकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1187	,, 15/118	,,	,,	,,	मू (प)
1188	कुंथुनाथ 43/6	,, + वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /हर्षकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1189	के नाथ 5/70	,, +बा	,, +Bālā	,,	मू बा (प ग)
1190	,, 6/26	,, +बा	,, +Bālā	,, /राजशील	,,
1191	ओसिया 2/219	,,	,,	,,	मू (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक	मा	6	28 × 11 × 13 × 50	सपूर्ण 56 पद	1839	
कठिन प्रश्नो का शास्त्रीय निराकरण	प्रा स	112	25 × 11 × 15 × 45	,, 152 गाथायें	1467	
तात्त्विक	मा	2	32 × 12 × 15 × 40	,, 13 छद	19वी	
दार्शनिक	प्रा	2*	26 × 11 × 19 × 56	,, 50 गा	1505	
,,	प्रा स	6	26 × 11 × 17 × 55	,, ,, की	16वी	
,,	प्रा मा	17	27 × 12 × 3 × 32	,, 50 गा.	19वी	
,,	प्रा.	4	26 × 11 × 13 × 40	,, 50 ,,	19वी	
,,	प्रा मा	12	27 × 12 × 15 × 39	,, ,,	19वी	
तात्त्विक बोल सग्रह	मा	43	22 × 10 × 13 × 29	प्रतिपूर्ण	1877	
आगम उद्धरण (मडनार्थ)	,,	17	30 × 11 × 21 × 46	,,	19वी	
,, (,,)	प्रा मा.	48	27 × 12 × 3 × 25	,,	18वी	
,, (,,)	प्रा	13	26 × 12 × 16 × 42	,,	1803	
शास्त्र साराश	मा	43	30 × 11 × 17 × 48	,,	1803, जूणपुर मनरूप	
,,	,,	34	28 × 13 × 15 × 42	,,	1911	
आगम उद्धरण	प्रा मा	49	26 × 12 × 15 × 40	अपूर्ण	17वी	
औपदेशिक सुभाषित	स	13	26 × 11 × 5 × 56	सपूर्ण 99 श्लोक की ग्र 215	1665	
,,	,,	5	26 × 11 × 16 × 54	सपूर्ण 99 श्लोक	1692	
,,	,,	18	24 × 11 × 10 × 29	,, 104 ,,	1691	
,,	,,	9	25 × 11 × 11 × 42	,, 98 ,,	17वी	
,,	,,	27	26 × 11 × 15 × 45	,, 100 श्लोक	1701	
,,	,,	10	26 × 11 × 9 × 40	,, 97 श्लोक	1706	16 श्लोक तक टब्बार्थ
,,	,	19	26 × 12 × 13 × 40	त्रुटक	1731	
,	स मा	27	25 × 11 × 13 × 36	सपूर्ण 97 श्लोक	1747	
,,	,,	59	26 × 11 × 17 × 56	,, 99 ,,	1759	
,,	म	7	25 × 10 × 13 × 40	,, 100 ,,	1776	

1	2	3	3 A	4	5
1192	कोलडी 1236	सिंदूरप्रकर	Sindūra Prakara	सोमप्रभ	मू ट (प ग)
1193	केनाथ 22/64	,,	,,	,,	,,
1194	मुनिसुव्रत 2/265	,,	,,	,,	मू. (प)
1195	केनाथ 21/53	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/हर्षकीर्त्ति	मू वृ (प.ग)
1196	,, 21/54	,,	,,	,,	मू. (प)
1197	महावीर 2/21	,, +बा	,, +Bālā.	,,	मू बा (प ग)
1198	कोलडी 125	,, +बा	,, +Bālā	,,/राजशील	,,
1199	केनाथ 23/5	,,	,,	,,	मू (प.)
1200	कोलडी 127	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
1201-8	केनाथ 10/30, 21/22,21/46, 22/58,23/18, 24 22,27,51, 6/120	,, 8 प्रतिया	,, 8 copies	,,	मू (प)
1209-10	महावीर 2-133, 131	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
1211-14	ओमिया 2/154-5-6,220	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
1215-17	कुथुनाथ 4/93, 37/4,41/4	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
1218-23	कोलडी 119 से 23,1186	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,,	,,
1224	सेवामदिर 2/375	,,	,,	,,	मू ट.
1225	ओमिया 2 अ 411	,,	,,	,,	,,
1226	कुथुनाथ 33/2	,,	,,	,,	,,
1227-29	केनाथ 14-18, 21-2,20-10	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
1230	केनाथ 13/44	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,/हर्षकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
1231-32	कोलडी 124, 1349	,, +वृत्ति 2 प्रतिया	,, +Vṛtti 2 copies	,, ,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	स मा	18	24 × 11 × 6 × 46	सपूर्ण 98 श्लोक	1778	
,,	,,	11	27 × 12 × 8 × 42	,, 99 ,,	18वी	
,,	स	7	27 × 11 × 13 × 40	,, 97 ,,	18वी	
,,	,,	21	26 × 11 × 14 × 42	,, 100 श्लोक	1811	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1813	
,,	स मा	125	26 × 12 × 10 × 39	,, 102 श्लोक कथासह	1840 राजनगर	
,,	,,	53	27 × 11 × 16 × 44	,, 100 ,,	1847	
,,	स	7	26 × 11 × 13 × 47	,, 100 ,,	1847	
,,	स मा	22	26 × 11 × 5 × 32	,, 100 ,,	1850	
,,	स.	16 16, 9,9,10 20,8 13	22 से 28 × 9 से 13	सात पूर्ण आठवी, अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	9,7	27 × 11 व 14 × भिन्न	सपूर्ण 99, 100	19वी	
,,	,,	6,8,9, 6	25 × 12 व 26 × 11	,, 100 से 103	19वी	
,,	,,	26,9,10	25 से 27 × 11 से 14	,, 100 श्लोक	19/20वी	
,,	,,	17,11, 11,12 8,2	23 से 27 × 10 से 13	पाच सपूर्ण, अतिम अपूर्ण	19वी	
,,	स मा	15	24 × 13 × 6 × 42	सपूर्ण 99 श्लोक	1877 वल्लभी दर्शनविनय	
,,	,,	22	26 × 13 × 4 × 40	,, 101 ,,	1956,जोधपुर फतेकरण	
,,	,,	12	25 × 13 × 10 × 45	,, 100 ,,	1941	
,,	,,	11,19, 21	25 × 11 × भिन्न 2	प्रथम 2 सपूर्ण अतिम अपूर्ण	19वी	
,,	स	7	27 × 12 × 15 × 48	अपूर्ण, गुरु भक्ति द्वार तक	19वी	
,,	,,	30,4	26 × 11 × 15/11 × 35	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण 6 श्लोक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1233	कोलडी 126	सिंदूरप्रकर+अवचूरि	Sindūra Prakara+Avacūri	सोमप्रभ —	मू अ (प ग)
1234	,, 135	,, +पद्यानुवाद	,, +	,,/बनारसीदास	मू पद्यअनुवाद(प)
1235	ओसिया 2/221	सिंदूरप्रकर-भाषान्तर	Sindūra Prakara Bhāsā	बनारसीदास	पद्य
1236	कुंथुनाथ 11/201	,,	,,	,,	,,
1237	सेवामदिर 2/428	,,	,,	,,	,,
1238	के नाथ 19/95	सिंधुचतुर्दशी आदि	Sindhuchaturdaśī etc	अज्ञात	,,
1239	मुनिसुव्रत 2/272	सुकृतमुक्तावली	Sukrtamuktāvalī	सकलन	मू ट (प ग)
1240-42	महावीर 2/397-8,401	सूक्तावली 3 प्रतिया	Sūktāvalī 3 copies	,,	पद्य
1243	के नाथ 17/22	सुख-दुःख पद्यसग्रह	Sukha Duhka Padyasangraha	,,	प
1244	ओसिया 2/302	सुपद्धतिलता	Supaddhati Latā	आदिहर्षनंदि (समयसुदर का शिष्य)	ग
1245	महावीर 2/400	सुभाषितकोश	Subhāsita Kośa	सकलन	प
1246	कुंथुनाथ 20/23	सुभाषित-रत्नसार	Subhāsita Ratnasāra	सकलनकर्त्ता सेवचद मुनि	,,
1247	मुनिसुव्रत 3 इ 303	सुभाषित-श्लोकसग्रह	Subhāṣita Śloka Saṅgraha	सकलन	मू ट
1248-49	के नाथ 6/12, 19/72	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	पद्य
1250-51	कोलडी 134,1148	सुभाषित-सग्रह 2 प्रतिया	Subhāṣita Sangraha	,,	पद्य-गद्य
1252	सेवामदिर गुटका 6दे	सुमति-बत्तीसी	Sumati Battīsī	लाभगणि	प
1253	मुनिसुव्रत 2/317	सूक्तमाला	Sūktamālā	केशरविमल	,,
1254	कोलडी 136	,,	,,	,,	,,
1255	के नाथ 5/33	,,	,,	,,	,,
1256	महावीर 2/399	,,	,,	,,	,,
1257	सेवामदिर 2/367	,,	,,	,,	,,
1258	ओसिया 2/239	,,	,,	,,	,,
1259	के नाथ 11/93	,,	,,	,,	,,
1260	कोलडी 137-8, 1190A	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक सुभाषित	स	13	30 × 11 × 14 × 45	लगभग पूर्ण अंतिम पन्ना कम	19वी	
,,	स हि	17	24 × 9 × 14 × 60	सपूर्ण 100 श्लोक का	19वी	
,,	हि	8	24 × 11 × 15 × 48	,, 101 छद	1861	
,,	,,	गुटका	22 × 17—	,, 100	19वी	
,,	,,	6	23 × 13 × 11 × 39	त्रुटक	19वी	
ध्यान योग विपयक	मा	10+	26 × 12 × 15 × 42	सपूर्ण 14 गा	19वी	साथ मे अन्य स्तवनादि भी है
धार्मिक सुभाषित	प्रा स मा	9	23 × 12 × 5 × 38	सपूर्ण 63 श्लोक	19वी नागौर	
,,	प्रा स	13,3, 15	26 × 12 × 13 × 36	प्रतिपूर्ण 161,53,243 श्लोक	20वी	
औपदेशिक सुभाषित	मा	9	31 × 15 × 12 × 40	सपूर्ण 187 दोहे	19वी	
सिद्धान्त उपदेश कथासह	म	181	25 × 11 × 12 × 41	,, ग्र 6001	20वी	प्रशस्ति है
जैन सुभाषित	प्रा स	65	26 × 11 × 17 × 58	,, 2806 श्लोक	16वी	
औपदेशिक	,,	73	25 × 11 × 18 × 66	,, 2170 श्लोक	1767	81 श्लोक ज्योतिप के है
,, (जैन)	स मा	6	24 × 10 × 7 × 34	,, 68 श्लोक	19वी	
,,	प्रा स मा	13,9	26 × 11व25 × 12	प्रथम अपूर्ण, द्वितीय पूर्ण	19वी	
,,	,,	4,6	27 × 10व25 × 11	,, ,,	19वी	
12 व्रतो पर उपदेश	मा.	4	14 × 11 × 12 × 20	सपूर्ण 36 पद	1841	
चार पुरुपार्थ उपदेश	,,	8	25 × 11 × 16 × 40	,, 187 गा चारो पुरुषार्थ	1805	1754 की कृति
,,	,	9	23 × 10 × 15 × 48	सपूर्ण	1812	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 38	,,	1832	
,,	,,	8	25 × 12 × 15 × 46	, 177 गा	19वी	
,,	,,	9	25 × 12 × 16 × 40	,, 198 गा	1866	
,,	,,	13	27 × 14 × 15 × 43	,,	20वी	
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 30	,,	19वी	
,,	,,	8,13,10	25 से 27 × 11 से 13	प्रथम दो पूर्ण, तीसरी अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1261	कोलडी 139, 1100	सूक्तमाला+बाला 2 प्रतिया	Sūktamālā+Bālā 2 copies	,,/—	मू बा (प ग)
1262	कुंथुनाथ 10/146	सूत्रप्राभृत	Sūtra-prābhṛta	—	मू (प)
1263	के नाथ गुटका 14	स्याद्वादसूचक महावीर स्तवन	Syādvāda Sūcaka Mahāvīra, Stavana	वा विनयविजय	प
1264	ओसिया 2/292	स्याम्यशतक	Syāmya Śataka	सिंहसूरि	,,
1265	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 26	स्वरूपसंबोधन पंचविंशति+वृत्ति	Svarūpa Sambodhana Pañcaviṃśati+Vṛtti	—	मू वृ. (प ग)
1266	के नाथ 18/15	स्वाध्याय-संग्रह	Svādhyāya Sangraha	मेघविजय	प
1267	सेवामंदिर गुटका 6 दे	हियाली 3	Hiyālī 3	—	,,
1268-69	महावीर 2/132, 19	हिंगुलप्रकरण 2 प्रतिया	Hingula Prakarana 2 copies	विनयसागरोपाध्याय	मू (प)
1270-78	कुंथुनाथ 14/34-38, 18/32-34, 10/187	स्फुट अपूर्ण व लघु ग्रंथ व त्रुटक पन्ने 9 प्रतिया	Stray Pages of Incomplete works etc. (9 copies)	विभिन्न	ग प
1279	महावीर 1098, 1102,1812-14-16-17	,,	,,	,,	,,
1280	ओ मया बस्ता 20 दुवारा	,,	,,	,,	,,
1281	मुनिसुव्रत बस्ता 78	,,	,,	,,	,,
1282	सेवामंदिर बस्ता 79(125 + 212)	,,	,,	,,	,,
1283-87	कोलडी बस्ता 69/70	,, (5 प्रतिया +2 बस्ते)	,, (5 copies+2 Baste)	,,	,,
1288-89	के नाथ 881-3, 900, 1028-58 28/27,30	,, (2 प्रतिया)	,, (2 copies)	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
चार पुरुषार्थ उपदेश	मा	19,9	25 × 11 × 11/14 × 30/45	दोनो प्रतिये अपूर्ण	19वी	
तात्त्विक	प्रा	1	27 × 11 × 13 × 48	सपूर्ण 26 गा.	17वी	
दार्शनिक	मा	5	16 × 14 × 11 × 18	,, 3 ढालें	19वी	
औपदेशिक	,,	9*	25 × 11 × 15 × 31	,, 105 दोहे	19वी	यशोविजयजी द्वारा सपादित
तात्त्विक	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 26 श्लोक	1544	
औपदेशिक सज्झाये	मा	5	26 × 11 × 15 × 47	,, 8 सज्झाये + कलश	18वी	
ज्ञानोपकरणो पर	,,	2	14 × 11 × 13 × 20	,, 3 गीत	1841	
औपदेशिक	स	15,9	29 × 14 व 27 × 12	,, 35 उपक्रम	19वी	
तात्त्विक औपदेशिकादि	प्रा स.मा	कुल 11 पन्ने	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वी	1-1 पन्ने के 8 ग्रथ व 1 ग्रथ 3 पन्नो का
,,	,,	,,241,,	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वी	बस्ता 80
,,	,,	,,135	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वी	
,,	,,	,,200	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वी	
,,	,,	,,337	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वी	
,,	,,	,,683	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वी	
,,	,,	,,2328	24 से 30 × 10 से 15	,,	17/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	के नाथ 22/21	अपशब्द-खण्डन	Apa Śabda Khaṇḍana	मानसर्वज्ञ	ग.
2	,, 16/46	आध्यात्मिक मतपरीक्षा	Ādhyātmika Mata Parīkṣā	उ यशोविजय	,,
3	,, 16/46	जिनस्तोत्राणि	Jina Stotrāni	,,	प
4	महावीर 6 आ 8	देवधर्म-परीक्षा	Deva Dharma Parīkṣā	,,	ग
5	के नाथ 15/116	द्रव्यपदार्थ (किरणावल्या)	Dravya Padārtha (Kiranā valyām)	उदयन आचार्य	,,
6	महावीर 6 आ 10	द्रव्यानुयोग तर्कणा	Dravyānuyoga Tarkanā	भोजसागर	,,
7	,, 6 आ 21	नयचक्र	Nayacakra	देवसेन	,,
8	के नाथ 4/27	,,	,,	—	,,
9	मेवामदिर 3 इ 345	नयनिक्षेप वीरस्तवन	Nayanikṣepa Vīra Stavana	रामविजय	प
10	महावीर 6 आ 13	नयप्रदीप	Nayapradīpa	विजयसिंह शिष्य	ग प
11	के नाथ 11/110	,,	,,	—	ग.
12	,, 16/46	नयरहस्य	Naya Rahasya	उ. यशोविजय	,,
13	मेवामदिर 6 आ 32	नयस्वरूप	Naya Svarūpa	—	,,
14	के नाथ 16/46	नयोपदेश	Nayopadeśa	उ यशोविजय	,,
15	,, 26/104	निमित्त उपादान कारण	Nimitta Upādāna Kārana	—	,,
16	,, 26/68	न्याय ग्रन्थ (?)	Nyāya Grantha (?)	—	,,
17	,, 29/27	,, की वृत्ति (?)	,, kī Vrtti (?)	—	,,
18	महावीर 6 आ 6	न्यायप्रवेश	Nyāya Praveśa	हरिभद्र	वृ गद्य मे
19	के नाथ 10/95	न्यायसार-सटीक	Nyāyasāra+Tīkā	जिनसमुद्र/श्रीमद् रत्नपुरि भट्टारक ?	मू +टी (ग)
20	महावीर 6 आ 15	न्यायसार की टीका	,, kī Tīkā	/जयसिंहसूरि	ग
21	के नाथ 29/8	,,	,, ,,	/ ,,	,,
22	महावीर 6 आ 12	न्यायार्थ-मजूषा	Nyāyārtha Mañjūṣā	हेमहसगणि स्वोपज्ञ	वृ ग
23	,, 6 आ 19	,,	,,	,,	,,
24	के नाथ 5/56	परसमय-विचार	Parasamaya Vicāra	—	ग
25	,, 14/93	पचनयविचार-स्तवन	Pañca Naya Vicāra	कीर्त्तिविजयवाचकशिष्य	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय ग्रथ	स.	2	26 × 11 × 17 × 57	सपूर्ण	19वी	
खडनवृत्ति	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वी	
न्याय शैली भक्तिगीत	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,, 4 स्तोत्र	19वी	
खडन मडन स्वपर समय	,,	9	27 × 13 × 15 × 53	सपूर्ण	19वी	
न्याय ग्रन्थ	,,	48	26 × 11 × 13 × 43	,, ग्रथाग्र 2000	19वी	किरणावली मे से; पन्ने 10 व 11 कम
,,	,,	72	26 × 12 × 14 × 42	,, 15 अध्याय	18वी	मूल ग्रथ की टीका/ प्रशस्ति है
,,	,,	20	21 × 11 × 7 × 20	,,	19वीं	
,,	,,	22	29 × 14 × 11 × 28	,,	19वी	
जैन-न्यायानुसार	मा	2	27 × 12 × 16 × 56	,, 33 गाथा	19वी	
,,	स	12	25 × 12 × 14 × 42	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	34	30 × 15 × 7 × 23	,,	19वी	
,,	,,	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वी	
,,	मा.	4	25 × 11 × 18 × 57	,,	18वी	
,,	स.	46*	26 × 13 × 16 × 44	,,	19वी	
,,	मा	4	26 × 11 × 13 × 37	,,	19वी	
न्याय ग्रन्थ	स.	6	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण (पन्ने 4 से 9) बीच के	19वी	नामादि का पता नही पडा
मूलग्रथ की वृत्ति है	,,	6	26 × 11 × 15 × 64	, (पन्ने 10 से 15) बीच के	17वी	
न्याय ग्रन्थ	,,	26	29 × 13 × 10 × 39	सपूर्ण	18वीं	
गौतमसूत्र पर टीका	,,	7	27 × 11 × 17 × 60	,,	19वी	
,,	,,	50	28 × 12 × 16 × 63	,,	15वी	न्याय तात्पर्य दीपिका नाम्नी
,,	,,	1	24 × 10 × 17 × 72	अतिम पन्ना मात्र आगम परिच्छेद का	16वी	पूरेके ग्रथाग्र 3035 तीन परिच्छेद
न्याय ग्रन्थ	,,	43	26 × 12 × 13 × 47	सपूर्ण ग्र 1400	17वी	मूल ग्रथ की टीका
,,	,,	15	26 × 11 × 17 × 61	अपूर्ण	17वी	
स्वपर सिद्धात न्याय	,,	4	26 × 11 × 17 × 55	सपूर्ण ग्र. 200	19वी	
भक्ति/नयविचार	मा	2	37 × 13 × 17 × 35	सपूर्ण 6 ढालें + कलश + दोहे	19वी	

858
14. 49
14 49

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 16/46	पातञ्जलयोग दर्शन टीका	Pātañjala-yoga Tikā	उ यशोविजय	ग
27	,, 2/18	प्रमाणनयतत्वालोकालकार	Pramānanaya Tatvālokā-lankāra	देवाचार्य	मू प
28	,, 14/39	प्रमाणनयतत्वलोकालकार सटीक	Pramānanaya Tatvālokāla-nkāra	वादिदेवसूरि/रत्नप्रभाचार्य	मू +वृ
29	,, 11/3	,,	,,	,, ,,	,,
30	महावीर 6 आ 23	,,	,,	,, ,,	,,
31	ओसिया 6 आ 31	,,	,,	,, ,,	,,
32	महावीर 6 आ 16	,,	,,	,, ,,	,,
33	के नाथ 26/99	प्रमाणशास्त्र (?)	Pramāna Śastra	—	ग
34	,, 21/27	प्रमाणसुन्दर	,, Sundara	पद्मसुदर (पद्ममेरु का शिष्य)	,,
35	,, 7/48	वर्द्धमान इन्दु	Vardhamāna Indu	बलभद्र	,,
36	महावीर 6 आ 5	विप्रवक्त्रमुद्गर	Vipravaktra Mudgara	—	ग प
37	,, 6 आ 1,2	सन्मति तर्क सवृत्ति	Sanmati Tarka+Tikā	सिद्धसेन/अभयदेव (प्रद्युम्नसूरि शिष्य)	मू + वृ (प ग)
38	,, 6 आ 12	सप्तनय विवरण रास वाला स०	Saptanaya Vivarana Rāsa +Bā ā	मानविजय	मू. + वा (प ग)
39	,, 16/46	सप्तभंगी नयप्रदीप	Saptabhangī Naya Pradipa	उ यशोविजय	ग
40	के नाथ 16/45	स्याद्वादमजरी	Syādvāda-mañjarī	हेमचन्द्राचार्य	मू प
41	महावीर 6 आ 9	,, सटीक	,, +Tika	,,	मू +वृ.
42	,, 6 आ 3	स्याद्वाद पुष्पकलिका	,, Puspakalikā	वाचक सयम	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
स्याद्वादमतानुसार	स	46*	26 × 13 × 16 × 44	सपूर्ण	19वी	
न्याय ग्रन्थ	,,	7	30 × 14 × 16 × 53	,, 8 परिच्छेद	19वी	
जैन न्याय	,,	72	26 × 11 × 19 × 59	लगभग सपूर्ण (किञ्चित् कम) आठवा परिच्छेद	16वी	रत्नाकरावतारिका नाम्नी लघु टीका
,,	,,	167	28 × 17 × 16 × 41	सपूर्ण 8 परिच्छेद ग्र 5000	19वी	,,
,,	,,	88	30 × 14 × 15 × 61	,, ,,	1943 × अमरदत्त	,,
,,	,,	152	27 × 11 × 13 × 42	,, ,,	1967 जोधपुर वीरचद	,,
,,	,,	34	24 × 12 × 24 × 72	अपूर्ण 6ठे परिच्छेद तक	17वी	,,
न्याय शास्त्र	,,	10	26 × 11 × 13 × 44	त्रुटक	17वी	सही नाम का पता नही
,,	,,	18	25 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण ग्र 825	1725 × शातिविजय	पहिला पन्ना कम
,,	,,	65	26 × 11 × 15 × 60	,, ग्रथाग्र 3436	1666	
ब्राह्मण निर्णय	,,	4	30 × 14 × 15 × 46	सपूर्ण	18वी	
जैन न्याय ग्रन्थ	,,	578	28 × 13 × 16 × 48	,, ग्र 25000	1964	
,,	मा	15	27 × 12 × 11 × 42	,, 90 पद	18वी × कवीन्द्रसागर	
,,	स	46*	26 × 13 × 16 × 64	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	5	21 × 11 × 11 × 32	,, 24 श्लोक	19वी	
,,	,,	101	27 × 13 × 12 × 41	,, 32 श्लोको की	17वी	
,,	,,	16	30 × 14 × 9 × 40	,, 272 श्लोक	1946	

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 3 अ 126	अक्षयतृतीया-कथादि	Akṣaya Tṛtiya Kathā etc	—	ग
2	,, 3 अ 2	अक्षयतृतीया-व्याख्यान	Akṣaya Tṛtiyā Vyākhyāna	—/क्षमाकल्याण	मू वृ
3	सेवामंदिर 3 अ 173	,,	,,	—	ग
4	ओसिया 3 अ 168	,,	,,	—	,,
5	के नाथ 18/59	,,	,,	—/क्षमाकल्याण	,,
6-7	कोलडी 180,945	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
8	,, 945	,,	,,	—	,,
9	ओसिया 3 अ 137	,,	,,	—	,,
10	कुंथुनाथ 32/4	,,	,,	—	,,
11-2	महावीर 3 अ 114 3 इ 29	अक्षयनिधितपविधि 2 प्रतिया	Akṣaya Nidhi Tapa Vidhi 2 copies	पद्मविजय	प ग
13	,, 3 इ 167	अधिवासना-विधि	Adhivāsanā Vidhi	चन्द्रसूरि	प
14	कुंथुनाथ 45/6	अष्टोत्तरीस्नात्र व प्रतिष्ठा विधि	Aṣṭottari Snātra & Pratiṣṭha Vidhi	—	ग
15-7	कोलडी 403-4-6	,, ,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	प
18	के नाथ 6/89	असज्झायविचार	Asajjhāya Vicāra	—	ग
19	,, 11/108	आचारदिनकर	Ācāradinkara	वर्द्धमानसूरि	प
20	कोलडी 766	,,	,,	,,	,,
21	महावीर 3 अ 23	,,	,,	,,	,,
22-3	,, 3 अ 100 102	आलोचना 2 प्रतिया	Ālocanā 2 copies	—	ग
24	, 3 अ 103	आलोचना-तप	,, Tapa	—	,,
25	के नाथ 19/127	आलोचना-दान	,, Dāna	भुवनरत्नाचार्य	प ग.
26	महावीर 3 अ 101	आलोचना विचार	,, Vicāra	—	ग
27	कोलडी 373	,,	,,	—	,,
28-9	,, 374,372	,, 2 प्रतिया	,, 2 copips	—	,,
30-1	महावीर 3 अ 97 98	,, 2 प्रतिया	,, ,,	—	,,
32	कुंथुनाथ 24/4	आलोचना-विधि	,, Vidhi	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्वव्रतकथा	स	25*	25 × 12 × 14 × 35	सपूर्ण चार गाथा	1875	
धार्मिकपर्व-व्याख्यान	प्रा स	2	25 × 12 × 17 × 48	,,	19वी	
,,	स	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	4	25 × 11 × 20 × 41	,,	19वी	साथ मे चैत्री पूनम व्याख्यान जीवराजका
पर्वव्याख्यान	,,	2	27 × 11 × 16 × 36	,,	19वी	
,,	,,	3,3	25 × 10/12 × 11 × 44	,,	19वी	
,,	मा	3	26 × 11 × 17 × 35	,,	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 38	,,	1940 वीकानेर कवलागच्छे	
,,	स	4	24 × 12 × 12 × 28	,,	1944	
अक्षयतृतीया कथा विधि	मा	5,6	28 × 13 × 16/13 × 41	,, ग्र 188 (पाच ढाले व स्तव)	20वी	
स्थापनाविधि-विधान	स	3	20 × 10 × 11 × 35	सपूर्ण 38 श्लोक	18वी	
प्रतिष्ठा सलग्न विधिया	मा.	1	लवा रॉल 19 से. चौडा	सपूर्ण लवा रॉल	1946	
प्रतिष्ठा विम्वस्नात्र	,,	2,2 3	25 से 29 × 12 से 13	मपूर्ण	19वी	
स्वाध्याय समय नियम	,	3	26 × 11 × 11 × 39	,,	19वी	
जैनाचार विधि-णास्त्र	स	281	30 × 12 × 15 × 47	,, 14000 ग्र	1894	
,,	,,	123	26 × 13 × 11 × 37	अपूर्ण-प्रतिष्ठा विधि अधिकार	19वी	
,,	,,	359	28 × 13 × 15 × 38	सपूर्ण 41 अध्याय ग्र 14065	20वी	वीजक व प्रशस्तिसह
व्रत भग दड विधान	मा	2,3	21 × 11 व 27 × 12	सपूर्ण	20वी(1 गोपीचद द्वारा)	
श्रावक प्रायश्चित्त विधान	,,	5	24 × 12 × 12 × 38	प्रतिपूर्ण तालिकासह	20वी × सुमति मण्डन	
प्रायश्चित्त विधि टिपण्णक	प्रा स	8	26 × 10 × 15 × 44	मपूर्ण 40 श्लोक + गद्य	19वी	
प्रायश्चित्त विवेचन विधि	मा	6	25 × 10 × 16 × 48	,, यत्रसह	16वी	
,,	स मा	5	28 × 12 × 14 × 44	सपूर्ण	1786	
,,	मा	3,3	25 × 11 व 26 × 12	,,	19वी	
श्रावक ,, ,,	,,	8,8	27 × 13 × 12/15 × 48/36	,,	20वी	
अतिचार दड विधान	स.	6	25 × 13 × 16 × 42	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
33	केनाथ 23/16	आलोचना-विधि	Ālocanā Vıdhı	क्षमाकल्याण	ग.
34	, 23/7	,,	,,	—	,,
35	कोलडी 371	,,	,,	—	,,
36-8	महावीर 3 आ 96-99,166	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
39	कुथुनाथ 16/13	,,	,,	—	,,
40	,, 55/20	आवश्यक-पचाशिका	Āvaśyaka Pañcāśıkā	—	प.
41	ओसिया 2/152	आवश्यक विधि	Āvaśyaka Vıdhı	जिनवल्लभ	मू (प)
42	महावीर 3 आ 117	इन्द्रियजय आदि तप	Indrıyajaya Ādı Tapa	—	ग
43	,, 7 अ 79	उत्कालिककालिकदीप	Utkālıkakālıka Tīpa	—	,,
44	केनाथ 23/70	उपकरणानि	Upakarnānī	—	मू ट.
45	मेवामदिर 3 आ 172	उपधान आदि विधिया	Upadhāna Ādı Vıdhıyān	—	प ग.
46	महावीर 3 आ 82	,,	,,	—	ग.
47	कोलडी 399	,,	,,	—	,,
48-9	महावीर 3 आ 59/91	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
50	,, 3 आ 94	उपधान आलोचनाविधि	Upadhāna Ālocanā Vıdhı	—	,,
51	,, 3 आ 86	उपधान-क्रिया	,, Krıyā	—	,,
52	,, 3 आ 85	उपधान नित्य कर्त्तव्य व तपो-विधि आदि	,, Nıtya Kartavya etc	समयसुदर	गद्य
53	कोलडी 400	उपधान-विधि	,, Vıdhı	—	ग
54-6	महावीर 3 आ 89 84,83	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
57	,, 3 आ 92	उपधान सम्बन्धी प्रावधान	,, Sambandhī Prāvadhāna	—	,,
58-9	केनाथ 11/115 23/94	उपधान स्तवन 2 प्रतिया	Upadhāna Stavana 2 copies	समयसुदर	प
60	, 26/40	,,	,,	कीर्तिविजय	,,
61	ओसिया 3 इ 190	,,	,,	,,	,,
62	महावीर 3 ई 27	,,	,,	विनयविजय	,,
63	कोलटी 204	कार्त्तिक पूर्णिमा व्याख्यान	KārtıkapūrnımāVyākhyāna	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
अतिचार दड विधान	मा.	11	25 × 13 × 13 × 37	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	27 × 13 × 15 × 41	,, ग्रथाग्र 94	19वी	
,,	,,	5	26 × 13 × 10 × 38	सपूर्ण सूतकविचारसह	19वी	
श्रावक अतिचारदड विधि	,,	4,4,2	25 से 27 × 12 से 13	तीनो प्रतिया पूर्ण	20वी अजमेर, अजीमगज मे	
,, ,,	,,	2	24 × 13 × 17 × 44	सपूर्ण	1945	
नित्यकर्मविधिविधान	,,	3*	26 × 11 × 15 × 52	,, 50 गाथा	17वी	
,,	प्रा	123*	26 × 12 × 11 × 40	, 40 गाथा	16वी	
तप विधिया	मा	4	27 × 12 × 13 × 48	सपूर्ण	19वी	
स्वाध्याय कालनियम	,	2	26 × 10 × —	,,	18वी	
साधु परिग्रह मर्यादादि	प्रा मा	2	26 × 12 × 5 × 29	,,	19वी	
धार्मिक क्रिया विधिया	प्रा स.मा	34	27 × 13 × 13 × 38	प्रतिपूर्ण	18वी	
,,	मा	12	24 × 13 × 21 × 38	,,	1829, वासा भीमसागर	
,,	,,	8	27 × 11 × 15 × 62	,,	1872	
,,	,,	23,22	27 × 12 × 12 × 39	,,	20वी	
उपधान तप-भग दड दान	,,	4	25 × 11 × 18 × 49	लगभग पूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1802 राजदुर्ग	
,, नित्य कर्त्तव्य	,,	8	25 × 12 × 14 × 36	,,	20वी × नरेन्द्रसागर	
,, ,,	स + मा	3	26 × 11 × 20 × 48	सपूर्ण	18वी	
,, क्रिया विधि	मा	3	27 × 10 × 19 × 65	,,	19वी	
,, ,,	,,	2,6,7	23 से 28 × 11 से 13	,, विस्तार सहित	19/20वी	
उपधान तप के नियमादि	,,	2	26 × 12 × 12 × 44	प्रतिपूर्ण	20वी	
भक्ति विधि काव्य	,,	1,2	24 × 11 × 17/13 × 38	पूर्ण 17/18 गा	19वी	
,,	,,	2	25 × 12 × 13 × 47	,, 26 गा	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 12 × 38	सपूर्ण 27 गा.	19वी	
,,	,,	2	25 × 14 × 12 × 30	,, 26 गा	20वी	
पर्व व्याख्यान शत्रुजय परक	,,	5	25 × 13 × 12 × 30	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
64-8	महावीर 3 अ 55 से 57, 74, 61	कालग्रहणादि योग विधि 5 प्रतियां	Kālagrahanādi Yogavidhi 5 copies	—	प.
69	महावीर 3 अ 25	खरतर समाचारी व तिथिपइन्नो	Kharatara Samācārī & Tithi Painno	अभयदेवसूरि	गद्य
70	सेवामंदिर 3 अ 142	गच्छ-समाचारी	Gaccha-samācārī	—	पद्य
71	के नाथ 23/82	गणेशचतुर्थीकथा	Ganeśa Caturthi Kathā	कल्याणवर्द्धन	ग
72	महावीर 3 अ 17	गुणने की टीप	Gunane-ki-Tipa	—	यंत्र तालिका
73	के नाथ 21/24	चतुपर्वी-कथानकम्	Catuparvi Kathānakam	—	ग
74	सेवामंदिर 3 अ 174	चातुर्मासिक-व्याख्यान	Caturmāsika Vyākhyāna	—	मू व्याख्या.
75	ओसिया 3 अ 152	,,	,,	समयसुन्दर	ग.
76	,, 3 अ 151	,,	,,	,,	,,
77	कोलडी 185	,,	,,	—	,,
78	,, 367	,,	,,	—	,,
79	,, 181	,,	,,	पाठक धर्ममंदिर	,,
80	सेवामंदिर 3 अ 173	,,	,,	—	,,
81-2	के नाथ 5/36, 24/53	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies		,,
83-6	कुंथुनाथ 10/170 32/1, 29/15 42/42	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies		,,
87	कोनडी 187	,,	,,		,,
88	महावीर 3 अ 3	,,	,,		मू +व्याख्या
89-92	ओसिया 3 अ 27, 3 अ 150, 149 148	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies		ग.
93-4	के नाथ 21/4-76	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies		,,
95-101	कोनडी 182-3-4-6, 1090-1 1126	,, 7 प्रतियां	,, 7 copies		,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधु धार्मिक व अंतिम क्रिया	मा	2,2,4, 7,6	25 से 28 × 12 से 13	सपूर्ण	20वी	
दैनिकचर्या के विधि विधान	प्रा स	36	28 × 13 × 15 × 47	,, ग्र 1500	1967, नागौर, नरोत्तम	
साधु जीवनचर्या नियम	अ	2	31 × 10 × 30 × 17	,, 70 गाथा	17वी	
पर्व कथा	मा	5	25 × 11 × 15 × 47	सपूर्ण	1912	
धार्मिक क्रिया पाठपद	प्रा स मा	18	27 × 12 × —	,, ग्र. 785	19वी	
पर्व कथा	स.	10	26 × 11 × 17 × 51	सपूर्ण	19वी	(मास मे 4 या 6 पर्व चर्चा भी है)
पर्व व्याख्यान पद्धति	प्रा स + मा	19	25 × 12 × 14 × 42	,,	18वी	
,,	स	7	25 × 10 × 13 × 37	,, ग्रथाग्र 210	1748, बीकानेर महिमासुदर	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 40	,, ,,	1848, सिंहामसर, लक्ष्मीसुदर	
,,	मा	11	26 × 10 × 15 × 44	सपूर्ण	1797	
,,	,,	17	25 × 11 × 13 × 32	,,	1804	
,,	,,	8	25 × 11 × 19 × 60	,, ग्र 528	1825	
,,	प्रा स	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859 × मतिकुशल	कुछ प्राकृत गाथा साथ मे 5 अन्य पर्व व्याख्यान
,,	स	11,10	25 × 11 × 11/14 × 32	,, दृष्टात सहित	19वी	
,,	,,	12,9, 7,4	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम 2 पूर्ण अतिम 2 अपूर्ण	19वी	
,,	,,	5	26 × 10 × 16 × 52	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	25 × 12 × 15 × 40	,,	20वी	
,,	मा	9,22, 13,9	25 से 26 × 10 से 12	,,	19/20वी	प्राकृत मूल के अनुसार
,,	,,	18,16	26 × 14 व 26 × 12	प्रथम पूर्ण दूसरी अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	10,14 10,11, 5,10, 16	24 से 27 × 10 से 13	प्रथम 4 पूर्ण अतिम 3 अपूर्ण	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
102	ओसिया 3 अ 28	चातुर्मासिक सवत्सरी प्रतिक्रमण विधि	Cāturmāsika Samvatsarī Pratikramana Vidhi	—	गद्य
103	के नाथ 26/75	चैत्यवन्दन-विधि	Caityavandana Vidhi	—	,,
104	कोलडी 416	चैत्र पूर्णिमा देववदन विधि	Caitrapūrnimā Devavandana Vidhi	—	ग.
105	,, 9 इ 5	चैत्र पूर्णिमा व्याख्यान	Caitrapūrnima Vyākhyāna	मघाचार (वृत्ती)	,,
106-7	महावीर 3 आ 1, 126	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies		,,
108	कोलडी 179	,,	,,		,,
109	ओमिया 3 आ 147	,,	,		,,
110	के नाथ 19/27	चौदहनियम स्वरूप	Caudaha-niyama Svarūpa		,,
111	मुनिसुव्रत 3 आ 162	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Diśākumarī Janma Mahotsava	—	मू (ग)
112	,, 3 अ 134	छप्पन दिशाकुमारी जन्म महोत्सव	Chappana Diśākumarī Janma Mahotsava	—	मू ट (ग)
113	कोलडी 1351	जलगालण विधि राम	Jalagālana Vidhi Rāsa	ज्ञानभूषण	प.
114	के नाथ 16/37	जिनबिंव प्रवेशादि विधि	Jinabimba-praveśādividhi	—	ग
115-8	कोलडी 424 से 27	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	—	,,
119-20	,, 422-3	तप विधिया 2 प्रतिया	Tapa Vidhiyān 2 copies	—	,,
121	महावीर 3 आ 107	तिलक तपस्या स्तवन	Tilaka Tapasyā Stavana	—	प
122	,, 3 आ 105	तेहत्तर तप विधियाँ	Tehattara Tapa Vidhiyān	—	ग
123	सेवामदिर 2/371	दसकल्पार्थ	Dasakalpārthā	—	,,
124	कुथुनाथ 13	दिक्पाल ग्रह पूजा	Dikpāla Grahapūja	—	ग (मत्र)
125	के नाथ 19/91	दीक्षादि विधान	Dikṣadi Vidhāna	—	ग
126-7	कोलडी 958-9	दीक्षा विधि 2 प्रतिया	Dikṣā Vidhi 2 copies	विधिप्रपानुसार	,,
128	कुथुनाथ 35/9	,,	,,	,,	,,
129-30	कोलडी 401,888	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
131	कुथुनाथ 12/202	,,	,,	—	,,
132-4	महावीर 3 आ 51-2,128	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
135	,, 3 आ 54	(वडी) दीक्षा विधि	(Baid) Dīkṣā Vidhi	शिवनिधानगणि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
श्रावश्यक क्रिया विधि	प्रा मा	5	26 × 12 × 10 × 32	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	26 × 13 × 10 × 23	,,	19वी	
पर्व क्रिया	मा.	3	25 × 11 × 14 × 40	,,	19वी	
पर्वव्याख्यानव्रतकथा	स	2	24 × 12 × 14 × 48	,,	19वी	
,,	,,	25 × 11	25 × 12 × 14 × 45/34	,,	19/20वी	साथ मे श्रन्य पर्वों के व्याख्यान
,,	मा	4	25 × 10 × 13 × 50	,,	19वी	
,,	,,	7	25 × 11 × 15 × 40	,,	19वी	
श्रावक दिनचर्या व्रत	,,	5	26 × 13 × 13 × 39	,,	1877	
जिन जन्माभिषेक परपरा	प्रा	8	27 × 12 × 14 × 48	,,	1771 मेडता वीरमजी	
,, ,,	प्रा मा	6	26 × 11 × 7 × 36	,,	16वी × चतुरजी	
पानी छानने बाबत	मा.	1	26 × 11 × 17 × 46	,, 33 गाथा	19वी	
प्रतिष्ठा पूर्व क्रिया विधि	,,	4	26 × 11 × 14 × 59	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	3,4,8, 11	25 से 27 × 11 से 12	,,	19वी	
विभिन्न तपस्याश्रो की	,,	11,7	25 × 12 × 10/12 × 40	,,	20वी	
विधिपरक पद्य	,,	2	25 × 11 × 11 × 33	प्रतिपूर्ण	19वी	
विभिन्न तपस्याश्रो की	,,	5	27 × 12 × 15 × 42	,,	18वी	
साधु श्राचार समाचारी	,,	7	25 × 12 × 14 × 38	,,	20वी × दानविजय	
प्रतिष्ठा पूर्व विधि	स	3	26 × 13 × 13 × 28	सपूर्ण	19वी	
दीक्षा विवेचन	प्रा मा	9	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वी	
दीक्षा देने की क्रिया	स	2,2	27 × 13 × भिन्न 2	,,	19वी	
,,	,,	4	23 × 11 × 10 × 28	,,	1951	
,,	मा	4,2	22 × 12 व 24 × 11	,,	19वीं	
,,	,,	1	115 × 17 × 122 × 76	,,	1948	
,,	,,	3,3,4	26 से 27 × 12 से 13	,,	20वी	
उपस्थापन विधि	,,	5	26 × 11 × 23 × 69	,,	17वी	साथ मे श्रन्य स्फुट विधि भी

1	2	3	3 A	4	5
136	महावीर 3 आ 167	(वडी) दीक्षा विधि	(Badī) Dikṣā Vidhi	—	ग
137	,, 3 आ 67	,,	,,	—	,,
138	सेवामदिर 3आ 179	दीक्षा विधि व योग विधि	Dikṣā Vidhi+Yogavidhi	शिवनिधानगरिण	,,
139-40	महावीर 3 आ 50 53	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
141	ओसिया 3 आ 144	दीपावलीकल्प	Dipāvali Kalpa	जिनसुदर (सोमसुदर का शिष्य)	प.
142	के नाथ 22/69	,,	,,	,,	,,
143	कोलडी 200	,,	,,	हेमाचार्य	,,
144	महावीर 3 आ 11	,,	,,	जिनसुदर	मू ट (प ग)
145-6	कोलडी 192,201	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	--	,, ,,
147-50	के नाथ 11/23-92,21-52,18-38	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	विनयचन्द्रसूरि	प
151	ओसिया 3 आ 143	,,	,,	विनयचद्र (रत्नसिंह का शिष्य)	,,
152	कोलडी 194	दीपावली व्याख्यान	Dipāvali Vyākhyān	—	ग.
153	सेवामदिर 3आ 173	,,	,,	—	,,
154	महावीर 3 आ 126	,,	,,	—	,,
155	ओसिया 3 आ 145	,,	,,	—	,,
156	कोलडी 195	,,	,,	—	,,
157	के नाथ 18/41	,,	,,	—	,,
158-60	,, 6/13 21/67-8	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	(जिनसुदर)	,,
161	कोलडी 193	,,	,,	—	,,
162	ओसिया 3 अ 32	देववन्दन गाथायें	Devavandana Gāthāyen	—	,,
163	कोलडी 957	,, वोल	,, Bola	—	ग. तालिका
164	ओसिया 3 आ 157	देववदन विधि	,, Vidhi	—/सागरचन्द्र	प ग
165	के नाथ 5/62	,,	,, ,,	—	ग
166	ओसिया 3 आ 160	नवपद खमासणा विधिसह	Navapada Khamāsanā	—	गद्य मत्र

6	7	8	8 A	9	10	11
उपस्थापन विधि	मा.	5	26 × 11 × 16 × 33	अपूर्ण (अंतिम 5 पन्ने)	18वी	
,,	,,	4	27 × 13 × 14 × 45	सपूर्ण	20वी	
उपस्थापन व स्वाध्याय	,,	20	24 × 11 × 13 × 30	,,	1954, अहिपुर वशीलाल	
,, ,,	,,	11,11	25 × 14 × 9 × 22	,,	1961 जयपुर ऋद्धिकुमारी	
पर्वकथा(महा जीवन पर)चन्द्रगुप्तस्वप्नभी	स	14	26 × 11 × 13 × 43	,, 435 श्लोक	1672	
,	,,	13	26 × 11 × 15 × 43	,, 437 ,,	1700	
,,	,,	16	19 × 11 × 14 × 32	,, 347 ,,	1828	
,,	स मा	42	26 × 11 × 5 × 33	,, 434 ,,	1845	
,,	,	13,गुटका	27 × 11 व 25 × 12	,, 180श्लोक दूसरी मे	19वी	
,,	स	12,7, 13,5	25 से 27 × 11 × भिन्न2	तीन सपूर्ण चौथी अपूर्ण	19वी	पूर्ण प्रति के श्लोक 262/78
,,	,,	6	25 × 10 × 14 × 46	सपूर्ण 128 श्लोक	19वी	1345 की कृति
पर्व व्याख्यान कथा	,,	6	27 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण	1845	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	25*	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	6	24 × 11 × 16 × 42	,,	1888	
,,	,,	6	25 × 12 × 17 × 45	,,	1897	
,,	,,	10	22 × 13 × 13 × 32	,,	1899	
,,	मा.	14,19, 11	24 से 25 × 10 से 13	,,	19वी	मूल का बालावबोध जैसा
,,	,,	10	27 × 11 × 15 × 40	,,	1902	
जिननमस्कार क्रिया पाठ	प्रा मा	6	25 × 11 × 13 × 37	,,	20वी	
,, पाठ पद	मा	5	24 × 11 ×	,,	20वी	
,, विधि स्तोत्र	स मा.	3	24 × 11 × 17 × 60	,,	19वी	अंत मे 'जिन स्तोत्र' 25 श्लोक
,, ,,	मा	5	26 × 12 × 13 × 28	,,	19वी	
भक्ति क्रिया पाठ पद	स	3	24 × 11 × 19 × 46	प्रतिपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
167-9	महावीर 3 आ 116-8-9	नवपद खमासणा 3 प्रतिया	Navapada Khamāsanā 3 copies	—	गद्य मत्र
170	कोनडी 413	नवपद जाप	Navapada Jāpa	—	ग
171	के नाथ 21/57	नवपद सिद्धचक्र प्रतिष्ठा पूजा विधि	Navapada Sıddhacakra Pratışthā etc	—	,,
172	महावीर 3 आ 93	नदी उपधान विधि	Nandī Upadhāna Vıdhı	—	,
173	,, 3 आ 81	,,	,,	—	,,
174	,, 3 आ 49	नदी दीक्षा विधि	Nandī Dīkṣā Vıdhi	—	,,
175	,, 3 आ 176	नित्य पूजन विधि	Nıtyapūjana Vıdhi	—	,,
176	,, 3 आ 48	निर्वाणकलिका(प्रतिष्ठापद्धति)	Nırvāna Kalıkā	सिंहतिलकसूरि	,,
177	के नाथ 18/88	निविता वालवोध	Nıvıtān Bālabodha	—	,,
178	कोनडी 196	पडिलेहणा कुलक	Padılebanā Kulaka	विजयविमल (आनद-विमल शिष्य)	मू ट (प ग)
179	सेवामदिर 3 इ 345	,	,,	,,	,,
180	महावीर 2/16	,,	,,	,,	,,
181	ओमिया 2/170	,,	,,	,,	,,
182	कोलडी 188	पर्युषण अष्टाह्निका व्याख्यान	Paryuṣana Aṣṭāhnıkā Vyākhyāna	—	ग
183	के नाथ 20/42	,,	,,	क्षमाकल्याण	,,
184-6	, 8/27-23, 18/54	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
187	कोनडी 191	,,	,,	—	मू ट (प ग)
188-90	,, 189,1036 157	,, 3 प्रतिया	, 3 copies	—	ग
191-2	,, 190-98	, 2 प्रतिया	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
193	कुथुनाथ 33/7	,,	,,	/धनेश्वरसूरि	मू ट (प ग)
194	,, 13/47	,,	,,	क्षमाकल्याण	ग
195-6	महावीर 3 आ 125,8	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
197	, 3 आ 6	,,	,,	—	मू ट (प.ग.)
198	,, 3 आ 5	,,	,,	—	मू ट. (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति क्रिया पाठ पद	स	4,13,7	20 से 26 × 11 से 12	प्रतिपूर्ण	19/20वी	
सिद्धचक्र ओली आराधना विधि	मा	4	28 × 10 × 14 × 50	सपूर्ण	19वी	
धार्मिक क्रिया की विधिया	,,	28	25 × 11 × 11 × 35	,,	1875	
,, ,,	,,	5	24 × 11 × 18 × 44	,,	18वी	
,, ,,	,,	10	27 × 11 × 15 × 52	,,	1940 पाली, अमरदत्त	
श्रुत अध्ययन विधि पाठ	प्रा	2	27 × 13 × 15 × 37	अपूर्ण (त्रुटक पाठ मात्र)	20वी	
प्रभु पूजादि दैनिक कर्त्तव्य	मा	18	27 × 14 × 7 × 23	सपूर्ण	20वी	
प्रतिष्ठा पद्धति	स	41*	25 × 11 × 14 × 50	,, ग्र. 200	1962	जिन वर्ण राशि आदि
विकृति भक्ष्याभक्ष्य विचार	मा	6	24 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण	19वी	
प्रतिलेखन विधि	प्रा मा	8	26 × 10 × 5 × 44	,, 34 गा	1808	
,,	,,	4	25 × 15 × 5 × 30	,, 28 गा	1862, लुणावा, अर्जुन	
,,	,,	5	26 × 13 × 5 × 34	,, 28 गा.	19वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 5 × 37	,, 27 गा	19वी राधिकानगर	
पर्युषण पर्व प्रथम 2 दिन का	स	10	25 × 12 × 16 × 48	सपूर्ण	18वी	
,, ,,	,,	21	25 × 13 × 12 × 39	,,	1900	
,, ,,	,,	14 33,9	24 से 28 × 12 से 13	प्रथम दो पूर्ण तीसरी अपूर्ण	19वी	
,, ,,	स मा	41	25 × 11 × 6 × 38	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	स	6,2,6	25 से 26 × 11 से 13	प्रथम पूर्ण, द्वितीय व तीसरी अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	12,8	25 × 12 × 13/20 × 49	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	स मा	30	29 × 14 × 8 × 52	,,	1911	
,, ,,	स	18	25 × 13 × 12 × 34	,,	1944	
,, ,,	,,	24,10	27 × 13 × 24 × 22	,,	19/20वी	
,, ,,	स मा	38	26 × 12 × 6 × 40	,, 189 श्लोक	1943 × ज्ञानविजय	
,, ,,	,,	35	28 × 12 × 5 × 38	,, 149 प्रवन्ध	1957	

1	2	3	3 A	4	5
199-200	ओसिया 3 आ 134, 133	पर्युषण अष्टाह्निका व्याख्यान 2 प्रतिया	Paryuṣana Aṣṭāhnıkā Vyākhyāna 2 copıes	मतिमदिर	ग.
201-2	„ 3 आ 135, 158	„ 2 प्रतिया	„ „ „	„	„
203-4	कुथुनाथ 16/6,10/169	„ 2 प्रतिया	„ „ „	—	„
205-6	कोलडी 1150-78	„ 2 प्रतिया	„ „ „	—	„
207-8	केनाथ 21/75, 15/206	„ 2 प्रतिया	„ „ „	—	„
209	ओसिया 3 आ 169	पर्युषणाकल्पादि सूचना	Paryuṣanākalpādı Sūcanā	—	„
210-2	महावीर 3 आ 124 4,7	पर्युषणाचितामणि 3 प्रतिया	Paryuṣanā Cıntāmanı 3 copıes	अमृतकुशल	„
213	केनाथ 11/61	पचमी उद्यापन विधि	Pañcamī Udyāpana Vıdhı	ज्ञानविमल	ग प
214	कुथुनाथ 15/2	„ कथा	„ Kathā	दीपमुनि	प
215	केनाथ 6/88	„ तप स्तवन	„ Tapastavana	जिनविजय	„
216	कुथुनाथ 37/12	„ देववदन विधि व स्तव	„ Devavandana Vıdhı	—	ग प
217	केनाथ 10/12	„ स्तवन	„ Stavana	गुणविजय	प.
218	कोलडी 417	पुडरीक आराधन विधि	Pundarika Ārādhana Vıdhı	—	ग
219	मुनिसुव्रत 3 आ 165	पूजा विधि	Pūjā Vıdhı	—	„
220	मेवामदिर 3 आ345	„ स्तवन	„ Stavana	गुणविमल	„
221-2	महावीर 3 आ 111-2	पैंतालीस आगम का गुणना 2 प्रतिया	45 Āgama Gunanā	—	ग तालिका
223	कोलडी 945	पौष दशमी कथा	Pauṣa Daśamī Kathā	जैनेन्द्रसागर	प
224	केनाथ 21/87	„	„	—	„
225	महावीर 3 आ 19	„	„	—	„
226	मेवामदिर 3 आ173	„ व्याख्यान	„ Vyākhyāna	—	ग.
227-9	महावीर 3 आ 126, 20,1	„ 3 प्रतिया	„ „ 3copıes		„
230-1	कोलडी 173,172	„ 2 प्रतिया	„ „ 2copıes		„
232	मेवामदिर 3 आ178	„	„ „	(हेमचन्द्रानुसारे)	„
233	मुनिसुव्रत 3 आ 171	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pauṣadha Pratıkramaṇādı Vıdhı	—	प ग
234	कोलडी 395	„	„ „	—	ग.

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्युषणप्रथम2दिनका	मा.	26,15	26 × 12 × 9/15 × 34	सपूर्ण	1907-16	
,,	,,	95	26 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	12,42	26 × 12 व 28 × 12	सपूर्ण	20वी	
,,	,,	3,19	25 × 11 व 26 × 12	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	17,17	26 × 14 व 25 × 11	पहिली पूर्ण, दूसरी अपूर्ण	20वी	
साधुपर्वआचार विधि	,,	7	25 × 11 × 16 × 34	अपूर्ण	20वी	
पर्व विधि विधान	स	16,17 18	27 से 29 × 12 से 13	सपूर्ण	19/20वी	
तिथि पर्व भक्ति विधि	स.मा	3	25 × 12 × 16 × 47	,,	1875	
,, कथा	मा	8	26 × 11 × 15 × 45	,, 11 ढाले	1907	
,,	,,	6	25 × 11 × 10 × 29	,, 6 ,	19वी	
,, विधि	,,	14	25 × 12 × 9 × 36	सपूर्ण	1943	
,, काव्य	,,	4	26 × 13 × 11 × 29	,, 5 ढालें +	19वी	
भक्ति (गणधर) विधि	,,	3	27 × 13 × 12 × 34	,,	19वी	
प्रभु पूजा विधि विधान	,,	5	23 × 11 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, काव्य	,,	1	26 × 12 × 17 × 46	सपूर्ण 27 गा	19वी	
शस्त्र भक्ति पाठ पद	सस्कृत	9,9	28 × 12 × —	,, 310 मत्र पद	19वी	
पर्व व्याख्यान कथा	म	2	25 × 10 × विभिन्न	सपूर्ण 75 श्लोक	19वी	
,,	,,	14*	25 × 12 × 11 × 35	,, 73 ,,	19वी	
,,	,,	4	28 × 13 × 11 × 36	,, 75 ,,	20वी	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	1859	
,,	,,	25,10 11	25 से 29 × 12 से 14	,,	19/20वी	
,,	,,	2,5	28 × 12 व 25 × 12	,,	19/20वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 8 × 45	,,	1934	
आवश्यक क्रिया विधि	प्रा स मा	29	26 × 12 × 15 × 35	प्रतिपूर्ण भिन्न 2 पन्ने	1846	
,,	मा	3	23 × 12 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
235	के नाथ 14/46	पौषध प्रतिक्रमणादि विधि	Pausadha Pratikramanādi Vidhi	—	ग
236-7	कोलडी 397-8	पौषध विधि 2 प्रतिया	Pausadha Vidhi 2 copies	—	,,
238	महावीर 3 आ 39	,,	,,	—	,,
239-40	के नाथ 14/47-41	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
241	,, 11/106	पौषध विधि स्तवन	Pauṣadha Vidhi Stavana	समयसुदर	प
242	,, 19/93	प्रति आलोचना विधि	Prati Ālocanā Vidhi	—	ग
243-5	कुथुनाथ 3/13, 10-174,15-53	प्रतिक्रमण विधि 3 प्रतिया	Pratikramana Vidhi 3 copies	—	,,
246-7	के नाथ 5/69,21/55	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
248	कोलडी 961	(पच) प्रतिक्रमण विधि	(Pañca) ,,	—	,,
249-50	कुथुनाथ 10-159 3 79A	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	—	,,
251	महावीर 3 अ 18	प्रतिक्रमण हेतु गर्भ	Pratikramana Hetu Garbha	जयचन्द्रसूरि	,,
252	के नाथ 10/83	,,	,,	,,	,,
253	, 26/58	,,	,,	क्षमाकल्याण	,,
254	,, 10/68	प्रतिक्रमाक्रम विधि सार्थावगम	Pratikramākrama Vidhi Sārthāvagama	जयचन्द्रगणि	प
255	महावीर 3 आ 43	प्रतिष्ठाकल्प	Pratisthā Kalpa	अज्ञात(सगृहीतसपादित)	प ग
256	,, 3 आ 46	,,	,,	—	ग
257	,, 3 आ 42	,,	,,	अज्ञात(सगृहीतसपादित)	प ग
258	,, 3 आ 45	प्रतिष्ठा कुडली आदि	Pratisthā Kundali etc	—	ग यत्र
259	के नाथ 17/37	प्रतिष्ठा के टब्बे	Pratisthā ke Tabbe	—	ग
260	,, 23/22	प्रतिष्ठाधिकार	Pratiṣthādhikāra	—	,,
261	कोलडी 1240	प्रतिष्ठा विधि	Pratisthā Vidhi	—	,,
262-3	के नाथ 21/42-72	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
264-5	महावीर 3 आ 40-41	,, 2 प्रतिया	,, ,,	—	,,
266	के नाथ 23/91	प्रतिष्ठा सामग्री	,, Sāmagrī	—	,,
267	कुथुनाथ 4/81	प्रत्याख्यान कोष्ठक	Pratyākhyāna Koṣthaka	—	तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक क्रिया विधि	मा	4	24 × 12 × 13 × 30	प्रतिपूर्ण	20वी	
,,	,,	3,4	25 × 10 व 26 × 13	,,	19वी	
,,	,,	4	25 × 12 × 12 × 35	,,	20वी	
,,	,,	6,2	25 × 12 व 26 × 11	,,	19/20वी	
,, काव्य	,,	4	25 × 11 × 11 × 31	सपूर्ण 37 गाथायें	19वी	
प्रायश्चित्त विधि	,,	4	26 × 12 × 15 × 41	सपूर्ण	19वी	
आवश्यक किया विधि	,	3,3,1	26 से 27 × 11 से 12	,,	20वी	
,,	,,	2,14	25 × 11 व 26 × 12	,,	20वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 15 × 35	,,	1873	
,,	,,	6,1	26 × 11 व 12 × भिन्न2	,,	20वी	
आवश्यक विधि विवेचन	स.	15	26 × 12 × 22 × 46	सपूर्ण ग्रथाग्र 1506	1842,सूरत क्षमाप्रभ	
,,	,,	20	27 × 12 × 15 × 55	,,	19वी	
,,	मा.	3	25 × 13 × 13 × 48	,,	20वी	
,,	स.	23	25 × 12 × 11 × 40	,, 150 श्लोक	1934	
मूर्त्ति प्रतिष्ठा विधि	,,	18	28 × 12 × 20 × 43	,,	18वी	
,,	,,	130	25 × 12 × 11 × 33	,,	1828	
,,	,,	37	27 × 13 × 14 × 32	,,	20वी	अंत मे प्रतिष्ठा सामग्री सूची
तीर्थंकरो की राशि आदि ज्योतिष पक्ष	,,	6	27 × 12—	प्रतिपूर्ण	20वी	
मुद्देवार टिप्पणिये	मा	24	31 × 15—	,,	19वी	
प्रतिष्ठा विधिया	स	92	27 × 13 × 13 × 47	सपूर्ण	1893	
नवीनप्रासाद से ध्वजातक	,,	23	25 × 12 × 15 × 48	,,	1906	
प्रतिष्ठा विधिया	प्रा स मा	16,24	27 × 12 व 24 × 12	,,	19/20वी	
,,	मा	42,34	27 × 13 व 25 × 13	,,	19वी(1पालीमे)	
किरियाणा की सूची	,,	4	20 × 10 × 10 × 33	,,	19वी	
आगार छायादि विधान	प्रा	1	24 × 10 × —	,,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
268	कुंथुनाथ 9/125	प्रत्यारयान कोष्ठक	Pratyākhyāna Kosthaka	—	तालिका
269	कोलडी 938	प्रत्यारुयान स्तवन	,, Stavana	रामचन्द्र	प
270-1	केनाथ 19/107, 26/33	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
272	कुंथुनाथ 42/17	प्रारम्भना	Prārambhanā	—	मू व्यारूया
273	,, 37/14	बारह व्रत अतिचार	Bāraha Vrata Aticāra	—	गद्य
274	केनाथ 26/82गु	,,	,,	—	,,
275	,, 19/50	बारह व्रत आलोचना	,, Ālocanā	प्रेमराज	पद्य
276-7	केनाथ 3-24,5-30	बारह व्रत टीप 2 प्रतिया	,, Tīpa 2copies	—	ग
278	कोलडी 1198	,,	,, ,,	—	,,
279	केनाथ 26/53	बारह व्रत लेने की विधि	,, Lenekī Vidhi	—	,,
280	कोलडी 370	बारह व्रत विचार पद्धति	,, Vicāra Paddhati	—	,,
281	,, 369	बारह व्रत विवरण	,, Vivarana	उदयसागर	,,
282	महावीर 3 अा 18	बीसस्थानक गुणना	Bīsa Sthānaka Gunanā	—	ग मत्र पद
283-4	,, 3 आ 106-9	,, तप विधि 2 प्रतिया	,, Tapavidhi 2 copies	—	ग
285	,, 3 इ 19	,, तप स्तवन	,, Tapastavana	नवविजय	प
286	,, 3 आ 87	ब्रह्मचर्यादि व्रत विधि	Brahmacaryādi Vrata Vidhi	—	ग
287-9	,, 3 आ 126 20,1	मेरुत्रयोदशी कथा 3 प्रतिया	Merutrayodaśā Kathā 3 copies	—	,,
290-1	कोलडी 175,174	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
292	ओसिया 3 आ 138	,,	,,	,,	,,
293	केनाथ 19/56	,,	,,	,,	,,
294	कुंथुनाथ 4/85	,,	,,	,,	,,
295	केनाथ 15/144	,, व्यारयान	,, Vyākhyānā	—	,,
296-7	कोलडी 176,1125	,, 2 प्रतिया	,, ,,	—	,,
298	महावीर 3 आ 175	मोक्ष टिप्पणिका	Mokṣa Tippanikā	—	,,
299	केनाथ 22/38	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Kathā	—	मू (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
आगार, छायादि विधान	मा	1	23 × 14 × —	सपूर्ण	19वी	
तपफल वर्णन विधि काव्य	,,	3	27 × 10 × 10 × 27	,, 33 गा	1890	
,, ,,	,,	7,2	25 × 11 व 26 × 12	, ,, (तीन ढाले)	19/20वी	
कल्पसूत्र की पीठिका वाचन	प्रा स.	2	26 × 11 × 12 × 52	अपूर्ण (बीच का 1 पन्ना कम)	17वी	
व्रत भग विचार	प्रा मा	4	25 × 11 × 13 × 34	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	16	16 × 9 × 9 × 20	अपूर्ण	19वी	
अतिचार विचितन	,,	13	26 × 13 × 16 × 32	सपूर्ण 151 गाथा	1940	अत मे 3-4 स्फुट स्तवन
व्रत विधान विवरण	,,	35,5	23 × 12 व 25 × 12	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	8	29 × 12 × 14 × 47	अपूर्ण (पहिला व्रत भी अधूरा)	19वी	
प्रतिज्ञापाठादि	प्रा मा	2	26 × 12 × 18 × 50	सपूर्ण	1829	
श्रावकाचार व्रत विवरण	मा	100	27 × 13 × 12 × 32	,,	1826	मकसुदाबाद के सुगालचदजी की टीप
,, ,,	,,	78	25 × 13 × 14 × 48	,,	1903	
तप पूजा क्रिया पाठ पद	स	10	27 × 12 × 17 × 39	,,	19वी	
तप सूत्र व क्रिया	मा	85,11	26 × 12 व 27 × 12	,,	19वी	
,, काव्य	,,	2	26 × 11 × 15 × 40	,, 25 गा	20वी	
श्रावकाचार क्रिया विधान	,,	9	26 × 13 × 13 × 36	,,	20वी	
पर्व व्रत कथा	म	25~10 11	25 से 29 × 12 से 14	,,	19/20वी	
,,	,,	6,5	26 × 12 व 29 × 13	,,	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 34	,	1900	
,,	,,	7	25 × 11 × 11 × 40	,, ग्र 165	19वी	
,,	,,	7	24 × 13 × 12 × 35	,,	1945	
,,	मा	8	25 × 12 × 13 × 42	,,	19वी	अत मे जयवर्मा जयमाल की 1 अनु मात्र पिंगलराय का कथानक भी है
,,	,,	19,6	25 × 13 व 21 × 13	प्रथम सपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	20वी	
विभिन्न तप विधिया	,,	11	26 × 12 × 14 × 40	सपूर्ण	17वी	
पर्व व्रत कथा	प्रा	7	26 × 12 × 13 × 47	,, 155 गा	1802	

1	2	3	3 A	4	5
300	कोलडी 164	मौन एकादशी कथा	Mauna Ekādaśī Kathā	—	मू ट (प ग)
301	,, 167	,,	,,	—	,,
302-3	,, 166,165	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
304	के नाथ 5/37	,,	,,	—	,,
305	महावीर 3 ग्रा 13	,,	,,	—	मू (प.)
306	कुंथुनाथ 9/124	मौन एकादशी व्याख्यान	Mauna Ekādaśī Vyākhyāna	सौभाग्यनदसूरि	पद्य
307	मुनिसुव्रत 4 ग्र 166	,,	,,	,,	,,
308	के नाथ 10/110	,,	,,	रविसागर	,,
309	,, 22/41	,,	,,	सौभाग्यनदि	,,
310	कुंथुनाथ 52/6	,,	,,	,,	,,
311	ग्रोसिया 3 ग्रा 139	,,	,,	,,	,,
312	,, 3 ग्रा 154	,,	,,	रविसागर	,,
313	के नाथ 10/33	,,	,,	दानचद्रगणि	मू ट (प ग)
314	महावीर 3 ग्रा 12	,,	,,	वीरविजय	,,
315	कोलडी 168	,,	,,	—	प
316	ग्रोसिया 3 ग्रा 153	मौन एकादशी व्रत कथा	Mauna Ekādaśī Vrata Kathā	रूपनदगणि शिष्य	ग
317	महावीर 3 ग्रा 14	,,	,,	वीरसागर	,,
318	सेवामदिर 3 ग्रा 173	,,	,,	—	,,
319	महावीर 3 ग्रा 126	,,	,,	—	,,
320	कुंथुनाथ 16/11	,,	,,	—	,,
321	कोलडी 169	,,	,,	(प्राकृतानुसार)	,,
322	कुंथुनाथ 10/153	,,	,,		,,
323	कोलडी 171	,,	,,		,,
324	,, 170	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśī Kathānaka	(प्राकृतानुसार)	,,
325	के नाथ 23/46	,,	,,	(मू सौभाग्यनदि) अमृत वल्लभ	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	प्रा मा	11	27 × 11 × 14 × 44	सपूर्ण 156 गा	1828	
,,	,,	11	26 × 11 × 6 × 50	,, ,, ,,	1845	
,,	,,	12 8	25 से 27 × 13 × भिन्न 2	,, ,, ,,	19वी	
,,	,,	17	26 × 12 × 6 × 30	,, ,,	19वी	
,,	प्रा	6	24 × 12 × 15 × 44	,, ,,	1944	
,,	स	5	25 × 14 × 14 × 33	,, 118 श्लोक	1576	1576 की कृति
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 49	,, ,,	1733, लूणकरणसर, दयासागर	
,,	,,	20	26 × 12 × 5 × 37	,, 200 श्लोक	1829	
,,	,,	5	25 × 14 × 14 × 27	,, 116 ,,	19वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 12 × 38	,, 118 ,,	19वी	
,,	,,	3	24 × 10 × 14 × 57	,, 113 ,,	19वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 19 × 35	,, 201 ,,	19वी	
,,	स मा	31	27 × 13 × 5 × 27	,, 221 ,,	1858	
,,	,,	18	26 × 11 × 4 × 24	,, 109 ,,	19वी राने, गौतमसागर	1774 की कृति
,,	स	3	26 × 11 × 14 × 52	अपूर्ण 109 श्लोक (अन्तिम पन्ना नही)	19वी	
,,	,,	8	26 × 12 × 19 × 45	सपूर्ण	1896, जैसलद्रिपुर, शिवचद्र	1884 की कृति
,,	,,	20	27 × 13 × 6 × 30	,, ग्र 202	20वी	
,,	,,	30	26 × 11 × 15 × 45	,,	1859	
,,	,,	25	25 × 12 × 14 × 35	,,	1875	
,,	,,	4	24 × 13 × 12 × 48	,,	1945	
,,	,,	3	26 × 11 × 11 × 50	,,	19वी	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 40	,,	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 45	,,	19वी	
,,	मा	5	26 × 11 × 12 × 42	,,	1682	
,,	,,	9	28 × 13 × 15 × 47	सपूर्ण (वीचमेनौवापन्नाकम)	1762	

1	2	3	3 A	4	5
326	के नाथ 23/84	मौन एकादशी कथानक	Mauna Ekādaśī Kathānaka	—	ग
327	,, 19/108	,,	,,	—	,,
328-9	श्रोसिया 3 श्रा 140-1	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
330-1	के.नाथ 15/180, 24/19	,, ,,	,, ,,	—	,,
332-3	कुथुनाथ 35/1, 24/9	,, ,,	,, ,,	—	,,
334	के नाथ 23/87	मौन एकादशी क्रिया विधि	,, Kriyāvidhi	रूपविजय	,,
335	कोलडी 948	मौन एकादशी का गुणना	,, kā Gunanā	—	ग मत्र
336	महावीर 3 श्रा 15	,,	,, ,	—	,,
337	,, 3 श्रा 120	,,	,, ,,	—	,,
338-9	कुथुनाथ 4/102, 13/54	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	—	,,
340	के नाथ 24 65	,	,, ,,	—	,,
341-4	कोलडी 418 949 889 419	,, 4 प्रतियाँ	,, ,, 4 copies	—	,,
345	महावीर 3 श्रा 16	,	,, ,,	—	,,
346-7	के नाथ 18/11 20/30	मौन एकादशी स्तवन 2 प्रतिया	,, Stavana	कातिविजय	प
348	कोलडी 307	,,	,, ,,	,,	,,
349	श्रोसिया 3 इ 190	,,	,, ,,	,,	,,
350	कोलडी 1225	यतिदिनचर्या + वृत्ति	Yatidinacaryā + Vṛtti	भावदेवसूरि/मतिसागर	मू वृ (प ग)
351	,, 891	,, —	,, —	भावदेवसूरि	मू ट (प ग)
352	महावीर 3 श्रा 30	,, श्रवचूरि	,, + Avacūri	,,	मू श्र (प ग)
353	के नाथ 13/15	,,	,,	—	प
354	,, 14/52	,,	,,	देवसूरि	ग
355	कोलडी 890	यति (दसविध) धर्म सज्झाय	Yatidharma Sajjhāya	ज्ञानविमल	प
356	,, गु 1/8	यति सज्झाय	Yati Sajjhāya	—	,,
357-8	महावीर 3 श्रा 70 71	योग खमापणा आदेश 2 प्रतिया	Yoga Khamāsanā Ādeśā 2 copies	—	ग
359	,, 3 श्रा 80	योगदिन आदि	Yogadina etc	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	मा.	4	25 × 11 × 15 × 27	सपूर्ण	1811	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 42	,,	1844	ग्रत मे 'स्तवन' समय-सुदर का
,,	,,	5,7	26 × 11 × 15/11 × 38	,,	1869,19वी	
,,	,,	6,7	26 × 11 × 12 × 42	,,	19वी	
,	,,	13,6	26 × 13 व 26 × 12	प्रथम सपूर्ण ग्र 200 द्वितीय अपूर्ण	20वी	
,,	,,	8	23 × 14 × 16 × 36	सपूर्ण	1936	
पर्व व्रत पाठ स्मरण	स	2	26 × 11 × —	सपूर्ण 150	1749	
,,	,,	2	25 × 11 × 13 × 39	,,	1779,शाहजहाबाद,मगलसागर	
,,	,,	3	26 × 11 × —	,,	18वी	
,,	,,	2 3	25 × 12 व 24 × 13	,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 15 × 51	,,	19वी	
,,	,,	3,2,2,2	25 से 27 × 10 से 12	,,	19/20वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 12 × 32	,,	1902, अजमेर रिखीलाल	
पर्वव्रतक्रियाकाकाव्य	मा	5,4	29 × 13 व 25 × 11	सपूर्ण 3 ढाले	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 10 × 30	,, ,,	1879	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 44	,, ,, (27 गा)	19वी	
साधु समाचारी विधि	प्रा स	40	26 × 11 × 15 × 56	सपूर्ण 154 गा	16वी	कालिकसूरि-वम्र ज
,,	प्रा मा	13	26 × 13 × 7 × 39	,, 151 गा	1901	
,,	प्रा स	68	27 × 12 × 8 × 41	,, 154 गा की	1957,राजनगरे	
,,	म	14	28 × 13 × 15 × 41	,, 420 श्लोक ग्र 500	19वी	
,,	ग्र.	7	26 × 11 × 20 × 40	,, 389 पद	19वी	
,,	मा	9	24 × 13 × 13 × 32	,, 10ढाले=154गा	19वी	
,,	,,	9	14 × 11 × 10 × 15	अपूर्ण	19वी	
आवश्यक क्रिया विधि	,,	2,2	28 × 13 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वी	
स्वाध्यायमुहूर्तवविधि	,,	2	26 × 11 × 20 × 48	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
360	महावीर 3 आ 66	योगदूहन विधि	Yogadūhana Vidhi	—	ग
361	,, 3 आ 60	योगप्रवेशादि विधि	Yogapraveśādi Vidhi	—	,,
362	,, 3 आ 69	योग मोटी (बडी) विधि	Yoga Moti Vidhi	—	,,
363	,, 3 आ 76	योग यत्र विधि	Yogayantra Vidhi	—	ग यत्र
364	,, 3 आ 62	,,	,,	—	,,
365	,, 3 आ 77	,,	,,	—	,,
366	,, 3 आ 75	योग विधि	Yoga Vidhi	—	,,
367	,, 3 आ 72	,,	,,	—	,,
368	,, 3 आ 73	,,	,,	—	ग
369	,, 3 आ 58	,,	,,	—	,,
370	,, 3 आ 68	,,	,,	—	ग यत्र
371	,, 3 आ 79	,,	,,	—	ग.
372	,, 3 आ 64	,,	,,	—	,,
373	,, 3 आ 65	योगानुष्ठान विधि	Yogānuṣṭhāna Vidhi	—	,,
374	,, 3 आ 63	,,	,,	—	,,
375	,, 3 आ 34	राइ सथारा भाषादि	Rāisanthā-ā Bhāṣādi	—	,,
376	,, 3 आ 127	रोहिणी (तप) कथा	Rohinī (Tapa) Kathā	—	मू ट.
377	के नाथ 21/32	,, ,,	,, (,,) ,,	कनककुशल	प
378	,, 5/95	,, महात्म्य	,, (Māhātmya) Kathā	—	ग प
379-81	कुंथुनाथ 15-61, 20-11, 4-83	रोहिणी(चौढालियो)तप स्तवन 3 प्रतिया	Rohinī Tapa Stavana 3 copies	मुनि श्रीसार	प
382-6	कोलडी 314-5-7, 928-32	,, तप स्तवन 5 प्रतिया	,, ,, ,, 5 copies	,,	,,
387-8	के नाथ 15/218, 19/112	,, ,, 2 प्रतिया	,, , ,, 2 copies	,,	,,
389	,, 15/191	रोहिणि (वासुपूज्य) स्तवन	Rohinī (Vāsupūjya) Stavana	लक्ष्मीसूरि	,,
390	,, 15/38	,,	,,	भक्तिलाभ का शिष्य	,,
391	कोलडी 1352	,,	,,	दीपविजय	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
स्वाध्याय विधि	मा	15	26 × 11 × 13 × 34	प्रतिपूर्ण	1635 × ठाकरसी	
धार्मिकक्रियाविधिया	,,	16	28 × 12 × 15 × 31	,,	1916, पालिप्त नगरे,	
,,	,,	48	25 × 11 × 12 × 50	,,	19वी	
अगोपाङ्ग अध्ययन विधान	प्रा मा	5	26 × 11 × 14 × 43	,,	16वी	
,, ,, + तप	मा	7	25 × 12 × 10 × 37	,,	1890, पाटण भक्ति विलास	
अध्ययन विधि तालिकायें	,,	3	26 × 11—	,,	19वी	
धार्मिक स्वाध्याय विधि विधान	,,	5	26 × 11—	,,	16वी × कुल-तिलक	
,, ,,	,,	9	26 × 11 × 14 × 55	,,	1658	
,, ,,	,,	7	26 × 11 × 19 × 56	,,	1705 सिद्धपुर कल्याणसागर	
,, ,,	,,	16	26 × 12 × 14 × 37	,,	18वी	
,, ,,	प्रा	12	25 × 11 × 15 × 47	,,	18वी	
तपआदिविधिविधान	मा	3	26 × 11 × 16 × 58	,,	18वी	
स्वाध्याय धार्मिक क्रिया विधि	,,	44	27 × 13 × 12 × 42	,,	20वी	
,, ,,	,,	12	26 × 11 × 13 × 49	,,	16वी × इन्द्र-विजय	
,, ,,	,,	29	25 × 11 × 12 × 47	,,	18वी	
पौषध शमन विधि	,,	5	24 × 12 × 12 × 33	,,	1858	
तप व्रत कथा	प्रा + मा	9	25 × 12 × 6 × 28	सपूर्ण	1901, रगोज-नगर, रग सक्त	
,,	स	6	26 × 11 × 14 × 45	,, 202 श्लोक	1657	(अशोकचद्रनृपकथा)
,,	मा	5	26 × 12 × 16 × 35	सपूर्ण	1826	
तप व्रत विधि काव्य	,,	2,4,3	25 से 26 × 8 से 12	,, 4 ढाल + कलश =26गाथा,23गा	1862, 19वी	
,, ,,	,,	2,4,4,3,2	22 से 26 × 11 से 12	,, 26 गा	19वी	
,, ,,	,,	2,5	24 × 12 व 18 × 12	,, ,,	19वी	
,, ,,	,,	2	25 × 12 × 11 × 32	,,	1883	
,, ,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 35	,, 24 गा	19वी	
,, ,,	,,	4	25 × 12 × 11 × 28	,, छ ढाल	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
392	महावीर 3 अ 108	रोहिण्यादि तप विचार	Rohınyādı Tapa Vıcāra	—	ग
393	,, 3 अ 31	विधिपक्ष समाचारी	Vıdhıpakṣa Samācārī	—	,,
394	,, 3 अ 35	विधिप्रभा	Vıdhıprapā	जिनप्रभ	,,
395	कोलडी 1177	विधि सग्रह	Vıdhı Sangraha	—	,,
396-7	कुथुनाथ 14/41-42	विधि स्फुट लघु ग्रथ दो प्रतिया	Vıdhısphuta Lagu Grantha 2 copıes.	—	,,
398	के नाथ 6/34	वृद्ध स्नात्र विधि	Vrdha Snātra Vıdhı	—	,,
399	ओसिया 3 इ 229	शाति और अष्टोत्तरी स्नात्र	Śāntı & Aṣtottarī Snātra	—	,,
400	कुथुनाथ 13/217	शाति स्नात्र पूजा विधान	Śāntı Snātra Pūjā Vıdhāna	—	ग मत्र
401	महावीर 3 अ 44	शाति स्नात्र विधि	,, ,, Vıdhı	—	ग
402	ओसिया 3 अ 156	शुक्ल पचमी माहात्म्य स्तवन	Śuklapañcamī Māhātmya Stavana	गुणविजय (कुवरविजै शिष्य)	प
403	,, 3 अ 37	श्रमणोपासक विश्रामस्थान	Śramanopāsaka Viśrāmasthāna		ग
404	कुथुनाथ 3/61	श्रावक आलोचना	Śrāvaka Ālocanā		प ग
405	के नाथ 20/51	श्रावक आवश्यक विधि	Śrāvaka Āvaśyaka Vıdhı		ग
406-10	,, 6/46, 11/60 17/1,23/14, 20/47	श्रावक विधि प्रकाश 5 प्रतिया	Śrāvaka Vıdhı Prakāśa 5 copıes	क्षमाकल्याण	,,
411	ओसिया 2/247	,,	,, ,,	—	,,
412	मेवामदिर 3 अ 62	षडावश्यक विधि	Ṣadāvaśyaka Vıdhı	—	,,
413	महावीर 3 अ 78	सज्झाय पढावणादि विधि	Sajjhāya Padhāvanādı Vıdhı	—	,,
414	कुथुनाथ 37/18	सनाथा विधि	Sanātha Vıdhı	—	,,
415	महावीर 3 अ 88	सम्यक्त्व उच्चारणादि विधि	Samyaktva Uccāranādı Vıdhı	—	,,
416	मेवामदिर 3 अ 177	सर्व तप विधि	Sarva Tapa Vıdhı	—	,,
417 8	महावीर 3 अ 90 95	सघपति मालारोपण 2 प्रतिया	Sanghapatı Mālāropana 2 copıes	—	,,
419	,, 3 अ 26	साधु विधि प्रकाशादि	Sādhu Vıdhı Prakaśādı	—	,,
420	,, 3 अ 27	,,	,,	(मूल क्षमाकल्याण) –	,,
421	ओसिया 3 अ 130	साधु श्राद्ध आलोचना	Sādhu Śrāddha Ālocanā	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तप व धार्मिक क्रिया विधि	स	13	27 × 11 × 21 × 70	मपूर्ण	16वी	
साधु दिनचर्या नियम	,,	5	27 × 11 × 22 × 75	,, ग्र 395	1525,,श्रीपत्त-नगर,,जयरत्न	
जैन धार्मिक विधि शास्त्र	प्रा	162	25 × 11 × 11 × 47	,, ग्र 3574	1962,जोधपुर शेरमल	लिपिक ने ग्र 4672 लिखे हैं
धार्मिक विधिया	मा	66	26 × 12 × 14 × 52	प्रतिपूर्ण	19वी	
अष्टोत्तरी स्नात्र, माडला	,,	1,1	26 × 11 व 24 × 11	,,	19वी	
पूजा धार्मिक क्रिया विधि	,,	9	26 × 11 × 15 × 55	,,	19वी	
,, ,,	,,	16	26 × 13 × 12 × 28	,,	1969,जोधपुर फाउलाल	
,, ,,	मा स	17	26 × 11 × 10 × 40	,,	19वी	
,, ,,	मा	16	27 × 12 × 10 × 29	,,	20वी	
पर्व विधि माहात्म्य काव्य	,,	5	26 × 11 × 10 × 31	सपूर्ण 5 ढालें	19वी	
श्रावकाचार विधि	,,	2	26 × 11 × 18 × 55	प्रतिपूर्ण	18वी	
अतिचार प्रायश्चित परिमाण	प्रा स मा	4	27 × 11 × 16 × 33	सपूर्ण	17वी	
प्रतिक्रमणकीविधिया	मा	4	23 × 11 × 17 × 43	,,	1825	
श्रावकावश्यक की ,,	,,	13,7,9 19,11	24 से 30 × 12 से 15	4 = सपूर्ण, अतिम अपूर्ण	19/20वी	
,, ,,	,,	17	26 × 12 × 13 × 35	सपूर्ण	1927	
आवश्यक क्रिया विधि	,,	4	26 × 12 × 8 × 34	प्रतिपूर्ण	20वी बीकानेर दीपविजय	
धार्मिक ,, ,,	,,	2	26 × 11 × 10 × 39	,,	20वी	
जिन जन्मोत्सव विधि वर्णन	अ	2	26 × 11 × 14 × 60	,,	19वी	
धार्मिक क्रिया विधि	मा	4	26 × 11 × 16 × 49	सपूर्ण	19वी	
62 प्रकार के तपो की	,,	3	26 × 11 × 15 × 72	,,	18वी × सावल-दास	
धार्मिकक्रियाउपधान	,,	4,2	26 × 12 व 25 × 11	,,	20वी	
साधु आवश्यकादि	स	16	28 × 12 × 14 × 46	,,	20वी	
,,	मा	39	26 × 12 × 10 × 30	,,	1896 नागौर चरित्रसागर	
प्रायश्चित परिमाण विचार	,,	1	42 × 11 × 23 × 68	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
422-3	महावीर 3 आ 28/29	साधु श्रावक विधि प्रकाश 2 प्रतिया	Sādhu Śrāvaka Vidhi Prakāśa 2 copies		ग.
424	,, 3 आ 24	साधु समाचारी	Sādhu Samācārī	हरिप्रभसूरि	,,
425	के नाथ 21/47	सामायिक के वोल व अतिचार	Sāmāyika ke Bola & Aticāra	—	,,
426	,, 6/50	सामायिक ग्रहण विधान	Sāmāyika Grahana Vidhāna	शिवनिधान	,,
427	,, 26/29	सामायिक प्रतिक्रमणादि विधि	Sāmāyika Pratikramanādi Vidhi	—	,,
428	,, 5/51	,, (पचाङ्गी) विचार	,, Pañcāngī Vicāra	—	,,
429	,, 16/38	सामायिक विधि	,, Vidhi	—	,,
430	,, गुटका 1	सामायिकादि दोष स्तवन	,, Doṣa Stavana etc	आनदनिधान	प
431-2	कोलडी 411-12	सिद्धचक्र गुणना दो प्रतिया	Siddhacakra Gunanā 2 copies	—	ग मत्र
433	कुथुनाथ 17/8	सिद्धान्त विधि	Siddhanta Vidhi	—	ग.
434	के नाथ 22/16	सौभाग्य (ज्ञान) पचमी कथा	Saubhāgya Pañcamī Kathā	कनककुशल	प
435	, 11/39	,,	,,	,,	,
436	महावीर 3 आ 9	,,	,,	,,	,,
437	कोलडी 202	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
438	के नाथ 15/161	,,	,,	,,	पद्य
439	,, 10/34	,,	,	,,	मू ट (प ग)
440	कुथुनाथ 4/86	,,	,,	,,	पद्य
441	कोलडी 201	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
442	महावीर 3 आ 10	,,	,,	,,	पद्य
443	सेवामदिर 3 आ 173	सौभाग्य पचमी व्याख्यान	Saubhāgya Pañcamī Vyākhyāna	—	ग
444	ओसिया 3 आ 136	,, ,,	,, ,,	—	,,
445-6	कोलडी 197-203	,, ,, 2 प्रतिया	, ,, 2 copies	—	,,
447	के नाथ 23/74	, कथानक	,, Kathānaka	—	,,
448	, 15/17	,, देववदन विधि	,, Devavandana Vidhi	—	,,
449-50	कोलडी 407-8	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	विजयलक्ष्मी मुनि	प ग.

6	7	8	8 A	9	10	11
आवश्यक धार्मिक विधि	सं मा.	65,31	26 × 13 व 25 × 12	सपूर्ण	20वी	
साधु दैनिकचर्या नियम	स	10	29 × 14 × 15 ×	422 पद सपूर्ण	20वी	
विश्लेषण व दृष्टात	मा.	18	27 × 11 × 14 × 39	सपूर्ण	20वी	
श्रावकावश्यक विधि	,,	11	26 × 11 × 17 × 52	,, 16 विधिया	20वी	
धार्मिक ,, ,,	,,	4	26 × 13 × 14 × 40	अपूर्ण	20वी	
आवश्यक विधि	,,	3	25 × 12 × 11 × 33	सपूर्ण	1891	
,,	,	2	26 × 13 × 12 × 41	,,	20वी	
आवश्यक विधि विधान	,,	5*	22 × 19 × 22 × 32	सपूर्ण 5 स्तवन कुल 120 गा	1814	
पूजा पाठ जप नाम स्मरण	स	6,6	27 × 12 × 12/13 × 38	सपूर्ण	19वी	
आगम उद्धरणो से निर्णय	प्रा मा	21	26 × 10 × 13 × 48	अपूर्ण	16वी	
पर्व व्रत कथा	स	7	26 × 12 × 12 × 37	सपूर्ण 152 श्लोक	1655	वरदत्त गुणमजरी कथा
,,	,,	5	25 × 10 × 13 × 32	अपूर्ण 45 से 152 श्लोक	1709	प्रथम द पत्रे कम
,,	,,	6	26 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 148 श्लोक	18वी	
,,	स मा	11	26 × 12 × 7 × 38	,, 144 ,,	1829	
,,	स	5	25 × 12 × 15 × 40	,, 152 ,,	1838	
,,	स मा	17	27 × 12 × 10 × 35	,, 146 ,,	1858	
,,	स	14	25 × 13 × 7 × 30	,, 152 ,,	19वी	
,,	स मा	18	25 × 12 × 8 × 44	,, 145 ,,	19वी	
,,	स.	6	26 × 12 × 14 × 44	,, 152 ,,	1944 जोधपुर देवकृष्ण	
,,	,,	30*	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	1859	
,,	,,	2	26 × 12 × 19 × 46	,,	1893	
,,	,,	4,4	24 × 11 व 25 × 10	,,	19वी	
,,	मा	6	23 × 10 × 11 × 31	,,	19वी	
पर्व क्रिया चैत्यवदन	,,	8	27 × 12 × 13 × 45	,,	19वी	
,, सज्झाय ,, आदि	,,	7,16	26 × 11 व 25 × 12	प्रथम सपूर्ण, दूसरी अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
451	मुनिसुव्रत 3 इ 280	सौभाग्य पचमी स्तवन	Saubhāgya Pañcamī Stavana	समयसुदर	प
452	के नाथ 20/46	,,	,,	,,	,,
453	कोलडी 360	,,	,,	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	,,
454	ओसिया 2/152	स्नात्र आदि विधियाँ	Snātrādı Vıdhıyān	—	प ग
455	के नाथ 6/115	स्नात्र महोत्सव विधि	Snātra Mahotsava Vıdhı	नयविमल	प
456	कोलडी 962	स्नात्र विधि	Snātra Vıdhı	—	मू व्याख्या
457	,, 405	,,	,,	नगविजय	ग प
458-9	के नाथ 15/217 17/53	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	ग
460	,, 23/54	,	,,	—	ग प
461	कोलडी 354	स्नात्र विधि व कलश पूजा	,, +Kalaśa Pūjā	—	,,
462	के नाथ 20/21	होली कथा	Holī Kathā	फतेन्द्रसूरि	प
463-4	कोलडी 178,453	,, 2 प्रतियाँ	,, 2 copies	,,	,
465	के नाथ 6'60	होली पर्व कथा	Holī Parva Kathā	पुण्यराज	,,
466	कोलडी 945	,,	,,	,,	,,
467	कुथुनाथ 20/13	होली रज पर्व कथा	Holī Rajaparva Kathā	जिनसुदर	,,
468	,, 9/18	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
469	मुनिसुव्रत 3 आ 164	,,	,,	,,	,,
470-1	कोलडी 201,196	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
472	मुनिसुव्रत 3 आ 163	होली रज पर्व कल्प	,, Kalpa	अज्ञात	मू ट (प ग)
473	ओसिया 3 आ 159	,,	, ,,	,,	प
474	महावीर 3 आ 22	,,	,, ,,	,,	,,
475	कुथुनाथ 52/26	,,	,, ,,	,,	,,
476	के नाथ 21/37	,,	,, ,,	,,	मू ट (प ग)
477	कोलडी 177	होली रज पर्व व्याख्यान	,, Vyākhyāna	क्षमाकल्याण	ग
478	महावीर 3 आ 21	,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व विधि काव्य	मा	2	20 × 10 × 10 × 28	सपूर्ण 20 गा	18वी	
,,	,,	3	26 × 13 × 12 × 26	,, ,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 10 × 9 × 28	,, 3 ढाले	19वी	
विविध क्रियाये	प्रा स मा	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण चौथा पर्व (10 पन्ने +23 गा)	16वी	
भक्ति क्रिया	मा	5	24 × 10 × 15 × 45	सपूर्ण	1266	
मेरु जन्माभिषेक	स	2	27 × 11 × 13 × 55	,, 4 श्लोक	19वी	
जिनभक्तिक्रियाविधि	मा	5	24 × 12 × 13 × 44	सपूर्ण	1833	
,,	,,	3,4	26 × 11 × 13 × 38	,,	19वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 13 × 24	,, पूजा	1933	(देवचदजी से अन्य)
,,	,,	9	26 × 13 × 15 × 40	,, ,,	19वी	
पर्व व्रत कथा	स	7	26 × 11 × 16 × 42	सपूर्ण 139 श्लोक	1824	
,,	,,	11,5	25 × 11 व 24 × 13	,, 138-9 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 44	,, 34 श्लोक	19वी	
,,	,,	10*	26 × 11 × 14 × 40	,, 33 ,,	19वी	
,,	,,	2	22 × 11 × 14 × 50	,, 51 ,,	19वी	
,,	स मा	5	27 × 13 × 6 × 37	,, 50 ,,	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 6 × 33	,, 51 ,,	19वी	
,,	,,	18*8*	25 × 12 व 26 × 10	,, 51/49 श्लोक	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 7 × 42	सपूर्ण 69 श्लोक	1828 × ईश्वर	
,,	म	2	25 × 11 × 14 × 47	,, ,,	1832	
,,	,,	3	28 × 13 × 12 × 44	,, ,,	19वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 14 × 36	,, 64 ,,	19वी	
,,	स.मा	9	26 × 14 × 5 × 28	,, 64 ,,	19वी	
,,	स	2	24 × 13 × 13 × 44	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	26 × 13 × 17 × 45	,,	19वीं, अहमदाबाद	

1	2	3	3 A	4	5
479	सेवामदिर 3 आ 173	होली रज पर्व व्याख्यान	Holī Rajaparva Vyākhyāna	—	ग
480	महावीर 3 आ 126	,,	,,	—	,,
481	महावीर 3 आ 1	,,	,,	—	,,
482	के नाथ 24/58	होली व्रत कथा	Holī Vrata Kathā	विनयचद	प

भाग/विभाग 3 (आ)-जैन भक्ति व क्रिया-

1	मुनिसुव्रत 3 इ 257	अजित शाति स्तव+वृत्ति	Ajıta Śāntı Stava+Vrttı	नदीषेण/कर्मसागर	मू वृ (प ग)
2	कुथुनाथ 10/173	अजित शाति स्तव	,,	नदीषेण	मू (प)
3	के नाथ 6/123	,,	,,	,,	,,
4	कुथुनाथ 15/6	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
5	कोलडी 461	,,	,,	,,	,,
6	सेवामदिर 3 इ 337	,, +वा	, +Bālā	,,/—	मू वा (प ग)
7-10	कुथुनाथ 14-4, 1, 8-10, 37-5 14-12	,, 4 प्रतिया	,, 4 copıes	नदीषेण	मू (प)
11-2	के नाथ 6/127 11/87	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	,,	,,
13	कोलडी 1338	,,	,,	,,	,,
14	सेवामदिर 3 इ 365	,,	,,	,,	,,
15	के नाथ 15/68	अजित शाति स्तवन (मगल कमला)	Ajıta Śāntı Stavana	मेरुनदन	प
16	कोलडी 530	अर्हन् सहस्र नाम समुच्चय	Arhan Sahasra Nāma Samuccaya	समतभद्र के शिष्य	,,
17	के नाथ 14/116	,,	,, ,,	,,	,,
18	,, 14/134	अल्प-वहुत्वादि स्तवन सग्रह	Alpa-Bahutvādı Stavana Sangraha	साधुकीर्ति	,,
19	26/85 गु	अष्टक सग्रह	Aṣṭaka Sangraha	सकलन	,,
20	कोलडी 1222	अष्टप्रकारी पूजा	Aṣṭaprakārī Pūjā	—	,,
21-4	के.नाथ 24/69, 14/114, 19/128, 9/22	,, 4 प्रतिया	,, 4 copıes	देवचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पर्व व्रत कथा	स	30*	26×11×15×45	सपूर्ण	1859	
,,	,,	25*	25×12×14×35	,,	1875	
,,	,,	11*	25×12×14×45	,,	1944	
,,	मा	2	25×11×18×45	,,	19वी	

स्तुति स्तोत्र स्तवनादि भक्ति साहित्य —

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	प्रा.स	25	27×12×11×27	सपूर्ण 40 गा	16वी	उपकेशगच्छ देव-कुमार का शिष्य
,,	प्रा	3	26×11×12×40	,, 45 ,,	16वी	
,,	,,	5	25×11×7×35	,, 44 ,,	1696	
,,	प्रा मा	5	25×11×8×46	,, 42 ,,	1770	
,,	,,	7	26×11×5×40	,, 40 ,,	1851	
,,	,,	17	25×11×5×35	,, 42 ,,	1884, जैसलमेर ज्ञानधर्म	ग्रत मे 5 गाथा उप-सहार ग्रौर
,,	प्रा	4,4,7,3	23 से 26×10 से 11	तीन सपूर्ण 43/44 गा ग्रतिम ग्रपूर्ण	19वी	
,,	,,	4,3	24×11×13×30/38	सपूर्ण 39 गा	19वी	
,,	,,	5	26×11×10×33	,, 40 गा	19वी	
,,	,,	9	25×11×11×32	सपूर्ण	19वी × सिद्धि-सागर	साथमेसामान्यस्तोत्र 4
,,	ग्र.	2*	26×11×14×43	,, 31 गा	18वी	
जिन स्तुति	स.	4	31×13×15×48	सपूर्ण 10 प्रकाश	19वी	
,,	,,	2	25×11×19×64	,, ,,	19वी	
भक्ति काव्य	मा	5	26×11×13×48	,, 3 स्तवन	19वी	
,, (दिगबर)	स	111*	12×11×9×13	,, 7 ग्रष्टक (56 श्लोक)	19वी	मगलाष्ट(1), सिद्ध(1), नदीश्वर(4) दसल (1)
जिन भक्ति (द्रव्य + भाव) काव्य	मा	4	22×11×15×44	,,	1775	
,, ,,	,,	4,2,12,4	21 से 26×9 से 12	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
25	के नाथ 21/39	अष्टप्रकारी पूजा	Aṣṭaprakārī Pūjā	वीरविजय	प.
26	„ 19/98	„	„	देव. (विनीतविजय शिष्य)	„
27	कोलडी 355	„	„	देवचद	„
28	„ 919	„	„	अज्ञात	„
29	कुथुनाथ 43/1	अष्टप्रकारी पूजा कथानक व विवेचन	„ Kathānaka	—	„
30	मुनिसुव्रत 3 इ 256	अष्टप्रकारी पूजा रास	„ Pūjā Rāsa	उदयरत्न	„
31	के नाथ 15/148	„	„ „	„	„
32	कोलडी 340	अष्टमी मौन एकादशी स्तवन	Aṣṭamī Mauna-ekādaśī Stavana	कीर्तिविजय	„
33	ओसिया 3 इ 188	अष्टोत्तरी जिन पूजा स्तवन	Aṣṭottarī Jina Pūjā Stavana	नयविमल	„
34	महावीर 3 इ 163	आत्मनिन्दा अष्टक	Ātmanindā Astaka	—	पद्य
35	के नाथ 15/32	आत्मानुशासनादि स्तवन	Ātmānuśāsanādi Stavana	उदयकीर्ति/लावण्यकीर्ति	„
36	कोलडी 327	आध्यात्मिक पद बहोत्तरी	Ādhyātmika Pada Bahottarī	आनदघन	प
37	„ गु 7/7	आध्यात्मिक पद सग्रह	„ „ Sangraha	आनदघन,ज्ञान,राजमुनि आ	„
38	„ 326	आध्यात्मिक स्तवन	„ „ Stavana	हरखचद	„
39	के नाथ 14/85	आनन्दघन पद	Ānandaghana Pada	आनदघन	„
40	„ 15/135	इक्कीसप्रकारी पूजा	Ikkīsaprakārī Pūjā	उ सकलचद	„
41	कोलडी गु 9/9	(साधु वन्दना) इसामुनिवदउ प्रार्थना	(Sādhu Vandanā) Isāmuni Vandau	धर्मरत्न (कल्याणधीर का शिष्य)	„
42	„ 1332	उज्जैन मडन पार्श्व स्तवन	Ujjaina Mandana Pārśva Stavana	हेमविमल शिष्य	„
43	महावीर 3 इ 105	उवसग्गहरस्तोत्र+वृत्ति	Uvasaggahara Stotra	भद्रबाहु/पार्श्वदेव	मू वृ (प ग.)
44	„ 3 इ 104	„ + „	„	„ / — „	„
45	„ 3 इ 355	„ विधि सह	„	भद्रबाहु	प ग
46	ओसिया 2/152	उसरणे जिणपुर स्तोत्र ?	Usarne Jinapura Stotra	जिनदत्तसूरि	प
47	के नाथ 26/103	ऋषभ+जिनेन्द्र स्तोत्र	Rṣabha+Jinendra Stotra	—	„
48	महावीर 3 इ 355	ऋषभ+वीर स्तुति	Rṣabha+Vīra Stuti	अज्ञात	„
49	के नाथ 10/71	ऋषभ(पहिलउपणमिय)स्तवन	Rṣabha Stavana	विजयतिलक	मू (प.)

6	7	8	8 A	9	10	11
जिन भक्ति(द्रव्य + भाव) काव्य	मा	7	27 × 12 × 13 × 41	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	6	27 × 13 × 13 × 28	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	29 × 12 × 12 × 40	,,	19वी	
,, ,,	,,	3	23 × 11 × 12 × 42	,,	1914	
पूजा मीमासा वदृष्टात	प्रा	15	29 × 12 × 17 × 60	अपूर्ण (चौथी से अत तक)	19वी	पन्ने सख्या 9 से 23 अत
दृष्टान्त कथानक	मा	50	25 × 11 × 18 × 40	सपूर्ण 78 ढाले	18वी जोधपुर	1755 की कृति
,,	,,	90	27 × 11 × 13 × 53	,,	1821	
भक्ति पर्व तिथि	,,	5	26 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण	19वी	
भक्ति काव्य	,,	3	25 × 11 × 15 × 50	,, 81 गा	1849 पाटण कुशालचद	
,, स्वाध्याय	स	4	28 × 14 × 17 × 47	सपूर्ण 10 श्लोक	19वी	
भक्ति गीत	मा	3	25 × 11 × 11 × 31	,, 3 स्तवन	19वी	
भक्तिमय पद	,,	10	27 × 12 × 16 × 48	,, 78 पद	19वी	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	प्रतिपूर्ण	19वी	अत मे 34 छदो की रागमाला
,,	,,	7	24 × 10 × 11 × 34	सपूर्ण 22 स्तवन छद	1869	
,,	,,	4	28 × 13 × 15 × 45	अपूर्ण 4 पद मात्र	19वी	
जिन भक्ति काव्य	,,	8	28 × 13 × 11 × 30	सपूर्ण	1926	
साधु भक्ति काव्य	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 69 छद	17वी	
जिन भक्ति गीत	,,	6	26 × 11 × 17 × 42	,, 84 गा	19वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स	7	27 × 13 × 14 × 41	सपूर्ण ग्र 230	19वी	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 42	अपूर्ण पाचवी गाथा तक ही	19वी	
स्तोत्र जाप विधि सह	प्रा मा	1	25 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण 11 गा	20वी	
भक्ति स्तोत्र	प्रा	123	26 × 12 × 11 × 40	,, 13 गा	16वी	
भक्ति काव्य	स	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 2 स्तवन 28 श्लोक	18वी	
,,	स प्रा	1	21 × 12 × 8 × 24	,, 4-4 श्लोक की दो	20वी	
शत्रुजय ऋषभ भक्ति	प्रा	2	28 × 12 × 16 × 58	सपूर्ण 29 गा	15वी	

1	2	3	3 A	4	5
50	के नाथ 24/22	ऋषभस्तवन	Rṣabha Stavana	विजयतिलक	मू (प)
51	महावीर 3 इ 17	,, +वा.	,, +Bālā	,,	मू वा (प ग)
52	के नाथ 11/77	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	,,	मू अ. (,,)
53	,, 23/11	,, + ,,	,, + ,,	,,	मू अ (,,)
54	,, 6/33	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,,	मू वृ (प ग)
55	,, 15/108	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	,,	मू अ (,,)
56	कोलडी 333	,, ,, —	,, —	,,	मू (प)
57	के नाथ 11/62	ऋषभस्तव सावचूरि	Rṣabha Stava + ,,	धनपाल	मू.अ (प ग)
58	,, गु 1	ऋषभस्तवन	Rṣabha Stavana	कमलहर्ष	प
59	,, 19/59	ऋषभ (आलोयणा) स्तवन	Rṣabha Āloyanā Stavana	समयसुदर, राजसमुद्र	,,
60	मुनिसुव्रत 3 इ 289	ऋषभस्तवन	Rsabha Stavana	वाचककमल	,,
61	सेवामदिर 3 इ 345	,,	,,	यशोविजय	मू ट (प ग)
62-3	के नाथ 15/29, 14/58	ऋषभ (वृहद्) स्तवन 2 प्रतिया	Rsabha Stavana 2 copies	समयसुदर	प
64	मुनिसुव्रत 3 इ 305	ऋषभ (विनती) स्तवन	Rṣabha Stavana	—	,,
65	सेवामदिर 3 इ 350	ऋषभ (शत्रुजय मडन) स्तोत्र	Rṣabha Stotra	—	,,
66	के नाथ 11/44	ऋषभादि जिन स्तवनानि	Rṣabhādi Jina Stavanāni	सोमसुन्दर	मू अ (प ग)
67	,, गुटका 1	ऋषि-बत्तीसी	Rsi Battisī	जिनहर्ष	प
68	,, 26/100	,,	,,	,,	,,
69	कोलडी 477	ऋषि मडल स्तोत्र	Rṣi Mandala Stotra	—	,,
70-1	सेवामदिर 3 इ 367-8	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
72-3	कोलडी 1107, 934	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
74-77	के नाथ 22/40, 6 111 21/8, 6/110	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	—	,,
78-80	कुथुनाथ 13/40, 20/21, 26/8	ऋषि मण्डल स्तोत्र 3 प्रतियां	Rṣi Mandala Stotra 3copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
शत्रुजय ऋषभ भक्ति	प्रा	3	25×11×8×33	सपूर्ण 21 गा.	15वी	
,,	प्रा मा	14	25×11×13×48	,, ,,	16वी	
,,	प्रा स	2	25×11×10×44	,, ,,	16वी	
,,	,,	3	26×12×5×51	,, 29 गा	1687	
,,	,,	6	26×11×13×36	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	25×11×17×55	,, 29 गा	19वी	
,,	प्रा	3	22×12×11×34	,, 21 गा	19वी	
ऋषभ भक्ति काव्य	प्रा.स	3	26×11×7×40	,, 50 गा	1554	
भक्ति काव्य	मा	2	22×19×22×32	,, 53 गा	1814	
,,	,,	3	26×13×17×36	सपूर्ण दो स्तवन 30+27 गा	18वी	
,,	,,	2	24×10×14×51	सपूर्ण 2 ढालें (32 गा)	18वी	अत मे 2 लघ पद पार्श्व ऋषभ के
,,	स मा	1	26×15×5×36	,, 6 श्लोक	1904	
,,	मा	2,4	25×11×11/9×35	,, 31 गा	19वी	
भक्ति जन्मोत्सव का	,,	4	24×11×11×24	,, 53 गा.	19वी	
भक्ति काव्य	स.	3	10×6×7×16	सपूर्ण 13 श्लोक	18वी	
,,	प्रा स	8	26×11×11×40	सपूर्ण 19 स्तवन	16वी	अत के 9 स्तवन बहुव्रीही सामासिक
जिनमुनि भक्ति गीत	मा	2	22×19×22×32	सपूर्ण 32 गा	1814	
,,	,,	2	25×11×12×32	,, ,,	20वी	
भक्तिमय प्रार्थना	स	3	27×11×11×30	सपूर्ण 65 श्लोक	18वी	गौतम रचित ऐसी आम्नाय
,,	,,	2,2	24×11 व 25×12	,, 82 ,,	19वी	दूसरा फटा हुआ है
,,	,,	2,3	27/24×13/11×13×44	,, 63 ,,	1897	
,,	,,	4,9*, 7,2	24 से 26×10 से 13	,, 64/से 103 श्लोक	19वी	
,,	,,	3,3,3	25 से 26×11 से 12	सपूर्ण 91,107,67 श्लोक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
81-6	महावीर 3 इ 53, 84-8,162,82,81	ऋषि मण्डल स्तोत्र 6 प्रतियां	Rṣı Mandala Stotra 6 copies	—	प
87	,, 3 इ 89	,,	,,	—	मू ट (प ग)
88	कोलडी 1328	,,	,,	—	,,
89	सेवामदिर 3 इ 340	,,	,,	—	,,
90	कुथुनाथ गु 36/1 क्र 9	एकीभाव-स्तवन	Ekībhāva Stavana	वादिराज	प
91	के नाथ 19/120	कल्याणक-चौवीसी	Kalyānaka Cauvīsī	महानद (सोमचद शिष्य)	,,
92	कोलडी 1337	कल्याणमदिर-स्तोत्र	Kalyāna Mandıra Stotra	कुमुदचद्र	,,
93	कुथुनाथ 23/3	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
94	के नाथ 22/65	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,,/गुणरत्न	मू वृ (प ग)
95	,, 14/20	,,	,,	कुमुदचद्र	प
96	कोलडी 478	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
97	,, 481	,,	,,	,,	,,
98	के नाथ 21/17	,,	,,	,,	प
99	कुथुनाथ 15/21	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	कुमुदचद्र/—	मू वृ (प ग)
100	के नाथ 5/15	,,	,,	कुमुदचद्र	मू ट (प ग)
101	सेवामदिर 3 इ 336	,,	,,	,,	,,
102	के नाथ 21/77	,, +बा	,, +Bālā.	,,	मू बा (प ग)
103	सेवामदिर 3 इ 334	,, +बा	,, +Bālā	,,/महिमासुदर	,,
104	,, 3 इ 33[illegible]	,,	,,	कुमुदचद्र	मू ट (प ग)
105	,, 3 इ 373	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,,/हर्षकीर्ति	मू वृ (प ग)
106	कोलडी 479	,,	,,	,, —	मू ट (प ग)
107-8	कुथुनाथ 15/7, 19/6	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	प
109-15	के नाथ 5/28 10/88 11/91 15/197 21/66 21/80, 26-32	,, 7 प्रतिया	,, 7 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्तिमय प्रार्थना	स	6,3,2,4 6,17	24 से 28 × 11 से 13	सपूर्ण श्लोक सख्या भिन्न 93	19/20वी	अतिम 2 मे पाठ व साधना विधि भी है
,,	स मा.	7	25 × 13 × 5 × 33	,, 84 श्लोक	19वी	
,,	,,	14	30 × 13 × 3 × 27	,, 81 ,,	1904	
,,	,,	9	26 × 12 × 4 × 26	,, ,, ,,	1964	
,,	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 26 श्लोक	1544	
तीर्थकर भक्ति	मा	9	26 × 11 × 14 × 39	,, 24स्तवन+कलश	19वी	
भक्ति स्तोत्र (पार्श्व)	म	3	25 × 10 × 11 × 44	सपूर्ण 44 श्लोक	16वी	
,,	स मा	7	26 × 11 × 5 × 54	,, ,,	16वी	
,,	स	7	26 × 11 × 5 × 37	,, ,,	1663	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 35	,, ,,	1697	
,,	स मा.	9	24 × 12 × 6 × 33	,, ,,	1702	
,,	,,	8	25 × 12 × 5 × 34	,, ,,	1718	
,,	स.	9	24 × 11 × 7 × 21	,, ,,	1727	
,,	,,	10	26 × 10 × 4 × 60	,, ,,	1756	
,,	स मा	6	26 × 11 × 5 × 46	,, ,,	1766	
,,	,,	8	25 × 11 × 6 × 31	,, ,,	1802	
,,	,,	18	24 × 11 × 12 × 36	,, 44 श्लोक का	1809	
,,	,,	42	26 × 11 × 12 × 25	,, ,,	1816, उदेपुर राजसुदर	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 36	41 श्लोक तक अतिम पन्ना कम	1818	कथा सह
,,	स	12	26 × 12 × 18 × 64	सपूर्ण	1829, विक्रमपुर	
,,	स मा	9	26 × 11 × 4 × 38	,, 44 श्लोक	1846	
,,	स	5,7	26 × 11/12 × भिन्न 2	पहिली पूर्ण, दूसरी 20 श्लोक	19वी	
,,	,,	5,5,3, 2,4,4	21 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
116	के नाथ 23-18	कल्याणमंदिर स्तोत्र	Kalyāna Mandira Stotra	कुमुदचन्द्र	मू ट (प ग)
117	कोलडी 1227	,,	,,	,,	प
118-9	मेवामदिर 3 इ 335-32	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,	,,
120	कोलडी 1152	, +वृ	,, +Vṛtti	,,	मू वृ (प ग,)
121	ओसिया 3 इ 175	,, +वृ	,, +Vṛtti	,, /हर्षकीर्ति	,,
122	के नाथ 6/43	,, +वृ	,, +Vṛtti	,, —	,,
123	ओसिया 3 इ 183	,, +बा	,, +Bā ā	,,	मू बा (प ग)
124	महावीर 3 इ 80	,, कल्प	,, Kalpa	,, /बनारसीदास	मू अनुवाद(पद्य मे) ट मत्र मह येवन मत्र
125	,, 3 इ 78	,, ,,	, ,	,, ,,	
126	के नाथ 18/61	कल्याणमदिर-भाषा	,, Bhāṣā	बनारसीदास	प
127	ओसिया 3 इ 196	,,	,, ,,	,,	,,
128	कोलडी 538	,,	,, ,,	,,	,,
129	के नाथ 6/58	,,	,, ,,	,,	,,
130	महावीर 3 इ 355	कुशलसूरि-अष्टक	Kuśalasūri Aṣṭaka	रत्नसोम	,,
131	के नाथ 18/97	,, अष्टप्रकारी पूजा	,, Aṣṭaprakārī Pūjā	—	,,
132	, 6/126	,, आरती व स्तवन	,, Ārati & Stavana	—	,,
133	,, 18/66	,, गीत	,, Gīta	साधुकीर्त्ति	,,
134	,, 26/103	,, छद व अष्टक	,, Chanda & Aṣṭaka	विजयसिंह	,,
135	,, 23/83	,, निशाणी	,, Niśāṇī	उदयरत्न आदि	,,
136	,, 3 इ 345	,, मत्र	,, Mantra	—	मत्र
137	कोलडी 904	,, सज्झाय स्तवन	,, Sajjhāya & Stavana	—	प.
138	के नाथ 14/102	क्षेत्रपाल छद	Kṣetrapāla Chanda	—	,,
139	कोलडी 930	क्षेत्रपाल पूजा विधिसह	,, Pūjā Vidhisaha	—	ग मत्र
140	के नाथ 26/85 गु	क्षेत्रपाल अचलमणि विजयभद्र, भैरव पूजा	,, +4 others Pūjā	—	पद्य
141	कोलडी 295	गणधर स्तव	Ganadhara Stava	ज्ञानविमल	प

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र (पाश्व)	स मा	6	25 × 11 × 6 × 44	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	स	7	15 × 10 × 11 × 20	,, ,,	19वी	
,,	,,	4,6	22 × 11 व 24 × 11	,, ,	19/20वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 21 × 66	अपूर्ण 26वे श्लोक तक	18वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 18 × 54	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	20	25 × 11 × 13 × 50	, 44श्लोककीग्र 727	19वी	
,,	स मा	11	25 × 11 × 22 × 52	,, 44 श्लोकोका	1887	प्रारभमे सिद्धसेन कथा
,,	,,	22	28 × 14 × 6 × 36	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	34	26 × 13 × 7 × 32	अपूर्ण बाकी जगह खाली है	1928 मेडता हुकमविजय	
पार्श्व जिन भक्ति	मा	2	26 × 11 × 13 × 61	सपूर्ण 44 श्लोको का पद्यानुवाद	1748	
,,	,,	2	24 × 11 × 14 × 45	,, ,,	1826 विक्रमपुर बखतसुदर	
,,	,,	3	30 × 11 × 11 × 37	,, 40 ,,	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 31	,, 46 ,,	19वी	
दादा गुरु की भक्ति	स	1	28 × 12 × 12 × 50	सपूर्ण 9 श्लोक	1964 × दुर्लभसुदर	
,,	मा	6	16 × 12 × 13 × 21	सपूर्ण	1897	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 35	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 13 × 11 × 35	,, दो गीत गा 15 + 42	19वी	
,,	मा स	2	25 × 11 × 15 × 38	,, 30 गा + 8 श्लोक	1784	
,,	मा	6	22 × 13 × 13 × 26	,, साथ मे अन्य दादा स्तवन	19वी	
,,	स	1	28 × 12 × 14 × 40	,, साथ मे जाप विधि	19वी	
,,	मा	3	26 × 11 × 11 × 48	,, ,, अन्य स्तवनादि भी	19वी	
सम्यग्दृष्टि देवस्तुति	,,	3	22 × 12 × 11 × 23	,, 18 पद	19वी	
,, भक्ति	,,	2	26 × 12 × 13 × 36	,,	19वी	
,, ,,	स	13	12 × 11 × 12 × 15	,, पाचो की 5 पूजा अर्घ्य जयमाला सम्मेत	19वी	दिगम्बर आम्नायकी
गणधरो की भक्ति	मा	4	26 × 13 × 15 × 45	,, 11 गणधरो की स्तुति व चैत्यवदन व स्तवन	19वी	पहिला पन्ना कम

2858
64 49
64 49

1	2	3	3 A	4	5
142	कोलडी गु 9/9	गुरु गीत	Guru Gīta	—	प.
143	सेवामदिर गु 20दे	,, (उम्मेद पच्चीसिका)	,,	किस्तूर सेवग	,,
144	,, 3 इ 353	गुरुनाथ दिव्याष्टकम्+वृत्ति	Gurunātha Divyāṣṭaka	जिनपद्मसूरि	मू वृ. (प ग.)
145	के नाथ 15/5	गुरु पारतन्त्र्य स्मरण व सिग्धर्मावर स्तोत्रादि+वृत्ति	Gurupāratantrya & 2 other Stotra	जिनदत्तसूरि/जयसागर (प्रथम की)	,, (,,)
146	ओसिया 3 इ 222	गुरु सज्झाय	Guru Sajjhāya	यशोविजय	प
147	मुनिसुव्रत 3 इ 323	गौतम अष्टक	Gautama Aṣṭaka	—	,,
148	कुथुनाथ 2/31	,,	,	—	,,
149	सेवामदिर 3 इ 350	गौतम स्वामी स्तोत्र	Gautama Svāmī Stotra	—	,,
150	,, 3 इ 345	गौतम स्तोत्र (महामत्र)	Gautama Stotra	वज्रस्वामी	,,
151	,, 3 इ 347	,, ,,+वृत्ति	,,	वज्रस्वामी/—	मू वृ (प ग)
152	कुथुनाथ 44/5	ग्रह गर्भित 24 जिन स्तुति	Grahagarbhita 24 Jina Stuti	—	प
153	महावीर 3 इ 48	ग्रह शाति+वृहद् शाति	Graha Śānti+B Śānti	भद्रबाहु + —	,,
154	ओसिया 2/152	घूमावली व ज्ञानवृत	Ghūmāvalī & Jñānavrta	—	,,
155	महावीर 3 इ 134	चक्रेश्वरी स्तोत्र	Cakreśvarī Stotra	—	,,
156	के नाथ 19/40	,, ,, शाति आदि	,, ,, etc.	—	,,
157	महावीर 3 इ 133	,, यत्रबद्ध स्तोत्र विधिसह	,, Yantrabaddha Stotra etc,	—	,,
158	कुथुनाथ 36/1 क्र 10,11,23	चतुर्विशति जिनस्तवन	Caturvimśati Jina Stavana	भूपाल	,,
159	कोलडी 515	,,	,	जिनप्रभ	,,
160	महावीर 3 आ 48	,, स्तोत्र	,, Stotra	सागरचन्द्र	,,
161	कोलडी 510	,, ,	,, ,,	—	,,
162	,, 920	,, स्तवन	,, Stavana	आनन्दविजय	,,
163	,, 343	, ,,(दो)	,, ,,	जयचद्र व आनद	,,
164	कुथुनाथ 4/99	,, ,,	,, ,,	आनदविमल	,,
165	ओसिया 3 इ 262	,, छदबावनी	,, Chanda Bāvanī	नयविमल	,,
166	के नाथ 14/15	,, स्तवन	,, Stavana	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	सपूर्ण चार गीत	17वी	
,,	,,	3	26 × 20 × 29 × 28	,, 25 कवित्त + 4 गीत	1926	1926 की कृति/ जीर्ण
दादाकुशल भक्ति काव्य	स	5	25 × 15 × 18 × 50	,, 9 छद	1955 सुभटपुर	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स	14*	25 × 10 × 15 × 54	,, तीन स्तोत्र गा 26,21,14	16वी	
गुरु गुण स्वाध्याय	मा	5	27 × 12 × 11 × 34	सपूर्ण दो सज्झाय = 80 गाथा	1836	
भक्ति श्लोक	स	1	23 × 10 × 12 × 35	,, 9 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	27 × 12 × 11 × 25	सपूर्ण	1973	
,,	,,	5+1	10 × 6 × 7 × 16	,, 2 स्तोत्र 11+8 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	25 × 12 × 12 × 60	,, 11 श्लोक	19वी	जीर्ण
,, व्याख्या	,,	5	26 × 13 × 12 × 37	,, 12 श्लोक की	1829 जोधपुर चमनमल	
भक्ति	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	,, 12 श्लोक	18वी	
,,	,,	7	21 × 9 × 7 × 32	,, 9 श्लोक + शाति-पुरी	19वी	
भक्ति व ज्ञान सबन्धी	प्र	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 14 + 13 गा	16वी	
सम्यग्दृष्टि देवीस्तुति	स	4	20 × 10 × 7 × 14	,, 9 पद	20वी × विनयचद्र	
,	,,	13	21 × 10 × 9 × 30	सपूर्ण	19वी	
,, + मत्र	प्रा स	12*	27 × 11 × 6 × 26	,, 9+8 श्लोक	1961	
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 3 स्तवन (25,24 25 श्लोक)	1544	
,, ,,	,,	6	25 × 10 × 8 × 20	सपूर्ण 8 श्लोक + 22 श्लोक	1762	अत मे लघु स्तोत्र है
,, ,,	,,	3*	24 × 11 × 17 × 60	,, 25 ,,	18वी	
,, ,,	,,	3	26 × 13 × 12 × 24	,, 24+7 श्लोक	1913	अत मे लघु जिन-पजर स्तोत्र
,, ,,	मा	3	23 × 10 × 10 × 24	,, 29 श्लोक गाथा	19वी	
,, ,,	,,	2	27 × 10 × 18 × 58	,, 2 स्तवन 27 व 30 गा	19वी	
,, ,,	,,	5	13 × 11 × 12 × 12	,, 29 गाथा	1956	
,, ,,	,,	3	26 × 11 × 14 × 38	,, ग्रथाग्र 90	20वी जोधपुर छवील	
,, ,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 43	सपूर्ण	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
167	के नाथ 14/97	चतुर्विंशतिजिन-स्तुति	Caturvimśati Jina Stuti	जिनप्रभसूरि	प.
168	कोलडी 484	,,	,,	—	,,
169	,, 504	,,	,,	—	,,
170	के नाथ 6/85	चन्द्राउला	Candrāulā	वाचक देव	,,
171	मुनिसुव्रत 3 इ 323	चरित्र मनोरथमाला	Caritra Manorathamālā	खेमराज	,,
172-3	के नाथ 24/44-39	चार मगल दो प्रतिया	Cāra Mangala 2 copies	ऋषिजयमल	,,
174	,, 15/126	चार मगल आदि स्तवन	Cāra Mangala & other Stavans	गुणविनय	,,
175	मुनिसुव्रत 3 इ 323	चैत्यपरिपाटी स्तव	Caityaparipāti Stava	धर्मसूरि	,,
176	कुथुनाथ 16/16	चैत्यवदन	Caityavandana	—	,,
177	महावीर 3 इ 7	,, सग्रह	,, Sangraha	जिनयविजय	,,
178	के नाथ 10/73	चैत्यवदन + स्तवनादि	,, +Stavanādi	ज्ञानविमल	,,
179	,, 15/141	चौमासी देववन्दन	Caumāsī Devavandana	पद्मविजय	,,
180	कोलडी 322	चौवीस चैत्यवदन	Cauvisa Caityavandana	मानविजय	,,
181	कुथुनाथ 43/12	,, ,,	,, ,,	—	,,
182	,, 4/95	,, नमस्कार	,, Namaskāra	—	,,
183	सेवामदिर 3 इ 345	,, ,,	,, ,,	—	,,
184-5	के नाथ 17/71, गु 14	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
186	ओसिया 3 इ 225	,, ,,	,, ,,	,,	,,
187-8	के नाथ 19/83 23/57	,, पूजा 2 प्रतिया	,, Pūjā 2 copies	जिनचद्रसूरि	,,
189	कुथुनाथ 17/20	,, सवैये	,, Savaiye	खेम	,,
190	ओसिया 3 इ 359	,, स्तुति मत्र	,, Stuti Mantra	—	,,
191	महावीर 3 इ 52	,, स्तुतियें + अवचूरि	,, Stutiyen+Avacūri	मुनिसुदर (सोमसुदर का शिष्य)	मू अ (प ग)
192	, 3 इ 54	,, ,, + ,,	,, ,, + ,,	वप्पभट्टसूरि	मू अ (प ग)
193	कोलडी 503	,, ,, + वृत्ति	,, ,, +Vrtti	—	मू वृ (प ग)
194	,, 1129	,, स्तुतियें+अवचूरि	,, Stutiyen+Avacūri	शोभनमुनि	मू अ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
सर्व तीर्थंकर सामान्य भक्ति	स	1	26 × 12 × 11 × 35	सपूर्ण 9 श्लोक	19वी	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 34	,, 34+9+7श्लोक	19वी	अत मे 2 ग्रह छद है
,, ,,	,,	2	30 × 12 × 13 × 36	सपूर्ण	19वी	साथ मे ग्रह राशि नक्षत्र जिनो के
भक्ति गीत	मा	5	25 × 11 × 12 × 37	,,	19वी	
,,	,,	1	24 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 27 से 52 अत तक	1694 आसारा	
,,	,,	12*11	26 × 11 × 26 × 13	सपूर्ण 4 ढाले = 147 गा	19/20वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 46	,,	19वी	
,,	स	1	25 × 12 × 14 × 35	,, 16 श्लोक	19वी × श्रीविजय	
,,	,,	2	20 × 13 × 10 × 24	,, 8 श्लोक	19वी	
,,	मा	3	27 × 13 × 8 × 18	,, 3 चैत्यवदन	1910 अजमेर नरेन्द्रसागर	
,,	,,	7	27 × 13 × 14 × 55	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	17	27 × 12 × 11 × 38	,, तीर्थ तीर्थंकरो के	19वी	स्तवन स्तुति नमस्कार
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	,,	5	26 × 11 × 11 × 36	सपूर्ण 24 चैत्यवदन	19वी	
,,	स	1	26 × 11 × 12 × 38	अपूर्ण 11वे तीर्थंकर तक ही	19वी	
,,	,,	1	25 × 11 × 11 × 45	सपूर्ण 24 नमस्कार 11 श्लोक	1827	
,,	मा	2	26 × 11 × 10 × 32	अपूर्ण 12वें तीर्थंकर तक ही	20वी सदी	
,,	,,	6,16	26 × 11 व 14 × 16	सपूर्ण 24+1 नमस्कार × 6 गा	1859/89	
,,	,,	4	26 × 11 × 14 × 47	,, ,, ,,	1869 × अमृतसुदर	
,,	,,	11,12	26 × 13 × भिन्न 2	,, 24 पूजाये	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 14 × 42	अपूर्ण 21 तीर्थंकरो तक 21	19वी	
,,	प्रा	5	24 × 12 × 11 × 36	सपूर्ण 24 तीर्थंकरो की कुल 27	20वी	
,,	स	4	26 × 12 × 15 × 52	,, ,, ,,+28 अन्य	15वी	प्रत्येक तीर्थंकर के 2-2 पद हैं
,,	,,	3	26 × 11 × 28 × 65	सपूर्ण 24 × 4=96 पद	15वी	
,,	,,	2	31 × 11 × 20 × 50	सपूर्ण 24 तीर्थंकरो की 28 श्लो	16वी	
,,	,,	4	26 × 12 × 14 × 60	अपूर्ण 22वे तीर्थंकर तक 89,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
195	कोलडी 1188	चौवीस जिन स्तुतियें	Cauvisa Jina Stutiyen	शोभनमुनि	प
196	सेवामदिर 3 इ 342	,,	,,	,,	,,
197	कोलडी 487	,,	,,	,,	,,
198	,, 1113	,,	,,	,,	,,
199-201	,,485-86-88	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
202	महावीर 3 इ 51	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	शोभनमुनि/जयविजय	,,
203	सेवामदिर 3 इ 345	,,	,,	शोभनमुनि	मू ट (प ग
204	के नाथ 29/22	,, स्तुति पचाशिका	,, (Pañcāśikā)	रामविजय (जिनलाभ का शिष्य)	प
205-6	महावीर 3 इ 4, 158	,, स्तुतियें 2 प्रतिया	,, 2 copies	क्षमाकल्याण	,,
207	,, 3 इ 5	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, (स्वोपज्ञ ?)	,,
208	,, 3 इ 49	,, —	,, —	—	,,
209	ओसिया 3 इ 363	,,	,,	क्षमाकल्याण	,,
210	के नाथ 18/86	,,	,,	पद्मविजय	,,
211	,, 19/99	,,	,,	जिनराजसूरि	,,
212	कोलडी 329	,,	,,	यशोविजय	,,
213-4	,, गुटका 2/8, 10/4	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	ज्ञानसार	,,
215	के नाथ 23/56	चौवीस स्तुतियें चैत्यवदन	,,Caityavandana	लावण्यसमय	,,
216	,, 23/89	,, चैत्य नमस्कार	,, Namaskāra	पद्मविजय	,,
217	,, 26/103	चौवीस जिनस्तवन	Cauvisa Jina Stavana	जिनप्रभसूरि	,,
218	कोलडी 1/9 गु	,,	,,	जिनराजसूरि (जिनसिंह सूरि शिष्य)	,,
219	मुनिसुव्रत 3 इ 254	,,	,,	,,	,,
220	के नाथ 26/92	,,	,,	,,	,,
221	ओसिया 3 इ 189	,,	,,	,,	,,
222	मुनिसुव्रत 3 इ 253	,,	,,	,,	,,
223	महावीर 3 इ 20	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	स.	7	24 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण 24 स्तुतिये 96 पद	18वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 15 × 38	,, ,,	18वी	
,,	,,	10	25 × 11 × 11 × 34	,, ,,	1840	
,,	,,	15	24 × 11 × 9 × 25	,, ,,	1842	
,,	,,	5,4,5	25 से 27 × 10 से 11	,, ,,	19वी	
,,	,,	59	27 × 12 × 14 × 43	सपूर्ण 96 पद की ग्र 2350	1925	वृत्तिकार देवविजय का शिष्य
,,	स मा	7	25 × 12 × 3 × 34	अपूर्ण अतिम 3 स्तुतियें मात्र	1814	
,,	स	4	25 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण 50 + 9 = श्लोक कुल	1885	
,,	,,	8,4	27 से 28 × 13 से 14	,, 24 × 3 = 77 श्लोक ग्र 148	(1)1950 पाली-ताना, (2)20वी	
,,	,,	25	27 × 11 × 12 × 37	,, 77 श्लोक	1957, अमदा-बाद, नरोत्तम	
,,	,,	2	28 × 13 × 15 × 48	अपूर्ण 12 की ही कुल 48 पद्य	20वी	(तीर्थंकर 1 से 11, 13 की है)
,,	,,	7	24 × 13 × 11 × 38	सपूर्ण 24 की 77 श्लोक	20वी	
,,	मा	3	26 × 11 × 12 × 34	,, 24 की	19वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 18 × 45	,, 25 स्तुतियें + 2 गीत	19वी	
,,	,,	4	26 × 13 × 13 × 52	अपूर्ण 16वे तीर्थंकर तक	19वी	
,,	,,	गुटका	13 × 11 व 15 × 11	सपूर्ण 24 स्तुतिये	19वी	
,,	,,	6	30 × 14 × 14 × 38	सपूर्ण 24 स्तुतिये, 24 चैत्यवदन	19वी	
,,	,,	11	20 × 11 × 15 × 41	सपूर्ण 24 स्तुतिये, 24 चैत्य, 24 नमस्कार	19वी	
,,	स	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 24 पद	18वी	
,,	मा.	35*	12 × 11 × 18 × 22	अपूर्ण	1721	
,,	,,	5	25 × 11 × 17 × 42	सपूर्ण 24 स्तवन + 2	1728, पाली, यशोलाल	
,,	,,	गुटका	20 × 16 × 22 × 18	सपूर्ण (24 × 5) = 120 पद्य गाथा कुल	1767	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 44	सपूर्ण 24 स्तवन	18वी सूर्यपुर, मेरुलाभ	
,,	,,	6	24 × 10 × 13 × 36	,, ,,	18वी	
,,	,,	9	22 × 11 × 11 × 32	,, ,,	1897	

1	2	3	3 A	4	5
224-5	के नाथ 10/31, 26/84	चौवीस जिनस्तवन 2 प्रतियां	Cauvisa Jina Stavana 2 copies	जिनराजसूरि	प
226	,, 19/122	,,	,,	ग्रानन्दघन	प
227	,, 19/1	,, +बा.	,, +Bālā.	ग्रानन्दघन (ज्ञानसार व ज्ञानविमल	मू बा.
228	,, 6/41	,,	,,	उदयरत्न	प
229	महावीर 3 इ 33	,, +बा	,, +Bālā	देवचंद/—	मू बा
230	कुंथुनाथ 36/2	,,	,,	देवचंद	प.
231	के नाथ 19/8	,, (ग्रतीत)	,, (Atita)	,,	,,
232	,, 19/16	,,	,,	धर्मभूषण	,,
233	,, 10/72	,,	,,	यशोविजय	,,
234	,, गु 1	,,	,,	लक्ष्मीरत्नभ (रत्नराजि)	,,
235	,, 10/62	,, (बावनी)	,, (Bāvani)	नयविमल	,,
236	कोलडी 421	,, +स्तुति+चैत्य	,,	पद्मविजय	,,
237	, गु 7/7	,,	,,	पूजराजमुनि	,,
238	के नाथ 19/11	,,	,,	भावविजय	,,
239	,, 24/73	,,	,,	जिनमहेन्द्रसूरि	,,
240-1	कोलडी 302, गु 2/6	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	मोहनविजय (रूपविजय का शिष्य)	,,
242	,, गु 7/7	,,	,,	रतन मुनि	,,
243	मुनिसुव्रत 3 इ 252	,,	,,	पद्मसागर (मंगल सागर का शिष्य)	,,
244	कोलडी 1350	,,	,,	सुमतिविजय	,,
245	,, 330	,,	,,	रामविजय (सुमतिविजय का)	,,
246	,, गु 2/8	,,	,,	रामविजय +गुणविलास	,,
247	कुंथुनाथ 54/11	,,	,,	विनयचंद	,,
248	कोलडी गु 7/7	,,	,,	समयसुंदर	,,
249	कोलडी 330	,,	,,	हरखचंद	,,
250-1	,, 349-48	चौसठ पूजायें 2 प्रतियां	Causatha Pūjāyen 2 copies	वीरविजय	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रत्येक तीर्थंकर भक्ति	मा.	8,26	26 × 12 व 13 × 12	प्रथम मे पहिला और द्वितीय मे पहिले चार स्तवन कम है	19वी	
,,	,,	14	25 × 11 × 11 × 28	सपूर्ण 24 स्तवन	1874	
,,	,,	142	26 × 13 × 11 × 43	,, ,,	1866	
,,	,,	4	24 × 13 × 14 × 31	,, ,,	19वी	
,,	,,	86	26 × 12 × 14 × 54	,, ,, ग्र 4224	1892 मेडता, पुण्यसुदर	
,,	,,	गुटका	25 × 20 × 15 × 28	,, 24 स्तवन	1794	
,,	,,	13	26 × 11 × 11 × 33	अपूर्ण 21 तीर्थंकर तक ही है	1888	
,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 34	सपूर्ण 24 स्तवन तीन 2 छद के	19वी	
,,	,,	11	24 × 12 × 11 × 25	,, ,,	1877	
,,	,,	3	22 × 19 × 22 × 32	,, ,,	1814	
,,	,,	4	30 × 14 × 11 × 42	,, 26 पद (2-2 गा)	19वी	
,,	,,	16	25 × 12 × 10 × 40	,, 24-24 स्तवन स्तुति, चैत्य	,,	
,,	,,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	,, 24 स्तवन	,,	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 44	,, ,,	,,	
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 38	,, ,, +1 छद	,,	
,,	,,	12,गुटका	27 × 11 व 15 × 12	,, ,,	19/20वी	
,,	,	गुटका	22 × 16 × 20 × 30	,, ,'	19वी	
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 37	,, ,,	,,	
,,	,,	3	25 × 10 × 17 × 35	अपूर्ण (17 वे तीर्थंकर तक ही है)	,,	
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 36	सपूर्ण 24 स्तवन	1867	
,ा	,,	गुटका	13 × 11 × 16 × 27	,, ,,	19वी	
,,	,,	,,	6 × 6 × 8 × 12	,, ,,	,,	
,,	,,	,,	22 × 16 × 20 × 30	,, ,,	,,	
,,	,,	11	23 × 11 × 7 × 26	अपूर्ण 21 स्तवन	1861	
तीर्थंकर पूजा भक्ति	,,	14,33	28 × 13 × 27 × 11	सपूर्ण 64 पूजाये विधिसह	1894,1887	1874 की कृति

1	2	3	3 A	4	5
252	महावीर 3 इ 355	चौसठ प्रकारी पूजा विधि मन्त्रादि	Causatha Prakārī Pūjā Vidhi etc	—	प
253	के नाथ 15/124	छिन्नू जिनस्तवन	Chinnū Jina Stavana	जिनचन्द्रसूरि	,,
254	,, 26/103	जगजीवनचन्द्रसूरि-अष्टक	Jagajīvanacandra Aṣṭaka	पन्नालाल	,,
255	,, 5/75	जयतिहुअण-स्तोत्र	Jayti Huana Stotra	अभयदेव	मू अ (प ग)
256	,, 22/47	,, +वृत्ति+बा	,, +Vṛtti+Bālā	,, /—	मू वृ बा
257	सेवा मदिर 3 इ 374	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /—	मू वृ (प ग)
258	मुनिसुव्रत 3 इ 268	,,	,,	अभयदेव	मू
259-63	के नाथ 14-75, 15-162 22-71 15-51,14-64	,, 5 प्रतिया	,, 5 copies	,,	,,
264	गुथु 2/27	,,	,,	,,	,,
265	के नाथ 24/74	,, वृत्तिसह	,, +with Vṛtti	,,	मू वृ (प ग.)
266	महावीर 3 इ 1	,,	,,	,,	मू अ
267-8	,, 3 इ 2,159	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	मू
269	सेवामदिर 3 इ 345	जयतिहुअण-भाषा	,, Bhāṣā	क्षमाकल्याण	प
270	,, 3 इ 341	जिनगुणरस	Jina Guna Rasa	वेणीराम	,,
271	के नाथ 15/204	,,	,,	,,	,,
272	कोलडी 341	,,	,,	,,	,,
273	सेवामदिर 3 इ 346	,,	,,	,,	,,
274	महावीर 3 इ 135	जिनदत्त+कुशलसूरि-स्तोत्र	Jinadatta+Kuśalasūri Stotra	—	पद्य
275	के नाथ 26/83	जिनपिंजर-स्तोत्र	Jina Piñjara Stotra	कमलप्रभाचार्य	पद्य
276	,, 18/94	जिनपूजाप्रसग	Jina Pūjā Prasanga	—	ग.
277	कोलडी 529	जिन सहस्रनाम	Jina Sahasra Nāma	—	मू प.
278	,, 910	,,	,,	—	,,
279	,, 528	जिनसहस्रनाम-स्तोत्र	,, Stotra	सिद्धसेन दिवाकर	प
280	महावीर 3 इ 21	जिनस्तवन	Jina Stavana	जयानद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर पूजा भक्ति	स मा	1	26 × 12 × 15 × 52	सपूर्ण 8 दिनो की	19वी	
,,	मा	4	26 × 12 × 16 × 29	अपूर्ण 23 गाथा	19वी	पहिला पन्ना कम
गुरु भक्ति मत्र	स	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 11 + 12 श्लोक	18वी	अत मे ऋषि मडल का आमूल मत्र
पार्श्व जिन भक्ति	प्रा स	2	26 × 11 × 12 × 57	,, 30 गा	16वी	
,,	प्रा स मा	4	26 × 11 × 5 × 59	,, ,,	17वी	
,,	प्रा स	5	26 × 11 × 17 × 63	,, 30 गा की ग्र 300	19वी	
,,	प्रा	2	25 × 10 × 14 × 51	,, 30 गा + 16 श्लोक स्तुति के सस्कृत मे	18वी	
,,	,,	3,4,2,3, 6	24 से 28 × 11 से 15	प्रथम चार पूर्ण अतिम अपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 9 × 36	सपूर्ण 30 गा	19वी	
,,	प्रा स	4	26 × 10 × 21 × 65	, ,,	19वी	
,,	,,	8	27 × 13 × 13 × 47	,, ,,	1942 पालनपुर नरेन्द्रसागर	
,,	प्रा	6,3	21 × 12 व 26 × 14	,, ,,	20वी	
,,	मा	3	25 × 11 × 16 × 32	,, 40 गा	1876 उदयपुर	
र्थकर भक्ति	,,	7	25 × 11 × 15 × 47	,, 186 गा	1847 थोभ, माणकउदय	1769 की कृति
,,	,,	6	21 × 15 × 19 × 50	,, ,,	1851	
,,	,,	4	27 × 11 × 21 × 50	,, 191 गा.	19वी	
,,	,,	39	17 × 13 × 11 × 13	,, 193 गा	1930	
दादा गुरु भक्ति	अ मा	2	23 × 11 × 13 × 34	,, 2 पद 9 + 19 गाथा + 4 सवैया	1944 खाचरोद भगवानचद	
तीर्थंकर भक्ति	स	8	17 × 12 × 13 × 16	सपूर्ण 24 श्लोक	19वी	
भक्ति विधान अर्चना	मा	16	21 × 13 × 14 × 25	,,	19वी	
भक्ति स्मरण पद	स	2	31 × 11 × 16 × 44	,,	1805	
,,	,,	3	26 × 12 × 11 × 36	,, 41 श्लोक	19वी	
,,	,,	1	31 × 13 × 20 × 62	,,	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	4+	17 × 8 × 8 × 22	,, 9 श्लोक	1733	

1	2	3	3 A	4	5
281	सेवामदिर 3 इ 350	जिनस्तवन (चन्द्र प्रभु व अन्य)	Jina Stavana	—	पद्य
282	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,,	,,	जिनप्रभ आदि	,,
283	सेवामदिर 3 इ 345	,,	,,	—	,,
284	कुथुनाथ 26/9	जिनस्तुतियाँ	Jina Stutiyān	—	,,
285	,, 17/18	,,	,,	समरमुनि	,,
286	ओसिया 3 इ 194	,,	,,	वाचक चरित्रनद	,,
287	कुथुनाथ 36/1 क्र 25,24,18,17	जिनस्तोत्र	Jina Stotra	पद्मनदि	,,
288	कोलडी 1224	,, सावचूरि	,, Sāvcūri	जयानद/मेघमुनि	मू अ. (प ग.)
289	महावीर 3 इ 41, 355	,, व मत्र	,,	—	प
290	कुथुनाथ 2/43	,,	,,	साधुराजगणि	,,
291	के नाथ 11/23	जुहार भट्टारक	Juhāra Bhattāraka	—	ग.
292	कुथुनाथ 44/5	जैनमहिम्नस्तोत्र	Jaina Mahimna Stotra	—	प.
293	महावीर 3 इ 355	जैनरक्षास्तोत्र	Jaina Rakṣā Stotra	भद्रवाहु	,,
294	कोलडी 336	जैनरक्षा + जिनपिजरस्तोत्र	,, + Jina Piñjara	,, + कमलप्रभ	,,
295	मुनिसुव्रत 3 इ 313	जोजासमणी	Jaujā Samanī	हेमविजय	,,
296	के नाथ 15/201	तिजयपहुत्त-स्तोत्र	Tijayapahutta Stotra	देवसूरि	मू ट (प ग)
297	महावीर 3 इ 47	,, +वृत्ति	,	,, +हर्षकीर्त्ति	मू वृ (प ग)
298	सेवामदिर 3 इ 345	,,	,,	—	मू (प)
299	ओसिया 3 इ 213	,, + कल्पविधि	,,	—	मू ट (प ग)
300	,, 2/152	तीर्थंकरो की वोली	Tirthaṅkaron ki Boli	—	मू (पद्य)
301	,, ,,	तीर्थंकरो के कलश	,, ke kalaśa	—	,, ,,
302	महावीर 2/24	तीर्थमाला-प्रकरण	Tirthamālā Prakarana	चन्द्रमुनि	प
303	के नाथ 6/12	त्रिजगत् शास्वत त्रिव स्तवन	Trijagat Śāsvata Bimba Stavana	रत्नसूरि	,,
304	महावीर 3 इ 355	त्रिपष्ठीशलाकापुरुप-स्तवन	Triṣaṣthī Śalākā Purusa Stavana	—	,,
305	के नाथ 10/43	दस लक्षणी पूजा	Dasa Lakṣanī Pūjā	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	स	गुटका	10 × 6 × 7 × 16	कुल 4 स्तवन (पूर्ण अपूर्ण) 1 2	18वी	
,,	,,	1	25 × 10 × 15 × 44	कुल 3 स्तवन +1 स्तुति/ 26 श्लोक	,,	
,,	स मा	1	25 × 10 × 11 × 48	कुल 2 स्तवन सपूर्ण 20 श्लोक	19वी	
,,	,,	5	27 × 13 × 8 × 30	प्रतिपूर्ण कुल 7 स्तुतिये	,,	
,,	मा	1	25 × 11 × 15 × 44	कुल 12 स्तुतिये	,,	
,,	,,	4	27 × 11 × 12 × 53	,, 10 ,,	,,	
,,	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 4 स्तोत्र (कुल 66 श्लोक)	1544	
,,	,,	7	26 × 10 × 1 × 33	सपूर्ण 9 श्लोक	1766	
,,	प्रा स	3	25 से 27 × 12 × भिन्न2	,, 4 पद कुल 16 गाथा	18/20वी	
,,	स	1	26 × 11 × 13 × 45	,, 12 श्लोक	19वी	
भक्ति	प्रा	12*	25 × 11 × 13 × 36	सपूर्ण	18वी	
,,	स	1	12 × 9 × 9 × 18	अपूर्ण (सपूर्ण के 41 श्लोक)	,,	केवल चार श्लोक हैं
,,	,,	1	25 × 11 × 13 × 42	पूर्ण 21 श्लोक	19वी त्रिभुवन कुशल	
,,	,,	11*	30 × 12 × 12 × भिन्न2	सपूर्ण 2 स्तोत्र (18+24 श्लोक	19वी	
महावीर भक्ति गीत	प्राकृत	3	21 × 11 × 7 × 21	सपूर्ण 23 गाथा	1812 मेडता आर्यारामुजी	
भक्ति तीर्थंकर की	प्रा मा.	1	25 × 11 × 18 × 36	,, 14 गाथा	1658	
,,	प्रा स	14*	25 × 12 × 13 × 35	,, ,,	19वी	
,,	प्रा	1	22 × 10 × 10 × 30	,, ,,	,,	
,,	प्रा स मा	8	25 × 11 × 4 × 29	,, ,, +अन्य गद्य	,, सूरत	
तीर्थंकर भक्ति स्तव	प्रा	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 4+7 गा (2 तीर्थंकरो की	16वी	
,,	,,	,,	26 × 12 × 11 × 40	,, 72 गा (5 तीर्थ-करो के)	,,	
तीर्थंकर नमस्कार काव्य	अपभ्र श	7	25 × 11 × 11 × 31	,, 109 गा	1722	तीर्थों का भी उल्लेख है
,, भक्ति व वृत्तात	मा	3	25 × 11 × 13 × 40	,, 45 गाथाये	1759	
भक्ति	,,	1	23 × 11 × 13 × 34	,, 18 ,,	18वी	
भक्ति व औपदेशिक	,,	6	29 × 13 × 8 × 27	सपूर्ण	1903	दिगम्बर आम्नाय

2858
64 49
64 49

1	2	3	3 A	4	5
306	महावीर 3 इ 23	दादा गुरु की पूजा व स्तवन	Dādāguru kī Pūjā & Stavana	लाभसूरि+ज्ञानसार	प
307	कुथुनाथ गुटका 36/क्र 52	धरणोरुगेन्द्र-स्तवन	Dharanogendra Stavana	—	,,
308	के नाथ 23/75	,, +अवचूरि	,, +Avacūri	—	मू अ (प ग
309	के नाथ 14/127	धर्मजिणन्दस्तवन+सज्झाय	Dharma Jinanda Stavana +Sajjhāya	विजयभद्र	प
310	के नाथ 26/64	धुलेवा केशरियानाथ आदि सवैया	Dhuleva Keśariyānātha Ādi Savaiyā	—	,,
311	महावीर 3 इ 160	नमस्कार फल-दृष्टान्त	Namaskāra Phala Dṛṣṭānta	—	,,
312	महावीर 3 इ 161	, माहात्म्य	,, Māhātmya	सिद्धसेन	,,
313	कुथुनाथ 37/19	,, ,,	,, ,,	—	ग
314	के नाथ 22/70	नमस्कारस्तव	, Stava	कीर्तिसूरि	मू. (प)
315	सेवामदिर 3 इ 345	,, +वृत्ति	,, ,,	,, /—	मू वृ (प ग
316	के नाथ 11/89	नवकार अर्थ (वा)	,, Artha (Bālā)	—	मू वा
317	मुनिमुव्रत 3 इ 279	,,	,, ,,	अज्ञात	ग
318	कोलडी 905	,,	,, ,,	—	,,
319	के नाथ 24/38	नवकारअर्थ व कथा	Navakāra Artha & Kathā	—	,,
320	कोलडी 1231	नवकार-कथायें	,, Kathāyen	—	,,
321	मुनिसुव्रत 3 इ 323	नवकार-जाप	,, Jāpa	—	,,
322	के नाथ 4/21	नवकार-प्रवन्ध	,, Prabandha	विद्यावर्द्धन	प
323	मुनिसुव्रत 3 इ 223	नवकार फल व स्तोत्र	,, Phala+Stotra	—	,,
324-5	के नाथ 15/156, 24/55	नवकार वालाववोध 2 प्रतिया	,, Bālāvabodha 2 copies	—	ग
326	मुनिमुव्रत 3/271	नवकार-महिमा	,, Mahimā	—	,,
327	कुथुनाथ 24/7	नवकार-माहात्म्य	,, Māhātmya	—	,,
328	,, 26/6	,, ,,	,, ,,	—	,,
329	मुनिसुव्रत 3 इ 297	नवकार रास	,, Rāsa	अज्ञात	प
330	ओसिया 3 इ 170	नवकार (पाचपद) सज्झाय	,, Sajjhāya	ज्ञानविमल	,,
331	ओसिया 3 इ 351	नवकार-स्तवन (रास)	,, Stavana (Rāsa)	वाचक कुशललाभ	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
(जिन कुशलसूरि-पूजा)	मा.	16	25 × 12 × 11 × 27	मपूर्ण	19वी	
भक्ति स्तव	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 39 श्लोक	1544	
,,	,,	6+	16 × 11 × 12 × 41	,,	1626	
भक्ति स्वाध्याय	मा	3	27 × 13 × 14 × 40	सपूर्ण 3 स्तवन 1 हितोपदेश सज्भाय	19वी	
भक्ति न्यायचर्चा व उपदेश	,,	8	31 × 16 × 14 × 42	सपूर्ण 91 सवैये	19वी	क्रमश· 34 229 26 सवैये,
भक्तिमाहात्म्य	स	11	26 × 13 × 15 × 40	,, 325 श्लोक	1960	
,,	,,	6	28 × 14 × 17 × 41	,, 217 श्लोक 8 प्रकाश	19वी	
नवकार माहात्म्य	मा	20	25 × 12 × 15 × 56	ग्रपूर्ण	19वी	
भक्ति ,,	प्रा	3*	26 × 12 × 11 × 35	सपूर्ण 32 गा	18वी	
,,	प्रा स.	2	27 × 12 × 22 × 78	ग्रपूर्ण (18 से ग्रत तक)	19वी	
,,	प्रा मा	4	25 × 10 × 13 × 36	सपूर्ण	1785	
,,	मा	2	25 × 10 × 19 × 46	,,	18वी	
,,	,,	4	26 × 10 × 13 × 55	,,	19वी	
,,	,,	18	22 × 13 × 11 × 23	,,	19वी	
माहात्म्य दृष्टान्त	,,	5	25 × 10 × 17 × 50	,,	1756	
भक्ति स्मरण	,,	1	25 × 11 × 15 × 58	,, 13 ग्रनुच्छेद	1765 जट्टमल्ल	
माहात्म्य वृत्तात	,,	41	26 × 11 × 13 × 38	,,	1683	(पचपरमेष्ठी रास)
भक्ति ,,	प्रा	2	24 × 10 व 26 × 11	,, दो 23 व 12 गाथा	17/19वी	
भक्ति मत्र विवेचन	मा	4,3	25 × 10 व 17 × 47	सपूर्ण	19वी	
भक्ति महात्म्य	,,	7	25 × 12 × 17 × 47	,, 6 कथासह	19वी × शिवचदजी	
,, ,,	स	8	27 × 12 × 12 × 36	ग्रपूर्ण-जिनदास कथा तक	19वी	
,, ,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 44	ग्रपूर्ण-हुडिक चोर कथा-तक	19वी	
,, काव्य	मा	2	24 × 10 × 13 × 31	सपूर्ण 21 छद	18वी	ग्रत मे पार्श्वस्तव (लघु)
भक्ति स्वाध्याय	,,	6	25 × 11 × 11 × 26	,, 8 सज्भायें	20वी	
भक्ति माहात्म्य	,,	93*	25 × 11 × 18 × 43	,, 17 गाथा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
332	सेवामंदिर 3 इ 345	नवग्रह शांति विधिसह	Navagraha Śānti with Vidhi	—	प ग मंत्र
333	के नाथ 23/75	नवग्रह स्तुति पार्श्वस्तव +अवचूरि	Navagraha Stuti +Avacūri	जिनप्रभ	मू अ (प ग)
334	कोलडी 1353	,,	,,	,,	प
335	के नाथ 26/103	नवग्रह स्तोत्र + ग्रहशांति (2)	,, Stotra	भद्रबाहु	,,
336	महावीर 3 इ 47	नवग्रह स्तोत्र वृत्तिसह	,, with Vrtti	जिनप्रभ	मू वृ. (प ग)
337	कुंथुनाथ 45/4	,, (15 दिन) स्तोत्र	Navagraha Stotra	खेतलस (राजसूरि-शिष्य)	ग प.
338	कोलडी 534	नवग्रह स्तोत्र	,,	—	प
339	ओसिया 3आ 131	नवपद अनानुपूर्वी	Navapada Anānūpūrvī	—	ग मंत्र
340	के नाथ 16/47	नवपद चैत्यवंदन स्तुति	,, Cetyavandana	चारित्रनंदि	प
341	के नाथ 9/24	नवपद पूजा	,, Pūjā	यशोविजय, देवचंद-ज्ञानविमल	,,
342	ओसिया 3 इ 218	,,	,, ,,	,,	,,
343	कुंथुनाथ 20/17	,,	,, ,,	देवचंद ,,	,,
344	,, 21/6	,,	,, ,,	यशोविजय ,,	,,
345	कोलडी 319	,,	,, ,,	,, ,,	,,
346	,, 410	,,	,, ,,	देवचंद ,,	,,
347	महावीर 3 इ 8	,,	,, ,,	—	,,
348	कुंथुनाथ 21/7	नवपद वास क्षेप पूजा व आरती	,, Vāsakṣepa Pūjā	—	प ग. मंत्र
349	के नाथ 26/37	नवपद शरण स्तव	Navapada Śarana Stava	—	प.
350	कुंथुनाथ 24/10	नवपद स्नात्र वृद्ध स्तवन	,, Snātra Vrddha-Stavana	यशोविजय	,,
351	के नाथ 14/122	नवस्मरण +2 स्तोत्र	Nava Smarana+2 Stotra	संकलन	पद्य
352	कोलडी 535	,, +2 स्तोत्र	,, + ,,	,,	,,
353-8	कोलडी 455 से 59,1123	,, + ,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
359-60	कुंथुनाथ 26/7, 21/2	,, + ,, 2 प्रतियां	,, +2 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रहभक्ति	स मा.	3	24×11×11×35	सपूर्ण	20वी उम्मेद-हस	
भक्ति ग्रहो की भी	स	6*	26×11×12×41	सपूर्ण 10 श्लोक	1626	
,,	,,	5	26×12×11×28	,, ,,	19वी	साथ मे कल्याण मदिर स्तोत्र
,,	,,	1	25×12×20×56	सपूर्ण 3 स्तोत्र (कुल 39 श्लोक	18वी	
,,	प्रा स	14*	25×12×13×35	सपूर्ण 11 गाथा की	19वी	
,, ज्योतिष	मा.	गुटका	17×14×11×18	,,	1828	
,, जैन	स.	2	28×13×12×33	,, 9 स्तोत्र	19वी	
स्मरण अक मत्र	मा	1	42×11×13×47	,, अक तालिकाये	20वी	
भक्ति	,,	3	27×12×17×51	सपूर्ण 9-9 चैत्य स्त स्तु कुल 27	19वी	
,, काव्य	,,	7	25×11×11×40	सपूर्ण नो पूजा (12 ढाल)	,,	
,, ,,	,,	13	24×11×10×20	,, (12 ढाल) चार खड	,,	जीर्ण
,, ,,	,,	21	25×11×10×34	सपूर्ण	1872	
,, ,,	,,	3	25×13×13×40	अपूर्ण चौथे खड की 11 वी ढाल	19वी	
,, ,,	,,	3	28×12×12×38	अपूर्ण 46 गा चौथे खड की 11वी ढाल	1870	
,, ,,	,,	8	24×12×13×30	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	9	23×13×6×17	,, अतिम पन्ना कम	20वी	
,, ,,	स मा	2	25×13×13×30	,,	19वी	
,, ,,	मा	2	16×12×10×19	,,	,,	
,, ,,	,,	गुटका	10×8×7×8	,,	20वी	
,, ,,	प्रा स	18	25×11×11×44	सपूर्ण सप्त स्मरण 2 शाति भक्तामर+कल्याण	18वी	यहाँ शाति की जगह जयति व वीरस्तवन है।
,, ,,	,,	10	30×12×भिन्न 2	अपूर्ण 4 स्मरण 2 शाति भक्तामर+कल्याण	1836	
,, ,,	,,	16,11 19,12, 12,24	23 से 26×11 से 22	सपूर्ण-7 स्मरण शाति = 9+2 स्तोत्र भक्तामर व कल्याण	19वी	
,, ,,	,,	17,14	26×12 व 26×14	,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
361	के नाथ14/120	नवम्मरण+2 स्तोत्र	Nava Smarana+2 Stotra	सकलन	पद्य
362	ओमिया 3 इ 238	,, + ,,	,,	,,	,,
363	के नाथ 21/41	नवाणुप्रकारी पूजा	Navanu Prakārī Pūjā	वीरविजय	प
364 5	कोलडी 351,350	,, ,, 2 प्रतिया	, 2 copies	,,	,,
366	के नाथ 26/85गु	नदीश्वरद्वीप पूजा मत्र	Nandīśvara Dvīpa Pūjā Mantra	—	,,
367	कोलडी 356	, ,, व पोपरणा	,, & Poṣana	धर्मचद	,,
368	महावीर 4 ग्र 27	नदीश्वर स्तव+वृत्ति	Nadiśvara Stava+Vrtti	पूर्वाचार्य	मू वृ.
369	के.नाथ 15/56	, स्तवन	,, Stavana	मेरुसुमन्त	प
370	,, 15/211	नाटक पूजा स्वाध्याय	Nātaka Pūjā Svādhyāya	—	,,
371	सेवामदिर 3 इ 352	नित्यनियम पूजा वचनिका	Nityaniyama Pūjā Vacanikā	सकलन	प ग
372	कुथुनाथ 36/1 क्रम 21,39	निरजन-स्तोत्र+जिन मगलाष्टक	Nirañjana Stotra etc	—	प
373	के नाथ 14/62	नेमीनाथ-स्तवन	Neminātha Stavana	शुभविजय	,,
374	कुथुनाथ 33/34	,,	,,	पासचद	,,
375	के नाथ 15/207	,,	,,	शुभविजय	,,
376	,, 18/85	,,	,,	आणदसूरि (हेमविमल का)	,,
377	,, 15/92	,,	,,	आनन्दकीर्ति	,,
378	सेवामदिर 3 इ 348	,,	,,	श्रावक ऋषभ	,,
379	मुनिसुव्रत 3 इ 244	,,	,,	आनन्दसार (वृद्धकीर्ति का)	,,
380	महावीर 3 इ 50	,, स्तुति+अवचूरि	,,	चतुर्भुज	मू अ (प ग)
381	मुनिसुव्रत 3 इ 300	नेमी-राजुल वारह मासा	Nemī Rājula Bārahamāsā	—	प
382	के नाथ 24/70	,,	,,	--	,,
383	,, 26/41	,,	,,	विनयचद	,,
384	कोलटी 1265	,,	,,	वृन्दकवि	,,
385	,, 939	,,	,,	उदयरत्न	,,
386	के नाथ 26/71	नेमी-राजुल-सवाद	,, Samvāda	—	प ग

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा स	19	25 × 11 × 12 × 32	भक्तामर व कल्याण	20वी	
,,	,,	15	24 × 10 × 12 × 37	अपूर्ण स्मरण 4 ही है	20वी	
,,	मा.	7	29 × 13 × 12 × 37	सपूर्ण 11 अभिषेक + अतिम ढाल	19वी	
,,	,,	7,25	27 × 13 व 27 × 12	सपूर्ण 11 अभिषेक 200 गा	19वी	
,,	स	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	सपूर्ण 52 श्लोक	19वी	
भक्ति व विवाह वर्णन	मा	16	26 × 12 × 12 × 35	,,	19वी	
भक्ति व द्वीप वर्णन	प्रा स	35	27 × 11 × 15 × 45	,, 25 गाथा	1531 अहमदाबाद, धमसेन	अत मे श्री सिद्वात 1 पृष्ठ मे
,, ,,	मा	3	23 × 11 × 12 × 34	,, ,,	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	,,	20वी	
दैनिक पूजा पाठ भक्ति	प्रा स मा	7	33 × 14 × 10 × 36	अपूर्ण	19वी	
भक्ति	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 2 स्तोत्र 9 + 9 श्लोक के	1544	
तीर्थंकर भक्ति	मा	2	25 × 11 × 17 × 37	सपूर्ण 81 गाथा	1699	
,,	,,	2+2	26 × 12 × 9 × 42	,, 20 गाथा	17वी	दो वार लिखा है
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 50	,, 77 गाथा	1749	अत मे जबू सज्झ य'
,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 41	,, 80 गाथा	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 46	,, 23 गा	19वी	
,,	,,	7	24 × 13 × 9 × 27	,, 68 गाथा	19वी	अत मे 5 गाथा का शाति स्तवन
,,	,,	6*	26 × 11 × 15 × 50	,, 62 गाथा	19वी रत्नहर्ष गरिण	
,,	स	4	26 × 12 × 13 × 45	,, 9 पद	1927 बालूचर सदासुख	
भक्ति विरह गीत	मा	2	24 × 10 × 13 × 42	सपूर्ण 28 गा	1825	
,,	,,	3	24 × 10 × 11 × 27	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	24 × 12 × 16 × 49	,, 13 गा	19वी	
,,	,,	16*	21 × 11 × 10 × 30	,, 13 सवैया	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 19 × 70	,, ग्र 125	19वी	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 32	अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
387	महावीर 3 इ 38	परमज्योति पच्चीसी	Paramajyoti Paccīsī	यशोविजय	प
388	मुनिसुव्रत 3 इ 323	परमेष्ठी रक्षा स्तोत्र	Parameṣthī Raksā Stotra	—	,,
389	महावीर 3आ48	परमेष्ठी विद्याकल्प	,, Vidyā Kalpa	म सिंहतिलकसूरि	,,
390	कोलडी 352	पचकल्याणक पूजा	Pañca Kalyānaka Pūjā	वीरविजय	,,
391	कुथुनाथ 31/8	,, मगलस्तव	Pañca Kalyānaka Mangala Stava	रूपचद मुनि	,,
392	कोलडी 1183	पचज्ञानपूजा	Pañca Jñana Pūjā	रूपविजय	,,
393	ओसिया 3 इ 202	,, सग्रह	,, Sangraha	सुमति (क्षमाकल्याण शिष्य)	,,
394	ओसिया 3 इ 198	पचदस तिथि स्तुतियें	Pañcadasa Tithi Stutiyen	ज्ञानविमल नयविमल	,,
395	कोलडी 321	,,	,,	,, ,,	,,
396	के नाथ 6/94	,,	,,	,, ,,	,,
397	कुथुनाथ 20/17	पचपरमेष्ठी गुण	Pañcaparameṣthī Guna	देवचद	ग
398	मुनिसुव्रत 3 इ 281	,, नमस्कार	,, Namaskāra	वल्लभसूरि	प.
399	ओसिया 3 इ 261	,, पूजा	,, Pūjā	सुमति (क्षमाकल्याण शिष्य	,,
400	के नाथ 20/44	पचपरमेष्ठी महानमस्कार स्तव	Pañcaparamesthī Mahānamaskāra Stava	—	,,
401	महावीर 3 इ 40	,, महास्तव+वृत्ति	,, Mahāstva	जिनकीर्त्तिसूरि (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
402	सेवामदिर 3 इ 350	,, स्तवन	,, Stavana	—	मू (प)
403	,, ,,	,, स्तवन	, ,,	—	प
404	, ,,	,, स्तव व स्तोत्र	,, Stava & Stotra	जिनप्रभसूरि	,,
405	कुथुनाथ 55/11	,, स्तोत्र सावचूरि	,, Stotra with Avacūri	मानतुङ्गसूरि	मू अ (प ग)
406	कोलडी 925	पचमीमहिमा-स्तवन	Pañca Mahimā Stavana	विजयलक्ष्मीसूरि	प
407	कोलडी 442	पाक्षिक चैत्यवन्दन	Pakṣika Catyaivandana	—	,,
408	महावीर 3 इ 43	पाक्षिक नमस्कार नेमी शाति स्तोत्र	,, Namaskāra etc	—	,,
409	कोलडी 502	पाक्षिकादि जिन चैत्यवदन	Paksikādi Jin Chaityavandana	—	,,
410	,, 803/3	पाठपूजन-चोपडी	pāthapūjana Copadī	—	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
आत्म स्वरूप भक्ति	स.	2	28 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण 50 श्लोक (2 पच्चीसिया)	20वी	
भक्ति	,,	1	25 × 11 × 8 × 32	,, 8 श्लोक	18वी	
भक्ति (मत्रमय)	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 77 श्लोक	1962	
जिन भक्ति काव्य	मा	7	27 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण	1902	
भक्ति तीर्थंकर	,,	गुटका	24 × 22 × 15 × 12	,, 25 गा	20वी	
श्रुत भक्ति काव्य	,,	9	26 × 13 × 9 × 30	,,	19वी	
,,	,,	5	24 × 11 × 10 × 37	,, 5 पूजाये	1958	
तिथि भक्ति काव्य	,,	5	25 × 11 × 15 × 36	,, कुल 17 स्तुतिये	19वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 38	,, कुल 16 स्तुतिये	,,	
,,	,,	4	25 × 12 × 13 × 44	,, कुल 16 स्तुतिये	,,	
भक्ति आधार	,,	21*	25 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण 67,51,70,50भेद	1872	
भक्ति	प्रा.	2	25 × 10 × 13 × 44	,, 25 गाथा	18वी	
,,	मा.	7	24 × 11 × 10 × 32	सपूर्ण	1958	
,,	,,	6	27 × 13 × 11 × 33	,, 2 स्तवन (दूसरा अपूर्ण)	19वी	साथ मे वृहत शाति
,,	प्रा स	4	27 × 12 × 22 × 69	सपूर्ण 32 पद	,,	
,,	प्रा,	6	10 × 6 × 7 × 16	,, 34 गा	18वी	
विधान व विवरण	स	7	10 × 6 × 7 × 16	,, 2 पद (8 श्लोक 5 अनु)	,,	
भक्ति नमस्कार	,,	7	10 × 6 × 7 × 16	सपूर्ण 2 स्तोत्र (33 × 5 श्लोक)	,,	
भक्ति	प्रा स	1	25 × 10 × 15 × 53	सपूर्ण 34 गाथा	15वी	
तिथि माहात्म्य भक्ति	मा	3	25 × 12 × 7 × 30	,, 5 ढाले	19वी	
भक्ति	स	26*	27 × 13 × 11 × 32	,, 49 श्लोक	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 11 × 40	,, तीन स्तोत्र 49, 11,13 श्लोक	1841	
,,	,,	4	31 × 12 × 13 × 44	सपूर्ण 5 चैत्यवदन कुल 94 श्लोक	1862	
भक्ति क्रिया काण्ड	स मा	10	5 × 8 × 5 × 10	सपूर्ण	1937	

1	2	3	3 A	4	5
411	के नाथ 14/17	पारणक वृद्ध लघु आदि सज्झाय सग्रह	Pāranaka Sajjhāya	—	पद्य
412	कुथुनाथ 2/44	पार्श्वस्तव	Pārśva Stava	जिनप्रभसूरि	,,
413	के नाथ 29/54	,,	,,	—	,,
414	के नाथ 18/44	(महस्रफणा) पार्श्वस्तोत्र	Pārśva Stotra	भक्तिलाभ (रतनचद्र-शिष्य)	,,
415	कुथुनाथ 36/1 क्रम 13,15,29, 30,32,48,	पार्श्वस्तोत्राणि	,, Stotrāni	विद्यापति, राजसेन, पद्म नदि, जिनपति	,,
416	के नाथ 19/46	,,	,, ,,	जिनचद्र	,,
417	महावीर 3 इ 21	पार्श्वस्तोत्र	,, ,,	जिनचद्र सूरि	,,
418	सेवामदिर 3 इ 345	पार्श्व लघु व वृहत् स्तोत्राणि वृत्तिसह	,, ,, with Vrtti	परशिक्षित सुन्दर	मू वृ (प ग)
419	के नाथ 26/103	पार्श्वस्तवनानि	,, Stavanāni	जिनवल्लभ, शिवशकर अज्ञात	प
420	सेवामदिर 3 इ 350	,, स्तवनानि स्तोत्राणि	,, ,,	धर्मसूरि मेरुनदन व अन्य	,,
421	महावीर 3 इ 355	,, स्तोत्र ध्यान व मत्र	,, Stotra etc,	—	,,
422	कुथुनाथ 44/5	,, स्तोत्राणि	,, Stotrāni	—	,,
423	मुनिसुव्रत 3 इ 307	,, व मणिभद्र स्तोत्र	,, Stotra etc	—	,,
424	कोलडी 1325	,, स्तोत्राणि	,, Stotrāni	—	,,
425	मुनिसुव्रत 3 इ 323	,, स्तवनानि	,, Stavanāni	—	,,
426	कुथुनाथ 10/138	पार्श्व+पचषष्ठी स्तोत्र	,, Stotra etc	मेरुतुङ्ग+जयतिलक शिष्य ?	,,
427	के नाथ 11/64	पार्श्वस्तव	,, Stava	मेरुतुङ्ग	,,
428	के नाथ 11/100	,,	,, ,	—	,,
429	महावीर 3 इ 150	पार्श्व व अन्य स्तोत्राणि	,, Stotrāni etc	जिनप्रभ आदि	,,
430	सेवामदिर 3 इ 379	,, स्तव	,, Stava	—	,,
431-2	ओसिया 3 इ 237 265	,, स्तवनानि 2 प्रतिया	,, Stavanāni 2 copies	—	,,
433-5	कुथुनाथ 10/144-139,2/23	,, स्तवनानि 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	—	,,
436	के नाथ 18/64	,, ,,	,, Stavanāni	—	,,
437-8	महावीर 3 इ 260, 25	,, स्तोत्राणि 2 प्रतिया	,, Stotrāni 2 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति क्रिया	प्रा.	5	25 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 6 सज्झायें = कुल 99 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	1	25 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण 10 गा	16वी	
,,	,,	1	25 × 11 × 17 × 50	,, 36 गा कलशसह	16वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 8 × 32	,, 15 गा	17वी	
,,	म	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 6 स्तोत्र कुल 101 श्लोक	1544	
,,	,,	4½	25 × 11 × 13 × 35	सपूर्ण 2 स्तोत्र 7 + 5 श्लोक	1806	
,,	,,	4½	16 × 8 × 8 × 24	सपूर्ण 10 श्लोक + पत्ना गुलीमत्र	1773 × हिन-चन्द्र	
,,	,,	6	24 × 11 × 18 × 72	सपूर्ण	18वी	शब्द 'सकला' पर 1 पूरा स्तोत्र
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण 4 स्तवन कुल 39 श्लोक	18वी	तीसरा फलवर्द्धी व चौथा वरकाणा का
,,	,,	35	10 × 6 × 7 × 16	मपूर्ण 8 स्तवन कुल 116 श्लोक	18वी	अतिम स्तोत्र 3 गा का प्राकृत मे
मत्रमय भक्ति	,,	1	25 × 11 × 11 × 30	मपूर्ण	18वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	,, 3 स्तोत्र कुल 63 श्लोक	18वी	
,,	,,	3	21 × 10 × 9 × 42	,, दो, स 7 श्लोक	1808/10	मणिभद्रचद 21 गा मारु मे
,,	प्रा स	8	14 × 10 × 10 × 17	सपूर्ण 7 स्तोत्र कुल श्लोक 69	1814	अतिम 2 स्तोत्र प्राकृत मे
,,	स	2	24 × 10 व 17 × 9	सपूर्ण 11 श्लोक + 7 श्लोक	(प्रथम) 1818 अहिपुर कर्मठ	
,,	,,	1	24 × 11 × 15 × 44	,, 2 स्तोत्र 11 + 8 श्लोक	1877	
,,	,,	2*	26 × 11 × 13 × 49	,, 14 श्लोक	16वी	
,,	,,	3	25 × 12 × 11 × 20	,, 33 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण 4 स्तोत्र कुल 51 श्लोक	19वी	सूर्य सरस्वती के भी श्लोक है
,,	,,	2	23 × 10 × 14 × 45	अपूर्ण 33 श्लोक तक	18वी	
,,	,,	2,1	24 × 11 × 14/13 × 35	सपूर्ण 6 स्तवन कुल	19वी	अत मे नदीश्वरस्तवन
,,	,,	1,1,1	21 से 26	,, 10 स्तोत्र	18/19वी	अत मे शारदा स्तोत्र भी है
,,	स प्रा	2	25 × 12 × 11 × 30	,, 2 स्तव 13 + 3 श्लोक	19वी	
,,	,,	2,2	20 × 11 व 28 × 15	,, 4 स्तोत्र कुल 94 श्लोक	20वी	अत मे अट्टे मट्टे मत्र

	3 A	4	5
...नी स्तोत्र	Pārśva Astottara Padmāvati Stotra	हर्षसागर	प
...नी ...स्तुप	,, ,,	—	,,
स्तोत्र	Pārśva Mantra Padmāvati Stotra	—	,,
...स्तवन	,, Stavana	मेरुनंदन	,,
...णि	,, Stotrāni	—	,,
...त्र	,, Stotra	—	,,
...स्तोत्र 2 प्रतियां	,, Mantra etc 2 copies	—	ग प मश
...त	,, (Gaudi) Stuti	विद्याविलास	प.
स्तोत्राणि	Pārśva (Cintāmani) Stotrāni	—	,,
,,	,, (,,) ,,	—	,,
...कल्प	Pārśva (Cintāmani) Mantrakalpa	धर्मघोष	प ग
...त्र	,, (,,) Stotra	—	मु प्र. (प ग)
,	,, (,,) ,,	—	प.
...त्राणि	,, (,,) Stotrāni	—	,,
,	,, (,,) ,,	रत्नाकरसूरि	,,
...) पद्मावती स्तोत्र	,, (,,) Padmāvati Stotra	—	,,
...) स्तोत्र ...अवचूरि	Pārśva Jirāpalli Stotra with Avacūri	धर्मनंदन उपाध्याय	मु प्र. (प ग)
...स्तोत्र ...अवचूरि	,, (,) ,, ,,	मेरुतुंग/धर्मकीर्ति	,,
...मन्त्र ...म्नाय	,, (,) Stotra Cakra etc	—	प
...वन	,, (,,) Stavana	मेरुतुंग	,,
...स्तोत्र	,, (,,) Stotra	मेरुनंदन (मुनिमेरु)	,,
...) ...त्राणि	,, (,,) Stotrāni	—	,,
...त्राणि	Pārśva (Phalavarddhi) Sotrāni	जिनप्रभ	,,
...त्र	,, (,,) Stotra	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति+ शासनदेवी भक्ति	स	1	26 × 11 × 14 × 64	सपूर्ण 3 स्तोत्र (16,9, 9)	18वी हप-सागर	अतिम छद मा मे
,,	,,	11	10 × 6 × 7 × 16	प्रथम सपूर्ण (12) द्वितीय अपूर्ण (15)	18वी	
,,	,,	1	27 × 12 × 8 × 28	सपूर्ण	20वी	
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	,,	2	10 × 6 × 7 × 16	,, 9 श्लोक	18वी	
,,	,,	2	26 × 13 × 12 × 25	,, 3 स्तोत्र	19वी	
,,	,,	7	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण	18वी	
,,	स मा	2,1	28 × 12 × 8/11 × 35	सपूर्ण मत्र, विधिसह	20वी	दादागुरु पूजा मंत्र विधि साथ मे
,,	स	4	25 × 11 × 13 × 35	सपूर्ण 24 श्लोक	1806	
,,	,,	9	10 × 6 × 7 × 16	,, 3 स्तोत्र 11-11 श्लोक के	18वी	
,,	,,	1	25 × 11 × 17 × 50	सपूर्ण 2 स्तोत्र 1 मगलाष्टक	1810/10 × रूपचद	प्रशक्ति है।
,,	,,	4	29 × 12 × 14 × 30	,,	1880	
,,	,,	2	25 × 12 × 7 × 35	,, 11 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 9 × 37	,, 32 श्लोक	,,	
,,	,,	2*	27 × 10 × 21 × 72	,, 6 स्तोत्र	,,	
,,	,,	5	22 × 13 × 9 × 24	,, 2 ,, (11+25 श्लोक)	20वी	
,,	,,	6*	24 × 12 × 14 × 35	सपूर्ण 2 स्तोत्र 27+11 श्लोक	,,	
,,	स मा	5	27 × 12 × 18 × 51	सपूर्ण 45 श्लोक	16वी	
,,	स	2*	22 × 10 × 15 × 52	,, 3 श्लोक	1886	
,,	स	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 24 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	22 × 11 × 12 × 34	,, 14 श्लोक	19वी	
तीर्थंकर तीर्थ भक्ति	,	1	25 × 11 × 14 × 44	,,	,,	
,,	,,	2	29 × 13 × 11 × 45	,, 4 स्तोत्र	,,	
,,	,,	11	10 × 6 × 7 × 16	,, 3 स्तोत्र (21+12+9 श्लोक	18वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 31	सपूर्ण 21 श्लोक	19वी	

	3	4	5
नगर	Pārśva (Śaṅkheśvara) Yantra etc	—	प
	,, ,, Stotra	—	,,
	Pārśva (Stambhana) Stavana	सोमसुन्दर (देवसुन्दर का शिष्य)	,,
	,, ,, Stotra	—	,,
	,, ,, ,,	—	,,
	Pārśva Stavana	मानविजय	,,
	,, ,,	समरचन्द्र	,,
	,, ,,	ब्रह्मर्षि	,,
	,, ,,	यशोविजय	,,
	,, ,,	मतिहंस	,,
	,, ,, etc	वल्लभसुदर गुणानसुदर	,,
	,, ,,	—	,,
	,, (Antarikṣa) Stavana	भावविजय	,,
	,, ,, ,,	,,	,,
	,, ,, ,,	,,	,,
	,, ,, ,,	,,	,,
	,, (Gauḍi) ,,	रगविजय	,,
	,, ,, ,,	,,	,,
	,, ,, ,,	नेमविजय	,,
	,, ,, ,,	गभीरविजय	,,
	,, ,, Stavanādi	—	,,
	,, ,, Stavana	ज्ञानविमल	,,
	,, ,, ,,	,,	,,
लिपा	,, ,, ,, 2 copies	,,	,,
	,, ,, ,,	प्रमोदचंद (धर्मप्रमोद)	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्यकर तीर्थ भक्ति	स	1	25 × 11 × 11 × 30	सपूर्ण 2 स्तोत्र	18वी	
,,	,,	1	23 × 11 × 8 × 27	,, 5 श्लोक	1863	
,,	,,	1	26 × 11 × 13 × 48	,, 25 श्लोक	17वी	
,,	,,	3	10 × 6 × 7 × 16	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	12*	27 × 11 × 6 × 26	,,	1961	
तीर्थंकर भक्ति	मा	3	26 × 11 × 14 × 46	सपूर्ण 51 गा	19वी	
,,	,,	3	26 × 10 × 10 × 36	,, 49 गा	19वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 15 × 54	,, 32 गा.	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 12 × 44	,, 25 गा	19वी	
,,	,,	3	13 × 10 × 13 × 24	,,	19वी	
,,	,,	6	25 × 10 × 10 × 36	अपूर्ण 14 स्तवन/पहले 6 पन्ने कम	1901 सुभट्टपुर सहजसुदर	पन्ने 7 से 12 ही है।
,,	,,	गुटका	15 × 9 × 7 × 14	संपूर्ण 46 गाथा + कलश	19वी	
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	3	26 × 11 × 14 × 48	सपूर्ण	1812	
,,	,,	4	29 × 12 × 12 × 30	,,	1888	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 54	,,	19वी	
,,	,,	6	24 × 11 × 10 × 25	,, 51 गा	18वी	विजयदेव व प्रभसूरि दो गुरुभ्राता
,,	,,	13	14 × 11 × 12 × 18	सपूर्ण ग्रथाग्र 129,16 ढालें	1841	
,	,,	74*	13 × 12 × 10 × 10	अपूर्ण	1845	
,,	,,	2	21 × 34 × 23 × 35	सपूर्ण 16 डाले	1940	
,,	,,	3	26 × 11 × 20 × 54	,,	19वी	
,,	,	9	21 × 10 × 9 × 26	अपूर्ण	1840	
,,	,,	7	25 × 12 × 10 × 21	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 14 × 40	,, 56 छद	19वी	
,,	,	3,4	25 × 11 × 11 × 48/36	,, 54 गा	19वी	
,,	,,	4	27 × 14 × 16 × 35	,, ग्रथाग्र 140	1967 फलोदी लाभद	

1	2	3	3 A	4	5
490	कुंथुनाथ 55/19	पार्श्व (तिंवरी) स्तवन	Pārśva (Tinvari) Stavana	रत्नसूरि	प
491-2	के नाथ 23/77, 26/93	,, (देशनरी) छंद 2 प्रतियां	,, (Deśantari) Chanda 2 copies	लक्ष्मीवल्लभ	,,
493	कोलडी 941	पार्श्व (शंखेश्वर) स्तवन	,, (Śankheśvara) Stavana	नयविमल	,,
494	ओसिया 3 ट 207	,, ,, ,,	,, ,, ,,	सिद्धसूरि	,,
495	कुंथुनाथ 39/3	,, ,, श्लोक	,, ,, Śloka	देवविजय	,,
496	महावीर 3 इ 24	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	रत्नविजय	पू बा (प्र ग)
497	ओसिया 3 ट 220	,, ,, ,,	,, ,, ,,	उदयविजय	,,
498	के नाथ 15/63	,, (स्तंभन) फाग	,, (Stambhana) Phāga	मेरुमनोहर मुनि	प.
499-500	के.नाथ 15/94, 18/16	,, ,, स्तवन 2 प्रतियां	,, ,, Stavana 2 copies	कुशललाभ	,,
501	ओसिया 3 ट 219	,, ,, स्तवन	,, ,, Stavana	,,	,,
502	के नाथ 6/100	,, (स्वयंभू) ,,	,, (Svayambhū) Stavana	हर्षकुशल	,,
503	के नाथ 26/92	,, (व अन्य) निशाणियां	Pārśva & other Niśāniyān	जिनहर्ष	,,
504	कुंथुनाथ 15/60	,, निशाणी	,, Niśāni	,,	,,
505	ओसिया 3 ट 361	,, ,,	,, ,,	,,	,,
506	सेवामंदिर 3 इ 371	,, सिलोका (श्लोक)	,, Silokā	पचोली जोगीदास	,,
507	के नाथ 29/5	,, ,, ,,	,, ,,	,,	,,
508	कोलडी गुटका 9/12	,, ,, ,,	,, ,,	—	,,
509	,, 11/13	पार्श्वनाथ फारसी छंद	Pārśvanātha Phārasi Chanda	—	पद्य
510	महावीर 3 इ 165	पुण्यप्रकाश-स्तवन	Punya Prakāśa Stavana	विनयविजय	प
511	के नाथ 26/85	पुष्पाञ्जली पंचमी व अन्य जयमालायें	Puspāñjali Pañcami etc	नागनंदि	,,
512	के नाथ 29/2	पूजा-संग्रह	Pūjā Saṅgraha	मरुनन	,,
513	महावीर 3 आ 121	पैंतालीस आगम दोहे	45 Āgama Dohe	—	,,
514	ओसिया 3 ट 227	,, ,, पूजा	,, Pūjā	वीरविजय (शुभविजय शिष्य)	,,
515	के नाथ 16/187	पैंतालीस आगमादि स्तवन	45 Āgamādi Stavana	धर्मसी पाठक	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	मा	1	26×11×11×40	सपूर्ण	17वी	1686 की कृति
,,	,,	5 3	21×12 व 20×15	,, 39 गाथा	19/20वी	
,,	,,	3	25×12×10×36	,, 32 गाथा	1865	
,,	,,	2	26×12×16×37	,, 2 पद 26+13 गाथा	1880 मेडता दौलतसुदर	दूसरा छद सरस्वती का है
,,	,,	गुटका	22×16×12×32	,, 40 गाथा	1913	
,, +तालिका	,,	44	32×16×25×44	सपूर्ण 4 ढालो का ग्र 3100	1919 महीद-पुर धर्मसी	
,,	,,	4	24×11×16×47	सपूर्ण 135 छद	20वी	
,,	,,	2	26×11×10×35	,, 17 गाथा	17वी	
,,	,,	4,3	25×10 व 25×12	,, 18 पद	19वी	
,,	,,	4	25×12×10×32	सपूर्ण 35 गा	1964	
,,	,,	3	25×11×15×40	सपूर्ण 2 स्तवन 38+33 गा	1737	दूसरा स्तवन पच-तीर्थी का है।
तीर्थंकर गुरु भक्ति	,,	गुटका	20×16×22×18	सपूर्ण 3 (पार्श्व की 112 छद	1767	ग्रन्थ निशानी कुशल-सूरि व एकादश का भाषा मे पजाबी का पुट
तीर्थंकर भक्ति	,,	3	26×12×11×40	सपूर्ण 45 गाथा	19वी	
,,	,,	6	20×10×9×28	, 56 गाथा	20वी	
,,	,,	3	24×11×13×52	,, 53 गाथा	1918	
,,	,,	2	13×10×19×42	,, 57 गागा	20वी	
,,	,,	गुटका	15×10×9×17	अपूर्ण 48 गाथा	1885	
,,	फारसी	गुटका	20×13×14×27	सपूर्ण 6 छद	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	5	25×12×14×34	,, 7 ढाले	1857×लब्धि रुचि	
,,	स	गुटका	12×11×9×13	सपूर्ण 3 जयमालाये 17+8+6 श्लो	19वी	दिगम्बर आम्नाय
भक्ति काव्य	मा	39	25×12×9×39	सपूर्ण 5 पूजाये (स्नात्र, 17 भेदी, 20 स्थान, अष्टप्रकारी पाचज्ञान	20वी	क्रमश देवचद, साधु-कीर्ति, विजयलक्ष्मी, ज्ञानसागर, रूपविजय
श्रुतशास्त्र कीर्त्तन	,,	3	27×12 —	सपूर्ण 45 दोहे	,,	
,, काव्य	,,	8	25×12×12×29	,, आठ पूजायें	1922 फलोदी विनयसुन्दर	
,, काव्य	,,	3	25×11×11×44	,, 5 पद	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
516	के नाथ 18/57	प्रत्यगिरा अंबिका स्तोत्र	Pratyangirā Ambikā Stotra	—	प.
517	मुनिसुव्रत 3 इ 247	प्रत्येक बुद्ध सलग्न गीत	Partyeka Buddha Samlagna Gīta	समयसुन्दर	,,
518	के नाथ 29/24	बत्तीस राग गीत	Battīsa Rāga Gīta	आनन्द	,,
519	कोलडी 906	बभणवाड महावीर स्तवन	Bambhanavāda Mahāvīra Stavana	कमलकलश शिष्य	,,
520	सेवामदिर 3 इ 377	,,	,,	,,	,,
521	के नाथ 18/80	,,	,,	,,	,,
522	कोलडी 358	बारह व्रत की पूजा	Bāraha Vrata kī Pūjā	वीरविजय	,,
523	के.नाथ 15/158	बीस विहरमान स्तवन	Bīsa Viharamāna Stavana	जिनराजसूरि	,,
524-6	के नाथ 5-90, 13-30,19-73	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
527	ओसिया 3 इ 200	,,	,,	,,	,,
528	महावीर 3 इ 16	,,	,,	जिनहर्ष	,,
529	ओसिया 3 इ 201	,,	,,	विनयचद (ज्ञानतिलक शिष्य)	,,
530	कोलडी 298	,,	,,	3 यशोविजय	,,
531-2	के नाथ 23/63गु 13	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
533	कुथुनाथ 43/11	,,	,,	जिनसागर	,,
534-5	महावीर 3 इ 32 18	,, 2 प्रतिया	2 copies	देवचद	,,
536	ओसिया 2/153	,, स्तवन	,,	,,	,,
537	के नाथ 24/66	,,	,,	,,	प.
538-9	कोलडी 346-47	बीस स्थानक पूजा 2 प्रतिया	Bīsa Sthānaka Pūjā 2 copies	विजयलक्ष्मीसूरि	प
540-1	के नाथ 9/23, 15/140	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	प.
542	ओसिया 3 इ 184	बीस स्थानक व सतरभेदी पूजा	,, Sattarabhedī Pūjā	जिनहर्ष + साधुकीर्त्ति	प
543	कोलडी 980	भक्तामर +वृत्ति	Bhaktāmara +Vṛtti	मानतुग/अमरप्रभ	मू वृ (प ग.)
544	कुथुनाथ 55/18	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, विजयप्रभ	मू वृ (प ग)
545	सेवामदिर 3 इ 329	,, +बा	,, +Bālā	,, —	मू बा (प ग)
546	के नाथ 22/72	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, गुणचद्र शिष्य अभयदेव	मू वृ (प.ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
शासनदेवी भक्ति	स	2*	26×11×18×55	सपूर्ण	19वी	
गुणकीर्त्तन वृत्तात	मा	2	25×11×12×32	,, 29 गाथाये	1783 किसनाजी	
जिनभक्ति गीत 32 रागो पर	,,	1	25×11×23×72	,, 32 गीत	19वी	
तीर्थ तीर्थंकर भक्ति	,,	3	24×11×10×34	,, 21 गा.	1770	
,,	,,	2	25×11×12×44	,, ,	18वी	
,,	,,	2	26×11×14×42	,, ,,	19वी	
श्रावकव्रत भक्ति काव्य	,,	10	26×11×11×38	सपूर्ण	1902	
महाविदेह तीर्थंकर भक्ति	,,	6	26×11×13×34	,, 20+2 स्तवन	1688	
,,	,,	8,7,11*	25×11×भिन्न 2	,, 20 स्तवन	19/20वी	
,,	,,	5	25×11×13×47	,, 21 स्तवन	19वी मुनि-लालचद	
,,	,,	5	24×11×15×54	,, 20+1 स्तवन	1753 पाटन, जिनहर्ष	
,,	,,	7	25×12×15×45	,, 20 स्तवन	1754 कात्तिक शुक्ल 8	1754 की असल प्रति/प्रशस्ति है
,,	,,	5	27×12×14×45	,, 20 स्तवन ग्र 200	19वी	
,,	,,	5,11	27×14 व 14×11	,, 20 स्तवन	19वी	
,,	,,	2	26×11×17×60	अपूर्ण 12 से 20= अतिम 9 तीर्थकर	19वी	
,,	,,	14,17	26×12×11/9×31	सपूर्ण 21/20 स्तवन	1833 पाली, 1887	
,,	,,	19*	25×12×12×35	,, 20 स्तवन	20वी	
,,	,,	3	24×11×10×41	कपूर्ण 3 स्तवन मात्र	20वी	
भक्ति काव्य	,,	10,18	27×12 व 24×12	सपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	6,12	25×11 व 27×13	,,	,,	
,,	,	20*	27×11×15×38	,, 2 पूजायें	1940 बीकानेर वासुदेव	
ऋषभदेव भक्तिकाव्य	स	3	31×12×9×35	सपूर्ण 44 श्लोक की	1251	प्रति इतनी पुरानी लगती नही हैं
,,	,,	20	25×11×18×52	सपूर्ण केवल अतिम पन्ना नही	16वी	
,,	स मा	14	26×11×15×58	सपूर्ण 44 श्लोक का	16वी	
,,	स	42	26×11×13×41	सपूर्ण 44 कयामह	16वी	

1	2	3		3 A		4		5
547	के नाथ 21/78	भक्तामर	+अ	Bhaktāmara	+Avacūri	मानतुंग		मू अ (प ग)
548	मुनिसुव्रत 3 इ 249	,,	+वा	,,	+Bālā	,,		मू (प)
549	कुंथुनाथ 55/22	,	+वाला	,,	—	,,	मेरुसुंदर	मू वा
550	मुनिसुव्रत 3 इ 348	,,	—	,,	—	,,		मू (प)
551	कोलडी 798	,,	+वा	,,	+Bālā	,,	मेरुसुंदर	मू वा
552	कोलडी 466	,,	+वृ	,,	+Vrtti	,,	अमरप्रभ	मू वृ
553	के नाथ 24/75	,,		,,		,,		मू (प)
554	,, 22/60	,,	+वृ	,,	+Vrtti	,,	क्षमाविजय	मू वृ
555	,, 26/93	,,	+ वा	,,	+Bālā	,,		मु वा
556	कोलडी 480	,,	+वृ	,	+Vrtti	,,	अमरप्रभ	मू वृ
557	सेवामंदिर 3 इ 327	,,		,,		,,		मू ट (प ग)
558	ओसिया 3इ 236	,,	+वृ	,,	+Vrtti	,,	—	मू वृ
559	के नाथ 6/47	,,		,,		,,		मू (प)
560	के नाथ 13/47	,,	+अ	,,	+Avacūri	,,	—	मू अ
561	कोलडी 468	,,	+वृ	,,	+Vrtti	,,	अमरप्रभ	मू वृ.
562	,, 465	,,		,,		,,		मू ट (प ग)
563	सेवामंदिर 3 इ 328	,,		,,		,,		,,
564	,, 3 इ 331	,,	+वा	,,	+Bālā	,,	—	मू वा
565	कोलडी 475	,,		,,		,,		मू ट (प ग)
566	महावीर 3 इ 71	,,	+वृ	,,	+Vrtti	,,	समयसुंदर	मू वृ
567	कोलडी 471	,,		,,		,,		मू ट (प ग)
568	के नाथ 17/42	,,	+वा	,,	+Bālā	,,	—	मू वा
569	मुनिसुव्रत 3 इ 250	,,	,,	,,	+ ,,	,,	—	,,
570	कोलडी 474	,,		,,		,,		मू ट (प ग)
571	,, 473	,,	+वा	,,	+Bālā	,,	मेरुसुंदर	मू वा

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेव भक्ति काव्य	स	8	26 × 12 × 6 × 30	सपूर्ण 44 श्लोक की	1655	
,,	,,	4	23 × 11 × 11 × 32	,, 44 श्लोक की	1670 राजधर	
,,	स मा'	19	25 × 11 × 12 × 42	,, 44 श्लोक+28 कथा	17वी काल्या-द्रह, कनकमेरु	
,,	स	9	25 × 12 × 10 × 30	सपूर्ण 44 श्लोक	1718	साथ मे कल्याण मदिर मूल'
,,	स मा	8	26 × 11 × 21 × 58	,, ,, +28 कथा	1720	
,,	स	10	26 × 11 × 15 × 42	,, 44 श्लोक	1744 सिरोही	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	1747	साथ मे 2 स्तवन
,,	,,	18	27 × 12 × 3 × 39	,, ,,	1763	
,,	स मा	24	20 × 15 × 26 × 19	,,	1793	
,,	स	10	25 × 11 × 23 × 60	,,	1799	साथ मे 'कल्याण मदिर' सटीक
,,	स मा	11	25 × 11 × 3 × 37	,, 43 श्लोक अतिम पन्ना कम	18वी	
,,	स	9	25 × 11 × 13 × 47	अपूर्ण 14 से 44 तक	18वी	
,,	,,	4	25 × 10 × 11 × 37	सपूर्ण 44 श्लोक	18वी	
,,	,,	5	23 × 11 × 14 × 46	,, ,,	18वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 4 × 50	,, ,, की	18वी	
,,	स मा	8	26 × 10 × 5 × 40	,, ,, का	18वी	
,,	,,	14	21 × 12 × 3 × 33	अपूर्ण 21 से 24	1806	
,,	,,	40	25 × 12 × 12 × 28	सपूर्ण 44 श्लोक	1816 जोगनी-पुर राजसुदर	
,,	,,	8	26 × 11 × 4 × 46	,, ,,	1822	
,,	स	17	21 × 11 × 13 × 33	,, ,,	1823 अजीमगज	वृत्तिसुबोधिका-नाम्नी
,,	स मा	8	25 × 11 × 5 × 36	,, ,,	1833	
,,	,,	29	26 × 11 × 13 × 38	,, 46 श्लोक कथा सह	1835	
,,	,	10	25 × 12 × 18 × 43	,, 44 श्लोक	1836	
,,	,,	8	25 × 11 × 5 × 40	सपूर्ण	1842	
,,	,	15	25 × 11 × 15 × 45	,, 44 श्लोक कथा सह	1867	

1	2	3	3 A	4	5
572	ओसिया 3 इ 168	भक्तामर +वृत्ति	Bhaktāmara +Vṛtti	मानतुङ्ग —	मू वृ.
573	ओसिया 3 इ 182	,, +वा	,, +Bāla	,, —	मू वा
574	ओसिया 3 इ 180	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, हर्षकीर्ति	मू वृ
575	के नाथ 21/30	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, शातिसूरि	,,
576	,, 24/71	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, —	,,
577	के नाथ 5/17	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, —	,,
578	के नाथ 18/33	,, + अ	,, +Avacūri	,, —	मू अ.
579	कोलडी 467	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, अमरप्रभ	मू वृ
580	के नाथ 14/8	,,	,,	,, —	मू ट.
581	के नाथ 5/29	,,	,,	,,	,,
582	ओसिया 3 इ 235	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,,	मू वृ.
583	महावीर 3 इ 76	,, ,,	,, +Vṛtti	,, —	,,
584	ओसिया 3 इ 169	,,	,,	,, —	मू ट
585-90	के नाथ 5/78 10/84, 17/17 17/27, 21/65 23/21-1	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,, —	मू प.
591-93	कोलडी 470-6 1124	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
594-99	कुथुनाथ 3-78, 4-89, 9-116, 13-35, 32 5, 27-2	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,,	,,
600-2	महावीर 3 इ 70, 73,75	भक्तामर भण्डारित काव्य 3 प्रतिया	Bhaktāmara Bhandārita Kāya 3 copies	,,	,,
603	के नाथ 6/10	भक्तामर की वृत्ति	Bhaktāmara kī Vṛtti	—	ग
604	नवामदिर 3 इ 330	,, ,,	,, ,,	कनककुशल	,,
605	कोलडी 464	भक्तामर की कथाये	Bhaktāmara kī Kathāyen	—	,,
606	कुथुनाथ 11/201	भक्तामर-भाषा	,, Bhāṣā	हेमराज	प.
607	के नाथ 26/86गु	भक्ति-पद	Bhakti Pada	विनोदीलाल	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभदेवभक्ति काव्य	स	17	25 × 12 × 12 × 26	सपूर्ण 44 श्लोक	1884कुचामण दौलतसुदर	
,,	स मा.	23	26 × 12 × 23 × 55	,, 44 श्लोक कथासह	1887	
,,	स	15	24 × 11 × 13 × 49	,, 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 54	,, 44 श्लोक	19वी	
,,	,,	9	25 × 12 × 13 × 31	अपूर्ण (24 श्लोक तक)	19वी	
,,	,,	30	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण (41 श्लोक तक) कथासह	19वी	पहिले दो पन्ने भी कम हैं
,,	,,	8	27 × 12 × 15 × 60	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	10	25 × 12 × 17 × 35	सपूर्ण	19वी	
,,	स मा	15	26 × 13 × 5 × 26	सपूर्ण 48 श्लोक	19वी	
,,	,,	10	23 × 11 × 4 × 40	,, 44 श्लोक	19वी	
,,	स	6	26 × 12 × 18 × 53	अपूर्ण (10वे श्लो तक ही)	19वी	
,,	,,	43	26 × 12 × 13 × 48	सपूर्ण 44 श्लोक 28 कथासह	20वी	
,,	स मा	22	27 × 12 × 5 × 43	सपूर्ण 44 श्लोक	20वी	
,,	स	5,4,3, 9,66	24 से 31 × 11 से 15	प्रथम अपूर्ण शेष पूर्ण	19/20वी	प्रथम मे आवश्यक गाथा व द्वितीय मे कल्याण मदिर है।
,,	,,	9,5,2	24 से 27 × 12 से 13	अतिम प्रति अपूर्ण शेष-पूर्ण	19वी	
,,	,,	4 5,6, 8,3,9	15 से 29 × 11 से 14	सभी सपूर्ण	19/20वी	अतिमप्रतिमे कल्याण मदिर नवतत्व व 24 दडक हैं
,,	,,	4,4,2	14 × 9 व 27 × 12(2)	4 काव्य, अतिम मे अन्य भी	19/20वी	अतिम चन्द्रसूरि की सही प्रतिलिपि
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण ग्र 400	19वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 19 × 47	सपूर्ण ग्र 758	1714	1652 की कृति
औपदेशिक भक्ति कथाये	मा	13	24 × 12 × 12 × 34	सपूर्ण 28 कथाये	1910	
भक्ति काव्य	हि	गुटका	22 × 17 × विभिन्न	,, 49 छद	19वी	
,,	मा	गुटका	13 × 12 × 10 × 10	,, 27 सवैये	1845	

1	2	3	3 A	4	5
608	के नाथ 11/64	भयहर-स्तोत्र	Bhayahara Stotra	मानतुङ्ग	प.
609	कुंथुनाथ 21/9	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
610	महावीर 3 इ 144	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	पार्श्वदेव	मू वृ, (प ग)
611-2	मुनिसुव्रत 3 इ 246 323	मणिभद्रआदि स्तोत्र व छद 2 प्रतिया	Manibhadrādi Stotra etc 2 copies	—	पद्य
613-5	कोलडी 536A, 517,908	मणिभद्राष्टक वृत्ति व छद 3 प्रतिया	Manibhadrādi Aṣṭaka etc 3 copies	(1 छद शातिसूरि 1 लालकुशल)	प ग
616	महावीर 3 इ 142	मणिभद्र भैरुपद	Manibhadra Bherupada	—	प.
617	के नाथ 15/59	मनकमुनि सज्झाय व पार्श्व-स्तव	Manaka Muni Sajjhāya etc	केशरधीर	,,
618	के नाथ 26/84	महार्थ जयमाला	Mahārtha Jayamālā	—	,,
619	के नाथ 5/41	महावीरचरियस्तोत्र +वृत्ति	Mahāvīra Carıyam—Vrtti	जिनवल्लभ/साधु-सोमगणि	मू वृ (प ग)
620	कोलडी 541	,, +वृत्ति	Mahāvīra Carıyam—Vrtti	,, ,,	,,
621	मुनिसुव्रत 4 अ 125	,, —	,, —	,,	मू ट. (प ग)
622	महावीर 4 अ 27	,, +वृत्ति	,, —Vrtti	,, /—	मू—वृ(प ग)
623	, ?	,, +वृत्ति	,, —Vrtti	जिनवल्लभ साधु-सोमगणि	,,
624	के नाथ 15/33	महावीरचरियस्तोत्र	Mahāvīra Carıyam Stotra	जिनवल्लभ	मू प
625	कुंथुनाथ 23/10	महावीर चरिय स्तोत्र +वा	,, —Bālā	,, /—	मू वा.
626-7	के नाथ 15/93-230	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	मू.प.
628	,, 29/21	महावीरद्वात्रिंशिका	Mahāvīra Dvātrıṁśikā	सिद्धसेन	प
629	सेवामदिर 3 इ 350	महावीरनाम सग्रह	,, Nāma Sangraha	—	,,
630	के नाथ 10/97	महावीरसम सस्कृतस्तव +वा	Mahāvīra Sama Samskrta Stava	जिनवल्लभ	मू वा
631	मुनिसुव्रत 3 इ 284	,,	,,	,,	मू प
632	क नाथ 29/50	,,	,,	,,	,,
633	,, 11/57	,,	,,	,,	मू ट. (प ग.)
634	,, 23/75	,,	,,	,,	मू प.
635	,, 22/44	,, +वृत्ति	,, —Vrtti	जिनवल्लभ/जयसागर	मू वृ

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	प्रा	2*	26 × 11 × 13 × 49	सपूर्ण 25 गाथा	16वी	
,,	प्रा मा	2	23 × 10 × 6 × 40	,, 23 गाथा	1656	
,,	प्रा स	15	25 × 13 × 18 × 40	,, 21 गाथा	20वी	
देवी-देवताओं की स्तुति	स मा	6,1	23 × 10 व 25 × 11	सपूर्ण 5 स्तोत्र + 21 गाथा का छद	19वी जोधपुर घनसागर व ईश्वर	
मणिभद्रदेव स्तुति	,,	4 2,3,	27 से 31 × 11 से 12	सपूर्ण 3 छद व 1 अष्टक वृत्ति	19/20वी	
,,	मा	2	20 × 12 × 8 × 16	सपूर्ण 2 पद 11 + 8 गा	20वी	
भक्तिस्वाध्याय	,,	3*	21 × 10 × 11 × 31	सपूर्ण 2 पद	19वी	
भक्ति	स	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	,, 53 श्लोक	19वी	दिगम्बर आम्नाय
भक्तिमय चरित्र कीर्त्तन	प्रा स	9	26 × 11 × 16 × 57	,, 44 गाथा	16वी	सोमगणि के गुरु जिनभद्र
,,	,,	11	32 × 11 × 17 × 54	,, 44 गाथा	1700	
,,	प्रा मा	5	26 × 11 × 5 × 41	,, 44 गाथा	1762 मेदनीपुर हरीदास	
,,	प्रा स,	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 44 गाथा	1531 अमदावाद धर्मसेन	चरित्रपचके
,,	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 44 गाथा	1662	पन्ने 12 (19 से 30 तक)
,,	प्रा.	2	22 × 11 × 14 × 31	,, 44 गाथा	1806	
,,	प्रा मा	7	27 × 12 × 15 × 70	सपूर्ण अतिम पन्ना कम 3 लकीरो का	19वी	
,,	प्रा	2,2	26 × 12 व 24 × 10	सपूर्ण 44 गाथा	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	स	1	25 × 11 × 16 × 43	सपूर्ण 32 श्लोक	19वी	
,,	,,	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 29 श्लोक	18वी	
,,	स मा	14	26 × 11 × 13 × 42	सपूर्ण 30 श्लोक	15वी	
,,	स	2	25 × 10 × 11 × 45	,, 30 श्लोक	16वी	
,,	,,	2	25 × 10 × 11 × 48	,, 30 श्लोक	16वी	
,,	स मा	5	25 × 11 × 5 × 43	,, 30 श्लोक	16वी	
,,	स.	6*	26 × 11 × 12 × 41	अपूर्ण 10 से 30 श्लोक	1626	
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 49	सपूर्ण 30 श्लोक	1697	

1	2	3	3 A	4	5
636	के नाथ 23/47	महावीरसमसस्कृत स्तव+अव	Mahāvīra Sama Samskrta Avacūri	जिनवल्लभ/ —	मू अ
637	सेवामदिर 3 इ 378	,,	,,	जिनवल्लभ	मू प.
638	के नाथ 15/234	,,	,,	,,	,,
639	के नाथ 15/66	,,	,,	,,	,,
640	के नाथ 29/53	महावीरस्तवन +वृत्ति	Mahāvīra Stavana+Vrtti	पादलिप्त/अमरकीर्त्ति (मानकीर्त्ति का शिष्य)	मू वृ (प ग)
641	के नाथ 26/103गु	महावीरस्तवन (2)	,, (2)	अभयदेव+जिनवल्लभ	मू प.
642	के नाथ 19/46	,,	,,	अभयदेव	,,
643	महावीर 3 इ 44	,,	,,	,,	,,
644	कुंथुनाथ 9/119	,,	,,	विजयदेव	,,
645	के नाथ 15/212	,,	,,	अज्ञात	,,
646	सेवामदिर गुटका 3 ति	महावीर (26 द्वार 34 अतिशय) स्तवन	Mahāvīra (26 Dvāra 34 Atiśaya) Stavana	पार्श्वचन्द	प.
647	कोलडी 296	,, (5 कल्याणक) स्तवन	Mahāvīra (5 Kalyānaka)	सकलचद (हीरविजय शिष्य)	,,
648	कुंथुनाथ 44/6	महावीरस्तवन	Mahāvīra Stavana	जिनदास	,,
649	के नाथ 5/12	,,	,,	लक्ष्मण	,,
650	, 14/118	,,	,,	प्रमोदसूरि	,,
651	,, 19/85	,,	,,	विजयदेवसूरि	,,
652	ओमिया 3 इ 192	,,	,,	लक्ष्मीसूरि	,,
653	महावीर 3 इ 31	,,	,,	रामविजय (विमलविजय शिष्य)	,,
654	के नाथ गु 14	,,	,,	वा विनयविजय	,,
655	,, 10/63	,,	,,	वा यशोविजय	,,
656	मुनिसुव्रत 3 इ 323	महासत सती कुल सज्झाय	Mahāsanta Satī Kula Sajjhāva	—	,,
657	,, 3 इ 323	मुख-वदनदर्पण +वृत्ति	Mukhavandana Darpana +Vrtti	—	मू वृ (प ग)
658	के नाथ 26/21	मुनिमालिका	Munimālikā	चारित्रसिंह	प.
659	कोलडी 275	,,	,,	,,	प.
660	के नाथ गुटका 1	यादवो की धमाल	Yādavon kī Dhamāla	राजहर्ष	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति	स.	6	26×11×4×43	सपूर्ण 30 श्लोक	1714	
,,	,,	9	24×10×10×44	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	2	22×11×15×36	सपूर्ण 30 श्लोक	1806	
,,	,,	2	26×11×13×37	,, ,,	19वी	
,,	प्रा स	2*	22×10×15×52	,, 6 गाथा	1686	
,,	,,	2	25×12×20×56	सपूर्ण (22 गाथा व 39 श्लोक	18वी	(जिनवल्लभ का समसस्कृत)
,,	प्रा	4*	25×11×13×35	सपूर्ण 22 गाथा	1806	
,,	,,	2	26×12×13×35	,, ,,	19वी	साथ मे लघु शाति
,,	स.	1	27×13×14×42	,, 23 श्लोक	19वी	
,,	प्रा	1	26×12×13×50	सपूर्ण 21 गा	20वी	
,,	मा	गुटका	16×13×13×20	,, 94+24 गाथा	1650	
,,	,,	4	27×11×11×37	,, 3 ढाले = 66 गा	17वी	
,,	,,	गुटका	15×12×17×24	,, 38 गा	17वी	
,,	,,	5	26×10×13×34	,, 98 गा	1744	
,,	,,	3	27×12×12×42	,, 48 गा	19वी	
,,	,,	8	28×14×18×42	,, 121 गा.	19वी	
रत्नत्रयमयी भक्ति	,,	3	27×12×18×52	,, 8 ढालें	19वी, पादलिप्त तीर्थ, रत्नचद्र	
तीर्थंकर भक्ति	,,	5	26×13×12×26	,, 52 छद	19वी	
,,	,,	10	16×14×11×18	,, 8 ढाले	19वी	
,,	,,	4	27×13×17×28	,, 6 ढाले	1917	
ाधु भक्ति स्मरण	प्रा	1	26×11×14×33	सपूर्ण 13 गा	19वी	
(ा)भक्ति	स	1	25×11×14×48	सपूर्ण	19वी	
ाधुवदना भक्ति	मा	5	26×13×10×30	,, 37 गा	19वी	
,,	,,	3	26×12×13×40	,, 34 ,,	19वी	
ण्रानीहोलीभक्ति	,,	2	22×19×22×32	सपूर्ण 60 गा	1814	

1	2	3	3 A	4	5
661	ओसिया 3 इ 351	रत्नप्रभसूरि-स्तोत्र	Ratnaprabhasūri Stotra	—	प
662	महावीर 3 इ 157	रत्नसागर ग्रन्थ	Ratnasāgara Grantha	सकलन	प ग.
663	कोलडी 540	रत्नाकर पचविंशतिका	Ratnākara Pañcaviṁśatikā	रत्नाकरसूरि	मू.ट (प ग)
664	के नाथ 26/61	राजुल-पच्चीसी	Rājula Paccīsī	लालचद	प
665	कुथुनाथ 55/26	राणपुर मडन ऋषभ-स्तवन	Rānapura Mandana Rṣabha Stavana	नयमुद (भावमुदर शिष्य)	,,
666	ओसिया 3 इ 215	रोहिणी स्तुति आदि	Rohini Stuti etc	चन्द्रसूरि	,,
667	के नाथ 11/50	लघु अजितशाति वृत्तिसह	Laghu Ajita Śānti with Vrtti	जिनवल्लभ/धर्मतिलक	मू + वृ
668	महावीर 3 आ 48	लघु नमस्कार चक्रम्	Laghu Namaskāra Cakram	—	पद्य
669	ओसिया 2/152	लघु नवकार फल	Laghu Navakāra Phala	—	,,
670	कुथुनाथ 4/105	लघ शाति	Laghu Śānti	मानदेव	,,
671	महावीर 3 इ 47	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	मानदेव धर्म प्रमोदगणि	मू वृ. (प ग)
672	के नाथ 15/190	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, —	,,
673	कुथुनाथ 15/1	,, +बा	,, +Bālā	,, लाभविजय	मू बा (प ग)
674-78	कुथुनाथ 2/8, 15/62, 21/10 26 10, 26/11	,, 5 प्रतिया	,, 5 copies	,, —	मू प
679-80	के नाथ 6-93 15/205	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
681	महावीर 3 इ 155	लघु शाति की वृत्ति	,, kī Vrtti	हर्षकीर्त्ति	ग
682	कुथुनाथ 44/5	लघु महस्रनाम-स्तोत्र	Laghu Sahasra Nāma Stotra	भद्रबाहु	प
683	सेवामदिर 3 इ 345	,,	,, ,,	—	,,
684	कुथुनाथ 36/1	लघ स्वयभू स्तोत्र	Laghu Svayambhū Stotra	देवनदी	,,
685	कोलडी 420	वर्षीतप-स्तवन	Varṣī Tapa Stavana	रूपऋषि	,,
686	के नाथ 6/128	विज्ञप्ति द्वात्रिंशिका	Vijñapti Dvātrimśikā	रूपचद	,,
687	कुथुनाथ 36/1 क्रम 14	विषापहार स्तव समग्र।	Visāpahāra Stava Samagra	सुमुखोनसुरि	,,
688	के नाथ 26/25	,, स्तवन	,, Stavana	अचलकीर्त्ति	,,
689	महावीर 3 इ 39	,, ,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
गुरुभक्ति	स	93[अ]	25 × 11 × 13 × 36	सपूर्ण	1755	
जैन भक्ति काव्य-सग्रह	प्रा स मा.	484	26 × 15 × 20 × 12	,,	1945	
सर्वजिनभक्ति	स मा	5	38 × 12 × 10 × 32	,, 25 श्लोक	19वी	
भक्तिमय गीत	मा	6	22 × 12 × 10 × 29	,,	19वी	
तीर्थ तीर्थकर भक्ति	,,	1	26 × 11 × 14 × 35	,, 17 गाथा	17वी	
जैन भक्ति काव्य	,,	4	24 × 11 × 11 × 32	,, 9 स्तुतिये	1902 फलोदी, प हसा	
भक्ति काव्य	प्रा स	14	25 × 10 × 15 × 54	मपूर्ण 17 गाथा की ग्र 320	16वी	
जैन भक्ति मत्र	स	40*	25 × 11 × 14 × 50	सपूर्ण 117 श्लोक	1962	
भक्तिफल	प्रा.	123+	26 × 12 × 11 × 40	,, 23 गाथा	16वी	
भक्ति स्तोत्र	स	1	24 × 11 × 11 × 40	,, 19 श्लोक	16वी	
,,	,,	14+	25 × 12 × 13 × 35	,, 19 श्लोक	19वी	
,	,,	4	26 × 11 × 13 × 35	अपूर्ण 13 श्लोक तक	19वी	
,,	स मा	4	25 × 10 × 4 × 32	सपूर्ण 17 श्लोक	17वी	
,,	स	2,2,2, 1,1	22 से 26 × 9 से 12	,, 17/18/21 श्लोक	20वी	
,,	,,	2,1	25 × 12 व 25 × 11	,, 19/19 श्लोक	20वी	
,,	,,	3	27 × 14 × 15 × 48	सपूर्ण	1928	
भक्ति नाम स्मरण	,,	गुटका	12 × 9 × 9 × 18	सपूर्ण 41 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	23 × 10 × 21 × 72	,, 39 श्लोक	1667 × मालचद	
भक्ति स्तोत्र	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 25 श्लोक	1544	
भक्ति गीत	मा.	3	29 × 11 × 10 × 40	सपूर्ण 4 ढाले	19वी	
,,	स	2	26 × 10 × 13 × 44	मपूर्ण 32 श्लो + 3तीर्थकर ऋ शा नेमी स्तवन 5-5 श्लोक के	19वी	
,,	स.	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 40 श्लोक	1544	
भक्ति काव्य	मा	2	25 × 13 × 17 × 29	,, 41 गाथा	19/वी	
,,	मा सा	4	26 × 13 × 14 × 43	मपूर्ण 40 गाथा + 4स्तवन	20वी	दो स्तवन सरकृत मे

1	2	3	3 A	4	5
690	के नाथ 18/17	वीतराग-वदना	Vītarāga Vandanā	—	प
691	,, 11/84	वीतराग-स्तोत्र सावचूरी	Vītarāga Stotra with Avacūri	हेमचन्द्राचार्य/प्रभानद	मू अ (प ग)
692	मुनिसुव्रत 3 इ 309	,, —	,,	हेमचन्द्राचार्य	मू (प)
693	ओसिया 2/154	,,	,,	,,	मू (प)
694	के नाथ 21/12	,,	,,	,,	मू (प)
695	,, 10/23	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, /—	मू वृ (प ग)
696	,, 29/42	वीतराग स्तोत्र की अवचूरी	Vītarāga Stotra kī Avacūri	—	ग.
697	ओसिया 3 इ 232	वृहत्नवकार नमस्कार	Vrhat Navakāra	जिनवल्लभ	प
698	के नाथ 11/101	,,	,,	,,	,,
699	के नाथ 26/103गु	वृहत्नवकार+नमस्कार माहात्म्य	Vṛhat Navakāra etc.	—	,,
700	मुनिमुव्रत 3 इ 273	वृहत्शान्ति	Vrhat Śānti	—	प ग.
701	के नाथ 15/24	,,	,,	—	,,
702-3	,, 14/125, 23/78	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
704	महावीर 3 इ 45	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	—/हर्षकीर्ति (चद्र-कीर्त्ति का शिष्य)	मू वृ
705-6	कुथुनाथ 2/3,21/8	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	प ग
707-8	कोलडी 463,462	वृहन्शाति की टीका 2 प्रतिया	,, kī Tīkā 2 copies	हर्षकीर्त्ति	ग.
709-10	महावीर 3 इ 139-40	शक्रस्तव 2 प्रतिया	Śakrastava 2 copice	सिद्धसेन	,,
711	कोलडी 414	शत्रुञ्जय खमासणा व दोहे	Śatruñjaya Khamāsanā +Dohe	—	प ग
712	के नाथ 23/92	,, खमासणा	,	—	,,
713	,, 18/90	,, खमासणा+दोहे	,, ,,	पुण्यमहोदय (कल्याण सागर शिष्य	,,
714	सेवामदिर 3 इ 345	शत्रुञ्जयनामकहा	Śatruñjaya Nāmakahā	—	,,
715	के नाथ 23/79	शत्रुञ्जय-स्तवन	,, Stavana	प्रेमविजय+शुभवीर	प
716	,, गुटका-1	,,	,,	आनदनिधान	,,
717	,, 23/86	,,	,,	प्रेमविजय	,,
718	महावीर 3 इ 22	,,	,,	देवचद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	3	23 × 11 × 7 × 36	संपूर्ण 11 पद	1900	
,,	स	6	26 × 11 × 16 × 40	,, 20 प्रकाश	1505	
,,	,,	3	25 × 10 × 22 × 57	,, ,,	16वी	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, ,, 187 श्लोक	16वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 43	,, ,,	17वी	
,,	,,	11	25 × 12 × 16 × 42	अपूर्ण 12वे प्रकाश तक	19वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 60	,, ,,	16वी	
भक्ति मत्र	अपभ्र श	2	25 × 11 × 11 × 31	सपूर्ण 27 पद	1898	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 34	,, 13 पद	19वी	
भक्ति मत्र व फल	स	3	25 × 12 × 20 × 56	दोनो अपूर्ण (2 प्रकाश 18 श्लोक)	18वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	2	25 × 10 × 13 × 46	सपूर्ण	16वी	(सक्षिप्त पाठ)
,,	,,	3	25 × 10 × 11 × 34	,,	-1681	
,,	,,	3,6	25 × 12 व 31 × 11	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 18 × 50	,,	1950	
,,	,	2,3	25 × 11 व 25 × 12	,,	19/20वी	
,, व्याख्या	,,	7,6	22 × 11 व 24 × 13	,,	,,	
भक्ति मंत्र स्तोत्र	,,	5,8	27 × 14 व 28 × 14	,,	19वी अजमेर नरेन्द्र	(नमुत्थुरण से भिन्न)
भक्ति पद पाठ	मा	11	25 × 12 × 10 × 30	,, 97 नाम + 114 दोहे	19वी	
,,	,,	3	26 × 13 × 15 × 43	सपूर्ण	,,	
,,	,,	9	22 × 12 × 14 × 33	,, 96 नमस्कार + 113 दोहे	,,	
तीर्थ भक्ति नाम	प्रा स मा	6	27 × 13 × 12 × 35	सपूर्ण ग्रथाग्र 160	1950अमरदत्त मेवाडा	
भक्ति गीत सामान्य	मा	11	23 × 12 × 10 × 23	,, दो स्तवन 41 गा + 12 ढाल	1953	
तीर्थ माहात्म्य गीत	,,	3	22 × 11 × 22 × 32	सपूर्ण 45 छद	1814	
,,	,,	4	24 × 14 × 13 × 24	सपूर्ण + ढढणऋषि सज्भाय	19वी	
तीर्थ गीत व वर्णन	,,	12	25 × 12 × 10 × 31	,, 34 + 64 गाथाये	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
719	मुनिसुव्रत 4 इ 323	शत्रुञ्जय स्तुति	Śatruñjaya Stuti	—	प.
720	के नाथ 26/85	शांतिनाथ अष्टक व जयमालायें	Śāntinātha Aṣṭaka etc	—	,,
721	,, 15/95	शांतिनाथ-नेमिपार्श्व-स्तोत्र	,, & other Stotras	जिनवल्लभ	,,
722	महावीर 3 इ 355	शांतिनाथ-महावीर-स्तुति	,, & Mahāvīra Stuti	—	,,
723	पेवामदिर 3 इ 350	शांतिनाथ-स्तवनानि	,, Stavanāni	राजसूरि व अन्य	,,
724	कुंथुनाथ 36/1 क्र 41,5	,,	,, ,,	पद्मनंदि व अन्य	,,
725	,, 18/1	शांतिनाथ स्तवन	Śāntinātha Stavana	म्टकृति	,,
726	मुनिसुव्रत 3 इ 272	,,	,,	—	,,
727	ओसिया 3 इ 212	,,	,,	यशोविजय	,,
728	के नाथ 15/35	,,	,,	कनकसोम	,,
729	,, 15/68	शीतलनाथ-स्तवन	Śītalanātha Stavana	सहजकीर्त्ति	,,
730	कुंथुनाथ 36 1 क्रम 54	श्रुतदेवतास्तुति	Śrutadevatā Stuti	पद्मनंदि	,,
731-2	,, 10/165, 13/218	श्लोक संग्रह प्रार्थना के 2 प्रतियां	Śloka Sangraha 2 copies	सकलन	,,
733	महावीर 3 इ 26	षडावश्यक- स्तवन	Ṣaḍāvaśyaka Stavana	नयविजय	,,
734	मुनिसुव्रत 3 इ 269	सकलकुशलवल्ली चैत्यवंदन	Sakalakuśalavalli Caitya-vandana	—	मू ट (प ग)
735	ओसिया 3 इ 228	,, +बा	,, +Bālā.	—	मू बा (प ग.)
736	,, 3 इ 187	सकलार्हत्	Sakalārhat	हेमचंद्र/नयविमल	मू ट (प ग)
737	मुनिसुव्रत 3 इ 319	, व शांति स्तोत्र आदि	,,	सकलन	पद्य
738-41	कोलडी 539, 482-3	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	हेमचन्द्राचार्य	प
741	कोलडी 444	, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, /कनककुशल	मू वृ, (प ग)
742	महावीर 3 इ 3	,, +वृत्ति	,, +Vṛtti	,, / ,,	,,
743	पेवामदिर 3 इ 345	,, —	,, —	वीरभद्र/हेमचन्द्र	प
744	ओसिया 3 इ 176	,,	,,	,, —	,,
745	महावीर 3 इ 57	सज्झाय-संग्रह	Sajjhāya Sangraha	क्षमाकल्याण	,,
746	पवामदिर 3 इ 370	सती-सज्झाय	Satī Sajjhāya	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ भक्ति	स	1	25 × 11 × 17 × 52	सपूर्ण 9 श्लोक + 2 पद	19वी × तखत सागर	
तीर्थंकर भक्ति	,,	गुटका	12 × 11 × 9 × 13	सपूर्ण 8,9,9, श्लोक	19वी	
,,	प्रा.	5[1]	26 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण 3 स्तोत्र (33 + 15 + 15) गा.	17वी	
,,	स.	1	27 × 13 × 20 × 29	सपूर्ण 4-4 श्लोक की	19वी	
,,	,,	6	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 27 श्लो द्वितीय पूर्ण 5 श्लोक	18वी	
,,	,,	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 2 (11 + 9 श्लोक)	1544	
,,	मा	4	25 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण 69 छद	16वी	
,,	,,	2	24 × 10 × 13 × 41	,, 30 गा	1696बीकनयर	
,,	,,	3	24 × 11 × 12 × 39	,, 6 ढाले	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 31	,, 29 गाथा	19वी	
,,	प्रा	2[1]	26 × 11 × 14 × 43	,, 15 गाथा	18वी	
ज्ञानदेवी की भक्ति	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 31 श्लोक	1544	
प्रार्थना के श्लोक	प्रा स मा	2,3	22 × 12 व 23 × 11	प्रतिपूर्ण	19वी	
आवश्यक भक्तिकाव्य	मा	3	27 × 13 × 12 × 37	सपूर्ण 6 ढाले	1914	
भक्ति स्तोत्र	स मा	2	22 × 9 × 4 × 40	,, 7 श्लोक	19वी	
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 28	,,	,,	
,,	,,	5	26 × 12 × 4 × 32	,, 28 श्लोक	1763	मूल हेमचन्द्राचार्य का हे।
,,	स	4	24 × 10 × 12 × 37	कुल 5 स्तोत्र (सामान्य)	1840 नागौर, ईश्वरसागर	
,,	,,	2,3,3	26 से 30 × 11 से 13	सपूर्ण 36 श्लो 27 27	19वी	
,,	,,	10	27 × 13 × 11 × 49	,, 26 श्लोक की	1903	
,,	,,	7	28 × 12 × 12 × 54	,, 28 श्लोक ग्र 282	1942 जयपुर देवकृष्ण	व्याख्या 26 श्लोक तक ही
,,	,,	2	21 × 10 × 11 × 21	,, 30 श्लोक	20वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 32	,, 31 श्लोक	,,	
भक्ति स्वाध्याय	मा.	14	25 × 13 × 10 × 24	,, 16 गीत	,,	
सती गुण कीर्त्तन	,,	2	24 × 11 × 11 × 44	,, 29 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
748-9	के नाथ 14/115, 21/79, 6/102	सत्तरभेदी पूजा 3 प्रतिया	Sattarabhedī Pūjā 3 copies	साधुकीर्त्ति	प
750-1	कोलडी 357,952	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
752-3	,, 345,344	,, 2 प्रतिया	, 2 copies	सकलचन्द्र	,,
754	ओसिया 3 इ 184	,,	,,	—	,,
755	कुंथुनाथ 15/10	सत्तरभेद पूजा प्रबन्ध	Sattarabheda Pūjā Prabandha	समरचद	,,
756	,, 15/59	सत्तरभेदी पूजा विचार स्तवन	Sattarabhedī Pūjā Vicāra Stavana	पासचद	,,
757	के नाथ 10/52	सप्तदश प्रकार पूजा	Saptadaśa Prakāra Pūjā	—	ग.प
758	महावीर 3 इ 37	सप्तस्मरण वृत्तिसह	Saptasmarana with Vṛtti	भिन्न 2 आचार्य	मू वृ
759	के नाथ 5/9	,, +बा	,, +Bālā	,,	मू बा (प ग)
760	ओसिया 2/152	,, व स्तवन	,, & S a an ı	,,	मू प.
761	के नाथ 15/124	,	,,	,,	मू
762	कुंथुनाथ 29/13	,,	,,	,,	,,
763	के नाथ 15/91	,,	,,	,,	,,
764	के नाथ 5/34	,,	,,	,,	,,
765	सेवामदिर 3 इ 338	,, वृत्तिसह	,, with Vrtti	,,	मू वृ.
766	मुनिसुव्रत 3 इ 251	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
767	कोलडी 1111	,,	,,	,,	मू
768	,, 454	,, वृत्तिसह	,, with Vrtti	,,	मू वृ
769	सेवामदिर 3 इ 339	,, +बा	,, +Bālā	,,	मू ट बा.
770	ओसिया 3 इ 362	,,	,,	,,	मू ट
771-3	महावीर 3 इ 34, 36 35	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	मू
774-8	के नाथ 11/65, 20/40, 24/57, 26/101, 16/11	,, 5 प्रतिया	,, 5 copies	,,	,,
779	कोलडी 460	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति काव्य	मा	10,10,3	21 से 26 × 9 से 13	दो मे 17 पूजाये, तीसरी मे 6 ही	19वी	
,,	,,	10,2	25 से 11 व 27 से 12	दोनो पूर्ण	,,	
,,	,,	13,21	26 × 12 व 26 × 13	,,	,,	
,,	,,	20*	27 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण	1940	
पूजाका व 17 प्रकार का विवेचन	,,	5	26 × 11 × 13 × 49	,, 24 पद्यानुच्छेद	19वी	
भक्ति (पूजा विधान)	,,	2	25 × 11 × 13 × 42	,, 29 गाथा	,,	दिगम्वर ग्राम्नाय
भक्ति काव्य व विधि	स	2	26 × 12 × 13 × 42	सपूर्ण	,,	
भक्ति स्तोत्र	प्रा स	34	25 × 9 × 13 × 49	छठे स्मरण की नही बाकी छं है।	16वी	
,,	प्रा मा	26	26 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण	16वी	
,, आदि	प्रा स	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण	16वी	
,,	प्रा	7	25 × 10 × 12 × 48	,,	16वी	
,,	,,	7	26 × 10 × 13 × 40	त्रुटक	16वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण	1868	
,,	,,	10	25 × 11 × 11 × 34	,,	17वी	
,,	प्रा म	32	27 × 12 × 13 × 45	अपूर्ण-1 व 6 नही 2 व 7 अधूरे	17वी	
,,	प्रा मा	9	23 × 11 × 6 × 38	4 व 5 नही वाकी 5 स्मरण	1753,काणाणा विद्याविशाल	
,,	प्रा	7	26 × 10 × 13 × 42	छठा अधूरा व सातवा नही	18वी	
,,	प्रा स	51	26 × 11 × 11 × 44	पाच स्मरण व तीन अन्य	*18वी	(2 शाति 1 भक्तामर साथ मे)
,,	प्रा मा	26	21 × 12 × 5 × 31	,,	1851 जोधपुर भीमराज	
,,	,,	23	24 × 12 × 5 × 30	सपूर्ण	1880	
,,	प्रा	17,28 12	24 से 26 × 12 से 13	,,	19/20वी	
,,	,,	9,10 14,11, 17	25 से 26 × 11 से 13	चार पूरी और अन्तिम अपूर्ण	19वी	
,,	,,	13	27 × 13 × 12 × 44	सपूर्ण	1889	

1	2	3	3 A	4	5
780	ग्रोसिया 3 इ 216	सप्तस्मरण-स्तुति ग्रादि	Saptasmarana Stuti etc	भिन्न 2 ग्राचार्य	मू प.
781	के नाथ 6/65	सप्तस्मरण ग्रावश्यक व ग्रन्य ग्रथ	,,	,,	मू
782	,, 21/51	सप्तस्मरण की वृत्तियें	, ki Vrttiyen	भिन्न 2 वृत्तिकार	ग

(सप्तस्मरणादि

ग्रजितशाति	मूलनदीपेण प्राकृत गाथा 40		वृत्ति —(1) गोविन्दाचार्य मस्कृत गद्य ग्रयाग्र 350	
लघुशाति (उल्लामिका)	मूल जिनवल्लभ प्राकृत गाथा 15-18		,, (1) धर्मतिलक ,,	320
भयहर-स्तोत्र	मूल मानतुङ्ग ,,	21	,, (1) जिनप्रभ ,,	300 ग्रभिप्राय चद्रिका
तजयउ (सर्वाधिष्ठायक)	मूल जिनदत्तसूरि ,,	26	,, (1) जयसागर (वर्धमान शिष्य) गद्य सस्कृत	
गुरुपारतन्त्र्य	,, ,,	21	,, (1) सागरचन्द्र सस्कृत गद्य	
विग्घापहर	,, ,,	14	,, (1) ग्रज्ञात ,, ,,	
उवसग्गहर	मूल भद्रबाहु ,	5	,, (1) जिनप्रभ ,, , ,ग्रयाग्र 271	
लघुशाति	मूल मानदेव सस्कृत	19	,, (1) धर्मप्रमोदगणि मस्कृत गद्य	
वृहत्शाति	मूल ग्रज्ञात मस्कृत		,, (1) हर्षकीर्त्ति ,, ,,	

783	के नाथ 26/103गु	सप्तोपधानादि-स्तवन	Saptopadhānādi Stavana	समयसुन्दर	प
784	सेवामदिर गुटका30 ति	सरदहणा-स्तवन	Saradahanā Stavana	पार्श्वचद	,,
785	महावीर 3 इ 77	सरस्वती भक्तामर+वृत्ति	Sarasvatī Bhaktāmara +Vrtti	मानतुङ्ग (स्वोपज्ञ)	मू वृ (प ग)
786-91	महावीर 3 इ 131, 86,130,132 55,79	सरस्वती-स्तोत्राणि 6 प्रतिया	Sarasvatī Stotrāni 6 copies	प्रभाचार्य सुमति व ग्रन्य	प
792-4	मुनिसुव्रत 3 इ 286 246 323	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
795	सेवामदिर 3 इ 350	,,	,,	जिनप्रभ व ग्रन्य	,,
796-7	के नाथ 26/103. 19/38	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	वप्पभट्टसूरि व ग्रन्य	,,
798-804	कुथुनाथ 35/39, 16/17, 36/1 20/8-9, 44/5, 14/60	,, 7 प्रतिया	,, 7 copies	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति स्तोत्र	प्रा मा	7	25 × 11 × 11 × 25	अपूर्ण	20वी	
,, आदि	प्रा मा स	96	25 × 11 × 11 × 34	,,	20वी	(सामान्य सकलन)
, व्याख्या	स.	31	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण	1637	

वृत्तियों की विगत)

(2) जिनप्रभाचार्य सस्कृत गद्य ग्रथाग्र 740 वोधिदीपिकानाम्नी (3) कर्मसागर सस्कृत गद्य

(2) पार्श्वदेवगणि सस्कृत गद्य

(2) हर्षकीर्त्ति (चन्द्रकीर्ति का शिष्य) सस्कृत गद्य

भक्ति क्रिया सह	मा	5	25 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण 5 स्तवन	18वी	
भक्ति श्रद्धा (दर्शन)	,,	8	16 × 13 × 13 × 20	,, 49 गा	1651	
सरस्वती जैन भक्ति	स.	25	26 × 12 × 12 × 40	,, 44 श्लोक	20वी	
सरस्वती भक्ति	,,	2 2,2,2, 1,1	20 से 27 × 11 से 13	,, 9 स्तोत्र कुल (80 श्लोक)	19/20वी	
,,	स मा.	2,6* 18*	23 से 24 × 10 से 11	,, 4 स्तोत्र (मस्कृत मे 3)	,,	
,,	स	40	10 × 6 × 7 × 16	सपूर्ण 11 स्तोत्र (150 श्लोक)	18वी	
,,	,,	6'4	25 × 11 व 26 × 13	सपूर्ण 9 स्तोत्र (70श्लो)	18/19वी	
,,	,,	1,2,1,2 1 (गुटका 2)	भिन्न-भिन्न	,, 16 स्तोत्र (195)	16/19वी	

1	2	3	3 A	4	5
805-6	कोलडी 522-532	सरस्वती स्तोत्राणि 2 प्रतिया	Sarasvatī Stotarāni 2 copies	कुशल पडित व अन्य	प
807	सेवामदिर 3 इ 345	,, स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
808	,, 3 इ 345	सतिकरनाम-स्तोत्र	Santikaranāma Stotra	—	,,
809	कुथुनाथ 3/68	सवेग व दान गीत	Samvega & Dāna Gita	—	,,
810	सेवामदिर 3 इ 376	ससार दावानल-स्तुति	Samsāra Dāvānala Stuti	—	,,
811	के नाथ 15/80	,, सावचूरी	, with Avacūri	—	मू अ (प ग
812	मुनिमुव्रत 3 इ 283	,, वृत्तिमह	,, with Vrtti	हरिभद्र	मू वृ (प ग
813	के नाथ 13/45	साधुवन्दना	Sādhuvandanā	—	प
814	,, 19/9	,,	,,	भावहर्षसूरि	,,
815	सेवामदिर गु 3 ति	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	पार्श्वचन्द्र	,,
816	के नाथ 20/50	,,	,,	,,	,,
817-8	मुनिसुव्रत 3 इ 255 364	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
819	के नाथ 15/22	,,	,,	कुअरजी	,,
820-1	,, गु 1,14-104	,,	,,	पार्श्वचद	,,
822	मुनिसुव्रत 3 इ 259	,,	,,	,,	,,
823	कुथुनाथ 39/4	,,	,,	,,	,,
824	कोलडी 274	,,	,,	समयसुदर	,,
825-6	के नाथ 6/12, 26/80	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
827	कोलडी गु 9/12	,,	,,	ऋषिजयमलजी	,,
828-9	के नाथ 23/71, 24/44	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
830-31	,, 14/129, 24/41	(आगमोक्त) साधुवदना 2 प्रतिया	,, 2 copies	मुनिदेव (ज्ञानचद का शिष्य)	,,
832	कुथुनाथ 54/11	,,	,,	,, ,,	,,
833	के नाथ 26/46	साधुवदना	,,	कुशल (नागौरी गच्छ)	,,
834	, 15/27	,,	,,	जयसोम	,,
835	,, 14/91	,,	,,	अज्ञात	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सरस्वती भक्ति	स मा.	3,2	30 × 10 × भिन्न 2	सपूर्ण 2 स्तोत्र (सस्कृत मे 1)	19वी	साथ 2 स्तोत्र 64 योगिनी
,,	स	2*	27 × 10 × 21 × 72	सपूर्ण	19वी	साथ मे 64 योगिनी बीज मत्र
जिनभक्ति	प्रा.	1	24 × 11 × 12 × 33	,, 13 गाथा	1881 × हर्षचन्द्र	ग्रत मे ग्रानदघन का 1 पद
श्रद्धा भक्ति उपदेश	मा	1	25 × 11 × 17 × 38	,, 25 गा (16+9)	19वी	—
भक्ति	स	2	25 × 11 × 10 × 40	सपूर्ण 17+2 श्लोक	18वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 11 × 40	,, 4 श्लोक	19वी	
,,	,,	3	21 × 10 × 11 × 32	,,	19वी	
साधु भक्ति व नाम-स्मरण	प्रा	24*	30 × 12 × 19 × 86	ग्रपूर्ण 150 गा	16वी	भक्तिभर नमिसुखर
,,	मा	8	26 × 11 × 12 × 36	सपूर्ण 110+50 गाथा	1622	
,,	,,	गुटका	26 × 13 × 13 × 20	,, 83 गाथा	1651	
,,	,,	4	25 × 11 × 13 × 44	,, 87 गाथा	1660	
,,	,,	6,5	25 × 11 व 26 × 12	,, ,,	17वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 14 × 43	सपूर्ण 14 ढालें	1706	
,,	,,	3,5	22 × 19 व 28 × 12	,, 7 ढालें = 87 गा	1814, 1849	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 50	,, 87	1821 गढवाडा सावलदास	
,,	,,	गुटका	20 × 16 × 14 × 26	,, 87	19वी	
,,	,,	14	27 × 11 × 15 × 65	,, 18 ढाल = 516 गाथा	19वी	ग्रथाग्र 750
,,	,,	23,15	22 × 11 व 26 × 11	प्रथम सपूर्ण 18 ढाल दूसरी 14	19वी	
,,	,,	गुटका	15 × 10 × 9 × 17	सपूर्ण 35 गाथा	1885	
,,	,,	6,12*	26 × 12 व 26 × 11	(1) (2) सपूर्ण 111 गा 55 गा	19वी	
,,	,,	7,8	25 × 12 × 15 × 50	,, 161 गा = 13 ढाल	19वी	
,,	,,	गुटका	6 × 6 × 8 × 12	,, ,,	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 17 × 48	,, 35 गा	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 11 × 38	,, 27 गा	19वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 11 × 33	,, 32 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
836	कुथुनाथ 36/1	सारगकाष्ठ सघ जयमाला	Sārangakāṣṭha Sangha Jayamālā	माथुरनदि	प
837	महावीर 3 इ 355	सिद्धचक्र नमस्कार	Siddhacakra Namaskāra	—	,,
838	ओसिया 3 इ 235	,, नवपद पूजा	,, Navapada Pūjā	देवचद	,,
839	के नाथ 15/195	,, नवपद वर्णन	,, ,, Varnana	,,	,,
840-1	कोलडी 409, 1346	,, पूजा 2 प्रतिया	,, Pūjā 2 copies	—	ग मत्र
842	कुथुनाथ 2/19	,, यत्रोद्धार गाथा +वृत्ति	Siddhacakra Yantroddhāra Gāthā++Vrtti	(श्रीपालचरित्रे) विवरण चद्रकीर्त्ति	मू वृ, (प ग)
843	मुनिमुव्रत 3 इ 323	,, स्तवन+यत्र	,, Stavana+Yantra	—	प
844	ओसिया 3 इ 190	सिद्धदण्डिकका स्तवन	Siddha Dandikā Stavana	देवेन्द्रसूरि	,,
845	महावीर 3 इ 355	,,	,,	,,	,,
846	ओसिया 3 इ 186	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
847	के नाथ 15/82	,,	,,	पद्मविजय	प.
848	कोलडी 1147	सिद्धमुक्तिमाला	Siddha Mukti Mālā	—	,,
849	कुथुनाथ 36/1	सिद्धस्तुति व सिद्धचकस्तव	Siddha Stuti & Siddhacakra Stava	पद्मनदि	,,
850	सेवामदिर 3 इ 345	सिद्धपार्थिवसूत्र व यत्र +वृत्ति	Siddha Pārthiva Sūtra etc +Vrtti	—	मू वृ (प ग)
851	कोलडी 509	सिद्धिलक्ष्मी-स्तोत्र	Siddhi Lakṣmī Stotra	—	प.
852	के नाथ 29/49	सीमन्धर-स्तवन	Sīmandhara Stavana	उ भक्तिलाभ	,,
853	ओसिया 3 इ 323	,, स्वाध्याय	,, Svādhyāya	लावण्यसमय	,,
854	मुनिसुव्रत 3 इ 323	सुगुरु-छत्रीसी	Suguru Chattīsi	हर्षकुशल	,,
855	महावीर 3 इ 355	सूरिमत्र-स्तवन	Sūrimantra Stavana	भावसूरि	,,
856	कोलडी 204	सोमवार-स्तवन	Somavāra Stavana	वा विनयविजय	,,
857	सवामदिर 3 गु ति	स्तवन (सामान्य)	Stavana (general)	पार्श्वचन्द	,,
758-60	कुथुनाथ 56/1-3-5	स्तवन-सज्झाय 3 प्रतिया	,, Sajjhāya 3 copies	,,	,,
861	ओसिया 3 इ 208	स्तवन-सग्रह	,, Sangraha	शोभमुनि	,,
862	के नाथ 18/70	,,	,,	पा हर्षसुदर (कनकविजय शिष्य)	,,
863	ओसिया 3 इ 231	,,	,,	गयवरमुनि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति	प्रा	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 2 स्तोत्र (9-9 गाथा	1544	
,,	स	1	27 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 3 स्तोत्र (5,9,6 श्लोक)	18वी लालचद	
भक्ति काव्य	मा	16	20 × 9 × 9 × 22	सपूर्ण नवमी पूजा तक (अतिम पन्ना कम)	19वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 14 × 35	सपूर्ण 11 गा	,,	अत मे श्रीहर्ष की श्रावककरणी
,,	स	11,6	26 × 12 × 17/15 × 40	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	,,	सज्झाय 22 गा की
भक्ति यत्र-मत्र	प्रा स	4	26 × 11 × 10 × 36	सपूर्ण	20वी	
,,	प्रा.	2	25 × 10 × 18 × 32	,, 6 गाथा + 4 स्तुतिया	18वी	
सिद्ध भक्ति व विभक्ति	,,	2	26 × 11 × 14 × 40	,, 13 गा	17वी	
,, ,,	,,	1	,,	,, 13 गाथा	,,	साथ मे यन्त्र
,, ,,	प्रा मा	3	25 × 11 × 4 × 31	,, 13 गाथा	1846लालचद	
,, ,,	मा	2	24 × 12 × 17 × 42	,, 7 ढाले	19वी	
,,	,,	4	24 × 12 × 10 × 36	अपूर्ण 21 से 98 गाथा	19वी	प्रथम पन्ना कम
,,	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण 30 + 11 श्लोक	1544	
,,	प्रा स	2	27 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण साथ मे यत्र	19वी	जीर्ण
,,	स	12*	28 × 11 × 11 × 39	सपूर्ण स्तोत्र	19वी	
तीर्थंकर की भक्ति	मा	2	24 × 11 × 11 × 33	,, 18 गा	19वी	
तीर्थंकरभक्ति स्वाध्याय	,,	3	26 × 11 × 13 × 34	,, 49 गा	17वी	
गुरुभक्ति	,,	1	25 × 11 × 14 × 44	,, 36 गा	18वी	
भक्ति मत्र	प्रा	1	24 × 11 × 13 × 52	,, 20 गा	19वी	
मुक्ति आराधना भक्ति	मा	5	27 × 13 × 14 × 35	,, 9 ढाले	19वी	
तीर्थंकर भक्ति	,,	9	16 × 13 × 13 × 20	,, 11 ढाल = 68गा	1650	
जिन व गुरु भक्ति व 8 मद सज्झाय	,,	2,1,1	22 से 25 × 11 से 13	, 3 पद (21 25, 19 गा)	18/19वी	
तीर्थंकर भक्ति गीत	,,	6	25 × 12 × 12 × 31	,, 13 स्तवन	19वी बीकानेर विरदीचद	
,,	,,	4	23 × 13 × 16 × 32	,, 7 स्तवन	1940	(इसी वर्ष निर्मित सघ मे)
,,	,,	25	17 × 12 × 11 × 21	,, 24 स्तवन	1972	

1	2	3	3 A	4	5
864	पेवामदिर 3 इ 345	स्तवन स्तुति पत्र	Stavana Stuti Patra	सकलन	प
865	कुथुनाथ 4/97	स्तुतिये	Stutiyen	—	,,
866	कोलडी 918	,,	,,	—	मू ट (प ग)
867	के नाथ 6/109	स्तोत्र-सग्रह	Stotra Sangraha	सकलन	मू प
868	के नाथ 19/26	स्त्रोत-स्तुति आदि सग्रह	Stotra Stuti etc	—	प ग.
869-71	कोलडी 1327 353 359	स्नात्र पूजा अष्टप्रकारी 3 प्रतिया	Snātra Pūjā Astaprakāri 3 copies	देवचंद	प
872-75	के नाथ 16-31 18-24, 23-73 26/88	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
876	कुथुनाथ 28/5	स्नात्र व नवपद पूजा	Snātra & Navapada Pūjā	,,	,,
877	कुथुनाथ 28/6	स्नात्र सत्तरभेदी नवपद व अष्टप्रकारी	Snātra Sattarabhedi etc	देवचद, राजसूरि, यशोविजय	,,
878	ओसिया 3 इ 234	,, अष्टप्रकारी	,,	,, कीत्तिविजय	,,
879	देवेन्द्र 3 इ 344	स्नात्र व अष्टप्रकारी पूजा	Snātra+Astaprakāri Pūjā	देवचद	,,
880	ओसिया 3 आ 132	,,	,,	,,	,,
881	के नाथ 15/143	स्नात्र पूजा	Snātra Pūjā	अज्ञात	,,
882	कोलडी 402	,, विधिसह	,, with Vidhi	—	ग प.
883	मुनिसुव्रत 3 इ 310	स्नात्र पूजा आदि विधिसह	,, ,, etc	अज्ञात	ग प.
884	कोलडी 936	स्नात्र पूजा विधिसह	,, with Vidhi	—	प ग.
885	,, 783	स्वयभू-स्तोत्र (वृत्तिसह)	Svayambhū Stotra (with Vrtti)	समतभद्र/प्रभाचद्र	मू वृ (प ग)
886	के नाथ 26/103	हरिशष्टार्थ + नेमीस्तोत्र	Hariśaṣṭārtha+Nemi-Stotra	—	पद्य
887	के नाथ 19/66	हनुमान स्तोत्र + मगलाष्टक	Hanumāna Stotra+Maṅ-galāṣṭaka Storta	—	,,
888-947	के नाथ 5/96 6/32 81-101, 11/59, 14-42-92-108-112-142, 15/77-82 87 18/13, 13 43,68-69 71, 89,92,93,86, 23/3, 19/14 66-69, 71,81	स्फुट स्तवन स्तुति स्तोत्र सज्भाय के पन्ने (60 प्रतिया)	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 60 copies	भिन्न-भिन्न	,,

Cont on Page 274

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर भक्ति गीत	प्रा स	4	25 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण पत्रे 4 से 7 अत	18वी	
,,	स	1	24 × 9 × 13 × 40	सपूर्ण 8 श्लोक	16वी	सगीतमय
व्यगात्मक भक्ति पर	मा	3	25 × 11 × 3 × 28	सपूर्ण	19वी	—
जैन भक्ति काव्य	प्रा स	6	25 × 12 × 12 × 35	अपूर्ण	19वी	—
,,	,,	47	26 × 12 × 13 × 42	अपूर्ण त्रुटक सामान्य	20वी	अतिसामान्य
पूजा भक्ति काव्य	मा	32,9,11	12 से 25 व 8 से 13	सपूर्ण+स्तवन भी	19/20वी	
,,	,,	5,4,6, 23	26 से 24 व 10 से 14	,,	19वी	अतिम मे नवपद-पूजा यशोविजय की
,,	,,	57	10 × 8 × 6 × 10	,,	20वी	
,,	,,	110	9 × 8 × 7 × 11	,,	1945	
,,	,,	17	24 × 11 × 12 × 35	,, तीन पूजायें	19वी	
,,	,,	10	24 × 11 × 9 × 37	,, 2 पूजाये	19वी	
,,	,,	11	26 × 12 × 12 × 47	,, ,,	19वी	
भक्ति क्रिया विधिसह	प्रा अ मा	10	26 × 12 × 7 × 35	,,	1836	
,,	मा.	9	26 × 11 × 9 × 32	,,	1842	
,,	प्रा मा	3	26 × 10 × 16 × 48	,,	1844	
,,	मा	3	26 × 12 × 16 × 40	,,	19वीं	(देवचदजी से अन्य)
तीर्थंकर भक्ति	स	27	27 × 13 × 15 × 54	अपूर्ण (द्वितीय परिच्छेद) ग्र 150	1869	
भक्ति स्तोत्र	स.	1	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण ग्रथाग्र 50	18वी	
,,	स	111†	22 × 12 × 14 × 26	,,	,,	
भक्ति गीतादि	प्रा सं मा	1395	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
	104,126,21/85, 23/90, 93, 24/63, 76-78, 81, 26/26-28, 26/30, 31,36, 39,42,45,48, 51 52,83,86, 87,90,93,97, 28/5,10,19,78				
948-72	कोलडी 25प्रतियें + वस्ता 70 कार्ड मे	स्फुट स्तवन स्तुति स्तोत्र सज्झाय के पन्ने 25 प्रतिया	Stray Pages of Stavana Stuti Stotra etc 25 copies	भिन्न-भिन्न	पद्य
973-1166	कुंथुनाथ ,,	,, 194 प्रतिया	,, 194 copies	,,	,,
1167-79	ओसिया 3 ड 172-3-8-97-9-205-6-17-21-41, 2/301,36-60, 351	,, 13 प्रतिया	,, 13 copies	,,	,,
1180-91	महावीर 3 इ 6,11-13,28,46,55, 58,59,115, 355,357	,, 12 प्रतिया	,, 12 copies	,,	,,
1192-1209	मुनिसुव्रत 3 इ 276-87-88-90 से 96, 98,99 301,12, 17,20,23,26	,, 18 प्रतिया	,, 18 copies	,,	,,
1210-15	सेवामदिर3 इ 343-45-49-50-69, 80	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भक्ति गीतादि	प्रा स मा	822		पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	
,,	,,	898		,,	,,	
,,	,,	145		,,	,,	
,,	,,	55		,,	,,	
,,	,,	179		,,	,,	
,,	,,	178		,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
1	कुंथुनाथ 56/6	अमरसत्तरी	Amara Sattarī	पार्श्वचंद (रतनचंद्र का शिष्य)	प
2	कोलडी 811	ईर्यापथिक चर्चा	Iryāpathika Carcā	—	ग
3	के नाथ 23/38	ईर्यापथिक-विचार	,, Vicāra	—	,,
4	महावीर 3 ई 18	उत्सूत्र खण्डन	Utsūtra Khandana	गुणविनय (जयसोम का शिष्य)	,,
5	सेवामंदिर 3 ई 41	उदरवेगानाछिद्र	Udaravegānā Chidra	आत्मचन्द	प.
6	के नाथ 18/28	औष्ट्रिकमत उद्घाटन कुल	Auṣṭrika Mata Udyātana Kulam	धर्मसागर (दानसूरि का शिष्य)	मू अ (प ग)
7	महावीर 3 ई 25	कुटमुद्गर ग्रन्थ	Kutamudgara Grantha	माधव	मू वृ (प ग)
8	महावीर 3 ई 6	कुमत्ताहि विष जागुली मंत्र	Kumattāhi Viṣa Jānguli Mantra	रत्नचंद्रगणि	ग.
9	महावीर 3 ई 22	कुमतिकंद कुद्दाल	Kumati Kanda Kuddāla	सौभाग्यविजय	,,
10	कोलडी 963	कुमतिचर्चा	Kumati Carcā	—	,,
11	महावीर 3 ई 30	कुमुदचन्द्र	Kumudacandra	—	,,
12	के नाथ 23/42	केवलीस्वरूप	Kevali Svarūpa	मुक्तिसागर (लब्धिसागर शिष्य)	प
13	के नाथ 5/119	केशीगौतम-संधि	Keśī Gautama Sandhi	उत्तराध्ययन वाली कथा	,,
14	के नाथ 6/45	केशीसंधि	Keśī Sandhi	,,	,,
15	महावीर 3 ई 8	खरतरतपा मान्यामान्या विचार	Kharatara Tapā Mānyāmānya Vicāra	—	ग
16	के नाथ 11/88	गणधर सार्द्ध शतक (वृत्ति-सह	Ganadhara Sārddha Śataka (with Vrtti)	जिनदत्तसूरि/सर्वराजगणि	मू वृ.
17	ओसिया 2/152	,,	,,	जिनदत्तसूरि	प.
18	महावीर 3 ई 39	,, वृत्ति	,, Vrtti	जिनदत्त/सुमतिगणि	मू वृ
19	के नाथ 17/60	,,	,,	जिनदत्तसूरि	प
20	के नाथ 15/84	,,	,,	,,	,,
21	महावीर 3 ई 3	गुरुतत्त्व प्रदीप दीपिका	Gurutattvā Pradipa Dīpikā	धर्मसागर (स्वोपज्ञ)	मू+दी
22	के नाथ 14/130	(गुरुतत्त्वप्रदीपे) उत्सूत्रकंद कुद्दाल	Gurutattava Utsūtrakanda Kuddāla	धर्मसागर	ग
23	महावीर 3 ई 10	चार्चिक ग्रन्थ	Cārcika Grantha	—	,,
24	महावीर 3 ई 9	चौथ संवत्सरी चर्चा	Cautha Saṁvatsarī Carcā	इन्दौर से	गद्य
25	महावीर 3 ई 22	जिन पूजा चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
मूर्ति पूजा मण्डन	मा	4	27×11×14×35	सपूर्ण 74 गा.	19वी	
सामायिक लेने की विधि	,,	7	33×13×12×38	,,	1897 जोधपुर गुलाबविजय	
,,	,,	6	27×13×14×36	,,	20वी	
धर्ममागरीय उत्सूत्रो-द्घटनकुलक का खडन	स	37	28×12×14×45	,, ग्र 1250	1968	1661 की कृत्ति
स्वाध्याय पर	मा	2	26×11×19×82	,, 63 गाथा	1882	अत मे चदनबाला सज्झाय
खरतरतपागच्छाक्षेप	प्रा स	3	26×11×11×40	,, 18	17वी	
शरीर इद्रिय विषयक चर्चा	म	6	26×11×14×38	,, 620 श्लोक	19वी विपधरपुर गगाविष्णु	
साप्रदायिक खडन मडन	,,	12	27×13×15×47	,, ग्रथाग्र 518	1967 नागौर नरोत्तम	
,,	मा	41	27×12×11×30	सपूर्ण	20वी	
प्रतिमा पूजनादि पर	,,	2	25×11×15×78	,,	19वी	
साप्रदायिक खडन मडन	स	16	30×16×14×37	,,	1906	
साप्रदायिक चर्चा निराकरण	मा.	9	25×12×6×35	,, 68 गा	17वी	
पार्श्व महावीर समन्वय	प्रा	3	25×11×13×32	सपूर्ण	19वी	उत्तराध्ययन से भिन्न श्लोक
,,	,,	4	26×11×11×34	सपूर्ण 73 गा	19वी	,, ,,
साप्रदायिक मान्यतायें	मा	8	27×12×14×52	,, 30 प्रश्न +	20वी सदाशकर जोशी	
कठिन प्रश्नो का शास्त्रीय समाधान	प्रा स.	25	27×11×17×55	,, ग्र 2000 पहिला पन्ना कम	1518	सुमतिगणिकृत विवरणानुसारे
,, ,,	प्रा	123[1]	26×12×11×40	सपूर्ण 150 गा	16वी	
,, ,,	प्रा म	238	26×11×15×53	,, ग्र 12105	1661 जैसलमेर मणिकसूरि	1295 की कृति/ प्रशस्ति है
,, ,,	प्रा	6	26×11×13×39	,, 150 गा	17वी	
,, ,,	,,	7	26×10×13×36	,, ,,	,,	
खडन मडन दार्शनिक	स	13	26×11×21×59	अपूर्ण 16 श्लोक	18वी	प्रथम दो पन्ने कम है
,,	,,	(?)	26×12×13×46	सपूर्ण 8 विश्राम ग्र 345	1651	
,,	,,	12	27×12×15×44	सपूर्ण	1967 नागौर नरोत्तम	
,,	हि	2	26×12×18×49	,,	20वी	
मूर्त्तिपूजा-चर्चा	मा	19	25×11×13×48	,, 36 अधिकार	1666 दीव	

1	2	3	3 A	4	5
26	के नाथ 26/54	जिनपूजा-चर्चा	Jina Pūjā Carcā	—	ग
27	के नाथ 14/22	जिनपूजाश्रित प्रश्नोत्तर	Jina Pūjāśrita Praśnottara	—	,,
28	महावीर 3 ई 24	जिनप्रतिमा अधिकार रास	Jina Pratimā Adhikāra Rāsa	—	प
29	महावीर 3 ई 19	जिनप्रतिमा आश्रित विचार	Jina Pratimā Āśrita Vicāra	—	ग
30	के नाथ 26/35	जिनप्रतिमा रास	,, Rāsa	जिनहर्ष	प
31	के नाथ 19/44	,,	,, ,,	,,	,,
32	कोलडी 287	जिनप्रतिमा हुडी स्तवन (रास)	Jina Pratimā Hundī Stavana	,,	,,
33	कोलडी 366	ढुढक-रास	Dhundhaka Rāsa	उत्तमविजय	,,
34-35	महावीर 3 ई 11-12	तपोटमत कुट्टनशतक 2 प्रतियां	Tapota Mata Kuttana Śataka 2 copies	जिनप्रभसूरि	पद्य
36	महावीर 3 ई 13	तपोट लघु विचार-सार	Tapota Laghuvicāra Sāra	—	ग
37	के नाथ 23/39	तिथि उपधान विधि आदि चर्चा	Tithi Upadhāna Vidhi Carcā	—	,,
38	के नाथ 18/81	दानस्वामी वात्सल्य-चर्चा	Dāna Svāmīvātsalya Carcā	रायचद	,,
39	कोलडी 999	द्विजवचन-चपेटा	Dvija Vacana Capetā	हेमचन्द्रसूरि	,,
40	के नाथ 21/62	धर्ममजूषा	Dharma Mañjūsā	मेघविजय (तप)	,,
41	महावीर 3 ई 7	पर्युषणा दश शतक+वृत्ति	Paryuṣanā Daśa Śatāka +Vrtti	धर्मसागर (स्वो)	मू वृ (ग ग)
42	महावीर 3 ई 40	,, निर्णय	,, Nirnaya	मणिसागर	ग
43	महावीर 3 ई 2	,, विचार ग्रथ	,, Vicāra Grantha	हर्षभूषण	,,
44	के नाथ 14/23	पूजाधिकारे सूत्र उद्धरण	Pūjādhikāre Sūtra Uddharana	सकलन	प ग
45	ओसिया 3 आ 161	प्रतिमादि स्थापना	Pratimādi Sthāpanā	सकलन	,,
46	कोलडी 1354	प्रतिमापूजा-पत्र	Pratimā Pūjā Patra	—	ग
47	महावीर 3 ई 5	प्रतिमा शतक+वृत्ति	,, Śataka +Vrtti	उ यशोविजय (स्वो,)	मू वृ (प ग)
48-9	के नाथ 13/43, 5/59	प्रतिमा सिद्धि स्तवन+वा 2 प्रतियां	,, Siddhi Stavana +Bālā 2 copies	मानमुनि (शातिविजय शिष्य)	मू वा (प ग)
50	के नाथ 19/84	प्रतिमा स्थापना-स्तवन	,, Sthāpanā Stavana	उ यशोविजय	प
51	के.नाथ 23/65	प्रश्न ग्रथ	Praśna Grantha	पार्श्वचन्दसूरि	ग
52	महावीर 3 ई 32	प्रश्नचिंतामणि	,, Cintāmani	वीरविजय (शुभ विजय शिष्य)	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
पूर्त्ति पूजा चर्चा	मा	2	23 × 11 × 18 × 52	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 37	,,	1856	
,,	,,	6	28 × 12 × 8 × 25	अपूर्ण 60 गा तक	19वी	
,,	,,	15	28 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 57	,, 67 गा +2 सज्झाय	1828	
,,	,,	25	24 × 12 × 17 × 32	,, ,,	20वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 12 × 36	,, 66 गा	1834	
साप्रदायिक खडन मडन	,,	5	25 × 11 × 15 × 45	,,	19वी	
,,	स	3,3	28 × 13 × 12 × 50	सपूर्ण 120 श्लोक	20वी	
साप्रदायिक चर्चा	,,	12	27 × 12 × 13 × 42	,,	1968 × रामचन्द्र	
,,	मा.	38	25 × 11 × 17 × 51	,,	17वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 14 × 42	,, 49 बोल	1848	
,,	स	6	28 × 14 × 14 × 40	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	41	26 × 12 × 15 × 42	,, प्रश्नोत्तरी	1770	
,,	,,	46	27 × 12 × 12 × 46	,, 110 श्लोक	20वी	
,,	हि	276	29 × 14 × 15 × 46	अपूर्ण	20वी	
,,	स	7	27 × 13 × 15 × 49	सपूर्ण 258 ग्र.	1967 नागौर नरोत्तम	1486 की कृत्ति
मूर्ति पूजा सवधी	प्रा.स मा	19	24 × 10 × 14 × 39	,, 36 अधिकार	1711	
,, उद्धरण	मा	16	24 × 11 × 14 × 40	अपूर्ण (प्रथम 3 पत्रे कम)	20वी	
,, सवधी	,,	6	25 × 12 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	20वी	
,, खडन मडन	स	166	27 × 13 × 14 × 38	सपूर्ण 101 श्लोक की	20वी	
,, ,,	मा	11,14	26 × 13 × 18/22 × 43	,, 21 गा	19वी	
,, ,,	,,	8	28 × 12 × 12 × 40	,, 7 ढाले	1904	
साप्रदायिक चर्चा	,,	6	26 × 11 × 15 × 42	,, 91 प्रश्न	17वी	
विवादास्पद निर्णय	स	63	28 × 13 × 14 × 38	,, 202 प्रश्नोत्तर	1869 राजनगर नित्यविजै	

1	2	3	3 A	4	5
53	के नाथ 23/15	प्रश्नोत्तर	Praśnottara	पार्श्वचंदसूरि	ग
54	के नाथ 5/58	,,	,,	—	,,
55	के नाथ 19/39	,,	,,	—	,,
56	ओसिया 3 ई 27	,,	,,	—	,,
57	के नाथ 10/56	,, बोल-विचार	,, Bola Vıcāra	—	,,
58	कोलडी 804	,, रत्नाकर	,, Ratnākara	शुभविजय (हीरविजय शिष्य)	,,
59	महावीर 3 ई 35	,, सार्द्ध शतक	,, Sārddha Śataka	क्षमाकल्याण	,,
60	के नाथ 21/97	,, ,,	, ,, ,,	,,	,
61	महावीर 3 ई 36	प्रश्नोत्तर शार्द्ध शतक भाषा (उत्तरार्द्ध)	,, ,, Bhāṣa	,, (स्वोपज्ञ)	,,
62	के नाथ 23/49	,, ,, भाषा	,, ,, ,,	,, ,,	,,
63	कोलडी 1157	,, शार्द्ध शतक	,, ,, Śataka	,,	,,
64	कोलडी 1115	,, ,, भाषा	,, ,, Bhāṣa	,, (स्वोपज्ञ)	,,
65	के नाथ 21/56	,, ,, ,,	,, ,, ,,	,,	,,
66	के नाथ 19/28	,, ,, बीजक	,, ,, Bījaka	—	,,
67	के नाथ 10/106	प्रश्नोत्तरावली	Praśnottarāvalī	—	,,
68	ओसिया 3 ई 28	बौटिक बोटन प्रकरण	Bautıka Botana Prakarana	—	मू ट (प ग)
69	कोलडी 304	महावीर जिन विचार-स्तवन	Mahāvīra Jına Vıcāra Stavana	उ यशोविजय	प ग
70	के नाथ 26/24	महावीर जिन-स्तवन	,, Stavana	,,	प
71	कोलडी 338	महावीर नय विचार-स्तवन	Mahāvīra Naya Vıcāra Stavana	,,	प ग
72	कोलडी 305	महावीर मूर्त्ति मडन-स्तवन	Mahāvīra Mūrtı Mandana Stavana	,,	मू ट + प ग
73	सेवामदिर 3 ड 345	मुखवस्त्रिका बोल सज्झाय	Mukhavastrıkā Bola Sajjhāya	रामविजय	प
74	के नाथ 15/222	,, विचार-स्तवन	Mukhavastrıka Vıcāra Stavana	आनदनिधान	,,
75	कुंथुनाथ 2/14	मुहपत्ति-छत्तीसी	Muhapattı Chattīsī	पार्श्वचद	,,
76	के.नाथ 26/103गु	मूर्त्ति चर्चा (उद्धरण)	Mūrttı Carcā	—	,,
77	के नाथ 6/107	मूर्त्ति पूजा चर्चा	Mūrttı Pūjā Carcā	—	ग.

6	7	8	8 A	9	10	11
साप्रदायिक प्रश्नोत्तरी	मा	15	25×11×15×46	सपूर्ण 13 प्रश्नो के उत्तर	1707	
,,	,,	43	26×11×15×50	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	79	26×12×15×40	,,	,,	
मूर्त्ति पूजा सबंधी प्रश्नोत्तर	हि.	13	25×12×12×41	,,	1955बीकानेर कवलागच्छे	
साप्रदायिक चर्चा	स.	4	27×12×9×30	अपूर्ण	19वी	
विवाद प्रश्न निराकरण	,,	106	30×11×15×46	सपूर्ण	1725	
,,	,,	80	26×13×14×40	,, 150 प्रश्नोत्तर	1923	बीजकसह
,,	,,	55	26×13×16×52	,, ,,	19वी	
,,	मा	27	25×12×11×32	प्रश्न 76 से 151 तक	20वी	मूलग्रथ का स्वोपज्ञ सक्षिप्त अनुवाद
,,	,,	41	22×11×12×29	सपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	,,	
,,	स	43	25×13×13×31	अपूर्ण 111 प्रश्नोत्तर	,,	
,,	मा.	14	25×12×13×30	,, 75+7 प्रश्न	,,	
,,	,,	48	23×11×9×27	सपूर्ण 151 प्रश्नोत्तर	1853	
ग्रथ की विषय सूची	,,	5	25×12×21×50	अपूर्ण 72 प्रश्नोत्तर तक	1869	
साप्रदायिक खडन मडन	,,	30	24×14×12×29	,, (प्रथम 4 पन्ने कम)	19वी	
दिगम्बर श्वेताम्बर चर्चा	स मा	3	42×11×7×62	सपूर्ण 50 गा	1924बीकानेर देवगुप्तसूरि	
मूर्त्ति व अन्य चर्चा	मा.	19	25×12×16×42	,, (किंचित् अर्थ उद्धरण सह	19वी	
प्रभू पूजा की चर्चा	,,	13	26×11×10×30	अपूर्ण	19वी	
जिनपूजा स्थापना	,,	11	27×13×20×60	सपूर्ण 7 ढाले (कुछ व्याख्या सह)	19वी	न्याय शैली से
जिनपूजा मडन	,,	26*	27×12×5×48	,, 5 ढाले	1884	
खडन मडन	,,	2	22×12×9×24	,, 11 गा	1894	
प्रतिलेखनादि निर्णय	,,	1	23×10×16×34	,, 21 गा.	1756	
खडन मडन	अ	2	27×12×12×42	,, 35 गा	17वी	
,,	प्रा.	1	25×12×20×56	,, 18 गाथा	18वी	
,,	मा	13	25×11×11×34	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
78	महावीर 3 ई 21	लोकाशाह मत-चर्चा	Lonkāśāha Mata Carcā	—	ग.
79	महावीर 3 ई 20	,,	,,	—	,,
80	ओसिया 2-311	विचारविधि चौपई	Vicāra Vidhi Caupaī	—	प
81	के नाथ 24/84	विचारसार	Vicāra Sāra	पार्श्वचन्द	ग.
82	,, 23/55	वीर-स्तवन	Vicāra Stavana	जिनविजय	प
83	महावीर 3 ई 31	शास्त्र सम्बन्धी बोल	Śāstra Sambandhī Bola	--	ग.
84	,, 3 ई 4	श्रावक विधिविनिश्चय	Śrāvaka Vidhi Viniścaya	हर्षभूषण	,,
85	,, 3 ई 1	,,	,,	,,	,,
86	सेवामदिर 2/418	श्रुतविचार	Śruta Vicāra	—	,,
87	कोलडी 1238	,,	,,	—	,,
88	ओसिया 3 आ 170	श्लोक पत्र (स्फुट)	Śloka Patra (Sphuta)	—	,,
89	कोलडी पुट्ठा/69/8	षट्दर्शन के भेद-प्रभेद	Satdarśana ke Bheda Prabheda	—	गद्यतालिका
90	के नाथ 10/79	षट्पर्वीणा घटाघट-विचार	Sat Parvīnām Ghatāghata Vicāra	—	ग.
91	कोलडी 1096	ईर्यापथिकी षड्त्रिंशिका + वृत्ति	Īryāpathikī Ṣadtrimśtkā +Vrtti	स्वोपज्ञ	मू वृ (प ग)
92	ओसिया 2/157	सम्यक्त्व-सार	Samyaktva Sāra	—	ग
93	,, 3 ई 26	सम्यक्त्वसार-प्रद्योत	,, ,, pradyota	जेठमल	पद्य
94	महावीर 2/129	सघपट्टक सावचूरि	Sanghapattaka with Avacūri	जिनवल्लभसूरि/कीर्ति-गणि	मू.अ +(प ग)
95	ओसिया 2/224	,, —	,, —	जिनवल्लभसूरि	मू ट (प ग)
96	महावीर 3 ई 34	,, —	,, —	,,	,,
97	,, 3 ई 33	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, /जिनपति	मू वृ. (प ग)
98	सेवामदिर 2/368	,, —	,, —	,,	मू प.
99	के नाथ 10/80	सदेह-दोलावली	Sandeha Dolāvalī	जिनदत्तसूरि	,,
100	ओसिया 2-136	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	,, /—	मू वृ (प ग)
101	के नाथ 13/4	,, +वृत्ति	,, +Vrtti	जिनदत्तसूरि/प्रबोधचन्द्र	,,
102	,, 18/31	साधुमार्गी-चर्चा	Sādhu Mārgī Carcā	—	ग.

6	7	8	8 A	9	10	11
खडन मडन	हि	11	25 × 13 × 11 × 35	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	7	25 × 12 × 10 × 26	अपूर्ण	19वी	
जैनधार्मिक विधि विवाद	मा.	2	25 × 11 × 16 × 59	सपूर्ण 65 गाथा	18वी × ऋषभ-विजे	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	,,	2	26 × 11 × 19 × 77	,,	17वी	
मूर्त्ति चर्चा	,,	8*	26 × 10 × 13 × 41	,, 98 गा.	19वी	
विवादो पर शास्त्र सन्दर्भ	,,	3	27 × 13 × 15 × 47	,, 36 प्रश्न	19वी	
श्रावक क्रिया सबधी	स	27	27 × 11 × 17 × 60	,, चार अधिकार ग्र. 128	17वी	प्रशस्ति तपागच्छ की
,,	,,	22	31 × 14 × 15 × 52	,, ,,	20वी	वीजक प्रशस्ति तपगच्छ
तात्विक चर्चा	मा	17	25 × 10 × 14 × 44	त्रुटक	1635	
,,	,,	43	26 × 11 × 15 × 42	अपूर्ण (पत्रे 39 से 81)	19वी	
धार्मिक प्रश्न निराकरण	,,	4	24 × 10 × 14 × 37	प्रतिपूर्ण (पद्य का अनुवाद)	1843	
जैनमतानुसार षड्दर्शन	स मा	2	23 × 11 × —	त्रुटक	19वी	उपभेदो सहित
साम्प्रदायिक चर्चा	मा	4	30 × 13 × 17 × 45	सपूर्ण	19वी	
,,	प्रा.स	9	26 × 13 × 14 × 42	अपूर्ण 15 गाथा तक	19वी	
मूर्त्तिपूजादि पर चर्चा	मा	21	25 × 12 × 18 × 43	सपूर्ण	1955बीकानेर व.सुदेव	
साम्प्रदायिक खडन मडन	,,	6	25 × 12 × 18 × 48	,, 186 गा	1808	
साधुयति क्रियोद्धार चर्चा	स.	13	26 × 12 × 13 × 44	,, 40 श्लोक	1618	
,, ,,	स मा	5	26 × 11 × 7 × 52	,, ,,	1733राधनपुर	
,, ,,	,,	10	27 × 12 × 5 × 31	,, ,,	1874जैसलमेर	
,, ,,	स	110	28 × 13 × 12 × 45	,, ,,	1954अमदावाद छबील	
,, ,,	,,	4	25 × 22 × 11 × 27	,, ,,	20वी उदयपुर रामलाल	
प्रश्न समाधान	प्रा	5	26 × 11 × 13 × 47	सपूर्ण 151 गा (प्रथम पत्रा कम	16वी	(अपरनाम प्रश्नोत्तर.सशयपद)
,,	प्रा स	21	43 × 11 × 18 × 73	,, 150 गा	1923	अत मे मूल पाठ पूरा
,,	,,	23	26 × 12 × 19 × 60	सपूर्ण 150 गा की (ग्र. 1550)	19वी	लघुवृत्ति "विधिरत्न करडिका" नाम्नी
साम्प्रदायिक प्रश्न समाधान	मा	9	27 × 13 × 18 × 55	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
103	महावीर 3 ई 17	सामायिक ग्रहण-विचार	Sāmāyıka Grahanavıcāra	—	ग.
104	महावीर 3 ई 16	,, चर्चा	,, Carcā	—	,,
105	महावीर 3 ई 14	,, ,,	,, ,,	—	,,
106	महावीर 3 ई 15	,, ,,	,, ,,	—	,,
107	के नाथ 9/35	साप्रदायिक ,,	Sāmpradāyıka Carcā	—	प ग
108	के नाथ 10/25	,, ,,	,, ,,	—	ग
109	सेवामदिर 3 ई 29	,, खडन मडन	Sāmpradāyıka Khandana Mandana	—	,,
110	महावीर 3 ई 9	सीमन्धरस्वामी विनति	Sīmandhara Svāmī Vınatı	उ यशोविजय	मू ट (प ग)
111	कोलडी 305	,,	,,	,,	,,
112-3	कोलडी 316-39	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	,,	प.
114-6	के नाथ 10/39-49, 19/86	,, 3 प्रतिया	,, 3 copıes	,,	,,
117-8	महावीर 3 ई 38, 2-118	सेन प्रश्नोत्तर 2 प्रतिया	Sena Praśnottra	सेनसूरि (सग्राहक शुभ विजै	ग.
119	के नाथ 9/38	स्त्रीरजस्वला सूतक-विचार	Strī Rajasvalā Sūtaka Vıcāra	—	,,
120	कुथुनाथ 18/9	स्थापना-बावनी	Sthāpanā Bāvanī	पार्श्वचंद	प
121	महावीर 3 ई 37	हीर-प्रश्नोत्तर	Hīra Praśnottara	हीरविजय (सग्राहक कीर्त्तिविजै)	ग

भाग/विभाग 4 (अ)-इतिहास व वृत्तान्त-

1	मुनिसुव्रत 3 इ 323	अइमन्तो अणगार-गीत	Aımanto Anagāra Gīta	समयसुन्दर	प.
2	कोलडी 1345	अगडदत्त-चौपई	Agadadatta Caupaī	जिनदास	,,
3	के नाथ 11/105	,, रास	,, Rāsa	हर्षशीश	,,
4	के नाथ 6/48	अजापुत्र-चौपई	Ajāputra Caupaī	रूपभद्र	,,
5	सेवामदिर 4 अ 199	,,	,,	सुमतिप्रभ	,,
6	,, 3 इ 345	अठारह कथा श्लोक	Athāraha Kathā Śloka	लब्धिसूरि	,,
7	कोलडी 277	अठारह नातो की सज्झाय	,, Nāton kī Sajjhāya	—	,,
8	मुनिसुव्रत 3 इ 271	,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सामायिक लेने की विधि चर्चा	मा	5	22 × 13 × 10 × 28	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 35	,,	19वी	
,	,,	2	28 × 13 × 22 × 59	,,	1921 अजार कीर्त्तिविजै	
,,	,,	2	28 × 12 × 13 × 38	,,	20वी	
विवादो के बारे मे शास्त्र उद्धरण	प्रा मा	7	27 × 11 × 4 × 46	अपूर्ण-59 प्रश्नोत्तर	19वी	
विवादास्पद प्रश्न समाधान	मा	9	26 × 11 × 17 × 40	अपूर्ण 32 ,,	19वी	
विवादास्पद चर्चा	,,	125	26 × 12 × भिन्न 2	भिन्न 2 पत्रे (9,74,33 9)	19वी	
खडन मडन शैली/भक्ति	,,	19	23 × 12 × 5 × 30	सपूर्ण 125 गा कुल ग्र. 420	19वी	
,,	,,	26*	27 × 12 × 5 × 48	,, 126 गा	1884	
,,	,,	6,13	26 × 11 व 25 × 12	,, 125 गा	19वी	
,,	,,	8,6,8,	26 से 29 × 12 से 14	सपूर्ण 125 गा (ढाल 14-12)	19वी	
विवादास्पद प्रश्न निराकरण	स	92,145	26 × 12 व 24 × 12	सपूर्ण चार उल्लास	19/20वी	
विवादास्पद विवेचन	मा	7	28 × 12 × 15 × 44	,,	1897	
साप्रदायिक मडन	,,	2	26 × 11 × 13 × 56	,, 52 पद	19वी	
विवाद निराकरण	स	52	27 × 13 × 14 × 42	,, चार अधिकार 306 प्रश्न	,, बाराही-नगर	बीजकसह, 1653 की कृति

जीवन चरित्र व कथानक —

गौतमस्वामी जीवन प्रसग	मा	1	26 × 11 × 16 × 33	सपूर्ण 21 गा	1875 मथुरा	
(रात्रि भोजन पर) जीवनी	,,	7	27 × 12 × 15 × 43	अपूर्ण 9 ढाल + 3 गा	19वी	
जीवन चरित्र	,,	4	25 × 11 × 17 × 44	सपूर्ण 136 गा.	,,	
(सत्य पर) जीवनी	,,	25	26 × 11 × 17 × 40	,, 4 खड	1873	
,, ,	,,	77	23 × 11 × 11 × 25	,, 487 ढाल ग्र 1500	1895 भागचद यति	
श्लोको मे साराश	,,	2	26 × 12 × 16 × 34	,, 19 गा (18 कथाये	19वी	
औपदेशिक कथा	,,	3	28 × 12 × 13 × 28	सपूर्ण 30 गा.	,,	
,,	,,	2	25 × 10 × 12 × 42	,, 35 गा.	,,	

1	2	3	3 A	4	5
9	मुनिनुव्रत 4 अ 126	अनाथीमुनि सधि	Anāthī Muni Sandhi	खेममुनि (चूहड शिष्य)	प
10	के.नाथ 26/91	,, (कुल) सधि	,, (Kulam) ,,	—	,,
11	के नाथ 15/54	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
12	के.नाथ 19/12	अनाथी साधु सधि	,, Sādhu ,,	विमलविनय	,,
13	के नाथ 14/98	,, ऋषि सज्झाय	,, Ṛṣi Sajjhāya	मधुकर मुनिराम	,,
14	कुथुनाथ 13/37	,, मुनि ,,	,, Muni ,,	—	,,
15	महावीर 4 अ 18	अभयकुमार-चरित्र	Abhayakumāra Caritra	चद्रतिलक (जिनेश्वर शिष्य)	,,
16	महावीर 4 अ 59	,,	,, ,,	,,	,,
17	के नाथ 14/109	अभयकुमारादि 5 साधु चौपई	Abhayakumārādi 5 Sādhu Caupaī	साधुकीर्त्ति+साधुसुदर	,,
18	कुथुनाथ 15/5	अमरकुमार-चरित्र	Amarakumāra Caritra	लक्ष्मीवल्लभ	,,
19	मुनिमुव्रत 4 अ 133	अमरदत्त मित्रानद कथा	Amaradatta Mitrānanda Kathā	—	ग
20	के.नाथ 10/6	अमरसेन जयसेन चौपई	Amarasena Jayasena Caupaī	सुमतिहस	प
21-2	के नाथ 14/49, 5/111	,, रास 2 प्रतिया	,, Rāsa 2 copies	,,	,,
23	मुनिमुव्रत 4 अ 114	अमरसेन वयरसेन चौपई	,,Vayarasena Caupai	पुण्यकीर्त्ति	,,
24	के नाथ 19/88	,,	,, ,,	पा पुण्य (कलश) कीर्त्ति	,,
25	कुथुनाथ 13/219	अरणिक-सज्झाय	Aranika Sajjhāya	रूपविजय	,,
26	के नाथ 19/67	अर्जुनमाली-चौढालिया	Arjuna Mālī Caudhāliyā	अज्ञात	,,
27	के.नाथ 19/90	,,	,,	,,	,,
28	के नाथ 24/40	अर्हन्नकमुनि-चौपई	Arhannaka Muni Caupaī	वा राजहर्ष	,,
29	के नाथ 19/77	अर्हन्ना-चौपई	Arhanna Caupaī	उ. ललितकीर्त्ति	,,
30	मुनिसुव्रत 4 अ 173	अवति सुकमाल चौपई	Avanti Sukamāla Caupaī	जिनहर्ष	,,
31	के.नाथ 5/79	,,	,,	,,	,,
32	कुथुनाथ 15/22	,,	,,	,,	,,
33	कोलडी 1154	,,	,,	,,	,,
34-5	कोलडी 951,266	,,	,, 2 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन प्रसग	मा	5	25×11×13×40	सपूर्ण	18वी	उत्तराध्ययने/1745 की कृत्ति
,,	अ	गुटका	16×13×15×24	,, 63 गाथा	18वी	,,
,,	,,	3	26×10×15×38	,, ,,	19वी	,,
,,	मा	5	26×11×11×37	,, 70 गा	,,	,,
,,	मा	3*	25×11×15×54	,, 29 गा	,,	,,
,,	मा	1	25×12×5×40	अपूर्ण 4 गा मात्र	20वी	,,
जीवनी	स	250	26×13×15×41	सपूर्ण 12 सर्ग ग्र 8964	1954× गोपीनाथ	
,,	,,	19	27×13×12×36	अपूर्ण (417 श्लोक तक)	20वी	
(अभय,सुव्रत,शिव धन जोनककी जीवनी	मा	8	27×13×18×54	सपूर्ण 12 ढाले	19वी	अत मे समवसरण व 28 लब्धिस्तवन
औपदेशिक जीवन प्रसग	मा	7	26×11×19×54	,, 18 ढालें	,,	
(कपायपर)|जीवनी	स	8	26×12×14×38	,,	17वी	
औपदेशिक जीवनी	मा	22	26×12×12×34	अपूर्ण 24वी ढाल अधूरी तक	19वी	
,,	,,	19,10	24×10 व 21×10	सपूर्ण 24 ढाल	1824/19वी	
(दानपूजा पर) जीवनी	,,	10	26×12×17×44	,, 271 गा	1862सुभटपुर हरिचद्र	प्रशस्ति है/1666 की कृत्ति
,,	,,	10	26×11×15×44	,, 285 गा.	19वी	
औपदेशिक जीवन प्रसग	,,	1	26×11×12×36	,, 8 गा	,,	
,,	,,	32*	22×11×10×28	,, 6 ढालें	,,	सेठ सुदर्शन सवध
,,	,,	5	23×11×11×25	,, ,,	,,	,, (पिछली की नकल)
,,	,,	11	25×11×13×41	,,	1781	
,,	,,	7	25×11×15×41	,,	19वी	
,,	,,	4	23×12×15×43	,, 105 छद=13ढाले	1817 नागपुर	
,,	,,	7	26×11×11×37	,, — ,,	1821	
,,	,,	6	25×11×12×44	,, 102 छद	1823	
,,	,,	3	26×11×15×45	अपूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1833	
,,	,,	4,5	27×12 व 23×12	सपूर्ण 104 गा.	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
36	मुनिसुव्रत 4 अ 112	अंजनासुंदरी-रास	Añjanā Sundarī Rāsa	अज्ञात	प
37	के नाथ 5/110	,, चौपई	,, Caupaī	पुण्यसागर	,,
38	कोलड़ी 249	,, ,,	,, ,,	,,	,,
39	के नाथ 5/58	,, ,,	,, ,,	,,	,,
40	मुनिसुव्रत 4 अ 113	,, ,,	,, ,,	,,	,,
41-2	के नाथ 24/31, 10/107	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
43	के नाथ 11/104	,, ,,	,, ,,	विनयचद	,,
44	के.नाथ 5/104	,, ,,	,, ,,	मालमुनि	,,
45	कुंथुनाथ 43/3	,, ,,	,, ,,	अज्ञात	,,
46	के,नाथ 10/29	,, ,,	,, ,,	,,	,,
47	के नाथ 11/96	,, रास	,, Rāsa	अज्ञात	,,
48	के नाथ 26/20	,, ,,	,, ,,	अज्ञात	,,
49	महावीर 4 अ 8	अंबड-चरित्र	Ambada Carıtra	अमरसुन्दर	,,
50	कोलड़ी 1081	,,	,,	,,	,,
51	महावीर 4 अ 15	,,	,,	,,	,,
52	कुंथुनाथ 55/16	,,	,,	विनयसमुद्र (पार्श्वचद शिष्य)	,,
53	ओमिया 4 अ 188	,,	,,	क्षमाकल्याण	,
54	कोलड़ी 148	आठ धर्मकृत्य कथानक	Atha Dharma Krtya Kathānaka	—	ग
55	के नाथ 22/48	आठ साधुदान कथानक	,, Sādhudāna ,,	—	,,
56	के नाथ 11/67	,, ,, व आठ प्रवचन माता कथानक	,, ,, + 8Pravacana Mātā Kathānak:	—	,,
57-8	के नाथ 21/22, 15/170	,, ,, 2 प्रतिया	,, Sādhudāna Kathānaka 2 copies	—	,,
59	मुनिसुव्रत 4 अ 146	आनन्द श्रावक सधि	Ananda Śrāvaka Sandhı	मुनि श्रीसार (हेम-कीर्त्ति शिष्य)	प.
60	के नाथ 26/92	,,	,,	,,	,,
61	कोलड़ी 268	,,	,,	,,	,,
62	कोलड़ी 269	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा	14	25×11×12×45	सपूर्ण 160 गा	1728	कुथु 34 के सदृश पाठ
औपदेशिक-जीवन	,,	17	25×11×17×43	,, 3 खण्ड	1735	1689 की कृत्ति
,,	,,	24	26×11×13×40	,, ,,	1763	
,,	,,	23	27×12×15×36	,, ,,	1823	
,,	,,	35	23×10×12×35	, ,,	1842 मेडता शोभासागर	
,,	,,	17,31	25×11 व 27×13	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	9	25×11×14×40	,, 11 ढाले	19वी	
,,	,,	7	27×12×15×42	,, ग्र 200	,,	
,,	,,	18	20×13×15×30	,, 156 गा	1957 गणेश-चन्द्र	इसका व अनतर का पाठ एक
,,	,,	6	27×12×19×56	अपूर्ण	20वी	पिछली के सदृश
,,	,,	13	25×11×13×39	सपूर्ण 142 गा (ग्र 500)	19वी	भिन्न पाठ
,,	,,	8	25×15×14×30	अपूर्ण	,,	भिन्न पाठ
धार्मिक जीवन चरित्र	स	20	26×12×19×40	सपूर्ण 7 आदेश ग्र 1300	1806× विनयकीर्त्ति	
,,	,,	43	25×11×13×38	अपूर्ण (6 आदेश+186 श्लोक)	19वी	
,,	,,	33	27×13×13×36	सपूर्ण 7 आदेश ग्र 1300	1961	
,,	मा	14	26×11×17×44	,, 493 गा (पन्ना 5 व 6 कम है)	16वी तिंवरी	असल प्रति है सम्भवत 1592 की कृत्ति है
,,	,,	49	28×12×13×35	सपूर्ण	20वी	
पूजा,दया,दान,यात्रा जय,तप,ज्ञान व परो	,,	28	26×11×16×42	,, 8 दृष्टात कथानक	19वी	
वस्ती,शयन,आसन, आहार,पान,भेषज वस्त्र,पात्र दान पर	स	11	26×11×16×51	,, 8 दृष्टात कथानक	16वी	
8दान, 5सामात, 3 गुप्तिपरप्रसिद्धदृष्टात	,,	25	26×11×12×31	,, ,,	1598	
साधु को 8 प्रकार के दानो पर दृष्टान्त	,,	11,7	26×11 व 25×10	,, 8 दृष्टात कथाये ग्र 511	19वी	(दूसरी प्रति मे 7 कथाये ही हैं)
जीवन चरित्र	मा	12	26×11×14×36	सपूर्ण 250 गा 15 ढाले	1744 फलोदी	
,,	,,	गुटका	20×16×18×20	,, 240 गा ,,	1767	
,,	,,	19	26×11×11×34	,, 250 गा. ,,	1764	
,,	,,	12	25×9×15×32	,, 261 गा. ,,	1770	

1	2	3	3 A	4	5
63	के नाथ 14/86	आनन्द श्रावक-सन्धि	Ānanda Śravaka Sandhi	मुनि श्रीसार (हेमकीर्ति का शिष्य)	प
64	,, 6/73	,,	,,	,, ,,	,,
65	कोलडी 364	,,	,,	,, ,,	,,
66	ओसिया 3 अ 186	,,	,,	,, ,,	,,
67	के नाथ 26/103गु	आमल्य की क्रीडा	Āmala kī Krīdā	—	,,
68	मुनिसुव्रत 4 अ 160	आरामनदन-कथानक	Ārāma Nandana Kathā-naka	अज्ञात	,,
69	कुथुनाथ 21/4	आरामशोभा-कथा	Ārāma Śobhā Kathā	अज्ञात	,,
70	कोलडी 265	आर्द्रकुमार धम्माल	Ārdrakumāra Dhammāla	कनकसोम	,,
71	कुथुनाथ 55/12	,,	,,	,,	,,
72-4	के नाथ 15/69, 70 88	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
75	कुथुनाथ 55/14	आषाढभूति-रास	Āsādhabhūti Rāsa	धर्मसूरि का शिष्य	,,
76	कोलडी 9/9	,,	,	,,	,,
77	,, 267	,, चौपई	,, Caupaī	मानसागर (जीवसागर शिष्य)	,,
78	ओसिया 4 अ 87	,, ,	,, ,,	,,	,,
79-80	के नाथ 14/88,99	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,,	,,
81	,, 5/103	,, प्रबन्ध	,, Prabandha	ज्ञानसागर	,,
82	,, 16/30	,, कथा	,, Kathā	ऋषिरूप	,,
83	मुनिसुव्रत 4/165	,, धम्माल	, Dhammāla	कनकसोम (शुभवर्द्धन शिष्य)	,,
84	कोलडी 937	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
85-6	के नाथ 23/55, 15/225	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,, ,,	,,
87-8	कुथुनाथ 14/5, 20/20	,, ,, 2 प्रतियां	,, ,, 2 copies	,, ,,	,,
89-90	,, 17/10, 47/4	,, भास 2 प्रतियां	,, Bhāsa ,,	—	,,
91	मुनिसुव्रत 3 ई 243	इक्षुकार-संधि	Ikṣukāra Sandhi	मुनिखेम	,,
92	,, 3 ई 266	,,	,,	,,	,,
93	,, 3 इ 278	,,	,,	ऋषिराज	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा	8	26 × 11 × 13 × 44	सपूर्ण 261 गा 15 ढाले	1812	
,,	,,	17	25 × 11 × 11 × 31	,, — ,,	19वी	
,,	,,	19	24 × 13 × 9 × 32	,, 240 गा. ,,	19वी	
,,	,,	22	19 × 11 × 11 × 23	,, 15 ढाले	1937 × महात्मा विद्यालाल	
,,	प्रा	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 21 गाथाये	18वी	
(सम्यक्त्व शुद्धि पर) जीवन	स	13*	26 × 11 × 18 × 52	,, 404 श्लोक	17वी	
(जिनभक्ति पर) जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 48	,, 280 श्लोक (ग्रथाग्र भी)	1632	
जीवन-चरित्र	मा	3	27 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण चार ढाले	1644 अमरसर	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 39	,, ,, 47 गा	17वी	
,,	,,	3,2,2	25 × 11 × भिन्न 2	,, ,, 48 से 51 गा	19वी	
(भावनापर) जीवनी	,,	3	25 × 11 × 13 × 32	सपूर्ण 56 गा	17वी	
,,	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 58 गा	,,	
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 46	,, 7 ढाले	1834	1730 की कृति
,,	,,	12	15 × 10 × 13 × 20	,, ,,	19वी	
,,	,,	6,3	26 × 11 व 25 × 11	,, ,,	,,	
,,	,,	6	26 × 12 × 15 × 42	,, 16 ढाले	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण गाथा 165 तक	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 15 × 39	सपूर्ण 57 गा	17वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 14 × 46	,, 63 गा	19वी	
,,	,,	8*,5	26 × 10 व 25 × 11	,, 56/59 गा	,,	
,,	,,	3,3	27 × 11 व 26 × 11	,, 55/59 गा	,,	
,,	,,	3,4	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण गा 61 व 65	,,	
औपदेशिक जीवनी	,,	5	25 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण 8 ढाले = 145 गा	1750 अहिपुर रामसिह	1747 की कृति, उत्तराध्ययने
,,	,,	4	26 × 11 × 16 × 59	,, ,, = 143 गा	1769 आनदपुर गगाराम	
,,	,,	2	24 × 10 × 17 × 54	,, 64 गाथा	19वी	अत मे 8 गा की 'शील सज्झाय'

1	2	3	3 A	4	5
94	ओसिया 4 अ 190	इक्षुकार-कथा	Iksukāra Kathā	—	ग.
95	कोलडी 227	इलाकुमार-चौपई	Ilākumāra Caupaī	ज्ञानसागर	प
96	केनाथ 29/43	इलायचीकुमार चौपई	Ilāyacīkumāra Caupaī	,,	,,
97	कुथुनाथ 13/49	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	लब्धिविजय	,,
98	केनाथ 29/16	,, ,,	,, ,,	भालमुनि	,,
99	केनाथ 14/95	,, -चौढालिय	,, Caudhāliyā	अज्ञात	,,
100	केनाथ 21/29	उत्तमकुमार-चरित्र	Uttamakumāra Caritra	चारुचद्र	,,
101	मुनिमुव्रत 4 अ 139	,,	,, ,,	,,	,,
102-3	महावीर 4 अ 6/6.	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
104	कोलडी 225	,, चौपई	,, Caupaī	तत्वहस	,,
105	,, 1326	उदयन चडप्रद्योत-दृष्टात	Uddayana Candapradyota Dṛstānta	—	ग
106	कुथुनाथ 33/6	,,	,, ,,	—	,,
107	महावीर 4 अ 27	ऋषभदेव-चरित्र	Rsabhadeva Caritra	जिनवल्लभ	मू वृ
108	केनाथ 6/29	,, +बा	,, +Bālā.	(कल्पसूत्र-आधारे)	मू बा.
109	केनाथ 6/17	,,	,,	(,,)	ग.
110	महावीर 3 अ 67	,,	,,	—	,,
111	केनाथ 22/30	ऋषभ शतक-चरित्र	Rṣabha Śataka Caritra	हेमविजय	प
112	केनाथ 10/10	ऋषभदेव-चरित्र	Rṣabhadeva Caritra	अज्ञात	,,
113	कोलडी 334	,, फागु	,, Phāgu	ज्ञानभूषण	,,
114	मुनिमुव्रत 4 अ 118	,, धवल प्रबन्ध	,, Dhavala Prabandha	अज्ञात	,,
115	केनाथ 29/1	,, ,,	,, ,,	—	,,
116	केनाथ गुटका 6	ऋषभ-विवाहलौ	Rsabha Vivāhalau	अज्ञात	,,
117	केनाथ 19/41	,,	,,	ऋषभदास	,,
118	केनाथ 14/68	,,	,,	अज्ञात	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवनी	मा	5	26×12×9×35	सपूर्ण	1951 सिद्धक्षेत्र हहीसिह	
(भावविपये) जीवनी	,,	6	27×10×14×44	,, 267 ग्र	1755	
,,	,,	6	25×11×17×51	,, गा 187	19वी	
,,	,,	1	17×14×13×18	सपूर्ण	,,	
,,	,,	1	31×34×75×35	,,	20वी	
,,	,,	3	26×13×16×32	,, 4 ढाले	19वी	साथ मे 28 लब्धि चौढलिया
सुपात्रदाने जीवनी	स	16	26×11×13×41	,, 574 श्लोक, ग्र 596	1644	
,,	,,	20	25×11×13×44	,, ,, ,,	18वी × मतिसोम	
,,	,,	20,17	27×12×12/14×45	,, ,, ,,	20वी	
,,	मा	36	25×11×17×48	सपूर्ण 51 ढाल	1767	
क्षमापना पर प्रसग	स	3	26×11×17×48	सपूर्ण	16वी	
,,	मा	5	26×12×13×40	,,	19वी	
तीर्थंकर जीवन चरित्र	प्रा स	35	27×11×15×45	,, 25 गा	1951 अमदावाद धर्मसेन	(लिपिक ने जिनभद्र कृत कहा है) चरित्र-पचके
,,	प्रा मा	23	26×11×13×45	,,	1668	
,,	प्रा स मा	13	26×11×15×43	,,	19वी	
,,	स	8	26×11×15×50	,,	17वी	
,,	,,	7	26×11×13×41	,, 100 श्लोक	19वी	
,,	,,	20	31×12×20×68	,, 1428 श्लोक	18वी	अत मे धन्नासार्थवाह का दृष्टान्त
,,	मा	13	27×11×13×39	,, 250 गाथा	1636	
ऋषभ विवाह जीवन-चरित्र	,,	7	25×11×13×44	,, 44 ढाले	17वी	
,,	,,	7	27×10×11×56	अपूर्ण 22 ढाले	,,	
,,	,,	8	22×15×19×38	सपूर्ण 233 गा	1738	
,,	,,	4	26×12×12×41	,, 67 गा	1758	
,,	,,	16	26×11×11×32	सपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
119-20	के नाथ 6/129, 15/72	ऋषभदेव 13 पूर्वभव 2 प्रतिया	Rsabhadeva 13 Pūrvabhava 2 copies	—	ग.
121	के नाथ 19/6	ऋषदत्ता-चरित्र	Ṛṣidattā Caritra	विजयशेखर	प
122	के नाथ 5/6	कथा-कोश	Kathā Kośa	—	ग
123	ओमिया 4 अ 104	,,	,,	अज्ञात	,,
124	कोलडी 264	कनकावती-चौपई	Kanakāvati Caupai	,,	प.
125	कोलडी 223	कयवन्ना-चौपई	Kayavannā Caupai	गुणसागर	,,
126	कोलडी 221	कयवन्नाशाह-चौपई	Kayavannā Shāha Caupai	जयरंग (जयतसी)	,,
127	कोलडी 222	,,	,,	,,	,,
128-30	के नाथ 19/117, 15/50, 29/15	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
131	कोलडी 211	करकण्डु चौपई	Karakandu Caupai	समयसुन्दर	प.
132	के.नाथ 21/95	कलावती-कथा	Kalāvati Kathā	—	ग.
133	के नाथ 14/101	,, चौपई	,, Caupai	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	प.
134	के नाथ 18/26	,, चरित्र	,, Caritra	कनकसूरि शिष्य ?	,,
135	कोलडी 240	कान्हड कठियारा का रास	Kānhada Kathiyārā kā Rāsa	मानसागर (जीतसागर शिष्य)	,,
136	तिवरी 4 अ 184	,,	,,	,,	,,
137	के नाथ 15/26	,,	,,	,,	,,
138	के नाथ 5-106	,,	,,	,,	,,
139	ओमिया 4 अ 187	,,	,,	,,	,,
140	कोलडी 241	,, की चौपई	,, ki Caupai	अज्ञात	,,
141	कोलडी 969	कालिकाचार्य-कथा	Kālikācārya Kathā	(कल्पसूत्रान्तर्गत)	ग.
142	के नाथ 15/152	,,	,,	,,	,,
143	के नाथ 11/7(2	,,	,,	भावदेवसूरि	प
144	कोलडी 10A	,,	,,	—	,,
145	कोलडी 10B	,,	,,	—	,,
146	कोलडी 1219	,,	,,	—	,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऋषभजिन के पूर्वभव	मा	2,3	25×11×15×42	सपूर्ण 13 भव	19वी	
औपदेशिक जीवन चरित्र	,,	16	27×11×15×44	,, 3 अधिकार 492 गा	,,	
दृष्टात कथानक	स	124	26×11×13×44	अपूर्ण (72 कथानक तक)	16वी	
,,	,,	94	25×13×17×37	सपूर्ण	1892 साधासर पन्नालाल	
औपदेशिक-जीवन	मा.	6	25×12×16×40	,, 164 गा	1762	
दानविपये-जीवनी	,,	11	26×11×13×45	,, 25 ढाल ग्र (गा) 281	1786	
,	,,	23	25×12×15×40	सपूर्ण 31 ढाल	1820	अतिम पन्ने पर प्र·णि आयुष्मान
,,	,,	17	25×11×17×45	,, ,,	1834	
,	,,	20,27,5	24 से 34 व 10 से 21	,, ,,	19/20वी	
औपदेशिक-जीवन	,,	4	28×10×17×70	,, 10 ढाल	19वी	(प्रत्येक बुद्ध चौपई का प्रथम खड)
,,	स	5*	26×11×18×51	,,	,,	
,,	मा	7	21×11×15×40	,, 9 ढाले	,,	
,,	,,	5	26×11×11×43	,, 92 गा	,	
शीलविपये-जीवनी	,,	7	21×12×16×35	,, 9 ढालें	1833	
,,	,,	9	26×11×13×42	,, ,,	1841 बडलु, उम्मेदचद	
,,	,,	6	26×12×16×33	,, ,, 162 गा.	1841	
,,	,,	8	24×11×14×31	,, ,,	19वी	
,,	,,	5	25×11×14×46	अपूर्ण (7वी ढाल तक)	20वी	
,,	,,	5	25×10×15×40	सपूर्ण 8 ढाल	19वी	
साधुजीवन का एक ऐतिहासिक प्रसग	प्रा.	10	29×10×7×39	त्रुटक (सचित्र)	13/14वी	कुल 4 चित्र/सुनहरी स्याही
,,	,,	9	26×11×9×30	सपूर्ण (सचित्र)+1 कल्पसूत्र-पन्ना	15वी	कुल 6 चित्र सुनहरे
,,	,,	11	26×14×6×29	सपूर्ण 99 गा	,,	
,,	स.	5	27×12×10×35	सपूर्ण 65 श्लोक	16वी	प्रथम पन्ने पर चित्र
,,	,,	9	26×11×7×28	,, ,,	,,	कुल 5 चित्र
,,	,,	8	28×11×7×30	,, ,,	1684	—

1	2	3	3 A	4	5
147	के नाथ 11/34	कालिकाचार्य-कथा	Kālikācārya Kathā	—	ग.
148	ओसिया 4 अ 99	,,	,,	—	,,
149-51	के नाथ 17/58, 15/100-167	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
152	ओसिया 4 अ 101	,,	,,	—	,,
153	,, 4 अ 100	,,	,,	—	,,
154	कोलडी 11	,,	,,	जयकीर्ति	,,
155	के नाथ 21/59	,,	,,	—	,,
156	ओसिया 4 अ 120	,,	,,	—	,,
157	के नाथ 16/9	कीर्तिधर सुकोशल-चरित्र	Kirttidhara Sukośala Caritra	—	पद्य
158	,, 15/229	,, चोढालिया	,, Caudhāliyā	आनंदनिधान	,,
159	,, 11/22	कुमारपाल-चरित्र	Kumārapāla Caritra	सोमतिलक	,,
160-1	महावीर 4 अ 16 56	कूर्मापुत्र केवली-चरित्र 2 प्रतिया	Kūrmāputra Kevalī Caritra 2 copies	विद्यारत्न (मुनिचंद्र-सूरि शिष्य)	,,
162	के नाथ 19/101	कुण्डरीक पुण्डरीक-ढाल	Cundarika Pundarikaḍhāl	—	प
163	सेवामंदिर 4 अ 179	कूलवालक-कथा	Kūlabālaka Kathā	—	प ग
164	के नाथ 29/65	कृष्णजी की ढाल	Kṛṣṇajī kī Dhāla	—	प
165	मुनिसुव्रत 4 अ 123	कृष्ण-विवाह	Krsna Vivāha	—	,,
166	,, 4 अ 124	,,	,,	—	,,
167	कोलडी 279	कौणिक-चौढालिया	Kaunika Caudhāliyā	—	,,
168	के नाथ 18/82	कौणिक नृप-ढाल	Kaunika Nṛpa Dhāla	—	,,
169	के नाथ 19/4	क्षुल्लकुमार ऋषि-प्रबंध	Kṣullakumāra Ṛṣi Prabandha	पद्मराज उपाध्याय	,,
170	कुंथुनाथ 56/2	खंधकऋषि-सज्झाय	Khandhaka Ṛṣi Sajjhāya	पार्श्वचंद	,,
171	के नाथ 6/56	,,	,,	,,	,,
172	,, 14/110	खंधककुमार-चौढालिया	Khandhaka Kumāra Caudhāliyā	अज्ञात	,,
173	सेवामंदिर 4 अ 195	,,	,, ,,	,,	,,
174	के नाथ 10/64-1	गजसुकमाल-रास	Gajasukamāla Rāsa	जिनराजसूरि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साधुजीवन का एक ऐतिहासिक प्रसग	स	12	25 × 11 × 14 × 45	सपूर्ण	1764	
,,	,,	13	26 × 11 × 14 × 45	,,	1777	
,,	,,	13,10,4	25 × 11 × 13/15 × 35	,,	19वी	
,,	,,	17	25 × 12 × 13 × 37	,,	1908 हमीरपुर ऋषिसुदर	
,,	मा	13	16 × 11 × 14 × 42	,,	17वी	
,,	,,	10	28 × 12 × 16 × 47	,,	1812	
,,	,,	16	27 × 12 × 15 × 41	,,	19वी	
,,	,,	19	26 × 12 × 13 × 35	,,	1952	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा.	4	26 × 8 × 10 × 51	,, 107 गा	1496	
,,	मा	2	21 × 10 × 17 × 38	,, 55 गा	19वी	
जीवन चरित्र	स	19	26 × 11 × 15 × 45	,, 730 श्लो ग्र 750	16वी	
,,	,,	70,91	27 × 13 व 28 × 14	सपूर्ण चार उल्लास ग्र. 3105	19वी	प्रशस्ति है
,,	मा	68*	26 × 12 × 20 × 50	सपूर्ण	,,	
ऐतिहासिक जीवन प्रसग	स	4	27 × 12 × 14 × 42	,, 125 गाथा टव्वा-सह	1962 वालोत्रा जुहारमल	
जीवन-प्रसग	मा	19	21 × 11 × 16 × 22	,, 18 पन्नो मे	19वी	अत मे छोटी सी , मेघकुमार सज्झाय
जैन ऐतिहासिक प्रसग	,,	5	26 × 11 × 15 × 50	,, 170 गा	1735	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 40	सपूर्ण 147 गा +2 तीर्थंकर स्तवन	1764 मेडता, भागुजी	
जीवन-प्रसग इतिहास	,,	4	15 × 14 × 28 × 23	,, 4 ढाले	19वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 18 × 44	,, 13 ढाले	,,	
औपदेशिक-जीवनी	,,	5	26 × 11 × 15 × 48	,, 141 गा	,,	1660 की कृति
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 37	,, 102 गा	18वी	1600 ,,
,,	,,	9	26 × 10 × 12 × 39	,, ,, ग्र 225	19वी	
,,	,	3	26 × 11 × 12 × 33	,, 4 ढाले	,,	
,,	,,	3	26 × 10 × 14 × 32	,, ,,	1931 × कृष्ण लाल	
औपदेशिक-जीवन चरित्र	,,	21	23 × 12 × 16 × 34	अपूर्ण	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
175	कुंथुनाथ 55/25	गजसुकमाल-गीत	Gajasukamāla Gīta	परमानंद	प
176	,, 53/4	,,	,,	,,	,,
177	,, 29/16	,,	,,	,,	,,
178	केनाथ 19/92	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	शुभवर्द्धन का शिष्य	,,
179	कुंथुनाथ 18/3	,,	,,	ऋषि वच्छराज	,,
180	,, 2/36	,,	,,	मुनिराज	,,
181	,, 42/7	,, -चौपई	,, Caupaī	—	,,
182	केनाथ 14/45	गडकथा-पंचक	Gandakathā Pañcaka	—	,,
183	मुनिसुव्रत 4 अ 168	गुणकरंड गुणावली-चौपई	Gunakaranda Gunāvalī Caupaī	ज्ञानमेरु	,,
184	केनाथ गुटका 1	,,	,,	ऋषिदीप (वर्द्धमान शिष्य)	,,
185	मुनिसुव्रत 4 अ 129	,,	,,	,,	,,
186	कुंथुनाथ 15/3	गौतम-रास	Gautama Rāsa	विनयप्रभ	,,
187	ओसिया 4 अ 80	,,	,,	,,	,,
188	मुनिसुव्रत 3 इ 325	,,	,,	,,	,,
189-90	कुंथुनाथ 9/121 10/154	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
191	केनाथ 14/113	,,	,,	,,	,
192	मुनिसुव्रत 3 इ 324	,,	,,	,,	,,
193-8	कोलडी 254 से 58, 1128	,, 6 प्रतियां	,, 6 copies	,,	,,
199-200	महावीर 4 अ 37 36	, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
201	ओसिया 3 इ 181	,,	,,	,,	,,
202	केनाथ 26/49	गौतमस्वामी-सज्झाय	Gautama Svāmī Sajjhāya	हरखचंद	,,
203	मुनिसुव्रत 4 अ 138	चतुर्विंशति-प्रबन्धकोश	Caturvimśati Prabandha Kośa	राजशेखरसूरि	ग
204	,, 4 अ 43	,,	,,	,,	,,
205	,, 3 इ 282	चंदनबाला-गीत	Candanabālā Gīta	अजितदेवसूरि	प

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन गाथा	मा	6	24 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 14 ढाले	19वी	
,,	,,	18*	24 × 10 × 15 × 32	,, 4 ढाले	1906	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 36	,, 137 गा	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 21 × 45	,, 143 गा	,,	
,	,,	3	26 × 11 × 13 × 35	,, 21 गा	20वी	
,,	,,	3,5	26 × 13 व 20 × 11	प्रथम पूर्ण 42 गा द्वितीय 10 से 42	,,	
(शील पर)' जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण 267 गा	18वी	
,,	,,	गुटका	15 × 14 × 16 × 22	,, 5वी कली तक	1784	जैनेत्तर-सस्करण
,,	,,	,,	17 × 14 × 11 × 18	,, 194 गा छ कलिये	1828	
,,	,,	4	24 × 11 × 20 × 45	,, 148 गा	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 50	,, 185 गा 6 कलिये	,,	जैनेत्तर-सस्करण
,,	,,	1	51 × 11 × 34 × 25	अपूर्ण 68 गा	,,	
,,	,,	12*	25 × 11 × 12 × 35	सपूर्ण 6 ढाले	20वी	
(शील पर) जीवन चरित्र	,,	60	24 × 11 × 14 × 35	,, 1332 गा	1815	
,,	,,	281	25 × 13 × 11 × 34	,, 8600 ग्र	1913	
,,	,,	119	19 × 13 × 13 × 27	,, 2700 ग्र	1818	
,,	,,	117	27 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 4 उल्लास 108ढा 2665 गा ग्र 4000	1828	प्रशस्ति है ।
,,	,,	169	26 × 12 × 12 × 34	,	1829	
,,	,,	92	25 × 11 × 15 × 42	,,	1830	
,,	,,	58	27 × 11 × 19 × 67	,,	1836 × कनकसुदर	
,,	,,	90	25 × 12 × 16 × 40	,,	1846, शुद्धदति, ऋद्धिसागर	
,,	,,	138, 140	25 × 12 व 26 × 11	,,	19वी	
,,	,,	67,11	27 × 13 व 25 × 14	प्रथम पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण 1/11 तक	,,	
,,	,,	4	25 × 10 × 13 × 42	सपूर्ण 52 गाथा	,,	अत मे पार्श्व-स्तवन
,,	,,	5	25 × 12 × 12 × 27	सपूर्ण प्रति	,,	

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवन गाथा	मा.	6	24 × 12 × 14 × 38	सपूर्ण 14 ढालें	19वी	
,,	,,	18*	24 × 10 × 15 × 32	,, 4 ढाले	1906	
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 36	,, 137 गा	19वी	
,,	,,	4	24 × 11 × 21 × 45	,, 143 गा	,,	
,	,,	3	26 × 11 × 13 × 35	,, 21 गा.	20वी	
,,	,,	3,5	26 × 13 व 20 × 11	प्रथम पूर्ण 42 गा द्वितीय 10 से 42	,,	
(शील पर) जीवनी	,,	9	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण 267 गा	18वी	
,,	,,	गुटका	15 × 14 × 16 × 22	,, 5वी कली तक	1784	जैनेत्तर-सस्करण
,,	,,	,,	17 × 14 × 11 × 18	,, 194 गा छ कलिये	1828	
,,	,,	4	24 × 11 × 20 × 45	,, 148 गा	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 16 × 50	,, 185 गा. 6 कलिये	,,	जैनेत्तर-सस्करण
,,	,,	1	51 × 11 × 34 × 25	अपूर्ण 68 गा	,,	
,,	,,	12*	25 × 11 × 12 × 35	सपूर्ण 6 ढालें	20वी	
(शील पर) जीवन चरित्र	,,	60	24 × 11 × 14 × 35	,, 1332 गा	1815	
,,	,,	281	25 × 13 × 11 × 34	,, 8600 ग्र	1913	
,,	,,	119	19 × 13 × 13 × 27	,, 2700 ग्र	1818	
,,	,,	117	27 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण 4 उल्लास 108ढा 2665 गा ग्र 4000	1828	प्रशस्ति है।
,,	,,	169	26 × 12 × 12 × 34	,,	1829	
,,	,,	92	25 × 11 × 15 × 42	,,	1830	
,,	,,	58	27 × 11 × 19 × 67	,,	1836 × कनकसुदर	
,,	,,	90	25 × 12 × 16 × 40	,,	1846, शुद्धदति, ऋद्धिसागर	
,,	,,	138, 140	25 × 12 व 26 × 11	,,	19वी	
,,	,,	67,11	27 × 13 व 25 × 14	प्रथम पूर्ण, द्वितीय अपूर्ण 1/11 तक	,,	
,,	,,	4	25 × 10 × 13 × 42	सपूर्ण 52 गाथा	,	अत मे पार्श्व-स्तवन
,,	,,	5	25 × 12 × 12 × 27	सपूर्ण प्रति	,,	

1	2	3	3 A	4	5
234	महावीर 3 अ 27	चद्रप्रभु-चरित्र	Candra Prabhu Carıtra	जिनेश्वरसूरि	मू वृ.
235	के नाथ 13/21	,,	,,	देवेन्द्रसूरि	पद्य
236	,, 5/92	चद्रलेखा-चौपई	Candralekhā Caupaı	मतिकुशल	प
237	ओसिया 4 अ 85	,,	,,	,,	,,
238	मुनिसुव्रत 4 अ 144	,,	,,	,,	,,
239	के नाथ 5/109	,,	,,	,,	,,
240	कोलडी 69/4	चपकसेठ-चौपई	Campaka Setha Caupaī	समयसुन्दर	,,
241	कुथुनाथ 24/5	चार प्रत्येक बुद्ध-चौपई	Cāra Pratyeka Buddha Caupaī	,,	,,
242	के.नाथ 6/44	,,	,,	,,	,,
243-4	के नाथ 9-30,10-11	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	,,	,,
245	कुथुनाथ 14/8	,, चौपई	,, Caupaī	,,	,,
246	सेवामदिर 4 अ 193	चित्तसभूत-चौपई	Cıtta Sambhūta Caupaī	ज्ञानसुन्दर	,,
247	मुनिसुव्रत 3 ई 277	,, सज्झाय	, Sajjhāya	—	,,
248	,, 4 अ 130	चित्रसेन पद्मावती-चरित्र	Cıtrasena Padmāvatī Carıtra	पाठक राजवल्लभ	मू (प)
249	के नाथ 9/40	,,	,,	,,	,,
250	,, 19/19	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
251	,, 10/35	,,	,,	,,	मू (प)
252	महावीर 4 अ 60	,,	,,	,,	,,
253	सेवामदिर 4 अ 191	,,	,	,,	,,
254	कोलडी 162	,,	,,	रत्नहर्ष	मू ट (प ग)
255	के नाथ 24/78	चेलणा-चौढालिया	Celanā Caudhālıyā	ऋषिरायचद	प
256	ओसिया 4 अ 84	चौवोलीसती-चौपई	Cauboli Sati Caupaī	अभयसोम (जिनचद शिष्य)	,,
257	मुनिसुव्रत 4 अ 172	,,	,,	जिनहर्ष	,,
258	,, 4 अ 108	जरासिन्ध की बात	Jarā Sındha kī Bāta	—	,,
259	कोलडी 143	जवू-चरित्र	Jamboo Carıtra	—	मू ट (ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा स.	35*	27×11×15×45	सपूर्ण 41 गाथा	1531 अमदावाद	
,,	स	119	26×11×18×48	,, ग्रथाग्र 5325	1731	
(सामायिक पर) जीवनी	मा.	16	25×11×17×54	,, ग्र. 624, 29ढाले	1776	
,,	,,	15	25×11×18×56	,, ,,	1802 कर्णपुर, रूपसुदर	
,,	,,	25	25×11×12×36	,, ,,	1843 जोधपुर ऋद्धिसागर	
,,	,,	21	26×11×14×28	,, ,,	1849	
श्रौपदेशिक-चरित्र	,,	6	25×11×13×32	अपूर्ण (त्रुटक)	19वी	
स्वय बुद्धो की जीवनिया	,,	36	27×11×15×52	लगभग पूर्ण (बीच मे 3 पन्ने कम)	1692	
,,	,,	24	26×11×16×40	सपूर्ण चार खण्ड	1775	
,,	,,	21,30	25×11×17/15×42	लगभग पूर्ण 1110 गा	19वी	
,,	,,	20	26×10×18×65	सपूर्ण चार खण्ड	,,	
श्रौपदेशिक-जीवन चरित्र	,,	71	25×10×12×38	,, 1765 गा	18वी	1778 की कृत्ति
,,	,,	2	24×10×14×36	,, 25+4 गा	1783	
(शील उपर) जीवनी	स	21	26×11×13×25	,, 506 श्लोक	1642 लाडाउल	
,,	,,	12	24×10×14×44	,, 508 श्लोक	1811	
,,	स मा	54	22×10×12×33	,, 508 श्लोक	1867	
,,	स	22	26×11×12×35	,, 508 श्लोक	19वी	
,,	,,	21	26×11×12×32	,, 509 श्लोक	,,	
,,	,,	21	23×10×10×38	अपूर्ण 418 श्लोक	,,	
,,	स मा	64	27×12×6×40	सपूर्ण 800 श्लोक	1880	
जीवन चरित्र श्रौपदेशिक	मा	7*	25×12×17×39	,, 4 ढालें	19वी	
ऐतिहासिक जीवन प्रसग	,,	8	26×11×15×56	,, 16 ढाले	18वी	(विक्रम प्रवन्धे) 1724 की कृत्ति
,,	,,	2	25×11×17×48	,, 21 गाथा	19वी	
,,	,,	3	24×10×13×38	सपूर्ण	19वी × देवचद	
जीवन-चरित्र	प्रा मा	28	25×11×7×45	,, 21 उद्देशक ग्र 750	1833	

1	2	3	3 A	4	5
260	के नाथ 9/16	जवू-चरित्र	Jamboo Carıtra	पद्मप्रभ	मू ट (ग.)
261	कोलडी 144	,,	,,	—	मू (ग.)
262	के नाथ 6/69	,,	,,	सकलहर्ष	,,
263	,, 5/19	,,	,,	—	,,
264	,, 11/79	जवू-चोपई	,, Caupaī	बुद्धिसार	पद्य
265	कुथुनाथ 35/41	जवू पाच भव-चरित्र	Jamboo 5 Bhava Carıtra	—	,,
266	के नाथ 19/2	जम्बूस्वामी-चौपई	Jamboo Svāmī Caupaī	कमलविजय	,,
267	,, 26/91	,,	,,	बुद्धिसार	,,
268	कुथुनाथ 17/19	,, प्रवध	,, Prabandha	पद्मचदसूरि	,,
269	सेवामदिर 4 अ 194	,, चौढालिया	,, Caudhālıyā	अज्ञात	,,
270	कोलडी 145	जवूस्वामी-कथा	,, Kathā	—	ग
271	के नाथ 29/44	,	,,	—	,,
272	कोलडी 1092	,,	,,	—	,,
273	के नाथ 5/72	,,	,,	—	,,
274	के नाथ 24/53	,,	,,	—	,,
275	के नाथ 15/58	,,	,,	—	,,
276	के नाथ 6/130	,,	,,	—	,,
277	के नाथ 10/41	जाववती-चौपई	Jāmbavatī Caupaī	सूरीसागर	प
278	सेवामदिर 4 अ 183	,,	,,	,,	,,
279-82	के नाथ 24/45, गु/6, 5/13,19/78	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
283	मुनिसुव्रत 4 अ 109	जिनपाल जिनराखी की चौपई	Jınapāla Jınarākhī kī Caupaī	वरजाग (भावसुदर शिष्य)	,,
284	श्रोमिया 4 अ 88	,, -चौढालिया	,,Caudhālıyā	—	,,
285	के नाथ 18/91	जिनमुक्ति-सूरि वृहत्-भास	Jınamuktısūrı Brhata Bhāṣa	सुमतिसुख	,,
286	कुथुनाथ 10/136	जीरणसेठ (वीरपारणा) गीत	Jirana Setha Gita	मालमुनि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	प्रा मा	80	25×11×6×26	सपूर्ण 20 उद्देशक ग्र 300	1836	
,,	प्रा	27	27×10×13×32	,, ,,	19वी	
,	स	14	25×11×15×45	,,	1785	
,,	मा	27	25×11×11×42	,, 21 उद्देशक ग्र 801	1824	(5 पन्ने तक टब्बार्थ भी है)
,	,,	7	26×11×15×43	,, 178 गा.	1616 मुदरडा जीवा	
,,	,,	4	26×11×19×60	,, ,,	1642	1522 की कृति
,,	,,	42	27×12×14×34	,, 1180 गा	1729	
,,	,,	14	16×13×15×24	,, 180 गा	18वी	
(शील विषये) जीवन चरित्र	,,	19	27×12×17×54	अपूर्ण 1385 गा	19वी	
,,	,,	11[4]	26×12×13×34	,, (41 गा तक)	20वी	
,,	,,	4	25×11×17×46	सपूर्ण 19 कथासह	1793	
,,	,,	50	14×10×9×16	प्रथम चार पन्ने नही है	1830	
,,	,,	6	24×11×12×32	अपूर्ण	19वी	अत मे 3 पन्ने गुरु गीत के है
,,	,,	5	26×11×14×40	सपूर्ण 19 कथासह	,,	
,,	,,	15	26×11×16×37	,,	,	
,,	,,	2	26×11×13×44	,,	,, ×हरिनाथ	
,,	,,	15	25×12×17×45	,,	20वी	
श्रीकृष्ण जीवन प्रसग	,,	14	25×11×10×32	,, पहिला पन्ना कम	1695	
,,	,,	16	22×11×12×27	,,	1826	
,,	,,	10,17 8,8	22 से 26×11 से 15	,,	19वी	
औपदेशिक-कथा	,,	5	26×11×14×51	,, 162 छद	18वी ऋषि-रूपजी	
,,	,,	30*	15×10×12×20	,,	18वी	
गुरु जीवन-गाथा	,,	4	21×11×9×25	,,	,,	
भ महावीर जीवन प्रसग	,,	2	28×12×11×48	,, 31 गा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
287	सेवामदिर 3 इ 345	जीरण सेठ (वीरपारणा) गीत	Jīrana Setha Gīta	मालमुनि	प
288-9	कोल्टी 323, 926	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
290	महावीर 6 इ 51	जैन कुमारसभवमहाकाव्य	Jainkumāra Sambhava Mahākāvya	जयशेखरसूरि	,,
291	के नाथ 20/49	झाझरिया मुनि-सज्झाय	Jhānjhariyā Muni Sajjhāya	भावरत्न	,,
292	के नाथ 5/5	ढालसागर	Dhāla Sāgara	गुणसूरि	,,
293	कुथुनाथ 43/3	,,	,,	,,	,,
294	कोलडी 1140	,,	,,	,,	,,
295	के नाथ 15-213	तपोधनमुनि-स्वाध्याय	Tapodhana Muni Svādhyāya	—	,,
296	के नाथ 19-101	तावलीतापस ढाल	Tāmbalī Tāpasa Dhāla	—	,,
297	के नाथ 2 /4	त्रिभुवनकुमार-चरित्र	Tribhuvana Kumāra Caritra	यतिसुन्दर	ग प
298	के नाथ 6/74	त्रिषष्ठी लक्षण महापुराण	Trisasthī Laksana Mahā Purāna	जिनसेन	पद्य
299	ओसिया 4 अ 90	त्रिषष्ठी शलाका पुरुष चरित्र प्रथम पर्व	Trisasthī Śilākā Purusa Caritra 1st Parva	हेमचन्द्राचार्य	,,
300	कोल्टी 159	,, प्रथम पर्व	,, 1st Parva	,,	,,
301	के नाथ 11/18	,, 7 से 9 पर्व	,, 7th to 9th Parv	,,	,,
302	महावीर 4 अ 70	,, आठवा पर्व	,, 8th Parva	,,	,,
303	के नाथ 21/44	,, ,,	,, ,,	,,	,,
304	के नाथ 1/13	,, ,,	,, ,,	,,	,,
305	महावीर 4 अ 28	,, दसवा पर्व	,, 10th Parva	,,	,,
306	महावीर 4 अ 31	,, ,,	,, ,,	,,	,,
307	के नाथ 29/40	,, परिशिष्ट पर्व	,, Pariśista Parva	,,	,,
308	महावीर 4 अ 75	,, ,,	,, ,,	,,	,,
309	ओसिया 4 अ 10	,, ,,	,, ,,	,,	,,
310	महावीर 4 अ 12	,, ,,	,, ,,	,,	,,
311	महावीर 4 अ 11	,, ,,	,, ,,	,,	,,
312	महावीर 4 अ 15	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
भ महावीर जीवन प्रसग	मा.	3	20 × 12 × 9 × 22	सपूर्ण 30 गाथा	19वी प मुकन-चदजी	
,,	,,	2 3	26 × 10 व 26 × 12	,, 31 गाथा	,,	
जीवन चरित्र महा-काव्य	स	33	26 × 12 × 14 × 49	,, 11 सर्ग ग्र 1500	18वी	ऋषभदेव-चरित्र
जीवन-प्रसग	मा	4	21 × 12 × 11 × 26	,,	1935	
कृष्णपाण्डव इतिहास	,,	213	26 × 11 × 11 × 36	,, ग्रथाग्र 5812	1739	
,,	,,	67	16 × 23 × 25 × 26	अपूर्ण (58 ढाल तक)	19वी	
,	,,	24	25 × 12 × 17 × 45	,, (27 ढाल तक)	,,	
जीवनो	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण	20वी	
औपदेशिक-जीवन	,,	68	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वी	
,,	स	17	26 × 13 × 16 × 42	,, ग्र 800	,,	
औपदेशिक ऐति-हासिक	,,	54	29 × 13 × 12 × 33	अपूर्ण 21 से 25 पर्व	,,	
ऋषभभरतादि-चरित्र	,,	132	31 × 11 × 15 × 46	सपूर्ण 6 सर्ग ग 5000	15वी (या उससे पुरानी)	प्रति मे विक्रम 1145 सवत् लिखा है
,,	,,	163	26 × 11 × 13 × 46	,, ,, 5017	17वी	
रावणजन्म से पार्श्वप्रभु	,,	119	26 × 11 × 15 × 48	सातवे के सर्ग 1 से नौ वें सर्ग 4 तक	16वी	
नेमि-चरित्र	,,	147	25 × 11 × 14 × 42	सपूर्ण 12 सर्ग	17वी	
,,	,,	44	26 × 11 × 17 × 47	अपूर्ण प्रथम से तृतीय सर्ग	,,	
,,	,,	92	25 × 12 × 13 × 28	तीसरा सर्ग	19वी	
भ. महावीर चरित्र	,,	85	27 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण 11 सर्ग	1672 जैसलमेर	
श्रेणिक चरित्र भाग	,,	46	27 × 12 × 14 × 38	ग्र 1350	1887 अजीमगज कल्याणचद	
स्थविर-चरित्र	,,	77	26 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण 13 सर्ग ग्र 3460	1619	
,,	,,	107	25 × 11 × 14 × 42	,, ,, ,,	1753 पद्मविजय	
,,	,,	72	26 × 12 × 18 × 45	,, ,, 3664	19वी विक्रमपुर वखतसागर	
,,	,,	126	28 × 13 × 13 × 35	,, ,, 3895	1913, बालोचर इद्रचद्र	
,,	,,	129	26 × 13 × 13 × 36	,, ,, 3560	1959	
,,	,,	124	27 × 13 × 13 × 37	,, ,, ,,	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
313	के नाथ 19/24	थावच्चासुत-चौपई	Thāvaccā Suta Caupaī	समयसुंदर	पद्य
314	,, 14/74	दमयती-नलचम्पू-विवरण	Damayantī (Nalacampū) Vivarana	चडपाल	ग चपू
315	कोनडी 149	दया आदि पर कथानक	Dayādı para Kathānaka	—	ग
316	, 150	,,	,,	—	,,
317	के नाथ 15/134	दश आश्चर्य	Daśa Āścarya	(कल्पसूत्रान्तर्गत)	,,
318	,, 15/53	,	,,	,,	,,
319	कोनडी 153	दस-दृष्टान्त	Daśa Drstānta	—	,,
320	मुनिसुव्रत 4 अ 15 ,	,,	,' ,,	—	,,
321	के नाथ 15/145	,,	,, ,,	—	,,
322	,, 14/11	दशार्णभद्र-सम्बन्ध	Daśārnabhadra Sambandha	—	,,
323	कुंथुनाथ 15'56	,, चौढालिया	,, Caudhālıyā	—	प
324	कोनडी 1089	दान आदि चतुर्कुलक-कथा का बालावबोध	Dānādı Caturkulaka Bālāvabodha	—	ग
325	मुनिसुव्रत 4 अ 111	दामनसेठ की-चौपई	Dāmana Setha kī Caupaī	प्रतापविजय (वीर-विजय शिष्य)	प
326	ओमिया 2-298	दृष्टान्त-शतक	Drstānta Śataka	—	मू ट
327	,, 2/303	,,	,,	—	,,
328	मेवामंदिर 2/374	,,	,,	तेजसिंह गणि	प ग
329	कुंथुनाथ 54/2	,, -संग्रह	,, Sangraha	—	ग
330	मेवामंदिर 4 अ 181	,,	,,	—	,,
331	मुनिसुव्रत 4 अ 161	,,	,,	—	प.
332	कुंथुनाथ 38/4	,,	,,	—	ग
333	मेवामंदिर 4 अ 177	,,	,,	—	,,
334	के नाथ 29/17	देवकी-रास	Devakī Rāsa	अज्ञात	प
335	,, 19/79	,,	,,	,,	,,
336	,, 19/101	देवदत्त-ढाल	Devadatta Ḍhāla	—	,,
337	ओमिया 4 अ 92	द्रौपदी-रास	Draupadī Rāsa	शोभमुनि (मान्यसुंदर शिष्य)	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवनी	मा	16	26 × 11 × 15 × 46	सपूर्ण 447 गा	1711	
,,	स	64	28 × 9 × 13 × 40	,, 7 उल्लास ग्र 1900	1660	
धर्मफल पर दृष्टात	मा	8	26 × 13 × 14 × 34	,,	19वी	
,,	,,	13	24 × 12 × 12 × 32	,,	,,	
अभूतपूर्व घटनाये	स.	10	26 × 11 × 15 × 32	,,	,,	
,,	मा	10	24 × 12 × 10 × 18	,,	1858	
औपदेशिक-कथानक	स	22	27 × 10 × 14 × 45	,,	1598	
,,	,,	23	27 × 11 × 15 × 44	,,	17वी	
,,	,,	15	25 × 11 × 19 × 50	अपूर्ण 8 कथाये	19वी	
,, जीवन-प्रसग	अ	2	26 × 10 × 12 × 51	मपूर्ण	16वी	
,, ,,	मा.	3	22 × 10 × 9 × 25	,, 4 ढाले	19वी	
शीलविषयक	,,	32	25 × 10 × 20 × 60	प्रतिपूर्ण दूसरे कुलक की कथाये	1762	
औपदेशिक-चरित्र	,,	15	25 × 11 × 12 × 39	सपूर्ण 17 ढाले	1849	
,, कथानक	प्रा स + मा	13	25 × 12 × 6 × 39	,, 140 गा 100 कथा	19वी अजार-नगर	
,, ,,	स. + मा.	10	43 × 11 × 5 × 51	अपूर्ण 51 कथाये	20वी	
,, ,,	स	40	21 × 11 × 4 × 24	सपूर्ण 102 श्लोक की कथाये	1935	
औपदेशिक लघु कथानक	,,	20	26 × 11 × 16 × 72	सपूर्ण 100 से उपर कथानक	16वी	
शीलप्रमाद व क्रोध पर	,,	8	24 × 10 × 16 × 41	,, 3 कथायें	17वी	
औपदेशिक-कथानस	,,	16	26 × 11 × 18 × 61	अपूर्ण	,,	
,,	,,	20	26 × 11 × 18 × 56	,, 49 से 121 कथानक	19वी	
,,	मा	72	20 × 11 × 13 × 34	,, (बीच के पन्ने)	,,	
जीवन चरित्र-गज सुकमाल-प्रसग	,,	3	34 × 21 × 65 × 34	सपूर्ण 19 ढाल	,,	
,,	,,	17	24 × 14 × 15 × 28	,, ,,	1941 शातिग्राम लक्ष्मीसागर	पूर्वोक्त का ही पाठ
श्री जीवन प्रसग	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वी	
जीवन-प्रसग	,,	66	26 × 11 × 12 × 30	सपूर्ण 48 ढाल/गा 1185	1940 वीकानेर विनयसुदर	ग्रथकार का अपरनाम सौजन्यसुदर

1	2	3	3 A	4	5
338	के नाथ 6/3	धनंजय-चौपई	Dhanañjaya Caupaī	भुवनसोम	प
339	ओसिया 3 इ 177	धन्नाऋषि-सज्झाय	Dhannā Rṣi Sajjhāya	अम्मामुनि	,,
340	के नाथ 26/91	,, चौपई	,, Caupaī	मतिशेखर (कक्क सूरि शिष्य	,,
341	, 6/35	,, ,,	,,	,	,,
342	,, 19/5	धन्ना-प्रबंध	,, Prabandha	यक्षसूरि शिष्य	,,
343	मुनिसुव्रत 3 इ 32	धन्नामुनि-सज्झाय	Dhannā Muni Sajjhāya	—	,,
344	के नाथ 26/91 गु	,, संधि	,, Sandhi	कल्याणतिलक	,,
345	,, 19/115	धन्नाशालिभद्र-रास	Dhannā Śālibhadra Rāsa	रत्नसूरि शिष्य	,,
346	,, ,,	,,	,,	जिनराज-सूरि	,,
347	,, 19/109	,,	,,	,,	,,
348	कोलडी 365	,,	,,	,,	,,
349	के नाथ 5 93	,,	,,	,,	,,
350	सेवामंदिर 4 अ 201	,,	,	,,	,,
351	मुनिसुव्रत 4 अ 150	,,	,,	,,	,,
352-54	कोलडी 214-36, गु 9/12	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
355	के नाथ 24/80	,,	,,	,,	,,
356	कोलडी 1088	,,	,,	जिनविजय	,,
357	कुंथुनाथ 10/183	,, —सज्झाय	,, Sajjhāya	उदयरत्न	,,
358	के नाथ 14/13	,, —रास	,, Rāsa	जिनराजसूरि	,,
359	,, 13/34	,, —संबन्ध	,, Sambandha	अज्ञात	,,
360	,, 10/21	,, ,	,, ,,	—	,,
361	,, 11/19	,, ,,	,, ,,	—	,,
362	,, 15/232	,, ,,	,, ,,	—	,,
363	,, 21/92	धम्मिल-चरित्र	Dhammila Caritra	—	,,
364	मुनिसुव्रत 4 अ 160	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवनी	मा	5	26 × 11 × 21 × 53	सपूर्ण	1773	
,, जीवन-प्रसग	,,	2	25 × 11 × 9 × 31	,, 22 पद	19वी	
,, जीवन चरित्र	,,	21	16 × 13 × 15 × 24	,, 333 गा	18वी	
,, ,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 50	,, 328 गा.	19वी	
,, ,,	,,	15	26 × 11 × 13 × 42	,, 332 गा	18वी	
औपदेशिक-प्रसग	प्रा	1	25 × 11 × 15 × 52	अपूर्ण 10 गा	,,	साथ मे 'गौतम कुलक'
,,	मा	गुटका	16 × 13 × 15 × 24	सपूर्ण 63 गा	,,	
,, जीवनी	,,	37*	26 × 11 × 13 × 43	,, 218 गा	1723	(दान ऊपर)
,, ,,	,,	37*	26 × 11 × 13 × 43	,, 29 ढाले	,,	1668 की कृति
,, ,,	,	15	25 × 11 × 15 × 42	,, ,,	1778	
,, ,,	,,	24	26 × 11 × 14 × 39	,, ,,	1817	
,, ,,	,	39	23 × 12 × 10 × 25	,, ,, गा 501	1832	
,, ,,	,,	29	23 × 11 × 13 × 33	,, ,, सचित्र	1834	कुल 31 चित्र
,, ,,	,,	31	22 × 11 × 12 × 26	,,	1841 नागपुर	
,, ,,	,	15,16गु	15 से 27 × 10 से 11	,, ग्रथाग्र 600	19वी	
, ,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 41	,,	,,	
,, ,,	,,	24	27 × 11 × 14 × 60	अपूर्ण (द्वितीय उल्लास की 337 गाथा तक)	,,	
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 14 × 40	सपूर्ण 7 गाथा	,,	
,, ,,	,,	25	25 × 11 × 13 × 31	,, 29 ढाल (पहिला पन्ना कम)	1720	
,, ,,	,,	19	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण ढाल 36वी तक गा 682	19वी	
,, ,,	,,	17	27 × 12 × 13 × 44	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	11	27 × 13 × 15 × 40	,, 98 से 327 गा तक	,,	
,, ,,	,,	4	27 × 13 × 15 × 33	,, ढाल 6 तक	,,	
,, ,,	स.	19	26 × 11 × 17 × 53	सपूर्ण 478 श्लोक	1690	
,, ,,	,,	13	26 × 11 × 18 × 52	अपूर्ण 300 श्लोक	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
365	महावीर 4 अ 78	धम्मिल-चरित्र	Dhammila Caritra	—	प
366	केनाथ 6/53	,,	,,	—	,,
367	महावीर 4 अ 4	,,	,,	जयशेखर (मानसूरि-शिष्य)	,,
368	केनाथ 19/64	धम्मिल-विलास	,, Vilāsa	ज्ञानसागर	,,
369	कुथुनाथ 52/12	धर्मदत्त-कथा	Dharmadatta Kathā	गुणसूरि	ग.
370	मुनिसुव्रत 4 अ 163	,, प्रबन्ध	,, Prabandha	—	ग (प)
371	कोनडी 224	,, धनवती-चौपई	,, Dhanavati Caupaī	कुशलऋषि	प
372	कोलडी 1262	धर्मपरीक्षा	Dharma Parīkṣā	मानविजय (जयविजय शिष्य)	मूट (प ग)
373	कुथुनाथ 16/9	धर्मबुद्धि मत्री पापबुद्धि राजा कथा	Dharmabuddhi Mantrī Pāpabuddhi Rajā Kathā	—	ग.
374-5	महावीर 4अ 77,42	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
376	केनाथ 19/54	,, चौपई	,,	चन्द्रकीर्त्ति	पद्य
377	केनाथ 19/116	,, कथा	,, Kathā	लाभवर्द्धन	,,
378	केनाथ 13/53	नरदेव-चौपई	Naradeva Caupaī	सहजकीर्त्ति	,,
379	कोनडी 1146	नर्मदासुदरी-चरित्र	Narmadā Sundari Caritra	मोहनविजय	,,
380	कोलडी 1079	नल-चरित्र	Nala Caritra	नयसुदर	,
381	केनाथ 19/48	नलदमयती-चरित्र	Nala Damayantī Caritra	—	ग
382	केनाथ 14/65	,, चौपई	,, Caupaī	समयसुदर	प
383	कोलडी 217	,, ,,	,, ,,	,,	,,
384-5	केनाथ 13/6 5/46	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
386	केनाथ 14/135	,, ,	,, ,,	ऋषिवर्द्धनसूरि	,,
387	केनाथ 29/13	नद-बहोत्तरी	Nanda Bahottarī	जसराज	,,
388	केनाथ 15/59	नदमणियार-सज्झाय	Nanda Maniyāra Sajjhāya	रामविजय	,,
389	केनाथ 19/89	नदीषेण-चौपई	Nandīṣena Caupaī	ज्ञानसागर	,,
390	केनाथ 26/57	(मुनि) नाथूराम-चौढालिया	Nāthūrāma Caudhāliyā	—	,,
391	केनाथ 19/101	निर्मोही-ढाल	Nirmohī Dhāla	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक जीवनी	स	7	27 × 13 × 13 × 48	सपूर्ण 207 श्लोक	19वी	सक्षिप्त सस्करण
,,	,,	9	25 × 12 × 15 × 33	,, 240 श्लोक	,,	
,,	,,	77	30 × 14 × 15 × 51	,, ग्रथाग्र 3504	20वी	
,,	मा	69	26 × 11 × 15 × 34	,, 1006 गा	19वी	
(अतिथि सविभाग पर) चरित्र	स	5	27 × 11 × 21 × 60	,,	1644	
,,	,,	11	27 × 11 × 17 × 44	अपूर्ण 88 अनुच्छेद	18वी	उद्धरण पद्य मे
,,	मा.	20	26 × 11 × 13 × 42	सपूर्ण 32 ढाल	1821	
औपदेशिक-कथानक	स मा	31	26 × 11 × 6 × 44	,, 367 श्लोक	1855	
,,	स	14	27 × 12 × 13 × 38	,,	19वी	
,,	,,	7,19	28 × 13 व 26 × 12	,,	20वी/1960 नागौर मुरलीधर	एक दूसरे की नकल
,,	मा.	21	26 × 11 × 15 × 52	,, गा 430 (अन्तिम पन्ना कम)	17वी	
,,	,,	18	25 × 11 × 14 × 45	,, 39 ढालें	1750	
,, चरित्र	,,	6	25 × 12 × 16 × 60	,, 321 गा	19वी	
,,	,,	16	25 × 12 × 12 × 40	अपूर्ण (12 ढाल तक)	,,	
जीवन चरित्र	,,	74	25 × 11 × 15 × 50	अ 16 प्रस्ताव, 2358गा 3500 ग्र	18वी	प्रथम 5 व अतिम 1 पन्ना नही
,,	स	22	25 × 11 × 13 × 44	सपूर्ण	19वी	
,,	मा	41	26 × 11 × 13 × 43	,, 6 खड, 38 ढाल, 913 गा, 1350ग्र	1696	
,,	,,	30	27 × 11 × 15 × 45	,, 6 खड 38 ढाल 913 गा, ग्र 1620	1709 जैतारण	
,,	,,	54,24	25 × 11 व 26 × 11	सपूर्ण ग्रथाग्र 1357/95	19वी	
,,	,,	18	27 × 12 × 11 × 39	,, 331 गा	19वी	
औपदेशिक-कथानक	,,	2	25 × 11 × 15 × 48	,, 73 गा.	19वी	
,, जीवन-प्रसग	,,	3	20 × 10 × 11 × 31	,, 37 गा	,,	साथ मे अन्य स्तवन स्वाध्याय
,, ,,	,,	7	26 × 12 × 19 × 45	,, 16 ढाल	,,	
,, ,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 49	,,	,,	
,, ,,	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
392	नेमिनाथ 6/116	नेउर पण्डित-कथा	Neura Pandita Kathā	—	प
393	,, 5/60	नेमिचंदसूरि-रास	Nemicandasūri Rāsa	गुणचंद	,,
394	महावीर 4 अ 27	नेमिनाथ-चरित्र +वृत्ति	Nemināṭha Caritra	जिनवल्लभ	मू वृ (प ग)
395	,, 4 अ 26	,,	,,	कमलप्रभ (रत्नप्रभ-शिष्य)	प
396	,, 6 ट 52	,, (काव्य)	,,	—	,,
397	नेमिनाथ 6/49	,, जिन-स्तोत्र	,, Jina Stotra	कीर्तिराज उपाध्याय	,,
398	कुन्थुनाथ 2/39	,, राजुल-धमाल	,, Rājula Dhamāla	—	,,
399	,, ,,	,, रास	, Rāsa	—	,,
400	सोनडी 237	,, ,,	,, ,,	कनककीर्ति	,,
401	,, 335	,, फाग	,, Phāga	विनयविजय	,,
402	नेमिनाथ 15/65	,, ,,	,, ,,	महिमामेरु मुनि	,,
403	सोलडी 336	,, ,,	,, ,,	,,	,,
404	नेमिनाथ 14/94	,, व्याह (व्हीरवली)	,, Vyāha	ऋ जयमलजी	,,
405	,, 19/111	,, राजमती-चरित्र	,, Rajamatī Caritra	—	,,
406	,, 20/22	,, चौढालिया	,, Caudhāliyā	रायचंद	,,
407	,, 20/29	,, नवरसा	,, Navarasā	रूपचंद	,
408	सोनटी 328	नेमिनाथ-रास	NemināthaRāsa	पुण्यरत्न	,,
409-10	नेमिनाथ 19/18, 16/24	,, ,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
411	सदामन्दिर गुटका नि	,, ,,	,, ,,	—	,,
412	तोलडी 310	, चौक	,, Couka	अमृतविजय	,,
413	नेमिनाथ गु 14	,, ,,	,, ,,	,,	,,
414	,, 19/76	,, विवाहलो	,, Vivāhalau	—	,,
415	, 26/98	,, ,,	,, ,,	—	,,
416	,, 20 42	,, चरित्र	,, Caritra	ऋ जयमलजी	,,
417	,, 8/14	,, पचकल्याण	,, Pañcakalyāṇa	पू नाथूरामजी	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-जीवन प्रसग	स	8	26 × 11 × 13 × 42	सपूर्ण 183 श्लोक	19वी	
गच्छपति जीवन-गाथा	मा.	3	26 × 11 × 16 × 44	,, 7 ढालें + दोहे आदि	,,	
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा स	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 15 गा	1531 अमदाबाद धर्मसेन	चरित्र पच के
,,	स	116	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण आठ सर्ग तक	16वी	
,, भक्ति	,,	4	26 × 11 × 19 × 62	सपूर्ण 125 श्लोक ग्र 252	17वी	मेघदूतपाद समस्या पूर्तिरूप
,, ,,	,,	19	27 × 11 × 17 × 50	,, 12 सर्ग (पहिला पन्ना कम)	16वी	
,, प्रसग	मा.	4*	23 × 12 × 28 × 90	सपूर्ण 63 गा	,,	
,, ,,	,,	4*	23 × 12 × 28 × 90	,, 149 गा.	,,	
,, ,,	,,	7	27 × 12 × 19 × 58	सपूर्ण 13 ढालें	1732	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × 10 × 28	,, 27 गाथा	1818	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 30	,, 65 गाथा	19वी	
,, ,,	,,	3	25 × 10 × 12 × 35	,, ,,	,,	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 16 × 64	,, 43 गाथा	1834	
,, ,,	,,	18*	27 × 12 × 14 × 35	,,	19वी	
,, ,,	,,	12	25 × 11 × 14 × 32	,,	,,	
,, ,,	,,	2	25 × 11 × 16 × 44	,, 9 ढाल + 2 स्तवन	,,	
,, ,,	,,	3	27 × 10 × 14 × 50	,, 66 गा	,,	
,, ,,	,,	4-4	26 × 10 व 26 × 11	,, 61/64 गा	,,	दूसरी मे 1 पन्ना कम है
,, ,,	,,	6	16 × 11 × 13 × 20	अपूर्ण 59 गा.	,,	
,, ,,	,,	3	26 × 12 × 17 × 50	सपूर्ण 96 गा.	1848 बगडी	होली खेल वर्णन
,, ,,	,,	15	16 × 14 × 12 × 12	,, ,,	1889	होली खेल वर्णन 1839 की कृति
,, ,,	,,	10	26 × 13 × 15 × 28	,, 24 ढाल	1938	
,, ,,	,,	5	26 × 11 × 10 × 38	अपूर्ण (बीच के पन्ने)	19वी	
,,	,,	10	20 × 11 × 13 × 29	सपूर्ण 33 ढाल	1926	
,, प्रसग	,,	6	26 × 12 × 17 × 57	,, ग्र. 400	19वी	मुख्यत यादव कथा

1	2	3	3 A	4	5
418	के नाथ 19/74	नेमिनाथ-अधिकार	Neminātha Adhikāra	—	ग.
419	महावीर 4 अ 29	पउमचरिय	Paumacariyam	विमलसूरि	प
420	के नाथ 12/50	,,	,,	,	,,
421	,, 5/108	पद्म-चरित्र	Padma Caritra	विनयसमुद्र (हर्षसमुद्र उपकेशगच्छीय शिष्य)	,,
422	कोनडी 1133	पद्मरथ-चौपई	Padmaratha Caupaī	रूपचद	,,
423	के नाथ 21/92	पद्मावती-कथा	Padmavatī Kathā	—	पद्य
424	,, 11/97	परमहस सबोध-चरित्र	Paramhamsa Sambodha Caritra	नयरग	,,
425	,, 6/19	पचकुमार-चरित्र	Pañcakumāra Caritra	लक्ष्मीवल्लभ	ग
426	कोनडी 234	पचदण्ड-चरित्र	Pañcadanda Caritra	,,	प
427	,, 233	,,	,,	,,	,,
428	कुथुनाथ 17/7	पार्श्वचन्दसूरि-भास	Pārśvacandasūri Bhāsa	—	,,
429	महावीर 4 अ 27	पार्श्वनाथ-चरित्र	Pārśvanātha Caritra	जिनवल्लभ/-	मू वृ
430	के नाथ 29/36	,,	,,	भावदेव	प.
431	महावीर 4 अ 20	,,	,,	,,	,,
432	,, 4 अ 72	,,	,,	उदयवीर (सघवीर शिष्य)	ग
433	,, 4 अ 54	,,	,,	,,	,,
434	के नाथ 13/5	,, व गणधर-सबध	,, & Ganadhara-Sambandha	—	,,
435	गोमिया 4 अ 89	,, ,,	,, ,,	(देवभद्राचार्य प्रसन्नचद शिष्य रचिते पार्श्वचरित्रे	,,
436	सेवामदिर 4 अ 194	पाचप्रमाद-चौढालिया	Pāñcapramāda Cauḍhāliyā	—	प.
437	के नाथ 26/34	पाचाजी ,,	Pāñcājī Cauḍhāliyā	गुमानविजय	,,
438	महावीर 4 अ 71	पाडव-चरित्र	Pāṇḍava Caritra	देवविजय (राजविजय शिष्य)	ग
439	के नाथ 10/81	,, रास	,, Rāsa	लालचद	प
440	,, 21/1	पाडु-चरित्र	Pāṇḍu Caritra	देवप्रभ	,,
441	मुनिसुव्रत 4 अ 155	पुण्यसार-चौपई	Puṇyasāra Caupaī	अज्ञात	,,
442	के नाथ गुटका 1	,,	,,	पुण्यकीर्त्ति	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	मा	6	26 × 12 × 16 × 42	सपूर्ण	19वी	
सीताराम-चरित्र महाकाव्य	प्रा	140	26 × 11 × 23 × 63	,, ग्र 10550 (पहिला पन्ना कम)	1502, मडपदुर्ग गुणधीरगणि	
,,	,,	263	26 × 11 × 12 × 60	,, ग्र 8655 ,	1649	
,,	मा	38	25 × 11 × 17 × 43	,, 1494 गा , 1700ग्र	1654	(हेमचन्द्रानुसार)
शील पर जीवनी	,,	15	25 × 11 × 18 × 60	,, 443 गा , ढाल 23	1766	
औपदेशिक-जीवनी	स	19*	26 × 11 × 17 × 53	,, 501 श्लोक	1690	
,, रूपक	प्रा स.	21	26 × 11 × 16 × 46	अपूर्ण 7 प्रस्ताव + 56 श्लोक	19वी	
,, जीवनी	स	17	26 × 12 × 15 × 53	सपूर्ण	1876	
,, जीवन-प्रसग	मा	63	26 × 10 × 17 × 52	,, 75 ढाल 6 खड, ग्र 3784	1842	(विक्रमादित्य चरित्रे)
,, ,,	,,	136	22 × 12 × 15 × 24	,, ,, ग्र 3971	1855	
जीवन गाथा	,,	5	26 × 11 × 12 × 40	,,	19वी	
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा स	35*	27 × 11 × 15 × 45	,, 15 गा	1531 अमदावाद धर्मसेन	चरित्र पच के
,, ,,	स	86	27 × 11 × 11 × 42	अ अतिम 3 सर्ग छठे से आठवा	1558	
,, ,,	,,	258	27 × 12 × 12 × 40	सपूर्ण आठ सर्ग ग्र 6400	1950 मगलपुर जयानद	
,, ,,	,,	180	26 × 11 × 13 × 41	,, ,, ग्र 5500	(1454 ?)	
,, ,,	,,	138	28 × 13 × 15 × 49	,, ,, ,,	19वी	
,, गणधर सबधी	मा.	106	26 × 11 × 11 × 36	अपूर्ण (सात गणधर तक)	16वी	जीर्ण
,, ,,	प्रा	88	42 × 11 × 12 × 61	सपूर्ण ग्र 4556(5167)	1923 बीकानेर देवगुप्तसूरि	प्रशस्ति है खरतर-गच्छीय
औपदेशिक-सबध	मा.	11*	26 × 12 × 13 × 34	,, 4 ढाले	20वी	
गुरु-जीवनी	,,	2	26 × 12 × 20 × 52	,, ,,	19वी	
पाडव-इतिहास	स	279	25 × 11 × 13 × 40	,, 18 सर्ग	17वी	रत्नचद द्वारा सशोधित
,,	मा.	10	27 × 12 × 17 × 65	अपूर्ण 409 गाथा तक	19वी	दूसरे खड के प्रारभ तक है
,,	स	206	37 × 6 × 9 × 85	सपूर्ण 18 सर्ग	1468	प्रारभ मे चित्र
धर्म पर औपदेशिक जीवनी	मा.	6	26 × 11 × 16 × 53	,, 213 छद	1770 मेडता	1662 की कृति सागानेर
,, ,,	,,	5	22 × 19 × 27 × 32	,, 202 गा	1814	

1	2	3	3 A	4	5
443	कोनडी गु. 12/8	पुरदर-चौपई	Purandara Caupaī	मालदेव आनद	प
444-46	के नाथ 6/80, 10/61, 19/21	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
447	कुंथुनाथ 23/9	,,	,,	,,	,,
448	मुनिसुव्रत 4 अ 171	पूजा-रास	Pūja Rāsa	फतेहसागर	,,
449	कोनडी 1132	पृथ्वीचद्र-चरित्र	Prthvīcandra Carıtra	जयसागर	,,
450	के नाथ 6/67	,,	,,	लब्धिसागर	,,
451	महावीर 4 अ 64	,,	,,	रूपविजय (पद्मविजय शिष्य)	ग.
452	के नाथ 19/10	,, (गुणसागर) चौपई	,, Gunasāgara Caupaī	—	प
453	कुंथुनाथ 25/7	,, ,, वेलि	,, Belı	—	,,
454	मेवामदिर 4 अ 180	,, ,, कथा	,, Kathā	—	ग
455	महावीर 4 अ 17	प्रदेशी राजा का-चरित्र	Pradeśī Rājā kā Carıtra	वाचक चरित्र (भगसेन शिष्य)	प
456	के नाथ 5/67	,, केशीकुमार-रास	,, Keśikumāra Rāsa	अज्ञात	,,
457	के नाथ 16/18	,, चौपई	,, Caupaī	वाचक सहजसुदर	,,
458	के नाथ 26/73	,, ,,	,, ,,	—	,,
459	महावीर 4 अ 31	प्रद्युम्न-चरित्र	Pradyumna Carıtra	रत्नचद्र (शातिचद्र शिष्य)	,,
460-1	महावीर 4 अ 19-65	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
462	के नाथ 9/25	प्रवन्ध-सग्रह	Prabandha Sangraha	—	ग
463	के नाथ 15-174	प्रश्नोत्तरद्वार-कथानक	Praśnottara Dvāra Kathānaka	—	मू+व्या(प ग)
464	के नाथ 9/20	प्रियमेलक-चौपई	Prıyamelaka Caupaī	समयसुदर	प
465	मुनिसुव्रत 4 अ 164	,,	,,	,,	,
466	के नाथ 19/113	,,	,,	,,	,,
467	कुंथुनाथ 18/5	,,	,,	,,	,,
468	के नाथ 19/32	,,	,,	,,	,,
469	के नाथ 15/186	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-चरित्र	मा	गुटका	19 × 12 भिन्न	सपूर्ण 366 गा	19वी	
,,	,,	12,12, 20	26 से 27 × 11 × भिन्न	,, गा 354/384 ग्र 500	,,	
,	,,	8	26 × 11 × 13 × 49	अपूर्ण गा 223 तक	,,	
,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 38	अपूर्ण (तीसरी ढाल अधूरी तक)	,	
केवली जीवन-चरित्र	स	49	26 × 12 × 19 × 40	सपूर्ण 11 प्रस्ताव ग्र. 2654	1564	
,	,,	25	29 × 11 × 15 × 50	,, ग्रयाग्र 1000 से अधिक	1568	
,,	,,	143	27 × 13 × 15 × 46	,, 11 सर्ग ग्र 6883	1850	
,,	मा	5	25 × 11 × 11 × 36	,, 45 गा	19वी	
,,	,,	4	24 × 12 × 11 × 36	प्रथम पन्ना कम है	,,	
,,	,,	27	26 × 12 × 27 × 55	सपूर्ण	1949 नागपुरे जुहारमल	रूपरेखा सारसूचक
जीवनी, तात्त्विक प्रसग	स	96	25 × 12 × 13 × 44	सपूर्ण 9 सर्ग	19वी	प्रशस्ति है
,,	मा	10	22 × 11 × 20 × 50	,, 16 ढाले ग्र 600	1829	
,,	,,	6	26 × 11 × 14 × 39	अपूर्ण 138 गाथा तक	19वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 13 × 42	,,	20वी	
जीवन चरित्र महा-काव्य	स	86	26 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण 17 सर्ग ग्र 3569	1679 गाधार	प्रशस्ति अकबर प्रसग सह
,,	,,	88,117	27 × 12 व 26 × 12	,, ,,	19वी	उपरोक्त की नकले
औपदेशिक-चरित्र	मा.	10	25 × 11 × 14 × 42	,, 8 कथाये	,,	नागार्जुन नद नाग-मोर भोज आदिप्रसग
औपदेशिक कथानक	प्रा स	8	29 × 11 × 17 × 57	अपूर्ण श्लोक 32 से 63 कथासह	,,	(बीचे के पन्ने 55 से 82)
(साधु दान विषये) जीवनी	मा	10	26 × 11 × 14 × 39	सपूर्ण 11 ढाल ग्र 400	1627	
,,	,,	8	26 × 12 × 15 × 50	,, ,, गा 230	17वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 42	सपूर्ण 11 ढाल ग्र 305 गा 230	,,	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 44	,, ,, ,, ,,	1725	
,,	,,	9	26 × 11 × 16 × 47	,, ,, ,, ,,	1754	
,,	,,	8	25 × 11 × 13 × 40	,, पहिला पन्ना कम	1780	

1	2	3	3 A	4	5
470-1	के नाथ 19/30 6/96	प्रियमेलक-चोपई 2 प्रतियां	Priyamelaka Caupai 2 copies	समयसुंदर	प.
472-3	मुनिसुव्रत 4 ग्र 115-6	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
474	कोलडी 212	,, चरित्र	,, Caritra	,,	,,
475-6	के नाथ 29/6, 14/117	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
477	के नाथ 9/19	प्रियंकर नृप-कथा	Priyaṅkara Nṛpakathā	जिनसूरि	ग
478	कुंथुनाथ 40/79	प्रीतिकर महामुनि-चरित्र	Pritikara Mahāmuni Caritra	नेमीदत्त	प
479	श्रोमिया 4 ग्र 81	बंकचूल-चोपई	Bankacula Caupai	अज्ञात	,,
480	के नाथ 18/77	,, चोढालिया	,, Caudhālia	फतेचंद	,,
481	कोलडी 152	बारहव्रतों पर-कथायें	Bāraha Vraton Para-Kathāyen	—	ग
482	कुंथुनाथ 17/13	,,	,, ,,	—	,,
483	के.नाथ 15-81	बाहुबली-सज्झाय	Bāhubali Sajjhāya	—	प
484	कुंथुनाथ 39/3	,,	,,	रामविजय	,,
485	महावीर 4 ग्र 39	बीसस्थान (पुण्य विलास) रास	Bisasthāna Rāsa	जिनहर्ष	,,
486	के नाथ 6/118	भरत-चरित्र	Bharata Caritra	—	ग.
487	मेवामंदिर 4 ग्र 194	भरत-चोढालिया	,, Caudhālia	—	,,
488	कोलडी 155	भरतआदि-कथायें	,, Ādi Kathāyen	—	,,
489	महावीर 4 ग्र 74	भरतेसर बाहुबली टीका मात्र	Bharahesara Bāhubali Tikā	शुभशील (मुनिसुंदर शिष्य)	,,
490	के नाथ 19/101	भवदत्त भवदेव ढाल	Bhavadatta Bhavadeva Dhāla	—	प.
491-2	के नाथ 15/219 20	भानुमति-कथा 2 प्रतियां	Bhānumati Kathā 2copies	—	ग.
493	मुनिसुव्रत 4 ग्र 131	भुवनभानु (वलिमहानरेन्द्र) चरित्र	Bhuvanabhānu Caritra	इन्द्रकीर्ति	,,
494	महावीर 4 ग्र 13	,,	,,	,,	,,
495	कोलडी 1078	,,	,,	—	,,
496	के नाथ 23/43	भोज-चरित्र	Bhoja Caritra	पाठक राजवल्लभ	प
497	कोलडी 228	,,	,,	व्यास भवानीदास	ग. (प)
498	के नाथ 15/183	मच्छोदर-चोपई	Macchodara Caupai	ललितसागर	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
साधुदानविपये जीवनी	मा.	7,6	26 × 11 × 13/15 × 50	सपूर्ण पहली 11 ढाल दूसरी अ	19वी	
,,	,,	8,8	23 से 26 × 11 × 15	,, 230 गाथा, ढाल 11	,,	
,,	,,	13	25 × 11 × 11 × 30	,,	,,	
,,	,,	7,12	25 से 28 × 11 से 11	,, 11 ढाल	19/20वी	
उवग्सगहरप्रभावे श्री	स	26	25 × 11 × 15 × 46	,, ग्र 1000	19वी	
श्री जीवनी	,,	24	28 × 13 × 14 × 34	,, 3 अधिकार 450 श्लो ग्र 467	16वी	
साधुसगति श्री	मा	5	26 × 11 × 12 × 37	,, 95 छद	19वी × ऋपि-शकर	
,,	,,	3	25 × 12 × 15 × 40	,,	1906	
श्रावकाचार-दृष्टात	,,	30	28 × 12 × 15 × 50	,,	1861	पर प्रतिज्ञा 18 पाप स्थान कहने की जीर्ण
,,	स	23	26 × 12 × 20 × 80	त्रुटक ग्र 450	19वी	
भक्ति स्वाध्याय	मा ग्र	2	24 × 11 × 15 × 36	,, 21 गाथा	,,	
जीवन-प्रसग	मा.	गुटका	22 × 16 × 12 × 32	,, 3 ढालें	1913	
20 स्थानक पर दृष्टात	,,	90	26 × 11 × 17 × 44	,, 20 कथानक	1799	
जीवन-प्रसग	प्रा	3	25 × 11 × 11 × 35	,,	19वी	
,,	मा.	11*	26 × 12 × 13 × 34	,, 4 ढाले	20वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 14 × 34	,,	1894	
श्री कथा जीवनी	स	266	27 × 13 × 15 × 40	,, दो अधिकार	1952 × जेठमल	
जीवन-प्रसग	मा	68*	26 × 12 × 20 × 50	,,	19वी	
,,	,,	2,2	26 × 11 × 14 × 40	,,	,,	
अनित्य भावना पर जीवनी	स	27	26 × 11 × 19 × 53	,, 2707 ग्र थाग्र	17वी × धर्म-मित्र-सूरि	
,,	,,	65	25 × 13 × 13 × 37	,, ,,	1914	
,,	मा	90	25 × 13 × 14 × 38	अपूर्ण पहिले 4 पत्रे कम	19वी	
जीवन-चरित्र	स	31	26 × 11 × 18 × 51	सपूर्ण 5 प्रस्ताव 996 श्लो	17वी	
स्त्री-चरित्रे जीवन प्रसग	मा	29	23 × 11 × 14 × 40	,,	19वी	पन्द्रहवी विद्या
जीवन-कथा	,,	6	26 × 11 × 15 × 58	अपूर्ण 7 वी ढाल से 17 वी (अत) तक	1769	पहिले 5 पत्रे कम है शातिनाथ चरित्र से)

1	2	3	3 A	4	5
499	के नाथ 19/82	मच्छोदर-रास	Machhodara Rāsa	रुचिरविमल-सुपराण	प
500	के नाथ 18/79	मतिसार-प्रधान कथा	Matısāra Pradhāna Kathā	—	ग.
501	से ामदिर 4 अ 197	मदनरेखा-चौपई	Madana Rekhā Caupaī	वा मतिशेखर	प
502	मुनिसुव्रत 4 अ 158	,,	,,	अज्ञात	,,
503	गोलडी 271	,,	,,	—	,,
504-6	के नाथ 18/67, 19/111 24/59	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
507	महावीर 4 अ 34	(महाबल) मलयसुदरी-चरित्र	(Mahābala) Malava Sundarī Carıtra	जयतिलकसूरि	,,
508	महावीर 4 अ 69	,, ,,	,, ,,	माणिक्यसुदर	ग
509	महावीर 4 अ 68	मल्लिजिन चरित्र	Mallıjına Carıtra	आ. विनयचद्रसूरि	प
510	के नाथ 4/20	महावीर उपसर्गाधिकार	Mahavīra Upasargādhıkāra	—	ग
511	के नाथ 15/203	महावीर-चरित्र	,, Carıtra	—	,,
512	के नाथ 24/56	,, चौढालिया	,, Caudhālıyā	ऋ रायचदजी	प.
513	सेवामदिर 3 इ 366	,, ,,	,, ,,	,,	,,
514-5	कुथुनाथ 17/15 17/3	,, -पूर्वभव 2 प्रतिया	,, Purvabhava 2 copies	—	ग
516	ओसिया 3 इ 179	,, 27 भव-स्तवन	,, 27 Bhava Stavana	—	प
517	मुनिसुव्रत 3 इ 270	,, ,	,, ,,	—	,,
518	कोलडी 1232	,, व अन्य स्तवन	,, & Stavana	सकलन	,,
519	महावीर 4 अ 22	महिपाल-चरित्र	Mahıpāla Carıtra	वीरदेवगणि	,,
520	मुनिसुव्रत 4 अ 151	,,	,, ,,	,,	मू+ट (प ग)
521	के नाथ 17/57	,,	,, ,,	,,	प
522	गोलडी 253	मगलकलश-रास	Mangala Kalaśa Rāsa	जिनहर्ष	,
523-4	के नाथ 15/89, 5/105	,, चौपई 2 प्रतिया	,, Caupaī 2 copies	वा कनकसोम	,,
525	कुथुनाथ 18/4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
526	मुनिसुव्रत 4 अ 107	,, ,,	,, ,,	लक्ष्मीहर्ष	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रौपदेशिक-जीवन	मा	32	25 × 11 × 14 × 36	सपूर्ण 33 ढाले	1971	
धैर्य ऊपर दृष्टात	,,	2	25 × 12 × 15 × 40	,,	19वी	
शीलविषये	,,	9	24 × 11 × 17 × 44	अपूर्ण पहिले दो पन्ने कम	1678 द्रुनाटक मोहनजी	
,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 35	सपूर्ण 160 छद	18वी	
,,	,,	7	27 × 13 × 15 × 42	,, 178 गा	1874	
,,	,,	6,18,6	25 से 28 × 12 से 13	,, 175/203 गा.	1890/19वी	
ज्ञानरत्नोपरव्याने ग्रो	स	70	25 × 11 × 12 × 50	,, चार प्रकाश श्लोक 2430	16वी	
,,	,,	37	26 × 11 × 12 × 30	,, ,,	1868 विक्रम-पुरे धर्मविलास	
तीर्थंकर-जीवनी	,,	51	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण छठे सर्ग से अत तक	19वी	
,, जीवन-प्रसग	,,	6	26 × 11 × 13 × 45	सपूर्ण	17वी	
,, जीवनी	,,	8	26 × 10 × 14 × 46	अपूर्ण गणधर वाद तक	19वी	कल्पसूत्रानुसार
,, जी+भक्ति	मा	2	25 × 12 × 18 × 45	सपूर्ण चार ढालें	,	1839 की कृति नागौर मे
,, ,,	,,	3	26 × 12 × 14 × 40	,, ,,	,,	,,
,, चरित्र	प्रा मा	6,3	26/27 × 11	,, दूसरी अपूर्ण 18 भव तक	,,	पहिली प्रति जीर्ण
,, भक्ति+जीवन	मा	7	26 × 11 × 10 × 35	,, 85 छद	1939 मार्तण्ड-पुरे दीपचद	
,, ,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 51	,, 29 छद	19वी	
,, ,,	,,	5	25 × 10 × 7 × 28	,, 19 पद	,,	नाप मे भिन्नता है
जीवन चरित्र महाकाव्य	प्रा	48	27 × 11 × 13 × 47	,, 1816 श्लोक	17वी	
,,	प्रा मा.	127	26 × 11 × 7 × 40	,, 1840 श्लोक ग्र 5059	1793	ग्र टव्वा सहित है
,,	प्रा.	45	25 × 11 × 7 × 40	अपूर्ण 669 श्लोक तक	19वी	
दानपर-जीवनी	मा	22	24 × 10 × 13 × 33	सपूर्ण 21 ढालें	1761	
,,	,,	7,8	25 × 11 × 12 × 32	,, 142-3 गाथा	1768, 19वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 11 × 40	,, 138 गाथा	19वी	
,,	,,	17	26 × 11 × 16 × 42	,, 22 ढाले	1849 सातसेण राजेन्द्रसागर	

1	2	3	3 A	4	5
527	के नाथ 16/42	मगलकलश-चरित्र	Mangala Kalaśa Caritra	विद्याकुशल	प
528	,, 13/25	माधवानल-चौपई	Mādhavānala Caupai	पुरुषोत्तम	,,
529	,, 24/37	,,	,,	कुशललाभ	,,
530	मुनिसुव्रत 6 इ 42	,,	,,	,	,,
531	के नाथ गु 6	,	,,	,,	,,
532	,, 5/97	,,	,,	,,	,,
533	कोलड़ी 12/8 गु	,, (कामकदला) चौपई	,,	,,	,,
534-5	कुंथुनाथ 14/10 41-2	,, ,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
536	के नाथ 4/26	मानतुङ्ग-मानवती रास	Mānatunga Mānavati Rāsa	मोहनविजय	,,
537	मेवामदिर 4 अ 200	,,	,,	,,	,,
538	मुनिसुव्रत 4 अ 159	,,	,,	,,	,,
539	के नाथ 24/35	,,	,,	,,	,,
540	ओसिया 4 अ 93	,,	,,	,,	,,
541	कोलड़ी 252	,,	,	,,	,,
542-4	,, 219,1102 1218	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
545-6	के नाथ 19/103, 20/27	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	अनोपचन्द	,,
547	कोलड़ी 220	,,	,,	अज्ञात (तपगच्छ)	,,
548	के नाथ 19/17	मालवीऋषि-सज्झाय	Mālavi Ṛṣi Sajjhāya	मतिसागर	,,
549	कुंथुनाथ 42/4	मुनिपति-चरित्र	Munipati Caritra	—	मू प
550	कोलड़ी 159	,,	,,	हरिभद्रद्वारा-उद्धरित	मू ट (प ग)
551	के नाथ 21/11	,,	,,	—	ग.
552	कुंथुनाथ 18/12	,,	,,	—	,,
553	मुनिसुव्रत 3 इ 242	मृगापुत्र-सज्झाय	Mrgāputra Sajjhāya	उदयसिंह	प
554	,, 3 इ 323	,, चौढालिया	,, Caudhālia	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
दान पर-जीवनी	मा	13	26 × 11 × 16 × 49	सपूर्ण 29 ढाले	19वी	
औपदेशिक सहित्यिक काव्य	,,	52*	27 × 10 × 13 × 52	,, 321 गा	1637 रत्नसागर	जैनेत्तर कृत्ति
,,	,,	19	27 × 11 × 15 × 45	,, 550 गा.	1728 श्रीरिणी विद्यालय	कुवरहरिराज विरचिए सिणगाररस सातास कतूहल काज
शीलविषये औपदेशिक	,,	19	25 × 11 × 15 × 45	,, 557 गा	1757	
,,	,,	22	22 × 15 × 16 × 30	,, 544 गा	1790	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 44	,, 550 गा	1809	
,,	,,	गुटका	19 × 12 × भिन्न 2	,, ,,	19वी	
,,	,,	12 38	27 × 11 व 22 × 16	प्रथम सपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	18/18वी	
(सत्योपदेश) जीवनी	,,	45	25 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण 47 ढाल	1783	प्रशस्ति है।
,,	,,	36	24 × 11 × 16 × 40	,, ,,	18वी	
,,	,,	20	25 × 11 × 13 × 44	अपूर्ण 23वी ढाल तक	,,	
,,	,,	57	22 × 11 × 13 × 25	सपूर्ण	1802	
,,	,,	43	25 × 11 × 14 × 41	,, 47 ढाल ग्र 1410	1836 राहसर खुशालसुदर	
,,	,,	39	25 × 11 × 14 × 42	,, ,,	1842	
,,	,,	40,4,22	24 से 27 × 11 × 15	प्रथम पूर्ण, बाकी की अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	12*,6	26 × 12 व 24 × 11	सपूर्ण 8 ढालें	20वी	
,,	,,	13	25 × 10 × 11 × 34	,, 14 ढालें	,,	
गुरुजीवन-गाथा	,,	3	26 × 11 × 14 × 40	,, 50 गाथा	19वी	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा	7	26 × 11 × 16 × 40	त्रुटक	16वी	
,,	प्रा मा	55	26 × 11 × 6 × 40	सपूर्ण 648 गा 16 कथासह	1856	
,,	स	15	26 × 12 × 15 × 44	,, 16 कथानक सह	19वी	
,,	,,	19	27 × 13 × 12 × 48	,, ,,	,,	
,,	मा	5	28 × 11 × 13 × 31	सपूर्ण 97 गा.	1767 मेडता, आर्यांकिशनाजी	
,,	,,	1	23 × 10 × 16 × 44	,, 4 ढाले 25 गा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
555	मुनिसुव्रत 4 अ 110	मृगावती-चरित्र	Mrgāvatī Carıtra	समयसुदर	प
556	के नाथ 19/23	,,	,,	,,	,,
557	मुनिसुव्रत 4 अ 109	,,	,,	,,	,,
558	के नाथ 14/63	,,	,,	,,	,,
559	कुथुनाथ 29/11	,	,,	,,	,,
560	,, 52/14	,, -आख्यान	,, Ākhyāna	(हीरविजयेराज्ये तप-गच्छीय)	,,
561	,, 15/11	मृगाक-कथा	Mrgānka Kathā	—	ग.
562	,, 10/155	मेघकुमार-गीत	Meghakumāra Gīta	कनक	प
563	मुनिसुव्रत 3 इ 267	,, -सज्झाय	,, Sajjhāya	—	,,
564	ओसिया 3 इ 209	,, ,,	,, ,,	जयसागर (जिनसागर शिष्य)	,,
565	कोलडी 154	मेघनाद-कथा	Meghanāda Kathā	—	ग
566	कोलडी गु 11/13	मोतीशाह सेठ का 7 ढालिया	Motiśāhe Setha kā 7 dhālıa	वीरविजय	प
567	के नाथ 29/19	,,	,,	,,	,,
568	के नाथ 14/53	यशोधर-कथानक	Yaśodhara Kathānaka	—	मू (पद्य)
569	महावीर 4 अ 61	,, -चरित्र	,, Carıtra	क्षमाकल्याण (अमृत धर्म शिष्य)	गद्य
570	ओसिया 4 अ 98	यादव-रास	Yādava Rāsa	पुण्यरत्न	प
571	महावीर 4 अ 41	रणसिहकुमार राजा-कथा	Ranasımha Kumāra Rāja Kathā	—	ग.
572	के नाथ 20/28	(मुनि) रत्नकुमार-सज्झाय	Ratnakumāra Sajjhāya	—	प
573	मुनिसुव्रत 4 अ 140	रत्नचूड-चौपई	Ratnacuda Caupaī	कनकनिधान	,,
574	ओसिया 4 अ 82	,,	,,	,,	,,
375-6	कोलडी 242-50	रत्नपाल-रास 2 प्रतिया	Ratnapāla Rāsa 2 copies	मोहनविजय	,,
577	,, 1082	,,	,,	,,	,,
578	ओसिया 3 इ 174	रत्नप्रभुसूरि-स्तवन	Ratnaprabhu Surı Stavana	ज्ञानसुदर	,,
579	सेवामदिर 4 अ 182	रत्नशेखर रत्नवती-कथा	Ratnaśekhara Ratnavatī Kathā	चपूकर्त्ता जिनहर्ष	चपू

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा	28	25 × 11 × 15 × 46	सपूर्ण 3 खड 37 ढाल 743 गा ग्र 1101	1682 मेदनीपुर धर्मसी	
,,	,,	26	25 × 12 × 17 × 41	,, ,,	1705	
,,	,,	16	26 × 11 × 17 × 58	,, , ग्र 1168	1716 देवीकर पदमसी	
,,	,,	19	26 × 10 × 13 × 40	अपूर्ण द्वितीय खड की 5वी ढाल	19वी	
,	,,	16	26 × 11 × 16 × 60	,, तीसरे खड की 10वी ढाल	,,	
,,	,,	26	27 × 10 × 11 × 32	सपूर्ण गाथा 416	18वी	
औपदेशिक-जीवनी	म	5	26 × 11 × 18 × 48	,,	1646	
,,	मा	2	26 × 11 × 13 × 48	,, 43 छद	1713	
,,	,,	2	24 × 10 × 11 × 35	,, 24 गाथा	1786	
,,	,,	5	26 × 12 × 11 × 36	,, 6 ढाले	20वी	
,,	स	9	27 × 11 × 13 × 42	,,	1574	(रावण पुत्र की नही है)
जीवन चरित्र	मा	गुटका	20 × 13 × 14 × 27	,, 7 ढाले	20वी	
,,	,,	1	34 × 21 × 23 × 32	,, ,,	,,	
औपदेशिक-जीवनी	स	7	30 × 12 × 20 × 76	,, 416 श्लोक	16वी	
,,	,,	39	28 × 12 × 13 × 49	,, दसमे भव तक	19वी दीपविजय	
ऐतिहासिक-कथा	मा	5	26 × 11 × 12 × 33	,, 65 गा	1865 × राम-सुदर	
जीवन-चरित्र	,,	17	29 × 12 × 13 × 34	,,	1838 स्तभन गौतमविज	उपदेशमाला के उद्भव व माहात्म्य की कथा
जीवन-प्रसग	,,	2	25 × 11 × 16 × 48	,, 10 ढालें	19वी	
औपदेशिक-जीवनी	,,	26	22 × 11 × 14 × 37	,, 24 ढाले, ग्र 971	1945 सोजत ऋद्धिसागर	
,,	,,	15	22 × 11 × 14 × 45	,, 23 ढाले	19वी कर्णपुर अजबसुन्दर	
(दान पर)औपदेशिक	,,	56,40	25 × 12 × 14/15 × 40	,, 4 खड गा 1330 ढाल 66, ग्र 1700	19वी	
,,	,,	15	27 × 11 × 12 × 50	अपूर्ण दूसरे खड की तीसरी ढाल	,,	
भक्ति व इतिहास गीत	,,	3	24 × 11 × 11 × 33	प्रतिपूर्ण	20वी	
तिथि विचार पर औपदेशिक	प्रा स	8	24 × 10 × 15 × 60	सपूर्ण 432 ग्र , श्लो 94	1652 जोधपुर	सक्षिप्त सस्करण

1	2	3	3 A	4	5
580	महावीर 4 प 10	रत्नशेखर-रत्नवती-कथा	Ratnaśekhara Ratnavati Kathā	[illegible]	[illegible]
581	गोदिका 4 प 189	,,	,,	,,	,,
582	कुंथुनाथ 52/13	रत्नावली रास	Ratnavali Rāsa	[illegible]	प
583	नेमिनाथ 24/64	राजमती पचढालिया	Rājamati Pencaḍhaliyā	[illegible]	,,
584	पाटोदी गु 9/9	रात्रिभोजन-चौपई	Rātribhojana Caupai	[illegible] ([illegible])	,,
585	,, गु 12/6	,,	,,	[illegible]	,,
586	पार्श्व 19/121	रामकृष्ण चौपई	Rāmakṛṣṇa Caupai	[illegible]	,,
587	,, 21/83	,,	,,	,,	,,
588	महावीर 4 प 30	राम-चरित्र	Rāma Caritra	[illegible] ([illegible]) [illegible]	प,
589	कुंथुनाथ 12/214	रामायण रसायन	Rāmayaṇa Rasāyana	[illegible]	प
590	नेमिनाथ 19/105	,,	,,	,,	,,
591	गोदिका 4 प 30	रामायण	Rāmāyaṇa	[illegible]	,,
592	कुंथुनाथ 40/2	रुक्मणी विवाहलो	Rukmaṇī Vivāhalo	[illegible]	,,
593	कोलड़ी 263	,, -विवाह	,, Vivāha	—	,,
594	नेमिनाथ 22/67	रूपकमला-चरित्र-रास	Rūpakamalā Caritra-Rāsa	[illegible]	[illegible]
595	मुनिसुव्रत 4 प 141	रूपचंद अमरराज रास	Rūpacanda Amara Rāya Rāsa	[illegible] ([illegible])	प
596	,, 4 प 117	रूपचंद ऋषिराज-रास	,, Ṛṣi Rāja Rāsa	([illegible])	,,
597	,, 4 प 162	,,	,, ,,	,,	,,
598	कुंथुनाथ 55/2	,, चौपई	,, Caupai	[illegible]	,,
599-600	नेमिनाथ 18-23, 14-9	,, मांडणी 2 प्रतियां	,, Māṇḍaṇī 2 copies	[illegible]	,,
601	कोलड़ी 1341	,, मांडणी	,, Māṇḍaṇī	,,	,,
602	कुंथुनाथ 16/3	रूपचंद-चौपई	,, Caupai	[illegible]	,,
603	मुनिसुव्रत 4 प 170	रूपसुन्दरी-कथा+पाण्डव-कथा	Rūpasundarī+Pāṇḍava-Kathā	—	प
604	कोलड़ी 368	,,	,, Kathā	—	,,
605	नेमिनाथ 3/3	रूपसेन-कथा	Rūpasena Kathā	जिनसूरि	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
तिथि विचार पर औपदेशिक	प्रा स	17	28 × 12 × 14 × 49	सपूर्ण 219 श्लोक + गद्य	19वी	विस्तृत सस्करण
,,	,,	31	27 × 13 × 11 × 33	,, ,,	20वी निशाल रणछोड	,,
औपदेशिक-जीवनी	मा	14	26 × 11 × 16 × 40	,, 406 गा.	19वी	1635 की कृति
,,	,,	4	25 × 12 × 14 × 29	,, 5 ढाल	,,	
,,	,,	गुटका	16 × 13 × 13 × 18	,, 264 गाथा	17वी	
,,	,,	1	लम्बा रोल × 13सेटीमीटर	,, 85 गाथा	19वी	
कृष्णचरित्र जैन मान्यता	,,	29	26 × 11 × 18 × 52	,, 6 खड	1723 कुचउर रत्नमुनि	
,,	,,	45	26 × 11 × 14 × 45	अपूर्ण 5वे खड की 8वी ढाल	19वी	
हेमचन्द्रानुसार-रामायण	स	157	26 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण 10 सर्ग ग्र 5000	17वी	पद्मविजय द्वारा सशोधित
जैन मान्यता राम-कथा	मा	245	24 × 11 × 10 × 34	,, 62 ढाल ग्र 4375	18वी	
,,	,,	105	25 × 13 × 15 × 48	,, चार अधिकार 3413 गा	1927	1680 की कृति
,,	,,	10	25 × 11 × 19 × 47	,, 16 ढाले	1882	
कृष्णजीवन-प्रसग	हि	8	15 × 26 × 30 × 25	,, 78 छद	1741	
,,	मा	3	27 × 11 × 17 × 38	,,	19वी	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा मा.	11	26 × 11 × 18 × 51	,,	1582	
जीवन-चरित्र काव्य	मा	59	25 × 11 × 15 × 47	,, 6 खड गा 1735	17वी ऋषि-कुवरजी	
औपदेशिक-जीवनी	,,	6	26 × 12 × 16 × 61	,, 11 ढाल,गा 224	1702 मेडता पचाइणजी	1699 की कृति
,,	,,	12	25 × 12 × 11 × 41	,, ,, ,,	18वी	
,,	,,	36	14 × 10 × 8 × 36	,, 21 ढालें	1853	
,,	,,	8,7	26 × 11 × 16/18 × 52	,, 11 ढाल 224 गा	19वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 16 × 54	,, ,, ,,	,,	
,,	,	15	22 × 13 × 11 × 36	अपूर्ण 7 ढालो तक	,,	
धर्मश्रवणे व विरक्ति-पर	स	2	26 × 11 × 17 × 54	सपूर्ण 2 कथाये	1760 आगरा वीरमजी	(पाडवकथा भाग-वत स्कधे
,, जीवनी	मा	4*	26 × 10 × 15 × 46	,,	19वी	
औपदेशिक-जीवनी	स	27	25 × 11 × 17 × 36	,,	1730	

1	2	3	3 A	4	5
606	धोगिया 3 प 155	रोहाकथा सम्बन्ध	Rohākathā Sambandha	[illegible]	ग
607	„ 4 प 105	ललितांग कथा	Lalitāṅga Kathā	—	ग
608	[illegible] 1 प 178	लीलावती विक्रम-चौपई	Līlāvatī Vikrama Caupaī	[illegible]	ग
609	[illegible] 5/91	„ „	„ „	„	„
610	„ 24/36	„ „	„	[illegible]	„
611	„ 10/19	„ सुमति-विलास	Līlāvatī Sumati Vilāsa	[illegible]	„
612	[illegible] 39/39	„ „	„ „	„	„
613	[illegible] 235	[illegible]	Vajrakumāra Dhāla	—	„
614	[illegible] 19/101	वत्सराज देवराज रास	Vatsarāja Devarāja Rāsa	[illegible]	„
615	[illegible] 69/6	„ „	„ „	„	„
616	[illegible] 15/151	„ „	„ „	„	„
617	„ 23/68	„ चौपई	„ Caupaī	[illegible]	„
618	[illegible] 4 प 146	„ रास	„ Rāsa	[illegible] ([illegible])	„
619	[illegible] 13/25	([illegible]) [illegible] रास	([illegible]) Vatsarāja Rāsa	—	„
620	[illegible] 4 प 165	[illegible]-रास	[illegible] Rāsa	[illegible]	„
621	[illegible] 15/17	„ रास	„ Rāsa	[illegible]	„
622	„ 19/3	„ प्रबन्ध	„ Prabandha	[illegible]	„
623	„ 15/210	„ सज्झाय	„ Sajjhāya	—	„
624	महावीर 4 प 63	वस्तुपाल-चरित्र	Vastupāla Caritra	[illegible] ([illegible] शिष्य)	„
625	[illegible] 19/34	वासुदेव-चौपई	Vāsudeva Caupaī	[illegible]	„
626	महावीर 4 प/9-10	वासुपूज्य-चरित्र	Vāsupūjya Caritra	[illegible]	प्र (प)
627	धोगिया 4 प 153	विक्रम-चरित्र	Vikrama Caritra	[illegible] ([illegible] शिष्य)	ग प
628	महावीर 4 प 25	„	„ „	„	„
629	[illegible] 410	विक्रमादित्य-चरित्र	Vikramāditya Caritra	([illegible])	प
630	महावीर 4 प 5	„	„ „	[illegible] (मुनिसुन्दर शिष्य)	„

6	7	8	8 A	9	10	11
औपदेशिक-वुद्धि दृष्टात	मा.	3	26 × 11 × 13 × 48	सपूर्ण 6 ढालें	19वी जिनसुदर	
,, जीवनी	स.	4	26 × 11 × 21 × 56	,,	1562 सिरोही कुशलधर्म	
,, विक्रम जीवन-प्रमग	मा	12	20 × 11 × 13 × 35	,, 308 गाथा	19वी	1724 की कृति
,, ,,	,,	17	25 × 11 × 13 × 31	,,	,,	
,, ,,	,,	22	26 × 10 × 14 × 37	,, 29 ढाल, गा. 600	,,	
,, जीवन-चरित्र	,,	15	27 × 12 × 14 × 47	,, 346 गा	1840	
,, ,,	,,	90*	22 × 16 × 12 × 32	,, 21 ढाले	1913	
,, जीवनी	,,	12	27 × 11 × 17 × 62	,, 4 ढाल	19वी	
,, जीवन चरित्र	,,	68*	26 × 12 × 20 × 50	,, 6 खड	1699	
,, जीवनी	,,	4	26 × 11 × 17 × 50	त्रुटक	19वी	
,, ,,	,,	2	26 × 11 × 19 × 47	केवल 2 पत्र मात्र अपूर्ण	20वी	
,, ,,	,,	8	25 × 11 × 37 × 116	सपूर्ण ढाल 45, गा 964	19वीं	
,, जीवन-चरित्र काव्य	,,	75	23 × 10 × 11 × 39	,, 4 खड	1799	प्रशस्ति है (मूल प्रति ?)
,, ,,	,,	52*	27 × 10 × 13 × 52	,, 685गा ग्र.1011	1637	
,, जीवन-चरित्र	,,	5	26 × 11 × 15 × 52	,, 89 गा	17वी	
,, ,,	,,	80	26 × 11 × 11 × 41	,, (पहिलापत्र 10 गा कम)	19वी	पूर्ण मे 89 गाथा होती है
,, ,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 33	,, 146 गा	,,	
,, ,,	,,	1	26 × 12 × 13 × 50	,,	20वी	
,, ,,	स	146	27 × 13 × 15 × 36	,, 8 प्रस्ताव	,,	प्रशस्ति
कृष्ण-जीवनी	,,	14	25 × 11 × 17 × 52	,, 356 गा.	18वी	
तीर्थंकर-चरित्र	,,	191	27 × 13 × 12/13 × 39	,, 4 सर्ग, श्लो 4330	1949 अमदावाद नरोत्तम	
ऐतिहासिक-जीवनी	,,	53	31 × 11 × 15 × 53	,, ग्र 2550	1490	
,, ,,	,,	55	26 × 11 × 17 × 52	,,	1670	
,, ,,	,,	39	29 × 11 × 18 × 48	अपूर्ण 4 प्रस्ताव (ग्र 1928)+5वें के 37श्लो	17वी	
,, ,,	,,	221	30 × 14 × 11 × 55	सपूर्ण 12 प्रकम	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
631	महावीर 4 प 1	विक्रम-कालिदास-प्रबन्ध	Vikrama Kālidāsa Prabandha	(कालिदासकवि-कृत)	प.
632	मुनिसुव्रत 4 प 143	विक्रमसेन चौपई	Vikramasena Caupaī	धर्मसागर (परम्परा [illegible])	,,
633	कोटड़ी 232	,,	,, ,,	,,	,,
634	231	,,	,, ,,	,,	,,
635	के भाव गु 8		,, ,,	,,	,,
636	के भाव गु 1	विक्रम-[illegible] कथा	Vikrama Hāpura Cora Kathā	[illegible]	,,
637	कोटड़ी 216	विक्रमादित्य चौपई	Vikramāditya Caupaī	,,	
638	के भाव 5/107	,,	,,	,,	,,
639	कोटड़ी 1220	विक्रम कथा	Vikrama Kathā	—	,,
640	के भाव 21/86	विक्रम चरित्र चौपई	Vikrama Caritra Caupaī	[illegible]	,,
641	महावीर 4 प 76	विक्रम कथा	,, Kathā	[illegible]	,,
642	कोटड़ी 226	विक्रमसेन चौपई	Vikramasena Caupaī	[illegible]	,,
643	के भाव 5/87	,,	,,	,,	,,
644	कोटड़ी 163	विजयचन्द्र केवली-चरित्र	Vijayacandra Kevalī Caritra	—	,,
645	के भाव 22/61	,,	,,	[illegible]	,,
646	कोटड़ी 1216	,,	,,	([illegible]) ?	,,
647	गुणुनाथ 18/2	विजयसेठ सेठाणी-सज्झाय	Vijaya Seṭha Seṭhāṇī Sajjhāya	[illegible]	,,
648-9	के भाव 15/236, 26/44	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	[illegible]	,,
650	गुणुनाथ 10/142	विद्यापति-कथा	Vidyāpati Kathā	—	ग
651	के भाव 6/92	विद्याविलास सौभाग्यसुन्दरी-कथा	Vidyāvilāsa Saubhāgya Sundarī Kathā	—	,,
652	महावीर 4 प 55	विमलनाथ-चरित्र	Vimalanātha Caritra	ज्ञानसागर (रत्नसिंह)	गु + प
653	के भाव 10/101	विमलवसही-प्रबन्ध	Vimalavasahī Prabandha	—	ग.
654	महावीर 4 प 38	,, -रास	,, Rāsa	[illegible]	प
655	कोटड़ी 847	,, -रास	,, Rāsa	,,	,,
656	मुनिसुव्रत 4 प 142	,, -रास	,, Rāsa	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक जीवन-प्रसग	स	3	30 × 14 × 17 × 42	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, जीवनी	मा	31	25 × 11 × 19 × 51	सपूर्ण 64 ढाल, गा 1311	1727 मडल, नरसागर	1724 की कृति/ प्रशस्ति है
,, ,,	,,	42	24 × 10 × 15 × 45	,, ,, गा 1315	1762	
,, ,,	,,	46	26 × 10 × 16 × 50	,, ,,	1816	
,, ,,	,,	80	16 × 14 × 17 × 16	त्रुटक	19वी	
ग्रौपदेशिक-कथानक	,,	20	22 × 19 × 22 × 32	सपूर्ण 20 ढालें	1814	
पुण्यप्रसगे-जीवनी	,,	23	22 × 11 × 13 × 34	,, 27 ढाले	1832	
,, ,,	,,	13	25 × 12 × 20 × 44	अपूर्ण 22वी ढाल तक	19वी	
ऐतिहासिक-जीवनी	,,	54	26 × 11 × 15 × 54	,, 1519 गा.	16वी	
,, ,,	,,	34	26 × 11 × 12 × 37	सपूर्ण 759 गा	19वी	
,, जीवन-चरित्र	,,	10	28 × 14 × 17 × 42	,, 175 श्लो	1852	
,,	स.	32	26 × 11 × 13 × 48	,, 52 ढाल	1797	
,,	मा	42	25 × 11 × 14 × 34	,, ,,	1818	
जीवन-चरित्र	,,	19	28 × 11 × 17 × 62	,, 1064 गा ग्र 1330	1485	
,,	प्रा	26	27 × 12 × 17 × 51	,, ग्र 1400	1863	
,,	,,	190	27 × 11 × 7 × 46	अपूर्ण 2865 गा	19वी	
शीलपर ग्रौपदेशिक चरित्र	,,	12	26 × 11 × 8 × 32	सपूर्ण 89 गा	,,	
,,	मा	2 2	26 × 12 × 13/16 × 40	,, 21 गा.	,,	
जीवन-चरित्र	,,	8	26 × 11 × 15 × 44	,, ग्रथाग्र 504	1695	ग्रतिम 10 पक्ति-पालक पुत्र कथा
ग्रौपदेशिक-जीवनी	स	6	25 × 11 × 16 × 46	,, 37 ग्रनुच्छेद	19वी	
तीर्थंकर-चरित्र	,,	141	28 × 13 × 16 × 43	,, 5 सर्ग 5650 ग्र.	1958, राहेरा, सूरजूदास	
जीवन-चरित्र	,,	5	25 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण	19वी	
,,	मा	85	25 × 11 × 11 × 34	सपूर्ण 9 खण्ड	1662	
,,	,,	31	32 × 11 × 21 × 54	,, 9 खण्ड + 10वी चूलिका	1690 रामपुर हसविमल	
,,	,,	40	25 × 10 × 16 × 43	,, ,,	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
657	के नाथ 29/11	वीरधवल-चौपई	Vīradhavala Caupaī	देवराज	प
658	कोलडी 235	वीराङ्गद-चौपई	Virāngada Caupaī	पद्मविजय	,,
659	मुनिमुव्रत 4 अ 121	वैदर्भी-चौपई	Vaidarbhī Caupaī	प्रेमराज	,,
660	,, 4 अ 120	,,	,,	,,	,,
661	के नाथ गु. 6	,,	,,	,,	,,
662	मुनिमुव्रत 4 अ 122	,	,,	,	,,
663-4	के नाथ 15-79, 24-60	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
665	कोलडी 248	शख-कलावती-दृष्टान्त	Śaṅkhakalāvatī Drṣtānta	पजसवत	,,
666	कुथुनाथ 39/3	शालिभद्र-सिलोको (श्लोका)	Śālibhadra Siloko	रगविसघवी-सूत	,,
667	मुनिमुव्रत 4 अ 167	,,	,,	—	,,
668	कुथुनाथ 55/10	,, चौढालिया	,, Caudhāliyā	पदमचदसूरि (पामचद वडतपगच्छी)	,,
669	महावीर 4 अ 14	शालिवाहन-चरित्र	Śālivāhana Caritra	शुभशील (मुनिसुन्दर शिष्य)	पद्य
670	ओसिया 4 अ 88गु	शासनदेवी-रोहिणी कथादि	Śāsanadevī Rohinī Kathādi	—	,,
671	महावीर 4 अ 27	शातिनाथ-चरित्र	Śāntinātha Caritra	जिनवल्लभ/—	मू वृ (प ग)
672	ओसियां 4 अ 86	,,	,,	मुनिदेवसूरि	पद्य ,,
673	महावीर 4 अ 25	,,	,,	जिनप्रभाचार्य	,,
674	,, 4 अ 24	,,	,,	माणिकचन्द्राचार्य	,,
675	के नाथ 4/22	,,	,,	अजितप्रभसूरि	,,
676	मुनिमुव्रत 4 अ 145	,,	,,	भावचंद्रसूरि	गद्य
677	के नाथ 23/48	,,	,,	,,	ग
678	महावीर 4 अ 73	,,		,,	,,
679	कोलडी 160	,,	,,	,,	,,
680	के नाथ 5-66 11-28	,,	,,	,,	,,
681	,, 16-43	,,	,,	,,	,,
682	,, 13-38	,,	,,	अजीतप्रभसूरि	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन चरित्र	मा	1	26 × 11 × 23 × 63	सपूर्ण 8 ढाल	20वी	
,,	,,	39	26 × 12 × 13 × 40	,,	1875	
रुक्मणी विवाह प्रसग	,,	4	25 × 11 × 15 × 43	,, ग्र 250	17वी	
,,	,,	5	26 × 11 × 15 × 40	,, ,,	17वी बीकानेर	
,,	,,	11	22 × 15 × 17 × 18	,,	1742	
,,	,,	6	26 × 12 × 16 × 41	,, ग्र 205	1764 लालचद	
,,	,,	10,6	22 × 12 व 25 × 11	,,	20वी	
शील परजीवनी	,	7	26 × 11 × 13 × 45	,,	19वी	
जीवन-प्रसग	,,	गुटका	22 × 16 × 12 × 32	,, 46 गा	1913	
,,	,,	5	25 × 11 × 14 × 28	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	4	23 × 11 × 13 × 44	सपूर्ण 4 ढाले	1729 × पृथ्वी विमल	
जीवन चरित्र महा-काव्य	स	53	28 × 13 × 13 × 42	,, 1723 श्लोक	1961 सूर्यपूगे	
कथानक	मा	30*	15 × 10 × 12 × 20	प्रतिपूर्ण	19वी	
तीर्थंकर-चरित्र	प्रा स	35*	27 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण 33 गा	1531 अमदावाद धर्मसेन	चरित्र पचके
,,	स	76	25 × 11 × 17 × 66	,, ग्र 4845	1520 उज्जैन भनकुसुत	
,,	,,	118	26 × 11 × 15 × 52	,, ग्र 5000 प्रस्ताव 6	16वी	
,,	,,	110	28 × 12 × 15 × 46	,, ग्र 5000	1612 लालध्वज कर्णगणि	
,,	,,	135	26 × 11 × 15 × 42	,, 8 प्रस्ताव ग्र. 5001	1697	
,,	,,	57	26 × 11 × 17 × 52	,, 6511 (पहिला पन्ना कम)	1684 जोधपुर मानसिंह	1535 की कृति
,,	,,	135	25 × 11 × 17 × 51	सपूर्ण 6 प्रस्ताव	1763	
,,	,,	128	25 × 12 × 15 × 48	,, ,,	1824 शुद्धदति नदलाल	
,,	,,	119	26 × 12 × 15 × 55	,, ,,	1882 फलोदी गुलाबविजय	
,,	,,	73	25 × 11 × 15 × 35	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण (बिल्कुल)	,,	
,,	,,	8	26 × 12 × 17 × 48	,, ,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
683	कोनडी 251	शातिनाथ-रास	Śāntināthа Rāsa	ज्ञानसागर	प
684	के नाथ 13/19	शाबप्रद्युम्न-चौपई	Śāmba Pradyumna Caupai	समयसुन्दर	,,
685	कुथुनाथ 23/11	,,	,, ,,	,,	,,
686	कोलडी 213	,,	,, ,,	,,	,,
687	महावीर 4 अ 76	शीलवती-कथा	Śīlavatī Kathā	सोमतिलकसूरि	,,
688	के नाथ 13/18	,, -चौपई	,, Caupaī	दयासागरमुनि	,,
689	,, 14/14	,, ,,	,, ,,	कुशलधीर	,,
690	कोलडी 1332	,, -रास	,, Rāsa	—	,,
691	,, 368	शीलसेन-कथा	Śīlasena Kathā	—	ग
692	के नाथ गुटका 5	शुक्लपक्षी कृष्णपक्षी-चौपई	Śuklapakṣī Krsnapakṣī Caupaī	राजहंस	प
693	,, 13-10	श्रीपाल-चरित्र	Śrīpāla Caritra	रत्नशेखर	मू (प)
694	महावीर 4 अ 33	,,	,,	,,	,,
695	के नाथ 3/16	,	,	,,	,,
696	,, 13/31	,,	,,	,,	,,
697	मुनिसुव्रत 4 अ 136	,,	,,	,,	मू ट (प.ग)
698-701	के नाथ 6/63 11/98, 24/82 5/61	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	मू (प)
702-3	कोलडी 69/7 1099	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
704-6	के नाथ 11-5, 14-132 6-15	,, सावचूरि 3 प्रतियाँ	,, 3 copies	रत्नशेखर/क्षमाकल्याण	मू अ (प ग)
707	के नाथ 10/94	,,	,,	लब्धिसागर	प
708	ओसिया 4 अ 83	,,	,,	सत्यराजगणि	,,
709-10	के नाथ 14-131, 17-59	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
711	,, 1-34	,,	,,	गुणसागर	,,
712	कोलडी 142	,,	,	ज्ञानविमल	,,
713	ओसिया 4 अ 97	,,	,,	जयकीर्त्ति	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थंकर-चरित्र	मा	58	25 × 12 × 16 × 36	सपूर्ण 66 ढाल गा 1398 ग्र 2200	1888	
जीवन-चरित्र	,,	20	27 × 12 × 15 × 38	,, 21 ढाले (2 खड)	1671	
,	,,	21	27 × 11 × 13 × 44	,, ,,	19वी	
,,	,,	19	26 × 11 × 15 × 44	,, 2 खड 21 ढाल, 542 गा.	,,	
शीलविषये-जीवनी	स	10*	28 × 14 × 17 × 42	,, 222 श्लोक	1952 × गोकुलदास	शीलोपदेशमाला-वृत्ति
,,	मा	11	26 × 12 × 17 × 52	,, 23 ढाले	18वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 17 × 63	अपूर्ण 9वी ढाल तक	19वी	
,,	,,	6*	26 × 11 × 17 × 42	सपूर्ण 124 गा	,,	
,,	,,	4*	26 × 10 × 15 × 46	,,	,,	
,,	,,	17	19 × 13 × 11 × 17	,, 135 गा	,,	
सिद्धचक्र माहत्म्ये जीवनी	प्रा	26	26 × 11 × 17 × 55	,, 1341 गा , ग्र 1674	1540	शिष्य हेमचन्द्र द्वारा 1428 मे लिपिबद्ध
,, ,,	,,	36	26 × 11 × 15 × 52	,, ,	1580 × रामविजय	
,,	,,	52	26 × 11 × 13 × 38	,, 1334 गा	1674	
,,	,,	40	26 × 11 × 15 × 43	,, 1343 गा , ग्र 1674	1676	
,,	प्रा मा	133	26 × 13 × 7 × 29	,, 1343 गा , ग्र 5000	1847 जोधपुर राजेन्द्र	
,,	प्रा	53,21, 22,12	26 × 11 × भिन्न 2	प्रथम 2 पूर्ण अतिम 2 अपूर्ण	19वी	प्रथम प्रति ग्र थाग्र 1853 लिखे है
,,	,,	2,23	25 × 10 व 25 × 12	अपूर्ण	16/20वी	प्रथम प्रति मे चित्र 1
,,	प्रा स.	60,125 120	26 से 32 × 11 से 15	सपूर्ण ग्रथाग्र 3022	19/20वी	
,,	स	13	30 × 12 × 13 × 53	,, 505 श्लोक	16वी	
,,	,,	12	25 × 11 × 16 × 46	,, 491 श्लो ग्र 500	1869 विक्रमपुर वखतसुदर	
,,	,,	18,18	26 × 11 व 25 × 12	,, 475/90 श्लोक	19वी	
,,	,,	19	25 × 11 × 13 × 37	,, ग्र. 500	,,	
,,	,,	33	26 × 12 × 17 × 52	,,	1795	
,,	,,	40	25 × 11 × 16 × 33	,, 4 प्रस्ताव	1873 विक्रमपुर	

1	2	3	3 A	4	5
714	कोलडी 860	श्रीपाल-चरित्र	Śrīpāla Carıtra	जयकीर्त्ति	ग.
715-6	महावीर 4 अ 32 66	,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
717	कुथुनाथ 3/55	,,	,, ,,	—	,,
718	पवामन्दिर 4 अ 176	,	,, ,,	—	,,
719-21	केनाथ 21-70-91 5-42	,, 3 प्रतिया	,, -Caupaī 3 copies	जिनहर्ष	मू (प.)
722	केनाथ 13-7	,, -राम	,, -Rāsa	विनयविजय 30 यशोविजय	,,
723	,, 20/37	,, ,,	,, ,,	,,	,,
724	कोलडी 208	,, ,,	,, ,,	,,	,,
725-7	कुथुनाथ 13-60 16-15, 18-13	,, ,, 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	,,	,,
728 9	मुनिसुव्रत 4 अ 135 37	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
730-31	केनाथ 10-109 14-133	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	मू बा (प.ग)
732-35	कोलडी 206 209-10,1165	,, ,, 4 प्रतिया	,, ,, 4 copies	,,	मू पद्य
736-37	,, 205-7	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	मू ट. (प ग)
738	मुनिसुव्रत 4 अ 174	,, ,,	,, ,,	—	प.
739	श्रीगिया 4 अ 94	,, -चरित्र	,, Carıtra	देवमुनि (जिनसौभाग्य सूरि शिष्य)	ग.
740	मुनिसुव्रत 3 ब 323	श्रीपूज्य आचार्य-गीत	Śrīpūjya Ācārya Gīta	भिन्न 2	प.
741	केनाथ 19/101	श्रीमती-ढाल	Śrīmatī Dāhla	—	,,
742	मुनिसुव्रत 4 अ 132	श्रुकराज-कथा	Śrukarāja Kathā	माणिक्यसुदर	ग.
743	कोलडी 215	,, -चौपई	,, Caupaī	शोभाचद	प
744	केनाथ 15/189	श्रेणिकराजा-चौपई	Śrenıkarāja Caupaī	भुवनसोम	,,
745	महावीर 4 अ 7	षट्पुरुष चरित्र	Ṣatpuruṣa Carıtra	—	ग.
746	केनाथ 19/10	सज्झाय ढाल-सग्रह	Sajjhāyadhāla Saṅgraha	सकलन	प
747	मेवामदिर 4 अ 194	सनतकुमार-नौढालिया	Sanatkumāra Naudhālıyā	महानद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सिद्धचक्रमाहत्म्ये जीवनी	स.	26	25 × 12 × 15 × 60	सपूर्ण 4 प्रस्ताव	19वी	
,,	,,	44,47	27 × 11 × 12/11 × 42	,, ,,	,,	
,,	,,	28	26 × 12 × 12 × 34	,,	1825	
,,	,,	23	23 × 10 × 9 × 27	,,	20वी	(मूल प्राकृतानुसार)
,,	मा.	47 13, 34	25 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण ढाल 21 से 49 तक	19वी	
,,	,,	45	26 × 12 × 15 × 40	,, 4 खण्ड 41 ढाल 1270 गा	1828	
,,	,,	59	26 × 11 × 15 × 39	,, ,,	1831	
,,	,,	52	25 × 11 × 14 × 40	,, ,, ग्र 1833	1831	
,,	,,	103,48, 68	26 × 13 × 12/15 × 36	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	56,24	24 × 11 × 13/8 × 40	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण (चौथा खड) व टब्बार्थ	19वी	
,,	,,	60,33	26 × 11 व 25 × 12	अपूर्ण चौथा खड मात्र	20वी	
,,	,,	78,75, 44,5	24 से 27 × 11 से 13	प्रथम तीन पूर्ण, चौथी अपूर्ण	19वी	
,,	,,	72,45	25 × 12 व 27 × 13	प्रथम पूर्ण द्वितीय चौथा खड मात्र	19वी जोधपुर	
,,	,,	9	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	41	24 × 12 × 20 × 48	सपूर्ण चार प्रकाश	1937	1917 की कृति
गुरुभक्ति व इतिहास	,,	8	24 से 26 × 10 से 11	7 आचार्यों के कुल 13 गीत	18वी (1 बीसवी का)	1 गीत सस्कृत मे
जीवन-प्रसग	,,	68†	26 × 12 × 20 × 50	सपूर्ण	19वी	
जीवन-चरित्र	स	9	26 × 11 × 17 × 58	,,	18वी × धनजी	शत्रुञ्जय माहत्म्ये
,,	मा	35	25 × 11 × 12 × 48	,, 786 गा , ग्रं 1179	19वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 50	,,	1707	
औपदेशिक-कथायें	स	23	28 × 13 × 14 × 30	,, लक्षण वर्णन कथा-सह	19वी	6 प्रकार के धार्मिक भेदो से रूपक
जीवन-प्रसग	मा	68*	26 × 12 × 20 × 50	,, 38 जीवनिया	,,	प्राय प्रसिद्ध (सात अप्रसिद्ध की अलग
औ. जीवन-प्रसग	,,	11*	26 × 12 × 13 × 34	,,	20वी	प्रविष्टिया करदी है)

1	2	3	3 A	4	5
748	के नाथ 19/13	सनत्कुमार चक्रवर्ती रास	Sanatkumāra Cakravarti Rāsa	पुण्यरत्न	रा
749	कोटड़ी 245	" "	" "	धरम	"
750-1	महावीर 4 घ 2,57	समरादित्य-चरित्र 2 प्रतियां	Samarāditya Caritra 2 copies	[illegible]	[illegible] (र)
752	मुनिसुव्रत 3 ड 323	समुद्रपाल ऋषि चौढालिया	Samudrapāla Ṛṣi Caudhāliyā	[illegible]	रा
753	कुंथुनाथ 54/3	सम्यक्त्व-कौमुदी	Samyaktva Kaumudi	—	सं
754	कोटड़ी 1077	"	"	—	मू ट (र)
755	" 812	"	"	—	र
756	महावीर 4 घ 79	"	"	—	"
757	के नाथ 11/113	"	"	—	"
758	के नाथ 4/15	"	"	[illegible]	मू ट (रा)
759	के नाथ 23/53	"	"	—	मू ट (रा)
760	के नाथ 6/106	"	"	—	"
761	के नाथ 21/81	" पद्यानुवाद	"	जिनचन्द	रा
762	के नाथ 21/13	"	"	—	सं.
763	कोटड़ी 151	सागरचन्द्र राजर्षि-कथा	Sāgara Candra Rājarṣi Kathā	जिनहर्ष	प्रा.
764	के नाथ 19/87	सागरसेठ री चौपई	Sāgara Seṭha rī Caupai	(गुणरत्न)	"
765	मुनिसुव्रत 4 घ 169	सिकन्दाल-संधि	Sikandāla Sandhi	हेमसूरि	"
766	कोटड़ी 147	सिंहासन बत्तीसी	Siṁhāsana Battīsī	हेमरत्नसूरि	र
767	चौगिया 6 ड 39	"	"	हीरकलश	रा
768	के नाथ 21/86	"	"	—	"
769	कोटड़ी गु 1/13	"	"	—	"
770	मेघामंदिर 4 घ 196	"	"	—	"
771	कुंथुनाथ 41/5	"	"	—	सं.
772	" 19/2	"	"	—	"
773	कोटड़ी गु 3/2	"	"	—	"

6	7	8	8 A	9	10	11
श्री जीवन-प्रसग	मा.	18*	26×12×13×44	सपूर्ण 274 गाथा	18वी	1637 की कृति
,,	,,	3	26×10×15×56	,, 85 गा.	19वी	1677 की कृति
जीवन चरित्र काव्य	स	123, 124	30×14 व 28×13	,, 9 प्रकरण ग्र. 4874	20वी	प्रशस्ति व भूमिका है। हरिभद्रानुसार
जीवन-प्रसग	मा	1	26×11×14×52	,, 4 ढालें	1768	
सम्यक्त्व ऊपर कथाये	स	41	25×11×17×44	,, 7 कथानक	17वी	
,,	,,	85	24×12×6×30	अपूर्ण पत्रे 10 से 94 अत	1821	
,,	,,	57	30×13×9×45	सपूर्ण	1883 पोहकर्ण गुलावविजै	
,,	,,	42	26×13×15×53	,, 7 कथायें	1955 नागौर नरोत्तम	
,,	,,	2	26×11×15×45	केवल 2 पत्रे प्रारभ के अपूर्ण	19वी	
,,	,,	46	27×11×14×42	अपूर्ण 1482 श्लोक	,,	पहिला पन्ना कम
,,	,,	46	26×12×6×32	त्रुटक	,,	
,,	,,	5	26×12×5×35	अपूर्ण केवल 5 पत्रे प्रारभ के	,,	
,,	मा	30	26×12×17×51	सपूर्ण 42 ढाल, ग्र 1700	,,	1850 की कृति
,,	,,	32	26×12×15×42	,,	1856	
अष्टादश स्थान ज्ञान पर दृष्टात कथा	,,	14	23×13×13×32	,, 8 ढालें, गा 224	19वी	
जीवन-चरित्र	,,	7	26×11×16×45	,, 227 गा.	1804	
,,	,,	3	25×11×17×54	,,	1771×ऋषि मोटाजी	
विक्रमकथा, भोजदरवार मे	स	30	23×11×14×45	,, 32 कथायें	1485	
,,	मा	46	26×11×19×70	,, ,,	1753 मनुदेश की सिमलसेव	
,,	,,	52	26×11×12×37	,, ,,	19वी	
,,	,,	65*	15×13×15×20	अपूर्ण (24 कथा तक)	,,	
,,	,,	25	24×10×15×40	त्रुटक	18वी	
,,	,,	70	25×17×11×20	सपूर्ण 32 कथायें	19वी	अत मे चद्रकुमार कथा अधूरी
,,	,,	29	23×14×18×4	अपूर्ण 3 कथा	,,	
,,	,,	गुटका	15×14×16×22	,, 18 कथा	1784	

1	2	3	3 A	4	5
774	कोलडी 282	सिंहासनबत्तीसी-सज्भाय	Simhāsana-batiśī Sajjhāya	—	प.
775-6	केनाथ 9/32, 26/68 अ	सीताराम-चौपई दो प्रतिया	Sītarāma Caupai 2 copies	समयसुदर	,,
777	मुनिसुव्रत 4 अ 119	,, -लक्षण-चरित्र	,, Lakṣamana Caritra	अज्ञात	ग
778	केनाथ 15/71	सीता-रास	Sītā Rāsa	—	प
779	,, 18 29	,,	,,	—	,,
780	,, 19 70	सुदर्शनसेठ-ढाल	Sudarśana Setha Dhāla	—	,,
781	महावीर 4 ग 58	,, चरित्र	,, Caritra	सकलकीर्त्ति	,,
782	केनाथ 6/31	,, ,,	,, ,,	—	,,
783	सेवामंदिर गु 5 दे	,, प्रवन्ध	,, Prabandha	कवि दीपो	,,
784	केनाथ 19/13	सुधर्मास्वामी-रास	Sudharmāsvāmī Rāsa	पुण्यरत्न	,,
785	कुंथुनाथ 36/1 क्रम 36	सुप्पय-रास	Suppaya Rāsa	—	मू (प)
786	केनाथ 29/91गु	सुबाहु-सधि	Subāhu Sandhi	पुण्यसागर	प.
787-8	,, 15/73, 227	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
789	मुनिसुव्रत 3 इ 275	सुभद्रासती-गीत	Subhadrā Sati Gīta	--	,,
790-91	श्रीमिया 2/249, 4 अ 96	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	विनयचद	,,
792	केनाथ 19/80	सुरप्रिय चरित्र	Surapriya Caritra	वाचक जयनिधान	,,
793	,, 19/94	सुरसुन्दरी-चरित्र	Surasundarī Caritra	धर्मवर्द्धन	,,
794	,, 19/55	,,	,,	(,,) धर्मसी	,
795	कोलडी 1175	,,	,,	(,,) ,,	,,
796	कुंथुनाथ 20/18	,,	,,	नयसुन्दर	,,
797	मुनिसुव्रत 3 इ 323	सुरुपिऋषि-चौढालिया	Surupi Rṣi Caudhāliyā	अज्ञात	,,
798	केनाथ 9/43	सुसढ-चरित्र	Susadha Caritra	—	मू प
799	सेवामंदिर 4 अ 175	सोमकथानक+5 व्यवहार	Somakathānaka+5 Vyavahāra	अज्ञात	ग.
800	केनाथ 15/231	स्थूलिभद्र-चरित्र	Sthūlibhadra Caritra	—	,,
801	,, 11/35	(स्थूली) थूलभद्र चदाइणा	(,,) Sthūlibhadra Candāina	गुण सौभाग्यसूरि (प्रसिद्ध नाम जयवतसूरि	प

6	7	8	8 A	9	10	11
विक्रम कथा, भोजदर बार मे	मा.	2	27 × 11 × 19 × 48	सपूर्ण 3 ढाले=66गा	19वी	
जीवन-चरित्र	,,	16,10	25 × 11 × 15 × 35/51	अपूर्ण	,,	
जैन मान्यतानुसार	,,	14	26 × 11 × 19 × 54	सपूर्ण	18वी	
सीता के जीवन प्रसग	,,	2	24 × 11 × 14 × 40	,, 36 गा. ग्र 54	1744	
,,	,,	2	26 × 11 × 15 × 45	,, 35 गाथा	19वी	
जीवन चरित्र मोक्ष	,,	12	25 × 12 × 15 × 29	,,	1939	
,,	स	28	27 × 12 × 16 × 35	,, 8 परिच्छेद ग्र 900	1955	
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 36	,, 144 श्लोक	19वी	
शीलपर-जीवनी ,,	मा	31	17 × 12 × 12 × 14	6 से 8 व 22 से 120 गाथा	1901	
जीवन-चरित्र	,,	18*	26 × 12 × 13 × 44	सपूर्ण 73 गा	18वी	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा	गुटका	(?)	,, 79 गा	1544	
,,	मा.	,,	16 × 13 × 15 × 24	,, 90 गा,	18वी	सुखविपाक 1
,,	,,	9,5	25 × 10 व 26 × 11	,, 87 गा	19वी	
जीवन-प्रसग (शील पर)	,,	2	25 × 11 × 13 × 35	,, 36 गा	,,	
,,	,,	5,12*	26 × 11 × 12/14 × 35	,, 5 ढालें	20वी	
जीवन-चरित्र श्री	,,	8	27 × 11 × 15 × 42	,,	1709	
शील व नवकार माहत्म्य पर	,,	22	26 × 12 × 15 × 42	,, 4 खड–619 गा	1825	
,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 54	अपूर्ण 3 खड+71 गा	19वी	
,,	,,	24	25 × 11 × 12 × 48	लगभग पूर्ण (प्रथम व अतिम पन्ना कम)	,,	
,,	,,	34	26 × 12 × 11 × 38	सपूर्ण 510 गा	20वी	
जीवन-चरित्र मोक्ष	,,	1	25 × 11 × 17 × 52	,, 35 गा	19वी	
औपदेशिक-जीवनी	प्रा	17	25 × 11 × 13 × 44	,, 517 गा (प्रथम पन्ना कम)	,,	
,, नियम ऊपर	मा	4	26 × 12 × 16 × 46	,,	,,	
जीवन-चरित्र	स	2	26 × 11 × 13 × 36	,,	,,	
,,	अ.	7	25 × 11 × 13 × 34	,, 148 गा (पहिला पन्ना कम)	,,	

1	2	3	3 A	4	5
802	कुथुनाथ 2/39	स्थूलिभद्र-रास	Sthūlibhadra Rāsa	लालमोहन	प
803	के नाथ 15/22(	,,	,,	,,	,,
804	, 14/16	,, कवित्त	,, Kavitta	भगवतीदास	,,
805	,, 14/67	,, गुण-रत्नाकर	,, Guna Ratnā-kara	सहजसुन्दर	,,
806	,, 13/33	, ,,	,, ,,	,,	,,
807-10	,, 10 51, 18-50 19-66-102	,, नवरसो 4 प्रतिया	,, Navaraso 4 copies	उदयरत्न	,,
811	कुथुनाथ 18/14	,, सज्झाय	,, Sajjhāya	,,	,,
812	के नाथ 14/73	,, ,,	,, ,,	,,	,,
813	कोलडी 264	,, प्रवन्ध	, Prabandna	शुभवीर	,,
814	,, गुटका 9/9	,, चौपई	,, Caupaī	वीरविजय	,,
815	,, 156	स्नात्र-पचाशिका	Snātrapañcāśikā	शुभशील	ग
816	के नाथ 10/	,, ,, +वा	,, +Bālā	,,	मू वा (ग)
817	महावीर 4 ग्र 3	हरिविक्रम-चरित्र	Harivikrama Caritra	आगमिक जयतिलकसूरि (चरित्रसूरि शिष्य)	पद्य
818	सेवामदिर गु 2 दे	हसराज (वत्स) वच्छराज-चौपई	Hamsarāja Vatsarāja Caupaī	जिनोदयसूरि (तिलक सूरि शिष्य)	,,
819	के नाथ 19/119	,, ,,	,, ,,	,,	,,
820	,, 5/98	,, ,,	,, ,,	,,	,,
821	कोलडी 9/2	,, ,,	,, ,,	,,	,,
822	कुथुनाथ 55/24	हसाउली-चौपई	Hamsāuli Caupaī	जिवच्छराज	,,
823	के नाथ 13/25	,, ,,	,, ,,	—	,,
824	सेवामदिर 4 ग्र 198	हीरविजयसूरि-चौपई	Hīravijaya Sūri Caupaī	—	,,
825	कुथुनाथ 9/113	हीरसूरि-कथा	Hīrasūri Kathā	—	,,
826-7	के नाथ 15-46, 45	हीरा रूपचदऋषि-रास 2 प्रतिया	Hīrā Rūpacanda Rṣi Rāsa 2 copies	कान्ह	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जीवन-चरित्र	मा	4*	23 × 12 × 28 × 90	सपूर्ण 107 गाथा	17वी	
"	"	5	25 × 11 × 13 × 34	" 108 गा.	19वी	
"	हि	2	26 × 11 × 14 × 37	" 9 पद	1784	
"	मा	17	26 × 12 × 17 × 45	" 4 अधिकार	1800	
"	"	19	26 × 12 × 15 × 43	" " = 422 गा	19वी	
"	"	7,2, 111*,9	22 से 27 × 12 से 14	" 9 ढालें	19/20वी	
"	"	2	25 × 11 × 19 × 50	" ग्रथाग्र 108	19वी	
"	"	3	26 × 11 × 13 × 42	" "	"	
" (शीलवेली)	"	12	25 × 12 × 12 × 36	" 17 ढाल	1879	
"	"	गुटका	16 × 12 × 13 × 20	" 11 ढाल	19वी	
पूजाफल पर दृष्टात	स	20	27 × 10 × 13 × 32	" 50 कथाये ग्र 431	1693	
"	स मा	34	28 × 12 × 11 × 37	" 48 कथायें ग्र 775	1924	
नेमितीर्थं राजर्षि चरित्र	स.	100	30 × 15 × 16 × 56	सपूर्ण 12 सर्ग ग्र 7450	20वी	
दानपर श्री जीवनी	मा	23	23 × 20 × 28 × 32	" 4 खड	18वी	
"	"	38	25 × 12 × 12 × 42	" " 46 ढालें 910 गा	1839	
"	"	37	26 × 10 × 11 × 29	" " "	1850	
"	"	गुटका	21 × 13 × 11 × 25	अपूर्ण	19वी	
औपदेशिक जीवनी	"	18	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण 413 गा पर प्रथम 2 पन्ने कम	1628 नवानगर	
"	"	52*	27 × 10 × 13 × 52	" 488 गा	1637 रत्नमागर	
जीवन-प्रसग	"	2	23 × 11 × 17 × 42	अपूर्ण गा 25 से 79 अत तक	19वी	
जीवनी आचार्य की	"	18	26 × 13 × 11 × 36	सपूर्ण 395 गा	18वी	
औपदेशिक जीवनी	"	5,5	26 × 10 × 14/13 × 32	" 89 गा	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	के नाथ गु 1	अडसठ तीर्थ स्तवन	68 Tīrtha Stavana	सोमहर्ष	प
2	महावीर 3 अ 7	अंगुलविचार-सत्तरी	Angula Vicāra Sattarī	मुनिचन्द्रसूरि	मू (प)
3	कुंथुनाथ 3/63	अंतरीक्ष पार्श्व-स्तवन	Antarikṣa Pārśva Stavana	लावण्यमय	प
4	के नाथ 17/29	आबूआदि लेख-संग्रह	Ābūādi Lekha Sangraha	—	ग
5	के नाथ गुटका 10	आबू विमलशाह छंद	Ābūvimalaśāha Chanda	—	प
6	कुंथुनाथ 52/2	एकविंशति स्थानक-प्रकरण	Ekavimśati Sthānaka	सिद्धसेनसूरि	मू (प)
7	के नाथ 14 138	,,	,,	,,	मू ट (पग)
8	के नाथ 11/26	,,	,,	,,	मू (प)
9	के नाथ 18/56	,,	,,	,,	,,
10	महावीर 4 अ 47	,,	,,	,,	मू ट (पग)
11	झीम्या 2/236	,,	,,	,,	,,
12	के नाथ 11,99	,,	,,	,,	,,
13-6	के नाथ 13/29 15/36,26/59 15/90	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	मू (प)
17	बोलडी 1275	ओसवंश उत्पत्ति	Osavamśa Utpatti	—	प ग
18	के नाथ 29/57	ओसवालों की-उत्पत्ति	Osavālonki Utpatti	—	,,
19	के नाथ गु 22	,, के गोत्रों की उत्पत्ति	,, ke Gotron kī Utpatti	—	ग
20	कुंथुनाथ 5/107	ओसवाल (भीनडिया बोहरा) गोत्रोत्पत्ति	Osavāla Gotrotpatti	—	,,
21	,, गुटका 1	कापडहेडा अष्टक व स्तवन	Kāpadaheda Astaka Stavana	हर्षकुशल+आनंद-निधान	प.
22	,, 15/224	,, पार्श्वतीर्थ-रास	,, Pārśva Tīrtha Rāsa	दयारत्न	,,
23	, 43/7	,, पार्श्व-रास	,, Pārśva Rāsa	लक्ष्मीरत्न	,,
24	के नाथ गु 1	,, पार्श्व-स्तवन	,, ,, Stavana	वेणीराम	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थों की नामावली	मा.	2	23 × 19 × 21 × 27	सपूर्ण 25 गा	1814	
नापपद्धति	प्रा.	3	29 × 12 × 17 × 59	,, 70 गा	1594	
तीर्थभक्ति व इतिहास	मा	2	26 × 10 × 14 × 42	,, 52 छद	19वी	
ग्राबू, गोडवाड पचतीर्थी, शत्रुञ्जय, तारगा के शिला लेखो की नकले	स.	48	21 × 10 × भिन्न 2	,, 5 लेख	19वी	
तीर्थ इतिहास	मा	6	20 × 12 × 16 × 25	,, 103 गा	19वी	
तीर्थंकर जानकारी 21 द्वारो से	प्रा	3	25 × 10 × 14 × 39	, 69 गा	16वी	
,,	प्रा मा	42	25 × 11 × 5 × 31	,, 70 गा.	17वी	
,,	प्रा	5	25 × 11 × 7 × 36	अपूर्ण पन्ने 2 व 3 कम है	,,	
,,	,,	4	26 × 12 × 13 × 35	सपूर्ण 65 गा	1727	
,,	प्रा मा	9	24 × 11 × 5 × 31	,, 66 गा	1811 विक्रमपुर भीमविजय	ग्रत मे 2 गाथाये अन्य है
,,	,,	6	27 × 13 × 7 × 42	,, 67 गा	1893	
,,	,,	8	25 × 11 × 5 × 35	,, 69 गा	19वी	
,,	प्रा	7 6,4,2	25 से 26 × 10 से 12	प्रथम 3 पूर्ण, अतिम 52 गा	,,	
ऐतिहासिक, न्यात गोत्र का	मा	5	17 × 13 × 17 × 24	प्रतिपूर्ण	,,	
,, +वापना व चौपडा गोत्र के 11 पन्ने	,,	13	12 × 15 × 17 × 15	,, +2 पन्ने अलग है	,,	
इतिहास	,,	16	22 × 15 × 18 × 15	अपूर्ण	,,	
सवत् 535 से 1365 तक 42 पीढियो की विगत	,,	187*	23 × 15 × 12 × 14	प्रतिपूर्ण	,,	
तीर्थ इतिहास	,,	3	22 × 19 × 22 × 32	सपूर्ण 8+34 गा	1814	
,,	,,	3	26 × 11 × 12 × 35	,, 43 गा	1797	1695 की कृति
,,	,,	2	25 × 11 × 15 × 52	,, 40 गा.	19वी	
,,	,,	2	22 × 19 × 22 × 32	,, 26 गा	1814	

1	2	3	3 A	4	5
25	केनाथ 29/4	केसरियाजी-छंद	Kesarıyājī Chanda	—	प.
26-7	कोलडी 311/332	,, -रास 2 प्रतिया	, Rāsa 2 copies	दीपविजय	,,
28	कुंथुनाथ 18/11	क्षेत्र-विचार	Kṣetra Vıcāra	—	ग
29	ओसिया 2 अ 138	,,	,,	—	,,
30	महावीर 2/69	क्षेत्रसमास (वृहद्)+वृत्ति	Kṣetra Samāsa	जिनभद्र/मलयगिरी	मू वृ. (प.ग)
31	केनाथ 9/29	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /हरिभद्र	मू वृ.
32	ओसिया 2/152	, —	,, —	,,	मू (प)
33	कोलडी 103	,,	,,	,,	,,
34	केनाथ 13/26	,, +बा	,, +Bāla.	,, /—	मू बा. (प ग)
35	मुनिसुव्रत 2/266	,,	,,	,	मू (प)
36	केनाथ 11/82	,, +अ	,,	,, /—	मू+अ (प ग)
37	कोलडी 105	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
38	कुंथुनाथ 38/3	,,	,,	,,	,,
39	केनाथ 10/93	,,	,,	,,	मू प.
40	महावीर 2/67	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,, /हरिभद्र	मू वृ
41	केनाथ 13/45	,,	,,	रत्नशेखर	मू (प)
42	,, 1/14	,, ,,	,, +Vrttı	,,	मू वृ (प ग)
43	,, 6/28	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
44	,, 23/21	,, +अ	,,	,,	मू अ (प ग)
45	,, 21/13	,,	,,	,,	मू प.
46	कोलडी 106	,,	,,	,,	,,
47	मुनिसुव्रत 2/267	,, +बा	,, +Bāla	,, /प दयासिंह	मू बा
48	कोलडी 107	,,	,,	,	मू (प)
49	,, 1122	,,	,,	,,	मू. (प)

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ इतिहास, मराठो के समय की घटना	मा	3	22 × 11 × 14 × 32	सपूर्ण 45 गा	1939	
तीर्थ इतिहास + भक्तिरास	,,	4,3	26 × 11 व 25 × 12	,,	19वी	
जैन भौगोलिक	स	10	25 × 11 × 10 × 30	अपूर्ण	,,	
,	,,	15	25 × 11 × 9 × 41	,,	1885 वाराणसी कुशलसुदर	
,,	प्रा स	151	26 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण ग्र 7087	16वी	मूल की गा 637
,,	,,	3	26 × 10 × 14 × 50	अपूर्ण (ग्र 495 पूरे के)	,,	नमि सजल गा 109
,,	प्रा	123*	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण	,,	,, गा 109
,,	,,	11	26 × 11 × 9 × 30	,,	1608	,, गा 136
,,	प्रा मा	19	26 × 12 × 14 × 40	,,	1654	,, गा 188
,,	प्रा	12	26 × 12 × 6 × 42	,,	1687 कृष्णगढ	,, गा 137
,,	प्रा स.	10	26 × 11 × 15 × 40	,,	17वी	, गा 94
,,	प्रा मा	18	26 × 11 × 5 × 35	,,	1700	,, गा 153
,,	प्रा	30	27 × 12 × 10 × 33	,, (तीसरा पन्ना कम)	19वी	,, गा, 246
,,	,,	12	26 × 12 × 7 × 42	अपूर्ण 163 गा तक	,,	,,गा (अपूर्ण)
,,	प्रा स	14	26 × 13 × 15 × 37	सपूर्ण ग्र. 511	20वी	,, गा 109
,,	प्रा ,	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 160 गा	16वी	
,,	प्रा स	30	26 × 12 × 21 × 55	,,	17वी	
,,	प्रा.मा	22	26 × 10 × 7 × 34	,, 261 गा	,,	
,,	प्रा स	34	28 × 12 × 7 × 40	,, (पहिला पन्ना कम,	,,	
,,	प्रा	13	25 × 11 × 13 × 41	,, 263 गा	1742	
,,	,,	7	25 × 11 × 16 × 54	,, 265 गा (ग्र 270)	1783	
,,	प्रा मा	128	26 × 12 × 16 × 45	,, 262 गा (ग्र 4117)	1803 जोधपुर	नक्शे 194 ग्र प्रमाण गिने हैं
,,	प्रा	13	22 × 10 × 13 × 35	,, 465 गा.	1832	
,,	प्रा मा	41	25 × 11 × 4 × 32	सपूर्ण (पहिला पन्ना कम)	1837	

1	2	3	3 A	4	5
50	ओसिया 1/140	क्षेत्रसमास	Ksetra Samāsa	रत्नशेखर	मू ट. (प ग)
51	कोलडी 104	,, +वा	, +Bālā	,, /पार्श्वचद	मू वा (प ग)
52	ओसिया 2/141	,,	,,	,	मू (प)
53	कोलडी 1155	,,	,,	,,	,,
54	कुथुनाथ 32/6	,,	,,	,,	,,
55-6	के नाथ 21/19 10/32	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
57	,, 18/5	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
58	कुथुनाथ 42/8	,	,,	,,	मू (प)
59	के नाथ 9/34	,, +वा	,, +Bālā	,, /दयासिह	मू. वा (प ग)
60	मुनिसुव्रत 2/324	,, +वृत्ति	,, +Vrttı	,,	मू वृ (प ग.)
61	के नाथ 15/173	,,	,,	,,	मू (प)
62	,, 6/52	,,	,,	,,	मू वृ (प ग)
63	,, 11/69	,,	,,	सोमतिलक	मू (प)
64	,, 23/8	,, +वृत्ति	,, + ,,	,, /देवसुदर	मू वृ (प ग)
65	,, 6/55	,,	,,	—	मू ट (प ग)
66	,, 5/47	,, + ,,	,, ,,	—	मू वृ (प ग)
67	,, 26/76	,, ,,	,, ,,	—	,,
68	,, 15/175	,,	,,	—	मूल
69	कुथुनाथ 14/11	,, -चौपई	, Caupaī	मतिसागर (गुणमेरु शिष्य)	पद्य
70	महावीर 2/68	,,	,,	,,	,,
71	के नाथ 23/13	,,	,,	,,	,,
72-3	के नाथ 13/49, 15/78	,, बालवबोध 2 प्रतिया	,, Bālāvabodha 2 copies	—	ग
74	कुथुनाथ 2/15	,, सूचायत्र	,, Sūcā Yantra	सुमतिवर्द्धन	ग तालिका
75	,, 25/5	खडाजोयरण	Khandājoyana	—	ग
76	के नाथ गु 16	खडेलवालो की उत्पत्ति	Khaṇḍelavalon kī Utpattı	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन भौगोलिक	प्रा मा.	48	25 × 12 × 4 × 28	सपूर्ण	1869 महिमापुर लक्ष्मीरा	
,,	,,	39	25 × 11 × 4 × 40	,, 265 गा	1882	
,,	प्रा	13	26 × 11 × 18 × 60	,, 262 गा	19वी बीकानेर	नक्शे सह
,,	,,	10	25 × 11 × 13 × 36	,, 265 गा (पहिला पन्ना कम)	19वी	
,,	,,	22	26 × 12 × 12 × 40	,, 264 गा,	,,	
,,	,,	22,24	29 × 12 व 26 × 11	,, 262 गा.	,,	
,,	प्रा मा	20	25 × 12 × 15 × 34	,, ,,	,,	
,,	प्रा	7	27 × 11 × 8 × 56	त्रुटक	16वी	
,,	प्रा.मा.	76	25 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण खड 3 गा 20 तक	17वी	गा 389+20
,,	प्रा स	13	25 × 12 × 11 × 56	,, गा 55 से अत तक	1782 कर्मचार द.लतसागर	
,,	प्रा.	9	26 × 11 × 13 × 45	त्रुटक	18वी	
,,	प्रा मा	35	26 × 11 × 4 × 36	अपूर्ण 128 गा तक	19वी	
,,	प्रा	8	26 × 11 × 17 × 62	सपूर्ण 384 गा	1516	
,,	प्रा सं.	39	27 × 11 × 15 × 42	,,	17वी	
,,	प्रा मा	27	23 × 12 × 4 × 26	,, 103 गा	1844	(सिरिवीरजिण-दिय
,,	प्रा स	9	26 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण बीच के पन्ने	16वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 17 × 56	,,	17वी	
,,	प्रा.	12	26 × 11 × 11 × 40	,, ,,	19वी	
,,	मा.	16	27 × 10 × 16 × 52	सपूर्ण 43 उल्लास गा 636	1639	रचना सवत् 1594
,,	,,	16	26 × 12 × 17 × 47	,, 578 गाथा	17वी	
,,	,,	9	26 × 11 × 23 × 72	,,	19वी	
,,	,,	8,12	26 × 11 व 25 × 10	अपूर्ण	,,	
,,	,,	69	27 × 12 —	सपूर्ण नक्शो सह	1940	
भूगोल	,,	9	26 × 12 × 21 × 54	,, नौ वा पन्ना कम	18वी	अत मे सर्वविरति की 123 पमा
इतिहास	,,	11	15 × 15 × 13 × 13	प्रतिपूर्ण	1747	34 गोत्रो की उत्पत्ति सह

1	2	3	3 A	4	5
77	के नाथ 29/23	गागाणी स्तवन	Gāngānī Stavana	समयसुदर	प
78	सेवामदिर गु 5 ति	जसविलास	Jasavilāsa	—	,,
79	के नाथ 15/41	जबूद्वीप विचारादि	Jambūdvīpa Vicārādi	—	ग
80	कुथुनाथ 18/7	जबूद्वीप-सग्रहणी +अ	Jambūdvīpa Sangrahanī	हरिभद्र	मू अ (ग प)
81	सेवामदिर 2 अ 263	,, —	,,	,,	मू (प)
82	ओसिया 2/245	, —	,,	,,	,,
83	सेवामदिर 2/370	,,	,,	,,	मू ट. (प ग)
84	मुनिसुव्रत 2/261	,,	,,	,,	,,
85	ओसिया 2/188	,,	,,	,,	,,
86	,, 2/299	,,	,,	,,	मू (प)
87-8	के नाथ 10/37 व 21/5	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
89	,, 15/192	जैनबद्री (गोमटेश्वर) यात्रा	Jaina Badrī Yātrā	माणकचद अग्रवाल (गर्ग)	ग (पत्र)
90	ओसिया 4 आ 7	,, ,, ,,	,, ,,	,,	,,
91	के नाथ 15/85	तीर्थमाला-स्तवन	Tīrthamālā Stavana	—	प
92	सेवामदिर 4 आ 15	तीर्थंकर-कल्याणकादि	Tīrthankara Kalyānakādi	—	ग. तालिका
93	के नाथ 18/83	,, ,,	,, ,,	—	,, ,,
94-6	महावीर 3 आ 104-10-13	,, ,, 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	—	,, ,,
97-104	कुथुनाथ 4/94, 14/39-40, 34/7-9, 37/16, 13	,, ,, 8 प्रतिया	,, ,, 8 copies	—	,, ,
105-6	महावीर 4 अ 44 से 46,51	,, च्यवनादि 4 प्रतिया	,, Cyavanādi 4 copies	—	,, ,,
107-10	मुनिसुव्रत 3 इ 321-2	,, नामावली 2 प्रतिया	,, Nāmāvalī 2 copies	—	,, ,,
111-12	महावीर 7 अ 1-2	,, राशि आदि 2 प्रतिया	,, Rāśi Ādi 2 copies	—	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थ इतिहास भक्ति	मा	2	25 × 11 × 13 × 33	सपूर्ण 24 गा	17वी	प्राचीन नाम अर्जुनपुरी
तीर्थ यात्रा वर्णन	,,	2	15 × 10 × 28 × 28	,, 61 पद	,,	बीकानेर से शत्रुञ्जय यात्रा
जैन भौगोलिक + अतरीक्ष	,,	5	25 × 11 × 15 × 47	,,	19वी	
जैन भौगोलिक	प्रा स.	4	25 × 11 × 5 × 54	,, 30 गा	1778	
,,	प्रा	1	26 × 11 × 15 × 43	,, ,,	18वी	
,,	,,	1	25 × 11 × 18 × 52	,, ,,	18वी × विनयविजय	
,,	प्रा मा	5	26 × 12 × 4 × 33	,, 29 गा	1844 जैसलमेर	बीजक-सह
,,	,,	10	20 × 10 × 4 × 22	,, ,,	1847	—
,,	,,	5	26 × 12 × 4 × 35	,, 30 गा ग्र 150	19वी मेघविजय	
,,	प्रा	2	26 × 11 × 11 × 37	,, ,,	,, आणदमुनि	
,,	,,	4,4	28 × 11 व 25 × 11	,, ,,	19वी	
बाहुबलिआदि दक्षिण भारत तीर्थ मात्रा वृत्तात	हि.	2	24 × 12 × 17 × 35	,,	1879	
,,	,,	7	43 × 11 × 12 × 48	,,	1928विक्रमपुर	
तीर्थ सबन्धी इतिहास	मा	2	26 × 11 × 14 × 50	,,	19वी	
भिन्न-2 द्वारो से जानकारी	स मा	7	26 × 11 —	भिन्न 2 पन्ने प्रतिपूर्ण	17/18वी	
,,	मा	2	26 × 11 × 10 × 28	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	4,2,5	25 से 28 × 11 से 13	,,	19/20वी	
,,	मा.स	1,1,1, 2,1,5, 12,1	20 से 26 × 9 से 15	,,	,,	
,,	मा	2,5,9, 11	20 से 26 × 11 से 12	प्रथम 3 पूर्ण, चौथी अपूर्ण	19, 20वी	
,,	,,	2,2	22 × 10 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	19वी	
तीर्थंकर ज्योतिप जानकारी	,,	13,2	26 × 12 × ,,	,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
113	महावीर 4 अ 48	तेवीस युगप्रधान-यंत्र	Tevīsa Yuga Pradhāna Yantra	—	ग तालिका
114	सेवामदिर 2/377	द्वीप विचार	Dvīpavicāra	सकलन	मू ट.
115	कोल्हडी 1217	धनुपृष्ठाद्या नयनप्रकार	Dhanuprṣthdāyā Nayana-prakārah	—	ग.
116	सेवामदर 4 आ 13	नरक का वृत्तान्त	Naraka kā Vrttānta Gaccha	—	,,
117	के नाथ 5/81	पट्टावली-उपकेशगच्छ	Pattāvalī-Upakeśa Gaccha	—	,,
118	के नाथ 15/240	,, -ओसवाल-गच्छ	,, -Osvāla Gaccha	—	,,
119	के नाथ 17/26	,, -कडुवामति-गच्छ	,, -Kaduvāmati	—	,,
120	के नाथ 15/104	,, -खरतर-गच्छ	,, -Kharatara Gaccha	—	,,
121	ओसिया 2 अ 152	,, ,,	,, ,	—	प
122	महावीर 4 आ 3	,, ,,	,, ,,	—	,,
123	सेवामदिर 4 आ 14	,, ,,	,, ,,	—	,,
124	के नाथ 5/27	,, ,,	,, ,,	—	,,
125	महावीर 4 आ-2	,, ,,	,, ,,	—	ग
126	सेवामदिर 4 आ-10	,, ,,	,, ,,	—	ग तालिका
127	कुथुनाथ 17/12	,, ,,	,, ,,	—	,,
128	,, 14/29	,, ,,	,, ,,	—	,,
129-33	के नाथ 15/199-221, 18/72 19/106 29/55	,, , 5 प्रतिया	,, ,, 5 copies	—	,,
134	कुथुनाथ 15/52	,, ,,	,, ,,	—	,,
135	कोल्हडी 848	,, -तपगच्छ (वडगच्छ शाखा)	,, -Tapagaccha	—	,,
136	कोलडी 849	,, ,,	,, ,,	—	,,
137	के नाथ 29/7	,, ,,	,, ,,	—	,,
138	कोलडी 929	, ,,	,, ,,	—	,,
139	कुथुनाथ 14/1	,, ,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
आचार्य सम्बधी जानकारी	मा.	2	26 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
जैन भौगोलिक	प्रा मा	15	24 × 11 × 4 × 25	,,	18वी × प श्रीलाल	
,,	स	1	26 × 11 × 24 × 62	सपूर्ण	1477	
नरको की जानकारी	हिं	5	26 × 12 × 13 × 54	प्रतिपूर्ण	20वी	
आचार्य पाट-परपरा	स.	10	26 × 11 × 14 × 35	सपूर्ण	1689के बाद की	अत मे साधु समाचारी भी है
,,	मा	6	25 × 11 × 16 × 43	अपूर्ण	19वी	
,,	स	4	30 × 16 × 17 × 50	सपूर्ण	,,	
,,	,,	11	26 × 10 × 15 × 48	,,	1555	
,,	,,	123*	26 × 12 × 11 × 40	,, 10 श्लोक	16वी	युगप्रधानो के ही विवरण
,,	,,	5	26 × 11 × 19 × 56	,,	17वी	साथ मे अन्य सलग्न इतिहास
,,	,,	4	24 × 11 × 8 × 48	,,	1701 के आस-पास	68वें पाट तक
,,	मा	11	25 × 11 × 11 × 40	,,	1796	
,,	स.	6	26 × 11 × 15 × 50	सपूर्ण 66वें पाट राजसूरि तक	18वी	
,,	मा	3	26 × 13 × —	भिन्न 2 पन्ने 68वे पाट तक	1834 के पहले	
,,	,,	1	26 × 10 × 16 × 50	अपूर्ण 40 पीढी तक	19वी	
,,	सं	1	26 × 11 × 15 × 65	सपूर्ण	,,	
,,	,,	2,2 2, 16,9	24 से 28 व 10 × 14	,,	,,	
,,	,,	1	25 × 11 × 12 × 40	,, जिनराजसूरि तक	19वी	
,,	मा.	9	30 × 12 × 13 × 30	,,	1767 के लगभग	
,,	,,	8	30 × 11 × 11 × 32	,,	1814 × प्रमोदविजय	
,,	स.	4	26 × 11 × 13 × 40	,, 65 पाट तक	19वी	कल्पसूत्र वाचनान्तर्गत
,,	मा.	2	24 × 11 × —	,, 69 पाट तक	,,	
,,	,,	2	11 × 24 × —	,, (दो बार लिखी हैं)	,,	

1	2	3	3 A	4	5
140-43	कुंथुनाथ 18/31 34/11-12 12/213	पट्टावली-पार्श्वचदगच्छ 4 प्रतिया	Pattāvali Pārśvacanda Gaccha 4 copies	—	ग तालिका
144	कुंथुनाथ 10/194	,, -खरतरगच्छ	,, -Kharatara Gacch.	—	ग
145	केनाथ 19/45	, -धावंत (द्रावंत)	,, -Dhābaita	लाभसूरिद	प
146	,, 17/62	,, -लाभसूरि धावंत (द्रावंत)	,, ,, Lābhasūri	वाचक विनयभक्ति	ग.
147	, 26/103गु	,, खरतर गच्छ अन्य 3 2	,, Kharatara Gaccha etc	संकलित	,,
148	,, 23/29	, -सामान्य	,, General	—	,,
149	मेवामदिर 4 आ 13	,, -भिन्न 2	,, Different	—	,,
150	कुंथुनाथ 33/5	,, -सामान्य	,, General	—	ग तालिका
151-53	महावीर 2 99 से 101	परिधिउपाय-यंत्र 3 प्रतिया	Paridhi Upāyayantra 3 copies	—	,, ,,
154	केनाथ 26 103गु	पार्श्व ओंकारेश्वर तीर्थ	Pārśva Onkāreśvara Tirtha	—	गद्य
155	ओसिया 2/238	पाचमा आराराभाव	Pāñcamā Ārār ābhāva	—	पद्य
156	केनाथ 17/40	प्राचीन जैन बौद्ध शिलालेख प्रशस्ति आदि	Prācina Jain Bouddha epigrams etc	—	ग.प.
157	कोलड़ी 447	बीसविरहमान 11 बोलादि	Bisa Viharamāna 11 Bolādi	--	,,
158	महावीर 3 इ 15	,, नामादि	,, Namādi	—	ग
159	मेवामदिर 4 आ 11	भनसालियो की वंशावली	Bhansāliyon ki Vamśāvali	—	ग तालिका
160	ओसिया 2/172	भूगोल व अन्तरीक्ष विचार सग्रह	Bhugola & Antariksa Vicāra Saṅgraha	अज्ञात	,, ,,
161	केनाथ 18/92	भौगोलिक-तालिकायें	Baugolika Tālikāyen	संकलित	,, ,,
162	कुंथुनाथ 37/13	मंगल-पच्चीसी	Mangala Paccisī	—	प
163	केनाथ 10/50	मनुष्यक्षेत्र-समास	Manuṣyakṣetra Samāsa	—	,,
164	,, 29/56	यतिकलह	Yati Kalaha	—	,,
165	महावीर 4 अ 49	युगप्रधान नाम आयु पर्यायादि यंत्र	Yuga Pradhāna Yantra	भद्रबाहुप्रणीत देवेन्द्र-सूरियन्त्रित	ग तालिकायें
166	,, 4 अ 50	,,	,,	,,	,,
167	ओसिया 2/230	लोकनालि द्वात्रिंशिका+अ	Lokanāli Dvātrimśikā	—	मू+अ(प ग.)

6	7	8	8 A	9	10	11
आचाय पाट परपरा	स मा	1,1,3,1	24 से 26 × 8 से 12	सपूर्ण नाम मात्र	19वी	
,,	मा	1	26 × 11 × 11 × 34	,, ,, 69 पाट तक	,,	साथ मे आत्मप्रबोध सज्झाय
,,	,,	10	25 × 12 × 15 × 35	,,	,,	पट्टावलीनुमावर्णन
,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 44	,,	,,	, चरित्र
,,	स.	7	25 × 12 × 20 × 56	,, 5 पट्टावलिया	18वी	
,,	,,	20	26 × 12 × 15 × 45	,,	—	गच्छ विशेष की नही
,,	स मा	21	26 × 12 × 14 × 38	अपूर्ण स्फुट पत्रे	18/19वी	भिन्न 2 गच्छो की
,	मा	1	26 × 12 × —	अपूर्ण 20वें पाट तक	19वी	गच्छ विशेष की नही
जैन भौगोलिक तालिका	,,	8,8,8	25 × 12 × --	अपूर्ण	20वी	
तीर्थ इतिहास	स	1	25 × 11 × 20 × 56	सपूर्ण	18वी	
युगवर्णन, भविष्य-वाणी	मा.	2	25 × 12 × 10 × 34	,,	19वी	
इतिहास एव भाषा-लिपि विज्ञान (प्राचीन)	स.	8	30 × 16 × 16 × 40	,,	,,	
भिन्न 2 द्वारो से जानकारी	प्रा स मा	12	30 × 11 × 15 × 43	,, 20 जिनेश्वरो की	,,	
सैद्धातिक जानकारी व औपदेशिक विधि	मा	6	26 × 12 × 13 × 35	,, ,, ,,	20वी	
गोत्र की पीढिया	,,	11	29 × 10 × 40 × 18	,,	1924	
भौगोलिक आगमा-नुसार	,,	38	29 × 14 × 11 × 27	,,	19वी	
भूगोलविविध बोल	,,	12	भिन्न 2	,,	,,	
तीर्थंकरो के 5 कल्या-णक	,,	4	24 × 11 × 14 × 42	,, 25 गा	,,	
जैन भौगोलिक	प्रा	6	23 × 10 × 11 × 42	,, 95 गा (पहिला पन्ना कम)	,,	
पालीताणा की घटना का वृत्तात	मा	3	21 × 11 × 15 × 32	,, 2 वार 17 गा.	,,	
दु ख प्रामृते जैना-चार्यो की नामावली	,	34	27 × 12 × 14 × 41	, 2004 युगप्रधानो की	1841 स्तभन, कीर्तिमुवन	
,,	,,	27	26 × 12 × —	किचित् अपूर्ण ,,	19वी	
जैन लोक स्वरूप भूगोल	प्रा स	2	27 × 11 × 11 × 39	सपूर्ण 32 गाथा की	15वी देवसुदर (सत्यमेरु शिष्य)	अतिम गाथा की अवचूरि नही

1	2	3	3 A	4	5
168	के नाथ 5/74	लोकनालि-द्वात्रिंशिका +बा	Lokanālı Dvātrımśıkā +Bālā	—	मू बा. (प ग)
169	„ 15/8	„ „ +बा.	„ „ +Bālā	—	„
170	कुंथुनाथ 3/62	„ „	„ „	—	मू. (प)
171	ओसिया 2/158	„ „ +बा	„ „ +Bālā	—	मू बा (प ग)
172	के नाथ 11/72	„ „	„ „	—	मू ट „
173 4	„ 18/49 6/79	„ „ +बा 2 प्रतिया	„ „ +Bālā, 2 copies	—	मू बा. „
175	ओसिया 2/225	„ „ +बा	„ „ +Bālā	/सहजरत्न	„ „
176	कुंथुनाथ 4/84	„ „	„ „	—	मू+ट (प ग.)
177	के नाथ 18/51	„ „ की अवचूरि	„ „ kī Avacuri	ज्ञानसागर	ग.
178	कोलडी 1238	लोकान्तिक देवस्तव +अ	Lokāntıka Devastava	—	मू अ. (प ग)
179	कुंथुनाथ 42/16	शत्रुञ्जय-कल्पस्तोत्र +बा	Śatruñjaya Kalpa Stotra +Bālā.	पादलिप्ताचार्य	मू बा (प ग.)
180	के नाथ 10/60	„ कल्पस्तोत्र	„ „	„	मू ट. (प ग)
181	ओसिया 2/416	„ लघुकल्प	„ Laghukalpa	—	
182	के नाथ 8/12	„ उज्जयंत रैवतगिरि-कल्प	„ Ujjhayanta (R) Kalpa	जिनप्रभ (तीर्थकल्प)	पद्य
183	मुनिसुव्रत 3 इ-245	„ उद्धार-रास	„ Uddhāra Rāsa	नयसुन्दर	„
184	„ 3 इ 316	„ „	„ „	„	„
185	कुंथुनाथ 25/6	„ „	„ „	„	„
186	के नाथ 10/15	„ „	„ „	„	„
187-8	„ 19-42, 21-40	„ „ 2 प्रतिया	„ „ 2 copies	„	„
189-95	कोलडी 361 से 63, 1097/8, 1127-41	„ „ 7 प्रतिया	„ „ 7 copies	„	„
196	नवामंदिर 4 आ-12	„ „	„ „	„	„
197	कोलडी 415	„ -नाम	„ Nāma	—	—
198	„ 445	„ -माहात्म्य	„ Māhātmya	धनेश्वरसूरि	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन भौगोलिक लोकस्वरूप	प्रा मा	4	26 × 11 × 4 × 45	,, 32 गा	16वी	
लोकस्वरूप-भूगोल	,,	8	27 × 11 × 17 × 60	,, ,,	1695	
,,	प्रा	2	23 × 11 × 10 × 33	,, ,, (31वी नही)	1805	
,,	प्रा मा	17	25 × 11 × 13 × 39	,, ,,	1844 पाली	
,,	,,	3	26 × 11 × 7 × 37	,, ,,	19वी	
,,	,,	6,4,	27 × 12 व 26 × 11	प्रथम पूर्ण द्वितीय मे 20 गा	,,	
,,	,,	7	26 × 12 × 17 × 57	सपूर्ण 32 गा	20त्री माडवी वदर	
,,	प्रा मा	6	26 × 12 × 4 × 34	,, ,,	19वी	
,,	स	2	27 × 11 × 19 × 67	,, ग्र 150	16वी	
अतरीक्ष देववर्णन	प्रा.स	13*	26 × 11 × 15 × 42	,, 16 गा	19वी	
तीर्थभक्ति इतिहास	प्रा मा	4	27 × 12 × 14 × 42	,, 39 गा	,,	भद्रवाहुरचित, वज्र स्वामी उद्धारित
,,	,,	4	26 × 12 × 6 × 40	,, ,,	1928	
,,	स	13[1]	26 × 13 × 16 × 30	,,	1953	
,,	मा.	6	26 × 11 × 17 × 48	,,	16वी	
,,	,,	4	26 × 11 × 15 × 56	,, 111 गा.	1769	
,,	,,	5	24 × 10 × 13 × 36	,, 107 गा	18वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 12 × 48	,, 119 गा	1821	अत मे दिवाली सज्भाय गा.
,	,,	5	27 × 11 × 15 × 43	,, 124 गा	1848	
,,	,,	4,8	25 × 12 व 28 × 12	,, 114/122 गा	19वी	
,,	,	7,4,9, 5,2,5, 5	24 से 27 × 11 से 12	प्रथम 3 पूर्ण शेप 4 अपूर्ण	,,	
,,	,,	7	27 × 12 × 11 × 43	सपूर्ण 121 गा	,,	
तीर्थ नामावली	—	3	26 × 12 × 9 × 36	,, 99 नाम	,,	
तीर्थभक्ति इतिहास	स.	96	25 × 11 × 19 × 60	त्रुटक प्रथम खड 9 सर्ग	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
199	महावीर 4 ग्रा 4	शत्रुञ्जय-माहात्म्य	Śatruñjaya Māhātmya	धनेश्वरसूरि	प
200	के नाथ 13/2	,, ,, -उत्लेस	,, ,,	हमरत्न	ग.
201	कोलडी 1142	,, ,, -राम	,, ,, Rāsa	जिनहर्ष	प
202	के नाथ 21/50	, ,, -विचार	,, ,, Vicāra	—	ग
203	,, 19/124	,, महिमा-वर्णन	,,Mahimā varnana	—	,,
204	,, 15/124	,, -राम	,, Rāsa	ग्रानदनिधान	प.
205	कोलडी 261	,, ,,	,, ,,	गुलानविजय (शिष्य?	,,
206	कुथुनाथ 16/12	,, ,,	,, ,,	समयसुन्दर	,,
207-9	के नाथ 18-76, 18-12 23-88	,, ,, 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	,,	,,
210-12	ग्रोसिया 4 ग्रा 5-8, 3 इ 203	,, ,, 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	,,	,,
213-15	कोलडी 243, 259-60	,, ,, 3 प्रतिया	,, ,, 3 copies	,,	,,
216-7	कुथुनाथ 14/3, 9/123	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
218	कोलडी 308	,, सघवर्णन	,, Sangha Varnana	ऋषभ	,,
219	मेवामदिर गुटका 3 ति	,, -स्तवन	,, Stavana	पार्श्वचद	,,
220	कुथुनाथ 56/4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
221	कोलडी 1184-D	,, ,,	,, ,,	सोमसुन्दर-शिष्य	,,
222	,, 312	,, ,,	,, ,,	ग्रमृतमुनि	,,
223	कुथुनाथ 36/1 क्रम 31	,, -स्तोत्र	,, Stotra	पद्मनदि	,,
224	महावीर 3 इ 355	शास्वत जिनबिब-स्तवन +ग्र	Śāsvata Jinabimba Stavana	देवेन्द्रसूरि /-	मू ग्र. (ग प)
225	,, 3 इ 42	,, ,, +ग्र	,, ,,	,, /-	,,
226	के नाथ 19/131	,, ,, +बा	,, ,, +Bālā.	,, /कनकसोमगणि	मू.बा (प.ग)
227	, 14/106	,, ,,	,, ,,	जिनेन्द्रसागर	प
228	कुथुनाथ 5/108	,, जिनप्रतिमा सख्या कथन	,, Pratimā Saṅkhyā Kathana	—	मू ट. (प ग.)
229	महावीर 2/57	सत्तरिसय ट्ठाण	Sattari Saya Thāṇa	सोमतिलकसूरि	मूल

6	7	8	8 A	9	10	11
तीर्थभक्ति इतिहास	स	236	27 × 13 × 13 × 48	सपूर्ण 14 सर्ग	1961	
,,	,,	97	27 × 12 × 15 × 40	मूल की व्याख्या ग्रपूर्ण	19वी	
,,	मा.	19	27 × 13 × 15 × 40	ग्रपूर्ण 22 ढाल तक	,,	
तीर्थ वृत्तात	,,	24	26 × 13 × 11 × 32	सपूर्ण	1897	
,, इतिहास	,,	20	25 × 13 × 15 × 35	,,	1940	
तीर्थभक्ति इतिहास	,,	4*	26 × 12 × 16 × 29	,, 4 ढालें	19वी	ग्रत मे 21 गा का पोपघस्तव
,,	,,	12	24 × 10 × 7 × 26	,, 7 ढालें	1929	
,,	,,	5	26 × 12 × 14 × 42	,,	1846	
,,	,,	5,6,7	23 से 27 × 10 से 13	,, 102/7 गाथा	19वी	
,,	,,	8,5,6	23 से 27 × 10 से 12	,, 6 ढालें 108 गा	,,	
,,	,,	5,4,6	25 से 26 × 11 से 12	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	8-8	24 × 11 व 23 × 15	,, ,,	,,	
नेमीदास की तीर्थ यात्रा का	,,	5	24 × 11 × 11 × 32	,,	19वी	ग्रत मे स्तवन प्रेमविजय रचित
तीर्थभक्ति इतिहास	,,	5	16 × 13 × 13 × 20	,, 45 गा	1651	
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 42	,, 42 गा.	18वी	
,,	,,	2	27 × 11 × 17 × 60	,, 53 गा	17वी	
,,	,,	6	26 × 12 × 14 × 46	, 10 ढालें	1847	
,,	सं.	गुटका		,, 24 श्लोक	1544	
प्रतिमाग्रो की जानकारी	प्रा स	1	26 × 11 × 13 × 44	,, 24 गाथा	18वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 18 × 52	,, ,,	19वी हेमविजय	
,,	प्रा मा	5	26 × 10 × 11 × 34	,, 22 गाथा	16वी	
,,	मा	3	26 × 12 × 15 × 38	,, ढाल दोहे ग्रादि	19वी	
,,	प्रा.मा	गुटका	16 × 23 × 11 × 20	,, 46 गा.	1797	
170 द्वारो से तीर्थकर जानकारी	मा.	12	26 × 11 × 15 × 51	,, 359 गा	1616 सौभाग्यगणि	

1	2	3	3 A	4	5
230	के नाथ 6/1	सत्तरिसय ठ्ठाण	Sattarısayathānā	सोमतिलक ूरि	मू ट
231	, 21/28	,,	,,	,,	मू ल
232	महावीर 2/102	,, -यत्र	,, Yantra	—	ग तालिका
233	कुथुनाथ 10/133	समवसरण-स्तव	Samavasarana Stava	—	मूल पद्य
234	महावीर 3 इ 355	,, ,,	,,	—	,, ,,
235	,, 3 इ 355	,, ,,	,,	सोमसुन्दर	,, ,,
236	,, 4 आ 1	सम्मेतशिखर-माहात्म्य	Sammetaśikhra Māhātmya	लोहाचार्य	प
237	के नाथ गु 29	,, -रास	,, Rāsa	सौभाग्यसूरि	,,
238	कोलडी 452	सातसमुद्घात	Sātasamudghāta	—	ग.
239	कुथुनाथ 55/	सुवर्णगिरि मडन महावीर -स्तवन	Svarnagırı Mandana Mahāvīra Stavana	सारगवाचक	प
240	ओसिया 2/297	सूर्यशतक +अ	Sūrya Śataka	/ मुनिसुन्दर शिष्य	मू.अ (प ग)

भाग 5-जैनेत्तर धार्मिक .-

1	महावीर 5 अ 25	अग्निहोत्र-विधान	Agnıhotra Vıdhāna	—	गद्य
2	कुथुनाथ 14/56	अजपागायत्री	Ajapāgāyatrī	—	पद्य
3	सवामदिर दे गु 20	अनुभव-विलास	Anubhava Vılāsa	रामचरण	,,
4-5	कुथुनाथ 25/3-4	अपराजिता-स्तुति 2 प्रतिया	Aparājıtā Stutı 2 copıes	स्कन्दपुराणे	,,
6	,, 14/53	अभयमुखीदान-प्रयोग	Abhayamukhī Dāna Prayoga	—	गद्य
7	,, 11/201गु	अर्जुनगीता	Arjuna Gītā	—	पद्य
8	सेवामदिर 5 अ 39	अष्टाध्यायी-रुद्री	Aṣṭādhyāyī Rudrī	—	ग प मत्र
9	के नाथ 29,90	असिद्धसाधिनी-विद्या	Asıdha Sādhanī Vıdyā	भगवतीपुराणे	,,
10	ओसिया 6/37	आनन्द समुच्चय	Ānanda Samuccaya	—	प
11	कोलडी 1311	ऋषभ अवतार-चरित्र	Ṛṣabha Avatāra Carıtra	—	,,
12	के नाथ 25/22	एकादशी-कथायें	Ekādaśī Kathāyen	पुराणोक्त	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
170 द्वारो से तीर्थंकर जानकारी	प्रा मा	34	26 × 11 × 6 × 30	सपूर्ण 360 गा , ग्र 2000	1679	
,,	प्रा	10	26 × 11 × 19 × 60	,, 360 गा	19वी	
तीर्थंकर जानकारी	मा.	13	26 × 12 × —	,, 172 द्वारो से	1896कलकत्ता देवराज	
समवसरण-विधान	ा	27*	27 × 11 × 13 × 38	,, 69 गा	16वी	
,,	स	1	26 × 11 × 17 × 54	,, 35 श्लोक	18वी × रुपाक	
,,	मा	1	25 × 11 × 20 × 70	,, 33 गा	18वी	
तीर्थभक्ति इतिहास	स	37	26 × 12 × 19 × 46	,, 1800 श्लोक	19वी	
,,	मा	16	12 × 12 × 14 × 12	,,	1933	1907 की कृति
समुद्घात प्रक्रिया वर्णन	,,	2	25 × 11 × 14 × 60	,,	,,	
तीर्थभक्ति इतिहास	,,	4	25 × 11 × 10 × 32	,, 4 गा = 42 ढाले	1734 × मनोज्ञचद्र	
सूर्यतवधी स्तुति	प्रा स	6	27 × 11 × 13 × 54	,, 100 गा (चौथा पन्ना कम)	15वी	

(विभाग ग्र से ग्रो) —

यज्ञविधि	स.	3	28 × 12 × 10 × 39	सपूर्ण	19वी	
भक्तिस्तोत्र	,,	1	25 × 11 × 18 × 63	,, 7 श्लोक	,,	
पापपुण्य विरक्ति चिंतन	मा	11	26 × 20 × 17 × 20	,, 72 पद	1926	
भक्ति स्तुति	स	4,4	23 × 10 व 17 × 12	,,	1836 व 19वी	
धार्मिक	राज	1	21 × 10 × 9 × 26	,,	19वी	
,,	स	गुटका	22 × 17	,, 106 श्लोक	,,	
पूजा क्रिया	,,	8	26 × 12 × 12 × 42	ग्रपूर्ण	18वी	प्रारभ मे ग्ररिष्ट नेमिकोवचन
भक्तिमत्र	,,	3	25 × 13 × 13 × 50	सपूर्ण	17वी	
योग सम्बन्धी	,,	27	27 × 13 × 11 × 29	,,	19वी	
वैष्णवाम्नायानुसार	मा	8	21 × 15 × 23 × 21	,,	,,	ग्रत मे राठौडो के जीवनप्रसग व ग्रफीम भाग सवाद
व्रतकथा	स	21	27 × 11 × 17 × 51	लगभग सपूर्ण-24	20वी	कार्त्तिक शुक्ला ग्रधूरी

1	2	3	3 A	4	5
13	कुथुनाथ 19/3गु	एकादशी-कथाये	Ekādaśī Kathāyen	पद्मपुराणानुसार	ग
14	सेवामदर 4 अ 16	,, ,,	,, ,,	—	,,
15	ओसिया 5 अ 13	,, माहात्म्य	,, Māhatmya	—	,,
16	कोलडी 861	करुणा-निवास	Karunā Nivāsa	मूलचद	प.
17	ओसिया 3 ड 351	कलकीराजा की उत्पत्ति	Kalankī Rājā kī Utapatti	अज्ञात	ग
18	कोलडी 931	कालिकादेवी स्तोत्र	Kalikādevī Stotra	—	प
19	सेवामदिर गु 5 ति	कालिका-शतक	Kalikā Śataka	कीर्तिनदा	,,
20	कुथुनाथ 31/9	कुलार्णवसार	Kulārnavasāra	महादेवोक्त	,,
21	सेवामदिर गु 23 दे	कृष्णभजन	Krsna Bhajana	कृष्णदास आदि	,,
22	के नाथ गु 3	कृष्ण व राम भक्ति-पद	Krṣna & Rāma Bhakti Pada	ढाटी निगाणिया व ढाढी सूरदास आदि	,,
23	कोलडी 1003	कैवल्य उपनिषद्-दीपिका	Kaivalya Upniṣad Dīpikā	शकरानद	ग टीका
24	के नाथ 23/21	खडप्रशस्ति सह-व्याख्या	Khanda Praśasti with Vyākhyā	हनुमत/गुणविनय	मू + टी (प ग)
25	के नाथ 18/7	खड-प्रशस्ति	,, ,,	—	ग.
26	कोलडी 527	गजानन-सहस्रनाम	Gajānana Sahasranāma	महादेव ऋषि	,,
27	सेवामदिर 5 अ 37	गरुड-पुराण	Garuda Purāna	—	प.
28	कुथुनाथ 14/54	गगाष्टक	Gangāṣtaka	—	,,
29	कोलडी 1244 परि 7 अ	गीत-गोविन्द	Gita Govinda	जयदेव	,,
30	कोलडी गु 7/4 परि 7 अ	,, ,,	,,	,,	,,
31	कोलडी 1135 परि 7 अ	,, ,,	,,	,,	,,
32	के नाथ 7/26 परि 7 अ	,, ,, की टीका	,, kī Tikā	—	ग.
33	के नाथ 9/27 परि 7 अ.	,, ,, ,,	,, ,,	जगद्धर	,,
34	सेवामदिर 3 इ345 A	गोरखबोल-सह व्याख्या	Gorakha Bola with Vyākhyā	गोरखनाथ/	प.
35	सेवामदिर 3 इ345 B	,, ,,	,,	,	,,
36	कोलडी 1253	घटस्थापन यक्षिणी-साधनादि	Ghatasthāpana etc	—	गद्य मत्र
37	कुथुनाथ 32/27	चामुण्डा-अष्टक	Cāmuṇḍā Aṣṭaka	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
व्रत कथा	रा	34	18 × 15 × 15 × 21	सपूर्ण 24 गा	1793	
,,	,,	140	29 × 36 × 16 × 20	,,	1936	
,, फल	,,	14	18 × 12 × 20 × 32	,,	1877, पाचुग्रामे राजसुन्दर	
देवीभक्ति	,,	11*	24 × 12 × 17 × 49	,, 42 छद	1893	
वृत्तान्त	मा	93*	26 × 12 × 21 × 42	,,	18वी	
देवीभक्ति	स	3	23 × 11 × 11 × 34	,, 28 श्लोक	,,	
,,	रा	3	16 × 10 × 33 × 19	,, 102 गा	1767	1708 की कृत्ति
मोक्षशास्त्र	स	31	21 × 16 × 14 × 38	,, 5 खड (17 तरग)	1835	
कृष्णभक्ति	रा	32	29 × 14 × 27 × 15	अपूर्ण	19वी	
भक्ति पद	रा हि	201	23 × 16 × 15 × 22	प्रतिपूर्ण	,,	सूरदास "ढाढी" कौन है ?
आध्यात्मिक	स	8	28 × 14 × 13 × 39	सपूर्ण	,,	
दशावतार कथा	,,	22	26 × 12 × 17 × 51	अपूर्ण 86 श्लोक	,,	
,,	,,	7	29 × 13 × 14 × 46	,, छठे अवतार तक	,,	
गणेशभक्ति	,,	8	32 × 14 × 14 × 34	सपूर्ण 1000 नाम	,,	
प्राचीन धार्मिक कथायें	,,	7	24 × 10 × 9 × 42	अपूर्ण तीसरे अध्याय तक	17वी	
भक्ति स्तोत्र	,,	1	25 × 10 × 13 × 40	सपूर्ण 9 श्लोक	19वी	
भक्ति गीत	,,	10	25 × 11 × 15 × 52	,, 12 सर्ग	1707	
,,	,,	गुटका	23 × 15 × 11 × 23	अपूर्ण 11वें सर्ग तक	1746	
,,	,,	10	24 × 11 × 11 × 34	,, 4 सर्ग तक	19वी	
,,	,,	31	26 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण 12 सर्ग की	,,	पहिला पन्ना कम है
,,	,,	34	25 × 10 × 13 × 42	2 से 9 सर्ग (पन्ने 13 से 46)	,	सारदीपिका नाम्नी टीका
आध्यात्मिक	रा	3	26 × 10 × 14 × 64	प्रतिपूर्ण	17/वी प नैयणसी	
,,	,,	3	25 × 11 × 12 × 32	,,	,,	
धार्मिक क्रिया काड	स	9	31 × 15 × 20 × 66	त्रुटक	1868	
देवी भक्ति	,,	1	26 × 11 × 10 × 42	सपूर्ण 8 श्लोक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
38	के नाथ 29/92	चामुण्डा व क्षेत्रपाल-छद	Cāmuṇḍā & Kṣetrapāla Chanda	—	प
39	सेवामदिर 5 श्र 28	चौथमाता-कवित्त	Cauthamātā Kavitta	सेवक भवानीदास	,,
40	के नाथ 29/61	(केरडावाली) चौथमाता-कथा	(Keraḍā) ,, ,,	—	ग.
41	कोलडी 1305	,, ,,	,, ,, ,,	—	,,
42	कुथुनाथ 43/10	चौबीस भिन्न-2 गायत्री मत्र	24 Gāyatrī Mantras	—	प.
43	कोलडी 537	चौसठयोगिनी-स्तोत्र	64 Yogini Stotra	शकराचार्य	मूल पद्य
44	,, 533	,,	,, ,,	,,	,,
45	के नाथ गु 9	जगन्नाथ रथ-लीला	Jagannātha Ratha Līlā	माधवदासP/oजगन्नाथ	प.
46	कोलडी 857	जडभरत-प्रश्नावली	Jadabharata Praśnavālī	जडभरत	ग
47	,, 1274	जन्माष्टमी-व्रतकथा	Janmāṣṭami Vrata Kathā	ब्रह्माण्डपुराणे	प.
48	के नाथ गु 9	जय-जय	Jaya Jaya	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
49	,, 29/	जालन्धरनाथ स्तुति महिमाष्टक	Jālandhara Nātha Stuti etc	पीरचन्द्र	,,
50	सेवामदिर 5 श्र 27	जानकी-रामायण	Jānakī Rāmāyana	—	,,
51	के नाथ गुटका 9	तत्ववशावली	Tatva Vamśāvalī	रामचन्द्र	,,
52	मुनिसुव्रत 5 श्र 14	तत्त्वानुसधान	Tattvānusandhāna	महादेव सरस्वती	ग.
53	कुथुनाथ 14/59	त्रिपुरसुन्दरी-पूजा	Tripurasundarī Pūjā	—	प
54	श्रोसिया 4 श्र 10	दुर्गा-पाठ	Durgā Pātha	सकलित	,,
55	कुथुनाथ 29/12	दुर्गापाठ-सप्तशति	,, Saptaśatikā	मार्कण्डेयपुराणे	,,
56	कोलडी 1303	,, ,,	,, ,,	,,	,,
57	,, 1196	,, ,,	,, ,,	,,	,,
58	के नाथ 26/4	देवीकवच-सप्तशतिका-न्यास	Devī Kavaca Saptaśatikā Nyāsa	—	मूल गद्य
59	महावीर 5 श्र 8	,,	Devī Kavaca	हरिहरब्रह्मा	मूल पद्य
60	सेवामदिर 5 श्र 34	,, +अर्गला-स्तोत्र	,, +Argala Stotrā	,,	,,
61	मुनिसुव्रत 3 इ 246	,, +भवानी-स्तोत्र	,, +Bhavāni ,,	,,	,,
62	कोलडी गु 11/12	देवी+भैरव-छद	Devī+Bhairava Chanda	सकलन	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
देवी व देव भक्ति	रा	8	24 × 11 × 14 × 40	सपूर्ण 4 छद कुल गाथा 104	19वी	2 छद देवी के 2 छद क्षेत्रपाल
देवी भक्ति व्रत कथा	,,	2	24 × 11 × 22 × 68	अपूर्ण गाथा 41 से 73	1808 कनकपुर भवानीदाम	1808 की कृति
,,	,,	6	20 × 12 × 14 × 24	सपूर्ण	1882	
,,	,,	19	14 × 11 × 10 × 15	अपूर्ण दो प्रतियो के त्रुटक पत्रे	19वी	नापादि औसतन लिया है
धार्मिक मन्त्र	स	2	15 × 11 × 12 × 22	सपूर्ण 24 मत्र	,,	
व्यतर भक्ति	,,	3	30 × 11 × 13 × 30	,, 11 श्लोक	1843	
,,	,,	3	28 × 10 × 7 × 19	,, 17 श्लोक	19वी	
भक्ति लीला	रा	8	15 × 15 × 18 × 20	,, 61 गा	1716	
तात्त्विक	स.	14	31 × 11 × 9 × 30	,, 52 प्रश्नोत्तर	19वी जोधपुर स्वरूपचद	
धार्मिक क्रिया कथा	,,	5	21 × 10 × 9 × 20	,, 46 श्लोक	19वी	
भगवद् भक्ति	रा	5	15 × 15 × 18 × 20	,, 77 छद	1716	
नाथ सप्रदाय भक्ति	स रा	21	22 × 16 × 17 × 15	,, 5 स्तोत्र (कुल 54 गाथा)	19वी	9 पत्रे भजनो के हैं
सीताराम कथा	हि.	9	26 × 12 × 13 × 36	,,	1959	1813 की कृति
जगत् उत्पत्ति विचार	रा	2	15 × 15 × 18 × 20	,, 70 गाथा	1716	
ब्रह्मविद्या दार्शनिक	स,	32	31 × 14 × 12 × 37	,,	1878 × शिव-रामदास	
भक्ति स्तोत्र	,,	1	25 × 11 × 14 × 54	,, 17 श्लोक	19वी	
देवी भक्ति काव्य	,,	43	26 × 13 × 9 × 22	अपूर्ण 10 कवच तक	18वी	
,,	,,	73	21 × 11 × 7 × 22	सपूर्ण	1798	
,,	,,	16	15 × 10 × 12 × 20	,,	19वी	
,,	,,	17	21 × 14 × 12 × 25	अपूर्ण 2 अध्याय 32श्लो	,,	
,,	,;	5	24 × 13 × 14 × 38	सपूर्ण	,,	मत्र
,,	,,	4	21 × 11 × 10 × 34	,, 55 श्लोक	,,	
,,	,,	7	22 × 9 × 7 × 28	; 53+25 श्लोक	,,	
,,	,,	6*	23 × 10 × 12 × 22	,, 49+21 श्लोक	,,	
देव देवी भक्ति	स मा.	गु	16 × 15 × 17 × 25	प्रतिपूर्ण	1773	

1	2	3	3 A	4	5
63	कोलडी 1184B	देवी+भैरव छद	Devi+Bhairava Chanda	—	पद्य
64	कुथुनाथ 10/157	देवीसूक्त	Devi Sūkta	(वैदिक)	,,
65	कोलडी 1308	देवी-स्तोत्र	Devi Stotra	नध्वाचार्य	,,
66	महावीर 2 ग्र 27	धर्मसर्वस्वाधिकार	Dharma Sarvasva Adhikāra	सकलित	,,
67	,, 5 ग्र 9	,, ,,	,, ,,	,,	,,
68	के नाथ गु 9	ध्यान-लीला	Dhyāna Lilā	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
69	,, गु 9	ध्रुव-चरित्र	Dhruva Caritra	—	,,
70	,, गु 3	,,	,,	—	,,
71	कुथुनाथ 46-3	,,	,,	—	,,
72	,, 15/23	नर्मदा-स्तोत्र	Nar Madā Stotra	—	,,
73	,, 46/3	नरसीमेहता की हुडी	Narasi Mehatā ki Hundi	नरसीभगत	,,
74	मेवामदिर 5 ग्र 36	नवरात्रि+शिवरात्रि-कथा	Nava+Śiva Rātri Kathā	महादेवोक्त	ग
75	के नाथ 15/50	नद-बत्तीसी	Nanda Battisi	—	प (सवाद)
76	कुथुनाथ 48/1	नागदमन-छद	Nāgadamana Chanda	चन्दिदास ?	प.
77	ओसिया 3 इ 195	,,	,,	—	,
78	के नाथ गु 8	,,	,,	—	,,
79	कोलडी 11/11गु	,,	,,	—	,,
80	कुथुनाथ 19/3	नचिकेत-यम-कथा	Naciketa Yama Kathā	—	ग.
81	,, 2/2	,,	,,	—	,,
82	के नाथ गु 2	,,	,,	—	,,
83	सेवामदिर 5 ग्र 18	निर्जला-व्रत	Nirjalā Vrata	ब्रह्म वैवर्त्तपुराणे	,,
84	कुथुनाथ 40/2	निंदा-स्तुति	Nindā Stuti	ईसरदास	प
85	मेवामदिर गु दे 15	पद्म-पुष्पाञ्जली	Padma Puṣpāñjali	रामकृष्ण कवि	,,
86	,, गु ति. 2	परशराम-गजल	Paraśarāma Gajala	यतिजयचन्द्र	,,
87	के नाथ 29/69	पश्चिमीधीश का-छद	Paścimidhiśa kā Chanda	कविविदुर	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
देव देवी भक्ति	मा	2	25×10×12×36	सपूर्ण	19वी	
देवी भक्ति स्तोत्र	स.	2	16×11×8×16	,, 8 श्लोक	,,	
,,	,,	4	27×12×9×27	,, 22 श्लोक	,,	
पौराणिक-उद्धरण	,,	4	30×14×16×56	,, 148 श्लोक	1961 जयपुर	जैनत्व मे मिलते-जुलते
,,	,,	22	21×13×11×19	प्रतिपूर्ण	19वी	
कृष्ण रास-सबधी	रा	4	15×15×18×20	सपूर्ण 80 गा	1716	
भक्त जीवनी	,,	4	23×16×17×27	,,	18वी	
,,	,,	7	23×16×17×27	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	गु.	17×12×17×12	सपूर्ण 92 छद	1919	
देवी भक्ति	स,	4	16×7×6×20	,, 11 श्लोक	1875	
प्रभु भक्ति	गु	4	17×12×11×10	,,	1919	
व्रत कथा	रा	9	24×11×10×32	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	19वी	
औपदेशिक	स	2	25×11×11×28	सपूर्ण 32 श्लोक	,,	
कृष्ण जीवन प्रसग भक्ति	रा	गु	15×13×10×15	,, 124 छद	1770	
,,	,,	6	26×12×16×37	,, 127 छद	18वी वाकर-ग्राम मुक्तिविजै	
,,	,,	13	16×14×17×17	,, 128 छद	1810	
,,	,,	गु.	14×11×10×11	,,	1810	
तात्त्विक विवेचन	,,	24	18×15×15×21	,,	1793	
,,	,,	11	26×11×15×54	,,	1795	
,,	,,	17	22×18×14×27	,, 18 अध्याय	1813	
पर्व-कथा	स	13	26×11×17×48	अपूर्ण (1360 ग्र कुल के)	17वी	
कृष्ण-लीला	रा	22	15×26×30×35	सपूर्ण 304 गा.	1739	
भक्ति-गीत	स.	5	16×12×13×19	, 32 श्लोक	1874	
परशुअवतार तीर्थ वर्णन	मा	3	18×13×22×37	;, 88 गा	19वी	1874 की कृति, अत में 4 देशी छद
भक्ति	रा	1	24×11×13×45	,, 23 गा	1773	

1	2	3	3 A	4	5
88	के नाथ गु 9	पचाध्याय-रास	Pañcādhyāya Rāsa	—	प
89	,, 29/87	पाबुजी के दोहे	Pābūjī ke Dohe	—	,,
90	कुथुनाथ 48/1	पाडव-गीता	Pāṇḍava Gītā	—	,,
91	कोलडी 797	,,	,,	महाभारत-शातिपर्व	,,
92	सेवामदिर 5 ग्र 23	पौराणिक श्लोक-सग्रह	Paurānika Śloka Sangraha	सकलन	,,
93	ग्रोसिया 5 ग्र 2	,,	,,	,,	,,
94	के नाथ 29/64	(देवी) प्रभाव-कथन	(Devī) Prabhāva Kathana	—	,,
95	कोलडी 944	प्रश्नोत्तरी-रत्नमाला	Praśnottarī Ratnamālā	शकराचार्य (गोविंद शिष्य)	,,
96	कुथुनाथ 46/3	प्रहलाद-चरित्र	Prahlāda Caritra	—	,,
97	कोलडी 903	बटुक गणपति-स्तुति	Batuka Ganapati Stuti	—	,,
98	कुथुनाथ 14/61	,, भैरव-सहस्रनाम	,, Bhairava Sahasra-nāma	—	,,
99	के नाथ 29/73	,, भैरव-स्तोत्र	,, Stotra	रुद्रयामले	,,
100	कोलडी 526	,, ,,	,, ,,	,,	,,
101	कुथुनाथ 35/38	,, ,,	,, ,,	—	,,
102	,, 14/62	,, ,, मत्र	,, ,, Mantra	—	,,
103	कोलडी 1176	,, ,, व साधना	,, ,, & Sādhanā	महादेवोक्त	,,
104	के नाथ गु 9	बाल-लीला	Bāla Līlā	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
105	कोलडी 9/14	बौद्धावतार	Baudhāvatāra	नरहर	ग.
106	के नाथ गु 9	ब्रह्म जिज्ञासा-स्तोत्र	Brahma Jijñāsāstotra	—	प
107	कोलडी 523	भगवतीमानस-पूजा	Bhagavatī Mānasa Pūjā	शकराचार्य	मू प.
108	के नाथ 27/27	भगवद्गीता	Bhagavad Gītā	वेदव्यास	मूल पद्य
109	कुथुनाथ 49	,, -सार्थ	,,	,, /-	मू+अनुवाद (गद्य मे)
110	कोलडी 983	,, -सटीक	,,	,, /श्रीधर	मू + व्याख्या (गद्य मे)
111	कुथुनाथ 6/109	,, ,,	,,	,, /कालूरामविप्र	,, ,,
112	सेवामदिर 5 ग्र20	,, ,,	,,	,, /श्रीधर	,, ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
कृष्ण जीवन भक्ति	रा	6	15 × 15 × 18 × 20	सपूर्ण 30 गा	1716	
देवता भक्ति	,,	1	28 × 10 × 15 × 50	अपूर्ण 31 से 60	1849	
भक्ति नमस्कार	स	गुटका	15 × 13 × 10 × 15	सपूर्ण 59 श्लोक	1770	
,	,,	4	25 × 11 × 12 × 45	,, 101 श्लोक	1853	
जैनसम्मत-उद्धरण	,,	13	23 × 11 × 14 × 29	अपूर्ण (पन्ना 3 व 8 कम)	18वी हलाकडी जिनदत्त	
,,	,,	2	43 × 11 × 18 × 70	प्रतिपूर्ण	1924 बीकानेर देवगुप्तसूरि	
देवी-स्तुति	प्रा रा	10	19 × 9 × 8 × 24	सपूर्ण 30+20 गा	19वी	
आध्यात्मिक	स	2	26 × 10 × —	, 32 प्रश्नोत्तर	,,	
भक्त-जीवनी	रा	गु	17 × 12 × 17 × 12	,, 81 छद	1919	
देवता-भक्ति	स	2	22 × 11 × 10 × 44	,, 10 श्लोक	19वी	
,,	,,	5	22 × 10 × 10 × 40	,, 66 श्लोक	,,	
,,	,,	5	26 × 11 × 11 × 30	,, 75 श्लोक	,,	
,,	,,	10	28 × 11 × 7 × 19	, 76 श्लोक	,,	
,,	,,	10	13 × 11 × 10 × 8	अपूर्ण	,,	
,,	,,	6	15 × 11 × 8 × 24	सपूर्ण	1834	
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 36	स्तोत्र-पूर्ण, विधि अपूर्ण	19वी	
कृष्णजीवन-भक्ति	रा	3	15 × 15 × 18 × 20	मपूर्ण 61 छद	1716	
वैष्णवाम्नायानुमार	,,	गु	17 × 12 × 10 × 22	,,	1800	
तात्विक-भक्ति	,,	5	15 × 15 × 18 × 20	,,	1716	अत मे 35 गा का भक्ति छद
देवी-भक्ति	म	8	26 × 14 × 16 × 24	,, 71 श्लोक	19वी	
धर्म-शास्त्र	,,	39	26 × 10 × 12 × 35	,, 18 अध्याय	17वी	अतिम पन्ना कम
,,	स रा	100	31 × 23 × 27 × 26	,,	1806	
,,	स	93	32 × 15 × 12 × 62	,, 701 श्लोक	1857	
,,	स रा	202	23 × 14 × 9 × 22	,, 700 श्लोक	1877	
,,	रा	76	33 × 17 × 15 × 46	,, ,,	1923	

1	2	3	3 A	4	5
113	कोलडी 3/3	भगवद्गीता का बालावबोध	Bhagavad Gitā kā Bālā-vabodha	—	ग.
114	कोलडी गु 10/6	भजन-सग्रह	Bhajana Saṅgraha	सकलन	प.
115	ग्रोसिया 5 ग्र 4	भवानी-छद	Bhavānī Chanda	—	,,
116	मुनिसुव्रत 5 ग्र 43	भवानी-सहस्रनाम	,, Sahasranāma	रुद्रयामलतन्त्रे	,,
117	कोलडी 1297	,,	,, ,,	,,	,,
118	कोलडी 531	,,	,, ,,	नदीकेश्वरसवादे	,,
119-20	ग्रोसिया 5 ग्र 6 व 7	भवान्या-पुष्पाजली 2 प्रतिया	Bhavānyā Puṣpāñjalī 2 copies	रामकृष्ण	,,
121	के नाथ 28/7	भागवत	Bhāgavata	वेदव्यास	,,
122	के नाथ 28/8	,,	,,	,,	,,
123	के नाथ 28/9	,,	,,	,	,,
124	कोलडी 506	भुवनेश्वरी वृद्ध-स्तोत्र	Bhuvaneśvarī Vrdha Stotra	पृथ्वीधराचार्य	,,
125	के नाथ 19/58	,,	, ,,	,,	,,
126	महावीर 3 इ 355	भैरवाष्टक	Bhairavāṣṭaka	—	,,
127	कोलडी 825A	,,	,,	—	,,
128	कुंथुनाथ 10/132	,,	,,	—	,,
129	कुंथुनाथ 45/3	मनसावाचा की कथा	Manasāvācā kī Kathā	महादेवोक्त	ग.
130	सेवामंदर 5 ग्र 44	,, ,,	,,	,,	,,
131	के नाथ 17/18	मरकतेश्वर-प्रशस्ति	Marakateśvara Praśasti	जयवर्म्मदेव	,,
132	कोलडी गु 6/1	महादेव-लीला	Mahādeva Līlā	—	प.
133	के नाथ गु 3	,, -व्याह	,, Vyāha	जसनीत्ति	,,
134	सेवामदिर 5 ग्र 41	महान्यास	Mahānyāsa	—	ग.प मत्र
135	के नाथ 28,9A	महाभारत	Mahābhārata	वेदव्यास	प मूल
136	,, 28/3	,,	,,	,,	,,
137	,, 28/4	,,	,,	,,	,,
138	के नाथ 28/6	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
धर्मशास्त्र	रा.	60	18 × 10 × 12 × 31	सपूर्ण 18 अध्याय	1795	
भक्ति व नैतिक पद	,,	3	22 × 16 × 30 × 33	प्रतिपूर्ण	19वी	
देवी-स्तुति	,,	2	21 × 11 × 11 × 28	सपूर्ण 22 पद	20वी	
देवी भक्ति	स	12	25 × 11 × 9 × 37	,,	1760	
,,	,,	10	14 × 10 × 13 × 27	,, 103 श्लोक	19वी	
,,	,,	9	31 × 12 × 11 × 40	,, 203 श्लोक	,,	
,,	,,	2,2	24 × 11 × 13 × 43	,, 29 श्लोक	1858,1875	
धर्म भक्ति-शास्त्र	,,	52	33 × 14 × 12 × 64	अपूर्ण 6 स्कध 18अध्याय	17वी	
,,	,,	22	27 × 13 × 15 × 34	त्रुटक 8वा स्कन्ध	,	
,,	,,	5	32 × 15 × 19 × 56	,, 9वा स्कन्ध	19वी	
देवी भक्ति	,,	3	30 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण 46 श्लोक	18वी	
,,	,,	5	26 × 13 × 12 × 35	,, 50 श्लोक	1845	(सिद्ध सारस्वत नाम)
देवता भक्ति	,,	1	26 × 13 × 13 × 52	,, 10 श्लोक	18वी	
,,	,,	2	30 × 11 × 11 × 40	,, 8 श्लोक	19वी	
,,	,,	1	26 × 12 × 14 × 36	,, 10 श्लोक	20वी	
व्रतकथा	रा	26	18 × 13 × 10 × 21	,,	1871	अत मे 1 पन्ना श्रृ गारी कवित्त
,,	,,	11	16 × 11 × 9 × 18	अपूर्ण	20वी	
उत्कीर्ण प्रशस्ति की प्रति	स	3	30 × 16 × 17 × 43	सपूर्ण	19वी	स 1019 व 1173 मे उत्कीर्ण की हुई
महादेव जीवन-भक्ति	रा	गुटका	21 × 14 × 23 × 20	,, 18 छद	1870	
,,	,,	4	23 × 16 × 16 × 21	,, 28 छद	18वी	
रुद्र अर्चना विधि	,,	13	22 × 10 × 7 × 32	अपूर्ण	17वी	
धार्मिक इतिहास	,,	12	29 × 13 × 12 × 62	आदिपर्व-अपूर्ण	18वी	
,	,	7	27 × 12 × 10 × 38	प्रस्थानिकपर्व	1745	
,,	,,	91	28 × 12 × 10 × 48	विराट्पर्व	18वी	
,,	,,	59	29 × 13 × 10 × 44	शल्यपर्व अपूर्ण	,,	अध्याय 2 से 28तक

1	2	3	3 A	4	5
139	के नाथ 11/12	महाभारत	Mahābhārata	वेदव्यास	प मूल
140	कालडी 525	महालक्ष्मी-सहस्रनाम	Mahālakṣmī Sahasranāma	,,	,,
141	मुनिसुव्रत 3 इ 246	,, -स्तोत्र	,, Stotra	—	,,
142	कोणडी 524	,, ,,	,, ,,	रामचन्द्र	,,
143	सेवामदिर 5 ग्र 31	,, ,,	,, ,,	भैरवदत्त शर्मा	प.
144	महावीर 3 इ 141	,, ,,	,, ,,	—	,,
145	कुथुनाथ 14/52	मगलाष्टक	Manglāstaka	कानीदास	,,
146	के नाथ 29/71	मातगीकल्प+सर्वत स्तोत्रादि	Mātaṅgī Kalpa+Sarvatah etc.	महादेवोक्त, स्वरतन्त्रे	,,
147	कोलडी गु 4/11	मानसी-पूजा	Mānasī Pūjā	शिवनाथ	,,
148	ओसिया 5 ग्र 1	मार्कण्डेयपुराण	Mārkaṇḍeya Purāṇa	—	,,
149	सेवामदिर 5 ग्र 35	,,	,, ,,	—	,,
150	मुनिसुव्रत 4 ग्रा 9	,, -भोगलपुराण	,, Bhogala Purāna	गौरी-शकर-सवाद	प ग.
151	सेवामदिर 5 ग्र(?)	मोक्ष-एकादशी	Mokṣa Ekādaśī	ब्रह्मवैवर्त-पुराणे	,,
152	,, (?)	यज्ञादिविधि	Yjñādi Vidhi	—	प.
153	,, (?)	यज्ञोपवीत-पद्धत्ति	Yjñopavīta Paddhatti	यजुर्वेदे	ग प मत्र
154	कुथुनाथ (?)	योगवासिष्ठ-सार	Yogavāsiṣṭhasāra	—	प.
155	के नाथ (?)	रघुनाथ-लीला	Raghunātha Līlā	माधवदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
156	,, (?)	रामकृष्णकाव्य-सटीक	Rāmakṛṣna Kāvya with Tikā	—	मू व्याख्या(प ग.)
157	सेवामदिर 5 ग्र 32	राम-पद्धति	Rāma Paddhatti	रामानुज	ग
158	के नाथ 29/76	राम-सहस्रनाम	Rāma Sahasranāma	—	प
159	,	रामायण-कथा	Rāmāyana Kathā	अज्ञात	,,
160	,, गु 3	रुक्मिणी-व्याह	Rukmini Vyāha	कृष्णदास	,,
161	,, गु 9	,, -स्वयवर	,, Svayamvara	माधोदास (जगन्नाथ शिष्य)	,,
162	सेवामदिर 3 इ 345	लक्ष्मी-विचार	Laksmī Vicāra	—	ग
163	कुथुनाथ 10/186	,, -सूक्त	,, Sūkta	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
धार्मिक इतिहास	स	12	28 × 12 × 10 × 26	स्वर्गारोहणपर्व	1745	
देवीभक्ति	,,	11	26 × 10 × 10 × 34	सपूर्ण 166 श्लोक	18वी	
,,	,,	6अ	23 × 10 × 12 × 22	,,	,,	
,,	,,	4	26 × 10 × 11 × 16	,, 30 श्लोक	19वी	
,,	,,	11	22 × 13 × 8 × 28	,, 53 श्लोक	1944	
,,	,,	7	20 × 10 × 7 × 18	,, 31 श्लोक	20वी	
,,	,,	1	25 × 10 × 18 × 42	,, 21 श्लोक	19वी	
भक्ति मत्र-तत्र	,,	9	25 × 11 × 13 × 42	प्रतिपूर्ण	,,	
भक्ति-काव्य	मा.	12	14 × 10 × 12 × 23	अपूर्ण 73 छद	,,	
धार्मिक-कथाये	स.	24	27 × 13 × 11 × 42	सपूर्ण 13 अध्याय 700 मत्र 578 श्लोक	17वी	
,,	,,	53	21 × 10 × 7 × 30	अपूर्ण (2 से 10 अध्याय पूरे)	18वी	
,,	रा	9	26 × 11 × 15 × 40	सपूर्ण	19वी	
कार्तिक एकादशी व्रत कथा	स.	8	26 × 11 × 17 × 66	,,	17वी	
धार्मिक क्रिया काड विधि	,,	19	24 × 13 × 10 × 28	अपूर्ण 7 से 268 श्लोक	19वी	
उपनयन सस्कार	,,	9	20 × 10 × 9 × 34	सपूर्ण (केवल प्रथम पन्ना कम)	1859जोटवाडा भूपतिराय	
तात्त्विक-औपदेशिक	,,	7	28 × 14 × 18 × 54	,, 10 प्रकरण	19वी	
रामकथा	रा	14	15 × 15 × 18 × 20	,, 268 छद	1716	
भक्तिकथा	स	18	26 × 11 × 12 × 37	अपूर्ण 37 श्लोक तक ही	19वी	
अर्चना-विधि	,,	10	23 × 11 × 10 × 28	सपूर्ण	18वी	
भक्ति-स्तोत्र	,,	6	23 × 10 × 10 × 38	अपूर्ण 79 श्लोक तक है	17वी	
राम सीता-कथा	रा	41	21 × 13 × 15 × 35	,, छद 24 से 1006	20वी	
कृष्णजीवन-प्रसग	,,	5	23 × 16 × 17 × 21	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	11	15 × 15 × 18 × 20	,, 229 छद	1716	
वृत्तात व भक्ति	स	1	25 × 10 × 15 × 50	,,	19वी	
भक्ति-स्तोत्र	,,	3	22 × 11 × 6 × 20	,,	,,	जीर्ण

1	2	3	3 A	4	5
164	मुनिसुव्रत 5 अ 15	लघुआदित्य-हृदय-स्तोत्र	Laghu Āditya Hṛdaya Stotra	पद्मपुराण	प
165	श्रीमिया 3 ट 264	लघु-स्तोत्र	Laghu Stotra	शंकराचार्य	,,
166-68	कोतडी 511-3	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
169	,, 514	,, सह-बालावबोध	,,	,, /	मू बा (प ग)
170	नवामंदिर 5 अ 38	विष्णुनामापामार्जन-स्तोत्र	Viṣṇu Nāmāpāmārjana Stotra	धर्मोत्तर-पुराण	प
171	कोतडी 1309	विष्णुपंजर-स्तोत्र	,, Pañjara Stotra	ब्रह्माण्डपुराण	,,
172	,, गु 7/4	विष्णुसहस्रनाम-सटीक	,, Sahasranāma	पद्मपुराण	मू × टी (प ग)
173	कुंथुनाथ 48/1	,,	,, ,,	—	प
174	श्रीमिया 5 अ 5	,, -स्तोत्र	,, Stotra	महाभारत शांतिपर्व	,,
175	कोतडी 861	शक्ति-भक्ति	Śaktibhakti	मुनी नारायण	,,
176	कुंथुनाथ 2/28	शिव-अष्टक	Śivāṣṭaka	—	,,
177	कोतडी 543	शिवमहिम्न-स्तोत्र	Śiva Mahimna Stotra	पुष्पदन्त	मू प
178	नवामंदिर 5 अ 42	,,	,,	,,	,,
179	कुंथुनाथ 12/204	,,	,,	,,	,,
180-81	केशनाथ 29/70 व 83	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,,
182	कुंथुनाथ 12/216A	शीतला-स्तोत्र	Śitalā Stotra	—	प
183	नवामंदिर 5 अ 30	श्राद्ध-प्रकरण	Śrāddha Prakaraṇa	—	,,
184	केशनाथ 8/15	श्लोक संग्रह	Śloka Saṅgraha	रघुनन्दन	,,
185	,, गु 16	सगुण	Saguṇa	तुलसीदास	,,
186	महावीर 3 ट 156	सरस्वती-स्तोत्र	Sarasvati Stotra	सनत्कुमार संहिता से	,,
187	कुंथुनाथ 16/10	,,	,,	,,	,,
188	नवामंदिर 5 अ 29	सहस्रनाम	Sahasranāma	—	,,
189	केशनाथ 22/39	सिद्धसारस्वत भुवनेश्वरी-स्तोत्र	Siddha Sārasvata (B) Stotra	पृथ्वीधर	,,
190	,, गु 3	सीताजू ब्याहलौ	Sitājū Vyāhalau	हेतदास	,,
191	कुंथुनाथ 17/16	सुदामा-चरित्र	Sudāmā Caritra	कवलानंद	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सूर्यभक्ति-स्तोत्र	स	6	16 × 10 × 7 × 17	सपूर्ण 36 श्लोक	16वी	सूर्यापरण
सरस्वती-भक्ति	,,	4	25 × 12 × 9 × 36	,, 21 श्लोक	18वी	अपरनाम त्रिपुरा स्तोत्र
,,	,,	4,4,4	24 से 31 × 11 से 13	,, ,,	19/20वी	,,
,,	स रा	8	31 × 12 × 18 × 33	,, 22 श्लोक	1906	,,
विष्णु-भक्ति	स	13	21 × 10 × 10 × 30	लगभग पूर्ण	1769 गुलर, वृन्दावन	पहिला पन्ना अन्य है
,,	,,	3	15 × 11 × 12 × 19	सपूर्ण 23 श्लोक	19वी	
,,	स रा	गु	23 × 15 × 11 × 23	,, 252 छद	1746	
,,	स	गु	15 × 13 × 10 × 15	,, 260 श्लोक	1770	
,,	,,	14	21 × 12 × 9 × 26	,, 158 श्लोक	18वी	
देवी-भक्ति	रा	11	24 × 12 × 17 × 49	,, 8 प्रकरण	1893	
भक्ति-स्तोत्र	स	3	16 × 10 × 7 × 22	,, 8 श्लोक	19वी	
शैव-भक्ति	,,	8	26 × 11 × 7 × 31	,, 44 श्लोक	1838	
,,	,,	7	22 × 9 × भिन्न 2	, 42 श्लोक	19वी	
,,	,,	13	15 × 8 × 6 × 22	अपूर्ण (प्रथम 3 श्लोक नही है)	1885	
,,	,,	6,6	24 × 11 व 23 × 12	सपूर्ण 40 व 32 श्लोक	1929 व अर्वाचीन	
देवी-भक्ति	,,	5	18 × 8 × 4 × 30	,, 12 श्लोक	1910	पहिला पन्ना मत्रो का नही है
मृतक क्रिया-कर्म	,,	12	22 × 10 × 9 × 32	अपूर्ण 131 श्लोक	19वी	
शास्त्रो से उद्धृत	,,	7	27 × 12 × 12 × 38	प्रतिपूर्ण 162 श्लोक	1830	जैन-सम्मत
राम-कथा	हि	20	15 × 15 × 16 × 17	सपूर्ण 7 सर्ग (343 छद)	1846	
विद्यादेवी-स्तुति	स	2	20 × 11 × 10 × 27	,, 12 श्लोक	19वी	
,,	,,	4	26 × 13 × 8 × 32	,, 11 श्लोक	1946	
भक्ति-स्तोत्र	,,	6	23 × 13 × 9 × 29	अपूर्ण 25 से 99 श्लोक	18वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 12 × 35	सपूर्ण 49 श्लोक	19वी	
सीता विवाह-कथा	हि	7	23 × 16 × 14 × 20	,,	18वी	
सुदामा-जीवनी	रा	4	20 × 10 × 11 × 28	,, 30 गा	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
192	के.नाथ गु 3	सुदामा-चरित्र	Sudāmā Caritra	कवलानंद	प.
193	कुंथुनाथ 14/57	सूर्य-उपस्थानादि	Sūrya Upasthānādı	—	,,
194	कोलडी 1302	सूर्यभैरव शनि-स्तोत्राणि	Sūrya Bhairava Stotras	—	,,
195	सेवामदिर 7 उ 3	सूर्य-सहस्रनाम	Sūrya Sahasranāma	—	,,
196	के नाथ 29/78	सूर्य-स्तुति	Sūrya Stuti	पुराणोक्त	,,
197	धांसिया 5 अ 12	सौन्दर्यलहरी सटीक	Saundarya Lahari	आद्य शंकराचार्य	मू + व्या(प ग)
198	के नाथ 29/82	,, ,,	,, ,,	,,	प
199	,, गु 26 ?	स्नेह लीला	Sneha Līlā	—	,,
200	कोलडी 869	स्वस्तिवाचन	Svasti Vācana	दानगढ़ोरा	प ग
201	सेवामदिर 5 अ 7	स्वात्मानंद प्रकाशिका	Svātmānanda Prakāśika	—	प.
202	के नाथ 29/80	हरसिद्ध भवानी-छंद	Harasiddhi Bhavāni Chanda	—	,,
203	कोलडी गु 10/7	हरिरस	Harirasa	ईश्वरदास बारहठ	,,
204	कुंथुनाथ 48/1	,,	,,	,,	,,
205	,, 31/1	,,	,,	,,	,,
206	कोलडी 864	,,	,,	,,	,,
207	कोलडी 865	हरिलीला	Hari Līlā	भागवती कथा	,,
208-9	कोलडी बस्ता 71,69	स्फुट अपूर्ण व नपग्रग व त्रुटक पत्रे (दो बस्ते)	Incomplete & Stray folios	भिन्न-2	ग.प.
210	के नाथ 28/24	,, ,,	,, ,,	,,	,,
211	के नाथ 11/27	सप्तपदार्थी	Saptapadārthī	शिवादित्य	मू ग.
212	,, 22/39	,,	,,	,,	,,
213	कुंथुनाथ 37/7	,,	,,	,,	,,
214	सेवामदिर 2/361	,, -सटीक	,, +Tikā	,, /	मू+वृ (ग)
215	के नाथ 7/32	,, -की टीका	,, +ki Tikā	माधव-सरस्वती	ग
216	महावीर 6 अ 18	सिद्धान्त-मञ्जरी	Siddhānta Mañjari	जानकीनाथ	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सुदामा-जीवनी	रा	4	23 × 16 × 15 × 21	सपूर्ण 31 गा	18वी	
सूर्य-भक्ति	स	1	20 × 10 × 11 × 24	,, 5 श्लोक	19वी	
ग्रह व देवता-स्तुति	,,	13	14 × 10 × 10 × 16	,, 8+8+8+50 श्लोक	,,	कुल 4 स्तोत्र
सूर्य-भक्ति	,,	13	14 × 10 × 9 × 17	,, 104 श्लोक	,,	
,	,,	11	21 × 10 × 8 × 32	त्रुटक	,,	
देवी भक्ति-काव्य	,,	15	25 × 12 × 15 × 52	सपूर्ण 102 श्लोक	18वी	
,,	,,	3	27 × 11 × 21 × 67	अपूर्ण 97 श्लोक तक	19वी	
गोपीकृष्ण उद्धव प्रकरण	हि	गु	13 × 12 × 10 × 10	,, 68 छद	,	
ब्राह्मणदान-सुपात्रता	स	12	22 × 10 × 8 × 26	सपूर्ण	1858	
आध्यात्मिक	,,	13	21 × 22 × 7 × 44	अपूर्ण 145 श्लोक	18वी	
देवी-माहात्म्य	रा	1	25 × 11 × 32 × 54	सपूर्ण 65 छद	1747	
कृष्णभक्ति-काव्य	हिं.	गु	19 × 15 × 14 × 27	,, 186 छद	1767	
,,	,,	गु	15 × 13 × 10 × 15	,, 164 छद	1770	
,,	,,	16	21 × 11 × 13 × 55	,, 203 छद	1795	
,,	,,	5	24 × 11 × 18 × 58	,, 162 छद	19वी	
,,	रा.	24	27 × 11 × 20 × 34	अपूर्ण 8 कला	,,	
विविध जैनेतर-भक्ति	स रा	97	24 से 30 × 10 से 15	पूर्ण-अपूर्ण	18/20वी	
,,	,	150	23 से 27 × 10 से 16	,,	,,	
वैषेशिक-न्यायग्रथ	स	5	25 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण	1733	
,,	,,	4	24 × 11 × 15 × 46	,,	1743	
,,	,,	4	27 × 11 × 19 × 42	,,	19वी	
,,	,,	15	24 × 11 × 17 × 48	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	26	25 × 11 × 15 × 54	सपूर्ण ग्र 1700	19वी	
न्याय	,,	23	27 × 12 × 18 × 42	,,	17वी	

1	2	3	3 A	4	5
नोट :– प्रथम प्रविष्टि का अकारादिक्रम भंग है					
217	के नाथ 2/18	तत्त्व-चितामणि	Tattva Cıntāmanı	गगेश्वर	ग
218	के नाथ 21/101	तर्कपरिभाषा की टीका	Tarka Parıbhāṣā kī Tikā	केशव/चिन्न भट्ट	,,
219	महावीर 6 आ 22	,, ,,	,, ,,	,,	,,
220	ओसिया 6 आ 27	तर्क-भाषा	Tarka Bhāsā	केशवमिश्र	,,
221	के नाथ 2/11	,,	,,	,,	,,
222-23	,, 14/70, 16/28	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
224	,, 23/62	,, की टीका	,, kī Tikā	—	,,
225	,, 15/115	,, की व्याख्या	,, kī Vyākhyā	गगाधर (सुत ?)	,,
226	कोलडी 1184A	तर्क-वाद	Tarkavāda	—	,,
227	ओसिया 6 आ 30	तर्क सग्रह	Tarka Sangraha	अन्न भट्ट	मू ग
228	के नाथ 14/19	,,	,,	,,	,,
229	ओसिया 6 आ 24	,, -सटीक	,,	,, /चद्रजसिह	मू+वृ (ग)
230	के नाथ 14/55	,, -दीपिकासह	,,	,, /—	,,
231-3	, 22/14,10 99,11/10, 11 14-56, 76,24/11	,, 7 प्रतिया	,, 7 copies	,,	मू ग
238-40	कोलडी 837, 1005 6	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
241-42	सेयामदिर 6 आ 32 35	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
243	ओसिया 6 आ 25	,, -की दीपिका	,, kī Dipıkā	—	ग (टीका)
244	,, 6 आ 28/29	,, ,,	,, ,,	—	,,
245-46	के नाथ 9/31, 10/85	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	—	,,
247	महावीर 6 आ 17	,, -फक्किका	,, Fakkıkā	क्षमाकल्याण	,,
248	के नाथ 11/52	,, ,,	,, ,,	—	,,
249	ओसिया 6 आ 26	तर्कामृत	Tarkāmṛta	जगदीश भट्टाचार्य	,,
250	के नाथ 10/22	तार्किक-रक्षा	Tārkıka Rakṣā	वरदराज	ग
251	,, 29/95	,, -की व्याख्या	,, ,, kī Vyākhyā	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
न्याय-ग्रथ	स	50	26 × 11 × 16 × 45	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	23	27 × 11 × 26 × 75	,, ग्रथाग्र 2000	17वी × हर्ष मदिरगरिण	प्रकाशिका नाम्नी
,,	,,	46	26 × 11 × 19 × 48	,,	1750 × रूप-सागर	
,,	,,	48	25 × 11 × 8 × 29	,, ग्रथाग्र 715	16वी सुमति-विजय	
,,	,,	22	25 × 11 × 13 × 45	,,	17वी	
,,	,,	17,23	26 × 11 × 15 × 48/59	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	19वी	
,,	,,	15	26 × 11 × 19 × 55	सपूर्ण	,	
,,	,	17	26 × 11 × 17 × 58	,, ग्र 1274	,,	
,,	,,	1	25 × 11 × 18 × 46	,,	,,	
,	,,	6	25 × 11 × 11 × 41	,,	17वी	
कणाद-न्याय	,,	3	25 × 11 × 14 × 45	,,	1763	
,,	,,	11	26 × 11 × 13 × 61	,,	18वी	
,,	,,	17	26 × 11 × 11 × 44	,,	1860	
,,	,,	4 2,8, 4,6,3, 7	25 से 26 × 11 से 13	,, (केवल अतिम प्रति अपूर्ण	1802 से 20वी	
,,	,,	8,5,6	21 से 28 × 12 से 13	,,	19/20वी	
,,	,,	7,7	20 से 25 × 11	,,	1936-9 पाली	
,,	,,	9	26 × 11 × 17 × 54	,,	1824विक्रमपुर बखतसुदर	मूल की टीका
,,	,,	22	25 × 11 × 10 × 43	,,	1895	,,
,,	,	17,9	26 × 14 व 26 × 11	,,	19वी	,,
,,	,,	18	26 × 12 × 16 × 45	,,	18वी	,
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 55	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 49	सपूर्ण	16वी	तर्क सग्रह की टीका
न्याय-ग्रथ	,,	5	27 × 11 × 16 × 43	,, 3 परिच्छेद	19वी	
,,	,,	13	26 × 11 × 14 × 68	अपूर्ण बीच के पन्ने 24 से 36 तक	,,	लघु दीपिका नाम्नी

1	2	3	3 A	4	5
1	महावीर 3 इ 151	अकडम-चक्रम्	Akadama Cakram	—	प ग
2	,, 3 इ 354	अदृश्यता-विधि व यत्र	Adrśyatā Vıdhı Yantra	—	ग तालि
3	कुथुनाथ 13/	अमृत-धुन	Amrtadhuna	—	प मत्र
4	महावीर 3 इ 354	अष्टगध विधि व मत्र-यत्र	Aṣtagandha Vıdhı & Mantra-yantra	—	ग
5	,, ,,	अगन्यास मत्र	Anga-nyāsa-mantra	—	पद्य मत्र
6	,, ,,	आधाशिरनहरूवादि मत्र-यत्र	Ādhāśıra Naharūvādı Mantra-yantra	—	ग
7	कुथुनाथ 18/37	आधाशीशी-कथा	Ādhāśīśī Kathā	—	,,
8	,, 19/4	,, -मत्र	,, Mantra	—	,,
9	कोलडी 505	इन्द्राक्षी-स्तोत्र	Indrākṣī Stotra	—	प.
10	,, 944	,,	,, ,	--	,,
11	के नाथ 22/34	उद्धार-कोश	Uddhāra Kośa	मुनि दाक्षिण्यमूर्त्ति	ग
12	महावीर 3 इ 87	ऋषिमडल-स्तोत्र आराधन विधि-सह	Rsımandala Stotra Ārādhanā Vıdhısaha	—	प ग
13	,, 3 इ 83	,, +मत्र विधि	,, +Mantra-vıdhı	—	,,
14	,, 3 इ 85	,, ,,	, ,,	—	ग
15	,, 3 आ 48	,, -स्तव यत्र लेखन	,, Stava Yantra Lekhana	—	पद्य
16	,, 3 इ 356	,, -पट दो	,, -Pata (Two)	—	यत्र
17	,, 3 इ 345	एकाक्षी नारिकेलकल्प	Ekākṣī Nārıkela Kalpa	—	ग मत्र
18	,, 3 इ 258	ॐनमो जल्लोसडी पचाणआदि	Om Namo Jallosadī Pacānam (etc)	—	ग प
19	कोलडी गु. 1/27	औषध मत्र-तत्र	Auṣadha, Mantra-tantra	—	ग
20	महावीर 7 इ 8	,, -मत्र	,, -Mantra	—	,,
21	,, 3 इ 354	कर्णपिशाचिनी मत्र-यत्र	Karnapıśācınī Mantra-yantra	—	मत्र व तालिका
22	,, 3 इ 68	कर्णपिशाच-कल्प	Karnapıśāca-kalpa	—	ग
23	,, 3 इ 79	कल्याणवृष्टि+भारती+पद्मावती-स्तोत्र	Kalyānavrtı+Bhāratī+Padmāvatī-stotra	—	प
24	,, 3 इ 354	कष्टनिवारणार्थ-मत्र	Kaṣta-nıvāranārtha-Mantra	—	मत्र-गद्य-यत्र

6	7	8	8 A	9	10	11
मत्र-यत्र	स मा	2	25 × 11 × 12 × 42	सपूर्ण	19वी	ज्योतिष
यत्र व तत्र	,,	1	27 × 12 × 5 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
मत्र व कवित्त	रा	1	17 × 13 × 14 × 26	,,	,,	
यत्र, जाप विधि साधना	स रा.	1	27 × 12 × 10 × 30	,,	,,	
मंत्र	स.	1	27 × 13 × 8 × 38	,,	20वी	
मत्र बिमारियो का	रा	1	23 × 12 × 14 × 48	,,	18वी	
कथा व मत्र	,,	1	24 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण	19वी	
बिमारी का मत्र	,,	1	23 × 16 × 8 × 22	,,	,,	
मत्रभक्ति	म	3	27 × 10 × 7 × 42	,, 14 श्लोक	,,	
मत्र व पटल	,,	2	26 × 11—	,, 16 श्लोक	,,	
मात्रिक	,,	13	25 × 11 × 17 × 51	,, 7 कल्प	,,	
जैन भक्ति मत्र विधि	,,	2	28 × 13 × 15 × 42	,, 85 श्लोक	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 11 × 41	,, 90 पद मत्रादि	1960 माईदाम	
,,	,,	2	26 × 13 × 15 × 39	,,	19वी	
,,	,,	40*	25 × 11 × 14 × 50	,, 36 श्लोक	1962	
यत्र व पट	,,	2	63 × 63 व 52 × 33	,, 2 पट	18वी	
मत्र व विधि	मा.	1	25 × 12 × 15 × 52	,,	1952 बबई जयविजय	
मत्र तत्र यत्र	स	11	26 × 11 × 15 × 40	अपूर्ण	20वी	
,, श्रौषधनुस्खे	स मा	6	15 × 12 × 22 × 35	,,	1702	
श्रौषधिनुस्खे व मत्र	मा	6	25 × 12 × 17 × 42	प्रतिपूर्ण	1929 अजीमगज गोपीचद	
2 मत्र व गद्य मे विधि यत्र	स	1	26 × 13 × 10 × 40	,,	19वी	
मत्र साधना	स रा	10*	26 × 12 × 15 × 40	सपूर्ण	,,	
मानिक भक्ति स्तोत्र	स	18	20 × 11 × 7 × 18	,, 16 × 6 × 34 स्तोत्र	20वी	
4 यत्र तथा मत्र विधि सहित	,,	1	27 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
25	कोठरी 507	कल्याणवर्धन आचमनादि मंत्र	Kalyana bardhana Ācamanādi-yantra		यंत्र
26	कुंथुनाथ 32/2	कालिका कवच	Kālikā Kavaca	कालिकातंत्रे	"
27	महावीर 3 ट 354	कालि मंत्र	Kāli mantra	—	,,
28	कोठरी 1288	कौतुक-रत्नावली	Kautuka Ratnāvali	—	ग प.
29	महावीर 3 ट 354	क्षेत्रपाल-मंत्र	Kṣetrapāla-mantra	—	मंत्र यंत्र
80	कुंथुनाथ 14/44	खररावण मंत्र-विधि	Khara Rāvana-yantra vidhi	—	यंत्र
31	,, 13/	गणेश-पूजा व मंत्र	Ganeśa pūjā & Mantra	—	ग म
32	,, 19/6	गणेश-मंत्र	,, -yantra	—	,, म
33	महावीर 3 ट 354	गर्भ मंत्र औषधि व यंत्र	Garbha Mantra Ausadhi & Yantra	—	,,
34	,, ,	ग्रहजापादि व विधि	Graha jāpādi & vidhi	—	,,
35-9	,, 3 ट 120-1-2 4 5	घंटाकर्ण-कल्प 5 प्रतियां	Ghantākarna Kalpa 5 copies	—	ग यंत्र
40	,, 3 ट 122	,, -लघुकल्प	,, -Laghu Kalpa	—	ग
41	,, 3 ट 356	,, पट	,, -Pata	—	यंत्र चित्र
42	,, 3 ट 354	,, -प्रयोग	,, -Prayoga	—	ग यंत्र
43	,, 3 ट 127	,, -मंत्र विधि	,, -Mantra Vidhi	—	ग.
44-5	कुंथुनाथ 12/208 15/24	,, -मंत्र 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	,,
46	गोलिया 3 ट 358	,, -मंत्र कल्पादि	,, -Kalpa Vidhi	--	,,
47	महावीर 3 ट 354	चतुर्विंशति जिनमंत्र	Caturvimśati Jina-Mantra	—	ग मंत्र
48	,, ,,	चिंतामणि चक्रेश्वरी आदि मंत्र	Cintāmani Cakreśvariādi Mantra	—	ग प.मंत्र
49	,, ,,	चोरी पता लगाने का मंत्र यंत्र	Cori Patā Lagāne kā Mantra-yantra	—	ग म यंत्र
50	कोठरी 1322	चौरासी-तंत्र	Caurāsi Tantra	—	ग
51	कुंथुनाथ 19/5	चौसठ योगिनी मंत्र	Causatha Yogini Mantra	—	,,
52	,, 10/185	,, -स्तोत्र	,, Stotra	—	प
53	,, 3 ट 356	,, -यंत्र पट	,, Yantra-pata	—	यंत्र ग.

6	7	8	8 A	9	10	11
मत्र-तत्र गृहस्थी के	रा	5	31 × 13 × 14 × 16	सपूर्ण	19वी	
मत्र-तत्र विज्ञान अ-घोरी महाविद्या-कल्प	स	25	26 × 14 × 16 × 39	,, 21 कवच	,,	
मात्रिक-भक्ति	,,	1	28 × 13 × 11 × 20	प्रतिपूर्ण	,,	
मत्र-तत्र कौतुक	,,	73	24 × 11 × 14 × 40	सपूर्ण	1812	
मात्रिक भक्ति	,, + रा	1	18 × 10 × 13 × 24	प्रतिपूर्ण	19वी	
मत्र-तत्र-यत्र	रा	1	23 × 11 × 14 × 62	सपूर्ण	,,	
भक्ति व मत्र-तत्र	स मा.	1	22 × 12 × 14 × 42	,,	,,	
यत्र-मत्र	स	1	30 × 44 × —	,,	20वी	जीर्ण
,,	रा.	1	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	1 चित्र सहित
मत्र व होमविधि	सस्कृत	1	25 × 12 × 14 × 66	,,	,,	
जैन मात्रिक भक्ति यत्र-तत्र	स मा	6,10, 9,3,7	23 से 25 × 11 से 12	सपूर्ण	1871 से 20वी	
,,	मा	3	25 × 12 × 13 × 47	,, 91 गद्य सूत्र	1934 जोधपुर अमरदत्त	साथ मे विजया यत्र-विधि
जैन भक्ति यत्र-मत्र व जाप विधि	,,	1	34 × 19 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	
,,	हिन्दी	1	21 × 13 × –	,,	19वी	
जैन मात्रिक भक्ति-विधि	मा	3*	24 × 10 × 12 × 30	सपूर्ण	20वी	
,, भक्ति मत्र स्तोत्र	म	1,1	12 × 9 व	,,	19/20वी	
जैन मात्रिक भक्ति यत्र-तत्र	स मा.	6	27 × 13 × 14 × 36	,,	20वी	विधि सहित
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 20 × 44	,,	18वी	
,, ,,	स	1	28 × 11 × 13 × 42	,,	19वी	
यत्र-मत्र सह विधि	रा.	1	27 × 12 × —	,,	,,	
तत्र नुस्खे	मा	3	26 × 10 × 12 × 40	अपूर्ण 70 तक	20वी	
मत्र-जैन आम्नाय	सं मा	1	23 × 16 × 17 × 44	सपूर्ण	19वी	
मात्रिक-भक्ति आम्नाय	स	1	24 × 10 × 21 × 62	,, 13 श्लोक	20वी	जीर्ण/अत मे 5 अनुच्छेद शकुन निमित्त
मत्र-यत्र ,,	,,	1	26 × 23	प्रतिपूर्ण	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
54	कोलडी 501	जयत्रपताका यन्त्रोद्धार व पचदश विधि	Jayatra Patākā Yantrodhāra & Pañcadaśa Vidhi	—	प
55	,, 500	जयपताका विजययत्र	Jayapatākā Vijaya-yantra	—	मू + अ.
56	कुथुनाथ 12/206	जजीरा व हनुमान मन्त्र	Jañjīrā & Hanumāna Mantra	—	ग मत्र
57	कोलडी वस्ता 69/30	जैन मन्त्र का ग्रथ मटीक	Jaina Mantra kā Grantha with Tikā	—	मू + वृ गद्य
58	महावीर 3 इ 153	ज्वालामालिनी-स्तोत्र	Jvālāmālinī Stotra	—	ग. मत्र
59	,, 3 इ 68	,, -कल्प	,, -Kalpa	—	ग यन्त्र
60	,, 3 इ 354	तिजयपहुत्त यन्त्र	Tijaya Pahutta-Yantra	—	,,
61	कोलडी 1270	त्रैलोक्यविजय गोपाल-कवच	Trailokya-Vijaya Gopāla Kavaca	ब्रह्मसहितायाम्	प
62	महावीर 3 इ 143	,, यन्त्र कल्प	,, -yantra-kalpa		,,
63	,, 7 इ 6	दत्तात्रयी पडल	Dattātrayī Padala	ईश्वरदत्तात्रेय सवादे	प ग
64	,, 3 इ 354	दुर्गाष्ट-चक्राणि	Durgāṣta Cakrāni	—	प
65	,, 3 इ 114	द्वादश यन्त्रादि अधिकार	Dvādaśa Yantrādi Adhikāra	—	ग य
66	,, 3 इ 354	(पार्श्व) धरणेन्द्र पद्मावती मन्त्र	(Pārśva) Dharanendra Padmāvatī Mantra	—	ग प य
67	कुथुनाथ 13/231	धान सडने आख दूखने पर मन्त्र	Dhāna Sadane Ānkha Dūkhane para Mantra	—	म
68	महावीर 3 इ 354	नगर-प्रवेशादि मन्त्र व विधि	Nagara-Praveśādi Mantra Vidhi	—	ग य
69	, 3 इ 106	नमुत्थुणकल्प श्रुतबोध	Namutthunam-kalpa Śrutabodha	—	ग प
70	,, 3 इ 63	नवकार-कल्प	Navakāra Kalpa	—	ग.
71-3	,, 3 इ 64-5-6	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	—	,,
74	,, 3 इ 354	,, -प्रयोग मन्त्र	,, -Pryyoga Mantra	—	ग प
75	,, ,,	,, -मन्त्र व भैषज नुस्खा	Navakāra Mantra & Bhaiṣaja-nuskhā	—	ग
76	,, ,,	नवकाराधित मन्त्र	Navakārādhita Mantra	—	,,
77	,, ,,	नारियल-कल्प	Nāriyala-kalpa	—	प ग
78	,, 3 इ 154	,, -यन्त्र मन्त्र	,, Yantra-Mantra	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्र-तन्त्र	स	3	32 × 13 × 16 × 42	सपूर्ण 48+28 श्लोक	19वी	
मन्त्र-यन्त्र	,,	7	31 × 13 × 13 × 38	,,	1887	
मन्त्र-सामान्य	रा	2	21 × 18 × 15 × 17	,, 2 म	19वी	
जैन आम्नाय-मात्रिक	स	5	23 × 11 × 26 × 50	अपूर्ण	,,	एक ओर प्रति कटी हुई
जैनाम्नाय-मात्रिक भक्ति	,,	2	29 × 14 × 12 × 40	सपूर्ण	,,	
,, ,,	स मा	10*	26 × 12 × 15 × 40	,,	,,	यत्र व साधना विधि-सह
,, ,,	स	1	27 × 12 × —	,, 2 म	,,	यत्र पट चित्रनुम
मत्र-तत्र भक्ति स्तोत्र	,,	11	13 × 10 × 7 × 14	,, 52 श्लोक	,,	
,, ,,	प्रा	2	24 × 12 × 14 × 30	,, 23 गाथा	,,	
तन्त्र-विद्या	स	25	28 × 15 × 10 × 42	,,	1967 × पन्नालाल मुनि	
मात्रिक भक्ति यन्त्र सह	,,	1	25 × 11 × —	अपूर्ण अत के 73 से 79 श्लोक, 7 य	18वी	अतिम पृष्ठ मात्र
मन्त्र-तन्त्र यन्त्र	,,	11*	29 × 13 × 14 × 43	सपूर्ण	,,	
जैन तन्त्र-यन्त्र सविधि	,,	1	25 × 11 × —	,,	,,	
जीव न पडने का व्याधि मिटानेका मत्र	,,	1	11 × 10 × 12 × 8	,, 2 मत्र	19वी	
विधि परक विघ्न निवारणार्थ	प्रा स	1	27 × 13 × 12 × 40	प्रतिपूर्ण	,,	
जैन मात्रिक भक्ति	,,	3	26 × 12 × 16 × 46	सपूर्ण मूल पाठ+47 श्लोक	,,	
,,	,,	8	28 × 15 × 10 × 33	,,	20वी	
,,	,,	3,4,3	27 × 12 × 14 × 44	,,	,,	सक्षिप्त सस्करण
मन्त्र जाप विधि सह भक्ति	स.मा	1	26 × 11 × 10 × 38	,,	18वी	
यत्र व विधि सह भक्ति	प्रा मा	1	25 × 12 × 15 × 32	,,	,,	अत मे औषधिनुस्खा
जैन मात्रिक भक्ति साधना विधि सहित	प्रा स	1	26 × 11 × 11 × 44	,,	,,	
मत्र-यत्र सहित	स	1	28 × 12 × 7 × 32	,,	19वी	
मत्र-तन्त्र-विधि	स म	6	26 × 11 × 11 × 36	,,	19वी	साथ मे 3 पन्ने औपदेशिक पद

1	2	3	3 A	4	5
79	महावीर 3 इ 147	नित्य वसुधारा महाविद्या	Nitya Vasudhārā Mahā-vidyā	—	ग मत्र
80	,, 3 इ 11	नौली-विचार	Naulīvicāra	—	ग
81-2	कोलडी 495-7	पद्मावती अष्टक-वृत्ति 2 प्रतिया	Padmāvatī Aṣṭaka Vṛtti 2 copies	—	,, (वृत्ति मात्र)
83-4	महावीर 3 इ 115 108	,, -कल्प 2 प्रतिया	,, -Kalpa ,,	—	,, मत्र
85	,, 3 इ 354	,, ,, -सटीक	, with Tīkā	/मल्लिसेण	मू+वृ (प ग)
86	मेवामदिर 3 इ 345	,, ,, -व्याख्यान	,, –Vyākhyāna	—	ग
87	,, 3 इ 350	,, -चौपई	, Caupaī	जिणप्रभसूरि	प.
88	महावीर 3 इ 355	,, -मत्र का पन्ना	,, Mantra's folio	—	मन्त्र
89	कोलडी 496	,, -मत्र-यत्र विधि विधान	,, ,, Yantra-Vidhi Vidhāna	—	प ग म य.
90	महावीर 3 इ 110	,, -महामत्र जाप विधि	,, Mahāmantra Jāpa Vidhi	—	ग य.
91	कोलडी 1149	,, -सहस्रनाम पूजा विधि	,, Sahasranāma-pūjā-Vidhi	—	प
92	महावीर 3 इ 117	,, -साधना विधि	,, Sādhanā Vidhi	—	ग
93	मेवामदिर 3 इ 350	,, -स्तव	,, Stava	—	प.
94	कोलडी 1324	,, -मत्रगर्भित स्तोत्र साधन विधिसह	. Mantragarbhita-Stotra Sādhana with Vidhi	—	ग.प मत्र
95-6	,, 944,499	,, -स्तोत्र 2 प्रतिया	,, Stotra 2 copies	—	प
97	,, 1181	,, विधि मत्र-यत्र साधन	,, Vidhi Yantra Sā-dhana	—	ग प मत्र
98	,, 498	,, पूजा-पद्धति	,, Pūjā-paddhati	—	प ग
99-104	महावीर 3 इ 111 79,109,112 113,116	,, -स्तोत्र 6 प्रतिया	,, Stotra 6 copies	—	प
105	सेवामदिर 3 इ 375	,, ,,	,, ,,	--	,,
106	के नाथ 19/66	, व ज्वालादेवी-स्तोत्र	,, & Jvālādevī-stotra	—	,,
107	मुनिमुव्रत 3 इ 314	,, स्तोत्र + भैरवी पद्मा-वती 108 नामादि	,, Stotra + Bhairavī Padmāvatī 108 Nāmādi	—	,,
108	महावीर 7 इ 5	पनरियादि यत्र-विधि	Panariyādi Yantra-vidhi	—	ग यत्र
109-10	कोलडी 519-20	पचदशीविद्या 2 प्रतिया	Pañcadaśī-vidyā 2 copies	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
मत्र-तत्र भक्ति सह	स	4	20 × 10 × 9 × 27	सपूर्ण	1924 मेडता जैलाल	
भूतपिशाचव्याधि के उपचार व इन्द्रजाल कौतुक तत्र	मा	41	25 × 11 × 14 × 51	अपूर्ण	19वी	
देवी मात्रिक भक्ति जैन आम्नाय	स	10,8	31 × 12 × भिन्न 2	सपूर्ण 522 ग्रथाग्र	1884/19वी	1273 की कृति
,, ,,	,,	9,13	26 × 12 व 29 × 14	,, 6 अध्याय	1960/20वी	यन्त्र-तन्त्र सहित
,, ,,	,,	1	25 × 12 × 12 × 60	टीका अपूर्ण उद्धरण मात्र	19वी	,,
,, ,,	मा	2	21 × 10 × 14 × 28	अपूर्ण	20वी	,,
,, ,,	अपभ्रंश	8	10 × 6 × 7 × 16	सपूर्ण 37 गा	18वी	
,, ,,	स	1	12 × 16 × 13 × 18	प्रतिपूर्ण	,,	साथ मे लक्ष्मीमत्र
,, ,,	स मा	6	31 × 12 × 17 × 41	सपूर्ण 25 श्लोक	1755	यन्त्र-तन्त्र सह
,, ,,	,,	5	23 × 10 × 9 × 36	प्रतिपूर्ण	20वी	,,
,, ,,	स.	8	24 × 12 × 13 × 57	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	3	26 × 13 × 8 × 26	सपूर्ण	1921	,,
,, ,,	,,	2	10 × 6 × 7 × 16	,, 8 श्लोक	18वी	
,, ,,	,,	3	24 × 11 × 26 × 50	, दीपालिका विधि कल्प सह	17वी	जिनदत्तसूरिकृत-आम्नाय
,, ,,	,,	2,6	26 × 10 × 20 × 10	,, 27 श्लोक	19वी	
,, ,,	स मा	4	26 × 13 × 17 × 52	अपूर्ण	,,	यत्र-तत्र विधि सहित
,, ,,	,,	7	32 × 13 × 11 × 40	सपूर्ण	,,	,,
,, ,,	स	9,18* 8,3,53	14 से 28 × 10 से 13	प्रथम अपूर्ण शेष सपूर्ण 27/35 श्लोक	19/20वी	अतिम प्रति मे किंचित् विधि
,, ,,	,,	4	26 × 12 × 10 × 36	प्रथम 3 श्लोक कम	19वी	
,, ,,	,,	111*	22 × 12 × 14 × 26	सपूर्ण दोनो स्तोत्र	,,	
,, ,,	,,	4	25 × 10 × 9 × 37	,, 26+15 श्लोक	1859	
मत्र-यत्र	मा	5	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	1943 जोधपुर साध्वीलिछमा	
मत्र-तत्र	सं	6,11	32 × 12 व 26 × 11	सपूर्ण	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
111	कोलडी 518	पचमुखी हनुमान मत्र-कवच	Pañcamukhī Hanumāna-Mantra-kavaca	रामचन्द्र ऋषि	प ग
112	महावीर 3 इ 126	पचागुलि-कल्प	Pañcānguli-kalpa	—	ग
113	,, 3 इ 128	,, बीज कल्प विधान	,, Bījakalpa-vidhāna	—	,
114	,, 3 इ 21	,, मन्त्र	,, Mantra	—	ग प मत्र
115	,, 3 इ 356	,, ,, पट दो	,, ,, -yantra-pata(2)	—	ग मत्र
116	कुथुनाथ 31/7	,, , -स्तोत्र	,, ,, Stotra	—	प
117	महावीर 3 इ 92	, सहस्रनाम	,, Sahasranāma	—	ग
118	,, 3 इ 354	पासाकेवली मत्र-यत्र	Pāsākevalī Mantra-yantra	—	प यत्र
119	कोलडी 521	पुरश्चरण विधि सहित	Puraścarana with Vidhi	—	,,
120	कुथुनाथ 15/26	पैंसठिया यत्र-स्तोत्र	Painsathiyā Yantra Stotra	—	,, मत्र
121	महावीर 3 इ 354	फोफिडा कल्प + मत्र-यत्र	Phophidā Kalpa+Mantra Yantra	—	ग यत्र
122	,, ,,	बिच्छू आदि के मत्र-तत्र-यत्र	Bicchūādi ke Mantra-Tantra-Yantra	—	ग म त्र
123	,, 3 इ 72	भक्तामर-कल्प	Bhaktāmara Kalpa	मानतुङ्ग/-	प ग य
124 6	,, 3 इ 74, 67,69	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,, /-	,,
127	,, 3 इ 68	,, -नमोत्थुण आदि कल्प	,, Namotthunam Ādi Kalpa	,, /-	,,
128	मेवामदिर 3 इ 372	,, पचविधान	,, Pañcavidhāna	,, /-	,,
129	कुथुनाथ 39/2	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
130	कोलडी 472	,, ,,	,, ,,	,, /हेमरतन	,,
131	कुथुनाथ 9/114	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
132	,, 55/7	,, ऋद्धि मत्र सहित	,, with Rddhimantra	,, /-	,
133	के नाथ 469	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
134	मुनिसुव्रत 7 इ 1	भुवनेश्वरी कवच सहस्रनामादि	Bhuvaneśvarī-kavaca Sahasranāmādi	,, /- सकलित	पद्य
135	महावीर 3 इ 114	भैरव पद्मावती कल्प विधि-सह	Bhairava Padmāvatī-Kalpa with Vidhi	कविशेखर मल्लिशेण सूरि	ग प य
136	,, 3 इ 118	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मान्त्रिक-भक्ति	स.	4	25 × 12 × 10 × 24	सपूर्ण	19वी	यन्त्र-तन्त्र विधि सह
,	मा	2	27 × 12 × 13 × 40	,,	20वी	,,
,,	स + मा	10	25 × 11 × 16 × 55	,,	1878	,,
,,	स मा	2	17 × 8 × 8 × 22	,,	1733	
यत्र पट चित्रनुमा	स	2	25 × 25 व 37 × 40	प्रतिपूर्ण	18वी	
मान्त्रिक भक्ति-स्तोत्र	मा	16	18 × 22 × 13 × 14	सपूर्ण 25 गा	20वी	
,, नाम-जाप	स	25*	27 × 11 × 14 × 58	,,	18वी	
मन्त्र-यन्त्र सह	,,	1	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
मन्त्र-तन्त्र	,,	2	30 × 11 × 11 × 36	सपूर्ण	,,	
यन्त्र विद्या	,,	2	(?)	,,	,,	
मन्त्र-यन्त्र	स मा	1	21 × 11--	,, 3 य	,,	
,, -तन्त्र	रा स उर्दू	1	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	
जैन मान्त्रिक भक्ति	स मा	10	26 × 11 × 24 × 60	सपूर्ण 48 काव्यपर्यंत	17वी जावद मे	यत्र-तत्र-विधि सहित,
,, ,,	,,	15 24, 47	26 से 31 × 13 से 14	,, 47/48 ,	1934 से 20वी	,,
,, ,,	स प्रा मा	10*	26 × 12 × 15 × 40	भक्तामर अपूर्ण, शेष त्रुटक	19वी	,,
,, ,,	स मा.	37	22 × 10 × 7 × 22	सपूर्ण 48 श्लोको का	1912 पुष्कर किसनलाल	मूल + मत्र + ऋद्धि + भापा + यत्र विधि सह
,,	,,	16	20 × 15 × 19 × 32	,, ,,	19वी	,, ,,
,,	,,	22	21 × 13 × 11 × 25	,, ,,	,,	,, ,,
,,	,,	25	26 × 13 × 16 × 22	,, ,,	20वी	,, ,,
,,	स	6+1	25 × 14 × 17 × 40	, +साथ मे 5 छोटे मत्र	1964 साचौर प्रताप मेहता	,, ,,
,,	,,	6	24 × 11 × 18 × 35	,, 48 काव्य का	19वी	,, ,,
मन्त्र व भक्ति स्तोत्र	,,	14	24 × 11 × 8 × 27	,, 5 स्तोत्र	1856	
जैन मान्त्रिक भक्ति	,,	11	29 × 13 × 14 × 43	,,	19वी	यत्र विधि सहित
,,	,,	2	25 × 12 × 16 × 48	,,	,,	सक्षिप्त सस्करण

1	2	3	3 A	4	5
137	कुथुनाथ 15/25	भैरव-मन्त्र	Bhairava-mantra	—	प म.
138	कोलडी 1296	महाभैरव काली सरस्वती लक्ष्मीमत्र सहस्रनाम	Mahābhairava Kālī Sarasvatı Lakṣamī Mantra Sahasranāma	—	प ग म.
139	कुथुनाथ 2/16	महामृत्युञ्जय मत्र व जाप-विधि	Mahāmrtyuñjaya Mantra & Jāpa Vıdhı	—	,,
140	महावीर 3 इ 354	महासमोहिनीय विद्या	Mahā Sammohınīya-vıdyā	—	,,
141	के नाथ 18/14	मन्त्र-तन्त्र ओषध-सग्रह	Mantra Tantra Ouṣadha Sangraha	सकलन	,,
142	कोलडी 944	,, -मुक्तावली	,, Muktāvalī	—	,,
143	,, 765	,, -शास्त्र	,, Śāstra	—	प
144	,, 1316	,, -शकुनावली	,, Sakunāvalī	—	,,
145-6	कुथुनाथ 13/230 34/10	,, -सग्रह 2 प्रतिया	,, Sangraha 2 copies	सकलन	ग प.
147	महावीर 3 इ 92	मत्राधिराज	Mantrādhırāja	सिहतिलक	प
148	सेवामदिर 3 इ 350	,, मन्त्राक्षर न्यास प्रभाव स्तवन	Mantrādhırāja Mantrākṣaranyāsa-prabhāva-stavana	—	,,
149	कोलडी 927	मन्त्राराधन विधि	Mantrārādhana-vıdhı	—	,,
150	महावीर 3 इ 101	मायावीज-कल्प	Māyābīja-kalpa	—	मू प.
151	,, 3 इ 146	,, महाविद्या	,, Mahāvıdyā	—	ग
152	ओमिया 7 इ 11	,, व माधना विधि	,, & Sādhanā-vıdhı	—	,,
153	महावीर 3 इ 102	मायावीज जाप विधि	,, Jāpa-vıdhı	—	,,
154-5	,, 3 इ 355	,, -स्तोत्र	,, Stotra 2 copies	—	प
156	,, 7 इ-3	यन्त्र और वस्तु प्रयोग	Yantra & Vastu-prayoga	—	ग य
157	,, 3 इ 107	यन्त्र-मन्त्र स्तोत्र	Yantra-mantra Stotra	सकलन	ग प.
158	कोलडी गु 4/9	राखडी कणामूठादि मन्त्र	Rākhadī Kanāmuthādı Mantra	,,	पद्य
159	सेवामदिर 5 अ 19	रामपडल	Rāma-padala	—	ग प
160	,, 5 अ 21	रामरक्षा	Rāmarakṣā	रामानन्द स्वामी	मू प
161	कोलडी 1199	,, -स्तोत्र	,, Stotra	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्र-तन्त्र भक्ति	स	2	22 × 10 × 9 × 30	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	7	15 × 10 × 16 × 30	प्रतिपूर्ण	1828	
मन्त्र-यन्त्र जाप विधि सहित	,,	6	17 × 12 × 7 × 77	सपूर्ण	1856	
मन्त्र-तन्त्र	स रा	1	24 × 10 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	
मान्त्रिक-तान्त्रिक-वैद्यक विद्याए	,,	11	26 × 14 × 19 × 27	,,	,,	
विविध मन्त्र व देवी स्तोत्र	स	3	26 × 11 × विभिन्न	,,	,,	
दीक्षादि धार्मिक मन्त्र विधि	,,	465	31 × 13 × 11 × 46	सपूर्ण	,,	
मन्त्र व निमित्त	,,	2	25 × 11 × 15 × 48	अपूर्ण	,,	
विभिन्न डाकणी घूघरा आदि मन्त्रो का सग्रह	रा स म	6,2	12 × 11 व 15 × 13	प्रतिपूर्ण	19/20वी	
जैन भक्ति मन्त्र	स	25*	27 × 11 × 14 × 58	सपूर्ण ग्र 559	19वी	
जैन मन्त्र भक्ति स्तोत्र	,,	5	10 × 6 × 7 × 16	अपूर्ण 27 श्लोक	18वी	
मन्त्र-तन्त्र	,,	2	17 × 12 × 13 × 20	सपूर्ण	19वी	
मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र	,,	2	25 × 12 × 12 × 32	,, 30 श्लोक	20वी × हीराचद्र	
,,	स रा	6	21 × 11 × 12 × 25	,,	20वी × अमृतचद्र	
मन्त्र विधि विधान	,,	11	27 × 12 × 13 × 42	,,	1963 जोधपुर	
मन्त्रपाठ साधनाविधि	रा	2	28 × 12 × 12 × 34	,,	20वी	
मन्त्र-काव्य	स	1,1	26 × 12 व 28 × 13	,, 15 व 9 श्लोक	19/20वी	
निमित्त व तान्त्रिक विद्या	रा	7	28 × 15 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
विभिन्न मन्त्र-यन्त्र	स रा	10	28 × 14 × 9 × 36	,,	20वी	
,, मन्त्र-तन्त्र-यन्त्र	मा.	15	15 × 11 × 14 × 23	अपूर्ण	19वी	
मन्त्र भक्ति स्तोत्र व विधि	स	4	27 × 15 × 15 × 39	प्रतिपूर्ण	1955	
भक्ति मन्त्र-स्तोत्र	,,	3	27 × 14 × 11 × 32	सपूर्ण 29 श्लोक	18वी	आध्यात्म रामायण से उद्धरित
,, ,,	मा.	2	29 × 14 × 14 × 36	,,	1916 खारिया	(आत्म रक्षा मन्त्र)

1	2	3	3 A	4	5
162	महावीर 3 इ 354	रोगहरणादि-मन्त्र	Rogaharanādı-mántra	—	मत्र ग
163-4	कोलडी 1273, 1265	लक्ष्मीनारायणाख्यान 2 प्रतिया	Lakṣmīnārāyanākhyāna 2 copies	देवीरहस्ये	ग मत्र
165	,, 1307	लक्ष्मीस्तोत्र + त्रिपुर-सौन्दर्याष्टिक	Lakṣmī-Stotra + Trıpura-saundaryāṣtka	पद्मपुराणे	प. ,,
166	महावीर 3 इ 119	लब्धिपद-रहस्य	Labdhı-pada-rahasya	—	पद्य
167	,, 3 इ 148	लोगस्स-कल्प	Logassa-kalpa	—	प ग म य
168	,, 3 इ 354	, -मत्राक्षर-फल	,, -Mantrākṣaraphala	—	प गद्य
169	,, 3 इ 356	लौकिक अष्टतीर्थ-पट	Laukıka-astatīrtha Pata	—	यन्त्र
170	कोलडी 508	वर्द्धमान-विद्या	Varddhamāna-vıdyā	—	ग
171	महावीर 3 इ 96	,, (यत्र विधि सह)	,, (Yantra-vıdhı saha)	सिंहतिलकसूरि	प
172	सेवामदिर 3 इ 345	(लघु) ,, आम्नाय	(Laghu) Varddhamāna Āmnāya	—	ग मत्र
173	महावीर 3 इ 92	,, -कल्प	Varddhamāna Vıdyākalpa	सिंहतिलकसूरि (विबुधचद्र शिष्य)	प.
174	,, 3 आ 48	,, (यत्र लेखन विधि सह)	,, (Yantra-Lekhana-with vıdhı	,,	,,
175	,, 3 इ 90	,, -कल्प	,, -kalpa	—	ग प
176-7	,, 3 इ 91,48	वर्द्धमान विद्या-कल्प तृतीय स्थान विवरण 2 प्रतिया	, Trtīya Sthāna-Vıvarana 2 copies	वज्रस्वामी उद्धारित	ग
178	,, 3 इ 356	वर्द्धमान विद्या-पट	,, -Pata	--	यत्र
179	के नाथ 18/57	,, -स्तवन	,, -Stavana	—	पद्य
180	सेवामदिर गु दे 17	वशीकरणआदि नुस्खे व मन्त्र	Vaśīkaranādı-nuskhe & Tantra	—	प ग
181	कोलडी 493	वसुधारा-स्तोत्र	Vasudhārā-stotra	—	मू ग प-म
182	,, 940	,,	,,	—	,,
183	के नाथ 26/18	,,	,,	—	,,
184-91	कोलडी 488 से, 92,94 1153 1348	,, 8 प्रतिया	,, 8 copies	—	,,
192	महावीर 3 इ 145	,,	,,	—	,,
193	आंसिया 4 अ 154	,,	,,	—	,,
194	के नाथ 19/130	,,	,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मन्त्र व जाप विधि	स रा	1	25×11×14×48	अपूर्ण	18वी	
मन्त्र-तन्त्र	स	10,16	21×10×10×35	,,	19वी	
भक्ति मन्त्र-स्तोत्र	,,	2	14×10×14×26	सपूर्ण 15+8 श्लोक	,,	
मन्त्र-तन्त्र	,,	4	27×12×11×42	,, 51 श्लोक	,,	
जैन मान्त्रिक भक्ति	प्रा स	8	25×11×17×69	,,	,,	यन्त्र-सह
,,	प्रा स मा	2	26×13×14×46	,, 6 मडल	20वी	दो बार लिखा है
जैन यन्त्र	हिन्दी	1	31×30×—	प्रतिपूर्ण	18वी	
जैन मन्त्र भक्ति	स	4	29×13×15×44	सपूर्ण	1881	
मन्त्र-व्याख्या	,,	30*	24×11×14×43	,, 169 श्लोक	19वी	
मन्त्र जैनाम्नाय	प्रा स	1	26×12×11×34	प्रतिपूर्ण	,,	अत मे 'गौतमयन्त्र' है
जैनाम्नाय भक्ति मन्त्र	स	25*	27×11×14×58	सपूर्ण 177 श्लोक	,,	
,,	,,	40*	25×11×14×50	,, 184 श्लोक	1962	
,,	,,	7	26×12×11×42	,,	20वी	
,,	,,	6,40	25×13 व 25×11	,, तीसरा अधिकार ग्र 175	1967/1962 सोजत बलदेव	
,, यन्त्र	हिन्दी	1	31×31×—	प्रतिपूर्ण	18वी	
,, मन्त्र भक्ति	अपभ्र श	2*	26×11×18×55	सपूर्ण 17 गा	19वी	अत मे 2 नवग्रह स्तुतिया
तात्रिक कौतुक विद्यायें	रा	15	14×12×15×14	लगभग पूर्ण	,,	
मन्त्र भक्ति स्तोत्र	स	4	30×12×15×65	सपूर्ण	1702	बौद्ध आम्नाय
,,	,,	3	25×11×18×72	,,	1733	,,
,,	,,	7	24×11×11×30	,,	1746	,,
,,	,,	4,7,6,5, 5,4,4,5	25 से 32×10 से 13	,, (केवल 7वी मे प्रथम पन्ना कम)	19/20वी	,,
,,	,,	4	26×12×16×37	,,	1834× रामवर्द्धन	,,
,,	,,	7	26×11×11×34	,,	1848 बाभण वाड लायकसागर	,,
,,	,,	4	26×11×16×46	,,	1863	,,

1	2	3	3 A	4	5
195	कुंथुनाथ 52/17	वसुधारा-स्तोत्र	Vasudhārā Stotra	—	मू ग प मन्त्र
196	चेवामदिर 2/372	,,	,, ,,	—	,,
197	मुनिसुव्रत 3 इ 323	(लघु) वसुधारा-स्तोत्र	(Laghu) Vasudhārā Stotra	—	,,
198	महावीर 7 इ 9	विजयमन्त्र-कल्प व नौली-विचार	Vijaya Mantra kalpa Naulī Vicāra	—	ग
199	केनाथ 23/66	विजय यन्त्र	Vijaya Yantra	—	,
200	कुंथुनाथ 29/18	,, जयपताका, विधि प्रतिष्ठादि	,, Jayapatākā Vidhi Pratiṣthādi	—	प ग
201	कोलडी 1106	,,	,,	—	अकतालिकाये
202	महावीर 7 इ (4)	, + भरणविधि	,, +Bharana-vidhi	—	प ग
203	कुंथुनाथ 14/43	,, व उसका माहात्म्य	,, & Māhātmya	—	प
204	महावीर 3 इ 149	,, विधि माहात्म्य	,, Vidhi ,,	—	ग ता
205	कोलडी 1243	विधानतन्त्र-दुर्गा	Vidhāna Tantra Durgā	—	ग.
206	,, 1267	विश्वसम्मोहन विश्व वसु गधर्वराज-स्तोत्र	Viśvasammohana-Viśvasu Gandharvarāja-stotra	रुद्रयामलतन्त्रे	प
207	,, 944	वैद्यक मत्र-पत्र	Vaidyaka-Mantra Patra	—	प ग
208	कुंथुनाथ 9/122	शांतिधारा	Śāntidhārā	—	ग मत्र
209	महावीर 3 इ 129	सरस्वती कल्प	Sarasvati-kalpa	—	ग
210	कुंथुनाथ 10/177	,, -मन्त्र	,, -Mantra	रूपचन्द ?	प
211	महावीर 3 इ 356	,, ,, पट	,, -Mantra-pata	—	यत्र
212	,, 3 इ 354	,, ,, व वुद्धिवर्धक नुस्खा	,, Mantra & Buddhi-vardhaka Nuskhā	—	ग
213	,, 3 इ 354	सर्प-मत्र-यत्र	Sarpa Mantra-yantra	—	ग म
214	,, 3 इ 137	सर्वलोक-मोहनादि-यत्र	Sarva Lokamohanādi Yantra	—	ग यत्र
215	कुंथुनाथ 14/63	सकटारो मन्त्र-स्तोत्र	Saṅkatāro Mantra-stotra	शंकराचार्य	प मत्र
216	महावीर 3 इ 166	सकल्प-विधि	Sankalpa-vidhi	—	ग
217	,, 7 इ 7	सिद्धनागार्जुनीयकक्ष-पुट	Siddhanāgārjunīya Kakṣa Pata	सिद्धनागार्जुन	ग प
218	,, 3 इ 356	सिल्पयत्रपट	Silpa Yantra-pata	—	ग य

6	7	8	8 A	9	10	11
मत्र भक्ति स्तोत्र	स	5	26 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण	19वी	बौद्ध ग्राम्नाय
,,	,,	10	24 × 12 × 9 × 27	ग्रपूर्ण	18वी	,,
,,	,,	1	21 × 11 × 14 × 34	सपूर्ण	1849 मेडता मनसागर	,,
मत्र-तंत्र कौतुक-विधि	स रा	8	27 × 12 × 14 × 45	,,	1968 ग्राजिकाजपुर,रामचद्र	
मत्र-यत्र प्रसिद्ध	स	4	23 × 12 × 15 × 59	,, विधि-सह	19वी	
मत्र-तत्र-यत्र	,,	1	26 × 11 × 19 × 78	,,	,,	
(केवल ग्रकतालिकाये प्रति पन्ने परि-वर्त्तित ?)	,,	4	21 × 16 × —	त्रुटक	20वी	
यत्र-तत्र-मत्र	स मा	4	27 × 12 × 14 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	विधि-सहित
मत्र व उसका माहात्म्य	म.	1	26 × 10 × 14 × 60	सपूर्ण 27 श्लोक	,,	
मंत्र-तत्र	रा.	4	25 × 11 × 17 × 53	,,	1889	
मन्त्र-सग्रह	स मा.	4	27 × 14 × 11 × 32	प्रतिपूर्ण	1917	
तत्र-मत्र	स.	2	23 × 14 × 13 × 30	सपूर्ण 21 श्लोक	1893	
निदान व ज्वर मत्र	स रा.	2	25 × 11 × विभिन्न	प्रतिपूर्ण	19वी	
भक्ति मन्त्र	स	1	27 × 15 × 12 × 24	ग्रपूर्ण	20वी	
स्तुति-मन्त्र	,,	3	28 × 12 × 14 × 47	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	1	21 × 10 × 10 × 48	,, 9 श्लोक	1845	जीर्ण फटा हुग्रा
मन्त्र	,,	1	38 × 22 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	
मत्र व ग्रौपध-प्रयोग	स हि	1	27 × 12 × 10 × 30	,,	,,	
मत्र-यत्र उपचार	स.	1	19 × 11 × —	,,	19वी	
मत्र-यत्र-तत्र	,	2	26 × 11 × —	,,	18वी	
भक्ति-मत्र	,,	6	10 × 10 × 6 × 9	सपूर्ण	19वी	
मत्र-स्तोत्र	,,	9	19 × 10 × 4 × 12	,,	20वी	
मत्र-तत्र	,,	40	28 × 13 × 13 × 58	,,	19वी	
,,	,,	1	49 × 43 —	प्रतिपूर्ण	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
219	महावीर 3 इ 98	सूरिमन्त्र-स्तोत्र व स्तवन	Sūri Mantra-stotra & Stavana	जिनसूरि	प
220	,, 3 इ 133	,,	,,	—	प ग.
221	,, 3 इ 97	,,	,,	राजशेखरसूरि	ग प.
222	,, 3 इ 354	,, +लब्धि-मन्त्र	,, +Labdhi Mantra	—	प
223	,, 3 इ 93	, स्तवन-सह	,, with Stavana	—	प ग.
224	,, 3 इ 95	,, ,,	,, ,,	राजशेखरसूरि	,,
225-6	,, 3 इ 96 3 आ 48	,, -कल्प 2 प्रतिया	,, -Kalpa	सिंहतिलकसूरि	पद्य
227	,, 3 इ 94	, ,,	,, ,,	—	ग प.
228	,, 3 इ 99	, ,,	,, ,,	देवसूरि	ग
229	कोलडी 966	,, ,, सविवरण	,, ,, with Vivarana	—	ग मत्र
230	महावीर 3 इ 356	,, -यन्त्र पट	,, Yantra Pata	वृद्धिसागरसूरि	ग यत्र
231	,, ,,	सूर्यपताका-पट	,, Sūrya-Patākā-Pata	—	,,
232	,, ,,	स्त्री-पुरुष वशीकरण-मत्र	Strī-Puruṣavaśīkarana Mantra	—	ग मत्र
233	,, 7 इ 10	स्थापनाचार्य-कल्प	Sthāpānacārya-kalpa	भद्रबाहुउक्त	ग प.
234	,, 3 इ 354	स्वेतआक-कल्प व अन्य कौतुक	Sveta Āka-kalpa & Kautuka etc.	—	ग
235	कोलडी 1310	हनुमत् कवच स्तोत्र मत्र-ध्यान	Hanumat kavaca-stotra Mantra-dhyāna	श्रीरामचन्द्रऋषि	प ग.म.
236	के नाथ 29/72	, दिव्य कवच माला मत्र स्तोत्र	,, Divya Kavacamālā Mantra-stotra	रुद्रयामलेउमामहेश्वर सवादे	प
237	महावीर 3 इ 356	हनुमानपताका-पट	Hanumāna-Patākā Pata	—	मन्त्र
238	,, 3 इ 103	ह्रींकार महास्तोत्र व विधि	Hrmkāra Mahā-stotra & Vidhi	—	मू +ट (प ग)
239	,, 3 इ 100	,, जाप-विधि	,, Jāpa Vidhi	—	पद्य
240	के नाथ 28/17	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रथ तथा त्रुटक पन्ने	Sphuta Laghu & Apūrna Grantha & Trutaka Ponne	भिन्न 2	ग प.
241-92	कृथु 11/197 से 200, 12/210 13/222से 29,32, 34,49 26/14 से 24,31/2-5,32/ 25 से 31	,, 52 प्रतिया	,, ,, 52 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
जैन मत्र-स्तोत्र	प्रा	2	27 × 12 × 9 × 47	सपूर्ण 30 गा	1962 जोधपुर गोपीकिशन	
,,	,,	12	27 × 11 × 6 × 26	,, 50 गा + मन्त्र	1961	
, विधि व माहात्म्य	,, स	11	27 × 12 × 12 × 43	,,	1878 जोधपुर लक्ष्मीनारायण	मलधारी गच्छानुसार
,,	,,	1	26 × 12 × 14 × 40	,,	18वी	
,, भक्ति	,, स	31	24 × 11 × 7 × 34	,,	19वी जोधपुर माईदास	
विधिसह जैनमत्र भक्ति	,, ,,	12	24 × 11 × 14 × 39	,,	1962	,,
,,	,,	30,40*	25 × 11 व 25 × 11	,, 632 श्लो ग्र 900	19वी/1962	
,,	,, ,,	20	20 × 11 × 11 × 38	,, 20 अधिकार	20वी	
,,	स.	17	24 × 11 × 14 × 48	,,	1962	साथ मे देवतावसर विधि भी
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 58	प्रथम पीठ 84 पद	19वी	पाचवा पन्ना कम है
जैन मन्त्र यन्त्र	,,	1	25 × 23 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	
यन्त्र-मन्त्र सह	,,	1	25 × 22 × —	,,	,,	
मन्त्र-यन्त्र चित्र सहित	,,	1	30 × 22 × —	,,	17वी	
स्थानापनाचार्य सव-धित निमित्त शास्त्र	,,	2	27 × 13 × 13 × 30	,,	1955	जीर्ण
नुस्खे प्रयोग व कौतुक तन्त्र विद्या	रा	1	25 × 11 × 20 × 52	,,	18वी	
मन्त्र भक्ति स्तोत्र	स.	5	16 × 11 × 12 × 18	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	4	25 × 13 × 14 × 33	सपूर्ण	1899	
मन्त्र-यन्त्र चित्र सहित	,,	1	24 × 30 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	
मन्त्र-तन्त्र	,, रा	2	27 × 12 × 7 × 37	सपूर्ण 23 श्लोक	19वी रत्नावती-पुरी मानचद्र	
मत्र व पाठ विधि साधना	,, ,,	3	25 × 12 × 8 × 35	सपूर्ण	20वी	
विविध मन्त्र-यन्त्र-तन्त्र	प्रा स मा	422	24 से 32 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17 से 20वी	
,,	,,	62	24 से 28 × 10 से 15	,,	19/20वी	

1	2	3	3 A	4	5
293-5	कोलड़ी 1508 गु 10/12व 69	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रथ तथा त्रुटक पत्रे (2 प्रतिया 1 वस्ता)	Sphuta Laghu & Apūrna grantha & Trutaka 2 copies	भिन्न 2	प ग
296-7	महावीर 3 इ 354 3 इ 136	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रथ तथा त्रुटक पत्रे 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,

भाग 7 साहित्य व भाषा/विभाग (अ) -

1	मेवामदिर दे गु 20	अकबर की नसीयत	Akabara kī Nasīyata	अकबर बादशाह	ग.
2	कुथुनाथ 46/3	अजय सोलकी अलाउद्दीन खीलजी की वात	Ajaya Solankī Allāuddīna-khilaji kī Bāta	—	,,
3	के नाथ 26/92	अजीतसिंहजी की निशाणी	Ajītasimhaji kī Niśānī	यतिलालचन्द	प
4	,, 18/62	अनुभव-प्रकाश	Anubhava Prakāśa	म जसवन्तसिंहजी	,,
5	ओसिया 2/287	अन्यापदेश-शतक	Anyāpadeśa Śataka	मैथिली मधुसूदन (पद्मनाभसुत)	मू प
6	मेवामदिर 6 इ 35	अमरु-शतक	Amaru Śataka	अमरुक कवि	,,
7	ओसिया 6 इ 19	,,	,,	,,	,,
8	के नाथ 27/42	,,	,,	,,	,,
9	ओसिया 6 इ 20	,, -सटीक	,, +Tīkā	अमरुकवि/नन्दलाल	मू+वृ (प.ग)
10	,, 6 इ 21	अवयवर्ग	Avayavarga	—	पद्य
11	महावीर 6 इ 49	अष्टलक्षी	Aṣta Lakṣī	समयसुन्दर	गद्य
12	कोलडी गुटका 10 7	आध्यात्मिक पद-संग्रह	Ādhyātmika Pada San-graha	सुन्दरदास	पद्य
13	,, 11/12	,, ,,	,, ,,	,,	,,
14	कोलड़ी 140	,, ,,	,, ,,	,,	,,
15	के नाथ 29/96	आभूषण-बत्तीसी	Ābhūṣana Battīsī	चन्द्रसेन	प/तालिका
16	कु थुनाथ 28/3	आसफखान की वार्त्ता व सवैये	Āsaphakhāna kī Vartā & Savaiye	—	प
17	महावीर 6 इ 47	आसिक-पच्चीसी	Āsika Paccīsī	—	,,
18	ओसिया 6 इ 10	उदर-रासा	Undara Rāsa	लाभसुन्दर	,,
19	के नाथ 11/13	ऋतु-सहार	Rtusamhāra	कालीदास	मू +ट (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध मत्र-यत्र-तत्र	प्रा स मा	389	24 से 28 × 10 से 15	पूर्ण/अपूर्ण	17 से 20वी	
,,	,,	10,2	,,	,,	19/20वी	

महाकाव्य आदि साहित्यिक ग्रथ —

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रशासनिक राजनीति	हिं	4	26 × 20 × 17 × 18	सपूर्ण	1926	
ऐतिहासिक वार्ता	रा	2	17 × 12 × 17 × 12	अपूर्ण	1919	
,, काव्य	,,	2	20 × 16 × 15 × 21	सपूर्ण	18वी	
साहित्यिक-काव्य	हिं	2	21 × 9 × 22 × 47	,, 26 पद्य	19वी	
,,	स	6	27 × 12 × 13 × 43	,, 110 श्लोक	19वी × वखत सागरण	
नैतिक साहित्यिक	,,	5	26 × 11 × 15 × 60	,, 101 श्लोक	1706 × जिनहर्ष	
,,	,,	14	30 × 14 × 8 × 36	,, ,,	18वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 10 × 31	,, 100 श्लोक	19वी	
,,	,,	14	30 × 14 × 20 × 70	,,	18वी विक्रमपुर	
साहित्यिक	,,	26	30 × 15 × 9 × 43	,,	,,	
एक पद के 8 लाख अर्थ	,,	41	27 × 11 × 12 × 52	,,	1946 × जोशी जेठमल	अलकारिक व्याख्यान
भक्ति मय औपदेशिक पद	रा	गु	19 × 15 × 14 × 27	,, 5 अध्याय शताधिक	1767	(अपरनाम ज्ञान-समुद्र)
,,	,,	गु	16 × 15 × 17 × 25	,, 183 सवैये	1773	
,,	,	8	25 × 11 × 17 × 37	प्रतिपूर्ण	19वी	
गहनो के नाम व काव्य	,	1	16 × 12 × —	सपूर्ण 34 छद	,,	
ऐतिहासिक साहित्यिक	,,	19	14 × 18 × 17 × 16	,, 154 छद	,,	
शृगारिक	रा	2	24 × 11 × 12 × 28	,, 25 पद	18वी	
चूहो पर हास्य व्यग काव्य	,,	3	22 × 10 × 10 × 23	,, ,,	20वी	
साहित्यक काव्य	,,	8	26 × 12 × 11 × 43	अपूर्ण (शिशिर 5वें सर्गतक)	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
20	कुंथुनाथ 19/3	ऐतिहासिक वर्षावली	Aıthāsıka Varṣāvalī	—	गद्य तालिका
21	केनाथ 29/97	,, ,	,, ,,	—	,,
22	सेवामदिर गु नि 6	कथा-सग्रह	Kathā Saṅgraha	सकलन	ग
23	कोलडी 854	कवीर की साखियाँ	Kabīra kī Sākhıyān	कवीरदास	प.
24	कुंथुनाथ 10/178	कर-सवाद	Kara Samvāda	मु लावण्यसमय	,,
25	केनाथ 17/16	कर्कराज शासन-पत्र	Karkarāja Śāsanapatra	—	ग.प
26	,, 5/11A	कला-विलास	Kalā Vılāsa	व्यासक्षेमेन्द्र	मू.प
27-34	कुंथुनाथ 12/203 13 14/49-51, 33/44 45, 3/72	कविता-सग्रह 8 प्रतिया	Kavıtā Sangraha 8 copies	भिन्न 2	प
35	कोलडी गु 10 7	कहावतों के दोहे	Kahāvaton ke Dohe	सकलन	,,
36	सेवामदिर 6 इ 24	कागडा वालोछ ढाणी की वार्ता	Kagadā Bālocha Dhānī kī Vārtā	—	ग
37	कोलडी गु 2/1	कार्पासिक नीति-शास्त्र	Kārpāsıka Nītiśsātra	—	प
38	केनाथ 18/55	काव्य सूक्तावली	Kāvya Sūktāvali	—	तालिका
39	ओसिया 6 इ 5	किरातार्जुनीय सटीक	Kırātā juniya +Tīkā	भारवि/मल्लिनाथसूरि	मू वृ (ग प)
40	कोलडी 713	,,	.	भारवि	मू प
41	केनाथ 22/26	,, -सटीक	,, +Tikā	भारवि/	मू वृ (प ग)
42	ओसिया 6 इ 9	,, ,,	,,	भारवि/मल्लिनाथ	,,
43	केनाथ 7/45	,,	,,	,,	मू प
44	ओसिया 6 इ 7	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
45-6	केनाथ 25/26, 7/5	,, -सटीक 2 प्रतिया	,, +Tikā 2 copies	,, /-	मू वृ (प ग)
47	सेवामदिर 6 इ 14	,, -की टीका	,, kı Tikā	मल्लिनाथ	ग
48	ओसिया 6 इ 6	,, ,,	,, ,,	—	,,
49	कोलडी 988	,, ,,	,, ,,	मल्लिनाथसूरि	,,
50	केनाथ 2/17	कुमारसभव-सटीक	Knmāra Sambhava Tikā	कालिदास/-	मू टी (प ग)
51	,, 10/104	,, -सावचूरि	,, +with Avacūrı	,, /-	मू अ ,,

6	7	8	8 A	9	10	11
किलो शहरो राज्यो के सवत्	रा	3	18 × 15 × 13 × 14	प्रतिपूर्ण	1793	मध्ययुगीन
राना व नगरो के सवत्	,,	2	25 × 11 × 11 × 30	,,	19वी	802 से 1788 तक (गुजरात व राज के)
बोधक-कथायें	,,	150	14 × 15 × 17 × 22	त्रुटक	,	पन्ने बिना क्रम के
औपदेशिक साहित्यिक	हिन्दी	11	29 × 12 × 21 × 48	सपूर्ण 31 विषयसाग 591 दोहे	,,	
बाये व दाहिने हाथ का वादविवाद	मा.	3	26 × 11 × 13 × 42	,, 69 छद	,,	
ऐतिहासिक वृत्तात	स	3	30 × 16 × 14 × 30	,,	,,	राजपुत्रदत्तिवर्मा द्वारा दिया गया
सुभाषितानि	,,	7	27 × 11 × 21 × 66	,, 10 सर्ग ग्र 676	17वी	पहिला पन्ना कम है
साहित्यिक रचनाये	डिं.	1,1,1,1 2,1,1,1	भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	19/20वी	स्फुट लघु ग्रन्थ
,, नैतिक काव्य	रा	गु	19 × 15 × 14 × 27	,; प्रर्याप्त	1767	समस्यापूर्त्ति
लोककथा	,,	6	22 × 15 × 15 × 33	सपूर्ण	1856 जीवाण	
नीतिशास्त्र	स	गु	14 × 9 × 9 × 16	,, 8 अध्याय 135 श्लोक	1666	
श्लोको की आदि गाथाये अकारादिक्रम से	,,	5	26 × 12 × 30 × 68	प्रतिपूर्ण	19वी	
ऐतिहासिकमहाकाव्य	,,	142	26 × 13 × 17 × 48	सपूर्ण 18 सर्ग	17वी	
,,	,,	60	22 × 11 × 11 × 40	,, ,,	1725	
,,	,,	128	26 × 11 × 4 × 42	,, ,,	1785	
,,	,,	139	26 × 12 × 17 × 52	,, ,,	1854विक्रमपुर वखतसुन्दर	
,,	,,	52	25 × 11 × 13 × 33	,, 19 सर्ग	1854	
,,	,,	36	28 × 13 × 10 × 46	अपूर्ण 11वें सर्ग तक	16वी	
,,	,,	232, 140	29 × 13 व 25 × 11	,, 16/17 सर्ग तक	18/19वी	
,,	,,	12	29 × 14 × 17 × 40	,, प्रथम सर्ग + मात्र	16वी	
,,	,,	33	26 × 12 × 17 × 64	,,	17वी	जीर्ण,पन्ने चिपक गये हैं
,,	,,	115	31 × 15 × 17 × 52	सपूर्ण 18 सर्ग	19वी	
साहित्यिक महाकाव्य	,,	45	29 × 11 × 10 × 34	,, 8 सर्ग	1541	७ या 8वें सर्ग 40 श्लोक तक हैं
,,	,,	38	26 × 12 × 10 × 31	,, 7 सर्ग	16वी	

1	2	3	3 A	4	5
52-3	कालडी 716-7	कुमारसभव 2 प्रतिया	Kumāra Sambhava 2 copies	कालिदास	मू प
54	ओमिया 6 इ 28	,,	,,	,,	,,
55-8	के नाथ 22/49, 7/9,22/28, 7/27	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
59-60	के नाथ 22/29, 6/99+ 22/10	,, -सटीक 2 प्रतिया	,, +Tikā 2 copies	,, /मल्लिनाथ	मू +वृ (प ग)
61	मेवामदिर गु ति-5	कृपण-दर्पण	Kṛpana Darpana	—	प
62	मुनिसुव्रत 3 इ 318	केशव-सुभाषित	Keśava Subhāsita	केशवदास	,,
63	के नाथ 29/64	कोकसार	Kokasāra	आनन्द	,,
64	कोलडी गु 11/4	,,	,,	,,	,,
65	कुथु 31/12	,	,,	,,	,,
66	कोलडी गु 9/7	कोकमजरी	Kokamañjarī	—	,
67	,, 768	कोकशास्त्र	Kokaśāstra	कोकदेव	ग
68-9	कुथु 44/8, 44/4	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
70	कोलडी 1315	खटमल व पोसती-रास	Khatamala & Posatī Rāsa	—	प
71	,, गु 6/1	खुमाणसिह बारहमासा	Khumānasimha Bārahamāsā	खुमाणसिह	,
72	,, पुट्टा 55 मे बिना नम्बर	गाहाकोश	Gāhākośa	वीरभद्र ?	मू प
73	कुथु 4/91	गागातैली-कथा	Gāngā Tailī Kathā	—	ग
74	कोलडी 1262	,,	,,	—	,,
75	के नाथ 29/85	,,	,,	—	,,
76	मेवामदिर 2/380	गुणसागर	Guna Sāgara	दौलु	,,
77	,, ति गु 4	गोरमजी की गजल	Goramjī kī Gajala	कविप्रेम	प
78	के नाथ 9/41	गोराबादल-चरित्र	Gorā Bādala Carıtra	वाचक हेमरत्न	,,
79	कुथु 42/6	,, -चौपई	,, Caupaī	—	,,
80	,, 40/2	चन्द्रकुमार की वार्ता	Candrakumāra kī Vārtā	—	,,
81	मेवामदिर ति गु 4	,, ,,	,, ,,	खुमाणरसक हसकविराय	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक महाकाव्य	स	26,27	25 × 10 × 13 × 36	सपूर्ण 8/7 सर्ग	1759/19वी	
,,	,	37	25 × 11 × 8 × 33	,, 7 सर्ग	1801 विक्रमपुर बखतसुन्दर	
,,	,,	29,44 35,13	24 से 26 × 11 से 12	अतिम प्रति अपूर्ण शेष सपूर्ण	1802 व 19वी	दूसरी प्रति मे टव्बार्थ भी है
,,	,,	30,98	25 से 28 × 11 से 12	प्रथम अपूर्ण द्वितीय पूर्ण	19वी/1823	
कजूस पर व्यग	रा.	2	16 × 10 × 22 × 17	सपूर्ण 44 गा	17वी	
नीति विषयक भी	डि	5	24 × 11 × 15 × 38	अपूर्ण 63 छद	18वी	
पुरुष-स्त्री रतीशास्त्र	रा	8	16 × 21 × 19 × 20	सपूर्ण	1835	
,,	,,	गु	12 × 11 × 16 × 15	अपूर्ण	1758	
,,	,,	7	16 × 23 × 22 × 19	,, 106 गा	19वी	
,,	,,	गु	12 × 10 × 10 × 17	,, 28 छद	1915	
,,	,,	10	26 × 11 × 15 × 48	(?)	19वी	
,,	,,	18,17	22 × 16 व 16 × 12	अपूर्ण	,,	पहिली प्रति मे औषधादि भी
साहित्यिक कविताये (दो)	,,	1	25 × 11 × 18 × 60	सपूर्ण 37+15 छद	,,	
शृंगारकि कविना	,,	गु	21 × 14 × 23 × 20	,, 28 छद	1870	
,,	प्रा	1	34 × 13 × 14 × 62	,, 40 गाथा	15वी	
लोककथा	म.	1	26 × 11 × 14 × 56	,,	19वी	
,,	,,	1	17 × 9 × 11 × 31	अपूर्ण	1932	(साथ मे 2 पन्ने रामायण के)
,	मा.	1	26 × 11 × 13 × 48	,,	19वी	
सुभाषित सग्रह	रा	11	16 × 13 × 9 × 22	सपूर्ण	1956 जोधपुर आसकरण	1921 की कृति
गोरमनाथ धाम व यात्रा वृत्तात	हिं.	4	17 × 11 × 20 × 11	,, 28 गा	1892	1837 की कृति
ऐतिहासिक वार्त्ता	,,	30	26 × 11 × 14 × 40	,, 738 गा	19वी	
,,	मा.	44	26 × 11 × 14 × 32	अपूर्ण 888 गा	,,	
लोककथा	रा	7	15 × 26 × 30 × 25	सपूर्ण 87 गा	1831	
,,	,,	12	17 × 11 × 22 × 10	,, 89 गा.	1892	

1	2	3	3 A	4	5
82	कोनडी 9/13	चन्द्रकुमार की वार्ता	Candrakumāra kī Vārtā	खुमाण रसकहस कविराय	प
83	कुंथुनाथ 54/1	,, की कथा	,, kī Kathā	—	ग
84	ओमिया 6 इ 38	चाणक्य-नीति	Cānakya Nīti	चाणक्य	मू ट (प ग)
85	,, 6 इ 8	,,	,,	,,	मू प
86	कोनडी 1093	,, लघु व वृहत् नीति-शास्त्र	,,	,,	मू ट (प ग)
87	सेवामदिर 5 अा 6	,, ,,	,,	,,	मू प
88	कुंथुनाथ 16/1	,, ,	,'	,,	,,
89	,, 44/1	,, लघुनीति सानुवाद	,,	, /भावनादास	मू बा (प)
90-2	,, 33/9 35/40, 19/1	,, ,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,	मू प
93-5	के नाथ 15/181 16/25, 15/138	,, नीति ,,	,, ,,	,,	,,
96	सेवामदिर 6 इ 45	चापावत भाटियोरी कमाल	Cāmpāvata Bhātiyon Rī Kamāla	—	पद्य
97-8	के नाथ 26/60 92	चित्तौडगढ गजल 2 प्रतिया	Cittauda Gadha Gajala 2 copies	खेतलजंनयति	,,
99	मुनिमुव्रत 6 इ 43	जखडी	Jakhadī	—	,,
100	के नाथ 26/93	जगदेव परमार की वार्ता	Jagadeva Paramāra kı Vārtā	"कविश्वर"	ग.
101	सेवामदिर गु ति 4	,, ,,	,, ,,	,,	,,
102	,, दे गु 4	जमाल-शृ गार	Jamāla Śrngāra	मोहनोतचन्द्र सेन	प
103	के नाथ गु 2	जलाल गाहाणी की वार्ता	Jalāla Gāhānī kī Vārtā	—	ग
104	मुनिमुव्रत 3 इ 32	जीभ-दात विवाद	Jībha-dānta Vivāda	—	प.
105	कोनडी गु 11/10	डाकोर रणछोडजी रोशिलोको	Dākora Ranachodaji śiloko	—	,,
106	के नाथ गुटका 10	ढोला-मारवणी-चौपाई	Dholā Māravanī Caupaı	वाचक कुशललाभ	,,
107	कोनडी गु 12/8	,,	,,	—	,,
108	कुंथुनाथ 54/4	,, के दोहे	,, ke Dohe	—	,,
109	के नाथ गु 2	दाढाला वाराह मूडण की वार्ता	Dādhālā Bāraha Bhūndana kī Vārtā	"कवीश्वर"	ग
110	कोनडी गु 6/1	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
लोककथा	रा	19	15 × 11 × 10 × 16	अपूर्ण 54 छद	19वी	1740 की कृति
,,	,,	50	17 × 13 × 12 × 7	सपूर्ण	1922	अत मे गिदोली कथा बिल्कुल अपूर्ण
राजनीति-शास्त्र	स	32	18 × 10 × 5 × 22	,, 8 अध्याय	16वी	
,,	,,	37	23 × 14 × 18 × 15	,, 534 श्लोक	17वी	
,,	स मा	36	22 × 11 × 5 × 33	अपूर्ण पहिले 3 पन्ने कम	1847	
,,	स	10	22 × 11 × 10 × 42	वृहत् के 4 अध्याय लघु पूरे 8	19वी	
,,	,,	8	26 × 14 × 17 × 46	लघु के 7 व वृहत् के पूरे 8 अध्याय	1939	
,,	स हिं	20	14 × 17 × 14 × 24	पहिले 2 पन्ने कम/ लगभग पूर्ण	1936	
,,	स	6,15,7	17 से 28 × 11 से 15	प्रथम 2 पूर्ण अतिम अपूर्ण	20वी	
,,	,,	11,4 8	24 से 26 × 11 से 12	अपूर्ण	1850 से 20वी	
ऐतिहासिक काव्य	डिं	6	17 × 12 × 10 × 21	सपूर्ण 29 छद	19वी × गेनचद	
गढ-वृत्तान्त	मा	4,4	23 × 11 × 15 × 30	,,	19/20वी	
कृष्ण-रुक्मिणी व्याह	डिं.	3	25 × 10 × 13 × 38	,,	18वी	
शौर्यसत्य पर जीवना	रा	32	20 × 15 × 23 × 22	,,	1814	12वी सदी की धारा नगरी
,,	,,	60	17 × 11 × 20 × 10	,,	1892	बीच 2 मे दोहे
स्त्री शृ गार	,,	6	15 × 11 × 7 × 21	,, 16 गाथा	1822	
ऐतिहासिक कथा	,,	24	22 × 18 × 14 × 27	,,	1813	
साहित्यिक कल्पना	,,	1	23 × 10 × 10 × 28	,, 9 गाथा	19वी	
लोककथा	,,	गु	15 × 13 × 9 × 19	,,	1834	रजपूत विजैनद री कथा
प्रसिद्ध लोक गीत	मा	23	20 × 12 × 20 × 31	,, 819 छद	1755	1677 या 17 की कृति
,,	,,	गु	19 × 12 × भिन्न 2	अपूर्ण	19वी	जीर्ण
,,	,,	,,	17 × 14 × 11 × 18	सपूर्ण 454 दोहा	1828	
साहित्यिक वीर-कथा	डिं	13	22 × 18 × 14 × 27	सपूर्ण	1814	
,,	,,	गु	21 × 14 × 23 × 20	अपूर्ण	1870	

1	2	3	3 A	4	5
136	कोलडी 993	पहेली-संग्रह	Paheli Sangraha	सकलन	प
137	,, 1261	पच-तन्त्र	Pañcatantra	विष्णु शर्मा	मू
138	,, 1105	,,	,,	,,	मू प
139	के नाथ 15/188	,, सहबालावबोध	,, +Bālāvabodha	,, /-	मू. +बा.
140	,, 16/2	, का पद्यानुवाद	,, kā Padyānuvāda	मेरुसूरि का शिष्य	प.
141	कोलडी गु 11/9	,, -भाषा	,, Bhāṣā	(मू हितोपदेश से)	ग
142	के नाथ गु 20	पचसहेली-वार्ता	Pañca Saheli Vārttā	छीहल	प
143	कालडी गु 2/3	,,	,,	,,	,,
144	,, 1319	,,	,,	,,	,,
145	के नाथ गु 26/103	पुरुष 72 कला स्त्री 64 गुण	Puruṣa 72 kalā Strī 64 Guna	—	ग
146	ओमिया 6 इ 12	पुष्करणो की उत्पत्ति	Puṣkaranon kī Utpatti	—	,,
147	सेवामदिर 6 इ 44	पोसती-रास	Posatı Rāsa	वसत	प ग
148	के नाथ 17/4	प्रबोधचन्द्रोदय	Prabodha Candrodayā	कृष्णमिश्र	मू नाटक
149	,, 9/42	प्रश्नपष्टिशतकम्	Praśna Ṣastı Śatakam	जिनवल्लभ	पद्य
150	सेवामदिर गु ति 5	प्रीत के दोहे, परिहा व पद	Prītake Dohe Parıhā & Pada	सकलन	प
151	कोलडी 1312	प्रीत सखी के दोहे	Prīta Sakhī ke Dohe	—	,,
152	के नाथ 26/103	पूहड स्त्री रास	Phūhadastrī Rāsa	जयदेव	,,
153	सेवामदिर गु दे 4	बारहमासा	Bāraha Māsā	काजीहमीद	,,
154	कोलडी 272	,,	,,	,,	,,
155	,, गु 7/7	बावनी (कुडलिया+कवित्त)	Bāvanī	मुनि धर्मसिंह	,,
156	सेवामदिर गु दे 15	बाकीदास-ग्रथावली	Bānkīdāsa Granthāvalı	कवि बाकीदास	,,
157	,, गु ति 4	बिरद श्रृ गार	Bırada Śrṅgāra	कविया करणीदान	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
समस्या सुभाषित श्लोक	स.	2	27 × 13 × 17 × 45	प्रतिपूर्ण 78 श्लोक	19वी	
साहित्यिक बोध कथायें	,,	152	22 × 16 × 17 × 32	सपूर्ण 5 तन्त्र	1788	
,,	,,	3	24 × 12 × 14 × 36	अपूर्ण 75 श्लोक मात्र	19वी	
,,	स मा	11	25 × 11 × 17 × 60	,, 143 श्लोक तक	18वी	
,,	मा	68	26 × 11 × 14 × 38	त्रुटक (श्लोक 1902/ग्र 4600	19वी	1522 की कृति
,,	हिं	गु	19 × 14 × 14 × 20	सपूर्ण चारो विभाग	1784विक्रमपुर	
शृ गार प्रधान लोक-कथा	रा	10	20 × 15 × 14 × 25	,, 163 गाथा	1754	1575 की कृति
,,	,,	गु	15 × 12 × 12 × 22	,,	1762	,,
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 28	,, 63 गाथा	1802	प्रथम पन्ने पर राम सिलोको (श्लोक)
साहित्यिक	,,	1	25 × 12 × 20 × 56	,,	18वी	
जाति उत्पत्ति व्यग	,,	1	43 × 11 × 18 × 65	,,	20वी	
साहित्यिक काव्य	,,	8	26 × 11 × 10 × 36	,,	19वी	(देखें खटमल व पोमतीरास)
,, कृति	स	28	30 × 16 × 13 × 40	,, 6 अक	,,	
,, ,,	,,	11	26 × 11 × 12 × 37	,, 162 श्लोक (प्रथम पन्ना कम)	,,	श्लोक मे ही प्रश्नोत्तर
प्रेमपत्री नीति व स्फुट	मा	19	16 × 10 × 33 × 19	प्रतिपूर्ण 256 कुल पद	1764	
,,	,,	3	25 × 11 × 17 × 48	,, 141+18 दोहे	19वी	
स्त्री-लक्षण	,,	2	25 × 12 × 20 × 56	,, 33 गाथा कुल	18वी	अत मे तबाखू गीत
विरहिणी गीत	हिं	26	15 × 11 × 8 × 15	सपूर्ण 122 गाथा	1823	प्रथम 6 दोहे कम
,,	,,	35*	26 × 11 × 22 × 58	,, 95 गा	1732	
साहित्यिक औपदेशिक	मा	गु.	22 × 16 × 20 × 30	,, 52 कुडलिया+57 कवित्त	19वी	
सिंह छत्तीसी, सूर-छत्तीसी, कृपण-पच्चीसी, वचनविवेक पच्चीसी वणिक-वार्त्ता, मोहमर्दन	डि	12	15 × 10 × 27 × 19	अपूर्ण 15 मे से केवल 7 ग्रथ क्रमाक 9 से 15	1939	
ऐतिहासिक काव्य महाराज अभयसिंह जोधपुर हेतु	डि	21	17 × 11 × 18 × 10	सपूर्ण 134 गा	1892	

1	2	3	3 A	4	5
158	कोलडी गु 10/7	विहारी सतसई	Bıhārī Satasaī	कवि विहारीलाल	प.
159	सेवामदिर गु दे 21	,,	,,	,,	,,
160	कोलडी 1145	,,	,,	,,	,,
161	,, 1272	,,	,,	,,	,,
162	के नाथ 29/63	,, -सटीक	,, with Tıkā	विहारी/सूरतिमिश्र	मू टी (प ग)
163	कोलडी 1256	,, -सटीक सानुवाद	,, ,,	,, /-	,, (वा)
164	के नाथ 27/50	,,	,,	विहारी	मू प
165	ओसिया 6 इ 16	,, -सूचनिका	,, Sūcanıkā	—	ग
166	के नाथ गु 26/103	विजा सोखी के दोहे	Bıñjā Saukhī ke dohe	कवि विजा	प
167	कोलडी गु 11/9	वीकानेर की गजल	Bikānera kī Gajala	उदेचद	,,
168	,, गु 6/1	वीका सोरठ की वार्त्ता	Bikā Soratha kī Vārttā	—	ग
169	के नाथ 29/89	वुढ्ढा-रास	Buddhā Rāsa	—	प
170	ओसिया 6 इ 17	वुढ्टे का चौढालिया	Buddhe kā Caudhālıyā	—	,,
171	कोलडी 1268	भट्टिकाव्य	Bhattı Kāvya	भट्टिकवि	,
172	, 1191	,, -सटीक	,, with Tikā	भट्टिकवि/जयमगल	मू टी (प ग)
173	ओसिया 6 इ 20	भामिनीविलास	Bhamını Vılāsa	जगन्नाथ	मू प
174	,, 6 इ 30	,,	,,	,,	,,
175	सेवामदिर गु दे 4	भाषा ग्रन्थ	Bhāsā Grantha	छाजुराम	पद्य
176	के नाथ 17/33	भाषा-मण्डन	Bhāsā Mandana	—	ग
177	,, 17/15	भूगोल व इतिहास	Bhūgola & Itıhāsa	—	,,
178	कोलडी गु 11/5	भोज, माघ व वुढिया की कथा	Bhoja Māgha & Budhıyā kī Kathā	—	,
179	कुथुनाथ 13/221	,,	,,	—	,,
180	कोलडी गु 10/5	भ्रमविहडण	Bhrama-vıhandana	—	प.
181	ओसिया 6 इ 11	मजालिस	Majālısa	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
शृ गारिकसाहित्यिक	हि	गु	19 × 15 × 14 × 27	दोहे 70 से 710 तक	1767	
,,	,,	54	23 × 16 × 18 × 15	सपूर्ण 710 दोहे	1793	अत मे कवि आलम के 8 कवित्त
,,	,,	23	25 × 11 × 14 × 40	लगभग पूर्ण 16 से 702 तक	18वी	प्रथम व अतिम पत्रा नही
,,	,,	56	20 × 15 × 18 × 27	सपूर्ण 699 दोहे	1869	
,,	,,	75	21 × 13 × 20 × 14	त्रुटक 3-4 प्रतियो के पत्रे	19वी	टीका अमर चद्रिका नाम्नी अकारादिक्रम से सूची भी है
,,	,,	गु	15 × 15 × 18 × 26	अपूर्ण 349 से 709 अत तक	,,	सपूर्ण के ग्रथाग्र 4505 थे
,,	,,	26	25 × 11 × 15 × 45	बिल्कुल अपूर्ण	,,	
आलोचनात्मक अध्ययन	रा	7	28 × 13 × 19 × 55	सपूर्ण	18वी	
साहित्यिक-कृति	डि	1	25 × 12 × 20 × 56	,, 62 दोहे	,,	
वृत्तान्त	रा	11	17 × 14 × 14 × 23	,,	1784	
ऐतिहासिक-काव्य	,,	गु	21 × 14 × 23 × 20	अपूर्ण	1870	
वृद्ध विवाह पर व्यग	,,	3	21 × 11 × 21 × 48	सपूर्ण	19वी	
वृद्धावस्था दु ख	,,	4	26 × 12 × 16 × 50	,,	1836	
रामकथा-साहित्यिक	स	5	27 × 13 × 19 × 35	अपूर्ण प्रकीर्ण काण्डे तृतीय सर्ग	19वी	
,,	,,	50	33 × 14 × 13 × 50	,, ,,	,,	
साहित्यिक कृति	,,	13	26 × 12 × 13 × 42	सपूर्ण 4 विलास श्लो 283	1823विक्रमपुर वखतसुदर	
,,	,,	19	27 × 13 × 10 × 39	,,	19वी	
सात भाषा, सात कवित्त	भिन्न 2	3	15 × 15 × 9 × 18	प्रतिपूर्ण 7 पद	1823	सिरोही, गुजराती, मेवाडी, पजाबी, थली ढुढाडी मारवाडी
भाषा उपयोगितादि	डि	6	30 × 16 × 15 × 38	सपूर्ण	19वी	
वैष्णव शास्त्रो व आम्नायानुसार	स	4	30 × 16 × 18 × 82	प्रतिपूर्ण	,,	जबूद्वीप राजा आदि जानकारी
लोककथा-तात्त्विक	रा	गु	15 × 11 × 14 × 14	सपूर्ण	,,	
,,	,,	1	26 × 11 × 11 × 48	,,	,,	
साहित्यिक कृति	मा	गु	19 × 13 × 13 × 23	अपूर्ण 75 गा	1884	
,, वार्त्ता	हिं	2	25 × 10 × 14 × 49	प्रतिपूर्ण	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
182	कृथुनाथ 45/4	मदनकुमार शतक-वार्त्ता	Madanakumāra Śataka Vārttā	—	ग प
183	कोलडी गु 2/1	मदनयुद्ध	Madana Yuddha	—	प
184	कुथुनाथ 41/1	मधुमालती-चौपई	Madhu Mālatī Caupaī	कायस्थ चतुर्भुज	,,
185	के नाथ 29/66	,, -प्रबन्ध	,, Prabandha	—	,,
186	कोलडी गु 9/2	,, -चौपई	,, Caupaī	—	,,
187	कृथु 48/1	मारवाड का इतिहास	Māravaḍa kā Itihāsa	—	ग
188	कोलडी गु 10/5	,,	,,	—	,,
189	के नाथ 29/86	मारुवणी-मेवाडी सवाद	Maruvanī Mevāḍī Samvāda	—	प ग
190	कोलडी 964	माधाताराजा-उत्पत्ति कथा	Māndhātā Rājā Utpatti Kathā	—	ग
191	,, गु 2/3	मूर्खप्रकार	Mūrkha Prakāra	—	,,
192	के नाथ 16/3	मेघदूत	Meghadūta	कालिदास	प.
193	ओसिया 6 इ 32	,,	,,	,,	,,
194	के नाथ 1/35	,,	,,	,,	,,
195	,, 14/82	,,	,,	,,	,,
196	कोलडी 984	,, सावचूरी	,, with Avacūri	,,	मू × अ (प ग)
197	महावीर 6 इ 21	,,	,,	,,	मू + ट (प ग)
198	कोलडी 714	,, सावचूरी	,, ,,	,,	मू + अ (प ग)
199-201	के नाथ 24/18, 17, 13/48	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	मू प.
202	ओसिय 6 इ 26	,, सटीक	,, with Tikā	कालिदास/मल्लिनाथ	मू + टी(प ग)
203	कोलडी 1043	,	,,	,,	मू प
204	, 715	,, की टीका	,, kī Tikā	मल्लिनाथ	गद्य
205	के नाथ 14/79	,, पजिका	,, Pañjikā	—	,,
206	कोलडी 1241	मेडतिया जालमसिंह की कमाल	Medatiyā Jālamasimha kī Kamāla	चारण हेमराज	प ग
207	कृथु 13/220	,, शेरसिंह का शिलोका (श्लोका.)	,, Śerasimha kā Śilokā	—	प
208	कोलडी गु 6/1	मेवाड-रास	Mevāda Rāsa	जिनेन्द्र	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक वार्त्ता	हिं	गु	17 × 14 × 11 × 18	सपूर्ण 110 दोहे सहित	1828	
,,	रा	,,	14 × 9 × 9 × 16	,,	1666	
,, महाकाव्य	,,	53	13 × 13 × 17 × 26	,, 883 गा	1825	
,,	,,	22	22 × 10 × 15 × 60	प्रथमवध पूर्ण	1764	
,,	,,	गु	21 × 13 × 11 × 25	अपूर्ण 69 छद	19वी	अपरनामरसिक-मालती
इतिहास भारतीय सदर्भ मे	,,	49	15 × 13 × 10 × 15	सपूर्ण	1770	
,,	,,	40	19 × 13 × 13 × 23	अपूर्ण	1884	
दूल्हा-दुल्हिन सवाद	डिं.	1	25 × 10 × 20 × 84	सपूर्ण 67 छद	19वी	
गर्भ-सक्रमण पर कथा	रा	2	25 × 12 × 12 × 43	,,	1874	
साहित्यिक	,,	गु	15 × 12 × 12 × 22	,, 90 प्रकार	1762	
,,	स	16	26 × 11 × 11 × 31	,,	1597	
,,	,,	9	26 × 11 × 13 × 52	,, 124 श्लोक	16वी	
,,	,,	17	26 × 11 × 7 × 37	,, 125 श्लोक	,,	
,,	,,	14	24 × 11 × 11 × 31	,, ,,	1637	भीगी हुई है
,,	,,	8	25 × 13 × 11 × 52	,, ,,	1642	
,,	,,	15	24 × 11 × 10 × 29	,, 124 श्लोक	1663 × कनकरत्न	
,,	,,	12	31 × 11 × 15 × 35	,, 127 श्लोक	1734	
,,	,,	7,9,7	26 × 12 × भिन्न 2	प्रथम दो सपूर्ण अतिम प्रति अपूर्ण	1823 से 20वी	प्रथम मे टब्बार्थ भी है
,,	,,	38	25 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण 121 श्लोक	19वी विक्रमपुर बखतसुदर	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 45	अपूर्ण 23 श्लोक मात्र	19वी	
,,	,,	66	24 × 10 × 9 × 32	सपूर्ण 121 श्लोक	1727	सजीवनी नाम्नी
,,	,,	16	24 × 10 × 13 × 44	अपूर्ण 84 श्लोक तक	19वी	
ऐतिहासिक वीर काव्य	डिं	7	26 × 16 × 13 × 26	सपूर्ण	1813	
,,	मा	2	26 × 11 × 16 × 44	अपूर्ण 30 गा	19वी	अत मे औषध + मत्र
साहित्यिक ऐति	,,	गु	21 × 14 × 23 × 20	सपूर्ण 12 छद	1870	

1	2	3	3 A	4	5
209	कोल्डी 1250	रघुवंश	Raghuvaṃśa	कालिदास	मू प
210	के नाथ 2/10	,,	,,	,,	,,
211	,, 14/81	,,	,,	,,	,,
212	कोलडी 711	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /मल्लिनाथ	मू टी (प ग)
213	के नाथ 14/80	,,	,,	,, —	,,
214	,, 2/12	,,	,,	,/श्री विजयगणि	,,
215	महावीर 6 इ 46	,,	,,	कालिदास	मू प
216	ओसिया 6 इ 3	,,	,,	,,	,,
217-20	कोलडी 709, 1084,1317, 710	,, 4 प्रतियां	,, 4 copies	,,	,,
221-3	के नाथ 16/33, 22/1, 24/12	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,, मू टी (प ग)
224	,, 27/60	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /मल्लिनाथ	,,
225-6	ओसिया 6 इ 31 53	,, ,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	ग.
227	कुंथुनाथ 25/4	,, -की टीका	,, kī Tīkā	दिनकर मिश्र	,,
228	कोलडी 712	,, -की पंजिका	,, Pañjikā	वल्लभदेव	,,
229	के नाथ 29/58	,, -की टीका	,, Tīkā	श्री विजयगणि	,,
230	कोलडी 1260	,, ,,	,, ,,	मल्लिनाथ	,,
231	के नाथ 29/60	,, ,,	,, ,,	,,	,,
232	, 2/24	,, ,,	,, ,,	चरित्रवर्द्धन (खरतर गच्छी)	,
233	', 18/32	,, ,,	,, ,,	गुणविनय	,,
234	,, 24/15	,, दुर्घटपदव्याख्या	,, Durghata Pada Vyākhyā	वैद्य कुडराज	,,
235	,, 7/24	,, +कुमारसंभव+मेघदूत दुर्घटपदव्याख्या	,,+Kumāra Sambhava+Meghadūta	,,	,,
236	कोलडी गु 3/1	रतनाहमीर की वार्त्ता	Ratanā Hamīra kī Vārttā	—	प
237	कुंथुनाथ 31/10	रसप्रवाह-रस	Rasa Pravāha Rasa	कविचंद	,,
238	,, 43/4	रस-मंजरी	Rasa Mañjarī	भानुदत्त कवि	,,

1	2	3	3 A	4	5
239	ओमिया 6 अ 96	रसमजरी	Rasa Mañjarī	भानुदत्त कवि	प
240	,, 6 अ 98	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /शेष	मू वृ (प ग)
241	, 6 अ 95	,, ,,	,, ,,	,, /गोपालभट्ट	,,
242	कोलडी गु 9/14	रसावला गोगाजी का-रास	Rasāvalā Gogājī kā Rāsa	विठू मेह	प
243	कुथुनाथ 40/2	रसिक प्रिया	Rasikapriyā	केशवदास	,,
244	कोलडी गु 11/12	,,	,,	,,	,,
245	के नाथ 10/46	,,	,,	,,	,,
246	कुथु 44/9	राजा भोज की वात	Rājābhoja kī Bāta	व्यास भवानीदास	ग
247	के नाथ 17/14	राठौडो की प्रयावली व उत्पत्ति	Rāthaudon kī Prayāvalī & Utpatti	भट्टारक खूबचद खरतर	ग प
248	कोलडी गु 11/11	,, की वशावली	,, kī Vamśavalī	—	ग.
249	,, गु 7/3	,, व राजपूतो की पीढिये	,, & Rajapūton kī Pīdhiyen	—	,,
250	,, गु 2/3	राधाकृष्ण वारहमासा	Rādhākrṣna Bārahamāsā	चुतरा चारण	प
251	के नाथ 26/103	रामचन्द्र नाटक रस	Ramacandra Nātaka Rasa	—	ग.
252	कोलडी गु 10 7	रामरासो	Rāma Rāsau	माधौदास दधाडिया	प.
253	सेवामदिर 5 अ 24	,,	,,	,,	,,
254	कोलडी गु 11/9	,,	,,	,,	,,
255	,, गु 10/8 + 10/7	,,	,,	,,	,
256	,, गु 1/6	रावरतनजी की वचनिका	Rāval Ratanajī kī Vacanika	राठौड महेशदास	,,
257	,, 876	राष्ट्रकूट-वशावली	Rāstrakūta Vamśāvalī	—	ग तालिका
258	सेवामदिर गु नि 4	रिसालू राजा की वार्त्ता	Risālū Rājā kī Vārttā	—	ग
259	के नाथ 20,25	,, ,,	,,	—	,,
260	कोलडी 272	लाहौर वर्णन + गजल	Lāhaura Varnana + Gajala	जट्टमल नाहर	प
261	,, 1321	लुकमान हकीम की नसीयत	Lukamāna Hakīma kī Nasīyata	लुकमान हकीम	ग
262	महावीर 2/396	वज्जालय (छाया सह)	Vajjālayam	—	मू अ (प्रा स)
263	कोलडी गु 7/4	वागरव्याल	Vāgara Vyāla	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
पत्नी गुण लक्षण मनोविज्ञान	स	10	27 × 12 × 14 × 49	सपूर्ण 139 श्लोक	19वी	
,,	,,	29	26 × 12 × 17 × 58	,, ,,	,,	
,,	,,	24	24 × 10 × 14 × 53	,, 138 श्लोक	,,	
सर्प पूजा (शक्ति भक्ति)	रा.	गु.	17 × 12 × 10 × 22	,, 16 छद	1800	
श्रृ गार रस प्रधान 9 रस पूर्ण ग्रथ	हिं.	57	15 × 26 × 30 × 25	,, 16 प्रभाव	1729	
,,	,,	गु	16 × 15 × 17 × 25	,, ,,	1773	
,,	,,	23	29 × 14 × 10 × 28	अपूर्ण चार प्रभाव	19वी	
साहित्यिक ऐतिहासिक	मा.	55	16 × 22 × 17 × 22	,	,,	
,,	,,	22	30 × 16 × 14 × 28	सपूर्ण	1906	
,,	रा	गु	14 × 11 × 10 × 11	प्रतिपूर्ण सिहाजी से रामसिह	1810	
,,	,,	16	24 × 17 × 16 × 23	,,	19वी	
विरह गीत	डि.	गु	15 × 12 × 12 × 22	,, 14 छद	1762	
साहित्यिक	रा	2	25 × 12 × 20 × 56	सपूर्ण	18वी	अत मे 'चौवोली' कथा
रामकथा साहित्यिक	,,	गु	19 × 15 × 14 × 27	,, 1094 छद	1767	
,,	,,	33	25 × 11 × 15 × 55	,, 2375 छद	1773 × खेतसिहमुनि	
,,	,,	गु	17 × 14 × 14 × 23	,, 1035 छद	1784	
,,	,,	77	15 × 11 × 21 × 27	लगभग पूर्ण 1077 छद	19वी	अत मे औषध नुस्खे
राठौड महिमा इतिहास	डि.	53	13 × 13 × 10 × 12	सपूर्ण	1767 माडको पूरणप्रभू	तीर्थ व राजधानिया स्थापना के सवत् भी
राठौड वशावली पौराणिक	मा	1	25 × 11 × —	,, 73 पीढी	19वी	
लोककथा	,,	26	17 × 11 × 20 × 10	,,	1892	बीच 2 मे दोहे भी हैं
,	,,	16	20 × 12 × 14 × 25	,,	19वी	
नारि व शहर वृत्तात	,,	गु	26 × 11 × 22 × 58	,,	1732	
नैतिक शिक्षाये	हिं	3	26 × 12 × 12 × 32	,,	1909	अत मे प्रताप पच्चीसी' के 6 दोहे
सुभाषित सग्रह	प्रा सं	58	27 × 12 × 14 × 42	,,	1653विक्रमपुर धर्मस्नेह	
साहित्यिक	डि	गु.	23 × 15 × 11 × 23	,, 31 छद	1746	

1	2	3	3 A	4	5
264	के नाथ 17/30	विजयसिंहराजोत्पत्ति	Vijayasimha Rajotpatti	पडित केशव	प
265	कोलडी गु 10/(	विरह-बत्तीसी	Viraha Battīsī	रसिकनाथ	,,
266	,, 1255	वीरमदेव-नारी (पन्ना) वार्त्ता	Vīramadeva Nārī Vārttā	शेरसिंह	प ग
267	ओसिया 6 इ 15	वृन्द सत्सई	Vrnda Satsaī	वृन्दकवि	प.
268	कोनडी 850	,,	,,	,,	,,
269	,, गु 1/12	,,	,,	,,	,,
270	के नाथ गु 7	,,	,,	,,	,,
271	कोनटी गु 7/4	वैताल-कथा	Vaitālakathā	—	,,
272	ओसिया 6 इ 9	, भट्ट कवित्त	,, Bhatta Kavitta	—	,,
273	के नाथ 7/14	वैराग्य-शतक	Vairāgya Śataka	भर्तृहरि	मू प
274	ओसिया 5 श्रा 1	,, -सटीक	,, with Tīkā	, /-	मू वृ (प ग)
275	के नाथ 22/51	वैराग्य शृंगार शतक	,, Śrngāra Śataka	,,	मू प
276	,, गु 2	वैहली मराहिब साहिब-वार्ता	Vaihalī Marāhiba Sāhiba Vārtā	—	ग + प
277	महावीर 6 इ 50	शतार्थवृत्तिकाव्य सावचूरि	Śatārtha Vrtti Kāvya with Avacūri	सोमप्रभाचार्य	ग
278	के नाथ 7/6	शिशुपाल वध	Śiśupāla Vadha	माघ	मू प
279	ओसिया 6 इ-1	,,	,,	,,	,
280	कोनडी 1247	,,	,	,,	,,
281	,, 719	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /मल्लिनाथ	मू + वृ (प ग)
282	ओसिया 6 इ-27	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	,, /-	मू + अ ,,
283	के नाथ 7/4	,	,,	,,	मू प
284	,, 17/68	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /मल्लिनाथ	मू + वृ (प ग)
285	ओसिया 6 इ 33	,, ,,	,, ,,	,, /समयसुदर	,,
286	के नाथ 22/53	,, ,,	,, ,,	,, /वल्लभदेव	,,
287	ओसिया 6 इ 22	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,
288	कुथुनाथ 28/18	,, ,,	,, ,,	,, / ,,	,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक काव्य	स.	3	30 × 16 × 13 × 35	सपूर्ण 44 श्लोक	19वी	
साहित्यि विरहनी वर्णन	रा	गु	22 × 16 × 30 × 33	,, 33 छद	,,	
ऐतिहासिक काव्य	,,		15 × 15 × 15 × 22	,,	1868	
नैतिक आदि	मा	13	26 × 13 × 20 × 52	,, 700 दोहे	1821 पालनपुर जिनविजय	
,,	,,	19	31 × 12 × 14 × 48	,, 702 दोहे	1860 धोलका कनकराज	
,,	,,	61	14 × 14 × 12 × 17	,, 700 दोहे	1885	
,,	,,	50	23 × 16 × 21 × 15	,, 716 दोहे	1887	
लोककथा	,,	गु	23 × 15 × 11 × 23	अपूर्ण 49 छद	1746	
विक्रम वैताल कथा काव्य	,,	5	25 × 10 × 15 × 50	63 पद्य प्रतिपूर्ण	1706 आणनगरे थोभा	
वैराग्य परक साहित्यिक	स.	15	23 × 11 × 11 × 24	सपूर्ण 108 श्लोक	1845	
,,	,,	5	26 × 12 × 17 × 65	अपूर्ण 44 श्लोक तक	19वी	
विरक्ति व साहित्यिक	,,	47	28 × 14 × 7 × 43	सपूर्ण 101+135 श्लो	,,	
वीर कथानक	रा	25	22 × 18 × 14 × 27	,, 85 अनुच्छेद	1807	
भापा पाडित्य सा.	स	25	27 × 12 × 12 × 41	,,	1946	
ऐतिहासिक महाकाव्य	,,	72	26 × 11 × 13 × 45	,, 20 सर्ग	17वी	
,,	,,	66	26 × 12 × 15 × 45	,, ,,	18वी	
,,	,,	81	27 × 13 × 11 × 42	,, ,,	1889	
ऐतिहासिक टीका सर्वकपा नाम्नी	,,	452	24 × 12 × 14 × 46	,, मूल श्लोक 1684	1872	अत मे 3 पन्ने कम हैं
ऐतिहासिक महाकाव्य	,,	33	26 × 11 × 13 × 40	अपूर्ण 8 सर्ग तक	16वी	
,,	,,	21	26 × 12 × 13 × 38	,, 5 ,,	19वी	
,,	,,	62	25 × 11 × 15 × 34	,, 3 ,,	,,	
,,	,,	12	26 × 12 × 23 × 75	,, 2 ,,	18वी	जीर्ण
,,	,,	46	26 × 11 × 17 × 51	,, सर्ग 3/10 तक	17वी	
,,	,,	18	27 × 12 × 22 × 70	,, 2 सर्ग	18वी	
,,	,,	12	29 × 13 × 6 × 60	,, त्रुटक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
289	कोलडी 991	शिशुपाल वध सटीक	Śiśupāla Vadha with Tīkā	माघ/वल्लभदेव	मू वृ (प ग)
290	कुथुनाथ 40/2	शुक्र बहोत्तरी	Śukrabahottarī	भट्ट देवदत्त	ग
291	महावीर 6 इ 48	शृंगार वैराग्य मुक्तावली	Śrngāra Vairāgya Muktāvalī	विमलाचार्य	प
292	के नाथ गु 11	सदयवच्छ- सावलिंगा-चौपई	Sadayavachha Sāvalıngā Caupaī	केशवमुनि	,,
293	कुथुनाथ 52/21	,,	,,	,,	,
294	कोलडी 272	,, की वार्त्ता	,, kī Värttā	—	,,
295	,, गु 12/8	,, की चौपई	,, Caupaī	केशवमुनि	,,
296	कुथु 28/15	, ,,	,, ,,	—	,,
297	सेवामदिर 6 इ 54	,, ,,	,, ,,	—	,,
298	के नाथ 23/67	सप्तशती	Saptaśatī	हाल विरचित गाथा वच्छल कवित्तद्वार ऽकथित	मू+ट (प ग)
299	महावीर 6 अ 6	सस्कृत भाषा मजरी	Samskrta Bhāṣa Mañjarī	—	ग
300	कोलडी 895	,, मजरी	,, ,,	—	,,
301	ओमिया 6 इ 36	,, ,,	,, ,,	—	,,
302	,, 6 अ 81	साहित्यसार	Sāhityaśāra	—	प
303	सेवामदिर गु दे 4	साहित्यिक दोहे	Sāhityika Dohe	जगन्नाथ	,,
304	कोलडी गु 6/1	साहिबसिंह के दोहे	Sāhibasimha ke Dohe	साहिबसिंह	,,
305	,, गु 2/1	सुभाषित-सग्रह	Subhāsita Sangraba	सकलन	,,
306-7	सेमामदिर 5 अ 26 3 इ 345	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
308	मुनिसुव्रत 3 इ 315	,,	,,	,,	,,
309	कोलडी 133	(बृहत्) सुभाषित-सग्रह	(Brhat) Subhāṣita Sangraha	,,	,,
310-12	,, गु. 12/5, 132, 985	सुभाषित-सग्रह 3 प्रतिया	Subhāṣita Sangraha 3 copies	,,	,,
313	ओसिया 2-310	,,	,,	,,	,,
314-5	सेवामदिर 5 आ 4 गु ति 2	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
316-7	कुथु 26/12,13	,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ऐतिहासिक महा काव्य	स	11	'33 × 16 × 17 × 58	अपूर्ण प्रथम सर्ग	18वी	
स.हि.दिक कथायें	रा.	86	15 × 26 × 30 × 25	सपूर्ण 72 कथायें	1729	प्रारभ 1-2 पन्ने कम
,, पद	स	4	28 × 11 × 15 × 62	,, 80 श्लोक	16वी	पहिला पन्ना कम
लोककथा	मा.	31	14 × 11 × 15 × 21	,, 48 गा	1709 लगभग	1697 की कृति
,,	,,	16	25 × 8 × 14 × 54	,, 437 गा	1753 वांधण-वाडा अमीचद	
,,	,,	35*	26 × 11 × 22 × 58	,, 114 दोहे पद	1732	
,,	,,	गु 15	19 × 12 × 17 × 33	,,	19वी	
,,	,,	23	15 × 14 × 13 × 24	अपूर्ण	,,	
,,	,,	6	25 × 13 × 17 × 45	,,	,,	
कामशास्त्र युक्ति	प्रा स	7	24 × 11 × 9 × 37	सपूर्ण 110 श्लोक	,,	
सस्कृत मे सवाद शिक्षा	स.	10*	16 × 11 × 11 × 20	,,	,,	
,, चर्चा	,,	4	26 × 13 × 11 × 38	,,	,,	
,,	,,	6	23 × 12 × 11 × 27	,,	,,	
साहित्यिक-सग्रह	,,	3	28 × 13 × 14 × 48	प्रतिपूर्ण 53 श्लोक	,,	
,,	मा	27	15 × 11 × 7 × 16	सपूर्ण 51 + 4 कवित्त	1823	
,,	,,	गु	21 × 14 × 23 × 20	,, 64 दोहे	1870	
,,	स.	,,	14 × 9 × 9 × 16	प्रतिपूर्ण 60 श्लोक	1666	
,,	,,	16,1	20 × 12 व 26 × 12	,, 120 + 23 श्लोक	18/19वी	
,,	,,	25	24 × 10 × 16 × 40	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	17	27 × 11 × 13 × 40	सपूर्ण 421 श्लोक	19वी	
,,	,,	39,2,3	11 से 32 × 9 से 14	प्रतिपूर्ण 259 + 54 + 29 श्लोक	,,	
,,	प्रा स मा	5	24 × 11 × 17 × 50	,,	16वी	
,,	स मा	6,10	26 × 13 व 18 × 13	अपूर्ण/पूर्ण	18/19वी	अतिम 2 पन्नो मे ऐ. घटना सवतावली
,,	,,	3,1	26 × 12 व 27 × 14	प्रतिपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
318	के नाथ गु 16	सुभाषित-सग्रह	Subhāṣita Sangraha	सकलन	प.
319	कोलडी 1245	,, काव्य समुदाय	,, (Kāvya)	,,	मू वा. (प ग)
320	,, 862	,,	,,	,,	प.
321	ओसिया 2/414	,,	,,	,,	,,
322	के नाथ गुटका 11	,,	,,	,,	,,
323-6	कुथु 17/4,19/3, 18/36 5/107	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
327	ओसिया 3 इ 351	,,	,,	,,	,
328-9	सेवामदिर गु दे 6 व 13	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,	,,
330-37	कोलडी 272,320 1293,1318 गु 1/14 24 गु 11/11,12/(	, 8 प्रतिया	,, 8 copies	,,	,,
338	महावीर 2/391	सूक्तावली	Sūktāvali	,,	,,
339	के नाथ 11/49	सुन्दर-शृ गार	Sundara Śṛngāra	सुदरदास	,,
340	कोलडी गु 9/1	,,	,,	,,	,,
341	के नाथ 11/21	,,	,	,,	,,
342	कोलडी 718	हनुमान-नाटक	Hanumāna Nātaka	हनुमान/मिश्रदामोदर	नाटक
343	के नाथ 27/45	,, की दीपिका	,, kī Dīpikā	मिश्रमोहनदास	ग
344	महावीर 3 इ 56	हालडा-फूलडा	Hāladā Phūladā	शुभवीर/वीरविजय	मू ट प ग
345	ओसिया 3 इ 210	,,	,,	सकलन	,,
346	,, 6 इ 13	हास्यादि कथा-सग्रह	Hāsyādi Kathā Sangraha	मलधारी राजशेखर सूरि	ग
347	,, 6 इ 25	हितोपदेश भाषान्तर	Hitopdeśa Bhāsāntara	—	,,
348	कोलडी गु 6/1	हीरराजा के दोहे	Hira Rañjhā ke Dohe	हीरराजा	प
349	के नाथ 29/79	,, का झूलणा	,, kā Jhūlanā	,,	,,
350	,, 28/22	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रथ व गुटक पत्रे	Incomplete Small stray folios	भिन्न-भिन्न	ग प
351-2	कोलडी 900+ वस्ता 71	,, 1 प्रात 1 वस्त	,,	,,	,,
353	मुनिसुव्रत वस्ता 78	,,	,,	,,	,,
354	ओसिया वस्ता 20 दुवारा	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण धातु सेट	स	2	26 × 11 × 17 × 25	सपूर्ण 11 श्लोक	15वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 14 × 46	,, ,,	19वी विक्रमपुर	
,,	,,	4	25 × 11 × 5 × 42	,, ,,	20वी	पचपाटी/साथ मे 2 पन्ने सारस्वत के
,,	,,	6	26 × 12 × 19 × 77	,,	19वी	
,,	,,	1	26 × 12 × 8 × 36	,, 11 श्लोक	,,	
,,	,,	3	25 × 11 × 13 × 45	,,	,,	
,,	,,	3	25 × 11 × 20 × 54	अपूर्ण 8वे श्लोक तक	,,	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 32	सपूर्ण	,,	
,,	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	,, 21 श्लोक	1881	
व्याकरण	,,	4	25 × 11 × 11 × 34	,,	1853	
,,	,,	2	26 × 12 × 18 × 72	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 60	,,	1820	
व्याकरण-शास्त्र	,,	24	26 × 12 × 13 × 47	,, 8 अध्याय	19वी	
,,	,,	48	28 × 14 × 12 × 38	,, ,,	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 31 × 82	अपूर्ण चौथे अध्याय के तीसरे पाद तक	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 14 × 44	,, तीसरे अध्याय के दूसरे पाद तक	20वी	
शब्दार्थ रूपी व्याख्या	,,	1	26 × 12 × 12 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
व्याकरण	,,	19	25 × 11 × 13 × 56	सपूर्ण	17वी	
,,	,,	65	26 × 11 × 15 × 45	,, अष्टम पाद तक	19वी	
,,	,,	8	27 × 11 × 17 × 46	,, 21 श्लोक	,,	
वर्णशास्त्र प्रथमपाठ	,,	2	21 × 11 × 16 × 31	,,	1690	
व्याकरण	,,	35	28 × 12 × 11 × 30	अपूर्ण 5 अध्याय 2 से 4 पाद मात्र	1521	वृति रूपसिद्धिनाम्नी
,,	,,	21	27 × 11 × 16 × 43	,,	19वी	
,	,,	13	26 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 50	,, ग्रथाग्र 250	19वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण धातु सेट	स.	2	26×11×17×25	सपूर्ण 11 श्लोक	15वी	
,,	,,	2	26×11×14×46	,, ,,	19वी विक्रमपुर	
,,	,,	4	25×11×5×42	,, ,,	20वी	पचपाटी/साथ मे 2 पन्ने सारस्वत के
,,	,,	6	26×12×19×77	,,	19वी	
,,	,,	1	26×12×8×36	,, 11 श्लोक	,,	
,,	,,	3	25×11×13×45	,,	,,	
,,	,,	3	25×11×20×54	अपूर्ण 8वें श्लोक तक	,,	
,,	,,	3	26×12×12×32	सपूर्ण	,,	
,,	,,	18*	24×12×11×44	,, 21 श्लोक	1881	
व्याकरण	,,	4	25×11×11×34	,,	1853	
,,	,,	2	26×12×18×72	,,	19वी	
,,	,,	5	26×12×13×60	,,	1820	
व्याकरण-शास्त्र	,,	24	26×12×13×47	,, 8 अध्याय	19वी	
,,	,,	48	28×14×12×38	,, ,,	,,	
,,	,,	4	27×12×31×82	अपूर्ण चौथे अध्याय के तीसरे पाद तक	,,	
,,	,,	7	26×11×14×44	,, तीसरे अध्याय के दूसरे पाद तक	20वी	
शब्दार्थ रूपी व्याख्या	,,	1	26×12×12×52	प्रतिपूर्ण	,,	
व्याकरण	,,	19	25×11×13×56	सपूर्ण	17वी	
,,	,,	65	26×11×15×45	,, अष्टम पाद तक	19वी	
,,	,,	8	27×11×17×46	,, 21 श्लोक	,,	
वर्णशास्त्र प्रथमपाठ	,,	2	21×11×16×31	,,	1690	
व्याकरण	,,	35	28×12×11×30	अपूर्ण 5 अध्याय 2 से 4 पाद मात्र	1521	वृति रूपसिद्धिनाम्नी
,,	,,	21	27×11×16×43	,,	19वी	
,	,,	13	26×11×10×34	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	8	26×11×15×50	,, ग्रथाग्र 250	19वी	

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण धातु सेट	स.	2	26 × 11 × 17 × 25	सपूर्ण 11 श्लोक	15वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 14 × 46	,, ,,	19वी विक्रमपुर	
,,	,,	4	25 × 11 × 5 × 42	,, ,,	20वी	पचपाटी/साथ मे 2 पत्र सारस्वत के
,,	,,	6	26 × 12 × 19 × 77	,,	19वी	
,,	,,	1	26 × 12 × 8 × 36	,, 11 श्लोक	,,	
,,	,,	3	25 × 11 × 13 × 45	,,	,,	
,,	,,	3	25 × 11 × 20 × 54	अपूर्ण 8वे श्लोक तक	,,	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 32	सपूर्ण	,,	
,,	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	,, 21 श्लोक	1881	
व्याकरण	,,	4	25 × 11 × 11 × 34	,,	1853	
,,	,,	2	26 × 12 × 18 × 72	,,	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 13 × 60	,,	1820	
व्याकरण-शास्त्र	,,	24	26 × 12 × 13 × 47	,, 8 अध्याय	19वी	
,,	,,	48	28 × 14 × 12 × 38	,, ,,	,,	
,,	,,	4	27 × 12 × 31 × 82	अपूर्ण चौथे अध्याय के तीसरे पाद तक	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 14 × 44	,, तीसरे अध्याय के दूसरे पाद तक	20वी	
शब्दार्थ रूपी व्याख्या	,,	1	26 × 12 × 12 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
व्याकरण	,,	19	25 × 11 × 13 × 56	सपूर्ण	17वी	
,,	,,	65	26 × 11 × 15 × 45	,, अष्टम पाद तक	19वी	
,,	,,	8	27 × 11 × 17 × 46	,, 21 श्लोक	,,	
वर्णशास्त्र प्रथमपाठ	,,	2	21 × 11 × 16 × 31	,,	1690	
व्याकरण	,,	35	28 × 12 × 11 × 30	अपूर्ण 5 अध्याय 2 से 4 पाद मात्र	1521	वृति रूपसिद्धिनाम्नी
,,	,,	21	27 × 11 × 16 × 43	,,	19वी	
,,	,,	13	26 × 11 × 10 × 34	सपूर्ण	18वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 15 × 50	,, ग्रथाग्र 250	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
51	के नाथ 26/67	प्रक्रियाकौमुदी-टीका	Prakrıyā Kaumudī Tīkā	नरसिंहसूरि	ग
52	कुयु 38/2	,,	,,	विठ्ठलाचार्य	,,
53	के नाथ 17/2	प्राकृतप्रकाश	Prākṛta Prakāśa	वररुचि	,,
54	कोलडी 763	,, लक्षण	,, Lakṣana	चड	,,
55	सेवामदिर गुदि 7	,, ,,	,, ,,	,,	,,
56	महावीर 6 अ 3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
57	मुनिसुव्रत 6 अ 108	भूपणसार (कौशिकी-व्याकरण	Bhūṣana Sāra	—	,,
58	के नाथ 16/19	मध्य-मनोरमा	Madhya Manoramā	—	,,
59	,, 2/28-29	माधवीधातु-वृत्ति	Madhavī Dhātu Vṛttı	सायणाचार्य	,,
60	,, 7/3	,,	,,	जिनराजसूरि शिष्य	,,
61	,, 15/239	लघु उपसर्ग दीपिका	Laghu Upsarga Dīpıkā		,,
62	,, 2/22	लिंगानुशासन	Lıngānuśasana	भट्टोजी दीक्षित	,,
63	ओसिया 6/अ/94	,,	,,	—	,,
64	,, 6 अ 73	,,	,,	—	,,
65	,, 6 अ 56	,,	,,	अज्ञात	,,
66	महावीर 6 अ 118	वाक्यप्रकाश	Vākya Prakāśa	रत्नसूरि उदयधर्म शिष्य धर्म सज्ञ	,,
67	के नाथ 23/60	,,	,,	,,	,,
68	कोलडी 947B	,,	,,	,,	,,
69	कुयु 18/40	वाक्य-विवेचन	Vākya Vıvecana	—	प ग
70	सेवामदिर 6 अ 112	विद्व-चिंतामणि	Vıdva Cıntāmanı	विनयसागर	प
71	ओसिया 6 अ 72	विभक्ति अर्थ	Vıbhaktı Artha	—	ग
72	कोलडी 756	,, प्रत्यय	,, Pratyaya	—	,,
73	के नाथ 18/53	,, विस्मय प्रकरण	,, Vısmaya Prakarana	मुनिनेनृसिंह	प ग.
74	,, 24/49	विंशति उपसर्गादि	Vımśatı Upasargādı	—	ग.
75	कोलड़ी 1010	वैयाकरण भूपणसार	Vaıyākarana Bhūṣanaśāra	कोण्डभट्ट	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	40	26 × 11 × 17 × 53	अपूर्ण (पत्र 3 से 43)	19वी	
,,	,,	143	27 × 11 × 15 × 44	त्रुटक	,,	
,,	,,	22	31 × 16 × 14 × 32	सपूर्ण 10 परिच्छेद ग्र 650	,,	
प्राकृत व्याकरण	,,	21	25 × 11 × 7 × 34	,, 4 अध्याय(विधान)	1903	
,,	,,	56	10 × 8 × 8 × 9	,, ,,	1905	
,,	,,	11	26 × 12 × 11 × 36	,, ,,	1937 × शिवचन्द	
व्याकरण	,,	53	34 × 13 × 10 × 70	,,	18वी	
,,	,,	18	25 × 15 × 13 × 62	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	276	25 × 11 × 17 × 52	सपूर्ण 1400 ग्रथाग	1702	
,,	,,	132	26 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण	19वी	
,	,,	4	25 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण	,,	
पाणिनीय	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	,,	1881	
व्याकरण	,,	5	25 × 11 × 17 × 47	प्रतिपूर्ण	1821 विक्रमपुर वखतसुदर	
पाणिनीय	,,	16	28 × 13 × 10 × 29	सपूर्ण	1892	
व्याकरण	,,	2	30 × 13 × 10 × 37	,, 28 श्लोक	19वी	
व्याकरण वाक्य रचना	,,	5	27 × 13 × 14 × 37	,, 130 श्लोक	1607 सिहपुर	
,,	,,	9	26 × 11 × 9 × 38	,, 125 श्लोक	1652	
,,	,,	5	23 × 10 × 14 × 28	,, ,,	19वी	अपरनाम उदयमुनि)
,,	,,	1	26 × 11 × 18 × 54	,,	,,	
व्याकरण	,,	4	26 × 12 × 13 × 48	सपूर्ण 127 श्लोक	19वी फतेचद	
,,	,	5	26 × 12 × 18 × 46	,,	18वी	
,,	,,	2	26 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	26 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण	,,	
व्याकरणन्यायादि चर्चा भी	,,	21	26 × 11 × 13 × 39	,,	,,	
,,	,,	50	28 × 13 × 14 × 40	,,	1904	

1	2	3	3 A	4	5
76-7	के नाथ 7/28,30	शब्दरूपावली 2 प्रतियां	Śabda Rūpāvalī 2 copies	—	ग तालिका
78	कोलडी 1114	,,	,,	—	,,
79	ओसिया 6 अ 104	शब्द-सचय	Śabda Sañcaya	—	गद्य
80	,, 6 अ 103	षट्कारक	Satkāraka	अमरचन्द्र	प
81	मुनिसुव्रत 6 अ 92	,, -प्रक्रिया	,, Prakriyā	—	ग
82	कुंथु 10/175	,, -विवरण	,, Vivarana	—	,,
83	कोलडी 760	सकर्म-अकर्म धातु विवेचन	Sakarma Akarma Dhātu Vivecana	—	,,
84	,, 914	समास	Samāsa	—	,,
85	सेवामदिर 6 अ 110	,, -चक्र	,, Cakra	—	,,
86	के नाथ 15/129	,, -प्रक्रिया	,, Prakriyā	वररुचि ?	,,
87	मुनिसुव्रत 6 अ 86	सज्ञा प्रकरण-सटीक	Sañjñā Prakaranawith Tikā	—	मू+टी.
88	महावीर 6 अ 5	सधि-प्रकरण	Sandhi Prakarana	—	ग
89	कोलडी 764	,,	,,	—	,,
90	,, 1271	सधि-प्रक्रिया	,, Prakriyā	—	,,
91	के नाथ 15/131	सस्कृतकौमुदी	Samskrta Kaumudī	—	,,
92	कुंथुनाथ 52/3	सारस्वत सावचूरि	Sārasvata with Avacūri	अनुभूति स्वरूपाचार्य/ विशालहस मुनि	मू+अ (ग)
93	के नाथ 17/12	,, -सटीक	,, with Tikā	/माधवभट्ट	मू टी +(ग)
94	ओसिया 6 अ 48	,, -सह वृत्ति	,, with Vrtti	,,/	,,
95	के नाथ 7/33	,, -सह दीपिका	,, with Dipikā	,,/चन्द्रकीर्ति	,,
96	ओसिया 6 अ 42	,, -सटीक	,, with Tikā	,,/पुजराज	,,
97	कोलडी 749	,, —	,,	अनुभूतिस्वरूप	ग
98	ओसिया 6 अ 44	,, -सटीक	,, with Tikā	अनुभूति /माधवभट्ट	मू+टी (ग)
99	,, 6 अ 54	,, —	,,	अनुभूतिस्वरूप	ग.
100	कोलडी 730	,, -सह दीपिका	,,	अनुभूति /चद्रकीर्त्ति	मू+टी (ग)
101	महावीर 6 अ 8	,, —	,,	अनुभूतिस्वरूप	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	32,3	26 × 11—	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	26 × 11—	अपूर्ण	,,	
रूपनियमावली	,,	5	25 × 11 × 18 × 50	सपूर्ण	15वी	
व्याकरण	,,	2	25 × 11 × 17 × 45	,, 75 श्लोक	19वी	
,,	,,	11	23 × 11 × 12 × 37	,,	1825	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 40	,,	19वी	
,,	,,	2	26 × 11 × 16 × 64	,,	,,	
,,	,,	3	26 × 12 × 13 × 40	,,	,,	
,,	,,	4	23 × 11 × 13 × 37	,,	1933	
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 38	त्रुटक	1806	
,,	स रा	5	25 × 12 × 17 × 42	सपूर्ण	1819	
हेमचन्द्रानुसारिणी	स.	15	27 × 12 × 13 × 38	,,	18वी	
व्याकरण	रा	6	30 × 12 × 11 × 34	अपूर्ण	19वी	
,,	स	30	17 × 13 × 5 × 14	सपूर्ण	,,	
,,	,,	3	26 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण	,,	
,,	,,	25	26 × 11 × 15 × 56	सपूर्ण	1629	
,, (टीका सिद्धातरत्नावली नाम्नी)	,,	81	25 × 11 × 19 × 65	ग्रथाग्र 6600	17वी	प्रथम 5 पत्रे कम हैं
व्याकरण	,,	40	26 × 11 × 13 × 45	प्रत्ययपर्यंत	,,	
,,	,,	163	25 × 11 × 17 × 52	सपूर्ण	1716	
,,	,,	104	24 × 11 × 15 × 42	,,	1745वेनासर कनकवर्द्धन	
,,	,,	44	25 × 11 × 15 × 42	,,	1747	
,,	,,	185	26 × 12 × 13 × 35	,,	18वी	
,,	,,	67	23 × 11 × 12 × 30	प्रथम 7 पत्रे कम	1841 मेदिनीपुर, वखतसुन्दर	
,,	,,	160	25 × 11 × 16 × 42	सपूर्ण ग्र. 7000	1854	
,,	,,	44	26 × 12 × 13 × 42	,,	1866 × शाति समुद्रमुनि	

1	2	3	3 A	4	5
102	मुनिसुव्रत 6 अ 93	सारस्वत	Sārasvata	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	ग
103	कुथु 17/14	,,	,	,,	मू+ट (ग)
104-7	के नाथ 24/27, 22/15, 7/36,7	, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	ग
108	कोलडी 752	,,	,,	,,	,,
109	ओसिया 6 अ 41	,,	,,	,,	,,
110	,, 6 अ 46	,,	,,	,,	,,
111-4	,, 6 अ 52, 53,38,47	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
115-20	कुथु 27/1,3/75 24/3,43,2 29/27,3	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,,	,,
121-33	के नाथ 22/7, 7/21,22-1,2 10/64-2,10/65, 11/9 14/70,15/163,18,25,48, 24/24,29	,, 13 प्रतिया	,, 13 copies	,,	,,
134-39	कोलडी 1043, 746,753-4, 1046,913	,, 6 प्रतिया	,, 6 copies	,,	,,
140	सेवामदिर 6 अ 111	,,	,,	,,	मू+ट (ग)
141	,, 6 अ 109	,,	,,	,,	ग
142-6	के नाथ 22/2, 18/4,15/171, 16/29,15/165	,, -सटीक 5 प्रतिया	,, with Tikā 5 copies	, /-	मू +टी (ग)
147	कुथुनाथ 17/1	,, -सह दीपिका	,, with Dipikā	,, /-	,,
148	सेवामदिर 6 अ 113	, -सटीक सवक्तव्य	,, with Tikā	,, /-	मू+ट (ग प)
149	के नाथ 22/5	,, वालाववोध सह	,, with Bālā	,, /-	मू +वा (ग)
150	,, 11/76	,, धातुपाठ	,, Dhātupātha	,, /-	ग
151	,, 29/59	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /हर्षकीर्ति	मू +टी (ग)
152-4	,, 22/33, 16/4,10	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,, /-	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	99	25 × 11 × 11 × 34	सपूर्ण	1872 पीराण-पट्टन धनसागर	
,,	,,	44	21 × 11 × 3 × 22	,, प्रथम पन्ना कम	1837	जीर्ण व खण्डित
,,	,,	46 52, 54,68	22 से 26 × 10 से 12	,,	1806 से 20वी	
,,	,,	58	24 × 11 × 11 × 30	,,	1816	
,,	,,	18	23 × 9 × 9 × 36	कृदन्त प्रत्यय तक	1647 हरिपुर कल्याणगिरि	
,,	,,	27	26 × 11 × 12 × 32	तद्धित प्रक्रिया तक	1782 फतेपुर सिद्धसूरि	
,,	,,	19,25,2 22	25 से 28 × 10 से 13	अपूर्ण	1854 से 20वी	
,,	,,	40,30 38,7 22 25	23 से 32 × 10 से 16	,,	1828 से 20वी	
,	,,	36,31 21,22 21,10, 11,42 9,37, 3,14	22 से 30 × 10 से 13	,,	1839 से 20वी	
,,	,,	41,23 14,7, 40,3	25 से 27 × 10 से 13	,,	1816 से 20वी	
,,	स मा	21	27 × 12 × 12 × 52	,,	16वी	
,,	स.	13	26 × 13 × 11 × 35	,,	1877	
,,	,,	104,61, 41,9,21	21 से 26 × 11	,,	18/20वी	अतिम टीका चंद्रकीर्त्ति की है।
,,	,,	123	26 × 11 × 17 × 80	,,	19वी	
,,	,,	13	26 × 12 × 13 × 40	,, श्लोक 226	1931	व्याख्या गद्य व पद्य दोनो मे
,,	स.मा	64	26 × 13 × 7 × 19	,, सधि प्रकरण तक	19वी	
,,	स.	5	25 × 11 × 13 × 42	सपूर्ण	1756	
,,	,,	26	23 × 10 × 10 × 36	,,	1850	
,,	,,	4,13,4	25 से 26 × 11 से 12	प्रथम सपूर्ण शेप अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
155-6	कोलडी 747 981	सारस्वत धातु-पाठ 2 प्रतिया	Śārasvata Dhātupātha 2 copies	अनुभूतिस्वरूपाचार्य	ग
157	कुथु 24/6	,,	,,	,,	,,
158-9	कोलडी 745,742	,, धातु प्रक्रिया 2 प्रतिया	,, Dhātu Prakriyā 2 copies	,,	,,
160	महावीर 6 अ 12	,, की दीपिका	,, kī Dīpikā	चन्द्रकीर्त्तिसूरि	,,
161	कोलडी 1047 1042	,, ,,	,,	,,	,,
162-3	,, 1041 1044	,, ,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
164	के नाथ 7/35	,, ,,	,,	,,	,,
165	कु थुनाथ 55/6	,, की टीका	,, kī Tikā	सोनिगिरा मडन (वाहड का पुत्र)	,,
166	कोलडी 748	,, ,,	,,	माधवभट्ट	,,
167	के नाथ 2/21	,, ,,	,,	,,	,,
168	ओसिया 6 अ 51	,, ,,	,,	,,	,,
169	के नाथ 2/27	,, ,,	,,	,,	,,
170	,, 2/20	,, ,,	,,	पुजराज	,,
171	ओसिया 6 अ 49	,, ,,	,,	वासुदेव	,,
172	कोलडी 751	,, ,,	,,	पद्माकरभट्ट	,,
173	,, 750	,, ,,	,,	महीदासभट्ट	,,
174	के नाथ 22/23	,, ,,	,,	तिलकभट्ट	,,
175	,, 7/23	,, ,,	,,	—	,,
176	,, 16/1	,, ,,	,,	—	,,
177	कोलडी 743	,, ,,	,,	—	,,
178	,, 744	,, ,,	,,	—	,,
179	,, 1160	,, ,,	,,	—	,,
180	कुथु- 52/16	,, ,,	,,	—	,,
181	के नाथ 15/119	,, लघभाष्य	,, Laghu Bhāsya	—	,,
182	,, 26/65	,, टिप्पण	,, Tippaṇa	क्षेमेन्द्र	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	म	5,2	25 × 11 व 34 × 13	सपूर्ण ग्र 205	1807 व 19वी	
,,	,	32	26 × 12 × 12 × 20	,, (पन्ने 14 व 15 कम है)	1822	
,,	,,	87 50	26 × 13 व 25 × 12	,,	1890 व 19वी	
,,	,,	101	27 × 11 × 18 × 55	,,	1646 × सोमविमल	
,,	,,	124	26 × 11 × 17 × 50	,, (52वा पन्ना कम)	19वी	
,,	,,	47,37	28 × 11 व 26 × 11	अपूर्ण	,,	
,,	,,	14	25 × 11 × 15 × 42	,,	,,	
,,	,,	71	31 × 12 × 17 × 52	सपूर्ण	17वी	श्रीमाल गोत्र खरतर गच्छीय
,,	,,	162	26 × 10 × 15 × 44	,, ग्र 7500	1673	(सिद्धातरत्नावली)
,,	,,	154	25 × 11 × 15 × 48	,, ग्र 6500	1712	
,,	,,	37	26 × 13 × 17 × 47	अपूर्ण तद्धित प्रक्रिया तक	1891	
,,	,,	26	25 × 11 × 15 × 47	,,	19वी	
,,	,,	94	26 × 11 × 15 × 48	सपूर्ण	17वी	
,,	,	50	26 × 11 × 19 × 54	,,	1753, समीनगरे रत्नगणि	
,,	,,	34	25 × 12 × 17 × 38	अपूर्ण प्रत्यय से	1840	
,,	,,	19	26 × 11 × 19 × 58	,,	19वी	
,,	,,	19	26 × 12 × 18 × 51	,,	,,	
,,	,,	110	25 × 11 × 9 × 35	पूर्वार्द्ध (प्रथम 4 पन्ने कम)	,,	
,,	,,	30	26 × 11 × 18 × 51	अपूर्ण (विभक्ति से लिंग)	,,	
,,	,,	21	25 × 12 × 16 × 48	,,	,,	प्रथम वृत्ति
,,	,,	10	26 × 12 × 12 × 36	,, (प्रत्यय भाग)	,,	
,,	,,	7	25 × 11 × 16 × 60	,, (सज्ञा प्रकरण)	,,	
,,	,,	51	19 × 11 × 9 × 24	,,	,,	
,,	,,	38	26 × 11 × 13 × 45	,,	,,	
,,	,,	21	26 × 11 × 14 × 48	सपूर्ण	1634	सक्षिप्त टिप्पणिया व टब्वे

1	2	3	3 A	4	5
183	कोलडी 868	सारस्वत-ग्रर्थ	Sārasvata Artha	—	ग.
184	कुथु 55/21	,, -सार	,, Sāra	हरिदेव	,,
185	ग्रोसिया 6 श्र 50	,, -व्याख्यान	,, Vyākhyāna	—	,,
186	महावीर 6 श्र 14	सिद्धान्त चन्द्रिका	Siddhānta Candrikā	रामचन्द्राश्रम	मू + ट (ग)
187	ग्रोसिया 6 श्र 65, 59	,,	,,	,,	ग
188	,, 6 श्र 64	,,	,,	,,	,,
189	,, 6 श्र 63	,, -सटीक	, with Tikā	,, /सदानन्द	मू + टी (ग)
190	, 6 श्र 61	,,	,,	,, ,,	,
191	के नाथ 22/36	,,	,,	,, /उ रूपचद	,,
192	,, 22/37	,,	,,	,,	,,
193-4	कोलडी 732, 729	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	ग.
195	कुथु 9/117	,,	,,	,,	,,
196	, 16/8	,	,,	,,	,
197	ग्रोसिया 6 श्र 58	,,	,,	,,	,
198	,, 6 श्र 60	,,	,,	,,	,,
199	, 6 श्र 62	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /सनानन्द	मू टी (ग)
200-7	के नाथ 22/6 8 19 27,24/8, 9,13,16	,, 8 प्रतिया	,, 8 copies	,,	ग
208	कोलडी 1048	,,	,,	,,	,,
209	ग्रोसिया 6 श्र 45	,, की टीका	,, kī Tikā	लोकेशकर	,,
210	कोलडी 735	,, ,,	,, ,,	,,	,,
211	के नाथ 1007-8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
212	,, 24/14	,, ,,	,, ,,	,,	,,
213	कोलडी 734	,, ,,	,, ,,	सदानन्द	,,
214	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	3	26 × 12 × 11 × 30	अपूर्ण प्रथम श्लोक मात्र	1917	
,,	,,	23	27 × 11 × 11 × 40	सपूर्ण	1767	
,,	रा	14	26 × 13 × 17 × 54	सधि प्रकरण मात्र	18वी	
,,	स रा	192	26 × 11 × 9 × 33	सपूर्ण	16वी	
,,	स	115	25 × 11 × 9 × 36	,,	17वी × विष्णु गिरि	
,,	,,	70	26 × 12 × 15 × 40	,,	18वी	सचित्र
,,	,,	102	25 × 11 × 15 × 43	,, पूर्वार्द्ध	18वी × वखतसुदर	
,,	,,	118	25 × 11 × 15 × 40	,, ,,	,,	
,,	,,	207	25 × 11 × 14 × 39	,,	19वी	
,,	,,	141	25 × 11 × 15 × 47	,,	1850	
,,	,,	101,57	25 × 10 व 26 × 13	,,	1848 व 20वी	
,,	,,	52	25 × 13 › 11 × 30	प्रतिपूर्ण द्वितीय वृत्ति तक	1938	
,,	,,	23	24 × 12 × 12 × 36	,,	,,	
,,	,,	20	26 × 11 × 11 × 37	,,	18वी × राजसुदर	
,,	,,	42	26 × 11 × 11 × 42	अपूर्ण	16वी	
,,	,,	85	25 × 11 × 17 × 52	उत्तराद्ध	18वी	
,,	,,	35,58, 170,104 19,45 17,15	25 से 29 × 11 से 14	अपूर्ण	19/20वी	
,	,,	16	27 × 14 × 9 × 29	,,	19वी	
,,	,,	29	26 × 12 × 16 × 44	प्रतिपूर्ण	1843 विक्रमपुर वखतसुदर	तत्व दीपिका नाम्नी
,,	,,	49	26 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण	1888	,,
,,	,,	50	27 × 12 × 13 × 50	,,	,,	,,
,,	,,	11	25 × 11 × 14 × 45	,	19वी	लघुदीपिका
,,	,,	64	26 × 10 × 13 × 46	अपूर्ण कृदन्त पर्यन्त	1840	सुवोधिनीनाम्नी
,	,,	125	26 × 11 × 15 × 60	पूवार्द्ध	1841	,,

1	2	3	3 A	4	5
215	के नाथ 24/10	सिद्धांतचन्द्रिका की टीका	Siddhānta Candrikā kī Tikā	सदानन्द	ग
216	कोलडी 731	,,	,,	—	,,
217	,, 736	,,	,,	—	,,
218	के नाथ 22/22	,,	,,	—	,,
219	कोलडी 1170	,,	,,	—	,,
220	श्रोसिया 6 अ 57	,, की वृत्ति	,, kī Vṛtti	—	,,
221	नवामदिर 6 अ 120	,,	,,	—	,,
222	कोलडी 739	,, धातुरूप निर्णय	,, Dhāturūpa-nirṇaya	—	,,
223	के नाथ 7/37	,, रूपावली	,, Rūpāvali	—	,, तालिकायें
224	,, 7/8	सिद्धान्त-कौमुदी	Siddhānta Kaumudī	भट्टोजी दीक्षित	,,
225	महावीर 6 अ 114	,,	,,	,,	,,
226 7	के नाथ 24/25 7	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
228 9	श्रोसिया 6 अ 69, 71	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
230	के नाथ 24/26	,, -भाष्य	,, kā bhāṣya	—	,,
231	,, 24/20	,, -लघुभाष्य	,, kā Laghubhāṣya	—	,,
232	कोलडी 974	,, की व्याख्या	,, kī Vyākhyā	ज्ञानेन्द्रसरस्वती	,,
233	के नाथ 11/17	,, की टीका	,, kī Tikā	—	,,
234	कोलडी 759	,, ,,	,, ,,	—	,,
235	के नाथ 24/54	(मध्य) सिद्धात-कौमुदी	(Madhya) Siddhānta Kaumudī	—	,,
236	,, 22/50-1	(लघु) ,,	(Laghu) ,, ,,	—	,,
237	महावीर 6 अ 4	सिद्धान्तरत्न शब्दानुशासन	Siddhātna Ratna Śabdānu-Śāsana	जिनेन्दु	,,
238	के नाथ 15/154	स्यादिशब्द समुच्चय सावचूरि	Syādi Śabda Samuccaya	अमरचन्द्र (जिनदत्त शिष्य)	मू+अ (ग)
239	महावीर 6 अ 1	हेमशब्दानुशासन	Hema Śubdānuśāsana	हेमचन्द्राचार्य	मूल सूत्र गद्य
240	के नाथ 16/35	,,	,,	,,	,,
241	,, 7/20(-1)(2)	,, बृहत्वृत्ति	,, Bṛhata Vṛtti	,, (स्वोपज्ञ)	गद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स.	31	24 × 12 × 21 × 41	अपूर्ण (उण् से कृदन्त तक)	19वीं	सुबोधिनीनाम्नी
,,	,,	80	26 × 10 × 13 × 43	आख्यात काण्ड तक	1840	
,,	,,	54	25 × 12 × 17 × 44	,,	1883	(उपरोक्त की नकल)
,,	,,	35	27 × 12 × 14 × 30	अपूर्ण	19वीं	
,,	,,	32	25 × 10 × 11 × 38	,,	,,	
,,	,,	47	26 × 13 × 17 × 43	,,	18वीं	
,,	,,	4	30 × 11 × 15 × 55	त्रुटक	,,	
,,	,,	28	27 × 12 × 18 × 65	सपूर्ण	19वीं	अति सामान्य लिखावट
,,	,,	22	26 × 11 × 13 × 46	अपूर्ण	,,	
,,	,,	30	26 × 11 × 13 × 50	सपूर्ण ग्र 1250	1851	वैदिक प्रक्रिया
,,	,,	2264	32 × 34 × 10 × 16	,,	20वीं	चार खण्डो मे, बडे अक्षर
,,	,,	23,99	25 × 11 व 26 × 20	अपूर्ण	19वीं	प्रथम मे किञ्चित् अवचूरि
,,	,,	82,9	27 × 12 व 26 × 12	,,	,,	
,,	,	22	25 × 10 × 14 × 47	,,	,,	
,,	,,	31	26 × 11 × 17 × 51	,,	,,	
,,	,,	322	33 × 14 × 12 × 45	पूर्वार्द्ध	,,	तत्वबोधिनीनाम्नी
,,	,,	13	29 × 13 × 14 × 40	अपूर्ण	,,	मनोरमा नाम्नी
,,	,,	7	28 × 12 × 19 × 64	,,	,,	
,,	,,	78	26 × 11 × 17 × 51	,, धातु अधिकार	20वीं	
,,	,,	74	26 × 12 × 11 × 37	,, प्रत्यय पर्यन्त	18वीं	
,,	,,	55	21 × 10 × 9 × 33	सपूर्ण कृदन्त ,,	1891	
,,	,,	5	25 × 11 × 6 × 34	,, चारो प्रकम	16वीं	
,,	,,	27	28 × 12 × 13 × 48	,, 7 अध्याय (28 पाद)	20वीं	
,,	,,	17	26 × 11 × 13 × 58	अपूर्ण 4 अध्याय तक ही	17वीं	
,,	,,	227	26 × 11 × 15 × 55	,, 4 अध्याय तक	1687	

1	2	3	3 A	4	5
242	कुंथुनाथ 55/3	हेमशब्दानुशासन बृहद्-वृत्तौन्यासोद्धार	Hema Śabdānuśāsana Bṛhad Vṛttaunyāsoddhār	हेमचन्द्र/कनकप्रभ (देवेन्द्रसूरि)	मू वृ (प ग)
243	कोलडी 762	,, की बृहद्ढुंढिका	Hema Śabdānuśāsana kī Bṛhada Dhuṇḍhikā	(मूल हेमचंद्र)—?	गद्य
244	के नाथ 15/150	,, लघवृत्तिसह	Hema Śabdānuśāsana with Laghu Vṛtti	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	,, (मू.वृ)
245	महावीर 6 अ 2	,, ,,	,, ,,	,,	,, ,,
246	,, 6 अ 19	,, सह लघुवृत्ति सावचूरी	,, ,, Sāvacūri	,, /–	मू+वृ+अ (ग
247	के नाथ 7/38	,, लघु वृत्ति सह	,, ,,	,,	,, (ग)
248	,, 7/39	,, ,, सावचूरी	,, ,, Sāvacūri	,, /-	मू+वृ+अ (ग
249	,, 11/39	,, ,,	,, ,,	,,	,, (ग)
250	,, 7/47	हेमप्राकृत व्याकरण वृत्तिसह	Hema Prākṛta Vyākāraṇa with Vṛtti	,,	गद्य
251	महावीर 6 अ 16	हेमलिंगानुशासन	Hema Lingānuśāsana	,,	मू पद्य
252	ओसिया 6 अ 68	,,	,,	,,	,,
253	कोलडी 979	,, -वृत्ति	,, Vṛtti	,, स्वोपज्ञ	गद्य
254	के नाथ 2/16	,, सहवृत्ति	,, with Vṛtti	,,	मू वृ (प ग)
255	,, 22/13	,, -वृत्ति	,, kī Vṛtti	जयानन्द	गद्य
256	,, 24/28	,, ,,	,, ,,	—	,,
257	ओसिया 6 अ 105	हेमधातु-ग्रन्थ	Hema Dhātu Grantha	हेमचन्द्राचार्य	,,
258	के नाथ 22/32	,, -पाठ	,, Pātha	,,	,,
259	महावीर 6 अ 10	धातु-प्रकरण	Dhātu Prakarana	हेमचन्द्राचार्यानुस्मृता	मू + वृ
260	कोलडी 978	हेमधातु-पाठ	Hema Dhātu Pātha	शीलविजयगणि	ग.
261	कुंथु 23/5	उणादिसूत्र सविवरण	Uṇādi Sūtra	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	मू,वृ (प)
262	महावीर 6 अ 20	हेमव्याकरण लघुप्रक्रिया	Hema Vyākaraṇa Laghu Prakriyā	विनयविजय	गद्य
263	के नाथ 2/26	,, ,,	,, ,,	,,	,,
264	कोलडी 1049	हेमसुबोध-प्रक्रिया	Hema Subodha Prakriyā	—	,,
265	मुनिसुव्रत वस्ता 78	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रंथ व त्रुटक पन्ने	Incomplete Stray Folia	भिन्न 2	ग प

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	स	66	25 × 11 × 19 × 57	अपूर्ण अध्याय 3/2 से 7/4 तक	16वी	अत मे न्याय सूत्र वृत्तिसह (ग्र 243)
,,	,,	81	25 × 7 × 12 × 66	,, 3/2 तक	17वी	
,,	,,	110	26 × 10 × 12 × 55	,, 5 अध्याय तक ग्र 6000	,,	
,,	,,	85	26 × 12 × 16 × 33	,, 4/4 तक	18वी	
,,	,,	16	31 × 11 × 19 × 49	केवल 5वा अध्याय ग्र 730	1495, देवकुल पाटक, उदय धर्मगरिण	
,,	,,	14	26 × 11 × 17 × 56	अपूर्ण 2/2 तक	16वी	
,,	,,	33	26 × 11 × 10 × 55	,, ,,	17वी	
,,	,,	22	26 × 11 × 15 × 55	,, 1/4 + 213 श्लोक	18वी	
,,	,,	43	26 × 11 × 15 × 50	कुछ अपूर्ण	,,	(शब्दानुशासन का आठवा अध्याय)
,,	,,	9	32 × 16 × 10 × 36	सपूर्ण 139 श्लोक	,	
,,	,,	8	27 × 11 × 11 × 42	,, 183 ग्रथाग्र	1809 जैसलमेर आलमचद	
,,	,,	39	34 × 13 × 20 × 72	,, 3384 ग्रथाग्र	1616 × भावचन्द्र	
,,	,,	13	26 × 11 × 17 × 50	अपूर्ण स्त्रीलिंग समाप्त + 10 श्लोक	19वी	
,,	,,	22	26 × 11 × 17 × 50	सपूर्ण	,,	
,,	,,	14	27 × 11 × 16 × 52	,,	1664	
,,	,,	21	20 × 7 × 8 × 35	अपूर्ण पत्र 23 से 43	14वी	
,,	,,	10	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण	1656	
,	,,	7	26 × 13 × 13 × 50	,, 10 गण	1479 डुगरपुर	
,,	,,	4	26 × 12 × 15 × 60	,,	1686	
,,	,,	56	24 × 11 × 20 × 60	,, 963 श्लोक	1765	
,,	,,	82	29 × 14 × 13 × 37	,, ग्रथाग्र 2500	1947 सरसपुर मोतीविजय	
,,	,,	36	26 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण (17 से 52 पत्र अन्त)	19वी	
,,	,,	5	27 × 13 × 13 × 37	,,	,,	
,	प्रा स रा.	12	23 से 32 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वी	अति [illegible]ामान्य

1	2	3	3 A	4	5
466-7	ओसिया 6 अ 74/20 दुवारा वस्ता 1 e 6	स्फुट लघ व अपूर्ण ग्रन्थ व त्रुटक पन्ने 1 प्रति 1 वस्ता	Incomplete stray folia	भिन्न 2	ग प
268	के नाथ 28/25	,,	,,	,,	,,
269-71	कोलडी 1058 1257, वस्ता 71	,, 2 प्रति 1 वस्ता	,, ,,	,,	,,
272-73	कुथु 37/23-24	,, ,,	,, ,,	,,	,,

भाग (7) साहित्य व भाषा, विभाग (इ)

1	2	3	3 A	4	5
1	के नाथ 6/103	अनेकान्त-मजरी	Anekānta Mañjarī	—	प.
2	,, गु 9	अनेकार्थ-मजरी	Anekārtha Mañjarī	नन्ददास	,,
3	सेवामदिर दे गु 6	,,	,,	,,	,,
4	कोलडी गु 12/12	,,	,,	,,	,,
5	के नाथ 19/52	,,	,,	,,	,,
6	महावीर 6 अ 22	,, -सग्रह	,, Saṅgraha	हेमचन्द्राचार्य	ग
7	के नाथ 5/52	अनेकार्थी-एकाक्षरीमाला	Anekārthī Ekākṣarī Mālā	—	,
8	,, 7/41	अभिधानचिंतामणी सहवृत्ति	Abhidhāna Cintāmani with Vṛtti	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	मू+वृ (ग प)
9	ओसिया 6 अ 31	,,	,,	,,	,,
10	,, 6 अ 36	,,	,,	हेमचन्द्राचार्य	मू प
11	कोलडी 724	,,	,,	,,	,,
12	के नाथ 2/13	,, सहवृत्ति	,, with Vrtti	,,	मू +वृ (ग)
13	कोलडी 723	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	,,	मू+अ (प ग)
14	के नाथ 2/15	,,	,,	,,	मू प
15	ओसिया 6 अ 30	,,	,,	,,	,,
16	के नाथ 24/6	,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
व्याकरण	ग स रा	27,31	23 से 32 × 10 से 16	पूर्ण/अपूर्ण	17/20वी	अति सामान्य
,,	,,	102	,,	,,	,,	,,
,,	,,	20 ^ + ६ +96	,,	,	,,	,,
,,	स	2,1	23 से 26 × 11	प्रतिपूर्ण	20वी	,,

शब्दकोश —

शब्दकोश	स.	5	25 × 10 × 16 × 48	अपूर्ण 3 अध्याय 19 श्लो	19वी	
,,	रा	5	15 × 15 × 18 × 20	सपूर्ण 119 गा	1716	एक के अनेक अर्थ
,, व साहित्यिक पद	,,	29	17 × 12 × 12 × 16	लगभग पूर्ण गा 9 से से 116 अत	1889	अत के 16 पन्नो मे कवित्त हे
,,	,,	72	31 × 23 × 9 × 17	सपूर्ण 118 गा	19वी	एक के अनेक अर्थ
,,	,,	5	24 × 12 × 12 × 32	,, 119 गा	,,	,,
शब्दार्थ सग्रह	स	37	32 × 16 × 10 × 32	अपूर्ण $2\frac{1}{2}$ काड/773 पद	17वी	,,
शब्दकोश	,,	8	24 × 10 × 13 × 44	सपूर्ण	19वी	एक अक्षर अनेक अर्थ
,,	,,	211	30 × 11 × 14 × 48	,, ग्र 10000	1525	
,,	,,	203	25 × 10 × 15 × 52	,, ,,	16वी	
,,	,,	50	25 × 11 × 15 × 44	,, शेप सग्रह सम्मेत	,,	
,,	,,	49	26 × 10 × 13 × 50	,, 6 काण्ड	1622	
,,	,,	305	26 × 11 × 13 × 35	,, ग्र 10000 काड 6	1641	
,,	,,	51	22 × 11 × 19 × 40	,, ग्र 5719	1643	
,,	,,	71	26 × 11 × 13 × 37	,, 6 काण्ड	1694	
,,	,,	83	26 × 10 × 15 × 48	,, ,,	17वी	
,,	,,	53	26 × 9 × 15 × 51	,, ,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
17	के नाथ 2/14	अभिधानचिंतामणी	Abhidhāna Cintāmani	हेमचन्द्राचार्य	मू+ट (प.ग)
18	,, 11/30	,,	,,	,,	मू प
19	मुनिसुव्रत 6 अ 83	,,	,,	,,	,,
20	के नाथ 22/9	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
21	कुथु 22/1	,	,,	,,	मू प
22	ओसिया 6 अ 34	,,	,,	,,	,,
23	के नाथ 7/19	,, सबालावबोध	,, with Bālā.	,, /रामविजय	मू+बा (प ग)
24-7	, 17/41, 16/6, 29/26, 15/164	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	मू प
28	के नाथ 7/1	,, सवृत्ति	,, with Vṛtti	,, स्वोपज्ञ	मू+वृ (प ग)
29	मुनिसुव्रत 6 अ 82, 84	,,	,,	,,	मू प
30	ओसिया 6 अ 35	,, सटीक	,, with Tikā	,, /श्रीवल्लभ-गणि	मू+वृ (प ग)
31	कुथु 52/19	,, महवृत्ति	,, with Vṛtti	,, स्वोपज्ञ	,,
32	,, 43/8	,,	,,	,,	मू प.
33-9	कोलडी पुट्ठा 69/2, 725,1169, 1179-80, 1251 1269	,, 7 प्रतिया	,, 7 copies	,,	,,
40	ओसिया 6 अ 32	,,	,,	,,	,,
41	के नाथ 11/15	,, शेष सग्रह	,, Śeṣa Sangraha	—	,,
42	मुनिसुव्रत 6 अ 85	,, ,,	,,		,,
43	,, 6 अ 87	,, -बीजक	,, Bijaka	—	गद्य तालिकायें
44	कोलडी 726	अमरकोश सटीक	Amara Kośa Tikā	अमरसिह/भानुजी दीक्षित	मू+टी (प ग)
45-9	के नाथ 22/25, 3, 7/43,11/111, 22/52	,, 5 प्रतिया	,, 5 copies	,,	मू प.
50	कुथु 26/1	,,	,,	,,	,,
51-5	कोलडी 728-27 1051-3	,, 5 प्रतिया	,, 5 copies	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
शब्दकोश	स	62	25 × 11 × 11 × 38	सपूर्ण 6 काड (पन्ने 60/61 कम)	17वी	पर्याय सहित
,,	,,	48	26 × 11 × 15 × 38	,, ,, (पहिला पन्ना कम)	1708	
,,	,,	61	26 × 11 × 13 × 36	,, ,,	1737 जोधपुर विजयमुनि	
,,	स मा.	65	26 × 11 × 15 × 45	,, ,,	1752	क्वचित् बीजक सह
,,	स	109	26 × 11 × 11 × 55	,, ,,	1775	
,,	,,	99	26 × 11 × 11 × 32	,, ,,	18वी	
,,	स मा.	104	25 × 11 × 18 × 50	,, ,,	1836	
,,	स	86,71, 62,25	24 से 32 × 11 से 16	प्रथम पूर्ण शेप तीन अपूर्ण	1893/20वी	
,,	,,	260	27 × 11 × 13 × 45	,, ग्र 9987	19वी	
,,	,,	31	25 × 11 × 15/11 × 40	अपूर्ण तीसरे काड तक	18वी	
,,	,,	15	26 × 10 × 20 × 65	,, मात्र षष्ठकाड 27 से अत	1678	ग्रथ के अतिम पन्ने
,,	,,	144	26 × 11 × 15 × 58	,,	17वी	
,,	,,	13	26 × 11 × 13 × 54	त्रुटक	,,	
,,	,,	8,20, 38,12, 22,33, 14	24 से 26 × 10 से 11	अपूर्ण	18/19वी	
,,	,,	47	26 × 12 × 12 × 32	,,	18वी	जीर्ण चिपकी हुई
,,	,,	7	26 × 11 × 14 × 48	सपूर्ण 6 काडो के (पहिला पन्ना कम)	1641	परिवर्द्धन सूची
,,	,,	19	26 × 11 × 13 × 38	,, 6 काडो के	17वी	,,
अनुक्रमणिका	,,	7	26 × 11 × —	,, दो बार लिखी हुई	,,	
शब्दकोश	,,	357	26 × 12 × 14 × 50	,, 3 काड	19वी	
,,	,,	55,40, 82,49, 94	25 से 30 × 11 से 14	,, ,,	1806 से 19वी	
,,	,,	87	25 × 13 × 11 × 32	,, ,,	1874	
,,	,,	57,102, 40 12, 22	23 से 27 × 11 से 13	प्रथम 2 पूर्ण, शेष 3 अपूर्ण	1843 से 20वी	

1	2	3	3 A	4	5
56-61	के नाथ 7/25, 10/102, 11/6, 11/7(1) 11/12, 26/77	अमरकोश 6 प्रतियां	Amara Kośa 6 copies	अमरसिंह	मू प.
62	ओसिया 6 अ 33	,,	,,	,,	,,
63	के नाथ 18/46	एकाक्षर अभिधानमाला	Ekākṣara Abhidhāna Mālā	—	,
64	महावीर 6 अ 24	एकाक्षरी कोश	Ekākṣarī Kośa	महाक्षणकवि	गद्य
65	कोलडी 723	,, नाममाला सावचूरि	,, Nāmamālā	हेमचन्द्राचार्य	मू + अ (प ग)
66	कुयु 55/13	देशीनाम-माला	Deśināma Mālā	—	ग प
67	महावीर 6 अ 21	देशीशब्द-सग्रह सहवृत्ति	Deśī Śabda Saṅgraha with Vṛtti	हेमचन्द्राचार्य स्वोपज्ञ	मू + वृ
68	, 6 अ 23	नामाङ्कित नाममाला	Nāmāṅkita Nāmamālā	—	ग
69	मुनिसुव्रत 6 अ 88	पारस-कोश	Pārasa Kośa	—	प
70	के नाथ गु 9	मानमञ्जरी	Mānamañjarī	नन्ददास	,
71	,, 19/35	,,	,,	,,	,,
72	मेवामदिर दे गु 14	,,	,,	,,	,,
73	कोलडी 725A	,,	,,	,,	,,
74	ओसिया 6 अ 106	शब्दकोश	Śabda Kośa	—	ग
75	के नाथ 14/65	शब्दरत्नाकरकोश	Śabda Ratnākara Kośa	महीप	प
76	,, 18/63	सर्वादि शब्दार्थ	Sarvādi Sabdārtha	—	ग
77	कोलडी 722	शारदीयनाममाला	Śāradīya Nāmamālā	हर्षकीर्त्तिसूरि	प
78	, 721	,,	,,	,,	,,
79	के नाथ 15/169	सुन्दर-विलास	Sundara Vilāsa	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
शब्दकोश	स	17,100 31,4,3 42	24 से 30 × 11 से 15	अपूर्ण	19/20वी	
शब्दकोश	स	30	29 × 14 × 7 × 35	,, प्रथम काण्ड मात्र	19वी	
,,	,,	4*	28 × 11 × 18 × 61	सपूर्ण 20 श्लोक	18वी	एक अक्षर वाले शब्द
,,	,,	2	25 × 12 × 12 × 33	,, 39 अक्षरो के अनेक अर्थ	19वी	
,,	,,	51*	22 × 11 × 19 × 40	,,	1664	
,,	मा	1	24 × 10 × 19 × 58	प्रतिपूर्ण	1765	
,,	मा स	72	31 × 16 × 12 × 46	सपूर्ण ग्र 3320	18वी	
,,	स	17	26 × 12 × 15 × 60	अपूर्ण	17वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 13 × 35	मपूर्ण 126 श्लोक	16वी	
,, (पर्यायवाची)	रा.	10	15 × 15 × 18 × 20	,, 259 छद	1716	
,, ,,	,,	12	26 × 12 × 15 × 36	,, ,,	1873	
,, ,,	,,	22	15 × 11 × 12 × 17	,, 263 छद	19वी	
,,	,,	8	26 × 12 × 13 × 48	अपूर्ण	,,	
,,	स	11	24 × 10 × 7 × 38	,,	16वी	नाम का पता नही पडता है
,,	,,	25	24 × 11 × 15 × 43	सपूर्ण 4 काण्ड	1622	(अपरनाम महीप-कोश)
शब्दार्थ सामान्य	,,	2	25 × 12 × 11 × 33	,,	19वी	
शब्दकोश	,,	16	17 × 10 × 15 × 42	,, 3 काण्ड	1750	
,,	,,	22	19 × 11 × 16 × 30	,, ,,	1835	
,,	,,	31	26 × 11 × 16 × 44	अपूर्ण श्लोक 30 से 1200	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
1	कुथु 45/2	कविप्रिया	Kavipriyā	केशवदास	प.
2	के नाथ 29/62	,,	,,	,,	,,
3	के नाथ 20/39	काव्यप्रकाश -सटीक सावचूरि	Kāvyaprakāśa with Avacūri	मम्मट-/वशलोचन/-	मू +वृ +अ
4	कोलडी 976	,,	,,	मम्मट	ग
5	के नाथ 22/12	,, -सहवृत्ति	,, ,,	,, /-	मू+वृ (ग)
6	महावीर 6 अ 26	,, -सकेत	,, with Vṛtti	/माणिकचन्द्रसूरि	गद्य
7	के नाथ 27/48	,, -दीपिका	,, kī Dīpikā	जयतभट्ट पुरोहित	,,
8	,, 17/13	,, ,,	,, ,,	,,	,,
9	ओसिया 6 अ 39	,, -वृत्ति	,, Vṛtti	गुणरत्नगणि	,,
10	के नाथ 7/31	,, -मौक्तिक विवरण	,, Mauktika Vivarana	/हर्षकुल	,,
11	,, 22/20	काव्य राक्षस सटीक	Kāvya Rākṣasa Tīkā	कालिदास	मू+वृ (प ग)
12	,, 11/38	काव्य साहित्यिक ग्रथ	Kāvya Sāhityika Grantha	—	ग
13	कोलडी गु 9/14	गीतजाति 48 सटीक	Gīta Jāti 48 with Tīkā	शेषनाग	प ग
14	के नाथ 6/86	छदकोश	Chandakośa	—	प
15	,, 22/24	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	—	मू +अ (प ग)
16	,, 14/69	छद कौस्तुभ भाष्य	Chandakaustubha Bhāsya	विद्याभूषण	प
17	कु थुनाथ 52/11	छद ग्रथ (?) की अवचूरि	Chandagrantha ki Avacūri	—	ग
18	के नाथ 29/81	छदरत्नावली	Chandaratnāvali	—	प
19	ओसिया 6 अ 77	छद-सार	Chanda Sāra	सूरतिमिश्र	,,
20	कोलडी गु 11/10	,,	,,	,,	,,
21	के नाथ 26/2	,,	,,	,,	,,
22	,, 19/51	,, की टीका	,, kī Tīkā	(मूल सूरतिमिश्र का)	ग
23	ओसिया 6 अ 101	,,	,, ,,	—	प
24	के नाथ 10/45	छदो-विभूषण	Chando Vibhūṣana	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
साहित्यिक अलकार काव्य-शास्त्र	हिं	60	21 × 17 × 19 × 25	सपूर्ण 17 प्रस्ताव	1767	अतिम 3 पन्ने औषध मत्र के
,,	,,	90	14 × 20 × 17 × 15	अपूर्ण 13 प्रस्ताव	19वी	
काव्यालकार-शास्त्र	स	100	26 × 11 × 16 × 42	सपूर्ण 10 उल्लास	15वी	
,,	,,	53	33 × 16 × 16 × 48	,, , 2130 ग्रथाग्र	1870 कृष्णगढ	
,	,,	12	26 × 11 × 17 × 54	अपूर्ण 4 उल्लास	19वी	
,,	,,	77	27 × 12 × 15 × 49	,, 10 उल्लास के/ ग्र 3244	1540	मूल की व्याख्या
,,	,,	43	26 × 11 × 15 × 55	साढे छ उल्लास तक	17वी	,,
,,	,,	32	26 × 12 × 17 × 53	सपूर्ण	19वी	,,
,,	,,	237	28 × 13 × 14 × 49	अपूर्ण-त्रुटक	18वी	मूल की व्याख्या बीच मे आधे पन्ने कम है
,,	,,	16	26 × 11 × 14 × 45	सपूर्ण	19वी	मूल की व्याख्या
काव्य-लक्षण	,,	5	26 × 12 × 13 × 35	,, 20 श्लोक	,,	
काव्य-शास्त्र	,,	10	26 × 11 × 13 × 42	अपूर्ण बीच के पन्ने 2 से 11	,,	नामादिका पता नही पडता है
छद-शास्त्र	रा	गु.	17 × 12 × 10 × 22	सपूर्ण लगभग 48 गीत	1800	
अलकार शास्त्र	प्रा	4	25 × 11 × 15 × 34	,, 76 गा	20वी	
,,	प्रा स	7	25 × 13 × 9 × 33	,, 75 गा	19वी	
,,	स	6	27 × 11 × 15 × 54	,, 5 प्रभायें	,,	
,,	,,	6	27 × 11 × 17 × 60	सपूर्ण 6 अध्याय की ग्रथाग्र 340	16वी	प्राचीन प्राकृत या स मे किसी मूल ग्रथ की अवचूरि है।
,,	रा	6	23 × 11 × 15 × 50	अपूर्ण	19वी	बीच मे पन्ने कट्टे हुए हैं।
,,	,,	8	27 × 13 × 14 × 55	सपूर्ण 273 छद	18वी	
,,	,,	गु	15 × 13 × 9 × 19	,, 121 छद	1834	
,,	,,	21	25 × 13 × 10 × 30	,, 273 पद	19वी	
,,	,,	9	23 × 13 × 13 × 35	,,	,,	
,,	,,	5	25 × 11 × 11 × 36	,, 60 पद	,,	
,,	,,	35	29 × 14 × 10 × 28	सपूर्ण	,,	

1	2	3	3 A	4	5
25	ओसिया 6 इ 34	नलोदय	Nalodaya	जीवदास	प
26	के नाथ 17/38	नवरस-विचार	Navarasa Vicāra	कविभूषण ?	,,
27	कोलडी 1248	नदिताढ्य छद सावचूरि	Nanduādhya Chanda with Avacūri	(नन्दिताढ्य)/रत्नचद्र	मू अ (प ग)
28	ओसिया 6 अ 97	परिभाषा	Paribhāṣā	—	ग मूल
29	,, 6 अ 78	,, +श्लोकयोजन निर्णय	,, +Ślokayojana Nirnaya	/नीलकठ/सूरिसुनु	ग प
30	के नाथ 7/15	,, की वृत्ति	,, kī Vrtti	सिरदेव	ग
31	,, 14/71	पचवर्गपरिहार	Pañcavarga Parihāra	जिनभद्रसूरि	प
32	कुथु 55/16	पिंगल ग्रन्थ	Pingala Grantha	क्षेमराज का शिष्य ?	ग.
33	ओसिया 6 अ 75	,, -ज्ञान	,, Jñāna	—	,,
34	,, 6 अ 79	,, -सार	,, Sāra	हरिप्रसाद	,
35	महावीर 6 अ 27	प्राकृत छद-कोश	Prākrta Chanda Kośa	—	प
36	,, 6 अ 29	भाषा-पिंगल	Bhāṣa Pingala	—	ग
37	ओसिया 6 अ 55	,, -भूषण	,, Bhūsana	हरिचरणदास	प
38	,, 5 अ 11	वृ दावन, घटकर्पूर, मेघाभ्युदय चन्द्रदूत, शिवभद्र	Vrndāvana Ghatakarpūra Meghābhyudaya Candradūta, Śivabhadra	मानाक (3) जवूक(1) शिवभद्र 1	,,
39	के नाथ 17/23	रसतरङ्गिणी	Rasataranginī	भानुदत्त	,,
40	कोलडी 1304	रसरत्न	Rasaratna	सूरतिमिश्र	,,
41	कोलडी गु 10/6	,,	,,	सूरतमिश्र	,,
42	,, गु 9/1	,,	,,	—	,,
43	,, 839	रूपदीप	Rūpadīpa	जयकृष्ण	,,
44	के नाथ 18/92	,,	,,	,,	,,
45	कुथु 46/1	,,	,,	—	,,
46	ओसिया 6 इ 23	,,	,,	—	गद्य
47	के नाथ 14/83	वृत्तरत्नाकर	Vrtta Ratnākara	भट्टकेदार	मू.पद्य
48	,, 3/32	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
काव्य ग्रन्थ	स	14	28 × 13 × 9 × 32	सपूर्ण	19वी	किञ्चित् टव्वार्थ भी
काव्यलक्षण-शास्त्र	डिं	35	31 × 15 × 15 × 30	प्रतिपूर्ण	,,	5 पत्रे स्फुट ग्रन्थ है
छद-शास्त्र	प्रा स	4	27 × 10 × 14 × 58	सपूर्ण 99 गा	1511	पचपाठ
वाक्य रचना छद योजना	स.	2	27 × 12 × 13 × 51	,, 8 अध्याय/ग्र 66	19वी	
,,	,,	3	25 × 10 × 15 × 47	,, ,, + 30 श्लोक	18वी	
,,	,,	54	26 × 10 × 15 × 52	,	1677	
शब्द व्यजन स्वर शास्त्रकोश	,,	10	27 × 11 × 17 × 40	,, दो खड 346 श्लो	19वी	(अपरनाम = अपवर्ग नाम माला)
छदशास्त्र	प्रा	6	27 × 11 × 22 × 62	,, 84 छद सोदाहरण	16वी	
काव्य छद शास्त्र	स.	5	26 × 11 × 13 × 50	,,	18वी	अजितशातिस्तव' के छदो पर
,,	,,	3	28 × 13 × 18 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	प्रा	9	26 × 11 × 10 × 46	,,	,,	
छद काव्य भाषा शास्त्र	रा	16	25 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण 152 छद	19वी	
काव्यालकार शास्त्र	हिं	13	28 × 12 × 9 × 39	,, 212 छद	1866 सुखराम	
साहित्यिक काव्य-शास्त्र	स	13	25 × 12 × 11 × 40	,, 5 काव्य 229 श्लो	18वी	यमक प्रधान 5 काव्य चद्रदूत आदि लघकाव्य
,,	,,	38	31 × 15 × 9 × 40	,, 8 तरग	19वी	
शृ गार रसो का वर्णन	हिं	7	22 × 15 × 20 × 19	,, 64 पद	1831	
,,	,,	गु	22 × 16 × 30 × 33	,, 66 पद	19वी	
शृ गार रस वर्णन	,,	,,	15 × 14 × 11 × 19	,, 26 छद	,,	
छदशास्त्र	डिं	19	31 × 12 × 14 × 43	,, 22 जाति के कवित्त	1868	
,,	,,	4	25 × 13 × 16 × 31	,, 52 छद	19वी	
,,	,,	13	16 × 13 × 12 × 19	,, 75 छद	,,	
,,	,,	8	21 × 12 × 13 × 27	,,	18वी	
,,	स	6	25 × 11 × 12 × 40	,, 6 अध्याय	1663	
,,	,,	6	25 × 11 × 14 × 40	,, ,,	1717	

भाग 7 साहित्यिक भाषा/विभाग(ई) :-

1	2	3	3 A	4	5
49	ओसिया 6 अ 2	वृत्तरत्नाकर सटीक	Vrttasatnākara with Tikā	भट्टकेदार/समयसुन्दर	मू+वृ (प ग)
50	,, 6 अ 102	,,	,,	,,	मू पद्य
51	महावीर 6 इ 28	,,	,,	,,	,,
52	के नाथ 29/91, 20/45, 17/65	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
53	,, 22/4	,, -सटीक	,, with Tikā	,, /शिवचरण	मू+वृ (प ग)
54	कोलडी 987	,, की टीका	,, kī Tikā	सुल्हणकवि	गद्य
55	के नाथ 7/42	,, ,,	,, ,,	सोमचन्द्र	,,
56	,, 9/36	विदग्धमुखमडन	Vidagdha-mukhmandana	घर्मदाम	ग.
57-8	,, 14/78 21	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
59-60	ओसिया 6 अ 99/100	,, -सटीक	,, Tikā ,,	,, /दुर्गकवि(पूर्वार्द्ध) ताराचद (उत्तरार्द्ध)	मू+वृ (ग)
61	कोलडी 1054	,, -की टीका	,, kī Tikā	मेरुसुन्दर गणि	गद्य
62	मुनिसुव्रत 6 अ 107	श्रुतबोध-सटीक	Śrutabodha with Tikā	कालिदास/वररुचि	मू टी (प ग)
63	के नाथ 22/35	,,	,,	,, /हर्षकीर्ति	,,
64	,, 22/18	,,	,,	,, /माधवदैवज्ञ	,,
65	सेवामदिर 6 इ 55	शृ गारतिलक	Śrgāra Tilaka	कालिदास	मू प
66	के नाथ 17/34	शृ गारसार-सग्रह सावचूरि	,, Sāra Sangraha with Avacūri	समरसिह	मू+अ (प ग)

भाग 7 साहित्यिक भाषा/विभाग (उ) —

1	कोलडी 897	अलकार-कारिका	Alankāra Kārikā	—	पद्य
2-3	ओसिया 6 अ 40	,, -कारिकावली	,, Kārikāvali	—	,,
4	कोलडी गु 11/10 842	,, -माला 2 प्रतिया	,, Mālā 2 copies	सूरतिमिश्र	प
5	के.नाथ 19/53	,, ,,	,, ,,	,,	,,
6	ओसिया 6 अ 80	,, -लक्षण	,, Lakṣana	—	ग प.

6	7	8	8 A	9	10	11
छद-शास्त्र	स.	12	26 × 12 × 17 × 55	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	7	26 × 12 × 14 × 46	सपूर्ण 6 अध्याय	,,	
,,	,,	9	26 × 11 × 11 × 33	,, ,,	19वी	
,,	,,	10,6, 9	17 से 26 × 11 से 12	,, ,,	1886 व 20वी	
,,	,,	20	26 × 12 × 18 × 51	,, ,,	19वी	
,,	,,	10	34 × 13 × 19 × 80	,, ,,	17वी	
,,	,,	23	29 × 10 × 15 × 55	,, 6 अध्याय की ग्र 1219	,,	
व्याकरण साहित्यिक काव्यशास्त्र	,,	13	26 × 11 × 12 × 40	,, 4 परिच्छेद	17वी	
,,	,	17,10	26 × 11 व 27 × 12	प्रथम सपूर्ण द्वितीय अपूर्ण	19वी	
,,	,,	19,11	28 × 12 × 20 × 57 28 × 13 × 12 × 50	पूर्वार्द्ध 2 परिच्छेद (2+2) उत्तरार्द्ध 2 ,,	18वी	
,,	,,	35	26 × 11 × 17 × 55	अपूर्ण	19वी	
छन्द-शास्त्र	,,	5	25 × 12 × 22 × 66	स 40 पदो मे 37 छदो के लक्षण	17वी	
,,	,,	6	26 × 11 × 15 × 47	,, 40 श्लोक	1729 मेदिनीतटे ज्ञानसागर	
,,	,,	4	26 × 13 × 12 × 37	,, 42 श्लोक	19वी	
काव्य-शास्त्र	,,	2	25 × 11 × 14 × 42	,, 27 श्लोक	1822	
,,	,,	48	22 × 16 × 6 × 43	अपूर्ण श्लो 182 से 754	18वी	

अलकार —

अलकार-शास्त्र	स.	10	24 × 11 × 9 × 46	सपूर्ण 172 श्लोक	1890	
,,	,,	7	26 × 12 × 13 × 45	,, ,,	18वी	
,,	रा	गु 12	25 × 13 व 29 × 14	,, 262 छद	19वी	1766 की कृत्ति
,,	,,	11	27 × 13 × 14 × 52	,, ,,	19वी	
,,	स.	16	26 × 12 × 17 × 55	अपूर्ण	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
7-8	कोलडी 840-1	कविकुल कठाभरण 2 प्रतिया	Kavikula Kanthābharana	कविदूलहृमिश्र	प
9	महावीर 6 ग्र 25	कुवलयानद	Kuvalayānanda	ग्रप्पय्य दीक्षित	ग प
10	,, 27/47	,, ग्रककार चद्रिका-टीका	,, Ankakāracandrikā Tikā	ग्रप्पय्यदीक्षित/वैद्यनाथ	वृ गद्य मे
11	ग्रोसिया 6 इ 18	चन्द्रालोक	Candrāloka	जयदेव	गद्य
12	ग्रोसिया 6 ग्र 76	वाग्भटालकार	Vāgbhatālankāra	वाग्भट	पद्य
13	कुथु 42/15	,,	,,	,,	,,
14	सेवामदिर 6 ग्र 119	,,	,,	,,	,,
15	के नाथ 18/45	,,	,,	,,	,,
16	,, गु 22	समुच्चयालकार	Samuccayālankāra	—	प

भाग/विभाग · 8

1	2	3	3 A	4	5
1	कोलडी 693	ग्रजीर्णमञ्जरी-सावचूरी	Ajirna Mañjari Sāvacūri	—	मू+ग्र (प ग)
2-3	,, 1291, 699	ग्रनुपानमञ्जरी 2 प्रतिया	Anupâna Mañjari 2 copies	पीताम्बर	मू+ट (प ग)
4	के नाथ 15/153	ग्रश्वचिकित्सा	Aśva Cikitsā	शालीहोत्रऋनकुल	पद्य
5-6	कोलडी 794, 795	,, (शालिहोत्र) 2 प्रतिया	,, (Śalihotra) 2 copies	माल शालहोत्रऋषि कृतनकुलवार्ता	गद्य
7	कुथु 14/48	,, ,,	,, ,,	,,	,,
8	कोलडी 1287	ग्रश्विनी सहिता	Aśvini Śamhitā	—	ग प
9	मुनिसुव्रत 7 ई 23	ग्रष्टाङ्ग हृदय सहिता	Aṣṭānga Hrdaya Samhitā	वाग्भट	प
10	ग्रोसिया 7 ई 10-9	,,	,,	,,	,,
11	सेवामंदिर 7 ई 21	,,	,,	,,	,,
12	के नाथ 16/39	,, टीका	,, Tikā	,, /रुणदत्त	ग.
13	कोलडी 696	ग्रायुर्वेद महोदधि	Āyurveda Mahaudadhi	सुख	प
14	के नाथ 26/63	उत्तरनिवन्ध-सग्रह सटीक	Uttaranibandha Sangraha Satika	—	मू +टी
15-16	,, गुटका 6, 24/44	ग्रौपधिनुस्खा-सग्रह 2 प्रतिया	Ausadhi Nuskhā Sangraha 2 copies	सकलन	ग.

6	7	8	8 A	9	10	11
अलकार-शास्त्र	रा	10,8	31 × 12 × 12 × 45	सपूर्ण 60 छद	1881 फलोदी इद्रभानु (हीरविजय)	
अलकार-शास्त्र	म.	59	24 × 12 × 14 × 42	सपूर्ण	1854, सूर्यपुर, विनयचद	
,,	,,	74	26 × 12 × 15 × 47	अपूर्ण प्रमाणालकार प्रकरण तक	19वी	मूल की टीका है
अलकार-शास्त्र	,,	9	28 × 13 × 11 × 54	,, 4 मयूख	18वी	
काव्यालकार-शास्त्र	,,	14	26 × 11 × 11 × 33	सपूर्ण 5 परिच्छेद 266 श्लोक	16वी × चद्रसूरि	
,,	,,	11	26 × 11 × 11 × 54	,, ,,	1678	
,,	,,	8	26 × 11 × 13 × 41	अपूर्ण (पत्र 7 से 17)	1877	
,,	,,	16	27 × 12 × 11 × 33	सपूर्ण 5 परिच्छेद	1944	
अलकार व काव्य शास्त्र	रा	23	22 × 15 × 24 × 17	अपूर्ण 44 से 133 छद	19वी	

आयुर्वेद वैद्यक —

6	7	8	8 A	9	10	11
अजीर्ण रोग के बारे मे	स मा	14*	25 × 12 × 11 × 40	अपूर्ण 38 श्लोक	1899	
विपविकार चिकित्सा	,,	12,6	29 × 13 व 27 × 13	सपूर्ण 5 उद्देशक	1886/1916	द्वितीय प्रति मे टव्वार्थ नही है
घोडो की चिकित्सा व अन्य ज्ञान	स	10	25 × 11 × 15 × 37	,, श्लोक 350	1751	
,,	रा	3,6	27 × 10 व 29 × 10	,,	1848/19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 40	अपूर्ण	20वी	
वैद्यकशास्त्र	स	5	24 × 12 × 14 × 33	,, (केवल कुमाराक्ष चिकित्सा	19वी	
,,	,,	71	27 × 11 × 10 × 32	,, 13 से 18 व 23 से 38 अ.	17वी	
,,	,,	117	26 × 12 × 17 × 55	,, 2 से 6 स्थान तक	1734	
,,	,,	38	23 × 11 × 9 × 34	त्रुटक	18वी	
,,	,,	77	25 × 11 × 11 × 41	अपूर्ण 4।। अध्याय	19वी	
आहार द्रव्यगुण पथ्य पर	,,	23	27 × 12 × 13 × 45	सपूर्ण 600 ग्रथाग्र	1864	
वैद्यकविज्ञान	,,	276	28 × 12 × 12 × 46	लगभग पूर्ण (प्रथम दो पत्र कम	1677	
चिकित्सा दवाइया	मा.	17,12	25 × 15 व 22 × 11	प्रतिपूर्ण	17/18वी	

1	2	3	3 A	4	5	
17-34	कोलडी 692 701 877,912 1266,गुटके 1/7 9/4-8,10,10/5 8 9 12,12/2 13,8,9,10	औपधिनुसखा-सग्रह 18 प्रतिया	Auṣadhı Nuskhā Sangraha 18 copies	सकलन	ग	
35-47	कुयु 14/45-47 12/111,37/ 25-27,40/3, 35/32-33 2/35,26/2 17/5	औपधिनुसखा-सग्रह 13 प्रतिया	Auṣadhı Nuskhā Sangraha 13 copies	,,	,,	,,
48-49	सेवामदिर गुटके 18 7 ई 12	औपधि नुस्खा-सग्रह 2 प्रतिया	Auṣadhı Nuskhā Sangraha 2 copies	,,	,,	,,
50	कोलडी 697	,, निर्माण-यन्त्र	,, Nırmāna Yantra	—	,, चित्र	सकलन
51	,, 706	, रसायन-विधि	,, Rasāyana Vıdhı	—	,,	बनात ग
52-3	,, 703,705	कालज्ञान 2 प्रतिया	Kālajñāna 2 copies	—	प	रसायन निरज्ञा
54	,, 704	,,	,,	—	मू+ट (ग ग)	
55	के नाथ 18/10	,,	,,	—	प	
56	औसिया 7 ई 13	,	,,	शमुनाथ	मू ट	
57	,, 7 ई 19	,,	,,	,,	ग	
58	,, 7 ई 18	, भापान्तर	,, Bhāsāntara	(मू शमुनाथ) लक्ष्मी वल्लभ	प	
59	के नाथ 24/36	काशिनाथ-पद्धति	Kāśınātha Paddhatı	काशीनाथ	ग	
60	कोलडी 707	कुठमुद्गर सावचूरि	Kuthamudgara Sāvacūrı	माधव	(प ग) मू+अ	
61	मुनिसुव्रत 7 ई 16	गर्भ-चिकित्सा	Garbha Cıkıtsā	धन्वन्तरी	,,	
62	कोलडी 693	गुणरत्नमाला	Gunaratnamālā	—	प	
63	,, 698	चद्रोदयपारदादि-औपधिया	Candrodaya Pāradādı Auṣadhıyān	—	ग	
64	के नाथ 25/27	चिकित्सासार-सग्रह	Cıkıtsā Sāra Sangraha	आत्रेयभाषित	प	
65	,, 25/38	,,	Cıkıtsāsāra	क्षेमेन्द्रमित्र	मू ग	
66	,, 26/3	ज्वरद्विशति	Jvara Dvıśatı	ठाकुरप्रसाद	प	
67	,, 26/13	ज्वरत्रिशती	,, Trıśatı	यतिशार्ङ्गधर	मू प	

6	7	8	8 A	9	10	11
चिकित्सा दवाइया	मा	14,10 9 27,5 (गु 12)	11 से 18 × 7 से 13	प्रतिपूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	1,1,1,1 1,1,1,2 2,1,39 8,7,6	13 से 28 × 10 से 13	,, ,,	19/20वी	
,,	,,	19,20	22 × 16 व 12 × 12	,, ,,	18/19वी	
उपकरण विवरण	स	2	8 × 10	सपूर्ण 37 उपकरण	19वी	
बनाने की प्रक्रिया	मा.	5	25 × 11 × 11 × 28	,,	,,	
रोगी की उम्र का व चिकित्सा का समय ज्ञान आदि	स	16,12	22 × 14 व 25 × 12	,,	1863/19वी	
,,	स मा	15	25 × 12 × 8 × 42	,, 221 श्लोक	19वी	
,,	स	10	24 × 11 × 11 × 38	,, 7 उद्देशक 88 श्लोक	,,	
,,	स मा	18	21 × 12 × 8 × 33	,, 5 उद्देशक	1894विक्रमपुर	
,,	स	10	27 × 12 × 13 × 40	,, ,,	18वी	
,,	मा.	11	26 × 11 × 10 × 37	,, ,,	,,	
वैद्यकशास्त्र (अपर-नाम आयुर्वेदसार)	स	63	26 × 11 × 15 × 47	अपूर्ण	17वी	
6 रस व 3 दोष सबन्ध	,,	6	23 × 11 × 4 × 24	सपूर्ण 20 श्लोक	19वी	
वैद्यक + मात्रिक चिकित्सा	,	3	25 × 11 × 16 × 59	अपूर्ण	15वी × यशकीर्ति	
वैद्यक द्रव्यगुण औषधादि	,,	14	25 × 12 × 11 × 40	,, 20 से 254 श्लोक (अन्त	1899	
रसायन-प्रक्रिया	स मा	4	26 × 10 × 10 × 42	सपूर्ण	19वी	
वैद्यकशास्त्र	स	152	26 × 12 × 16 × 54	अपूर्ण छर्दि चिकित्सा तक	18वी	
,,	,,	74	28 × 14 × 27 × 51	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	15	28 × 13 × 14 × 32	,,	1852	
,,	,,	23	26 × 11 × 11 × 33	,, 327 श्लोक	1753	

1	2	3	3 A	4	5
68	महावीर 3 इ 54	धूणी की औषध	Dhūnī kī Ausadha	—	ग
69	कोलडी 708	नाडी परीक्षा व मूत्र परीक्षा	Nādī Pariksā & Mūtra-pariksā	—	प
70	के नाथ 24/30	,, व वैद्य उल्लास	,, & Vaidya Ullāsa	श्रीवर	ग प
71	ओसिया 7 इ 8	नाडी-प्रकाश	Nādī Prakāśa	शंकरसेन	,,
72	के नाथ 27/58	नाम-रत्नाकर	Nāma Ratnākara	कयदेव	पद्य
73	,, 25/43	,,	,,	,,	,,
74	ओसिया 7 ई 5	निघटु	Nighantu	—	ग
75	,, 7 ई 6	,,	,,	—	,,
76	के नाथ 17/53	,,	,,	धनवन्तरी	,,
77	,, 16/40	,,	,,	,,	ग.
78	कोलडी 720	,,	,,	—	प
79	,, 1254	नेत्ररोग-यत्न	Naitra Roga Yatna	—	ग
80	के नाथ 17/21	पथ्या-पथ्याविनिश्चय	Pathyāpathya Viniścaya	—	प
81	महावीर 3 इ 354	बाझपन	Bānjhapana	—	,,
82-5	के नाथ 25/28, 30 31,33	भावप्रकाश 4 प्रतियां	Bhāvaprakāśa 4 copies	भावमिश्र	प
86	कोलडी 702	भिषक्चक्रचित्रोत्सव	Bhisak Cakra Citrotsava	हंसराज	ग
87	मुनिसुव्रत 7 ई 2	मतिभद्र	Matibhadra	—	,,
88	के नाथ 17/10	मदनविनोद	Madana Vinoda	मदननृप	,,
89	ओसिया 7 ई 14	मनोरमायोग	Manoramā Yoga	—	,,
90	के नाथ 26/10	मातृकावर्ण-निघटु	Mātrkāvarna Nighantu	महीधरदास	प
91	,, 26/16	माधवनिदान (रोगविनिश्चय)	Mādhava Nidāna (Roga-Viniścaya)	माधवभट्ट	,,
92	,, 26/1	,, ,,	,, ,,	,,	,,
93	ओसिया 7 ई 7	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
धूप का नुस्खा	रा	1	23 × 12 × 19 ×	प्रतिपूर्ण	19वी	
निदान प्रक्रिया/योग रत्नाकर, राम विनोद आदि से)	,,	6	25 × 10 × 13 × 34	सपूर्ण	,,	
,,	स	12	21 × 12 × 17 × 34	अपूर्ण वैद्य उल्लास के प्रथम उद्देशक तक	,,	
,,	,,	12	26 × 11 × 12 × 39	सपूर्ण 3 उद्योत	16वी	
वैद्यककोश	,,	58	26 × 11 × 16 × 45	अपूर्ण 5½ वर्ग तक	17वी	
,,	,,	14	26 × 12 × 16 × 51	,, 488 श्लोक तक	19वी	
,,	,,	37	26 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण	17वी	
,,	,,	86	26 × 11 × 11 × 33	,	1768, किराड दिनकर	
,,	,,	28	25 × 11 × 17 × 46	,, 7 वर्ग	1787	
,,	,,	20	26 × 11 × 13 × 38	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	32	26 × 13 × 12 × 25	,,	,,	
चक्षुचिकित्सा	मा	8	18 × 24 × 26 × 24	सपूर्ण	,,	
आयुर्वेद (विभिन्न रोगो) मे हिताहित आहारादि	स	13	30 × 15 × 18 × 50	,,	1794	
कारण निदान व औषध	रा	1	25 × 12 × 10 × 44	प्रतिपूर्ण	18वी	
वैद्यक शास्त्र पाठ्य पुस्तकनुमा	स	142,105,24	27 × 14 × 12/16 × 36	अपूर्ण	19/20वी	
,,	,,	24	25 × 13 × 21 × 42	सपूर्ण	1894	
औषधिनुस्खे	,,	6	24 × 11 × 15 × 40	,,	1723 केशर-विमल	प्रथम पत्ना कम है
वैद्यककोश	,,	31	30 × 16 × 19 × 48	,, 14 सर्ग	1898	
वैद्यक औषधि विज्ञान	,,	13	26 × 12 × 12 × 48	,,	1882 नैपाल मध्ये	
वैद्यक-कोश	,,	4	21 × 13 × 11 × 24	,, 59 श्लोक	19वी	(अकारादिक्रम से)
वैद्यक निदान व चिकित्सा ग्रथ	,,	56	26 × 11 × 13 × 42	,,	1763	
,,	,,	144	33 × 15 × 7 × 28	,,	1856	
केवल ज्वर निदान	,,	8	25 × 11 × 12 × 39	अपूर्ण 190 श्लोक	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
94	कोलडी 694	माधवनिदान (रोगविनिश्चय)	Mādhava Nidāna (Roga-viniścaya)	माधवभट्ट	प
95	के नाथ 25/35	,, सावचूरी	,, with Avacurī	,,	मू+अ (प ग)
96	,, 27/54	,,	,,	,,	मू प
97	कोलडी 1068	,,	,,	—	ग
98-100	के नाथ 25/32, 42, 26/7	,, -सटीक 3 प्रतिया	,, with Tīkā 3 copies	माधवभट्ट/वैद्यवाचस्पति	मू+वृ (प ग)
101	,, 25/34	,, ,,	,, ,,	,, /कर्मचन्द्र	,, ,,
102	,, 25/25	,, ,,	,, ,,	,, /—	,, ,,
103-5	,, 25/41, 26/8, 12	,, -की टीका 3 प्रतिया	,, kī Tīkā 3 copies	वैद्यवाचस्पति	ग
106	ग्रोसिया 7 ई 4	योगचिंतामणि सहवाला	Yoga Cintāmani with Bālāvabodha	/हर्षकीर्तिसूरि	मू बा (प ग)
107	,, 7 ई 3	,, ,,	,, ,,	,,	,,
108	मुनिसुव्रत 7 ई 1	,, ,,	,, ,,	,,	,,
109	के नाथ 26/15	,,	,,	—	मू प
110	कोलडी गु 3/2	,, -का बालावबोध	,, kā Bālāvabodha	हर्षकीर्त्ति	ग
111	,, गु 7/2	,, ,,	,, ,,	—	,,
112	,, 1252	योगतरङ्गिणी	Yoga Tarangini	विमलभट्ट	प ग
113	कुथु 37/8	योगशतक-सटीक	Yoga Śataka with Tīkā	—/—	मू+वृ (प ग)
114	के नाथ 27/30	,,	,,	—	मू प
115	कोलडी 700	,,	,,	—	,,
116	के नाथ 26/11	,, सहबालावबोध	,, with Bālāvabodha	—	मू+बा
117	कोलडी 1069	योगसग्रह	Yoga Sangraha	शार्ङ्गधर	प
118	ग्रोसिया 7 ई 15	योगसार	Yoga Sāra	—	ग
119	कोलडी 695	रामविनोद	Rama Vinoda	मुनिरामचन्द्र	प
120	के नाथ 27/53	,,	,,	,,	,,
121	कुथु 40/4	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
निदान व चिकित्सा	स	188	25 × 12 × 12 × 40	सपूर्ण ग्र 5575	19वी	
,,	,,	64	25 × 11 × 13 × 36	,	,,	
,,	,,	39	26 × 12 × 16 × 52	अपूर्ण 211 से 1574 श्लोक (अत)	1772	
,,	,,	121	26 × 11 × 11 × 30	त्रुटक	17वी	
,,	,,	15,57 118	25 से 26 × 10 से 13	अपूर्ण	19/20वी	(टीका 'आतक दपरण' नाम्नी)
,,	,,	24	26 × 12 × 11 × 35	,, ज्वराधिकार मात्र	19वी	
,,	,,	11	27 × 13 × 17 × 51	,, 105 श्लो मात्र	,,	
,,	,,	86,40 6	22 से 25 × 11	,,	1857 से 20वी	आतक दर्पण' नाम्नी
औपधिविज्ञान	स मा.	41	26 × 11 × 15 × 49	सपूर्ण 7 अध्याय	1720 हाजीपाल मानसूरि	
,,	,,	76	26 × 11 × 17 × 50	,, ,,	1739बीकानेर सबलसिह	
,,	,,	119	26 × 11 × 8 × 41	,, ,,	1844श्रीभटपुर धनसागर	
,,	स	19	26 × 13 × 6 × 33	अपूर्ण बीच के 76 से 94 पत्र	19वी	पाचवा व छठा अध्याय मात्र
,,	मा	गु	15 × 14 × 16 × 22	सपूर्ण	1784	(वैद्यकसार सग्रह)
,,	,,	26	21 × 15 × 19 × 26	त्रुटक	19वी	(,,)
,,	स.	124	30 × 15 × 11 × 32	सपूर्ण 81 सर्ग तक	,,	
,,	,,	11	25 × 11 × 20 × 52	,, 135 श्लोक ग्र 685	17वी	
,,	,,	26	26 × 12 × 6 × 43	,, 271 श्लोक	1790सवाईजैपुर	
,,	,,	6	27 × 10 × 13 × 55	,, 120 श्लोक	1848	
,,	स मा	7	26 × 11 × 18 × 42	,, 107 श्लोक	19वी सेत्रावा	
,,	स.	10	29 × 14 × 13 × 50	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	8	26 × 11 × 17 × 52	प्रतिपूर्ण	18वी	
वैद्यक ग्रथ सामान्य	मा	65	27 × 10 × 13 × 56	सपूर्ण 28 अध्याय ग्र 3367	,,	
,,	,,	22	23 × 11 × 11 × 33	अपूर्ण 301 पद	19वी	
,,	,,	60	27 × 27 × 28 × 38	त्रुटक	,,	

1	2	3	3 A	4	5
122	सेवामदिर 7 ई 22	लघुसहिता	Laghu Samhitā	—	प
123	के नाथ गु 31	वैद्यकग्रन्थ (नाम रहित)	Vaidyaka Ms (without name)	सकलित	,,
124	,, 25/40	,, ,,	,, ,,	,,	ग
125	कुथु 40/2	वैद्यमनोत्सव पद्यानुवाद	Vaidya Manotsava Padyānuvāda	नयनसुख (केशवसुत)	प
126	के नाथ गु 16	,, ,,	,, ,,	,,	,,
127	,, 27/55	,, ,,	,, ,,	,	,,
128	, 25/37	वैद्यविनोद (शार्ङ्गधर का अनुवाद)	Vaidya Vinoda (Śārngadharaś Trans)	मुनिरामचद्र (पद्मरग शिष्य	,,
129	कुथु 25/1	,,	Vaidya Vinoda	अनतभट्ट आत्मजशकर	,,
130	,, 20/10	वैद्यसजीवन	,, Sañjīvana	लोलिम्बराज	मु प
131	के नाथ 26/14	,,	,,	,,	,,
132	ओसिया 7 ई 17	,	,,	,,	,,
133	के नाथ 28/11	,,	,,	,	मू ट (प ग)
134	कोलडी 1285	,, -सटीक	,, with Tīkā	,, /गो हरिनाथ	मू+वृ (प ग)
135	के नाथ 26/6	,, -सहदीपिका	,, with Dīpikā	,, /रुद्रभट	,,
136	कुथु 4,/6	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
137	के नाथ 17/19	वैद्यकसार	Vaidyaka Sāra	—	प
138	कोलडी 836	,,	,,	—	ग
139	के नाथ 7/2	शब्दरत्न-प्रदीप	Śabda Ratna Pradīpa	कल्याणदास	मू
140	,, 25/29	शाकवर्ग	Śāka Varga	—	ग
141	सेवामदिर 7 ई 20	शार्ङ्गधरयोगप्रदीपिका	Śārngadharayoga Pradīpikā	—	,,
142	कुथु 3/53	सन्निपातकलिका सटीक	Sannipāta Kalikā Satīka	—	मू+वृ (प ग)
143	सेवामदिर गु दे 16	,, ज्वरचिकित्सा	,, Jvara Cikitsā	—	प
144	कुथु 28/1	,, -चिकित्सा	,, Cikitsā	—	ग
145	सेवामदिर गु दे 16	सालोत्तर-सार	Sālottara Sāra	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
वैद्यक ग्रंथ सामान्य	स.	23	21 × 16 × 14 × 30	अपूर्ण	18वीं	
,,	,,	26	12 × 11 × 11 × 13	प्रतिपूर्ण	19वीं	साथ में नुस्खे व तत्र के 20 पत्रे अतिरिक्त
,,	मा	14	26 × 11 × 15 × 47	,,	1784	
,,	,,	23	15 × 26 × 30 × 25	सपूर्ण 302 गा	1738	
,,	,,	38	15 × 15 × 13 × 13	,, 327 गा	1847	
,,	,,	18	26 × 11 × 13 × 39	अपूर्ण 344 गा	18वीं	
,,	,,	109	28 × 12 × 13 × 39	सपूर्ण	19वीं	रामविनोद कर्त्ता का यह दूसरा ग्रंथ है
,,	स	35	22 × 10 × 15 × 54	अपूर्ण त्रुटक	,,	रामसिंह राजा के कहने पर लिखा
,,	,,	9	25 × 10 × 15 × 45	सपूर्ण 5 विलास	1736	
,,	,,	21	25 × 11 × 10 × 30	,, ,, +22 श्लो	1852	
,,	,,	11	25 × 11 × 12 × 50	,, ,, = 221श्लो	1857	
,,	स मा	33	23 × 11 × 4 × 65	,, ,,	1877	
,,	स.	26	27 × 13 × 13 × 40	,, ,,	1905	
,,	,,	54	25 × 12 × 12 × 34	,, ,,	19वीं	
,,	स मा	9	26 × 12 × 7 × 37	अपूर्ण	,,	
वैद्यक-रोगनिदान औषधि	स.	65	31 × 15 × 9 × 25	,,	,,	
,, -औषधि	मा	4	24 × 12 × 14 × 42	,,	,,	
वैद्यक-औषधि नाम वर्ग शब्द कोश	स.	19	25 × 12 × 13 × 40	सपूर्ण 'अ' से 'ह'	1803 जैपुर दीपचदगणि	(अकारादिक्रम से) प्रशस्ति है
वैद्यक-द्रव्यसार पदार्थादि	,,	7	28 × 14 × 13 × 41	अपूर्ण	19वीं	
,, औषधि विज्ञान	,,	12	32 × 17 × 17 × 46	,,	17वीं	
सन्निपात चिकित्सा 13 प्रकारी की	स मा	14	27 × 12 × 16 × 54	सपूर्ण	1748	
,, ,,	मा	20	20 × 16 × 15 × 33	लगभगपूर्ण	19वीं	
,, ,,	,,	31	15 × 11 × 11 × 20	सपूर्ण	,,	
अश्वचिकित्सा	,,	20*	20 × 16 × 20 × 30	,, 3 खड	,,	

1	2	3	3 A	4	5
146	महावीर 3 इ 354	स्वर व बुद्धि औषध	Sarva & Buddhı Ausadha	—	ग.
147	के नाथ 28/20	स्फुट अपूर्ण व लघु ग्रंथ व त्रुटक पत्रे	Stray incomplete & Small works & loose folios	भिन्न 2	प ग.
148-9	कोलडी व 71+69	,, ,, 2 बस्ते	,, ,, 2 Baste	,,	,,
150	मुनिसुव्रत व 78	,, ,,	,, ,,	,,	,,

भाग (9) ज्योतिष व निमित्त विभाग (अ)

1	के नाथ 26/19	अक्षरचिंतामणि	Akṣara Cıntāmanı	शिव	मू प
2	कोलडी 995	अब्दारिष्ट-विचार	Abdārışta Vıcāra	(देवज्ञनीलकंठ)गोविन्द	ग
3	,, गु 1/21	अयनांश-ज्योतिष	Ayanāmśa Jyotıṣa	—	,,
4	कुंथु 10/156	,, (बिलाडा नगर के)	Ayanāmśa (of Bılādānagara)	—	अकतानिका
5	कोलडी 986	अरिष्ट-परिहाराध्याय विवृत्ति	Arışta Parıhārādhyāya Vrttı	(नीलकंठ सुत गोविन्द)	ग
6	मुनिसुव्रत 7 अ 90	अरिष्टाध्याय-जातकाभरण	Arıṣtādhyāya Jātakābharana	ढुंढिराज	प
7	के नाथ 25/24	,, आदि जन्मपत्री ग्रंथ	,, Ādı Janmapatrī grantha	संकलन	,,
8	कोलडी 565	अष्टोत्तरिदशा मुक्तभोग्यविधि	Aṣtottarıdaśā Bhuktabhogyavıdhı	—	ग
9	,, 1279	अस्तोदय ग्रहस्पष्टकरणम्	Astodaya Grahaspaṣtakaranam	—	,,
10	,, 689	अहर्गण	Aharggana	—	,,
11	,, 690	,, कर्त्तव्यता	,, Karttavyatā	—	प ग
12	महावीर 7 अ 6	आरंभसिद्धि वृत्तिसह	Ārambhasıddhı with Vrttı	उदयप्रभ/हेमहंसगणि	मू + वृ (प ग)
13	महावीर 7 अ 5	,, सावचूरि	,, with Avacūrı	उदयप्रभ	प ग (मू अ)
14	कोलडी 1172	आशाधर-ज्योतिष	Āśādhara Jyotısa	—	गद्य
15	,, 691	इष्ट-कष्ट-बल-साधन	Ista-kaṣta Balasādhana	—	ग
16	औसि 7 अ 84	करणकुतूहल	Karana Kutūhala	भास्कराचार्य	प मूल
17	मुनिसुव्रत 7 अ 61	,,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
उपचार	स	1	27 × 13 × 8 × 30	प्रतिपूर्ण	19वी	
नुस्खेग्रादि	स मा	457	20 से 28 × 10 से 16	पूर्ण/ग्रपूर्ण	17/20वी	
,,	,,	127	25 से 30 × 10 से 14	,,	,,	
,,	,,	36	,, ,,	,,	,,	

ज्योतिप —

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त ज्योतिप	स	21	21 × 11 × 11 × 32	सपूर्ण	1709	
वर्पफल मुथा ग्ररिष्ट-कल्पादि (ग्ररिष्ट-परिहार)	,,	9	32 × 14 × 9 × 42	,,	19वी	
ज्योतिप फलावट	मा	9	15 × 11 × 11 × 18	ग्रपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिप सारिणी	,,	1	25 × 11 × —	सपूर्ण 12 राशि का लग्न पत्र	20वी	
वर्पफल मुथारिष्ट	स	6	32 × 14 × 11 × 36	,, 15 श्लोक	19वी मनोहरपुर रामनारायण	
योगफल ग्रभावादि विपयक	,,	12	26 × 11 × 15 × 46	,, 318 श्लोक	18वी जोधपुर तखतसागर	
सामान्य सकलन	,,	46	23 × 10 × 7 × 21	ग्रपूर्ण (14 श्लोक कम है 3 पन्नो के)	1850	
ज्योतिप	रा	2	29 × 12 × 16 × 40	सपूर्ण	19वी	
चद्रग्रहण पर्व(1895 ग्रासोज सुद 15) साधन	,,	28	24 × 16 × 14 × 20	,,	1865	
ग्रहस्पष्ट-विधि	स	13	26 × 12 × 16 × 68	,,	19वी	
ज्यो (भुजसज्ञा)	स+रा	2	23 × 10 × 12 × 50	,, 20 श्लोक	,,	
मुहूर्त-ज्योतिप	स	173	26 × 11 × 12 × 42	,, (6075 श्लोक टीका) 5 विमर्श	1954राजनगर जीवनसिंह	
,,	,,	36	27 × 13 × 16 × 50	,, 5 विमर्श	1952,ग्रहिपुर किसनकिरण	
	,,	2	26 × 12 × 12 × 48	ग्रपूर्ण	19वी	
फलित (ग्रहफल)	रा	7	28 × 12 × 11 × 48	सपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिप ब्रह्मतुल्य सिद्धात	स	9	24 × 10 × 13 × 32	,, 11 ग्रधिकार	16वी	
,,	,,	7	26 × 11 × 13 × 42	,, 10 ,,	1798 × सत्यसागर	

1	2	3	3 A	4	5
18	मुनिसुव्रत 7 अ 60	करणकुतुहल	Karana Kutūhala	भास्कराचार्य	प मूल
19-23	कोलडी 671, 591 1137, 598,1151	,, 5 प्रतियां	,, 5 copies	,,	,, ,,
24	कोलडी 586	,, -सहवृत्ति	,, with Vrtti	,, /	प
25	, 646	,, की सोदाहरण वृत्ति	,, kī Sodāharana Vrtti	—	ग
26	कुयु 10/195	,, की वृत्ति	,, kī Vrtti	सुमतिहर्षगणि	,,
27	कोलडी 587	,, ,,	,, ,,	,,	,
28	, 588	, ,,	,, ,,	—	,
29-30	,, 590 589	,, ग्रहसाधन 2 प्रतियां	,, Grahasādhana 2 copies	—	,,
31-32	,, 597 596	करणकौतूहले ग्रहगतिस्थानम् 2 प्रतियां	Karana Kautūhale Grahagatisthānam 2 copies	हर्षरत्नगणि	ग अकतालिका
33	केनाथ 27/67	,, ,,	,, ,,	—	,,
34	कोलडी 1210	, (मध्यम प्रकार) ग्रहफल	,, (Madhyama Prakāra) Grahaphalam	—	,,
35	, 613	कर्मप्रकाश (ताजिकतन्त्रसार) सहवृत्ति	Karma Prakāśā (Tājika Yantrasāra) with Vrtt	समरसिंह स्वोपज्ञ	मू+वृ (प ग)
36	, 1067	, -की वृत्ति	,,	,,	मु प
37	, 1174	कर्मप्रकाश की वृत्ति	Karma Prakāśa kī Vrtti	—	ग.
38	कुयु 46/2	कर्मविपाक	Karma Vipāka	महादेवोक्त	,,
39-41	कोलडी 688 87 गु 9/1	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
42	मेवामंदिर 7 अ 100 /5	काकपिंड पत्र	Kākapindapatra	नन्दकिशोर	प
43	कोलडी 1284	कामधेनु सविवरण	Kāmadhenu with Vivarana	महादेव	ग.
44	, 989	कालचक्र (जातक)	Kālacakra (Jātaka)	ईश्वर पार्वती सवादे	,
45	,, 661	कुण्डली-विचार	Kundalī Vicāra	—	ग. कुंडलियें
46	ओसिया 7 अ 83	केशव-ज्योतिष	Keśava Jyotiṣa	केशवाचार्य	मू ट (ग)
47	,, 7 अ 56	केशवजातक पद्धति की वृत्ति	,, Jātaka Paddhati kī Vrtti	विश्वनाथदैवज्ञ	ग तालिका सह
48	कोलडी 641	,, ,,	,, ,,	,,	,,
49	,, 666	खेचरमञ्जरी	Khecara Mañjarī	सागरेन्दुशिष्य	अ ह तालिकायें

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष ब्रह्म-तुल्य सिद्धात	स	10	25 × 11 × 13 × 86	सपूर्ण 10 अधिकार	18वी	
,,	,,	10,11, 9,8,5	25 से 27 × 10 से 13	प्रथम दो पूर्ण, शेष 3 अपूर्ण	1863 से 20वी	
,,	,,	42	26 × 12 × 13 × 49	सपूर्ण (सभवाधिकार तक) 11 अधिकार	1880 श्रीपतिका गुलावविजय	
,,	,,	40	26 × 13 × 15 × 48	,, 11 अधिकार ग्र 2184	19वी	
,,	,,	49	27 × 11 × 15 × 45	,,	1856	
,,	,,	12	24 × 9 × 13 × 54	अपूर्ण 5 अधिकार	19वी	
,,	,,	18	24 × 11 × 15 × 30	,, 10 ,,	,,	अतिम 2 पत्रो मे गुरुचार
गणित ज्योतिष	,,	26,3	28 × 13 व 27 × 12	सपूर्ण	1878 व 19वी	
,,	,,	27,4	27 × 13 व 26 × 13	,,	1871 व 19वं	
,,	,,	4	25 × 11 × 16 × 45	त्रुटक	19वी	
,,	रा.	37	18 × 23 × 28 × 25	सपूर्ण	,,	
ज्योतिष मनुष्य जातक	स	38	26 × 11 × 12 × 42	,,	1909 जोधपुर	वृत्ति 'अणुदीपिका' नाम्नी
,,	,,	21	25 × 12 × 12 × 32	अपूर्ण 13 अधिकार	20वी	
,,	,,	47	27 × 12 × 14 × 40	,, पितृगडाताधिकार	19वी	
पूर्वभव आधारित ज्योतिष कथासह	रा	14	18 × 11 × 11 × 20	सपूर्ण	1782	
,,	,,	6,6गु.	25 × 12 व 12 × 10	,,	1846 से 1915	
ज्योतिष-मन्त्र	स	1	26 × 13 × 13 × 40	,, 11 श्लोक	19वी	
गणितज्योतिष (तिथि सारणी सहित	रा	4	26 × 13 × 13 × 40	,,	,,	
ज्योतिष पाराशरी पद्धति	स	11	30 × 15 × 15 × 48	,,	1905 जयदुग गुलावचद	
प्रश्नज्योतिष	रा	4	27 × 13 × भिन्न 2 कुण्डलियें	,,	19वी	
ज्योतिष गणित (जातक पद्धति)	स रा	8	25 × 11 × 5 × 41	अपूर्ण	17वी	
,,	स	30	26 × 11 × 18 × 45	सपूर्ण	1675	
,,	,,	43	25 × 13 × 16 × 32	,,	1876	
ज्योतिष गणित (सारिणिया)	,,	12	30 × 13 × —	,,	1890	

1	2	3	3 A	4	5
50	कुथुनाथ 16/18	गोरखपत्र	Gorakha Patra	—	ग अकतालिकायें
51	कोलडी 1209	ग्रहउदयास्त-साधनम्	Graba Udayāsta Sādha-nam	—	ग
52	,, 659	,, सोदाहरण	,, with Udāharana	—	,,
53	,, 562	ग्रहकरण आम्नाय	Grahakaraṇa Āmnāya	(करणकौतूहले)	,,
54	,, 655	ग्रहफलादि (वीरोज्योतिष)	Grahaphalādı (Vırojyo-tışa)	—	,,
55	कुथु 44/2	ग्रह बलस्वप्न वर्षेश अरिष्टादि फल	Grahabala Svapna Varṣeśa Arıṣṭādı Phala	—	प
56	के नाथ 27/59	ग्रहभावप्रकाश सटीक	Grahabhāva-prakāśa with Tika	—	मू + वृ (प ग)
57	मुनिसुव्रत 7 अ 69	ग्रहभावफल	Grahabhāva Phala	—	मू प.
58	,, 7 अ 70	,,	,,	—	,,
59	महावीर 7 अ 15	,,	,,	—	,,
60	ओसिया 7 अ 36	,,	,,	—	,,
61-2	कोलडी 1215/648	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	—	,,
63-4	कुथु 14/66, 35/10	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	—	,,
65-8	के नाथ 23/81, 25/9,27/19, 27/46	,, 4 प्रतिया	,, 4 copıes	(चमत्कारचिंतामणी)	,,
69	कोलडी 649	ग्रहभावफल-भाषा	,, Bhāṣā	—	ग.
70	,, 554	ग्रहभूषण	Graha Bhūṣana	—	अकतालिकायें
71	,, 687	ग्रहरेखा प्रतिदिनफल	Graharekhā Pratıdına Phalam	—	प.ग
72	37/9	ग्रहलग्न-विचार	Grahalagna Vıcara	—	प
73	कोलडी 555	ग्रहलाघव	Grahalāghava	गणेशदेवज्ञ	मू प
74	,, 551	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
75	, 553	,, सहवृत्ति	,, with Vrttı	,, /विश्वनाथ,	मू वृ (प ग)
76	सेवामदिर 7 अ 103	,,	,,	मकरन्द	ग
77	कुथु 14/64	,, ग्रहण अहर्गणादि	Grahalāghava Grahana Ahargganādı	—	,,
78	कोलडी 552	,, टिप्पणक	,, Tıppanakam	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मुहूर्त ज्योतिष	रा	1	25 × 12 × —	सपूर्ण	19वी	
गणित ज्योतिष	स रा	6	18 × 23 × 23 × 22	अपूर्ण	1852	
,,	स	7	26 × 11 × 12 × 29	,,	19वी	
ग्रह-स्पष्टकरण विधि	रा.	6	27 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण	,,	
ज्योतिष, ग्रहराशि फल सबधी	स रा	3	28 × 10 × 16 × 50	,,	1717	
फलित ज्योतिष	स	15	23 × 12 × 13 × 40	अपूर्ण (बीच के 8 से 22 पत्र)	19वी	
,,	,,	14	27 × 11 × 17 × 51	,, (पत्र 9 व 10 कम है)	17वी	
फलित (9 ग्रहो की 12 भावनाये)	,,	12	25 × 11 × 14 × 45	सपूर्ण	16वी	
,	,,	9	26 × 11 × 13 × 38	,,	1870 पाटण	
,,	,,	6	25 × 11 × 17 × 39	,, 141 श्लोक	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 14 × 38	अपूर्ण 120 श्लोक	,,	
,,	,,	9	33 × 23 व 27 × 10	प्रथम अपूर्ण द्वितीय सपूर्ण 113 श्लोक	,,	
,,	,,	6,8	26 × 11 × भिन्न 2	प्रथम पूर्ण 115 श्लोक द्वितीय अपूर्ण 84 श्लोक	,,	
,,	,,	5,26, 9,7	24 से 25 × 10 से 12	अतिम अपूर्ण प्रथम तीन सपूर्ण	19/20वी	दूसरी व चौथी मे टब्बार्थ भी है
,,	रा	3	26 × 12 × 16 × 52	सपूर्ण	19वी	
गणित ज्योतिष-सारणिया	—	8	26 × 10 × —	,,	1879	
फलित ज्योतिष	स	2	26 × 12 × 12 × 30	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	5	22 × 11 × 9 × 22	सपूर्ण 44 श्लोक	,,	
	,,	11	25 × 11 × 17 × 51	,,	1859	
ग्रहगतिफल स्फुटि-करणादि	स रा	13	26 × 11 × 3 × 42	अपूर्ण 3 अधिकार	1664	
,,	स	51	25 × 10 × 13 × 50	सपूर्ण 15 ,,	1822	
ज्योतिष गणित सिद्धात	,,	17	25 × 11 × 12 × 54	,, प्रथम पन्ना कम	1870	
,,	स रा	23	20 × 11 × 10 × 30	अपूर्ण	19वी	सारणियो सहित
,,	रा.	13	17 × 10 × 12 × 17	सपूर्ण	,	

1	2	3	3 A	4	5
79	मुनिसुव्रत 7 अ 67	ग्रहलाघव सिद्धान्तरहस्य	Grahalāghava Siddhānta Rahasya	गणेशदैवज्ञ	प
80	के नाथ 27/29	ग्रहवर्ग-फल	Graha Varga Phala	—	मू प
81	कोलडी 560	ग्रहवार लग्न सक्राति फल व मन्त्र	Graha Vāra Lagna Sankrānti Phala & Mantra	—	प ग मन्त्र
82	,, 557	ग्रहसाधन स्पष्टीकरणादि	Graha Sādhana Spaṣṭī Karaṇādī	—	ग
83	,, 679	ग्रहसिद्धि	Grahasiddhi	—	प
84	मुनिसुव्रत 7 अ 121	ग्रहस्पष्ट-विधि	Graha Spaṣta Vidhi	—	ग
85	कोलडी 1299	ग्रहस्पष्टीकरण जातकसारोद्धारादि	,, Spaṣtikarana Jātaka Saroddhārādi	—	ग+तालिका
86	कुथु 10/193	ग्रामप्रवेश-विचार	Grāma Praveśa Vicāra	—	ग
87	कोलडी 1286	चक्र-चूडामणि	Cakra Cndamani	—	,, ,,
88	मुनिसुव्रत 7 अ 95	चन्द्रकुण्डलीफल	Candra Kundalī Phala	—	,,
89	कोलडी 1212	चन्द्रग्रहण-साधनादिगणित	,, Grahana Sādhanādī Gaṇita	—	,,
90	,, 960D	चन्द्रलग्न-स्पष्टीकरण	,, Lagna Spaṣṭikarana	—	,,
91	,, 1060	चन्द्रसाधन	,, Sādhana	—	,,
92	कुथु 32/26	चन्द्र-सूर्यग्रहण	,, Sūrya Grahana	—	,
93	ओसिया 7 अ 34	चन्द्रार्की	Candrārkī	—	तालिकायें
94	कोलडी 579	,,	,,	—	प ग.
95	,, 581	,,	,,	—	प
96	,, 1182	चन्द्रोदयज्ञान	Candrodaya Jñana	—	तालिका
97	के नाथ 7/11	चमत्कार-चिंतामणि	Camatkāra Cintāmani	—	मू+ट (प ग
98	ओसिया 7 अ 55	,,	,,	—	मू प.
99	कुथु 37/6	,,	,,	—	मू+ट (प ग
100	के नाथ 28/13	,,	,,	—	मू प.
101	कोलडी 627	,, सावचूरि	,, with Avacūri	—	मू+अ (प ग
102-3	,, 628/1185	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	मू प

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष गणित सिद्धांत	स.	5	25×11×12×40	सपूर्ण 3 अधिकार 45 श्लोक	1849× शोभसागर	
फलित ज्योतिष	,,	42	22×10×17×53	,,	19वी	
,, विविध	स रा.	3	25×11×13×39	,,	,,	सामान्य
गणित ज्योतिष	रा	9	26×11×12×42	,,	1877	
,,	स.	3	27×10×10×35	,, 39 श्लोक	1864,जोधपुर	अत मे चरखडा साधन 4 लकीरें
,,	,,	13	22×11×17×36	,,	18वी	
ज्योतिष विविध+ अश्वोत्पत्तिविचार	स रा	52	25×23×भिन्न 2+ तालिकाये	अपूर्ण	19वी	
मुहूर्त ज्योतिष, निमित्त	रा	1	25×11×—	प्रतिपूर्ण	20वी	
ज्योतिष गणित	,,	16	24×16×—	सपूर्ण	19वी	
फलित ज्योतिष	स	2	25×11×19×56	प्रतिपूर्ण	1793	
ज्योतिष	स रा	17	28×20×28×30	अपूर्ण	19वी	
,, गणित	रा.	2	25×12×15×45	संपूर्ण	,,	
ज्योतिष ग्रहस्पष्टीकरण	स.	4	28×13×14×52	अपूर्ण	,,	(1831 माघ पूर्णिमा पर्व)
ग्रहणसूची 1917 से 1934	,,	1	22×39×28×42	सपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	,,	9	26×12×—	प्रतिपूर्ण	18वी	
मु था वर्षेशमासेश फल	स रा.	5	28×11×14×38	सपूर्ण	1850	
फलावट	स	2	26×9×10×42	,, 31 श्लोक	1815	
गणित ज्यो.	,,	7	22×11×—	अपूर्ण	1731	
ग्रहभावफल	स रा	12	25×11×6×39	सपूर्ण 110 श्लोक	1791	
,,	स.	12	21×10×10×26	,,	18वी	
,,	,,	18	27×12×6×36	,, 96 श्लोक	1845	
,,	,,	6	26×10×11×55	अपूर्ण भाव अध्याय	19वी	
,,	,,	12	25×12×8×36	सपूर्ण	1879	
,,	,,	9,7	24×11 व 22×11	,, 112 श्लोक	1799/1844	

1	2	3	3 A	4	5
104	मुनिसुव्रत 7 अ 59	चमत्कार चिंतामणि-भाषा	Camatkāra Cintāmanī Bhāṣā	—	प
105	महावीर 7 अ 9	चूडामणिसार	Cūḍāmani Sāra	—	,,
106	,, 7 अ 99	,, गाथायन्त्र	,, Gāthā Yantra	—	यत्र
107-8	,, 7 अ 18, 19	चौघडिये दिशा शूलादि 2 प्रतिया	Caughadiye Diśā Śūlādi 2 copies	—	तालिका
109	कुंथु 3/66	,,	,,	—	ग तालिया
110	के नाथ 25/21	जनिपद्धति	Jani Paddhatti	गगान्वयअनन्त	मू प
111	,, 25/5	,,	,,	—	ग
112-3	,, 25/8 7	जन्मकुण्डली-ग्रहयोगफल 2 प्रतिया	Janmakundali Grahayoga phala 2 copies	—	मू+ट
114	कोलडी 660	जन्मनिषेक-काल	Janma Nisekakāla	—	ग
115	के नाथ 25/17	जन्मपत्री	Janmapatrī	जातकाभरणे	प.
116	कोलडी 640	,, -गणित	,, Ganita	श्रीपति पद्धतिमार्गेण	ग.
117	,, 1064	,, ,,	,, ,,	केशवपद्धतिमार्गेण	,,
118	महावीर 7 अ 8	,, ग्रथ	,, Grantha	—	,,
119	ओसिया 7 अ 43	,, -पद्धत्ति	,, Paddhati	हर्षकीर्त्तिसूरि	प
120	,, 7 अ 47	,, ,,	,, ,,	लब्धिचन्द्र	,,
121	कोलडी 800	,, -फल	,, Phala	—	ग प
122	,, 1204	,, ,,	,, ,,	—	प
123	के नाथ 29/84	,, ,,	,, ,,	—	ग
124	कोलडी 683	,, -योगफल	,, Yogaphala	—	,,
125	,, 615	,, -विचार	,, Vicāra	—	,,
126	के नाथ 25/6	,, ,,	,, ,,	—	मू प.
127	सिवामदिर 7अ100, 13	जन्मारिष्ट योग मृत्युज्ञान	Janmāriṣta Yoga Mrtyu-jñana	—	प
128	कोलडी 637	जातककर्म-पद्धति	Jātaka Karma Paddhatti	केशव	ग प
129	,, 638	,, ,,	,,	श्रीपतिभट्ट	मू प.
130	के नाथ 27/32	,, ,,	,,	केशव	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ग्रहभाव फल	रा	7	25×12×9×26	सपूर्ण 144 दोहे	19वी × समयसागर	
प्रश्न ज्योतिष	म रा	33	20×11×8×28	प्रतिपूर्ण	18वी	
,,	स.	2	25×11×तालिकायें	,,	,,	
ज्योतिष सामान्य गणित	,,	2,2	27×13 व 26×13	,,	19वी	
,,	हिं	1	25×11×—	सपूर्ण	,,	
गणित ज्यो (नील कठ) पत्रिका विधि	स	8	26×13×15×44	अपूर्ण 2 प्रकरण + 21 श्लो	,,	
जन्मपत्रिका वनाने की विधि	,,	59	25×13×10×30	,,	,,	
फलित ज्योतिष	स रा	7,6	25×12 व 26×12	प्रथम अपूर्ण द्वितीय पूर्ण	1822,1868	
ज्यो. इष्ट दर्पण, सोदाहरण	स.	2	26×13×12×40	सपूर्ण	19वी	
ज्योतिष सामान्य	,,	52	24×11×15×45	अपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	,,	17	26×13×19×56	सपूर्ण	1823	
,,	,,	6	26×12×19×52	अपूर्ण	19वी	
लेखन व फलादेश	,,	102	25×15×17×40	,,	,	
,,	,,	71	26×11×14×42	सपूर्ण	1751 सात्वू	जीर्ण पत्रे चिपक गये हैं
,,	,,	127	27×11×17×60	,,	1784विक्रमपुर पद्मसुन्दर	
फलित ज्योतिष	स रा	87	25×11×20×48	,,	19वी	
,,	स.	3	26×12×18×48	अपूर्ण प्रथम पन्ना कम	,,	
सक्रांति व ग्रहफल	,,	14	24×10×16×46	त्रुटक	16वी	
फलित ज्योतिष	रा	5	28×12×18×42	सपूर्ण	1846	
,,	स	91	26×13×12×60	,,	1852	
,,	,,	7	22×13×8×35	,, 78 श्लोक	19वी	
,,	,,	1	27×13×13×46	,, 14 श्लोक	18वी	
गणित ज्योतिष व सिद्धात	,,	6	26×12×10×33	,, 44 श्लोक	1895जोधपुर गुलावविजय	(जातक पद्धति)
,,	,,	9	26×13×13×39	,, 8 अध्याय	1863	
,,	,,	4	25×11×14×45	,, 41 श्लोक	1743	

1	2	3	3 A	4	5
131	के नाथ 27/2	जातककर्म पद्धत्ति सटीक	Jātaka Karma Paddhati Satika	श्रीपतिभट्ट	मू+वृ (प ग.)
132	ओसिया 7 अ 32	,,	,,	केशव	मू प.
133	कोलडी 642	,,	,,	,,	,,
134	,, 636	,,	,, Satika	श्रीपति/कृष्णदैवज्ञ(?)	मू+वृ (प ग)
135	ओसिया 7 अ 33	,,	,, ,,	,, /खुशालसुन्दर	,,
136	कुथु 21/3	जातकपद्धत्ति	,, Paddhati	—	,, ,,
137	कोलडी 639	,, -दीपिका	,, Dipikā	हर्षविजय/(सुखविजय शिष्य)	,, ,,
138	के नाथ 27/52	,, -सार	,, Sāra	(कामधेनु)	पद्य
139	महावीर 7 अ 29	जातकाभरण	Jātakābharana	ढुंढिराज (नृसिंह का पुत्र)	ग.
140	कोलडी 1138	,,	,,	,,	,,
141	महावीर 7 अ 30	जातकालकार	Jātakālankāra	गणेशदैवज्ञ	,,
142	कोलडी 632	,,	,,	,,	,,
143	,, 633	,, की टीका	,, kī Tikā	जयगोपाल	,,
144	, 1104	जैमिनीयउपदेश-सूत्र	Jaimaniya Updeśa Sūtra	जैमिनी	,,
145	ओसिया 7 अ 81	,, -सूत्र की वृत्ति	,, Sūtra kī Vrtti	,, /-	,,
146	कोलडी 1002	,, ,,	,, ,,	,, /-	,,
147	मुनिसुव्रत 7 अ 65	जोधपुर-लग्नपत्रम्	Jodhapura Lagna Patram	—	ग तालिका
148	,, 6/4	, नरेशादि की कुडलिया	,, Nareśādi kī Kundaliyān	—	कोष्ठक
149-50	, 69/1 1323	ज्योतिषग्रन्थ 2 प्रतिया	Jyotiṣa Grantha 2 copies	—	प.
151	,, 1063	,,	,,	—	ग.
152	के नाथ 2/22	ज्योतिष-नाममाला	Jyotisa Nāmamālā	हरदत्त	,,
153	,, 25/18	,,	,,	,, (श्रीपतिसुत)	प
154	कोलडी 676	ज्योतिष-रत्नमाला	Jyotiṣa Ratnamālā	श्रीपतिभट्ट	पद्य
155	के नाथ 7/18	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	,, /-	मू+बा (प ग.)

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष सिद्धांत	स	38	26 × 11 × 17 × 51	अपूर्ण 7वे अध्याय तक	19वी	
,,	,,	5	26 × 12 × 11 × 38	सपूर्ण 41 श्लोक	1827	
,,	,,	5	27 × 13 × 11 × 35	,, 43 श्लोक	19वी	
,,	,,	68	27 × 13 × 15 × 38	,, 8 अध्याय	1881	
,,	स रा.	55	25 × 11 × 15 × 43	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	13	29 × 14 × 5 × 44	अपूर्ण मैत्री चक्र तक 77 श्लोक	,,	
,,	,,	10	26 × 12 × 7 × 33	सपूर्ण 93 श्लोक	,,	1765 की कृति
,,	स	12	26 × 11 × 15 × 45	अपूर्ण चन्द्रयोग तक	,,	
फलित ज्योतिष	,,	118	26 × 11 × 15 × 38	सपूर्ण ग्र 7978	17वी	
,,	,,	12	26 × 11 × 12 × 48	अपूर्ण (पचाङ्गफल तक)	,,	
,,	,,	26	20 × 10 × 9 × 24	सपूर्ण 7 अध्याय	19वी	
,,	,,	16	26 × 13 × 10 × 40	,, ,,	16वी	
,,	,,	19	25 × 11 × 10 × 40	,, ,,	19वी	
,,	,,	6	24 × 12 × 13 × 52	अपूर्ण 3 अध्याय 2 पाद तक	16वी	
,,	,,	19	26 × 11 × 17 × 52	,, प्रथम 5 पन्ने कम	18वी	
,,	,,	44	28 × 14 × 11 × 42	,, 2 अध्याय 4 पाद तक	1905 अजमेर सालगराम	
पचाङ्ग, चद्रस्पष्ट विधिसह	,,	8	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
राव जोधाजी से	रा.	6	18 × 16 × —	अपूर्ण 105 कुडलिया	,,	साथ मे मुगल बादशाहो की भी
सामान्य फलित ज्योतिष	स.	16,13	27 × 11 व 25 × 11	दोनो त्रुटक द्वितीय मे 236 श्लो	18/19वी	
,,	,,	6	24 × 13 × 21 × 105	अपूर्ण	19वी	
ज्योतिष गणित शब्दकोष	,,	18*	24 × 12 × 11 × 44	सपूर्ण	1881	अपरनाम (गणित नाममाला)
,,	,,	6	23 × 11 × 12 × 37	,, 131 श्लोक (पहिले 8 कम)	1893 सूरत गुलाबचदमुनि	,,
मुहूर्त ज्योतिष	,,	26	26 × 11 × 14 × 42	सपूर्ण 21 अध्याय	1711	
,,	स रा	40	26 × 11 × 15 × 43	अपूर्ण 18वे प्रकरण तक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
156	कोलडी 1208	ज्योतिष-रत्नमाला की टीका	Jyotiṣa Ratnamālā kī Tīkā	महादेव	ग.
157	केनाथ 7/10	,, का वालावबोध	,, kā Bālāvabodha	हेमभित्ति ?	,,
158	मेव मदिर 7 अ 100 /14	ज्योतिष-यन्त्र	Jyotiṣa Yantra	—	तालिका
159	,, 7 अ 100 /16	,,	,,	—	,,
160	ओमिया 7 इ 2	,	,,	—	,,
161	कोलडी 684	ज्योतिष विषयक सकलन	Jyotiṣa Viṣaya Sankalana	—	ग.
162	केनाथ 7/13	ज्योतिषशास्त्र बालबोध	Jyotiṣa Śāstra ka Bālabodha	मु जादित्य	,,
163	,, 27/9	ज्योतिषसार	Jyotiṣa Sāra	—	,,
164	कुथु 46/1	,,	,,	—	प.
165	, ,,	,,	,,	लघुजातकानुसारे	,,
166	मुनिसुव्रत 7 अ 68	,, -सग्रह	,, Sangraha	शिव	मू+ट (प ग
167	महावीर 7 अ 2·	ज्योतिष स्फुट विषय	Jyotiṣa Sphuta Viṣaya	—	गद्य
168	कोलडी 665	ज्ञानमजरिका	Jñāna Mañjarikā	ऋषिशर्मा	ग.
169	केनाथ 27/17	ताजिक ज्योतिष	Tājika Jyotiṣa	नीलकठ	मू पद्य
170	कोलडी 616	,, वर्ष तन्त्र सटीक	,, Varṣa Tantra Satika	,, /विश्वनाथ	मू+वृ (प ग
171	मुनिसुव्रत 7 अ 73	,, 16 योगविचार सटीक	,, 16 Yoga Vicāra ,,	,, ,,	,, ,,
172	कोलडी 1285	,, योग+अरिष्टहर्त्ता	,, Yoga+Ariṣta Harttā	—	पद्य
173	मुनिसुव्रत 7 अ 66	,, वर्षफल	,, Varṣaphala	नीलकठ	,,
174	कोलडी 1283	,, पद्मकोश	,, Padmakośa	गोवर्द्धन	,,
175	कुथु 33/8	,, ,,	,, ,,	,,	,,
176-7	केनाथ 27/15 28/14	,, ,, 2 प्रतिया	,, ,, 2 copies	,,	,,
178	कोलडी 678	,, ,,	,, ,,	,,	,,
179	कुथु 35/2	,, प्रश्नावली	,, Praśnāvalī	—	,,
180	सेवामदिर 7 अ 102	,, समुच्चयादि	,, Samuccayādi	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मुहूर्त ज्योतिष	स.	14	26 × 11 × 18 × 66	अपूर्ण 6/17 तक	18वी	
,,	रा	51	26 × 10 × 16 × 43	सपूर्ण 20 प्रकरण	19वी	
मुहूर्त निकालके का	स.	1	24 × 12 × —	,,	17वी	
ग्रह नक्षत्र वेध यन्त्र	,,	1	27 × 12 × —	,,	18वी	
योगतिथि केन्द्र चक्रादि	,,	11	24 × 13 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
स्फुट ज्योतिष विषय सामान्य	रा	2	27 × 9 × 13 × 43	,,	,,	
सामान्य ज्योतिष ग्रन्थ	स	21	26 × 11 × 15 × 40	सपूर्ण ग्र 739	,,	
,,	,,	23	26 × 12 × 14 × 42	अपूर्ण	,,	
प्रश्नफलमुहूर्तादि	रा	गु	18 × 14 × 14 × 21	सपूर्ण 1089 छद दोहे	18वी	
फलित ज्योतिष	,,	गु	16 × 13 × 11 × 15	,, 511 दोहे	,,	
ज्योतिष-सामान्य	स रा	26	24 × 11 × 6 × 41	,, 341 श्लोक	1810	
,,	,,	3	25 × 12 × 14 × 44	अपूर्ण	19वी	
निमित्त मुहूर्त 50 प्रकरण	स.	16	32 × 12 × 13 × 50	सपूर्ण	,,	
फलित ज्योतिष	,,	15	26 × 11 × 13 × 41	अपूर्ण मास प्रवेशादि 49 श्लोक	,,	
,,	,,	103	26 × 13 × 11 × 30	सपूर्ण	,,	
,,	,,	24	24 × 11 × 15 × 40	,,	,,	
,,	,,	4	22 × 11 × 15 × 49	त्रुटक	17वी	
,,	,,	20	24 × 11 × 16 × 44	सपूर्ण	1847 जोधपुर सौभाग्यसागर	
,,	,,	4	25 × 12 × 17 × 44	,,	1859	
,,	,,	4	27 × 13 × 14 × 61	,, 96 श्लोक	1862	
,,	,,	12,11	26 × 11 व 23 × 11	,,	1875-6	
,,	,,	8	25 × 12 × 14 × 34	,,	19वी	साथ मे मुथाफलम्
,,	,,	2	26 × 11 × 13 × 50	,, 33 श्लोक	,,	अत मे हस केवली 4 गाथा
वर्षसम्बन्धी	,,	15	24 × 11 × 9 × 34	अपूर्ण	1869	

1	2	3	3 A	4	5
181	कोलडी 620	ताजिकसहम ..	Tājıka Sahama .	—	ग
182	के नाथ 25/12	ताजिकसज्ञातन्त्र-सटीक	Tājıka Sajñja Tantra Saṭika	नीलकठ/विश्वनाथ	मू टी (प ग)
183	,, 27/37	,, ,,	,, ,,	,, ,,	,, ,,
184	कालडी 10 0	ताजिकसार-सटीक	Tājıka Sāra Satıka	हरिभट्ट	मू वृ (प ग)
185	ग्रोमिया 6 अ 86	,,	,,	,,	मू प
186	,, 7 अ 53	,,	,,	,,	,,
187	कोलडी 619	,, की वृति	,, kī Vṛttı	,,	ग.
188	,, 677	,,	,,	,,	प.
189	,, 617	,, की वृत्ति	,, kī Vṛttı	,, /	ग
190	के नाथ 27/25	,, सवाला	,, with Bā āva-bodha	,,	मू+वा (प ग)
191	कोलडी 618	,, की वृत्ति	,, kī Vṛttı	,,	ग.
192	ग्रोसिया 7 अ 52	,, सोदाहरण	,, Sodāharaṇa	त्रिविक्रम	ग प.
193	कोलडी 992	,, विवेकवृत्ति	,, Vıveka Vṛtti	गोविन्दज्योति (नीलकट सूत)	ग
194	के नाथ 27/36	,, विवृत्ति	,, Vıvṛttı	(नीलकठ) भट्टमाधव	,,
195	कोलडी 1134	,, भाषा	,, Bhāṣā	(मू नीलकठ)	,,
196	मुनिसुव्रत 7 अ 89	,, ,	,, ,,	,,	,,
197	कोलडी 594	तिथि ग्रादि सिद्धि	Tıthı Ādi Sıddhı	—	,,
198	,, 1050	तिथिनिर्णय	Tıthı Nırnaya	अनतदैवज्ञ	,,
199	,, 681	त्रिषष्ठी	Trışaṣthī	—	,,
200	के नाथ 2/22	त्रैलोक्य दीपिका	Traılokya Dīpıkā	—	,,
201	महावीर 7 अ 20	दग्धासूर्य-तिथि	Dagdhā Sūrya Tıthı	—	,,
202	कोलडी 1192	दशाक्रम-विवरण	Daśākrama Vıvarana	—	,,
203	के नाथ 25/4	दशाफल	Daśāphala	—	ग मू
204	मेवामदिर 7 अ 100 (4)	दिनकर सारिणीसूत्र	Dınakara Sārıṇī Sūtra	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित ज्योतिषादि	रा	12	26 × 11 × 14 × 50	सपूर्ण	19वीं	
,,	स	69	25 × 12 × 12 × 24	,, ग्र 800	1890	
,,	,,	28	25 × 10 × 11 × 44	ग्रहअध्याय+13 श्लो तक	19वीं	
,,	,,	2	25 × 11 × 12 × 42	अपूर्ण	,,	
,,	,,	33	25 × 10 × 12 × 46	सपूर्ण 438 श्लोक	1782 फतेहपुर उदयसुदर	
,,	,,	28	25 × 11 × 15 × 45	,,	1792 मडाण सिंहविजय	
,,	,,	16	26 × 11 × 15 × 45	,, पहिला पन्ना कम	1794	
वर्षेशनिर्णय फलादि	,,	16	25 × 10 × 13 × 37	प्रतिपूर्ण ग्र 714(प्रकरण	1813	श्लोक 97 से प्रारभ
फलित ज्योतिष	,,	24	25 × 11 × 12 × 40	सपूर्ण	1839	
,,	स मा	2	25 × 11 × 20 × 57	अपूर्ण	19वीं	
,,	स	10	28 × 12 × 14 × 40	,,	,,	
,,	,,	86	26 × 11 × 16 × 45	सपूर्ण	1885विक्रमपुर व तसुदर	
सहमवर्ष फल निर्णय (रसाला)	,,	51	32 × 14 × 10 × 35	,,	1912जयपुर	
फलित ज्योतिष	,,	30	25 × 10 × 12 × 40	अपूर्ण	19वीं	
,,	रा.	31	26 × 11 × 12 × 35	,, बीच के पन्ने	,,	
,,	,,	7	26 × 11 × 15 × 50	,,	,,	
तिथिनक्षत्रादि गणनानिर्णय	,,	4	25 × 12 × 15 × 48	सपूर्ण	,,	
,,	स.	10	25 × 11 × 8 × 38	अपूर्ण	,,	मुहूर्त चितामणि के अनुसार
ग्रहभाव-फल	,,	11	23 × 11 × 12 × 38	संपूर्ण	1859	
,,	रा.	18*	24 × 12 × 11 × 44	,,	1881	
,,	,,	6	28 × 12 × 12 × 36	,,	1955 फलोधी माणकलाल	
गहदशाग्रादि	स.	34	32 × 15 × 10 × 36	अपूर्ण	19वीं	
फलित ज्योतिष	,,	11	25 × 11 × 7 × 51	सपूर्ण	,,	
गणित ज्योतिष	,,	1	26 × 11 × 15 × 40	,, 25 श्लोक	18वीं	

1	2	3	3 A	4	5
205	कोलडी 603	दिनादिवार ध्रुव उत्पातकरण	Dinādi-vāra-dhruva Utpātakarana	—	प
206	मुनिसुव्रत 7 अ 93	दिनेश दिनफल	Dinesa Dina Phala	—	ग
207	कुंथु 2/30	दीक्षासंबन्धी ज्योतिष-विचार	Dīkṣā Sambandhī Jyotiṣa Vicāra	वर्द्धमानोक्त	प
208	मुनिसुव्रत 7 अ 114	दुघडियाज्ञान-सारिणी	Dughadiyā Jñāna Sārinī	—	अकतालिका
209	के नाथ 28/16	दृष्टिअष्टक चन्द्रार्की आदि	Drṣti Aṣtaka Candrārkī Ādi	—	प
210	,, 27/44	दोषावली	Dosāvalī	—	ग
211-2	कोलडी 672, 960	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	,,
213-4	कुंथु 2/21, 13/	द्वादशभाव मुथाफल 2 प्रतिया	Dvādaśabhāva Munthā Phala 2 copies	—	मू प
215	कोलडी 994	,, -विचार	, Vicāra	(मू नीलकठ) गोविन्द	ग
216	,, 887	द्वादसराशि वर्ग	Dvādaśarāśi Varga	,,	ग. तालिका
217	,, 998	द्विकोटि	Dvikoti	श्रीपति आचार्य	ग
218	के नाथ 37/43	नक्षत्रनिर्णय	Nakṣatra Nirnaya	—	,,
219	कुंथु 9/128	नक्षत्रयोग धानरस-ध्रुवाक	,, Yoga Dhāna Rasa Dhruvāṅka	—	ग अक
220	महावीर 3 आ 47	नक्षत्रयोगादि	,, Yogādi	—	पद्य
221	पंचायतमंदिर 7 अ 100 (20)	नक्षत्रध्यान-जप	,, Dhyāna Japa	—	ग तालिका
222	,, 7 अ 97	नरपतिजयचर्या-सटीक	Narapati Jayacaryā Satika	—	मू वृ (प ग)
223	कुंथु 14/58	नवग्रह-जाप	Nava Graha Jāpa	—	पद्य
224	,, 2/40	,, -दान	Nava Graha Dāna	—	ग
225	कोलडी 880	,, दिनदशा प्रमाण चरखडा	,, Dina Daśā Pramāna Carakhandā	—	,,
226	कुंथु 14/55	,, -वाहन	,, Vāhana	—	,,
227	कोलडी 561	नवांशादि विधि+हीनादशा फल	Navāmśādividhi+Hīnāmdaśā Phala	—	ग प.
228	,, 1314	नष्टजन्माध्याय ज्योतिष-सारादि	Naṣta Janmādhyāya Jyotiṣa Sārādī	—	प
229	,, 9608	नष्टजातक	Naṣta Jātaka	—	ग.
230	कुंथु 3/64	नाडीवेध	Nādī Vedha	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ज्योतिष	स.	14	26 × 11 × 13 × 38	सपूर्ण	19वीं	
ज्योतिष वर्षफल ताजिकानुसारे	,,	3	25 × 11 × 19 × 52	प्रतिपूर्ण	,,	
दीक्षाहेतु ग्रहफल	,,	6	26 × 11 × 17 × 52	सपूर्ण	1778	
फलित ज्योतिष	,,	5	27 × 12 × —	अपूर्ण (प्रथम पन्ना कम है)	20वीं	
गणित ,,	,,	9	23 × 11 × 10 × 40	सपूर्ण 67 श्लोक	1876	
नक्षत्र कष्टावली	रा	5	17 × 13 × 10 × 24	,, 27 अनुच्छेद	1860	
,, व उपशमन विधि	,,	4 2	25 × 11 व 26 × 13	,,	1899/19वीं	
ग्रहफल	स.	4,15	22 × 11 व 27 × 12	प्रथम सपूर्ण 108 श्लोक द्वि. 103 श्लोक	1761/ ,,	द्वितीय में राजस्थानी टब्बार्थ भी
ग्रहवर्षफल	,,	58	31 × 11 × 10 × 33	सपूर्ण 12 भावविचार	19वीं	
ग्रहगति फल सारिणि	,,	3	25 × 13 × —	,,	,	
सूर्यचद्र पर्व साघनादि	,,	4	28 × 15 × 17 × 44	,,	1880	
नक्षत्र-गणनानियम	,,	5	20 × 10 × 13 × 37	,, 52 अनुच्छेद	19वीं	
तेजीमदी-विचार	,,	1	27 × 14 × 14 × 44	,,	,,	
प्रतिष्ठा सबन्धी मुहूर्तविचार गणना	,,	8	26 × 11 × 17 × 45	,, 194 श्लोक	18वीं	
जपयोगध्यान के लिये नक्षत्र विचार	,,	1	25 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वीं	
ज्योतिष शास्त्र	,,	7	25 × 11 × 14 × 69	अपूर्ण 101 श्लोक	16वीं	
,, ग्रहभक्ति	,,	1	23 × 11 × 9 × 24	सपूर्ण 9 श्लोक	19वीं	
वारानुसारदेय वस्तु	मा	1	26 × 12 × 9 × 32	,, 9 ग्रहों के	,,	
ज्योतिष स्फुट	रा	2	25 × 12 × 14 × 56	,	18वीं	
,, भक्ति	,,	1	10 × 9 × 9 × 10	,,	19वीं	
,, गणित	स रा.	2	27 × 11 × 19 × 57	,,	1847	
,, सामान्यग्रथ व प्रश्ननिमित्त	स.	6	21 × 12 × 11 × 26	अपूर्ण	19वीं	
,, गणित	,,	2	26 × 13 × 15 × 42	सपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	1	24 × 11 × 17 × 70	,, 9 श्लोक	18वीं	

1	2	3	3 A	4	5
231	पवामदिर 7 अ 100 (15)	नाडीवेध फलयत्र	Nādi Vedha Phalayantra	—	ग तालिका
232	कुथु 31/6	नाम ज्योतिष	Nāma Jyotiṣa	—	ग
233	मुनिसुव्रत 7 अ 63	नारचन्द्र	Nāra Candra	नारचन्द्रसूरि	ग प.
234	, 7 अ 62	,,	,,	,,	,,
235	केनाथ 13/45	,,	,,	,,	प
236	,, 27/3	,,	,,	,,	प तालिकायें
237-40	,, 25/1, 26/5 27/22	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	प मूल
241-4	कोलडी 623-5-9 1205	,, 4 प्रतिया	,, 4 copies	,,	,,
245-6	कोलडी 624 622	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	मूट+ (प ग
247	कुथु 13/	,,	,,	,,	मू प.
248	महावीर 7 अ 10	,, टिप्पणक	, Tippanakam	,,	ग
249	,, 7 अ 27	,, ,,	,, ,,	,,	,,
250	, 7 अ 11	,, ,,	,, ,,	,,	,,
251	कोलडी 960B	निषेक	Niseka	—	,,
252	,, 650	पचाङ्ग आनयनम्	Pañcānga Ānayanam	—	,,
253	,, 1276	,, -फलादि	Pañcānga Phalādi	—	प
254	,, गु 7/6	पचाशिका	Pañcāśikā	श्रीपति (जातकत्व)	ग
255	मेवामदिर 7 अ 100 (1)	पथाराहु	Panthā Rāhu	—	प
256	मुनिसुव्रत 7 अ 106	पाराशरी-जातक	Pārāśari Jātaka	पराशर	,,
257	कोलडी 1278	,, -सटीक	,, Satika	,, /परमसुख	मू+वृ (प ग)
258	,, 990	पाराशरी-पद्धति	Pārāśari Paddhati	—	ग
259	,, 1195	, होराटीकासह	,, Horā-tikāsaha	—	मू+टी (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष गणित	स	1	26 × 11 × —	सपूर्ण	18वी	
आद्यक्षर नामनिर्णय	रा	4	16 × 12 × 11 × 19	,,	19वी	
ज्योतिष-शास्त्र	स.	9	25 × 10 × 14 × 43	,, ग्र. 320	1543	
,,	,,	12	25 × 11 × 17 × 45	,, ,,	16वी	
,,	,,	24÷	30 × 12 × 19 × 86	अपूर्ण श्लोक 37 से 100 (अत)	,,	
,,	,,	32	26 × 11 × 15 × 45	सपूर्ण 536 श्लोक 2 प्रकीर्णक	1694	सागरचद्र कृत टिप्पणासह
,	,,	33 5, 34,3	25 से 27 × 11 से 13	अपूर्ण	1920	दूसरी प्रति मे किंचित् अनुवाद कवि जोशी द्वारा
,,	,,	12,28, 8,14	24 से 26 × 11 से 12	दो पूर्ण दो अपूर्ण	1797 से 1905	
,,	स रा.	55,45	25 × 11 × 6 × 30/31	सपूर्ण ग्रथाग्र ट 800	1899/20वी	
,,	स	9	13 × 17 × 13 × 14	अपूर्ण	19वी	
,, पचाग यत्रोद्धार	,,	31	26 × 13 × 14 × 34	,,	17वी	
,,	,,	44	20 × 10 × 12 × 31	,,	1690सागरचद गोगु दा	
,,	,,	30	26 × 11 × 16 × 48	,,	1825	
,,	स रा	3	26 × 12 × 15 × 42	सपूर्ण	1863	
,,	स	5	25 × 11 × 17 × 45	,,	19वी	
फलित ज्योतिष	,,	24	25 × 13 × 14 × 35	अपूर्ण	,,	
,,	,,	14	21 × 17 × 11 × 27	सपूर्ण	,,	
प्रश्नज्योतिष	,,	1	28 × 12 × 15 × 46	,, 10 श्लोक	,,	(मुहूर्त चितामणि का भाग)
फलित ज्योतिष	,,	2	27 × 13 × 13 × 37	,, 41 श्लोक	1873जोधपुर	(लघु पाराशरी)
,,	स हिं	5	30 × 15 × 4 × 44	,, ,,	1905	
कुण्डली निर्माण गणित	स	9	31 × 16 × 5 × 22	,,	19वी	
ज्योतिष फलित	,,	7	30 × 15 × 18 × 44	अपूर्ण 39 श्लोक तक	,,	

1	2	3	3 A	4	5
260	कुथु 26/13	पुत्र-पुत्री ज्ञान	Putra Putrī Jñāna	—	ग
261	सेवामदिर 7 अ 100 /3	पुरुष-स्त्री जन्मकुण्डलीज्ञान	Pruuṣa Strī Janmakundalı Jñāna	—	ग प अकता-लिका
262	कोलडी 611	,, सवन्धी ग्रहफल	Puruṣa Strī Sambandhī Grahaphala	—	ग
263	,, 651	,, ,,	,, ,,	—	प.
264	,, 685	पृथुयश ज्योतिष	Prthuyaśa Jyotışa	—	,,
265	के नाथ 13/45	प्रतिष्ठा दीक्षा कुण्डलीकानद	Pratışthā Dikṣā Kundlı-kānanda	नारचन्द्र	,,
266	सवामदिर 7 अ 100 (2)	प्रयाणगमन प्रवेशमुहूर्त	Prayāna Gamana Praveśa Muhūrta	—	ग तालिका
267	के नाथ 29/67	प्रश्नचूडामणि	Praśna Cudāmanı	—	मू.प+ग
268	कोलडी 770	,,	,,	—	ग.
269	के नाथ 27/34	, -सार	,, Sāra	—	मू प
270	,, 24/33	,, ,, सटीक	,, ,, with Tikā	—	मू+ट (प ग)
271	ओसिया 7 अ 85	प्रश्नज्ञान	Praśna Jñāna	ज्योतिब्रह्मकवि	मू प.
272	कोलडी 793	,,	,,	ब्रह्मादित्य	,,
273	के नाथ 18/56	प्रश्नतन्त्र	Praśna Tantra	दुर्योधन	,,
274	कोलडी 1202	प्रश्नध्वज	Praśna Dhvaja	—	प
275	ओसिया 7 अ 37	प्रश्ननिधि-टीका	Paaśna-nıdhī-tıkā	—	ग.
276	महावीर 7 अ 22	प्रश्नप्रकाशिका+वा	Praśna Prakāśıkā+ Bālāvabodha	वाचकवल्लभगणि/ जीवणदास	मू+वा (प ग)
277	कोलडी 566	,, -भाषा	,, ,, Bhāṣa	(मू पृथुयश)--	ग
278	के नाथ 25/15	प्रश्नप्रदीप	Praśna Pradīpa	काशीनाश	मू प.
279	कुथु 2/20	,,	,,	,,	,,
280	के नाथ 29/68	प्रश्नभैरव	Praśna Bhaırava	—	,,
281	कोलडी 773	प्रश्न-रत्न	Praśna Ratna	हयग्रीव	,,
282	, 792	,,	,,	(केरलीय) मू रुद्रोक	,,
283	कुथु 26/3	,,	,,	ले मिश्रनदराम	,,
284	कोलडी 774	,, सटीक	,, Satika	स्वोपज्ञ	मू + टी (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष निमित्त	रा.	1	12 × 16 × 30 × 40	प्रतिपूर्ण	19वी	
मुहूर्त ज्यो एव शीर्षकानुसार	हिं	1	24 × 11 × —	,,	18वी	
वैवाहिक ज्योतिष	स.	3	24 × 11 × 14 × 37	अपूर्ण	19वी	
,,	,,	4	25 × 11 × 11 × 38	सपूर्ण	,,	
ज्योतिष-सामान्य	,,	20	26 × 11 × 10 × 34	,, 406 श्लोक	1659	
मुहूर्त ज्योतिष	प्रा स	24*	30 × 12 × 19 × 86	,, 111 श्लोक	16वी	
,,	हिं	1	27 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
प्रश्न ज्योतिष	स रा	11	25 × 10 × 13 × 54	सपूर्ण	1848	व्याख्या किञ्चित् ही है।
,,	,,	12	21 × 13 × 14 × 48	,,	19वी	
,,	स.	7	26 × 12 × 15 × 47	,, 138 श्लोक	1824	
,,	स रा	18	25 × 11 × 11 × 35	,,	19वी	
,,	स	5	25 × 10 × 15 × 45	अपूर्ण, 9 प्रकरण	16वी	
,,	,,	5	27 × 12 × 13 × 30	सपूर्ण 16 प्रकरण	19वी	
,,	,,	2	25 × 11 × 17 × 51	,, 77 श्लोक	,,	
,,	,,	2	23 × 11 × 10 × 35	अपूर्ण (पन्ना 1 व 3)	,,	पद्य 1 से 18, 39 से 46 अत
,,	,,	9	26 × 11 × 15 × 44	,,	18वी	
,,	स+रा	12	27 × 12 × 17 × 40	,, 6 अध्याय/46श्लो	19वी	षट्पचाशिका के आधार पर
,,	रा	2	26 × 13 × 15 × 42	,,	,,	
,,	स.	7	30 × 14 × 15 × 45	सपूर्ण	,,	
,,	,,	15	25 × 11 × 10 × 42	,,	1810	
,	,,	10	22 × 11 × 14 × 32	,,	1880	
,,	,,	9	27 × 11 × 14 × 60	,, 24 अधिकार	1882	
,,	,,	15	26 × 12 × 14 × 34	सपूर्ण 5 अध्याय 239 श्लोक	1808	
,,	,,	6	27 × 12 × 8 × 34	,, 57 श्लोक	1913	
,,	,,	8	25 × 11 × 21 × 78	,, 85 श्लोक	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
285	के नाथ 24/54	प्रश्नविनोद	Praśnavinoda	—	ग प.
286	कोलडी 769	प्रश्नवैष्णव	Praśna Vaiṣṇava	नागयणदास	पद्य
287	मुनिसुव्रत 7 अ 76	,,	,,	,,	,,
288	, 7 अ 107	प्रश्नसार	Praśna Sāra	हयग्रीव	,,
289	कोलडी 612	प्रश्नाक्षर श्रेणी + नष्ट जन्मपत्रनयनम्	Praśnākṣaraśreṇī + Naṣṭa Janmapatra Nayanam	—	,,
290	,, 1001	प्रश्नाध्याय	Praśnādhyāya	वादरायण	,,
291	के नाथ 25/16	प्रश्नाधिकार	Praśnādhikāra	—	,
292	कुथु 37/22	बारहभाव-विधि	Bāraha Bhāva Vidhi	—	ग
293	, 36/1क 44	बालबोधजोटिक	Bālabodha Jotikam	—	प
294	कोलडी 599	बुधउदय-साधनादि विधिया	Budha Udaya Sādhanādi Vidhiyān	—	ग
295	,, गु 9/11	भटोत्पलकाव्य	Bhatotpala Kāvya	भट्टोत्पल	प.
296-7	महावीर 7 अ 4 3	भद्रबाहु-संहिता 2 प्रतियां	Bhadrabāhu Samhitā 2 copies	भद्रबाहु	,
298	के नाथ 5/116	,,	,,	,,	,,
299	मेवामदिर 7अ100 (7)	भयाभय-यन्त्र	Bhayābhaya Yantra	—	,,
300	कोलडी 963A	भड्डलीवाक्य	Bhaddlī Vākya	भड्डली	,,
301	कुथु 4/103	भुक्तभोग्यदशा-विधि	Bhukta Bhogya Daśā Vidhi	—	ग
302	कोलडी 1207	भुवनदीपक	Bhuvana Dīpaka	पद्मप्रभसूरि	मू + ट (प ग)
303	ओसिया 7 अ 46	,,	,,	,,	,,
304	कुथु 46/2	,,	,,	,,	,,
305	ओसिया 7 अ 48	,,	,,	,,	मू प
306	के नाथ 25/2	,,	,,	,,	,,
307	कोलडी 576	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
308	महावीर 7 अ 16	,, ढुंढिका	,, Dhundhikā	(मू पद्मसूरि की)	ग
309	मुनिसुव्रत 7 अ 94	मध्यम ग्रहकरणविधि	Madhyama Graha Karana Vidhi	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
प्रश्न ज्योतिष	स.	15	25 × 11 × 15 × 36	सपूर्ण	1901	
,,	,,	23	27 × 14 × 18 × 44	,, 15 अध्याय	19वी	
,,	,,	48	25 × 12 × 11 × 34	,, ,,	1841	
,,	,,	6	23 × 11 × 16 × 51	,,	1903	
,,	,,	3	27 × 12 × 9 × 45	,,	19वी	
,,	,,	3	32 × 14 × 13 × 48	,, 75 श्लोक	1912	
,,	,,	13	30 × 14 × 13 × 42	,, 218 श्लोक	19वी	अत मे षोडश योग
गणित ज्योतिष	मा	1	25 × 11 × 16 × 65	,	,,	
मुहूर्त ,,	स	गु		,, 113 श्लोक	1544	
गणित ,,	मा	2	26 × 11 × 10 × 25	,,	20वी	
,, ,,	,,	गु	14 × 10 × 10 × 18	प्रतिपूर्ण	,,	
ज्योतिष शास्त्र	स	78,32	24 × 13 व 27 × 13	सपूर्ण 26 अध्याय ग्र 1780	19वी/1950	
,,	,,	40	26 × 11 × 14 × 45	,, 26 अध्याय ग्र 1764	1943	
ज्योतिष तन्त्र-यन्त्र	मा	1	20 × 10 × 14 × 34	,, 8 पद	18वी	
निमित्त ज्योतिष	रा.	5	24 × 11 × 11 × 22	,,	1877	
गणित ज्योतिष	,,	1	25 × 11 × 13 × 58	,,	19वी	
फलित ज्योतिष	स मा	16	25 × 11 × 6 × 36	,, 175 श्लोक	16वी	(ग्रह भाव प्रकाश)
,,	,,	14	26 × 11 × 6 × 41	,, 173 श्लोक	17वी मेदिनीपुर	
,,	,,	39	18 × 11 × 4 × 16	अपूर्ण	1782	
,,	स	7	26 × 11 × 13 × 41	सपूर्ण 173 श्लोक, ग्र 220	18वी	
,,	,,	14	25 × 11 × 10 × 25	,, 174 श्लोक	1838	
,,	स मा	29*	26 × 10 × 5 × 37	,, 171 श्लोक	19वी	
,,	मा	6	26 × 11 × 15 × 60	,, 157 गाथा	16वी	
गणित ज्यो सारिणि सिद्धान्तसह	स	3	25 × 11 × 19 × 66	,,	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
310	सेवामदिर 7 अ 100 (11)	मरणज्ञान-यत्र	Marana Jñāna Yantra	(उपदेशमाला गाथा पर)	ग अकतालिका
311-2	कोलडी 607-8	महादेवी-दीपिकावृत्ति 2 प्रतिया	Mahādevī Dīpikā Vṛtti 2 copies	मणिभोजराज शिष्य / धनराज	ग प अक ता.
313	मुनिसुव्रत 7 अ 96	महादेवीसारण्या ग्रहाणा स्पष्टनयनम्	Mahādevīsāraṇyām Grahānām Spaṣṭa Nayanam	—	ग
314	,, 7 अ 92	माशेषफल	Māśeṣa Phala	—	,,
315	सेवामदिर 7 अ 100 (18)	मुहूर्त-चौघडिया	Muhūrta Caugbadıyā	गोरखपत्रानुसार	ग अकतालिका
316	के नाथ 27/4	मुहूर्त-चितामणि	Muhūrta Cıntāmaṇı	रामदैवज्ञ	मू प
317	सेवामदिर 7 अ 98	,,	,,	,,	,,
318	के नाथ 27/1	,,	,,	,,	मू+वृ (प ग)
319	कोलडी 645	,,	,,	,, (रामचन्द्र)	मू + ट (प ग)
320	,, 568	मुहूर्त ज्योतिष ग्रथ	Muhūrta Jyotısa Grantha	—	प ग
321	,, 1065	,,	,,	—	प
322	,, 799	,,	,,	—	प ग.
323	,, 669	मुहूर्ततत्व	Muhūrta Tattva	केशव दैवज्ञ	प
324-5	के नाथ 27/24, 18	मुहूर्तदीपक-सटीक 2 प्रतिया	Muhūrta Dīpaka Satika 2 copies	महादेवोक्त/	मू+वृ (प ग)
326	मुनिसुव्रत 7 अ 74	मुहूर्तमुक्तावली	Muhūrta Muktāvalī	—	प
327	महावीर 7 अ 12	,,	,,	हरिभट्ट	,,
328	के नाथ 25/19	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
329-30	कोलडी 670-68	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	परमहंसपरिवाज्रकाचार्य	,, ,,
331	,, 25/20	,,	,,	हरिभट्ट	,, ,,
322	कु यु 18/39	मुहूर्तविचार	Muhūrta Vıcāra	—	मत्र
333	कोलडी 1289	यन्त्रचितामणि-सटीक	Yantra Cıntāmanı Satika	चक्रधर/रामदैवज्ञ	मू+वृ प ग
334	ग्रोसिया 7 अ 54	यन्त्रराज	Yantrarāja	मलयसूरि	पद्य
335	के नाथ 27/33	,, -सटीक	,, Sattka	,,	मू+वृ (प ग)

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष यंत्र-तंत्र	रा.	1	25 × 11 × —	सपूर्ण	18वी	
गणित ज्योतिष सारणी सिद्धातसह	स	34,30	25 × 11 व 24 × 13	,,	1723,1822	
,,	,,	2	25 × 11 × 19 × 52	प्रतिपूर्ण	17वी	
मुथाफल	,,	3	21 × 11 × 11 × 35	,,	1807	
ज्योतिष मुहूर्त	,,	1	23 × 11 × —	,,	19वी	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	40	22 × 10 × 12 × 37	सपूर्ण ग्रह प्रवेश प्रकरण तक	1769	
,,	,,	12	28 × 13 × 13 × 37	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	111	25 × 11 × 15 × 40	,, नक्षत्र 2/49 से वास्तु 6 तक	19वी	
,	,,	98	24 × 11 × 4 × 40	सपूर्ण 9 अध्याय	1842	
,,	स मा	8	27 × 13 × 5 × 33	अपूर्ण	1880	
,,	स	3	26 × 13 × 7 × 38	त्रुटक बीच के पन्ने	19वी	
,,	स मा.	51	24 × 11 × 12 × 33	अपूर्ण (56 से 106 पन्ने)	20वी	
,,	स	14	24 × 12 × 11 × 42	सपूर्ण 176 श्लोक	16वी	
,,	,,	23,25	29 × 12 व 26 × 11	,, 57/58 श्लोक	19वी	
,,	,,	5	25 × 11 × 15 × 54	,, 92 श्लोक	17वी	
,,	,,	3	25 × 11 × 13 × 49	,, 47 श्लोक	19वी	
,,	स मा	7	25 × 11 × 7 × 41	,, ,,	19वी	
,,	,,	6,7	26 × 10 व 24 × 11	,, 55,42 अनुच्छेद	1843-62	प्रथम प्रति मे 10 अनुच्छेद अतिरिक्त
,, तन्त्र	,,	10	26 × 10 × 4 × 33	,, 47 श्लोक	1771	प्रति मे कर्त्ता का नाम परिव्राजकाचार्य लिखा हे
,, मन्त्र	स.	1	8 × 5 × —तालिका	,,	19वी	
गणित ज्योतिष	,,	11	33 × 14 × 18 × 46	,, 4 अध्याय	1863	
ज्योतिष ग्रन्थ	,,	8	26 × 11 × 13 × 42	,	1852विक्रमपुर	
,,	,,	28	25 × 11 × 17 × 54	,, 5 अध्याय	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
336	कोलडी 1242	यन्त्र-सग्रह	Yantra Sangraha	—	ग + अक तालिका
337	,, 621	यवनतुर्की ताजिक + भावफल	Yavana Turkī Tājika + Bhāvaphala	—	मू + ट
338	के नाथ 27/69	यात्रा-प्रकरणम्	Yātrā Prakaranam	मुहूर्तचिंतामणि-टीकायाम्	ग
339	कुथु 10/150	योगकोष्ठक	Yogakoṣṭhaka	—	कोष्ठक
340	के नाथ 25/10	योगिनीदशा	Yoginīdaśā	—	मू प
341	,, 27/57	योगिनीदशान्तर्दशा सिद्धाक सारिणी	Yoginīdaśāntardaśā Siddhānka Sārinī	—	ग अकतालिका
342	,, 18/8	रत्नदीपक	Ratna Dīpaka	—	ग
343	कोलडी 675	रत्नावली	Ratnāvalī	लक्ष्मीवर	प.
344	,, 674	,, -पद्धत्ति	,, Paddhati	—	ग.
345	कुथु 37/3	रमल प्रश्नतन्त्र	Ramala Praśna Tantra	चिंतामणि पडित	प ग
346	,, 42/11	,, सज्ञा-तन्त्र	,, Sañjñā Tantra	,,	प
347	के नाथ 17/70	,, शास्त्र	,, Śāstra	सोमनाथ	,,
348	महावीर 7 अ 14	रविआदि रात्रिघटिमान यत्रादि	Ravi Ādi Rātri Ghati Māna Yantrādi	शिव	प अकतालिका
349	मेवामदिर 7 अ 100 (17)	राशिपत्र-प्रश्नज्ञान प्रदीपिका	Rāśi Patra-Praśna Jñāna Pradīpikā	—	प.
350	,, 7 अ 100 (5)	राशि-विचार	Rāśi Vicāra	—	ग
351	,, 7 अ 100 (21)	राहुअष्टोत्तरी-दशादि	Rāhu Aṣṭottarīdaśādi	—	,,
352	के नाथ 27/14	लग्न-अधिकार	Lagna Adhikāra	—	ग प
353	कोलडी 680	लग्न कर्त्तव्यता अल्पेटादि विधि	,, Karttavyatā Alpetādi Vidhi	—	ग
354	महावीर 7 अ 17	लग्न-कुण्डलिका	,, Kundalikā	हरिभद्रोक्त	प
355	कोलडी 643	लग्न-चन्द्रिका	,, Candrikā	काशीनाथ	,,
356	के नाथ 26/9	,,	,, ,,	,,	,,
357	कोलडी 662	लग्नदशाफल	,, Daśāphala	—	ग
358	कुथु 32/24	लग्नविचार	,, Vicāra	—	ग तालिका
359	महावीर 7 अ 21	,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
ज्योतिष यन्त्र-मन्त्र	मा	8	28 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
,, ग्रहफल	स उर्दू + हि	2	27 × 12 × 6 × 38	सपूर्ण 10 + 9 गाथा	1865	
निमित्त मुहूर्त ज्यो	स	6	20 × 11 × 14 × 45	,,	19वी	
सारिणिया-परिभाषाए	,,	1	25 × 10 × —	,, 28 योगो का	,,	
ग्रहफल	,,	8	25 × 12 × 12 × 32	,,	,,	
गणित ज्यो (ग्रह-अन्तर्दशा-सारिणी)	,,	11	26 × 11 × 10 × 37	अपूर्ण	,,	एक पन्ना अन्य
ग्रहफल	,,	5	26 × 11 × 17 × 56	सपूर्ण	,,	
भावदशादि विषय	,,	5	28 × 12 × 15 × 50	,,	1693	
गणित ज्योतिष	मा	9	27 × 12 × 17 × 44	,,	19वी	
प्रश्न ,,	स	13	24 × 12 × 10 ×	,,	,,	
फलित ,,	,,	7	25 × 12 × 10 × 56	अपूर्ण श्लोक 123 से 249	,,	
,, ,,	,,	28	25 × 15 × 13 × 30	शकलपद्धति पूरी + 3 पन्ने	,,	प्रथमपत्र जीर्ण व त्रुटित
मुहूर्त व गणित ज्योतिष	,,	6	25 × 10 × —	प्रतिपूर्ण	1738 + गगासुन्दर	
प्रश्न ज्योतिष	,,	1	23 × 11 × 18 × 40	सपूर्ण 28	19वी विसलपुर जसरूप	
गणित ज्योतिषि	,,	1	26 × 11 × 16 × 46	,,	18वी	
,,	,,	1	23 × 9 × 15 × 30	,,	,,	
ज्योतिष	,,	18	23 × 10 × 5 × 34	,, 132 पद्यानुच्छेद	1876	
,,	रा	4	27 × 10 × 16 × 50	,,	19वी	
गणित ज्योतिष व मुहूर्त	प्रा	5	29 × 13 × 16 × 38	,, 129 गा	1943 नागौर बशीधर व्यास	
विवाह सबन्धी ज्योतिष	स.	38	24 × 11 × 13 × 35	,,	1848	
,,	,,	20	27 × 11 × 17 × 41	अपूर्ण 746 श्लोक	19वी	
गणित ज्योतिष	,,	3	24 × 13 × 12 × 38	सपूर्ण	1905	
,,	,,	1	24 × 11 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	17 × 13 × 15 × 23	,,	,,	

1	2	3	3 A	4	5
360	कोलडी 1066	लग्नसाधन	Lagna Sādhana	—	ग
361	के नाथ 27/5	लघजातक	Laghu Jātaka	वराहमिहिर	मू प
362	ओसिया 7 अ 42	,, -सटीक	,, -Satika	,, /-	मू+वृ (प ग.)
363	,, 7 अ 41	,, ,,	,, ,,	,,/भट्टोत्पल	,, (,,)
364	महावीर 7 अ 31	,, ,,	,, ,,	,,/ ,,	,, (,,)
365	ओसिया 7 अ 40	,,	,,	वराहमिहिर	मू प
366-7	के नाथ 25/13, 16/41	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	,,	,,
368	,, 7/12	,, -सटीक	,, -Satika	,, /मतिसागर	मू वृ
369	कोलडी 635	,, ,,	,, ,,	,, /भट्टोत्पल	,, (प ग)
370	,, 634	,,	,,	,,	मू प.
371	ओसिया 7 अ 51	,, की टीका	,, -kī Tikā	भट्टोत्पल	ग
372	कोलडी 1059	,, ,,	,, ,,	—	प
373	के नाथ 27/35	वधप्रवेश मुहूर्त	Vadhu Praveśa Muhūrta	—	ग
374	सेवामदिर 7अ100 (6)	वर्ण बल यन्त्र	Varna Bala Yantra	—	प
375	कोलडी 652	वर्षगणितपद्धति भूषण	Varṣa Ganita Paddhati Bhūṣana	दिवाकर	ग प.
376	मुनिसुव्रत 7 अ 108	वर्षतन्त्र-ताजिक	,, Tantra (Tājika)	नीलकण्ठ	मू प
377	कोलडी 1313	वर्षफलोपयोगी योम	,, Phalopayogī Yoma	—	,,
378	कुयु 10/189	वर्षप्रवृत्ति	,, Pravrtti	—	ग तालिका
379	के नाथ 27/66	वर्षप्रतिअक्षय कोष्टका	Varṣa Prati Akṣaya Koṣtaka	—	ग अ तालिका
380	कु यु 42/3	वर्षभविष्य	Varṣa Bhaviṣya	—	ग प
381	कोलडी 654	वर्षेशदशा व मुथाफल	Varṣeśa Daśā & Munthāphala	—	प.
382	,, 653	वर्षेशदशाफल मुथाफलसह	Varṣeśa Phala with Munthāphala	—	ग
383	के नाथ 27/68	वास्तुप्रकरण	Vāstu Prakarana	—	,
384	मुनिसुव्रत 7 अ 91	विदशाफल	Vidaśā Phala	—	,,
385	कु यु 46/2	विवाह अधिकार काव्य	Vivāha Adhikāra Kāvya	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
गरिणत ज्योतिष	रा	4	26 × 11 × 16 × 45	अपूर्ण	19वी	
फलित ज्योतिष	स	5	26 × 11 × 17 × 51	सपूर्ण ग्रथाग्र 172	1649	
,,	,,	19	26 × 12 × 5 × 38	,, 13 अध्याय	17वी × अरणद सुन्दर	
,,	,,	21	26 × 11 × 16 × 49	,, ,,	1721 × घरण-सुन्दर	
,,	,,	51	21 × 10 × 9 × 27	,, ,,	18वी	
,,	,,	6	25 × 11 × 16 × 36	अपूर्ण 10 अध्याय तक	1874 × दौलतसुन्दर	
,,	,,	12,5	28 × 13 व 27 × 11	सपूर्ण 13 अध्याय 71पद	19वी	
,,	,,	26	25 × 10 × 14 × 48	,, ,,	,,	लिपि गुजराती है
,,	,,	35	26 × 13 × 13 × 42	,, ,,	1902	
,,	,,	18	28 × 13 × 6 × 28	,, ,,	1910	
,,	,,	24	25 × 11 × 15 × 35	,,	1875 × दौलतसुन्दर	
,,	,,	18	25 × 12 × 6 × 36	अपूर्ण 8वें अध्याय तक	19वी	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	2	19 × 10 × 14 × 32	सपूर्ण	,,	
ज्योतिष गरिणत	,,	1	26 × 11 × तालिका	प्रतिपूर्ण	18वी	
गरिणत ज्योतिष	,,	11	25 × 9 × 6 × 30	,, 8वा पन्नाकम	1856	
फलित ज्योतिष	,,	17	27 × 11 × 12 × 37	अपूर्ण (11 से 27 अत के पन्ने)	1875	जीर्ण
,,	,,	7	25 × 12 × 17 × 45	सपूर्ण 197 श्लोक	19वी	अत मे शहरोकेप्रक्षाश देशातर वग्रहभावफल
वर्षफल निर्णय व विधान	,,	1	21 × 7 × —	प्रतिपूर्ण	,,	विषय सूची
गरिणत सारिरिणया	,,	5	23 × 11 × 20 × 58	सपूर्ण	,,	
वर्षफल निर्णय ग्रहानुसार	,,	7	25 × 10 × 19 × 82	लगभगपूर्ण	,,	
फलित ज्योतिष वर्षफल	,,	3	28 × 12 × 14 × 62	सपूर्ण 69 श्लोक	,	
,,	,,	5	24 × 11 × 16 × 48	,,	,,	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	10	20 × 10 × 115 × 35	,,	,,	
फलित ज्योतिष	,,	2	26 × 11 × 19 × 59	,,	,,	
वैवाहिक ज्योतिष	रा.	7	18 × 11 × 4 × 16	,, 59 छद	1782	

1	2	3	3 A	4	5
386	कोलडी 578	विवाहदोषाणि	Vivāha Doṣāni	—	ग प
387	सेवामंदिर 7 अ 100 (8)	विवाह-गुणदोष	,, Guna Doṣa	—	,,
388	महावीर 7 अ 23	विवाह-पडल	Vivāha Padala	—	,,
389	कोलडी 575	,,	,,	—	ग
390	केनाथ 27/7	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	/अमरसाधु	मू+बा (प.ग.)
391	कोलडी 667	,,	,,	—	ग
392	मुनिसुव्रत 7 अ 64	,,	,,	—	मू+ट (प ग)
393	कोलडी 577	,,	,,	—	मू प
394	मुनिसुव्रत 7 अ 88	,,	,,	—	,,
395	महावीर 7 अ 24	,, सबालावबोध	,, with Bālāvabodha	—/—	मू+बा (प ग)
396	कोलडी 576	,,	,,	—	मू+ट (,,)
397	केनाथ 24/68	,, -सावचूरि	,, with Avacūri	—	मू+अ (,,)
398-400	,, 26/17, 25/23,11	,, सबालावबोध 3 प्रतिया	,, with Bālāvabodha 3 copies	—	मू+बा (,,)
401	कोलडी 1280	,, -भाषा	,, Bhāṣā	रूपचन्द	प
402	औसिया 7 अ 35	,, ,,	,, ,,	—	ग
303	कोलडी 960E	विवाह-मुहूर्त	Vivāha Muhūrta	—	प
304	,, 658	,, (दोष-निवारण)	,, (Doṣa-nivārana)	—	ग अ तालिकाए
305	कुंथु 13/	,,	,,	—	,,
306	कोलडी 673	वृतशत	Vrta Śata	महेश्वराचार्य	प
307	कुंथु 23/1	वृहत्जातक व अन्य लेख	Vrhat Jātaka & ther-articles	वराहमिहिरादि	प ग
308	कोलडी 631	,,	,,	वराहमिहिर	मू प
309	,, 1290	,, -सटीक	,, Satīka	,,	मू+वृ (प ग)
310	महावीर 7 अ 28	,,	,,	,,	मू प.
311	कोलडी 1171	,	,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
विवाह दूषण निवारण	स रा	8	25 × 12 × 11 × 30	सपूर्ण	1836	
विवाह नक्षत्र समीक्षा	स.	1	27 × 12 × 13 × 38	अपूर्ण	18वी	
वैवाहिक ज्योतिष	स मा	10	25 × 12 × 18 × 38	,,	,,	
,,	स	11	25 × 11 × 13 × 39	सपूर्ण	1818	
,,	स + मा	22	24 × 12 × 13 × 33	,, ग्र 650	1842	
,,	,,	14	26 × 11 × 16 × 70	,	1846	
,,	,,	11	26 × 12 × 8 × 37	,, 114 श्लोक	1877सालावास वृद्धिचद	
,,	स	24	25 × 10 × 10 × 25	,, 232 श्लोक	1878	
,,	,,	10	25 × 11 × 15 × 36	अपूर्ण 265 श्लोक	19वी	
,,	स मा	10	27 × 12 × 13 × 53	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	,,	29	26 × 10 × 5 × 37	सपूर्ण 104 श्लोक	,,	
,	स	4	26 × 11 × 12 × 41	,, 90 श्लोक	,,	
,,	स मा	3,14,17	24 से 27 × 12 से 13	,,	1867 से 20वी	
,,	मा	2	16 × 13 × 14 × 30	,, 32 गा	19वी	
,,	,,	9	26 × 13 × 12 × 41	,, (नौवा पन्ना कम)	1915बीकानेर	
,,	,,	2	25 × 12 × 20 × 48	,, 62 दोहे	19वी	
वैवाहिक दस दोष निवारण यत्र	स मा	4	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
वैवाहिक ज्योतिष	मा	4	21 × 13 × 19 × 34	,,	,,	
मुहूर्तादि प्रकरण	स	9	25 × 12 × 13 × 42	सपूर्ण 108 श्लोक	1863	
फलित सामान्य सकलन	,,	67	25 × 11 × 19 × 44	,,	1799	
फलित सर्व विषय	,,	28	26 × 11 × 12 × 40	,, 26 अध्याय	1864	
,,	,,	59	30 × 15 × 9 × 50	,, 25 ,,	1902	
,,	,,	23	27 × 12 × 12 × 48	,,	1909पवन-कासमपुर शिवचद्र	
,,	,,	22	26 × 13 × 14 × 38	लगभग पूर्ण 25 अध्याय	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
412	कोलडी 1206	वृहत्जातक	VṛhatJātaka	,,	मू+ट (प ग)
413	,, 630	,, की टीका	,, -kī Tikā	—	ग.
414	के नाग 29/93	शतसवत्सरी (महामाइ वाक्य)	Śata Samvatsarī (Mahāmāivākya)	—	प.
415	कोलडी 656	,,	,,	—	ग.
416	मुनिसुव्रत 7 अ 71	,,	,,	—	,,
417-8	कोलडी 657, गु 12/8	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	—	प
419	कु यु 32/23	,,	,,	महर्षपुराणे,	ग
420	कोलडी गु 10/10	,, +भड्डली पुराण	,, +Bhaḍdli Purāṇa	—	प
421	के नाथ 29/94	,,	,, —	—	,,
422	,, 19 25	,,	,, —	—	ग
423	कोलडी 1292	,,	,, —	—	प
424	कुयु 15/15	(षष्ठी) शतसवत्सरी की टीका	(Ṣaṣṭhi) Śata Samvatsarī kī Tīkā	—	ग.
425	,, 49	,, ,,	,, ,,	—	,,
426-9	कोलडी गु 10/5 866-7 1306	शनिकथा 4 प्रतियां	Śani Kathā 4 copies	जोरावरमल कायस्थ	प.
430	कुयु 46/3	,	,,	,,	,,
431	,, 28/2	शनि-छद	Śani Chanda	—	,,
432	पद्मामंदिर 5 अ 22	,,	,,	गणेशचन्द्र	,,
433	के नाथ 28/95	,,	,,	हेम	,,
434	कुयु 37/20	शनि-स्तवन	Śani Stavana	—	,,
435	महावीर 6 अ 6	शनि-स्तुति	Śani Stuti	—	,,
436	श्रीमिया 5 अ 3	शनि-स्तोत्र	Śani Stotra	(अग्निपुराणे)	,,
437	कु यु 10/171	शनि (गुरु) स्तोत्राणि	Śani (Guru) Stotrāni	—	,,
438	कोलडी 600	शिवा-मुहूर्त	Śivā Muhūrta	शिव	प ग अ तालिका

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित सर्व विषय	स	2	26 × 12 × 6 × 42	केवल भाव अध्याय (18वा) 11 श्लो	19वी	
,,	,,	81	28 × 13 × 14 × 39	सपूर्ण	1865	
वर्षफल भविष्य वाणिया	मा	5	25 × 11 × 15 × 54	,, 199 गा.	1718	1225 से 2172
,,	,,	14	23 × 11 × 19 × 62	,,	1630	1651 से 1700
,,	स	8	25 × 10 × 13 × 42	,,	1762, मुछाला सुजाणरुचि	1701 से 1800
,	मा	4 गु	25 × 12 व 19 × 12	,, 74 गाथा	19वी	,, ,,
,,	,,	5	21 × 11 × 17 × 44	प्रतिपूर्ण	1774	1770 से 1800
,,	,,	गु.	19 × 14 × 18 × 33	अपूर्ण	19वी	1801 से 1845
,,	,,	3	25 × 11 × 22 × 44	सपूर्ण	1840	1801 से 1900
,,	,,	12	26 × 11 × 17 × 44	,,	19वी	,, ,,
,,	,,	6	16 × 12 × 12 × 20	प्रतिपूर्ण	19वी	1942 से 2000
,,	स	5	25 × 10 × 20 × 55	सपूर्ण 60 वर्षो की	1703	नाम सहित 60 प्रकार के वर्षो की
,,	रा	गु	31 × 23 × 27 × 26	, 1800 से 1860	1806	,,
ग्रहभक्ति	मा	गु 8,8,19	16 से 25 × 12 से 13	,, 167/75 छद	1844 से 20वी	अतिम प्रति मे 15वा पन्ना कम
,,	,,	60*	17 × 12 × 17 × 12	अपूर्ण 45 से 352 (अत) छद	1919	
,,	,,	15	17 × 13 × 13 × 19	सपूर्ण	19वी	
,,	,,	3	21 × 10 × 9 × 25	,, 16 पद	1850 वीरमपुर गणेशचन्द्र	अत मे स्वप्न विचार भी
,,	,,	3	23 × 12 × 11 × 24	,, 17 गाथा	1870	
,,	स.	1	25 × 11 × 8 × 62	,, 10 श्लोक	19वी	
,,	,,	10	16 × 11 × 11 × 20	,, 45 श्लोक	18वी	
,,	,,	10	16 × 8 × 7 × 18	,, 54 श्लोक	18वी	
,,	,,	1	27 × 11 × 13 × 44	,, दो 7+5 श्लोक	19वी	
हूर्त ज्योतिष	,,	8	27 × 13 × 15 × 44	,, 46 श्लोक	1881	

1	2	3	3 A	4	5
439	कोलडी 567	शिवा-मुहूर्त	Śivā Muhūrta	शिव	प ग अ तालिका
440	महावीर 7 अ 13	,,	,,	,,	,,
441	मुनिसुव्रत 7 अ 109	,,	,,	,,	,,
442	के नाथ 23/61	शीघ्रबोध	Śīghrabodha	काशीनाथ	प.
443	कु यु 37/17	,,	,,	,,	,,
444-5	के नाथ 25/14, 28/12	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	,
446-7	के नाथ 7/17, 27/41	,, 2 प्रतियां	,, 2 copies	,,	मू+ट (प ग)
448	ओसिया 7 अ 82	,,	,,	काशीनाथ भट्टाचार्य	मू प
449-51	कोलडी 570 569 1190B	,, 3 प्रतियां	,, 3 copies	,,	,,
452	सेवामंदिर 7अ100 (22)	शुभकार्य-मुहूर्त	Śubhakārya Muhūrta	—	ग तालिका
453	मुनिसुव्रत 7 अ 58	षट्पंचाशिका सहबाला.	Ṣatpañcāśikā with Bālāvabodha	पृथुयश/भट्टोत्पल	मू बा. (प ग)
454	के नाथ 10/17	,, -सटीक	,, Satika	,, / ,,	मू टू. (,,)
455	,, 27/8	,, सहबाला.	,, with Bālāvabodha	,, /	मू.बा (प ग)
456	कोलडी 775	,,	,,	,,	मू प
457	के नाथ 27/10	,,	,,	,,	,,
458	कोलडी 777	,,	,,	,,	मू ट (प ग)
459	महावीर 7 अ 26	,, सहबाला.	,, with Bālāvabodha	,, / ,,	मू बा (प ग)
460-61	ओसिया 7 अ 39 38	,, -सटीक 2 प्रतियां	,, Satika 2 copies	,, / ,,	मू टु (प ग)
462	कोलडी 776	,, का बालावबोध	Ṣatpañcāśikā kā Bālāvabodha	—	ग.
463	सेवामंदिर 7 अ 101	,, ,,	,, ,,	भट्टोत्पल	,,
464	ओसिया 7 अ 78	षोडश-योगाध्याय	Ṣoḍaśa Yogādhyāya	—	मू प.
465	कोलडी 573	,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
मुहूर्त ज्यो. पयाराहु सह	स.	8	26 × 12 × 11 × 40	सपूर्ण 65 श्लो	19वी	
,, सारिणियें सह	,,	6	25 × 12 × —	प्रतिपूर्ण	1953 रतलाम	
,, ,,	,,	5	25 × 11 × —	,,	1815	
सामान्य पाठ्यपुस्तक नुमा	,,	14	26 × 12 × 16 × 48	सपूर्ण	1716	
,,	,,	29	26 × 11 × 12 × 36	,, 429 श्लोक	1825	
,,	,,	29,11	27 × 15 व 25 × 11	प्रथम सपूर्ण 508 श्लोक द्वितीय अपूर्ण	1847 व20वी	प्रथम प्रति मे विवाह पडल भी सपूर्ण है।
,,	स मा	47,108	25 × 11 व 23 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	1828 व 20वी	
,,	स.	22	25 × 10 × 13 × 41	सपूर्ण 4 प्रकरण	1854विक्रमपुर बखतमुदर	
,,	,,	8,29,10	25 × 11 से 12	प्रथम सपूर्ण शेप 2 अपूर्ण	19/20वी	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	1	26 × 13 × —	प्रतिपूर्ण	18वी	
प्रश्न ज्योतिष	स मा	10	25 × 11 × 15 × 44	सपूर्ण 57 श्लोक	17वी	
,,	स.	8	26 × 11 × 24 × 52	,, 56 श्लोक	1782	
,,	स मा	8	26 × 12 × 17 × 42	,, ,,	1785	
,,	स.	4	31 × 11 × 12 × 40	,, 58 श्लोक	1802	
,,	,,	6	23 × 11 × 8 × 25	,, 56 श्लोक	1807	
,,	स मा	11	27 × 10 × 4 × 44	,, 57 श्लो ग्र 505	1846	
,,	,,	17	25 × 11 × 12 × 36	,, 53 श्लोक	19वी जालोर त्रिभुवनराय	
,,	स.	10,4	26 × 12 × भिन्न 2	प्रथम सपूर्ण, द्वितीय अपूर्ण	1846/19वी	
,,	मा	18	27 × 11 × 10 × 30	सपूर्ण 56 श्लोक का	1863	
,,	,,	11	20 × 9 × 7 × 16	अपूर्ण 52 श्लोक	1868	
फलित ज्योतिष	स	3	28 × 13 × 15 × 45	,, 9 से 75 श्लो अत	19वी	योगलक्षण महो-दारण
,,	,,	13	27 × 11 × 12 × 42	सपूर्ण	1860	,,

1	2	3	3 A	4	5
466-9	कोलडी 572-4-1 1320	षोडश योगाध्याय की व्याख्या 4 प्रतियां	Ṣoḍaśa Yogādhyaya ki Vyākhyā 4 copies	—	गद्य
470	श्रीमियां 7 अ 80	,, की टीका	,, ki Tikā	गोविन्द	,,
471	कु थु 46/1	षोडशयोग सोदाहरण	Ṣoḍaśa Yoga with Udāharana	—	ग.
472	कोलडी 960F	सपुच्छमशिखा केतुतारोदय	Sapuccha Saśikhā-ketutārodaya	—	प.
473	पत मंदिर 7 अ 100 (19)	सर्वतोभद्रयंत्र	Sarvatobhadra Yantra	—	ग. अंकतालिका
474-5	कोलडी 626, 1281	सर्वार्थचिंतामणि 2 प्रतियां	Sarvārtha Cintāmani 2 copies	वेंकटेशदैवज्ञ	मू प.
476	,, 997	सहमविचार व विधि	Sahama Vicāra Vidhi	नीलकण्ठानुसार	ग.
477	कुथु 10/129	सहमविधि	,, Vidhi	—	ग. अंक ता
478	कोलडी 1203	संकेतकौमुदी	Sanketa Kaumudi	हरिश्रीनाथाचार्य	प.
479	के नाथ 2/22	संक्रान्तिफलम्	Saṅkrānti Phalam	—	ग.
480	कुथु 17/2	,, विचार	,, Vicāra	—	अंककोष्ठक
481	,, 32/22	संज्ञाविवेक तंत्र (ताजिक)	Sañjñāviveka Tantra (Tājika)	नीलकंठ	मूलपद्य
482	के नाथ 27/40	सार संग्रह	Sāra Sangraha	भट्टमहादेव	,,
483	कोलडी 602	सारिणी-आशाधर	Sārini-Āśādhara	—	अंकतालिका
484-6	,, 592-3, 595,1300	,, -कामधेनु 3 प्रतियां	,, -Kāmadhenu 3 copies	—	,,
487	के नाथ 27/64	,, ,,	,, ,,	—	,,
488	कु थु 14/65	,, ,, रोहिणी-चक्रादि	,, ,, Rohinicakrādi	—	,,
489-90	कोलडी 550 1282	,, -ग्रहलाघव 2 प्रतियां	,, -Grahalāghava 2 copies	—	,,
491-93	,, 583,582, 580	सारिणी चन्द्रार्की 3 प्रतियां	,, -Candrārki 3 copies	—	,,
494	के नाथ 27/39	,,	,, ,,	—	,,
495	कोलडी 604	सारिणी जयचन्द्र	,, Jayacandra	जयचंद सुमतिसूरि का शिष्य	,,
496	के नाथ 27/62	सारिणी मकरंद	,, Makaranda	हरिकर्णशर्मा	,,
497	कोलडी 601	,,	,, ,,	—	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
फलित ज्योतिष	स.	18,7, 27,8	24 से 27 × 10 से 12	प्रथम 3 पूर्ण अंतिम अपूर्ण	1850-3-5, 20वी	
,,	,,	31	27 × 11 × 15 × 47	सपूर्ण	20वी	मूल ग्रथ नील-कठ का
,,	रा.	14	16 × 13 × 11 × 15	,,	18वी	
,,	स.	2	25 × 11 × 13 × 44	,,	19वी	
मुहूर्त ज्योतिष	,,	1	25 × 11 × —	,,	,,	सूर्यचन्द्र कालानल-सह
फलित ज्योतिष	,,	73,17	27 × 11 व 29 × 13	प्रथम सपूर्ण द्वितीय अपूर्ण 2/159 तक	1878	
ज्योतिष कर्मकाण्ड	रा	2	27 × 14 × 16 × 36	सपूर्ण	19वी	सारिणि सह
गणित ज्योतिष	,,	4	26 × 13 × —	,, 7 वारो की	20वी	,,
फलित ग्रहअव-स्थाये	स	12	28 × 13 × 13 × 36	,,	1906	
फलित ज्योतिषि	रा	18	24 × 12 × 11 × 44	,, 12 राशिका	1881	
सक्रातिफल	स	1	26 × 19 × —	,,	1914	
फलित ज्यो. (योग)	,,	10	24 × 12 × 12 × 38	,, 173 श्लोक	1659	
ज्योतिष मामान्य	,,	24	23 × 13 × 9 × 23	,, 249 श्लोक	19वी	
गणित-ग्रहगति फल	,,	33	26 × 11 × —	,,	,,	
,, ग्रह तिथि आदि	,,	22,13 20	25 से 27 × 11 से 20	प्रथम 2 पूर्ण अंतिम अपूर्ण	1876 से 20वी	
,, ,,	,,	14	26 × 12 × 21 × 64	सपूर्ण	17वी	
,, ,,	,,	3	25 × 11 × —	,,	19वी	
,, ग्रह भ्रमणादि	,,	5,5	26 × 12 व 27 × 12	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	1850 जोधपुर अणदाजी 20वी	
,, मदफलमासादि	,,	9,9,2	25 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण	1841 से 1871	
,,	,,	11	23 × 13 × 18 × 55	,,	19वी	
,, पचाङ्ग इष्ट तिथिआदि	,,	24	27 × 12 × —	,, पन्ना न. 2 कम है	1861	
,, ,,	,,	20	26 × 11 × —	,,	1878	
,, पचाङ्ग चन्द्र शृंगोन्नतसाधन	,,	18	26 × 13 × —	,,	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
498-502	कोलडी 606 605 609, 610 1056	सारिणी-महादेवी 5 प्रतिया	Sārini-Mahādevi 5 copies	—	अंकतालिका
503	कोलडी 8/1	,,	,, Mahādevokta	महादेवोक्त	ग+अंक तालिका
504	केनाथ 27/6	,, ,, की वृत्ति	,, ,, kī Vrtti	—	,,
505	मुनिसुव्रत 7 अ 72	,, -मृगांक	,, Mrgānka	भोजराज	,,
506-14	कोलडी 545-9, 801,1136 1211, 1301	,, ,, 9 प्रतिया	,, ,, 9 copies	राजामृङ्गांक	,,
515	केनाथ 27/12	,, ,	,, ,,	,,	,,
516	कोलडी 663	,, ग्रहदशा-उपदशाकाल	,, Grahadaśā Upadaśā-kāla	—	,,
517	,, 559	,, ग्रहसिद्धि	,, Grahasiddhi	—	,,
518	,, 1277	,, चन्द्रपर्व ग्रहलाघवादि	,, Candra Parva Grahalāghavādi	—	,,
519	,, 1213	,, तिथिवार घटी-निक्षेपादि	,, Tithivāra Ghatī Niksepādi	—	,,
520	,, 1062	,, पञ्चवर्गी बालसाधनार्थ	,, Pañcavargī Bāla Sādhanārtha	—	,,
521	,, 1295	, बुध पंक्ति भ्रमण	,, Budha Pankti Bhramana	—	,,
522	,, 1214	,, त्रिकर्म मध्यखेटनादि	,, Trikarma Madhyā Khetanādi	ब्रह्मतुल्ये	,,
523	,, 558	, मगलायावत्	,, Mangalāyāvat	—	,,
524-28	, 647 556 1057 1061 1294	,, रवि पंक्ति आदि 5 प्रतिया	,, Ravi Panktyādi 5 copies	भिन्न 2	,,
529	केनाथ 27/20	,, ध्रुवक्षेपादि	,, Dhruva Kṣepādi	—	,,
530-38	,, 27/13, 38,61-3-5 27/11 21 26,56	,, राशिवर्गादि 9 प्रतिया	,, Rāśi Vargādi 9 copies	भिन्न 2	,,
539	मुनिसुव्रत 7 अ 110	,, ग्रहप्रदीप त्रिधयोति	,, Grahapradīpa Tridhayoti	—	,,
540	,, 7 अ 111	,, जगदूषण	,, Jagadūṣana	—	,,
541	,, 7 अ 112	,, केंद्र राशि कोष्ठक	,, Kendra Raśikoṣtakha	—	,,

6	7	8	8-A	9	10	11
गणित ग्रहगति कोष्ठक	स.	92,77, 53,75	24 से 28 × 10 से 13	चार सपूर्ण, अतिम अपूर्ण	1845 से 20वी	
,, पचाग 1814-73 साथ मे	,,	200	27 × 18 × 31 × 28	सपूर्ण	19वी	
,, ग्रहगति स्थिति आदि	,,	27	26 × 11 × 19 × 61	,,	19वी	
,, ,,	,,	22	24 × 11 × —	,,	17वी गगाराम	
,, ,,	,,	45,2,7 93,7,7, 4,22,62	26 से 30 × 10 से 20	प्रथम 5 अपूर्ण शेष 4 पूर्ण	19/20वी	
,, ,,	,,	135	26 × 12 × 18 × 50	अपूर्ण	1845	
,, ,,	,,	8	27 × 10 × —	सपूर्ण	19वी	
,, ग्रह सदोच्च फलादि	,,	6	26 × 12 × —	,,	19वी	
,, ग्रहगति आदि	,,	18	33 × 16 × —	,,	19वी	सूत ज्ञान साथ मे
,, ,,	,,	16	28 × 19 × —	अपूर्ण	1917	
,, ,,	,,	5	26 × 12 × —	सपूर्ण	1854	
,, ,,	,,	9	27 × 11 × —	,,	19वी	
,, ,,	,,	40	29 × 27 × —	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	6	25 × 11 × —	सपूर्ण	19वी	मकटाष्ट दशा विचार
,, ,,	,,	90,6, 152,2 6,	24 से 29 × 11 से 13	पूर्ण/अपूर्ण	19/20वी	
,, ,,	,,	9	24 × 10 × 24 × 71	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	60,56 21,86, 76,11, 14,10	26 से 28 × 11 से 12	प्रथम 5 पूर्ण शेष 4 अपूर्ण	19/20वी	
,, ,,	,,	60	26 × 11 × —	सपूर्ण	1784	
,, ,,	,,	84	26 × 12 × —	,,	20वी	
,, ,,	,,	13	26 × 12 × —	त्रुटक	20वी	

1	2	3	3 A	4	5
542	मुनिसुव्रत 7 अ 113	सारिणी अष्टोत्तरी	Sārini Aṣtottarī	—	ग अंकतालिका
543	,, 7 अ 115	,, फलअंशादि	,, Phala Amśādi	—	,,
544	,, 7 अ 120	,, विभिन्न	,, Vibhinna	भिन्न-2	,,
545	कुथु 32/21	,, वार घटि	,, Vāra Ghati	—	,,
546	,, 10/191	,, अन्तर्दशा अष्टोत्तरी	,, Antardaśā Aṣtottarī	—	,,
547	सेवामदिर 7 अ 117	,, योगकेन्द्र	,, Yoga Kendra	—	,,
548	,, 7 अ 119	,, मासप्रवेश	,, Māsa Praveśa	—	,,
549	,, 7 अ 118	,, राशि ज्ञान	,, Raśi Jñāna	—	,,
550	मुनिसुव्रत 7 अ 87	सावाविचार	Sāvā Vicāra	मोतीराम	पद्य
551	,, 7 अ 75	सावाविधि	Sāvā Vidhi	—	गद्य
552	कुथु 26/4	सावाविधि-मुहूर्तादि	Sāvā Vidhi Muhūrtādi	—	ग तालिका
553	कोलडी 1055	सिद्धान्त शिरोमणि सभाष्य	Siddhānta Śiromani with Bhāṣya	भास्कराचार्य (महेश्वर उपाध्य य सुत)	प ग
554	ओसिया 7 अ 49	,,	,,	,,	मू प.
555	,, 7 अ 45	,, -सटीक	,, Satīka	,,	,,
556	कोलडी 1194	,, ,,	,, ,,	,,/-	मू , वृ (प ग)
557	कोलडी 664	सिरोही महाराज रायसिंह जन्मपत्रिका	Sirohī Mahārāja Rāyasimha Janma Patrikā	—	ग अंकतालिका
558	के नाथ 27/23	सूर्यचन्द्रोद्भव ग्रहस्पष्टादि	Sūrya Candrodbhava Grahaspaṣṭādi	—	प
559	कुथु 32/25	सूर्यचन्द्र आठ ग्रह महादशा	Sūrya Canda Ātha Graha Mahādaśā	—	ग
560	कोलडी 1163	सूर्य पर्व स्थापन	Sūrya Parva Sthāpana	—	,,
561	कोलडी 585	सूर्य सिद्धान्त	Surya Siddhānta	भास्कराचार्य	प
562	कोलडी 584	,, की वृत्ति	,, kī Vrtti	,,	ग.
563	कोलडी 682	स्त्रीजातक (जन्मपत्री)	Strī Jātaka (Janma Patrī)	रामचन्द्र	प
564	कोलडी 18/38	,, सूर्य-चन्द्र अन्तर्दशा	,, (Sūrya Candra Antardaśā)	गौरीजातके	,,
565	कोलडी 614	हायनरत्न	Hāyana Ratna	बलभद्र	ग

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित ग्रहगति आदि	स.	9	22 × 12 × —	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	160	14 × 13 × —	अपूर्ण	17वी	
,, ,,	,,	81	27 × 12 × —	,,	18/20वी	
,, ,,	,,	150	26 × 11 × —	सपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	7	25 × 11 × —	अपूर्ण	,,	
,, ,,	,,	18	27 × 18 × —	त्रुटक	20वी	
,, ,,	,,	136	19 × 11 × —	अपूर्ण	19वी	
,, ,,	,,	15	33 × 21 × —	सपूर्ण	,,	जिल्दबधी पजिका
वैवाहिक ज्योतिष	,,	7	25 × 12 × 10 × 25	,, 66 छद	1876 कापरडा गुलाबविजय	
,,	मा	5	25 × 11 × 11 × 33	,	19वी	
,	रा.	4	18 × 12 × 16 × 32	,,	,,	
ज्योतिष शास्त्र	,,	299	24 × 10 × 9 × 36	लगभग पूर्ण (प्रथम 2 पन्ने कम)	18वी	
,,	स.	40	26 × 12 × 15 × 45	सपूर्ण 16 अध्याय	1823 विक्रमपुर वखतसुदर	
,,	,,	56	31 × 12 × 9 × 36	अपूर्ण	20वी	
,,	,,	44	33 × 16 × 19 × 52	,,	19वी	
जन्मपत्रिका विस्तृत	,,	14	27 × 11 × —	सपूर्ण	1632	
गणित ज्योतिष	,,	10	23 × 11 × 10 × 34	,,	19वी	
विधिसहित	,,	1	26 × 11 × 12 × 42	,,	20वी	
शुद्ध ग्रह गणित	रा	9	24 × 21 × 25 × 39	,,	1777	1776 व 77 के
सूर्याधारित गणित	स.	13	26 × 12 × 16 × 54	,, 13 अध्याय	1882	
,,	,,	58	24 × 12 × 20 × 50	,,	1883	
स्त्री फलित ज्योतिष	,,	22	26 × 11 × 11 × 34	,, 14 अधिकार	1853	
,,	,,	2	23 × 10 × 9 × 46	,, 16 श्लोक	19वी	
फलित ज्यो वर्षफल ताजिक	,,	181	27 × 13 × 11 × 35	,, 8 अध्याय	,,	

1	2	3	3 A	4	5
566	ओसिया वस्ता 20 दुवारा है	स्फुट, लघु व अपूर्ण ग्रंथ व त्रुटक पत्रे	Stray Small & Incomplete works & Loose Folios	भिन्न 2	ग. प.
567	मुनिसुव्रत 7 अ 122	,, ग्रन्थ	Stray, Small works	,,	,,
568	,, वस्ता 78	,, व अपूर्ण ग्रन्थ व त्रुटक पत्रे	Stray, Small & Incomplete works & Loose Folios	,,	,,
569	केनाथ 28/26	,, ,,	,,	,,	,,
570	,, 28/23	,, ,,	,,	,,	,,
571-98	कुथु 2/12, 13/, 14/67-70, 15/27-31, 33/55-43, 34/11-14, 35/34-37	,, ,, 28 प्रतिया	,, 28 copies	,,	,,
599-606	कोलडी 546 563,881-3, 1058, 879,876, वस्ता 71	,, ,, 8 प्रतिया	,, 8 copies	,,	,,

भाग (9) ज्योतिष व निमित्त/विभाग (आ)

1	कोलडी 772	अवयदी शकुनावली	Avayadī Śakunāvalī	सतीदास पडित	गद्य
2	सेवामदिर 7 आ 21	इन्द्रजाल कौतुकादि	Indrajāla Kautakādi	—	प.ग मत्र
3-4	केनाथ 23/76, 21/64	उपदेशमाला शकुनावली 2 प्रतिया	Updeśamāla Śakunāvalī 2 copies	—	ग तालिका
5	महावीर 7 आ 8	कागबोली परीक्षा	Kāga Bolī Parikṣā	—	ग.
6	,, 7 आ 5	काग-शकुन	Kāga Śakuna	—	ग.प.
7-8	,, 7 आ 6,7	काग शकुनादि विचार 2 प्रतिया	Kāga Śakunādi Vicāra 2 copies	—	,,
9	,, 7 आ 19	घरोलीविचार	Gharolī Vicāra	—	ग
10	, 7 आ 18	चोरज्ञानादि-पत्र	Cora Jñānādi Patra	—	ग प.
11	केनाथ 11/107	चौदह स्वप्न विचार	Caudaha Svapna Vicāra	—	प.

6	7	8	8 A	9	10	11
विविध ज्योतिष	स रा.	40	20 से 28 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	17/20वी	सामान्य
,, 1-1 पत्रे के ग्रथ	,,	75	27 × 11 × भिन्न 2	प्रतिपूर्ण	16/19वी	,,
,, ज्योतिष	,,	60	22 से 30 × 10 से 15	पूर्ण अपूर्ण	16/20वी	,,
,,	,,	190	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,
,,	,,	50	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,
,,	,,	150कुल	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,
,,	,,	534कुल	23 से 28 × 13 से 16	,,	,,	,,

शकुन सामुद्रिक व अन्य निमित्त शास्त्र—

शकुन शास्त्र	हिं	14	27 × 13 × 12 × 36	सपूर्ण 64 अनुच्छेद	1873	
मत्र तत्र निमित्त	स	31	21 × 10 × 8 × 22	त्रुटक	18वी	
शकुन नक्शा	प्रा	3,4	26 × 12 व 28 × 13	सपूर्ण 544 कोष्ठक	19वी	
पक्षी शकुन	रा	2	22 × 8 × 9 × 42	,,	19वी	
,,	स रा	5	27 × 12 × 14 × 46	,,	19वी	
,,	,,	2,9	25 × 10 व 27 × 12	,,	19वी/1968	
निमित्त शकुन	रा	3	23 × 11 × 11 × 35	,,	19वी	
,, सकलन	,,	3	25 × 10 × 14 × 42	,,	19वी	
त्रिशला स्वप्न फल	मा	5	26 × 11 × 12 × 40	,, 14 छद	18वी	

1	2	3	3 A	4	5
12-4	कुथु. 20/19, 13/,16/2	चौदह स्वप्न विचार 3 प्रतिया	Caudaha Svapna Vicāra 3 copies	—	ग
15	मुनिसुव्रत 7 ग्रा 16	केवली शकुनावली	Kevalī Śakunāvalī	—	,,
16	कोलडी 901	तुर्की प्रश्नावली	Turkī Praśnāvalī	—	ग कोष्ठक
17	,, 784	दारिद्र विद्रावण (?)	Dāridra Vidrāvanam (?)	वसतराज (?)	प
18	कुथु 37/21	दोप केवली	Doṣa Kevalī	—	प तालिका
19	सेवामदिर 7 ग्र 105	निमित्त प्रकाशनी ग्रन्थ	Nimitta Prakāśanī Granth	—	ग
20	कोलडी 771	पक्षी बोली विचार	Pakṣī Bolī Vicāra	—	,,
21	,, 785	पल्लीविचार	Pallī Vicāra	—	प
22	,, 786	,,	,,	—	प ग
23	,, 779	पल्ली विसमरा विचार	Pāllī Vismarā Vicāra	—	प
24	कुथु 16/5	पवनविजय स्वरोदय	Pavana Vijaya Svarodya	—	,,
25	कोलडी 923	पचाशस्रपन	Pañcāśa Srapana	महारुद्र	प + कोष्ठक
26	के नाय 27/31	पासाकेवली शकुनावली	Pāśākevalī Śakunāvalī	गर्गऋषि	प
27	कुथु 36/1	,,	,,	,,	,,
28	महावीर 7 ग्रा 10	,	,,	,,	,,
29-31	कोलडी 788-9, 1162	,, 3 प्रतिया	,, 3 copies	,,	,,
32-3	ग्रोमिया 7 ग्रा 12, 14	,, -भाषा 2 प्रतिया	,, Bhāṣa 2 copies	(मूल गर्ग ऋषि)	ग
34	के नाय 6/113	,, ,,	,, ,,	(,,)	,,
35	मुनिसुव्रत 7 ग्रा 25	,, ,,	,, ,,	(,,)	,,
36	कोलडी 787	प्रश्न शकुनावली	Praśna Śakunāvalī	—	यत्र
37	,, 778	भूमि-परीक्षा	Bhūmi Parīkṣā	—	पद्य
38	महावीर 7 ग्रा 9	मातृका शकुनावली	Matrkā Sakunāvalī	—	यत्र
39	के नाय 25/39	मेषादि पुत्र शकुन कथाये	Meṣādiputra Śakuna Kathāyen	ब्रह्माजीवाय (?)	पद्य

6	7	8	8 A	9	10	11
त्रिशला स्वप्न फल	स मा.	5,1,7	25 से 27 × 11 से 13	सपूर्ण	1750 से 19वी	
निमित्त शकुन	मा.	4	25 × 11 × 9 × 32	,,	19वी	
,,	हि	2	22 × 12 × 14 × 35	,,	,,	
,,	स.	64	27 × 11 × 13 × 62	,, 20 वर्ग	1676	
,,	मा.	1	21 × 11 × —	अपूर्ण	19वी	
निमित्त विद्या स्वप्न विचार	स	5	28 × 10 × 14 × 46	,,	1872	
शकुन निमित्त	रा	8	29 × 11 × 11 × 16	सपूर्ण 16 पक्षियो के	19वी	
,,	स	2	25 × 11 × 13 × 39	,, 27 श्लोक	,,	
,,	स मा	4	24 × 11 × 9 × 40	,, 44 श्लोक + 20 वाक्य	,,	
,,	स	2	24 × 12 × 18 × 40	,, 46 श्लोक	,,	
स्वरोदय निमित्त	,,	6	27 × 13 × 16 × 50	,, 180 श्लोक	,,	
शकुनावली निमित्त	,,	3	26 × 11 × 11 × 39	,, 50 श्लोक	1899	
निमित्त शकुनावली	,,	7	25 × 10 × 12 × 36	प्रतिपूर्ण चुने हुये श्लोक 444	15वी	एक पत्र जीव स्वरूप
,,	,,	गु.	23 × 20 × 21 × 38	सपूर्ण	1544	—
,,	,,	7	25 × 11 × 13 × 42	,, 186 श्लोक	1676 × कीर्तिसागर	
,,	,,	6,6,5	24 से 26 व 10 से 13	दो सपूर्ण अंतिम त्रुटक	1759 से 20वी	
,,	मा	5,5	25 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण	18वी × वासुदेव	
,,	,,	7	25 × 11 × 14 × 34	,,	19वी	
,,	,,	23	17 × 13 × 12 × 19	,, (पहिला पन्ना कम)	1907	
शकुन के नक्शे	स.	12	26 × 11 × —	,,	19वी	
निमित्त वास्तु शास्त्र	,,	2	26 × 11 × 14 × 48	,, 40 श्लोक	,	
निमित्त शास्त्र	,,	2	26 × 12 × 14 × 41	प्रतिपूर्ण	1877 रेणुवर क्षमारत्न	
निमित्त लग्न प्रश्न	मा	4	26 × 13 × 16 × 26	सपूर्ण	1947	

1	2	3	3 A	4	5
40	मुनिसुव्रत 7 आ 15	रमलशकुनावली	Ramala Śakunāvalī	—	पद्य
41	कोलडी 791	,,	,,	—	ग कोष्ठक
42-3	के नाथ 24/32, 29/75	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	ग.
44-5	कु थु 39/3, 26/5	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	ग तालिका
46	कोलडी गु 9/8	राजावली भड्डली दूहा	Rājāvalī Bhaddlī Dūhā	विभिन्न सकलन	पद्य
47	मेवामदिर 7आ17	शकुन नक्शे	Śakuna Nakśe	—	कोष्ठक
48	,, 3 इ 354	शकुन पशु पक्षी वोली व यत्र	Śakuna Paśu Pakṣī bolī & Yantra	अज्ञात	गद्य
49	,, 7 आ 22	शकुन प्रश्नावली	Śakuna Praśnāvalī	—	ग तालिका
50	महावीर 7 आ 11	शकुन विचार	Śakuna Vīcāra	—	प
51	कुथु 14/2	शकुनावली	Śakunāvalı	—	तालिका
52	,, 46/2	,, चित्रित	,, (ıllustrated)	—	ग
53	के नाथ 19/37	,,	,,	—	ग+64कोष्टक
54	कोलडी 790	,,	,,	—	ग कोष्ठक
55	,, 1264	,,	,,	—	ग यत्र
56-7	,, गु 1/2, 6/3	,, 2 प्रतिया	,, 2 copies	—	पद्य
58	के नाथ गु 10	शकुन मत्र तत्र यत्र	Śakuna Mantra Tantra Yantra	—	ग यत्र
59	कुथु 36/1 (क्रम 50)	सामुद्रिक	Sāmudrıka	—	प.
60	,, 36/1 (क्रम 51)	,,	,,	—	,
61	ओसिया 7 आ 13	,,	,,	—	मू ट (प ग)
62	महावीर 7 आ 2	,, सवालाववोध	,, with Bālāvabodha	—	मू वा (प.ग)
63	,, 7 आ 3	,, लक्षण	,, Lakṣana	—	,,
64-6	के नाथ 19/36, 24/34, 17/69	,, शास्त्र 3 प्रतिया	,, Śāstra 3 copies	—	मू प.
67	कु थु. 23/2	,, ,,	,,	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त तन्त्र	रा.	3	23 × 11 × 14 × 43	सपूर्ण 16 गा.	1811जोधपुर ईश्वरसागर	
निमित्त शकुनावली	उर्दू रा.	3	27 × 10 × 13 × 45	,,	19वी	
,,	,,	7,7	25 × 13 व 21 × 11	,,	1890/1932	
,,	,,	गु. 6	22 × 16 व 26 × 10	प्रथम पूर्ण द्वितीय अपूर्ण	1913/20वी	
निमित्त भविष्य	मा.	गुटका	16 × 12 × 13 × 20	प्रतिपूर्ण	19वी	
निमित्त शकुनावली	सस्कृत	3	33 × 11 × —	,,	18वी	
,,	रा.	1	26 × 11 × —	सपूर्ण 8 जानवरो के 80 शकुन	,,	
,,	मा.	3	25 × 11 × —	सपूर्ण	17वी	
,,	रा.	2	22 × 9 × 11 × 56	,,	19वी	
,,	प्र.	2	25 × 10 × —	,,	,,	
,,	रा.	8	18 × 11 × —	,,	1782	सामान्य 2 चित्र
,,	,,	4	25 × 11 × 15 × 28	,,	19वी	
पारसी निमित्त	उर्दू	2	25 × 10 × 12 × 36	,,	1873-77	
निमित्त शकुन	मा.	41	18 × 14 × —	अपूर्ण 21 कोष्ठक	19वी	
,,	,,	4,6	16 × 10 व 18 × 10	,,	,,	पक्षी आदि पर
,,	,,	33	20 × 12 × —	संपूर्ण	,,	
निमित्त स्त्री-पुरुष शरीर लक्षण	स.	गु	23 × 20 × 21 × 38	,, 53 श्लोक	1544	
,,	,,	गु	23 × 20 × 21 × 38	,, 6 अध्याय + 7 श्लोक	,,	
,,	स मा.	33	25 × 11 × 5 × 80	,,	1728मेदिनी-पुर शिवसुन्दर	
,,	,,	19	25 × 11 × 15 × 36	,, पहिला पन्ना कम	18वी मुजनगर समुद्रगणि	
,,	,,	13	25 × 11 × 15 × 56	अपूर्ण	18वी	
,,	स.	36,10, 18	21 से 26 × 11 से 12	सपूर्ण 187 श्लोक	1851-63/ 19वी	प्रथम मे टब्बार्थ भी राजस्थानी मे
,,	सं.	5	30 × 11 × 12 × 60	किंचित् अपूर्ण 185 श्लो	19वी	

1	2	3	3 A	4	5
68	कोलड़ी गु 1/17	सामुद्रिकशास्त्र	Sāmudrıka Śāstra	—	प
69	कुयु 11/196	,,	,,	—	ग
70	महावीर 7 ग्रा 1	,,	,,	—	,,
71	सेवामदिर 7 ग्र 100 (10)	,,	,,	—	,,
72	के नाय 25/45	स्वप्नाध्याय ग्रादि	Svapnādhyāya Ādı	—	पद्य
73	कुयु 33/1	,, विचार फलसह	,, with Vıcāra Phala	—	,,
74	के नाय 10/48	स्वप्नविचार	Svapna Vıcāra	ब्रह्म रायमल	,,
75	कु यु 36/1 क्रम 45	स्वरोदय	Svarodaya	—	,,
76	कोलडी 796	,, (हमचार)	,, (Hamsacāra)	जीवनाथ	,,
77	कोलडी 11/7	,,	,,	चरणदास	,,
78	कोलडी 782	,,	,,	ग्रखैराम	,,
79	कोलडी 781	,,	,,	महादेवोक्त	प ग
80	मुनिसुव्रत 7 ग्रा 24	,,	,,	(चिदानन्द)	पद्द
81	महावीर 7 ग्रा 20	,, (चिदानदीय)	,, (Cıdānandiya)	मु कपूरचदजी	,,
82	कोलडी 783	,, ,,	,, ,,	,,	,,
83	सेवामदिर 7 ग्र 100 (12)	,, विचार	,, Vıcāra	—	,,
84	महावीर 7 ग्रा 4	हस्तमजीवन	Hasta-sañjīvana	मेघविजयगणि	प
85	कोलडी 780	,,	,,	,,	,,
86	कोलडी 1143	,,	,,	—	,,
87	सेवामदिर 7 ग्रा 23	हेमाद्रिप्रयोग+स्वरोदय	Hemādrı-prayoga+ Svarodaya	—	,,
88	कोलडी वस्ता 71	स्फुट लघु व ग्रपूर्ण ग्रन्थ तथा त्रुटक पन्ने	Stary, Small & Incomplete works & loose folıos	भिन्न-2	ग प
89	के नाय 28/21	,, ,,	,, ,,	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
निमित्त स्त्री पुरुष शरीर लक्षण	मा	84	16 × 11 × 19 × 31	सपूर्ण	19वी	
हस्तरेखा विज्ञानादि	,,	42		,,	,,	
,,	,,	6	25 × 11 × 13 × 35	,	17वी	
,,	स	1	26 × 12 × —	,,	18वी	हस्त चित्रसह
निमित्त स्वप्न विचार	,,	9	26 × 12 × 10 × 35	,,	19वी	
,,	,,	3	26 × 12 × 12 × 36	,, 58 श्लोक	,,	
,,	मा.	3	25 × 12 × 9 × 22	,, 26 गा	,,	
निमित्त शरीर श्वासादि पर	स	गुटका	23 × 20 × 21 × 38	,, 107 श्लोक	1544	
,,	,,	3	25 × 11 × 15 × 40	,, 121 श्लोक	1768	
,,	हिंदी	54	13 × 10 × 7 × 13	,, 227 छद	19वी	अत मे 7 श्लोकी गीता, भागवत, सकट स्तोत्र, 28 विष्णुनाम
,,	रा	5	25 × 12 × 14 × 46	,, 108 छद	,,	
,,	,,	7	27 × 11 × 12 × 34	,,	1913	
,,	,,	16	27 × 13 × 13 × 41	अपूर्ण 424 छद	17वी	
,,	,,	9	29 × 13 × 19 × 57	सपूर्ण 550 छद	19वी	
,,	,,	18	24 × 12 × 13 × 40	,, 443 छद	1932	
,,	,,	1	28 × 13 × 10 × 44	प्रतिपूर्ण	1861 अजमेर छबीलजी	
सामुद्रिक ज्योतिष	स.	51	20 × 11 × 9 × 26	सपूर्ण ग्रथाग्र 782	19वी	
,,	,,	30	25 × 13 × 12 × 40	,, 248 श्लोक	1920	
,,	,,	4	26 × 12 × 16 × 52	अपूर्ण	19वी	
निमित्त	स मा	11	19 × 9 × 7 × 32	,,	,,	
,, व अन्य विज्ञान	,,	19	25 से 30 × 10 से 12	पूर्ण/अपूर्ण	17वी से 20वी	सामान्य
,, ,,	,,	66	,, ,,	,,	,,	,,

1	2	3	3 A	4	5
1	सेवामदिर 7 अ 104	गणित पन्ने	Ganıta Panne	—	ग.
2	कुथु 9/126	गिनती जैन-पद्धति	Gıntī Jaına-padhaıtı	—	अकतालिका
3	ओसिया 7 अ 57	पट्टि पहाडे	Pattı Pahāde	—	,,
4-5	कोलडी 1298, 1004	,, 2 प्रतिया	,, 2 copıes	—	,,
6	ओसिया 7 अ 77	भागानुवध	Bhāgānūbandha	—	ग
7	कोलडी 1201	लीलावती-सटीक	Lilāvatı with Tikā	भास्कराचार्य	मू वृ (प ग) अक
8	महावीर 7 अ 7	,, ,,	,, ,,	,,/लक्ष्मीदास	,,
9	कोलडी 1167	,,	,,	,,	मू.ग
10	ओसिया 7 अ 44	,,	,,	,,	,,
11	,, 7 अ 50	,, की वृत्ति	,, kī Vrttı	लक्ष्मीदास	ग
12	के नाथ 27/16	,, का विवरण	,, kā Vıvarana	परशुराम	,,
13	कुथु 39/1	,, भाषा	,, Bhāṣā	लालचंद	,,
14	,, 29/14	, ,,	,, ,,	,,	,,
15	सेवामदिर गु दे 3	,, ,,	,, ,,	—	,,
16	कुथु 47/8	लेखो की उपरवाडियें (फारमूले)	Lekhon kī Upara Vādıyen (Formula	—	,,
17	कोलडी 1263	, की गुणाणी (,,)	,, Gunânī (,,)	—	,,

भाग (10)

1	के नाथ 26/74	ज्ञान चौपड खेल	Jñāna Copada Khela		नक्शा
2	मुनिसुव्रत 7 अ 116	जीवछाया सारिणि	Jīva Chāyā Sārınī		अकतालिका
3	सेवामदिर 7 उ 1	दशक (दश श्लोकी)	Daśaka (Daśa Ślokī)		प
4	के नाथ 17/35	प्राचीन लिपि यन्त्र	Prācīna Lıpı Yantra		ग प.
5	,, 17/28	,,	,,	प श्री विल्हण	,,
6	,, 17/36	भवदेव-प्रशस्ति	Bhavadeva Praśastı	—	प

6	7	8	8 A	9	10	11
गणित शास्त्र	स.	11	19 × 12 × 11 × 50	त्रुटक	1871	
गणित	—	1	26 × 13 × —	प्रतिपूर्ण	19वी	
गणित पहाडे	—	9	20 × 10 × —	अपूर्ण	20वी	
,,	—	29,13	26 × 16 × —	प्रतिपूर्ण	,,	
गणित	स	4	28 × 13 × 13 × 35	सपूर्ण	18वी	
गणित शास्त्र	,,	14	26 × 11 × 18 × 50	,, 270 काव्य वृ ग्र 800	1648	
,,	,,	219	26 × 11 × 15 × 36	,,	1685	
,,	,,	17	25 × 11 × 15 × 40	अपूर्ण	18वी	
,,	,,	34	32 × 12 × 10 × 38	,,	19वी	
,,	,,	161	26 × 12 × 15 × 44	सपूर्ण	1899	
,,	,,	59	27 × 11 × 13 × 37	,,	19वी	
,,	मा	35	14 × 21 × 17 × 22	,,	,,	1736 की कृति
,,	,,	13	25 × 10 × 10 × 48	अपूर्ण	1740	सपूर्ण 16 अध्याय
,,	,,	63	13 × 10 × 14 × 11	सपूर्ण	19वी	किंचित् पद्य भी
गणित विधि	,,	5	15 × 11 × 9 × 13	प्रतिपूर्ण	,,	
गणित विधि व्यापारिक हिसाब	,	11	19 × 10 × 8 × 18	अपूर्ण	,,	

अवर्गीकृत शेष —

6	7	8	8 A	9	10	11
साप सीढीनुमा खेल	मा	1	27 × 13 × 8 × 24	प्रतिपूर्ण	1865	
	—	30	23 × 16 × —	अपूर्ण	17वी	
सूतक विचार	स.	2	28 × 13 × 10 × 38	सपूर्ण 10 श्लोक	19वी	
बौद्ध प्रशस्तियो का देवनागरी मे रूपान्तर	स पाली	12	30 × 16 × 7 × 20	प्रतिपूर्ण	,,	
,,	,,	12	30 × 16 × 7 × 25	,,	,,	
प्रशस्ति/अंतिम पन्ना लिपि विकास का	स	4	30 × 16 × 15 × 40	सपूर्ण 34 श्लोक	,,	

1	2	3	3 A	4	5
7	के नाथ 17/6	मिताक्षरा व्यवहारे (दायभाग) सटीक	Mitākṣarā-vyavahāre(Dayā Bhāga) with Ṭīkā	—	मू वृ (प ग)
8	,, 17/9	मिताक्षरा व्यवहारे (वाक्दण्ड पारुष्य) सटीक	Mitākṣarā-vyavahāre(Vāk-dandaPārūṣya) with Ṭīkā	—	,,
9	,, 17/8	मिताक्षरा व्यवहारे (सभूय समुत्थान) सटीक	Mitākṣarā-vyavahāre (Sambhūya Samuthāna) with Ṭīkā	—	,,
10	,, 17/7	मिताक्षरा व्यवहारे (स्तेय व स्त्री सग्रह	Mitākṣarā-vyavahāre (Steya & Strī Sangraha)	—	,,
11	कोलडी गु 2/1	रत्नपरीक्षा	Ratna Parīkṣā	—	मू प.
12	सेवामदिर गु दे 16	,,	,,	रत्नवोह	प
13	,, ,, 21	राग-बत्तीसी	Rāga Battīsī	—	,,
14	के नाथ 9/39	राग-माला	Rāgamālā	जोगीश	,,
15	कुथु 10/140	राग-सग्रह	Rāga Sangraha	—	,,
16	के नाथ 6/114	वास्तुशास्त्र	Vāstu Śāstra	क्षेत्रात्मज सूत्र मुन्मडन	ग
17	सेवामदिर 7 ड 2	वास्तुसार	Vāstu Sāra	चन्द्रागज ठक्कुर फेरु	प
18	,, 7-ड-4	विज्ञप्ति-पत्र	Vijñapti Patra	पालीश्री सघ	ग प त्र
19	कुथु 55/1	,,	,,		,,
20	के नाथ 17/11	सगीतरत्नाकर	Sangīta Ratnākara	—	प
21	कोलडी 1130	हठरत्नावली	Hatha Ratnāvalī	शार्ङ्गदेव	,,
22	,, 767	,,	,,	श्रीनिवास योगीश्वर	ग
23	ओसिया 3 इ 351	हियहुलास	Hiyahulāsa	अज्ञात	प
24-5	कोलडी 944, 1164	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रन्थ तथा त्रुटक पत्रे 2 प्रतिया	Stray, Small & Incomplete works & loose folios	भिन्न 2	ग प.
26-8	के नाथ 28/3, 26/102, 17/72	स्फुट लघु व अपूर्ण ग्रन्थ तथा त्रुटक पत्रे 3 प्रतिया	Stary' Small & Incomplete works & loose folios	,,	,,

6	7	8	8 A	9	10	11
सपत्ति अधिनियम	स	31	30 × 16 × 14 × 34	सपूर्ण 152 श्लोक	19वी	
विवाद व दडविधान	,,	8	30 × 16 × 13 × 31	,, 206 से 232	19वी	
दडविधान	,,	10	30 × 16 × 13 × 30	,, 233 से 267	19वी	
,,	,,	11	30 × 16 × 12 × 29	,, 268 से 293 श्लो	19वी	
जवाराहात की परीक्षा	,,	गु	14 × 9 × 9 × 16	,, 118 श्लोक	1666	
,,	मा.	7	20 × 16 × 20 × 24	,, 160 छद	19वी	मूल सस्कृत का अनुवाद है
सगीत-शास्त्र	,,	54	23 × 16 × 18 × 15	,, 31 छद	1793	
,,	,,	14	26 × 11 × 15 × 50	,, 384 पद्य	1766	भरतवाद ग्रन्थे
,,	स	1	25 × 12 × 16 × 42	प्रतिपूर्ण 24 श्लोक	19वी	
प्रतिमा विज्ञान	,,	5	26 × 12 × 17 × 57	अपूर्ण चौथा अध्याय	19वी	
मदिर-निर्माण विधान	प्रा	3	25 × 10 × 17 × 64	अपूर्ण प्रथम अधूरे से अध्याय तृतीय अत	14वी	1372 की कृति
चातुर्मास विनती कागज	मा	1	चौडाई 25 से मी	सपूर्ण स्क्रोल	1839	सचित्र है
,,	,,	1	100 × 30	,,	1883	1 साधारण चित्र है
सगीतशास्त्र (दोष गुणादि)	स	28	26 × 11 × 9 × 45	अपूर्ण (अध्याय 3 व 4 मात्र)	18वी	
हठयोग	,,	7	25 × 12 × 9 × 24	,, 63 श्लोक	19वी	
,,	,,	20	25 × 13 × 11 × 30	सपूर्ण 4 उपदेश	,,	
सगीत-शास्त्र	मा.	9	28 × 13 × 26 × 72	,, 70 दोहे	18वी	रागो का वर्णन
विविध	प्रा स मा	73	25 से 27 × 10 से 12	पूर्ण/अपूर्ण	19वी	अति सामान्य
,,	,,	1401	,, ,,	,,	18/20वी	,,

परिशिष्ट

लेखकों की अकारादिक्रम से सूची--

28	29	30

34	
	पृष्ठ

35	
	पृष्ठ

36	
	पृष्ठ



— शुद्धि पत्रक —

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
2	प्राक्कथन	पक्ति 18	किवे	किये
3	,,	,, 23	त्रटक	त्रूटक
4	31	2	27/4	274
,,	33	,,	132	129
6	40	,,	13/13	1 अ 13
,,	41	,,	66/13	166/13
,,	42	,,	महा/अ 5	महा० 1 अ 5
7	51	10	(अत मे जोडे)	श्याम कायस्थ
,,	58	10	,, ,,	अणहिलपुर नागरदास
8	68	4	अमय	अभयदेव
9	61	8	205	255
,,	62	,,	904	404
,,	75	9	जवाली	जमाली
13	105	6	वि	विश्लेषण
14	121	2	1 अ 2	1 अ 22
15	120	9	12	10
,,	135	10	11ली,	पाली
16	156	2	10/5	1015
17	159	4	-(अत मे जोडे)	/अभयदेव
20	186	2	9/94	944
21	6	11	"प्रथम 3 पत्रे कम" (यह टिप्पणी नीचे अनु 7 के लिये है)	
23	14	11	सुर्यदिव	सूर्याभदेव
25	30	9	,,	,,
25	46	6	विभ	विभक्तिया
30	14,17,27	5	अन्तर्वाच्य	अन्तर्वाच्य सह
से	55,66,71			
40	103-4			

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
33	31	11	—	पाचवी समाचारी तक है
,	32	,,	कठिन पद भजि	कठिन पद-भञ्जिका
,,	35	10	नेयमूर्ति	नेममूर्ति
37	61	8A	17	11
,	71	11	सूत्र	सूरि
,,	72	11	अस्थ व्यस्थ	अस्त व्यस्त
38	78	2	52/54	52/4
39	80	9	जन्मह्नोत्सव	जन्म महोत्सव
40	112	3	विपोबधिनाम्नी	विषौषधिनाम्नी
,,	122	2	2/26	2/216
43	123	9	सपूरण ····कथा	सपूर्ण ··कथा सह
45	154	11	जिनचन्द्रका	जिनभद्र का
47	13	6	साहित्ण	साहित्य
49	40	9	7470	7970
,,	41	10	1846	1896
51	50	10	नाग	नागौर
53	69	9	सपूर्णं सञ्भाय	सपूर्णं 12 सञ्भाय,
54	98	11	पाई	पाईय
56	100	1	100	110
57	119	11	1137	1657
58	129	2	1324	1342
59	.	9	सपूर्णं	अपूर्णं
,,	4	10	1664	1646
60	23-4	2	आ 24	3 अ 24
61	17	8	7	71
63	60	8	107	100
64	88	2	1 अ 17	3 अ 17
,,	96	3	लघुवृति	लघुव्रती

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
65	96	8	क्रम गुटका 6	गुटका-क्रम-6
,,	,,	8A	—	23 × 20 × 21 × 38
67	109	5	पोष	पौषध
,,	128	11	लगभग	लगभग है)
69	143	9	वदित्	वदितु
72	195	3	क्षामण	क्षमापणा
73	196	9	क्षामणा	क्षमापणा
74	233	2	3/281	2/281
75	240	9	के	की
77	261	9	वृतिये	वृत्ति के
79	11	,,	के	की
,,	31	,,	ग्रथाय	ग्रथाग्र
8·	46 से 54	3	पिंड विशुद्धि	पिंड विशुद्धि
81	46	10	1775	1475
82	7,11	3	अध्यात्मक	अध्यात्म
83	4	11	14	24
,,	6	,,	पुद्गल	पुद्गल
,,	7	9	(...422)	ग्र 422
,,	18	8A	57	17
,,	21	11	निर्युक्तिकार	निर्युक्ति की
86	77	3	देवता	देशना
87	60	8A	—	23 × 20 × 21 × 38
88	80	2	10/95	19/95
90	111	4	ब्रह	ब्रह्म
,,	117	,,	गु कित	गु फित
93	155	9	(12 प्रक्षिप्त)	(ये शब्द हटा दें)
,,	157	10	दीपाविजय	दीपविजय
94	168	6	उठायणा	उठामणा

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
95	182	11	—	उठामणा
96	190	3	सूक्ष्म विचार सार	सूक्ष्मार्थ सार्द्ध शतक
,,	191	,,	विचारसार	आगमिक वस्तु
			आगमिक वस्तु	विचारसार
97	190	11	+	+ देखे पन्ना 168/ प्र० 1168
102	283	3	केशी दिपताशि का	केशी द्विपचाशिका
104	290	,,	गणधरावद	गणधरवाद
,,	294	4	जिन बल्लभ	जिन लाभ
106	308	3	गुणस्वान	गुणस्थान
,,	,,	4	समुन्द्रगणि	समुद्रगणि
,,	330	,,	शिव्य	शिष्य
107	310	6	गुणस्थाय	गुणस्थान
110	358	2	ओसिया	ओसिया 3 इ 191
112	388	2	19/99	19/97
,,	410 से 17	1	10,11-13,14, 15,16,17	11,12-14,15, 16.17,18
113	388	7	स मा	प्रा मा.
,,	409-11	10	19/2वी	19/20वी
114	440	2	2/336	2/331
119	490	8A	16	26
,,	,,	9	65	650
120	524	2	344	345
122	553	1	253	553
124	5 3	1	5 3	573,
127	604	8A	19	39
128	633	2	5/133	15/133
131	663	6	(,,)	दार्शनिक व आचार
132	670	4	इन्द्रदेव	इन्दुदेव

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
132	676	1	576	676
,,	,,	4	जिनेश्व सूरि	जिनेश्वर सूरि
,,	680	,,	हरिभद्र? स्वोपज्ञ	अज्ञात (हरिभद्र ?)
,,	681	,,	(,, ?)	,,/हरिभद्र
133	674	9	67 ढाले	6 ढाले
,,	680	,,	पा सूत्र	पाच सूत्र
134	703	3	वृत्ति	लघुवृत्ति
135	701	10	1993	1593
137	728	11	13 से 47	13 से 478
138	740	2	11/35	11/45
139	749	11	स्थाये	रचनाये
141	781-2	8 A	26+13×17/ 51×43	26×13×17/ 15×43
142	808-9	2	141	14/1
,,	819-20	2	521	5/21
146	858	2	10/56	10/96
152	947	2	14/42	14/12
154	976	2	33/7	23/7
158	1018-20	4	भडारी अनेमीचद	भडारीअ नेमीचद
161	1046	6	दज्ञानादि	ज्ञानादि
168	1167	2	101	141
,,	1179	4	सग्रगृही	सग्रहीत
169	1168	6	कठिन निराकरण	कर्म सिद्धान्त
177	17	11	—	नामादि का पता नही पडा
178	27	2	,, 2/18	महावीर 6 आ 4
,,	28	2	,, 14/39	के नाथ 14/39
,,	34	4	मद्मगेरु	पद्ममेरु
182	43	3	दीप	टीप
193	221-2	6	शस्त्र	शास्त्र
199	325	10	1762	1716
201	355	9	154 गा	145 गा
203	375	6	शमन विधि	शयन विधि
204	394	3	विधिप्रभा	विधिप्रपा
206	435	2	11/39	11/31
207	,,	11	द	दो
208	468	2	9/18	9/118
,	472	,,	16	163
209	457	10	1833	1883
217	81-6	9	भिन्न	भिन्न भिन्न 63/93
218	136	2	345	354
219	123	11	1।रभ	प्रारभ
220	154	7	प्र	प्रा
229	277	11	—	देखे पृष्ठ 259
230	294	2	336	536
,,	303	,,	6/12	6/112
232	323	2	3 इ 223	3 इ 323
233	324-5	8A	17×47	26×11
234	350	2	24/'0	54/10
235	351	11	जयति	जयतिहुअण
237	384	11	—	कवि जैन धर्मी है।
238	404	3	स्वव	स्तव
241	423	11	मणिभद्रचद	मणिभद्र छद
,,	437-8	9	94	45
243	449	11	प्रशक्ति	प्रशस्ति
244	464	2	महारीर	महावीर
245	479	11	दो	दोनो
,,	482	9	डाले	ढाले
,,	489	10	लाभद	लाभचद

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
246	493	3	शखेश्वव	शखेश्वर
,,	515	2	16/187	15/187
247	503	11	एकादश का	एकादशी की
,	507	8A	13	23
,,	,,	9	गागा	गाथा
,,	515	11	—	अत मे सचित्ताचित्त सज्झाय
248	529	,,	असल	असल (प्रथमादर्श)
250	550	2	348	248
,,	563	9	21 से 24	21 से 44
252	582	2	235	233
254	610	4	पार्श्वदेव	,,/पार्श्वदेव
,,	623	2	(,,)	,, 3 आ 48
,,	624	,,	15/33	15/233
255	623	10	1662	1962
258	682	11	—	देखे पृष्ठ 228
260	697	3	वृहत् नवकार नमस्कार	वृहत् नवकार
262	738	4	हेमचल्द्राचार्य	हेमचन्द्राचार्य
,,	743	,,	वीरभद्र/हेमचन्द्र	(वीरभद्र ?) हेमचन्द्र
263	736	11	मूलहेमचन्द्राचार्य का है	(ये शब्द हटा दें)
265	768	10	18वी	18वी
267	786-91	11		देखे पृष्ठ 262, 396, 376
269	813	,,	भक्तिभर	भत्तिभर
,,	815	8A	26	16
,,	827	9	35	53
,,	835	11	—	देखें पृष्ठ 256/ प्र 656-9

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
270	847	2	15/82	15/182
,,	853	,,	323	223
272	885	,,	783	873
,,	886	,,	26/10	26/103
,,	888-947	,,	14-42, 86,	14/42-,96,
274	948-72	,,	70 कार्ड मे	70 (बीगत कार्ड मे)
,,	973-1166	,	(,,)	(बीगत कार्ड मे)
276	16	2	11/88	21/88
,,	21	3	दीपिका	दीपिकासह
277	16	6	कठिन ..समाधान	साधुजीवनियां
,,	,,	11	(अत मे जोडे)	4 अ विभाग का ग्रथ है ।
279	6	26	पूत्तिपूजा	मूर्तिपूजा
,,	34-5	9	120	102
282	48-9	8A	22	,12
,,	91	4	स्वोपज्ञ	धर्मसागर (स्वोपज्ञ)
284	117-8	,,	सेनसूरि	विजयसेनसूरि
285	5	9	487 ढाल	48 ढाल
,,	8	8A	12	15
286	34-5	3	(,,) (अत मे लिखे)	2 प्रति
288	39	2	5/58	5/88
,,	45	2	43/3	34/3
289	54	6	जय	जप
,,	56	9	(,,) (,,)	सपूर्ण 16 दृष्टांत कथानक
290	67	3	आमत्यकी क्रीडा	आमलकी क्रीडा
,,	72-4	,,	प्रयिया	प्रतिया
292	102-3	2	6/6	6,62
293	94	10	हहीसिंह	हट्ठिसिंह

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
294	124	2	264	246
,,	128-30	2	15/50	14/50
296	156	2	120	102
,,	164	,,	29/65	19/65
297	153	8A	16	26
298	181 व 182 के बीच मे	3	—	गणधर सार्द्ध शतक देखे पृष्ठ 276
299	183	10	1171	1711
302	234	2	3 श्र 27	4 श्र 27
,,	241	,,	24/5	42/5
303	247	9	25	52
304	274	2	24/53	24/43
,,	283	,,	109	106
305	260	9	ग्र 300	ग्र. पूरे के 3000
,,	261	,,	(,,) (,,)	स 21 उद्देशक
,,	263	7	मा	प्रा
,,	264	,,	(,,)	मा
306	293	2	43/3	41/3
,,	297	,,	2 /4	23/4
309	331	6	कथानस	कथानक
319	463	8	8	28
320	487	5	(,,)	प
,,	488	,,	(,,)	ग
,,	490	3	वाल	ढाल
,,	496	3	भोच चरित्र	भोज चरित्र
325	534-5	10	18/18 वी	18/19 वी
327	569	10	19 वी दीप विजय	19 वी जैनापुर दीपविजय
,,	573	,,	1945	1845
328	591	2	30	95
329	590	9	3413	3313
329	598	8A	14	24
,,	602	,,	36	26
330	620	2	165	156
331	621	8	80	7
332	653	3	निमलवसही	विमलवसही
333	632	6	जीवनी	जीवनी, विक्रमादित्य पुत्र
,,	641	7	(,,)	स,
,,	642	6	(,,)	,, विक्रमादित्य पुत्र
,,	,,	7	स	मा.
,,	644	,,	(,,)	प्रा
,,	647	,,	(,,)	मा
,,	650	,,	(,,)	स
334	670	3	सनदेवी	शासनदेवी
,,	682	5	(,,)	प
337	698	11	1853	1835
338	747	3	सत्नकुमार	सनत्कुमार
339	719-21	8	34	14
,,	739	8A	48	42
342	786	2	29/91	61/91
343	785	8A	2	23 × 20 × 21 × 38
344	816	2	10/	10/3
346	9	2	18/56	18/65
350	50	2	1/140	2/140
351	65	11	सिरिवीर जिणदिय	सिरिवीर जिणवदिय
,,	75	,,	123 पमा	123 उपमा

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
352	81	2	2 अ 263	2/363
356	149	2	4 आ 13	4 आ 16
,,	151	3	परिविउपाय	परिघिउपाय
,,	157	,,	बीसविरहमान	बीसविहरमान
361	229	7	मा	प्रा
362	8	11	अरिष्टनेमि को वचन	अरिष्टनेमी को नमन
364	14	2	सेवा मदर 4अ16	सेवा मदिर 5अ16
,,	24	,,	23/21	22/21
365	29	6	भक्ति गीत	साहित्यिक काव्य
,,	,,	11	—	भाग 7 (अ) का ग्रथ है
366	54	2	4 अ 10	5 अ 10
367	40	10	1882	1822
368	69	2	गु 9	गु 3
369	84	8A	35	25
374	155	2	के नाथ (?)	के नाथ गु 9
378	199	,,	गु 26	गु 26/8
384	30	1	80	30
,,	50,52,53	3	ь	त्र
385	160	6	आम्नाय	जैन आम्नाय
388	87	4	जिरा प्रभसूरि	जिन प्रभसूरि
390	122	5	ग. म त्र	ग म यत्र
391	121	9	3 य	3 यत्र
392	154-5	3	स्तोत्र	स्तोत्र 2 प्रति
400	6	4	अमरुक	अमरु
401	5	10	बखत सागरण	बखतसागरेण
402	20	3	ऐतिहासक	ऐतिहासिक

पृष्ठ	अनुक्रमाक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
,,	42	2	6 इ 9	6 इ 4
403	51	11	सर्ग श्लोक	सर्ग 50वे श्लोक
404	75 व 76 के बीच	3	—	गीत गोविन्द देखे पृष्ठ 364
405	67	9	?	प्रतिपूर्ण
406	83	2	54/1	45/1
,,	104	2	32	323
,,	108	,,	54/4	45/4
408	113	2	गु दे	गु दे 5
,,	124	,,	5 आ	5 आ 5
409	111	8A	19	10
410	142	4	छीहल	छीहल (विञ्हल)
411	153	6	विगहिणी गीत	विरहिणी गीत
,,	157	,,	हेतु	काल
412	173	2	6 इ 2 ए	9 इ 29
414	203	,,	1043	1083
415	208	6	ऐति	ऐतिहासिक
416	224	5	(,,)	[उपर से मू टी.(प ग)" शब्द यहाँ लाकर पढें]
417	238	6	मनावज्ञान	मनोविज्ञान
418	242	4	विठमेह	विठुमेह
,,	256	,,	राठौड महशदास	राठौड महेशदास ? (खडियाजगा)
419	257	6	पौराणिक	पौराणिक काल से
,,	261	,,	नैनिक	नैतिक
420	265	2	गु 10	गु. 10/6
,,	277	4	सोमप्रमाचार्य	सोमप्रभाचार्य (स्वोपज्ञ)
422	291	3	वैरुग्य	वैराग्य

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
423	292	9	48 गा	448 गा
424	319	3	समुदाय	सानुवाद
,,	330-7	2	गु 11/11	गु 11/12
,,	347	3	हितपदेश	हितोपदेश
,,	348	3	हीर राजा	हीररजा
425	338	10	(,,)	19 वी
426	25	4	अनिटकारिका	(अनिटकारिका व)
428	34	2	6 अ 8	6 अ 89
429	33	6	(,,)	व्याकरण
,,	48	11	कञ्चित् अर्थ स	किञ्चित् अर्थ सह
430	66	4	रत्नसूरि ..धर्मसज्ञ	उदयधर्म (रत्नसूरि शिष्य)
,,	71	3	उपसर्गादि	उपसर्ग कारकादि
434	151	3	सटीक	धातु पाठ सटीक
438	199	,,	सदीक	सटीक
444	466-7	1	466-7	266-7
448	64	4	महाक्षरण कवि	महाक्षपरण कवि
449	65	10	1664	1643
451	14	6	अलकार शास्त्र	छदशास्त्र
453	25	9	सपूर्ण	स 4 आश्वास
,,	37	10	1866	1886
,	38	11	1मकप्रधान	यमकप्रधान
455	3-4	10	19 वी	1834 व 19 वी
456	0	2	(,,) 27/47	के. नाथ 27/47
,,	4	4	शाली होत्र ऋृन कुल	शाल होत्र ऋषि कृतन कुल
457	12	9	411	$4\frac{1}{2}$
459	64	,,	तव	तक

पृष्ठ	अनुक्रमांक	स्तभ	अशुद्ध	शुद्ध
462	117	4	शार्ङ्गधर	शार्ङ्गधर
468 से 514 तक	शीर्षक		भाग/विभाग	विभाग
468	47	4	दूवज्ञ	दैवज्ञ
474	117	,,	केभव पद्धत्ति मार्गण	केशव पद्धत्ति मार्गण
476	148	2	1 6/4	कोलडी 6/4
479	158	6	निकालके का	निकालने का
481	192	10	व तसुन्दर	बखत सुन्दर
484	231	2	नवामन्दिर	सेवामन्दिर
,,	233	4	नारचन्द्रसूरि	नरचन्द्रसूरि
486	265	,	नारचन्द्र	नरचन्द्रसूरि
,,	278	,,	काशीनाश	काशीनाथ
488	301	3	मुक्तमोग्यदथा विधि	मुक्तमोग्यदशा विधि
489	293	8A	—	23 × 20 × 21 × 38
494	331	3	वधु प्रवेध	वधु प्रवेश
,,	380	,,	वर्ष भविष्य	वर्ष भविष्य
498	412	4	(,,)	वराह मिहिर
504	शीर्षक		ज्यातिप	ज्योतिप
506	553	4	उपाध्यय	उपाध्याय
510	37	3	भूमि शिक्षा	भूमि परीक्षा
511	26	11	पन्न	पन्ना
519	14	11	भरतवाद	भरतनाट्य

---

380 वे पन्ने के अन्त मे जोड़कर पढावे — भाग : 5 जैनेतर धार्मिक-न्यायदर्शन

क्रमाक 1	स्रोतपरिचयाङ्क 2	ग्रन्थ का नाम 3	नाम रोमन लिपि मे 3A	ग्रन्थकार का नाम व परिचय 4	स्वरूप 5
252	कोलडी 1009	न्याय सूत्र सहवृति	Nyāya Sutra with Vṛtti	गौतम ऋषि/?	मू+वृ (ग
253–4	महा 6ग्रा 14,7	न्याय दीपिका 2 प्रति	Nyāya Dīpikā 2	अभिनव धर्म भूषण	ग
255	केनाथ 29/65	न्याय बोधिनी (तर्क सग्रह)	Nyāya Bodhini	—	,,
256	,, 29/74	न्याय सिद्धान्त दीप	,, Sidhānta Dīpa	शशधर शर्मा	,,
257	,, 29/77	,, ,, मजरी	,, ,, Mañjarī	जानकीनाथ शर्मा	,,
258	महावीर 6ग्रा20	भाषा परिच्छेद	Bhāṣā Pariccheda	विश्वनाथ पचानन भट्ट	मू प
259	कोलड़ी 975	,,	,, ,,	,,	,,
260	,, 1259	भाषा परिच्छेद की टीका	,, ,, kī Tīkā	,, स्वोपज्ञ	ग
261–2	केनाथ 2/9,2/25	,, ,, 2 प्रति	,, ,, ,, ,,	,, ,,	,,
263	कोलडी 838	मुक्तावली	Muktāvalī	दिनकर	,,
264	,, 1117	मुक्तावली प्रकाश	,, Prakāś'a	महादेव	,,

381वे पन्ने के अन्त मे जोड़कर पढावे — भाग 5 जैनेतर धार्मिक- न्याय दर्शन

विषय सकेत 6	भाषा 7	पन्ने 8	नाप पक्त्याक्षर ल×चौ×प×ग्र 8A	परिमाण 9	प्रतिलेखन सवतादि 10	विशेष ज्ञातव्य 11
षट् दर्शन मे एक	स	4	26×11×25×57	सपूर्ण 5 अध्याय	18वी	
न्याय ग्रथ	,,	12,45	26×12 व 28×13	,,	19/20वी	
गौतम सूत्र टीका	,,	16	30×14×11×35	शब्द खड पूरा	1879	
न्याय सूत्र दार्शनिक	,,	3	26×11×13×50	अपूर्ण	19वी	
न्याय ग्रन्थ	,,	4	24×13×13×44	,,	19वी	
न्याय खडन मडन	,,	7	25×11×14×33	सपूर्ण 166 श्लो०	1801	
,,	,,	6	33×14×13×45	,, 167 ,,	19वी	
,,	,,	36	26×12×13×44	सपूर्ण	1796 उदयपुर	सिद्धान्तमुक्तावली नाम्नी
,,	,,	46,61	25×12 व 23×10	,,	19वी	,,
न्याय ग्रन्थ	,,	78	26×11×12×45	,, ग्र. 2300	1868 जोधपुर मानकचद	
,,	,,	68	26×11×12×38	ग्र. प्रत्यक्षखड ग्र 2000	19वी	बीच के त्रुटक पन्ने

(कृपया पृष्ठ 378-79 की प्रविष्टिया क्रमाक 211 से 216 उपरोक्त प्रविष्टि 264 के बाद पढावें)